1. इनमें से किस बोली का बिहारी हिंदी से सम्बन्ध नहीं है?

(1) अवधी (2) मगही
(3) भोजपुरी (4) मैथिली

उत्तर- (1) व्याख्या हिन्दी में पाँच उपभाषाएँ और अठारह बोलियाँ हैं। ये पाँचों उपभाषाएँ, अपभ्रंश से निःसृत हैं तथा बोलियाँ इन उपभाषाओं से-

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
1. शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी (बाँगरू), बुन्देली, कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राज. (मारवाड़ी), पूर्वी राज. (जयपुरी), उत्तरी राज. (मेवाती), दक्षिणी राज. (मालवी)
	खस या पहाड़ी	कुमायूँनी, गढ़वाली, नेपाली
2. अर्ध मागधी	पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
3. मागधी	बिहारी	भोजपुरी, मगही, मैथिली

2. ''हिंदी साहित्य का अतीत'' के लेखक हैं:

(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) विश्वनाथ त्रिपाठी
(3) श्यामसुन्दर दास (4) गणपतिचन्द्र गुप्त

उत्तर- (1) व्याख्या

प्रमुख इतिहास ग्रन्थ	लेखक
•हिन्दी साहित्य का अतीत, •वाङ्मय विमर्श	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी
हिन्दी भाषा और साहित्य	श्यामसुन्दर दास
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपति चन्द्र गुप्त

3. 'दोहा' (दूहा) मूलतः किस भाषा का छंद है?

(1) प्राकृत (2) अपभ्रंश
(3) हिंदी (4) संस्कृत

उत्तर- (2) व्याख्या *दोहा या दूहा मूलतः अपभ्रंश भाषा का छंद है। आ. रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में कहा है- ''पहले जैसे 'गाथा' या 'गाहा' कहने से प्राकृत का बोध होता था वैसे ही पीछे 'दोहा' या 'दूहा' कहने से अपभ्रंश या लोकप्रिय काव्य भाषा का बोध होने लगा।''*

4. संदेसडउ सवित्थरउ हउँ कहणहँ असमत्थ।
भण पिय इक्कति बलियडइ बेवि समाणा हत्थ।।
उपर्युक्त दोहा किसका है?

(1) नरपति नाल्ह (2) हेमचंद्र
(3) अब्दुर्रहमान (4) शार्ङ्गधर

उत्तर- (3) व्याख्या *प्रश्न पंक्तियाँ अब्दुर्रहमान की हैं। अब्दुर्रहमान को अद्दहमाण भी कहा जाता है। ये मुल्तान निवासी थे। 'संदेश रासक' इनका प्रसिद्ध ग्रंथ है। यह ग्रंथ एक दूत काव्य तथा विरह काव्य है।*

पंक्तियाँ	रचनाकार
संदेसडउ सवित्थरउ... समाणा हत्य ।।	अब्दुर्रहमान
अस्त्रीय जनम काइ दीधउ महेस। अवर जनम थारइ घणा रे नरेश''	नरपतिनाल्ह
जइ केवइं पावीसु पिउ, अकिआ कुड्डु करीसु। पाणिउ नवइ सरावि जिवँ सब्वंगे पइसीसु।।	हेमचन्द्र
ढोला मारिय ढिल्लि महं मुच्छिउ मेच्छ सरीर। षुर जज्जल्ला मंतिवर चलिअ बीर हम्मीर।।	शार्ङ्गधर

5. जो नर दुख में दुख नहिं मानै।
सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै।
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं:

(1) सूरदास (2) गुरुनानक
(3) कबीरदास (4) रैदास

उत्तर- (2) व्याख्या *दी गयी पंक्तियाँ गुरु नानक की हैं। नानक ने 'सिख सम्प्रदाय' की स्थापना की। जपुजी, आसादीवार, नसीहत नामा इत्यादि इनके ग्रंन्थ हैं।*

पंक्तियाँ	रचनाकार
जो नर दुख...कंचन माटी जानै।	गुरुनानक
गुरु परसाद होत यह दरसन सरसठ बरस प्रवीन।	सूरदास
नारि नसावै तीनि सुख जा नर पासैं होय। भगति मुकति निज ज्ञान में पैसि न सकई कोई।।	कबीर दास
थावर जंगम कीट पतंगा पूरि रहयोहरिराई।	रैदास

6. निम्नलिखित में से कौन 'अष्टछाप' का कवि नहीं है?

(1) कुम्भनदास (2) कृष्णदास
(3) छीतस्वामी (4) ध्रुवदास

उत्तर- (4) व्याख्या *'अष्टछाप' की स्थापना 1565 ई0 मे वल्लभाचार्य के पुत्र विट्ठलनाथ ने की थी। यह कृष्ण भक्ति शाखा के आठ कवियों का एक समूह है। इसमें चार शिष्य वल्लभाचार्य के तथा चार शिष्य विट्ठलनाथ के हैं-*

वल्लभाचार्य के शिष्य- सूरदास, कृष्णदास परमानन्द दास तथा कुंभनदास हैं।

विट्ठलनाथ के शिष्यों में- नन्ददास, चतुर्भुजदास, छीत स्वामी और गोविन्द स्वामी हैं।

अतः ध्रुवदास 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं।

7. तुम नीके दुहि जानत गैया।
चलिए कुंवर रसिक मनमोहन लागौं तिहारे पैयाँ।
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैंः

(1) सूरदास (2) कुम्भनदास
(3) नंददास (4) परमानंददास

उत्तर- (2)/व्याख्या

काव्य पंक्तियाँ	रचनाकार
तुम नीके दुहि....तिहारे पैयाँ।	कुम्भनदास
औचक ही देखी राधा, नैन बिसाल भाल दिए रोरी। नील बसन फरिया कटि पहिरे, बेनी पीठि रुलति झकझोरी।।	सूरदास
जौं उनिके गुन होय, वेद क्यों नेति बखाने। निरगुन सगुन आतमा रुचि ऊपर सुख सानै।।	नन्ददास
राधे जू हारावलि टूटी। उरज कमलदल माल मरगजी, बाम कपोल अलक लट छूटी	परमानन्ददास

8. निम्नलिखित में से कौन 'हनुमच्चरित्र' का रचयिता है?

(1) नाभादास (2) तुलसीदास
(3) अग्रदास (4) रायमल्ल पांडे

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचना	रचयिता
हनुमच्चरित्र	रायमल पांडेय
हनुमान बाहुक	तुलसीदास
भक्तमाल	नाभादास
ध्यान मंजरी	अग्रदास

9. 'ललित ललाम' किसका ग्रंथ है?

(1) जसवंत सिंह (2) भूषण
(3) पद्माकर (4) मतिराम

उत्तर- (4)/व्याख्या

ग्रंथ	रचनाकार
रसराज, ललित ललाम, साहित्य सार, वृत्त कौमुदी, अलंकार पंचाशिका	मतिराम
भाषा भूषण, प्रबोध चन्द्रोदय, अपरोक्ष सिद्धान्त	जसवंत सिंह
शिवराज भूषण, शिवा बावनी, छत्रसाल दशक	भूषण
पद्माभरण, राम रसायन, गंगालहरी, प्रबोध पचासा	पद्माकर

10. डेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच
लोगन कबित्त कीबो खेल करि जानो है।
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(1) आलम (2) बोधा
(3) ठाकुर (4) द्विजदेव

उत्तर- (3)/व्याख्या

काव्य पंक्तियाँ	काव्यकार
डेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच लोगन कबित्त कीबो खेल करि जानो है।	ठाकुर
दिल से दिलासा दीजै, हाल के न ख्याल हूजै। बेखुद फकीर, वह आशिक दिवाना है।	आलम
अति खीन मृनाल के तारहु में नहि ऊपर पाँव दै आवनो है।	बोधा
घहरि घहरि घन सघन चहूँधा घेरी, छहरि छहरि विष बूँद बरसावै ना।।	द्विजदेव

11. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखक भारतेंदु-मण्डल का नहीं है?

(1) प्रताप नारायण मिश्र
(2) बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन
(3) बालकृष्ण भट्ट
(4) राजा लक्ष्मण सिंह

उत्तर- (4)/व्याख्या *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रतापनाराण मिश्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', बालकृष्ण भट्ट, ठाकुर जगमोहन सिंह, अम्बिका दत्त व्यास, राधा कृष्ण दास इत्यादि भारतेन्दु मण्डल के प्रतिनिधि कवि हैं।*

राजा लक्ष्मण सिंह, राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द आदि भारतेन्दु युग से पूर्व ही सक्रिय थे तथा गद्य साहित्य के विकास में अपना योगदान दे रहे थे।

12. 'रसकलस' किसकी रचना है?

(1) श्रीधर पाठक
(2) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(3) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
(4) मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर- (2)/व्याख्या *'रसकलस' अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है। यह ब्रजभाषा में रचित है। यह एक रीतिग्रंथ है। इसमें रस-स्वरूप और रस-प्रकारों का सूक्ष्म विवेचन किया गया है।*

रचना	रचनाकार
प्रिय प्रवास, पद्यप्रसून, बोलचाल, वैदेही-वनवास	अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
वनाष्टक, कश्मीर-सुषमा, देहरादून भारतगीत	श्रीधर पाठक
कृषक क्रंदन, प्रेम-पचीसी, राष्ट्रीय वीणा, त्रिशूल तरंग	गया प्रसाद शुक्ल सनेही
रंग में भंग, भारत-भारती, पंचवटी, विष्णुप्रिया, झंकार, जयभारत, द्वापर	मैथिलीशरण गुप्त

13. निम्नलिखित पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
''क्या कहा मैं अपना खंडन करता हूँ?
ठीक है तो, मैं अपना खंडन करता हूँः
मैं विराट् हूँ- मैं समूहों को समोये हूँ।''

(1) जयशंकर प्रसाद (2) सुमित्रानंदन पंत
(3) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (4) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर- (3)/व्याख्या

काव्य पंक्तियाँ	रचनाकार
क्या कहा मैं....मैं समूहों को समोये हूँ।	सूर्य कान्त त्रिपाठी निराला
तुम भूल गए पुरुषत्व मोह में कुछ सत्ता है नारी की। समरसता है संबंध बनी अधिकार और अधिकारी की।।	जयशंकर प्रसाद
बांसों का झुरमुट, संध्या का झुटपुट ये नाप रहे निज घर का मग	सुमित्रानंदन पंत
ऊँच नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है।दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।	रामधारी सिंह दिनकर

14. **''आज मैं अकेला हूँ, अकेले रहा नहीं जाता जीवन मिला है यह, रतन मिला है यह'' उपर्युक्त काव्य- पंक्तियाँ किस कवि की हैं?**

(1) त्रिलोचन (2) केदारनाथ
(3) नागार्जुन (4) रघुवीर सहाय

उत्तर- (1)/व्याख्या

काव्य पंक्ति	कवि
आज मैं अकेला हूँ...रतन मिला है यह।	त्रिलोचन
हे मेरी तुम।, आओ बैठें पास-पास हम हास और परिहास करें।	केदारनाथ अग्रवाल
व्यक्ति-व्यक्ति के मंदिर में विद्यमान हो निविड़ तिमिर में देव तुम्हीं जाज्वल्यमान हो।	नागार्जुन
कुछ होगा कुछ होगा अगर मैं बोलूँगा। न टूटे न टूटे तिलस्म सत्ता का।।	रघुवीर सहाय

15. **निम्नलिखित में से किस उपन्यास को स्त्री लेखन का प्रस्थान बिंदु माना जाता है?**

(1) मित्रो मरजानी (2) कठगुलाब
(3) आवाँ (4) चाक

उत्तर- (1)/व्याख्या

उपन्यास	वर्ष	स्त्री लेखक
मित्रो मरजानी	1967	कृष्णा सोबती
कठगुलाब	1996	मृदुलागर्ग
आवाँ	2000	चित्रा मुद्गल
चाक	1997	मैत्रेयी पुष्पा

नोट- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास को स्त्री की मनोदशा और नैसर्गिक आवश्यकताओं पर केन्द्रित किया गया है। स्त्री के सन्दर्भ में लिखित यह रचना स्त्री लेखन का प्रस्थान बिन्दु माना जाता है।

16. **निम्नलिखित में से दो समानान्तर कथा- प्रसंगों पर चलने वाला शंकरशेष का नाटक हैः**

(1) कोमल गांधार (2) पोस्टर
(3) एक और द्रोणाचार्य (4) अरे मायावी सरोवर

उत्तर- (3)/व्याख्या एक और द्रोणाचार्य (1977), घरौंदा (1978), अरे मायावी सरोवर (1980), रक्तबीज, बन्धन अपने अपने, चेहरे, कोमल गंधार, पोस्टर, खजुराहो का शिल्पी इत्यादि शंकर शेष के नाटक हैं। 'एक और द्रोणाचार्य' में दो कथा प्रसंग समानान्तर चलता है। एक ओर अरविन्द उसके परिवार और कॉलेज के प्रसंग हैं। दूसरी ओर द्रोणाचार्य उनके परिवार तथा महाभारत कालीन पात्रों-युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन अश्वत्थामा, एकलव्य आदि हैं। 'अरे मायावी सरोवर' और कोमल गांधार में पौराणिक संदर्भ को व्याख्यायित किया गया है। 'पोस्टर' में आज के जीवन की बहुआयामी विसंगतियों के बीच विवश आदमी की त्रासदी को मूर्त किया गया है।

17. **''कविता करना अनन्त पुण्य का फल है। इस दुराशा और अनन्त उत्कण्ठा से कवि जीवन व्यतीत करने की इच्छा हुई।'' यह संवाद- पंक्ति जयशंकर प्रसाद के किस नाटक की है?**

(1) चन्द्रगुप्त (2) ध्रुवस्वामिनी
(3) स्कन्दगुप्त (4) राज्यश्री

उत्तर- (3)/व्याख्या चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, स्कन्द गुप्त, राज्यश्री, प्रायश्चित, सज्जन, कामना, अजातशत्रु इत्यादि जयशंकर प्रसाद के नाटक हैं। ''कविता करना अनन्त....की इच्छा हुई।''यह संवाद-पंक्ति स्कन्दगुप्त नाटक की है।

18. **'ठेस' कहानी के लेखक हैंः**

(1) अज्ञेय (2) फणीश्वरनाथ रेणु
(3) अमरकांत (4) मोहन राकेश

उत्तर- (2)/व्याख्या

कहानियाँ	लेखक
तीसरी कसम, रसप्रिया, लालपान की बेगम, पंच लाइट, अगिनखोर, आजाद परिन्दें, जलवा, ठेस, टेबुल, संवरिया, लफड़ा, ठुमरी	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
सिगनेलर, अछूते फूल, अमर वल्लरी, पठार का धीरज, जयदोल, मेजर चौधरी की वापसी, विपथगा, परम्परा, कोठरी की बात, शरणार्थी	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन - 'अज्ञेय'
जिन्दगी और जोंक, देश के लोग, कुहासा, मौत का नगर, लोक-परलोक, मित्र-मिलन	अमरकान्त
एक और जिन्दगी, जख्म, ठहरा हुआ चाकू, नये बादल, मिसपाल, आज के साये, इन्सान के खण्डहर, फौलाद का आकाश, मलवे का मालिक	मोहन राकेश

19. **निम्नलिखित में से महावीर प्रसाद द्विवेदी का कथन कौन-सा है?**

(1) भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनियम स्वरूप है।
(2) मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है।
(3) कवित्व को आत्मा की अनुभूति कहते हैं।
(4) अर्थ सौरस्य ही कविता का प्राण है।

उत्तर- (4)/व्याख्या

कथन	कथनकार
अर्थ सौरस्य ही कविता का प्राण है।	महावीर प्रसाद द्विवेदी
भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है।	रामचन्द्र शुक्ल
मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है।	महादेवी वर्मा

20. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति आई. ए. रिचर्ड्स की नहीं है?
(1) प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म
(2) द फिलॉसफी ऑफ रेटरिक
(3) कल्चर एण्ड अनार्की
(4) इंटरप्रटेशन इन टीचिंग

उत्तर- (3)/व्याख्या

पुस्तक	लेखक
प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म, द फिलॉसफी ऑफ रेटरिक, इंटरप्रटेशन इन टीचिंग, दि मीनिंग ऑफ मीनिंग, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, साइंस एण्ड पोइट्री, दि फाउंडेशन आफ ईस्थेटिक्स	आई.ए.रिचर्ड्स
कल्चर एण्ड अनार्की, लिट्रेचर एण्ड ड्रामा, एसेज आन चर्च एण्ड स्टेट	मैथ्यू आर्नल्ड

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है:
(1) दोहाकोष, श्रावकाचार, संदेशरासक, कीर्तिलता
(2) दोहाकोष, संदेशरासक, श्रावकाचार, कीर्तिलता
(3) संदेशरासक, दोहाकोष, कीर्तिलता, श्रावकाचार
(4) दोहाकोष, श्रावकाचार, कीर्तिलता, संदेशरासक

उत्तर- (1)/व्याख्या

कृतियाँ	रचनाकाल	कृतिकार
दोहाकोश	8वीं शती	सरहपा
श्रावकाचार	10वीं शती	देवसेन
संदेशरासक	13वीं शती	अब्दुर्रहमान
कीर्तिलता	15वीं शती	विद्यापति

22. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:
(1) कुतबन, उसमान, नूर मुहम्मद, कासिमशाह
(2) कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद, उसमान
(3) कुतबन, उसमान, कासिमशाह, नूर मुहम्मद
(4) उसमान, कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद

उत्तर- (3)/व्याख्या

कवि	रचनाकाल	प्रमुख कृति
कुतबन	15वीं शती	मृगावती
उसमान	17वीं शती का पूर्वार्द्ध	चित्रावली
कासिमशाह	18वीं शती का पूर्वार्द्ध	हंस जवाहिर
नूर मुहम्मद	18वीं शती का उत्तरार्द्ध	अनुराग बाँसुरी, इन्द्रावती

23. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही क्रम है:
(1) ललित ललाम, भावविलास, शृंगार निर्णय, जगद् विनोद
(2) ललित ललाम, शृंगार निर्णय, भावविलास, जगद् विनोद
(3) ललित ललाम, जगद् विनोद, शृंगार निर्णय, भावविलास
(4) भावविलास, ललित ललाम, शृंगार निर्णय, जगद् विनोद

उत्तर- (1)/व्याख्या

रचना	रचनाकाल	विषय वस्तु	रचनाकार
ललित ललाम	1661-64 ई0	अलंकार सम्बन्धी	मतिराम
भावविलास	1689 ई0	रस, नायक-नायिका का निरूपण	देव
शृंगार निर्णय	1737-50 ई0	रस, नायक-नायिका	भिखारीदास
जगद् विनोद	1803-21 ई0	रस, नायक-नायिका और ऋतुवर्णन	पद्माकर

24. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कथाकारों का सही अनुक्रम है:
(1) जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी, जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर
(4) भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अमृतलाल नागर

उत्तर- (4)/व्याख्या

कथाकार	जन्मकाल	मृत्युकाल
भगवती चरण वर्मा	1903 ई.	1981 ई.
जैनेन्द्र	1905 ई.	1988 ई.
हजारी प्रसाद द्विवेदी	1907 ई.	1979 ई.
अमृतलाल नागर	1916 ई.	1990 ई.

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है:
(1) इंदुमती, मक्रील, उसने कहा था, कफन
(2) इंदुमती, उसने कहा था, मक्रील, कफन
(3) इंदुमती, उसने कहा था, कफन, मक्रील
(4) इंदुमती, कफन उसने कहा था, मक्रील

उत्तर- (2)/व्याख्या

कहानियाँ	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
इन्दुमती	1900 ई.	किशोरी लाल गोस्वामी
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
मक्रील		यशपाल
कफन	1936 ई.	प्रेमचन्द

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है:
(1) नया ज्ञानोदय, सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य
(2) सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय
(3) समकालीन भारतीय साहित्य, सारिका, आजकल, नया ज्ञानोदय
(4) आजकल, सारिका, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय

उत्तर- (4)/व्याख्या/

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक	प्रकाशक
आजकल	1945	फरहत परवीन	प्रकाशन विभाग, दिल्ली
सारिका	1967	कमलेश्वर	बेनेट कोलमैन एण्ड क. (द टाइम्स ग्रुप) मुम्बई
समकालीन भारतीय सा0	1980	डॉ. रणजीत कुमार साहा	साहित्य एकादमी, दिल्ली
नया ज्ञानोदय	2003	लीलाधर मंडलोई	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

27. प्रकाशन काल के आधार पर भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम हैः

(1) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलमगीर
(2) माधवी, आलमगीर, हानूश, मुआवजे
(3) हानूश, मुआवजे, आलमगीर, माधवी
(4) मुआवजे, हानूश, माधवी, आलमगीर

उत्तर- (1)/व्याख्या/ *प्रकाशन वर्ष के अनुसार भीष्म साहनी के नाटकों का अनुक्रम इस प्रकार है हानूश (1977), कबिरा खड़ा बाजार में (1981ई.) माधवी (1985), मुआवजे (1993), रंग दे बसंती चोला (1998), आलमगीर (1999)।*

28. प्रकाशन काल की दृष्टि से महिला नाटककारों के नाटकों का सही अनुक्रम हैः

(1) बिना दिवारों का घर, जो राम रचि राखा, ठहरा हुआ पानी, नेपथ्यराग
(2) बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी, जो राम रचि राखा , नेपथ्यराग
(3) ठहरा हुआ पानी, बिना दिवारों का घर, नेपथ्यराग, जो राम रचि राखा
(4) जो राम रचि राखा, नेपथ्यराग, बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी

उत्तर- (2)/व्याख्या/

नाटक	प्रकाशन वर्ष	महिला नाटककार
बिना दीवारों का घर	1965 ई.	मन्नू भण्डारी
ठहरा हुआ पानी	1975 ई.	शान्ति मेहरोत्रा
जो राम रचि राखा	1981 ई.	मृणाल पाण्डेय
नेपथ्यराग	2004 ई.	मीराकांत

29. प्रकाशन-वर्ष के आधर पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम हैः

(1) सम्पत्तिशास्त्र, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
(2) साहित्यालोचन, सम्पत्तिशास्त्र, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
(3) संस्कृति के चार अध्याय, सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन
(4) सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय

उत्तर- (1)/व्याख्या/

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
सम्पत्तिशास्त्र	1907	महावीर प्रसाद द्विवेदी
साहित्यालोचन	1922	श्यामसुन्दर दास
संस्कृति के चार अध्याय	1956	रामधारी सिंह दिनकर
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	1970	हजारी प्रसाद द्विवेदी

30. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम हैः

(1) ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण
(2) काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, साहित्य दर्पण
(3) काव्यादर्श, काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण
(4) ध्वन्यालोक, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण, काव्यमीमांसा

उत्तर- (2)/व्याख्या/

ग्रंथ	रचनाकाल	ग्रंथकार
काव्यादर्श	7वीं शती का उत्तरार्द्ध	दण्डी
ध्वन्यालोक	9वीं शती का मध्य	आनन्दवर्द्धन
काव्यमीमांसा	9वीं शती का उत्तरार्द्ध	राजशेखर
साहित्य दर्पण	14वीं शती	विश्वनाथ

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) हिन्दी साहित्य की भूमिका	(i) परशुराम चतुर्वेदी
(b) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c) उत्तरी भारत की संत परंपरा	(iii) बच्चन सिंह
(d) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	(iv) रामकुमार वर्मा
	(v) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(v)	(ii)	(iv)
(4)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर- (2)/व्याख्या/

रचना	प्रकाश वर्ष	रचनाकार
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	राम कुमार वर्मा
उत्तरी भारत की संत परंपरा	1964 ई.	परशुराम चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	1996 ई.	बच्चन सिंह
आधुनिक हिन्दी साहित्य	1941 ई.	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

32. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
(a) श्री संप्रदाय	(i) रामानुजाचार्य
(b) रुद्र संप्रदाय	(ii) मध्वाचार्य

(c) सनकादि संप्रदाय (iii) विष्णु स्वामी
(d) राधा वल्लभी संप्रदाय (iv) निम्बार्काचार्य
(v) श्री हितजी

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर- (2)/व्याख्या

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य
रुद्र संप्रदाय	विष्णु स्वामी
सनकादि संप्रदाय	निम्बार्काचार्य
राधा वल्लभी संप्रदाय	श्री हितजी
ब्रह्म संप्रदाय	मध्वाचार्य
स्मार्त संप्रदाय	शंकराचार्य
गौड़ीय संप्रदाय	चैतन्य महाप्रभु

33. **निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची-I **सूची-II**
(a) चिंतामणि (i) अंगदर्पण
(b) मतिराम (ii) शिवा बावनी
(c) भूषण (iii) रस रहस्य
(d) रसलीन (iv) रस राज
(v) काव्य प्रकाश

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(4)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचनाकार	रचना
चिंतामणि	काव्य प्रकाश, काव्य विवेक, कवित्त विचार।
मतिराम	रसराज, सतसई, फूलमंजरी, साहित्य सार।
भूषण	शिवा बावनी, शिवराज भूषण।
रसलीन	अंगदर्पण, रसप्रबोध।
कुलपति मिश्र	रस रहस्य, संग्राम सार, द्रोण पर्व।

34. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची-I **सूची-II**
(a) कुमारपाल प्रतिबोध (i) हेमचंद्र
(b) प्रबंध चिंतामणि (ii) जैनाचार्य मेरुतुंग
(c) कुमारपाल चरित (iii) सोमप्रभ सूरि
(d) हम्मीर रासो (iv) जगनिक
(v) शार्ङ्गधर

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर- (1)/व्याख्या

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कुमार पाल प्रतिबोध	1884 ई.	सोमप्रभ सूरि
प्रबन्ध चिंतामणि	1304 ई.	जैनाचार्य मेरुतुंग
कुमार पाल चरित	12वीं शती	हेमचन्द्र
हम्मीर रासो	14वीं शती	शार्ङ्गधर
परमाल रासो	13वीं शती	जगनिक

35. **निम्नलिखित संपादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची-I **सूची-II**
(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (i) सरस्वती
(b) प्रेमचन्द (ii) संगम
(c) महावीर प्रसाद द्विवेदी (iii) प्रतीक
(d) अज्ञेय (iv) कविवचन सुधा
(v) हंस

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(iii)

उत्तर- (4)/व्याख्या

सम्पादक	पत्रिका	स्थापना वर्ष	प्रका0 स्थान
भारतेन्दु हरिश्चन्द	कविवचन सुधा	1868 ई0	काशी (वाराणसी)
प्रेमचन्द	हंस	1930 ई0	बनारस (वाराणसी)
महावीर प्रसाद द्विवेदी	सरस्वती	1900 ई0	काशी, इलाहाबाद
अज्ञेय	प्रतीक	1947 ई0	इला0,दिल्ली
इलाचन्द जोशी	संगम	-----	इलाहाबाद

36. **निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची-I **सूची-II**
(a) काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध (i) रघुवीर सिंह
(b) शेष स्मृतियाँ (ii) धीरेन्द्र वर्मा
(c) मेरी जीवनयात्रा (iii) जयशंकर प्रसाद
(d) शृंखला की कड़ियाँ (iv) राहुल सांकृत्यायन
(v) महादेवी वर्मा

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर- (3) व्याख्या

ग्रंथ	वर्ष	रचनाकार
काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध	1939	जयशंकर प्रसाद
शेष स्मृतियाँ	1939	रघुवीर सिंह
मेरी जीवन यात्रा	1946	राहुल सांकृत्यायन
श्रृंखला की कड़ियाँ	1942	महादेवी वर्मा
विचारधारा	1953	धीरेन्द्र वर्मा

37. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) कर्म का भोग भोग का कर्म यही जड़ का चेतन आनन्द	(i) निराला
(b) होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन। कह महाशक्ति राम के वदन मे हुई लीन।	(ii) मुक्तिबोध
(c) मौन भी अभिव्यंजना हैः जितना तुम्हारा सच है उतना ही कहो।	(iii) जयशंकर प्रसाद
(d) परम अभिव्यक्ति लगातार घूमती है जग में पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ वह है।	(iv) अज्ञेय
	(v) धूमिल

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(i)	(iv)	(v)	(iii)
(4)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर- (2) व्याख्या

पंक्तियाँ	कवि
कर्म का भोग...चेतन आनन्द।	जयशंकर प्रसाद
होगी जय, होगी जय..वदन में हुई लीन।	निराला
मौन भी...उतना ही कहो।	अज्ञेय
परम अभिव्यक्ति..जाने कहाँ वह है।	मुक्तिबोध
जिस पर कोई नहीं, खाना चाहता, आजादी एक जूठी थाली है।	धूमिल

38. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) पर्णदत्त	(i) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(b) हेरूप	(ii) स्कन्दगुप्त
(c) ओक्काक	(iii) माधवी
(d) गालव	(iv) कलंकी
	(v) नरसिंह कथा

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर- (4) व्याख्या

पात्र	नाटक	नाटककार
पर्णदत्त	स्कन्द गुप्त	जयशंकर प्रसाद
हेरूप	कलंकी	लक्ष्मी नारायण लाल
ओक्काक	सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	सुरेन्द्र वर्मा
गालव	माधवी	भीष्म साहनी

39. निम्नलिखित एकांकियों को उनके एकांकीकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) जोंक	(i) भुवनेश्वर प्रसाद
(b) शिवाजी का सच्चा स्वरूप	(ii) रामकुमार वर्मा
(c) प्रतिभा का विवाह	(iii) उपेन्द्रनाथ अश्क
(d) पृथ्वीराज की आँखें	(iv) हरिकृष्ण प्रेमी
	(v) सेठ गोविन्ददास

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर- (1) व्याख्या

एकांकी	एकांकीकार
जोंक, विवाह के दिन, अंधीगली, पक्का गाना, चरवाहे	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
शिवाजी का सच्चा स्वरूप, सप्तरश्मि, एकादशी	सेठ गोविन्द दास
प्रतिभा का विवाह, लाटरी, शैतान, आजादी की नीद	भुवनेश्वर प्रसाद
पृथ्वीराज की आँखें, दस मिनट, रेशमी टाई, रजतरश्मि	रामकुमार वर्मा
मानमंदिर, मातृमंदिर,न्यायमंदिर, राष्ट्रमंदिर	हरिकृष्ण प्रेमी

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) काव्य में अभिव्यंजनावाद	(i) मिश्रबन्धु
(b) रसपीयूषनिधि	(ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय'हरिऔध'
(c) रसकलस	(iii) सोमनाथ
(d) हिन्दी नवरत्न	(iv) लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु'
	(v) देव

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(v)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (3)/व्याख्या

रचना	रचनाकार
काव्य में अभिव्यंजनावाद, जीवन के तत्व और काव्य के सिद्धांत	लक्ष्मीनाराण 'सुधांशु'
रसपियूषनिधि,सुजान विलास	सोमनाथ
रसकलस	अयोध्यासिंह हरिऔध
हिन्दी नवरत्न, आत्मशिक्षा,पुष्पांजलि	मिश्र बन्धु
भावविलास, रस विलास, सुजान विनोद, प्रेम तरंग	देव

निर्देश : प्रश्न संख्या 41 से 45 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमे से एक स्थापना (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) : दो विरोधी मूल्यों के बीच भटकना और उससे उत्पन्न तनाव को झेलना ही आधुनिकता की एकमात्र पहचान है।**
तर्क (Reason) (R) : इसीलिए आधुनिक नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में व्यक्ति- स्वातन्त्र्य और चयन की आजादी को महत्व मिला।
(1) (A)और (R) सही (2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) गलत (R) सही (4) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *दो विरोधी मूल्यों के बीच भटकना और उससे उत्पन्न तनाव को झेलना आधुनिकता नहीं हैं। व्यक्ति स्वातंत्र्य की, परम्पराओं से आगे बढ़ने की जीवन से तनाव को दूर करने की बात आधुनिकता करता है। अतः आधुनिक नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में व्यक्ति स्वातंत्र्य और चयन की आजादी को महत्व मिला है। अतः स्थापना (A) गलत और तर्क (R) सही है।*

42. **स्थापना (Assertion) (A) : विभावादि के परिवर्तित स्वरूप के अनुसार रस के आस्वादन में विचित्रता नहीं आती।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि रस स्वयं में विभाव-निरपेक्ष होता है।
(1) (A) गलत (R) गलत (2) (A) सही और (R) सही
(3) (A) सही और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (1)/व्याख्या *रस के आस्वादन में विभावादि का ही योग होता है। बिना विभावादि के रस की प्रतीति संभव नहीं है। विभावादि के परिवर्तित स्वरूप से रस के आस्वादन में परिवर्तन या विचित्रता आती है। रस स्वयं में विभाव-निरपेक्ष न होकर, रस विभाव-सापेक्ष होता है। अतः स्थापना (A) और तर्क (R) दोनों गलत हैं।*

43. **स्थापना (Assertion) (A) : प्रतिभा के विस्फोट के लिए रसावेश की आवश्यकता है किन्तु सारे रसिक कवि नहीं बनते।**
तर्क (Reason) (R) : राजशेखर ने रचनात्मक प्रतिभा को कारयित्री प्रतिभा कहा है जो कुछ ही लोगों में होती है।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (1)/व्याख्या *काव्य-हेतु तीन प्रकार के माने गये हैं- प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास। प्रतिभा के प्रस्फुटन के लिए रस के उद्रेक की आवश्यकता होती है। लेकिन ऐसा नहीं है कि सभी रसिक कवि ही बन जायें। राजशेखर ने प्रतिभा के दो भेद किये है 'कारयित्री और भावयित्री' कारयित्री प्रतिभा वह है जिसमें रचनात्मकता होती है। और भावयित्री प्रतिभा वह है जिसमें भाव उत्पन्न होता है यह सहृदय में होती हैं। अतः स्थापना (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं।*

44. **स्थापना (Assertion) (A) : गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं पर इन्हें गौण रूप में शब्दार्थ के धर्म भी माना जाता हैं**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि गुण का निर्धारण शब्दार्थ से ही होता है।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (3)/व्याख्या *आनंदवर्द्धन ने गुण को रस का धर्म माना है। आचार्य वामन ने गुण को काव्य का शोभा कारक धर्म स्वीकार किया है। गौण रूप से गुण को शब्दार्थ का भी धर्म माना जाता है। गुण का निर्धारण शब्दार्थ से नहीं होता है। अतः स्थापना (A) सही है और तर्क (R) गलत है।*

45. **स्थापना (Assertion) (A) : कामायनी को रूपक काव्य भी कहा जाता है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें रूपक अलंकार की बहुलता है।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (2)/व्याख्या *'कामायनी' जयशंकर प्रसाद की तथा छायावाद की प्रतिनिधि रचना है। इस काव्य में रूपक के द्वारा बात कही गयी हैं। जैसे पद्मावत में अतः इसे रूपक काव्य भी कहा जाता है। लेकिन कामायनी में रूपक अलंकार की बहुलता नहीं है। अतः स्थापना (A) सही और तर्क (R) गलत है।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थपरायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाता है; अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है । हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है । वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखें खोलता रहता है । मैं तो समझाता हूँ कि जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण मनुष्य के पीछे रहता है; आगे तो बराबर खिसकता हुआ दुर्भेद्य परदा रहता है। बीती बिसारने वाले 'आगे की सुध रखने का दावा' किया करें, परिणाम अशांति के अतिरिक्त और कुछ नहीं। वर्तमान को संभालने और आगे की सुध रखने का डंका पीटने वाले संसार में जितने ही अधिक होते जाते हैं, संघ-शक्ति के प्रभाव से जीवन की उलझने उतनी ही बढ़ती जाती हैं। बीती बिसारने का अभिप्राय है जीवन की अखंडता और व्यापकताकी अनुभूति का विसर्जन; सहृदयता भावुकता का भंग- केवल अर्थ की निष्ठुर क्रीड़ा।

46. **अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है, क्योंकि :**

(1) मनुष्य अतीत जीवी होता है।
(2) मनुष्य वर्तमान से भागना चाहता है।
(3) वहाँ मनुष्य अनेक प्रकार के बंधनों से मुक्त रहता है।
(4) मनुष्य अर्थपरायण नहीं होता है।

उत्तर- (3)/व्याख्या *अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है, क्योंकि अतीत अर्थात् बीते हुए समय में जाकर मनुष्य बन्धन मुक्त हो जाता है। और जब वह वर्तमान और भविष्य में आता है या इसके बारे में सोचता है तो वह बन्धन युक्त हो जाता है।*

47. **'वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है'- इसका भाव है:**

(1) वर्तमान में बहुत-सी समस्याएँ रहती हैं।
(2) हम वर्तमान की समस्याओं में ही उलझे रहते हैं।
(3) हमारी सारी समस्याएँ वर्तमान से संबद्ध रहती हैं।
(4) हमें वर्तमान से प्रेम होता है।

उत्तर- (2)/व्याख्या *वर्तमान हमें अन्धा बनाए रखता है आशय है कि हम वर्तमान की समस्याओं में ही उलझे रहते हैं। अतीत और भविष्य हमसे दूर चला जाता है। अतीत को उपेक्षित करना वर्तमान तथा भविष्य को समस्याग्रस्त करना है।*

48. **अशांति किसका परिणाम है?**

(1) वर्तमान से लगाव का। (2) वर्तमान की उपेक्षा-का।
(3) भविष्य की चिंता का। (4) अतीत की विस्मृति का।

उत्तर- (4)/व्याख्या *अतीत को भुला देना ही अशांति का परिणाम है। इससे वर्तमान और भविष्य दोनों प्रभावित होता है।*

49. **केवल अर्थ की क्रीड़ा निष्ठुर है, क्योंकि :**

(1) वह उलझनों को बढ़ाती है।
(2) वह अतीत की उपेक्षा करती है।
(3) वह वर्तमान की अधिक चिंता करती है।
(4) वह मनुष्य को सहृदय नहीं रहने देती है।

उत्तर- (4)/व्याख्या *केवल अर्थ का निष्ठुर खेल मनुष्य को सहृदय नहीं रहने देता है। उसमें मानवीयता का अभाव हो जाता है।*

50. **जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण क्या है?**

(1) अतीत की स्मृति। (2) अतीत का सुख।
(3) अतीत का दुख। (4) अतीत का मोह।

उत्तर- (1)/व्याख्या *जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण मनुष्य के पीछे रहता है। वह दर्पण अतीत है। अगर हम अतीत को याद रखें तो जीवन का नित्य स्वरूप हमें दिखाई देगा।*

1. इनमें से कौन-सा युग्म अघोष ध्वनि है?

(1) ग, घ (2) ड, ढ
(3) प, फ (4) द, ध

उत्तर- (3)/व्याख्या *तारत्व के आधार पर वर्ण के भेद- तारत्व के आधार पर वर्ण के दो भेद हैं-*

(1) **घोष या सघोष वर्ण**- *जिन वर्णों के उच्चारण में तारत्व या प्रकंपन पैदा हो जाय उन्हें घोष वर्ण कहते हैं।*
घोष वर्ण निम्नलिखित हैं-
(i) प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण

3	4	5
ग	घ	ङ
ज	झ	ञ
ड	ढ	ण
द	ध	न
ब	भ	म

(ii) प्रत्येक अन्तस्थ और 'ह' वर्ण य, र, ल, व, ह
(iii) प्रत्येक स्वर वर्ण-
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

(2) **अघोष वर्ण**- *जिन वर्णों के उच्चारण में तारत्व या प्रकंपन न पैदा हो वह अघोष वर्ण हैं-*
प्रत्येक वर्ग का पहला और दूसरा वर्ण- (i)

1	2
क	ख
च	छ
ट	ठ
त	थ
प	फ

(ii) प्रत्येक ऊष्म वर्ण 'ह' को छोड़कर- श, ष, स

2. निम्नलिखित में से रामदहिन मिश्र की कृति कौन-सी है?

(1) विभक्ति विचार (2) प्रवेशिका हिन्दी व्याकरण
(3) भाषा तत्त्व प्रकाश (4) हिन्दी व्याकरण

उत्तर- (2)/व्याख्या

ग्रन्थ	ग्रन्थकार
विभक्ति विचार	गोविन्द नारायण मिश्र
प्रवेशिका हिन्दी व्याकरण	राम दहिन मिश्र
भाषा तत्व प्रकाश	विश्वेश्वर दत्त शर्मा
हिन्दी व्याकरण	कामता प्रसाद गुरू
हिन्दी व्याकरण	राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'

3. 'हिन्दी रीति ग्रंथों की परंपरा चिंतामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरंभ उन्हीं से मानना चाहिए' - किस इतिहासकार का कथन है?

(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (4) बच्चन सिंह

उत्तर- (1)/व्याख्या *"हिन्दी रीति ग्रंथों की परंपरा चिन्तामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरंभ उन्ही से मानना चाहिए।" यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है।*

4. हिन्दी साहित्य के रीतिकाल का 'शृंगार काल' नाम निम्नलिखित में किस इतिहासकार ने रखा है?

(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (4) रामकुमार वर्मा

उत्तर- (3)/व्याख्या

रीतिकाल का नामकरण	इतिहासकार
शृंगार काल	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
रीति काल	रामचन्द्र शुक्ल
उत्तरमध्य काल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
रीतिकाल	राम कुमार वर्मा
अलंकृत काल	मिश्र बन्धु
काव्य विकास	सत्यकाम वर्मा
दरबारी युग	राहुल सांकृत्यायन
कलाकाल	रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
रीतिकाव्य (काव्य कलायुग)	जार्ज ग्रियर्सन

5. बालचंद विज्जाइव भासा
दुहु नहि लग्गइ दुज्जन हासा।
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(1) स्वयंभू (2) नरपति नाल्ह
(3) विद्यापति (4) मधुकर कवि

उत्तर- (3)/व्याख्या

पंक्ति	लेखक
बालचन्द............दुज्जन हासा।	विद्यापति
एमहि तिह करोमि 'पुणु' रहुवई, जिहण होमि पडिवारें तिय भई।	स्वयंभू
अस्त्रीय जनम काइ दीधउ महेस, अवर जनम थारइ घणा रे नरेश।	नरपति नाल्ह

6. किस रासो काव्य की कथा का वर्णन शुक और शुकी के द्वारा किया गया है?

(1) पृथ्वीराज रासो (2) कीर्तिपताका
(3) बीसलदेव रासो (4) खुमाण रासो

उत्तर- (1)/व्याख्या *हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'पृथ्वीराज रासो' का वर्णन' शुक-शुकी' के संवाद के रूप में माना है। अतः 'पृथ्वीराज रासो' शुक-शुकी ' द्वारा वर्णित है।*

7. हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार 'घत्ता' शब्द का व्यवहार मूलतः किस अर्थ में होता रहा है?

(1) छंद के रूप में (2) कथा के एक अंश के रूप में
(3) छेदन के अर्थ में (4) एक कड़वक के अर्थ में

उत्तर- (3)/व्याख्या *हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार 'घत्ता' शब्द का व्यवहार मूलतः 'छेदन के अर्थ में' होता रहा है। इसी का समश्रुति भिन्नार्थक शब्द 'धत्ता' है। यह एक प्रकार के छन्द के रूप में व्यवहृत होता है।*

8. संत मत के अलावा 'शब्द' (सबद) का प्रचलन और किस पंथ में हुआ था?

(1) सिद्ध (2) जैन
(3) नाथ पंथ (4) सखी संप्रदाय

उत्तर- (3)/व्याख्या

संत मत के अलावा शब्द या सबद का प्रचलन 'नाथ पंथ' में हुआ था। संत मत 'ने नाथ पंथ से काफी-कुछ ग्रहण किया है।

9. **कुछ नाहीं का नाँव धरि भरमा सब संसार।**
साँच झूठ समझे नहीं, न कुछ किया विचार॥
उपर्युक्त दोहा किस कवि का है?

(1) कबीरदास (2) रहीम
(3) जायसी (4) दादूदयाल

उत्तर- (4)/व्याख्या

पंक्ति	कवि
कुछ नाहीं का......किया विचार	दादूदयाल
सूरा सो पहिचानियै लरै दीन के हेत, पुरजा पुरजा कटि मरै कबहुँ न छाँडे खेत।	कबीरदास
सुख भा सोच एक दुख मानौं, ओहि बिनु जिवन मरन कै जानौं।।	जायसी
जा पर बिपदा पड़त है सो आवत यहि देश।	रहीम

10. **निम्नलिखित में से कौन 'ब्राह्म संप्रदाय' का प्रवर्तक है?**

(1) विष्णुस्वामी (2) निम्बार्काचार्य
(3) हित हरिवंश (4) मध्वाचार्य

उत्तर- (4)/व्याख्या

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य
रुद्र सम्प्रदाय	विष्णुस्वामी
सन्त या सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य
राधावल्लभ सम्प्रदाय	हितहरिवंश
स्मार्त सम्प्रदाय	शंकराचार्य
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य
गौडीय सम्प्रदाय	चैतन्य महाप्रभु

11. **कहा करौं बैकुंठहि जाय?**
जहँ नहिं नंद, जहाँ न जसोदा, नहिं जहं गोपी ग्वाल न गाय।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(1) सूरदास (2) परमानंददास
(3) नंददास (4) रसखान

उत्तर- (2)/व्याख्या

पंक्ति	लेखक
कहा करौं.........ग्वाल न गाय	परमानन्ददास
सुनिहैं कथा कौन निर्गुण की, रचि पचि बात बनावत।	सूरदास
वेद पुराननि खोजि कै पायो कतहु न एक। गुन ही के गुन होहि तुम, कहो अकासहि टेक।।	नन्ददास
या मुरली मुरलीधर की,अधरन धरी अधरा न धरौगी।	रसखान

12. **निम्नलिखित में से 'ज्ञानदीप' का रचनाकार कौन हैं?**

(1) उसमान (2) कासिमशाह
(3) नंददास (4) शेख नबी

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
ज्ञानदीप	1619 ई.	शेख नबी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
हंसजवाहिर	1731 ई.	कासिमशाह
इन्द्रावती	1744 ई.	नूरमुहम्मद

13. **गगन हुता नहिं महि हुती हुते चंद नहिं सूर।**
ऐसे अंधकार महँ रचा मुहम्मद नूर॥
यह दोहा जायसी की किस काव्य-कृति का है?

(1 पद्मावत (2) अखरावट
(3) आखिरी कलाम (4) कन्हावत

उत्तर- (3)/व्याख्या

पंक्ति	कृति
गगन हुता नहिं........मुहम्मद नूर	आखिरी कलाम
सैयद असरफ पीर पियारा, जेई मोहि पंथ दीन्ह उजियारा	पद्मावत
कही सरीअत चिस्ती पीरू , उघरी असरफ औ जँहगीरू।	अखरावट

14. **कमलदल नैननि की उनमानि।**
बिसरत नाहिं, सखी! मो मन तें मंद-मंद मुसकानि!
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(1) नंददास (2) मीराबाई
(3) रहीम (4) रसखान

उत्तर- (3)/व्याख्या

पंक्ति	रचनाकार
कमलदल नैननि.....मुसकानि	रहीम
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम ब्रज बाला।	नन्ददास
घायल की गति घायल जाणै और न जाणै कोई	मीराबाई
सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावै	रसखान

15. **गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग।**
यह काव्य पंक्ति किसकी है?

(1) गोरखनाथ (2) कबीरदास
(3) तुलसीदास (4) जायसी

उत्तर- (3)/व्याख्या

पंक्ति	कवि
गोरख जगायो..........लोग	तुलसीदास
अंजनि मांहि निरंजन भेट्या, तिलमुख भेटा तेलम	गोरखनाथ
झिलमिल झगरा झूलते, बाकी रही न काहु, गोरख अटके कालपुर,	कबीरदास
कौन कहावे साहु नयन जो देखा कँवल भा निरमल नीर सरीर	जायसी

16. **'हिंदू हृदय और मुसलमान हृदय आमने-सामने करके अजनबीपन मिटानेवालों में इन्हीं का नाम लेना पड़ेगा' - रामचंद्र शुक्ल का उक्त कथन किस कवि के संबंध में है?**

(1) कबीरदास (2) जायसी
(3) रहीम (4) रसखान

उत्तर- (2)/व्याख्या *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के कथन कवियों के सन्दर्भ में-*
1- जायसी के बारे में- "हिन्दू हृदय और मुसलमान हृदय आमने-सामने करके अजनबीयत मिटाने वालों में इन्हीं का नाम लेना पड़ेगा"।
2- कबीर के बारे में- "कबीर ने अपनी झाड़ फटकार के द्वारा हिन्दुओं और मुसलमानों के कट्टरपन को दूर करने का जो प्रयास किया वह अधिकतर चिढ़ाने वाला सिद्ध हुआ, हृदय को स्पर्श करने वाला नहीं।"
3- रसखान के बारे में- "इनकी कृति परिणाम में तो बहुत अधिक नहीं है पर जो है वह प्रेमियों के मर्म को स्पर्श करने वाली है।
4- रहीम के बारे में- "ये दानी और परोपकारी ऐसे थे कि अपने समय के कर्ण माने जाते थे।"

17. **हीन भएं जल मीन अधीन कहा कति मो अकुलानि समानै।**
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
'नीर सनेही' में कौन-सा अलंकार है?
(1) अभंगपद श्लेष (2) सभंगपद श्लेष
(3) श्लेष वक्रोक्ति (4) श्लेष और वक्रोक्ति

उत्तर- (2)/व्याख्या *'नीर सनेही' में सभंगपद श्लेष अलंकार है। जब किसी शिलष्ट पद का अलग-अलग अन्वय या खण्ड करने पर अलग-अलग अर्थ प्राप्त होता है तो वहाँ पर सभंगपद श्लेष अलंकार होता है। यहाँ पर एक खण्ड होगा- नीर (पानी) सनेही (स्नेह प्रिय) अर्थात् प्रिय/स्नेह पानी या निर्मल पानी। इसका दूसरा खण्ड होगा- नीर (रस) और सनेही (प्रेमी/प्रेम करने वाला) अर्थात् रसात्मक प्रेमी। अतः नीर सनेही में सभंगपद श्लेष अलंकार है।*

18. **भिखारीदास ने 'काव्य निर्णय' में किसका विवेचन किया है?**
(1) सर्वांग-विवेचन (2) छंद-विवेचन
(3) अलंकार-विवेचन (4) काव्य-भेद

उत्तर- (1)/व्याख्या *रीतिकाल के सर्वांग विवेचक कवियों में भिखारीदास का नाम महत्वपूर्ण हैं। काव्यनिर्णय, इनका सर्वांग विवेचक ग्रन्थ है। इसमें- काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्यभाषा, उत्तम काव्यकार के गुण, शब्दशक्ति, रससामग्री, ध्वनि, अलंकार, गुण-दोष, आदि का बखूबी वर्णन किया गया है।*

19. **रामचंद्र शुक्ल ने बिहारी की भाषा के बारे में क्या लिखा है?**
(1) बिहारी की भाषा चलती है।
(2) बिहारी की भाषा साहित्यिक है।
(3) बिहारी की भाषा चलती होने पर भी साहित्यिक है।
(4) बिहारी की भाषा में शब्द-वैचित्र्य बहुत कम है।

उत्तर- (3)/व्याख्या *रामचन्द्र शुक्ल ने बिहारी की भाषा के सन्दर्भ में लिखा है कि "बिहारी की भाषा चलती होने पर भी साहित्यिक है। वाक्यरचना व्यवस्थित है और शब्दों के रूप का व्यवहार एक निश्चित प्रणाली पर है।"*

20. **जहाँ कलह तहँ सुख नहीं, कलह सुखन को सूल।**
सबै कलह इक राज में, राज कलह को मूल॥
इस दोहे के द्वारा किस कवि ने अतीतकालीन चित्तवृति का वर्णन किया है?
(1) चाचा हित वृंदावनदास (2) भगवत रसिक
(3) अलबेली अली (4) नागरीदास

उत्तर- (4)/व्याख्या

पंक्ति	कवि
जहाँ कलह.......कलह को मूल	नागरी दास
मिठबोलनी नवल मनि हारी। भौहें गोल गरूर हैं, पाके नयन चुटीले भारी।।	चाचा हित वृंदावन दास
लाल तेरे लोभी लोलुप नैन।	अलबेली अली
कुंजन ते उठि प्रात गात जमुना में धोवैं।	भगवत् रसिक

21. **"भारतेंदु हरिश्चंद्र का प्रभाव भाषा और साहित्य दोनों पर बड़ा गहरा पड़ा। उन्होंने जिस प्रकार गद्य की भाषा को परिमार्जित करके उसे बहुत ही चलता, मधुर और स्वच्छ रूप दिया, उसी प्रकार हिंदी साहित्य को भी नए मार्ग पर लाकर खड़ा कर दिया।"**
यह कथन किसका है?
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) नंद दुलारे वाजपेयी (4) शिवदान सिंह चौहान

उत्तर- (1)/व्याख्या *"भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का प्रभाव भाषा और साहित्य दोनों पर.......नए मार्ग पर लाकर खड़ा कर दिया।"यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। शुक्ल ने भारतेन्दु के बारे में आगे कहा है कि- "वे वर्तमान हिन्दी गद्य के प्रवर्तक माने गये।"*

22. **'क्या हिंदी नाम की कोई भाषा ही नहीं' लेख के रचनाकार हैं:**
(1) भारतेंदु हरिश्चंद्र (2) बालकृष्ण भट्ट
(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी (4) रामचंद्र शुक्ल

उत्तर- (3)/व्याख्या

लेख	लेखक
क्या हिन्दी नाम की कोई भाषा नही है।	महावीर प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी भाषा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
साहित्य का सभ्यता से घनिष्ठ सम्बन्ध है।	बालकृष्ण भट्ट
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी	रामचन्द्र शुक्ल

23. **"सुधि मेरे आगम की जग में**
सुख की सिहरन हो अंत खिली!"
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) महादेवी वर्मा
(3) जयशंकर प्रसाद (4) सुभद्राकुमारी चौहान

उत्तर- (2)/व्याख्या/

पंक्ति	कवि
सुधि मेरे..........अंत खिली नहीं है।	महादेवी वर्मा
सजनि रोता है मेरा गान। प्रिय तक नहीं पहुँच पाती है उसकी कोई तान।।	मैथिलीशरण गुप्त
जल उठा स्नेह दीपक-सा नवनीत हृदय था मेरा।	जयशंकर प्रसाद
मैंने पूछा यह क्या लाई। बोल उठी वह, 'माँ काओ।।'	सुभद्रा कुमारी चौहान

24. **'देहाती दुनिया' के लेखक हैं :**

(1) रामवृक्ष बेनीपुरी (2) सुदर्शन
(3) शिवपूजन सहाय (4) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर- (3)/व्याख्या/

रचना	वर्ष	रचनाकार
देहाती दुनिया	1926 ई.	शिव पूजन सहाय
शैतान की आँख	1923 ई.	राहुल सांकृत्यायन
पतितों के देश में	1930-33	रामवृक्ष बेनीपुरी
हार की जीत	1920 ई.	सुदर्शन

25. **''यद्यपि 1942 के जन-आंदोलन के समय इस गाँव में न तो फौजियों का कोई उत्पात हुआ था और न आंदोलन की लहर ही इस गाँव में पहुँच पायी थी, किंतु जिले भर की घटनाओं की खबर अफवाहों के रूप में यहाँ तक जरूर पहुँची थी।'' उपर्युक्त पंक्तियाँ किस उपन्यास से हैं?**

(1) मैला आँचल (2) काल कथा
(3) पीढ़ियाँ (4) इन्हीं हथियारों से

उत्तर- (1)/व्याख्या/ *''यद्यपि 1942 के जन आन्दोलन के समय..........यहाँ तक जरूर पहुँची थी।'' ये पंक्तियाँ 'मैला आँचल' उपन्यास की है'। इसकी घटना बिहार के पूर्णिया जिले की है। इसके लेखक फणीश्वरनाथ 'रेणु' हैं।*

उपन्यास	उपन्यासकार
काल कथा	कामतानाथ
पीढ़ियाँ	अमृतलाल नागर
इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त

26. **इनमें से कौन-सा विचारक मार्क्सवादी है?**

(1) लियो लावेंथल (2) जार्ज लूकाच
(3) जॉक देरिदा (4) इप्पोलित तेन

उत्तर- (2)/व्याख्या/ *जार्ज लूकाच, फेडरिक एंगेल्स, लेनिन, स्टालिन, माओं-त्से-तुंग, काडवेल, मैक्सिम गोर्की इत्यादि मार्क्सवादी विचारक हैं। जॉकदेरिदा उत्तर आधुनिकतावादी हैं।*

27. **निर्मल वर्मा का यात्रा-संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी' आधारित है:**

(1) शिमला प्रवास (2) मेघालय प्रवास
(3) यूरोप प्रवास (4) एशिया प्रवास

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *निर्मल वर्मा ने अपने यात्रा-संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी' (1964 ई. में) अपने यूरोप प्रवास की कथा कही है।*

28. **'अछूत की शिकायत' कविता का प्रकाशन वर्ष क्या है?**

(1) 1907 ई. (2) 1912 ई. (3) 1914 ई. (4) 1920 ई.

उत्तर- (3)/व्याख्या/

रचना	वर्ष	रचनाकार
अछूत की शिकायत	1914 ई.	हीरा डोम
अछूतों का पैगम्बर	1946 ई.	बिहारी लाल हरित

29. **निम्नलिखित में से किस उपन्यास का संबंध आप्रवासी जीवन से है?**

(1) वे दिन (2) लाल पसीना
(3) लेकिन दरवाजा (4) निर्वासन

उत्तर- (2)/व्याख्या/ *'लाल पसीना', अपनी-अपनी सीमा' 'लहरों की बेटी' ये सभी अभिमन्यु अनत के उपन्यास हैं। अभिमन्यु अनत अप्रवासी भारतीय हैं अतः इनके उपन्यास अप्रवासी जीवन से सम्बन्धित हैं। 'वेदिन' (1964) निर्मल वर्मा, 'लेकिन दरवाजा (1982)- पंकजविष्ट और 'निर्वासन'-अखिलेश के उपन्यास हैं।*

30. **'स्त्रीत्व का मानचित्र' किसकी रचना है?**

(1) सुशीला टाकभोरे (2) सविता सिंह
(3) अनामिका (4) प्रभा खेतान

उत्तर- (3)/व्याख्या/

रचना	रचनाकार
स्त्रीत्व का मानचित्र	अनामिका
उपनिवेश में स्त्री	प्रभाखेतान
परिवर्तन जरूरी था	सुशीला टाकभौरे
नींद थी और रात थी	सविता सिंह

31. **भारतेन्दु ने अपने किस नाटक को नाट्य रासक व लास्य रूपक कहा है?**

(1) विषस्य विषमौषधम (2) नीलदेवी
(3) अंधेर नगरी (4) भारत दुर्दशा

उत्तर- (4)/व्याख्या/ *भारतेन्दु ने अपने नाटक 'भारत-दुर्दशा' को 'नाट्य रासक' या 'लास्य रूपक' कहा है। 'विषस्य-विषमौषधम'- यह भाण (एक पात्रीय) नाटक है। 'नीलदेवी'- यह गीतिरूपक है। 'अंधेर नगरी'- यह प्रहसन है।*

32. **निम्नलिखित में से किस नाटक में जातिवाद की समस्या को उठाया गया है?**

(1) नाटक बाल भगवान (2) जलता हुआ रथ
(3) कोर्ट मार्शल (4) सबसे उदास कविता

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *दिये गये सभी नाटक स्वदेश दीपक के हैं-*

नाटक	सम्बंधित विषय
नाटक बालभगवान	अंधविश्वास, अवसरवादिता आदि का चित्रण
जलता हुआ रथ	शोषण और शोषित के बीच का संघर्ष
कोर्ट मार्शल	जातिवाद की समस्या और फौजी जीवन का चित्रण
सबसे उदास कविता	वर्ग संघर्ष का चित्रण

33. निम्नलिखित में से रामेश्वर प्रेम का कौन-सा नाटक बेन जानसन के नाटक 'वालपेनि' या 'दी फॉक्स' का हिन्दी रूपान्तर है?

(1) राजा नंगा है (2) लोमड़ वेश
(3) शस्त्र संतान (4) कैम्प

उत्तर- (2)/व्याख्या *दिये गये सभी नाटक रामेश्वर प्रेम के हैं। वेन जानसन के नाटक 'वालपोनि' या 'दी फॉक्स' को रामेश्वर प्रेम ने 1980 ई. में लोमड़ खान का वेश' नाम से हिन्दी में रूपान्तरित किया। 1999 ई. में इसकी भाषा में कुछ परिवर्तन करके 'लोमड़ वेश' नाम से प्रकाशित कराया 'शस्त्र संतान' का आधार महाभारत है।*

34. निम्नलिखित में से किस एकांकी में संयुक्त परिवार की समस्या को उठाया गया है?

(1) अधिकार का रक्षक (2) बहनें
(3) सूखी डाली (4) तौलिए

उत्तर- (3)/व्याख्या *'अधिकार का रक्षक' (1938 ई.), बहनें (1942 ई.), 'सूखी डाली' (1941 ई.) तौलिए (1943 ई.) सभी उपेन्द्रनाथ' अश्क के एकांकी हैं। 'सूखी डाली' में अश्क जी ने संयुक्त परिवार की समस्या को उठाया है।*

35. 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' का प्रकाशन - वर्ष है :

(1) 1795 ई. (2) 1772 ई.
(3) 1817 ई. (4) 1840 ई.

उत्तर- (3)/व्याख्या *'बायोग्राफिया लिटरेरिया' (1817 ई.), 'द फ्रेंड' (1817), एड्स टु रिफ्लेशन' (1825), चर्च एण्ड स्टेट (1830 ई.) में ये सभी सैमुअल टेलर कोलरिज की रचनाएँ हैं।*

36. निम्नलिखित में से डॉ. जॉनसन की कृति कौन-सी है?

(1) रेम्बलर (2) साइंस एंड पोइट्री
(3) इल्यूजन एंड रियलिटी (4) एस्थेटिक

उत्तर- (1)/व्याख्या

कृति	कृतिकार
रेम्बलर	डॉ जानसन
साइंस एंड पोइट्री	रिचर्ड्स
इल्यूजन एंड रियलिटी	काडवेल
एस्थेटिक	क्रोचे

37. निम्नलिखित में से कौन-सा समीक्षक नई आलोचना से सम्बन्धित नहीं है?

(1) स्पिनगार्न (2) रोलॉबार्थ
(3) क्लिंथ ब्रुक्स (4) जॉन क्रो रेन्सम

उत्तर- (2)/व्याख्या *स्पिनगार्न, क्लिंथ ब्रुक्स, जॉन क्रो रेन्सम, एजरापाउण्ड, विलियम एम्पसन, एलेन टेट इत्यादि समीक्षक नई समीक्षा से सम्बन्धित हैं। जबकि रोलॉबार्थ उत्तर संरचनावादी विचारक हैं।*

38. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन आचार्य विश्वनाथ का नहीं है?

(1) रस अखण्ड है। (2) रस स्वप्रकाश है।
(3) रस वेद्यान्तरस्पर्श शून्य है।
(4) रस अपने आकार में भिन्न रूप में आस्वादित किया जाता है।

उत्तर- (4)/व्याख्या *'रस अपने आकार से भिन्न रूप में आस्वादित किया जाता है। यह कथन आ0 विश्वनाथ का नहीं है। अन्य सभी दिये गये कथन विश्वनाथ के हैं।*

39. 'ध्वन्यालोक' किस शताब्दी का ग्रन्थ है?

(1) सातवीं शताब्दी (2) आठवीं शताब्दी
(3) नौवीं शताब्दी (4) ग्यारहवीं शताब्दी

उत्तर- (3)/व्याख्या *'ध्वन्यालोक' नौवीं शताब्दी का ग्रन्थ है। इसके लेखक आनन्दवर्धन हैं। 'ध्वन्यालोक लोचन' के लेखक अभिनव गुप्त हैं। यह 'ध्वन्यालोक' की टीका हैं।*

40. 'सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता होती है, इसलिए यह शुद्ध सौन्दर्य नाम की कोई चीज नहीं होती'-किसका कथन है?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) रामचन्द्र शुक्ल
(3) रामविलास शर्मा (4) नन्ददुलारे बाजपेयी

उत्तर- (3)/व्याख्या

कथन	कथनकार
सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता होती है, इसलिए यह शुद्ध सौन्दर्य नाम की कोई चीज नहीं होती।	रामविलास शर्मा
विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है।	रामचन्द्र शुक्ल
फलितार्थ यह हुआ कि समष्टि चित्त में अनुकूल भावान्दोलन पैदा करने वाला तत्व ही सौन्दर्य है।	हजारी प्रसाद द्विवेदी
सौन्दर्य असत्य तो हो नहीं सकता, वह तो चेतना की झलक है।	नन्ददुलारे बाजपेयी

41. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम हैः

(1) हंसजवाहिर, जयचंद प्रकाश, मधुमालती, मृगावती
(2) मधुमालती, मृगावती, जयचंद प्रकाश, हंसजवाहिर
(3) मृगावती, मधुमालती, हंसजवाहिर, जयचंद प्रकाश
(4) जयचंद प्रकाश, मृगावती, मधुमालती, हंसजवाहिर

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
जयचन्द प्रकाश	1224 ई.	केदार भट्ट
मृगावती	1501 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
हंसजवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह

42. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही क्रम हैः

(1) जगनिक, खुसरो, श्रीधर, चंदबरदाई
(2) खुसरों, श्रीधर, चंदबरदाई, जगनिक
(3) चंदबरदाई, जगनिक, खुसरो, श्रीधर
(4) श्रीधर, खुसरो, चंदबरदाई, जगनिक

उत्तर- (3)/व्याख्या जन्म काल की दृष्टि से सही क्रम है-

जन्मकाल लगभग	कवि
1168 ई.	चन्दबरदाई
1173 ई.	जगनिक
1255 ई.	खुसरो
1355 ई.	श्रीधर

43. **जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही क्रम है:**
(1) चिंतामणि, बिहारी, घनानंद, मतिराम
(2) बिहारी, चिंतामणि, मतिराम, घनानंद
(3) मतिराम, बिहारी, घनानंद, चिंतामणि
(4) बिहारी, घनानंद, मतिराम, चिंतामणि

उत्तर- (2)/व्याख्या जन्म कालानुसार सही क्रम-

जन्मकाल	कवि/रचनाकार
1595 ई0	बिहारी
1609 ई0	चिन्तामणि
1617 ई0	मतिराम
1689 ई0	घनानन्द

44. **रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही क्रम है:**
(1) गोविन्दस्वामी, आलम, गुमानमिश्र वैताल
(2) वैताल, गोविन्दस्वामी, आलम, गुमानमिश्र
(3) गुमानमिश्र, आलम, वैताल, गोविन्दस्वामी
(4) आलम, वैताल, गुमानमिश्र, गोविन्दस्वामी

उत्तर- (1)/व्याख्या

रचनाकाल	रचनाकार
1543-1568 ई0	गोविन्द स्वामी
1683-1703 ई0	आलम
1743-1783 ई0	गुमानमिश्र
1782- 1829 ई0	बैताल

45. **'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में रामचंद्र शुक्ल ने कृष्णभक्ति शाखा के कवियों को किस क्रम में प्रस्तुत किया है?**
(1) चतुर्भुजदास, छीतस्वामी, गोविन्दस्वामी, परमानंददास
(2) गोविन्दस्वामी, छीतस्वामी, चतुर्भुजदास, परमानंददास
(3) छीतस्वामी, चतुर्भुजदास, परमानंददास, गोविन्दस्वामी
(4) परमानंददास, चतुर्भुजदास, छीतस्वामी, गोविन्दस्वामी

उत्तर- (4)/व्याख्या आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में कृष्णभक्त कवियों को निम्नवत् क्रम में प्रस्तुत किया है-

1- सूरदास
2- नन्ददास
3- कृष्णदास
4- परमानन्ददास
5- कुंभनदास
6- चतुर्भुजदास
7- छीतस्वामी
8- गोविन्दस्वामी
9- हितहरिवंश
10- गदाधर भट्ट इत्यादि

46. **रचनाकाल के अनुसार विष्णु प्रभाकर के उपन्यासों का सही क्रम है :**
(1) अर्द्धनारीश्वर, ढलतीरात, स्वप्नमयी, कोई तो
(2) स्वप्नमयी, अर्द्धनारीश्वर, कोई तो, ढलतीरात
(3) ढलतीरात, स्वप्नमयी, कोई तो, अर्द्धनारीश्वर
(4) कोई तो, अर्द्धनारीश्वर, स्वप्नमयी, ढलतीरात

उत्तर- (3)/व्याख्या रचनाकाल के अनुसार विष्णुप्रभाकर के उपन्यासों का सही क्रम इस प्रकार है-
ढलती रात (1951ई0), तट के बन्धन (1955 ई0), स्वप्नमयी (1956 ई), कोई तो (1980 ई0), अर्द्धनारीश्वर (1992 ई0), संकल्प (1993 ई0)।

47. **कथाकारों का जन्म काल के आधार पर सही अनुक्रम है :**
(1) विष्णुप्रभाकर, धर्मवीर भारती, मन्नूभण्डारी, नरेन्द्र कोहली
(2) धर्मवीर भारती, विष्णुप्रभाकर, नरेन्द्र कोहली, मन्नूभण्डारी
(3) मन्नूभण्डारी, विष्णुप्रभाकर, नरेन्द्र, कोहली, धर्मवीर भारती
(4) नरेन्द्र कोहली, धर्मवीर भारती, विष्णुप्रभाकर, मन्नूभण्डारी

उत्तर- (1)/व्याख्या

कथाकार	जन्म/मृत्युकाल
विष्णु प्रभाकर	1912------2009 ई0
धर्मवीर भारती	1926------1997 ई0
मन्नू भण्डारी	1931------ई0
नरेन्द्र कोहली	1940------ई0

48. **रचनाकाल के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है :**
(1) सेवा सदन, अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी, बूँद और समुद्र
(2) नूतन ब्रह्मचारी, अधखिला फूल, सेवा सदन, बूँद और समुद्र
(3) अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी, बूँद और समुद्र, सेवा सदन
(4) बूँद और समुद्र, सेवा सदन, अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी

उत्तर- (2)/व्याख्या

उपन्यास	रचनाकाल	उपन्यासकार
नूतन ब्रह्मचारी	1886 ई०	बाल कृष्ण भट्ट
अधखिला फूल	1907 ई०	हरिऔध
सेवा सदन	1918 ई०	प्रेमचन्द
बूँद और समुद्र	1956 ई०	अमृत लाल नागर

49. **रचनाकाल के अनुसार कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :**
(1) एक धनी व्यक्ति का बयान, ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, सतह से उठता आदमी
(2) भूख के तीन दिन, ये तेरे प्रतिरूप, सतह से उठता आदमी, एक धनी व्यक्ति का बयान
(3) ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, एक धनी व्यक्ति का बयान, सतह से उठता आदमी
(4) ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, सतह से उठता आदमी, एक धनी व्यक्ति का बयान

उत्तर- (4)/व्याख्या

कहानी	रचनाकाल	रचनाकार
ये तेरे प्रतिरूप	1961 ई०	अज्ञेय
भूख के तीन दिन	1968 ई०	यशपाल
सतह से उठता आदमी	1971 ई०	मुक्तिबोध
एक धनी व्यक्ति का बयान	1997 ई०	अमरकान्त

50. जयशंकर प्रसाद के काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है :

(1) आँसू, झरना, प्रेमपथिक, लहर
(2) प्रेमपथिक, झरना, आँसू, लहर
(3) झरना, लहर, आँसू, प्रेमपथिक
(4) प्रेमपथिक, लहर, झरना, आँसू

उत्तर- (2)/व्याख्या *जयशंकर प्रसाद के काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार क्रम-*
उर्वसी (1909 ई0), वन मिलन (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), चित्राधार (1918), झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1936) हैं।

51. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है :

(1) युगांत, स्वर्णधूलि, सत्यकाम, लोकायतन
(2) लोकायतन, सत्यकाम, स्वर्णधूलि, युगांत
(3) सत्यकाम, स्वर्णधूलि, युगांत, लोकायतन
(4) युगांत, स्वर्णधूलि, लोकायतन, सत्यकाम

उत्तर- (4)/व्याख्या *सुमित्रानन्दन पंत की रचनाओं का अनुक्रम-*
उच्छ्वास (1920), ग्रन्थि (1920), वीणा (1927), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्णधूलि (1947), कला और बूढ़ा चाँद (1959), लोकायतन (1964), सत्यकाम (1975) हैं।

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पुस्तकों का सही अनुक्रम है :

(1) हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
(2) मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
(3) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
(4) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

उत्तर- (2)/व्याख्या पुस्तकों का सही अनुक्रम प्र० वर्ष के अनुसार निम्नवत् है-

रचना	वर्ष	रचनाकार
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	*1970 ई०*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	*1986 ई०*	*रामस्वरूप चतुर्वेदी*
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	*1996 ई०*	*डॉ० बच्चन सिंह*
हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास	*2003 ई०*	*सुमन राजे*

53. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) त्रिशंकु, आला अफसर, भूख आग है, विषवंश
(2) त्रिशंकु, विषवंश, आला अफसर, भूख आग है
(3) आला अफसर, त्रिशंकु, भूख आग है, विषवंश
(4) विषवंश, आला अफसर, त्रिशंकु, भूख आग है

उत्तर- (1)/व्याख्या

नाटक	कालक्रम	नाटककार
त्रिशंकु	*1973 ई0*	*बृजमोहन शाह*
आला अफसर	*1979 ई0*	*मुद्रा राक्षस*
भूख आग है	*1998 ई0*	*कृष्ण बलदेव वैद्य*
विषवंश	*1999 ई0*	*राजेश जैन*

54. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :

(1) एस्थेटिक, द सेक्रेड वुड, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, रिवेल्युशन
(2) द सेक्रेड वुड, रिवेल्युशन, एस्थेटिक, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म
(3) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, एस्थेटिक, द सेक्रेड वुड, रिवेल्युशन
(4) रिवेल्युशन, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, एस्थेटिंक, द सेक्रेड वुड

उत्तर- (1)/व्याख्या

ग्रंथ	प्रकाशनवर्ष	ग्रंथकार
एस्थेटिक	*1902 ई0*	*बेनेदेतो क्रोचे*
द सेक्रेड वुड	*1920 ई0*	*टामस स्टर्न्स इलिएट*
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	*1929 ई0*	*ईवर आर्मस्ट्रोग रिचर्ड्स*
रिवेल्युशन	*1936 ई0*	*फ्रेंक रेमंड लीविस*

55. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचना-ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :

(1) रस मीमांसा, कालिदास की निरंकुशता, शुद्ध कविता की खोज, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(2) शुद्ध कविता की खोज कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(3) कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, शुद्ध कविता की खोज, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(4) कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, शुद्ध कविता की खोज

उत्तर- (3)/व्याख्या

आलोचना ग्रंथ	वर्ष	ग्रंथकार
कालिदास की निरंकुशता	*1912 ई0*	*महावीर प्रसाद द्विवेदी*
रस मीमांसा	*1940 ई0*	*रामचन्द्र शुक्ल*
शुद्ध कविता की खोज	*1966 ई0*	*रामधारी सिंह दिनकर*
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	*1977 ई0*	*रामविलास शर्मा*

56. स्थापना (Assertion) (A) : काव्येषु नाटकं रम्यम्।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उसमें काव्य के साथ-साथ सभी ललित कलाओं का समन्वय होता है।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (3)/व्याख्या *काव्यों में नाटक रमणीय होता है। नाटक रमणीय इसलिए होता है क्योंकि उसमें काव्य के साथ-साथ सभी प्रकार की ललित कलाओं (क्रीडा शीलता, सौन्दर्य के आश्रय से व्यक्त होने वाली कला और संगीत कला आदि) का समन्वय होता है। अतः स्थापना (A) और तर्क (R) दोनों सही है।*

57. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्यानुभूति का मूल आधार लोकानुभूतिही है।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि केवल लोक जीवन का यथार्थ ही उसके ज्ञान और भाव-क्षेत्रों का विस्तार करता है, कल्पना नहीं।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत
(4) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (1)/व्याख्या *काव्य की अनुभूति का मूल आधार लोक (संसार) की अनुभूति ही है। अर्थात् काव्य की अनुभूति हमें लोक की अनुभूति कराती है। केवल लोक जीवन का यथार्थ ही काव्य की अनुभूति में ज्ञान और भाव-क्षेत्रों का विस्तार नहीं करता बल्कि कल्पना का भी इस कर्य में महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः स्थापना (A) सही है और तर्क (B) गलत है।*

58. **स्थापना (Assertion) (A) : केवल सुन्दरता ही कविता का लक्ष्य और उसका एकमात्र नियम है और अनन्तकाल तक कविता में गूँजता है।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सत्य और शिव कविता कामिनी के सौन्दर्यवर्द्धन के लिए उपयोगी हैं और न कालजयी।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) सही और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (4)/व्याख्या *केवल सुन्दरता ही कविता का लक्ष्य और उसका एकमात्र नियम नहीं है। सौन्दर्य के अतिरिक्त भाव, विचार और अनुभूति इत्यादि भी कविता के पक्ष हैं। कविता के सौन्दर्यवर्द्धन और अन्य पक्षों के लिए सत्य और शिव उपयोगी और कालजयी दोनों हैं। अतः स्थापना (A)और तर्क (B) दोनों गलत हैं।*

59. **स्थापना (Assertion) (A) : आधुनिक मनुष्य को इतिहास और समय के नियमों-कानूनों का जितना ज्ञान है, उतना पहले किसी युग में प्राप्त नहीं था।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मध्यकालीन संस्कृति में धर्म का जो केन्द्रीय स्थान था, उसने धीरे-धीरे पीछे हटते हुए अपनी जगह इतिहास को समर्पित कर दी।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत
(4) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (4)/व्याख्या *आधुनिक मनुष्य। आज के मनुष्य को इतिहास और समय के नियमों-कानूनों का जितना ज्ञान है आज से पहले यानी मध्यकाल और आदिकाल के मनुष्यों को नहीं था क्योंकि आज हम पहले से अधिक साधन सम्पन्न हैं। आदिकाल और मध्यकाल में संस्कृति में धर्म का केन्द्रीय स्थान था क्योंकि उस समय इतिहास, विज्ञान से ज्यादा विश्वास लोगों का धर्म पर था। इसीलिए हर तौर-तरीके को धर्म से जोड़ा जाता था। जिससे उसे संरक्षित करते हुए व्यवहार में भी लाया जा सके। धीरे-धीरे जब लोग इतिहास को समझने लगे तो इसने अपनी अलग पहचान बनाली। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

60. **स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य-सर्जना का एक आधार सामूहिक अचेतन को माना गया है।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मूलतः सामूहिक वाचन के लिए ही होती है।

(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (2)/व्याख्या *साहित्य-सर्जना (रचना) का एक आधार सामूहिक अवचेतन भी माना गया है। मनुष्य की मानसिक स्थिति चेतन और अवचेतन में वर्गीकृत की जाती है। अवचेतन अवस्था वह है जो मनुष्य के मस्तिष्क में सोई सी रहती है और अवसर आने पर या समयानुकूल होने पर सक्रिय हो जाती है। कविता का मूल उद्देश्य मात्र सामूहिक वाचन ही-नहीं होता है। वरन यह सामूहिक या व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और अनुभूति का विषय है। अतः स्थापना (A) सही है और तर्क (R) गलत हैं।*

61. **स्थापना (Assertion) (A) : आधुनिकता परम्परा का विलोम नहीं है क्योंकि यह प्राचीन और नवीन के द्वन्द्व का परिणाम है।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि आधुनिकता ने मानव-ज्ञान को निरन्तरता और न्यूतनता प्रदान की है, संस्कृति को गतिशीलता दी है।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *आधुनिकता परम्परा का विलोम नहीं है बल्कि यह पुरातन तथा परम्परागत विचारों एवं मूल्यों,धार्मिक विश्वासों, रूढ़िगत रीति-रिवाजों के विरूद्ध नवीन और वैज्ञानिक आविष्कार, विचार एवं नया मूल्य है। मुख्यतः यह औद्योगीकरण और यंत्रीकरण से सम्बन्धित है। आधुनिकता प्राचीन ओर नवीन के बीच होने वाले द्वन्द्व का परिणाम है। आधुनिकता ने मानव ज्ञान में निरन्तरता तथा नूतनता (नवीनता) प्रदान की है। इसने संस्कृति को गतिशील बनाया है। आज हम विश्व के विभिन्न देशों या एक ही देश के एक छोर से दूसरे छोर तक की संस्कृति, रहन, सहन और खान-पान से परिचित हुए हैं। अतः स्थापना (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं।*

62. **स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु युगीन गद्य की भाषा तो खड़ी बोली हो गई पर कविता की भाषा ब्रज भाषा ही रही।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भारतेन्दु युगीन अधिकांश कवि ब्रज क्षेत्र के थे।
(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत (4) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (1)/व्याख्या *भारतेन्दु युग में साहित्य की भाषा में द्वन्द्व दिखाई पड़ता है। इस युग में गद्य की भाषा तो खड़ी बोली हो गयी पर पद्य (कविता) की भाषा मुख्यतः ब्रज ही रही क्योंकि यह भाषा परिवर्तन का सन्धि काल था। भारतेन्दु युग के अधिकांश कवि ब्रज क्षेत्र के ही नहीं थे बल्कि यह बनारस (काशी), इलाहाबाद आदि क्षेत्रों से भी थे। अतः स्थापना (A) सही है और कथन (R) गलत हैं।*

63. **स्थापना (Assertion) (A) : शब्द को सुनते ही संकेत के बल पर जो अर्थ साक्षात् समझ में आता है, उसे वाच्यार्थ कहते हैं। इस अर्थ को सूचित करनेवाली शब्दवृत्ति अभिधावृत्ति कहलाती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भाषा में अर्थ-ग्रहण अभिधावृत्ति से ही होता है।
(1) (A) गलत और (R) सही
(2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) गलत
(4) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (3)/व्याख्या *शब्द को सुनते ही जो अर्थ साक्षात् या सरल एवं सहज रूप से समझ आता है उसे वाच्यार्थ कहते हैं। वाच्यार्थ शब्द वृत्ति को अभिधा वृत्ति कहते हैं। भाषा में अर्थ ग्रहण करने की तीन वृत्तियाँ है- अभिधा, लक्षणा और व्यंजना। अतः हम तीनों ही वृत्तियों में अर्थ ग्रहण करते हैं। अतः स्थापना (A) सही है और कथन (R) गलत हैं।*

64. **स्थापना (Assertion) (A) : जिस जाति की सामाजिक अवस्था जैसी होती है, उसका साहित्य भी वैसा ही होता है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जाति साहित्य का निर्णायक तत्त्व है।
(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (1)/व्याख्या *किसी भी जाति की सामाजिक स्थिति ही उस जाति के साहित्य की स्थिति होती है। जो स्थान किसी जाति का समाज में होता है वही स्थान उसका साहित्य में भी होता है। जाति साहित्य का निर्णायक तत्व नहीं हैं। साहित्य के निर्णायक तत्व तो उसकी भाषा, शैली, विषयवस्तु, देश, काल एवं वातावरण इत्यादि हैं। अतः स्थापना (A) सही है और कथन (R) गलत हैं।*

65. **स्थापना (Assertion) (A) : उत्तर आधुनिकता पूँजीवादी विकास की नई स्थिति और विश्व की नयी अर्थव्यवस्था का परिणाम है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नवपूँजीवाद की नाना विकृतियों और नाना रूपों से सामाजिक साक्षात्कार ही उत्तर आधुनिकता है।
(1) (A) गलत और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *उत्तर आधुनिकता, आधुनिकता से अलग एक विचार धारा है न कि आधुनिकता के बाद की। आधुनिक विचार धारा के फलस्वरूप पूँजीवाद और विश्व की नई अर्थव्यवस्था का बोल-बाला हुआ। इसके दुष्परिणाम को रेखांकित करने का कार्य उत्तर आधुनिकता ने किया। इस नवपूँजीवाद और ग्लोबलाइजेशन के दौर ने सामाजिक मूल्यों और विचार पर चोट पहुँचाया। इन विकृतियों से उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को अभिव्यक्त करने का कार्य उत्तर आधुनिकता ने किया। अतः स्थापना (A) और कथन (R) दोनों सही हैं।*

66. **निम्नलिखित सिद्धांतों को उनके सिद्धांतकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची-I	सूची-II
(a) द्वैत	(i) रामानुजाचार्य
(b) द्वैताद्वैत	(ii) वल्लभाचार्य
(c) शुद्धाद्वैत	(iii) निंबाकाचार्य
(d) विशिष्टाद्वैत	(iv) मध्वाचार्य
	(v) शंकराचार्य

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(v)

उत्तर- (2)/व्याख्या

सिद्धांत	सिद्धांतकार	स्थान
द्वैत	मध्वाचार्य	बेलिग्राम
द्वैताद्वैत	निम्बार्काचार्य	बेल्लारी
शुद्धाद्वैत	वल्लभाचार्य	चम्पारन
विशिष्टा द्वैत	रामानुजाचार्य	कांचीपुरम
अद्वैतवाद	शंकराचार्य	केरल
अचिन्त्य भेदाभेद	चैतन्य महाप्रभु	नवद्वीप

67. **निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची- I	सूची- II
(a) चतुर्भुजदास	(i) युगलशतक
(b) मीराबाई	(ii) अनेकार्थमंजरी
(c) श्रीभट्ट	(iii) रागगोविन्द
(d) नंददास	(iv) द्वादशयश
	(v) कृष्णगीतावली

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

(3) (iii) (iv) (ii) (i)
(4) (iv) (iii) (i) (ii)

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचनाकार	रचना
चतुर्भुजदास	द्वादशयश
मीराबाई	रागगोविन्द
श्रीभट्ट	युगल शतक
नन्ददास	अनेकार्थ मंजरी
तुलसीदास	कृष्णगीतावली

68. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची- I	सूची- II
(a) हितरंगिणी	(i) रहीम
(b) सुदामाचरित्र	(ii) केशवदास
(c) माधवानलकामकंदला	(iii) आलम
(d) विज्ञानगीता	(iv) नरोत्तमदास
	(v) कृपाराम

कोड :(a) (b) (c) (d)
(1) (ii) (iii) (iv) (v)
(2) (i) (ii) (iii) (iv)
(3) (v) (iv) (iii) (ii)
(4) (iv) (v) (ii) (i)

उत्तर- (3)/व्याख्या

ग्रंथ	लेखक
हिततरंगिणी	*कृपाराम*
सुदामाचरित्र	*नरोत्तमदास*
माधवानल काम कंदला	*आलम*
विज्ञानगीता	*केशवदास*
रास पंचाध्यायी	*रहीम*

69. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचानाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची- I	सूची- II
(a) अर्द्धकथानक	(i) घनानंद
(b) काव्यकल्पद्रुम	(ii) बनारसीदास
(c) अलकशतक	(iii) सेनापति
(d) बारहमासा	(iv) मुबारक
	(v) सुंदर

कूट :(a) (b) (c) (d)
(1) (i) (ii) (iii) (iv)
(2) (ii) (iii) (iv) (v)
(3) (iii) (ii) (v) (i)
(4) (iv) (v) (iii) (i)

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	रचनाकार
अर्द्धक थानक	*बनारसीदास*
काव्य कल्पद्रुम	*सेनापति*
अलक शतक	*मुबारक*
बारहमासा	*सुन्दर*
सुजानसागर	*घनानन्द*

70. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची- I	सूची- II
(a) राठौड़ाँ री ख्यात	(i) शारङ्गधर पद्धति
(b) विराट पुराण	(ii) उपदेशरसायनरास
(c) पुष्पदंत	(iii) उत्तर पुराण
(d) जिनदत्त सूरि	(iv) गोरखनाथ
	(v) दयालदास

कोड :(a) (b) (c) (d)
(1) (i) (v) (iv) (iii)
(2) (v) (iv) (iii) (ii)
(3) (ii) (i) (v) (iv)
(4) (iii) (ii) (i) (v)

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	रचनाकार
राठौड़ाँ री ख्यात	*दयालदास*
विराट पुराण	*गोरखनाथ*
उत्तर पुराण	*पुष्पदंत*
उपदेश रसायन रास	*जिनदत्त सूरि*
शारङ्गधर पद्धति	*शारङ्गधर*

71. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची- I	सूची- II
(a) वैश्यो! सुनो व्यापार सारा मिट चुका है देश का सब धन विदेशी हर रहे हैं पार है क्या क्लेश का ?	(i) जयशंकर प्रसाद
(b) तुम भूल गये पुरुषत्व मोह में, कुछ सता है नारी की समरसता है संबंध बनी अधिकार और अधिकारी की।।	(ii) पंत
(c) प्रथम रश्मि का आना रंगिणि! तू ने कैसे पहचाना? कहाँ-कहाँ हे बाल विहंगिनि पाया तू ने यह गाना?	(iii) महादेवी वर्मा
(d) क्या अमरों का लोक मिलेगा तेरी करुणा का उपहार? रहने दो हे देव! अरे यह मेरा मिटने का अधिकार!	(iv) निराला
	(v) मैथिलीशरण गुप्त

कोड :(a) (b) (c) (d)
(1) (iii) (iv) (i) (v)
(2) (i) (ii) (iii) (iv)
(3) (iii) (v) (i) (ii)
(4) (v) (i) (ii) (iii)

72. **निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची- I	सूची- II
(a) साहित्य का समाजशास्त्र	(i) इन्द्रनाथ मदान
(b) प्रगतिशील साहित्य की समस्यायें	(ii) केदारनाथ सिंह
(c) आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान	(iii) अज्ञेय
(d) अद्यतन	(iv) नगेन्द्र
	(v) रामविलास शर्मा

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(4)	(ii)	(v)	(iii)	(iv)

उत्तर- (2)/व्याख्या

ग्रन्थ	वर्ष	रचनाकार
साहित्य का समाजशास्त्र	1982	नगेन्द्र
प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ	1954	रामविलास शर्मा
आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान	2005	केदारनाथ सिंह
अद्यतन	1977	अज्ञेय
कुछ उथले कुछ गहरे	1974	इन्द्रनाथ मदान

73. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची- I	सूची- II
(a) छप्पर	(i) मोहनदास नैमिशराय
(b) शिकंजे का दर्द	(ii) ओम प्रकाश वाल्मीकि
(c) अपने अपने पिंजरे	(iii) माताप्रसाद
(d) झोंपड़ी से राजभवन	(iv) सुशीला टाकभौरे
	(v) जयप्रकाश कर्दम

कोड:	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(v)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(v)	(iii)

उत्तर- (3)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
छप्पर	1994 ई0	जयप्रकाश कर्दम
शिकंजे का दर्द	2011 ई0	सुशीला टाकभौरे
अपने-अपने पिंजरे	1995 ई0	मोहनदास नैमिशराय
झोपड़ी से राजभवन	2002 ई0	माता प्रसाद
जूठन	1997 ई0	ओम प्रकाश वाल्मीकि

74. **निम्नलिखित कहानियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची- I	सूची- II
(a) यारों के यार	(i) दूधनाथ सिंह
(b) मछली मरी हुई	(ii) शेखर जोशी
(c) सपाट चेहरे वाला आदमी	(iii) कृष्णा सोबती
(d) कोसी का घटवार	(iv) राजकमल चौधरी
	(v) भीष्म साहनी

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(4)	(ii)	(v)	(iii)	(iv)

उत्तर- (1)/व्याख्या

कहानी	वर्ष	कहानीकार
यारों के यार	1968 ई०	कृष्णा सोबती
मछली मरी हुई	1966 ई०	राजकमल चौधरी
सपाट चेहरे वाला आदमी	1967 ई०	दूधनाथ सिंह
कोसी का घटवार	1958 ई०	शेखर जोशी
भाग्य रेखा	1953 ई०	भीष्म साहनी

75. **निम्नलिखित संवाद-पंक्तियों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची- I	सूची- II
(a) मैंने भावना में भावना का वरण किया है	(i) चन्द्रगुप्त
(b) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है ...	(ii) लहरों के राजहंस
(c) समझदारी आने पर यौवन चला जाता है,जब तक माला गूंथी जाती है फूल कुम्हला जाते हैं	(iii) आषाढ़ का एक दिन
(d) नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है और उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध	(iv) कोमल गांधार
	(v) स्कन्दगुप्त

कोड:	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(v)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर- (2)/व्याख्या

संवाद पक्तियाँ	नाटक	नाटककार
मैंने भावना....वरण किया है।	आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
अधिकार सुख....सारहीन है।	स्कन्दगुप्त	जयशंकर प्रसाद
समझदारी आने.......फूल कुम्हला जाते हैं।	चन्द्रगुप्त	जयशंकर प्रसाद
नारी का आकर्षण...... गौतम बुद्ध।	लहरों के राजहंस	मोहन राकेश

1. महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है?

(1) स्वयंभू (2) सरहपाद (3) पुष्पदंत (4) गोरखनाथ

उत्तर- (2)/व्याख्या *हिन्दी के प्रथम कवि सर्वसम्मति से सरहपाद माने जाते हैं।*

विभिन्न विद्वानों के अनुसार मान्य कवि-

कवि	समय	मानने वाले विद्वान
पुष्य या पुण्ड	7वीं शताब्दी	शिवसिंह सेंगर/ग्रियर्सन
सरहपाद	8वीं शताब्दी (769 ई.)	राहुल सांकृत्यायन
स्वयंभू	8वीं शताब्दी	राम कुमार वर्मा
शालिभद्रसूरि	1184 ई.	गणपति चन्द्र गुप्त
राजा मुंज	10वीं शताब्दी	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
अब्दुल रहमान	13वीं शताब्दी	हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. ''संदेसडउ सवित्थरउ पइ मइ कहणु न जाइ।
जे कालांगुलि मूंदडऊ सो बाँहडी समाइ।।''
इन पंक्तियों के रचनाकार हैं-

(1) विमलसूरि (2) अद्दहमाण
(3) हेमचंद्र (4) दामोदर भट्ट

उत्तर- (2)/व्याख्या

पंक्ति	रचनाकार
संदेसडउ सवित्थरउ ..... बाँहडी समाइ।।	अद्दहमाण या अब्दुल रहमान
जइ केवइं पावीसु पिउ, अकिआ कुड्ड करीहु। पाणिउ नवइ सरवि जिव सब्वंगे पइसीसु।।	हेमचन्द्र
वेद पढ़ब, स्मृति अभ्यासिब पुराण देखब, धर्म करब।	दामोदर भट्ट

3. 'कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था', किसका कथन है?

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन (2) मिश्रबंधु
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) रामचंद्र शुक्ल

उत्तर- (4)/व्याख्या *खुसरो के सन्दर्भ में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का कथन है कि- ''कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था, उसी प्रकार जैसे अंगरेजों का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक रहता है। खुसरो का लक्ष्य जनता का मनोरंजन था। पर कबीर धर्मोपदेशक थे।''*

4. निम्नलिखित ग्रंथों में से किसके रचयिता तुलसीदास नहीं हैं?

(1) वैराग्य संदीपनी (2) कृष्ण गीतावली
(3) हनुमच्चरित (4) पार्वती मंगल

उत्तर- (3)/व्याख्या *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने तुलसीदास के बारह ग्रन्थ माने हैं- दोहावली, कवितावली (कवित्त रामायण), गीतावली, रामचरित मानस, विनय पत्रिका, रामलला नहछू, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी, कृष्ण-गीतावली, रामाज्ञा प्रश्नावली।*

5. 'जायसी पहले कवि हैं, सूफी बाद में', किसका कथन है?

(1) श्याम मनोहर पांडेय (2) चंद्रबली सिंह
(3) विजयदेव नारायण साही (4) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर- (3)/व्याख्या *विजयदेव नारायण साही ने अपनी पुस्तक 'जायसी' में यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि जायसी सूफी नहीं थे। वह जायसी को भक्ति से बाहर निकालकर कवि के रूप में प्रतिष्ठित करना चाहते थे। इसी सन्दर्भ में आपने कहा है, 'जायसी पहले कवि हैं, सूफी बाद में।'*

6. ''जसोदा! कहा कहाँ हौं बात?
तुम्हारे सुत के करतब मो पै कहे नहिं जात''।
इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं-

(1) सूरदास (2) नंददास (3) कृष्णदास (4) चतुर्भुजदास

उत्तर- (4)/व्याख्या

पंक्ति	रचनाकार
'जसोदा कहा ---------- नहिं जात।	चतुर्भुजदास
'मैया कबहि बढ़ेगी चोटी। किलिक बार मोहिं दूध पियत भइ, यह अबहूँ है छोटी''	सूरदास
कहन स्याम संदेस एक मैं तुम पै आयो।	नन्ददास
मो मन गिरिधर छवि पै अटक्यो। ललित त्रिभंग चाल पै चलि कै, चिबुक चारि गाढ़ि ठटक्यो।।	कृष्णदास

7. ''अधर-मधुरता, कठिनता कुच, तीक्षनता-त्यौर।
रस-कवित्त-परिपक्वता जानै रसिक न और।।''
उक्त दोहे के द्वारा किस आचार्य कवि ने काव्य-रसिक को परिभाषित किया है?

(1) चिंतामणि (2) भिखारीदास
(3) जसवंत सिंह (4) बेनी प्रवीन

उत्तर- (2)/व्याख्या

पंक्ति	कवि
अधर मधुरता ----------- न और।	भिखारीदास
अवलोकनि में पलकै न लगें, पलकौ अवलोकि बिना ललकै।	चिन्तामणि
अलंकार अत्युक्ति यह, बरनत अतिसय रूप।	जसवन्त सिंह
भोर ही न्यौति गई ती तुम्हैं वह, गोकुल गाँव की ग्वालनि गोरी।	बेनी प्रवीन

8. निम्नलिखित में से रीतिमुक्त कविता की विशेषता कौन-सी है?

(1) स्वच्छंदता (2) सामाजिकता
(3) निर्वैयक्तिकता (4) ऐतिहासिकता

उत्तर- (1)/व्याख्या *रीतिमुक्ति कविता की विशेषताएँ-*

1. स्वच्छन्दता।
2. आत्म प्रधान और व्यक्तिपरक।
3. सांकेतिक और व्यंजना प्रधान।
4. कल्पना और असाधारणता का प्राचुर्य।
5. भाव प्रधान अधिक, रूप प्रधान कम।

9. 'एकांत संगीत' किसकी रचना है?

(1) श्रीधर पाठक (2) हरिवंशराय बच्चन
(3) रामेश्वर शुक्ल अंचल (4) महादेवी वर्मा

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
एकांत संगीत	1939	हरिवंशराय बच्चन
एकांतवासी योगी	1886	श्रीधर पाठक
लाल चूनर	1944	रामेश्वर शुक्ल अंचल
सप्तपर्णा	1960	महादेवी वर्मा

10. 'दुःखिनी बाला' नाटक के लेखक हैं :

(1) श्री निवासदास (2) राधाकृष्णदास
(3) किशोरीलाल गोस्वामी (4) प्रतापनारायण मिश्र

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
दुःखिनी बाला	1880	राधाकृष्ण दास
तप्तासंवरण	1883	श्रीनिवास दास
प्रणयिनी-परिणय	1890	किशोरीलाल गोस्वामी
कलिकौतुक रूपक	1886	प्रताप नारायण मिश्र

11. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह प्रेमचंद का नहीं है?

(1) प्रेमपचीसी (2) प्रेमद्वादशी
(3) मुहब्बत की राहें (4) सप्त सरोज

उत्तर- (3)/व्याख्या *प्रेम पचीसी (1923), सप्त सरोज, नवनिधि, प्रेम द्वादशी, प्रेम प्रसून, प्रेम प्रतिज्ञा, प्रेम कुंज, सप्त सुमन इत्यादि प्रेमचन्द के कहानी संग्रह हैं। मुहब्बत की राहें (1945), फरिश्ता (1946), इन्सान (1950) इत्यादि भैरव प्रसाद गुप्त के कहानी संग्रह है।*

12. निम्नलिखित में से कौन सा कहानी-संग्रह फणीश्वरनाथ रेणु का नहीं है?

(1) आदिम रात्रि की महक (2) अग्निखोर
(3) अच्छे आदमी (4) गरीबी हटाओ

उत्तर- (4)/व्याख्या *ठुमरी (1959), आदिम रात्रि की महक (1967), अग्निखोर (1973), एक श्रावणी दोपहर की धूप (1984), अच्छे आदमी (1986) फणीश्वरनाथ रेणु के कहानी-संग्रह हैं। गरीबी हटाओ (1976), चकैया नीम (1979), काला रजिस्टर (1972), नौ साल छोटी पत्नी रवीन्द्र कालिया के कहानी संग्रह हैं।*

13. मृणाल किस उपन्यास की प्रमुख पात्र है?

(1) निर्वासित (2) परख
(3) त्यागपत्र (4) अंतराल

उत्तर- (3)/व्याख्या

पात्र	उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
मृणाल	त्यागपत्र	1937	जैनेन्द्र कुमार
निर्वासित	नीलिमा	1946	इलाचन्द जोशी
परख	कट्टो	1929	जैनेन्द्र
अंतराल	श्यामा	1972	मोहन राकेश

14. बंबई के मजदूर संगठनों के जीवन-संघर्ष पर आधारित उपन्यास है :

(1) आवाँ (2) समरांगण
(3) अनित्य (4) अंतर्वशी

उत्तर- (1)/व्याख्या

उपन्यास	विषयवस्तु	उपन्यासकार
आवाँ	बंबई के मजदूर संगठनों के जीवन संघर्ष पर आधारित।	चित्रा मुद्‌गल
समरांगण	नारी जीवन की विवशता का चित्रण	मेहरुन्निशा परवेज
अनित्य	स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद का भारतीय जीवन	मृदुला गर्ग
अंतर्वशी	अमेरिका के प्रवासी भारतीयों का चित्रण	उषा प्रियंवदा

15. 'शिवशंभु के चिट्ठे' के रचनाकार हैं :

(1) बालमुकुन्द गुप्त (2) श्यामसुन्दर दास
(3) सरदारपूर्ण सिंह (4) बालकृष्णभट्ट

उत्तर- (1)/व्याख्या

निबन्ध	रचनाकार
शिवशम्भु के चिट्‌ठे	बाल मुकुन्द गुप्त
समाज और साहित्य	श्याम सुन्दर दास
कन्यादान	सरदार पूर्णसिंह
भिक्षा-वृत्ति	बालकृष्ण भट्‌ट

16. इनमें से कौन काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रथम सभापति थे?

(1) बाबू श्याम सुंदर दास (2) पं. रामनारायण मिश्र
(3) बाबू राधाकृष्ण दास (4) बाबू गदाधर सिंह

उत्तर- (3)/व्याख्या *'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना 1893 ई0 में हुई थी। इसके संस्थापक सदस्यों में- बाबू श्याम सुन्दर दास, पं. रामनारायण मिश्र और ठाकुर शिवकुमार सिंह थे। इस सभा के प्रथम सभापति बाबू राधाकृष्णदास थे। इसी सभा द्वारा 1896 ई0 में त्रैमासिक पत्र 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया।*

17. इनमें से कौन-सा विराम चिह्न ऐसा है जो हिन्दी में अंग्रेजी भाषा से नहीं लिया गया है?

(1) , (2) ; (3) ? (4) ।

उत्तर- (4)/व्याख्या *(,) अल्प विराम, (;) अर्द्ध विराम, (?) प्रश्नवाचक ये सभी विराम चिह्न अंग्रेजी भाषा से हिन्दी में आये हैं जबकि (।) पूर्ण विराम संस्कृत से आया है।*

18. प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है?

(1) पार्श्विक (2) उत्क्षिप्त (3) प्रकंपित (4) संघर्षहीन

उत्तर- (1)/व्याख्या *प्रयत्न के आधार पर 'ल' पार्श्विक ध्वनि है। 'ड़' और 'ढ़' उत्क्षिप्त ध्वनि है।*

19. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्दालंकार नहीं है?

(1) श्लेष (2) वीप्सा (3) उपमा (4) वक्रोक्ति

उत्तर- (3)/व्याख्या *जहाँ शब्दों के माध्यम से काव्य में चमत्कार पैदा होता है, वहाँ शब्दालंकार होता है। इस अलंकारों का नाम निम्न है- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा आदि। जहाँ अर्थ के आधार पर चमत्कार पैदा हो वहाँ अर्थालंकार होता है- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दीपक, उदाहरण इत्यादि।*

20. रस-सूत्र की व्याख्या करते हुए 'अभिव्यक्तिवाद' की स्थापना किस आचार्य ने की?

(1) भट्टनायक (2) श्री शंकुक
(3) भट्टलोल्लट (4) अभिनव गुप्त

उत्तर- (4)/व्याख्या

इस सूत्र की व्याख्या के व्याख्याकार और उनकी स्थापना निम्नवत् है-

व्याख्याकार	स्थापना	दर्शन
भट्टलोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद	मीमांसा
श्रीशंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भुक्तिवाद या भोगवाद	सांख्य
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

21. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) भरतेश्वर बाहुबली रास, श्रावकाचार, चंदनबाला रास, रेवंत गिरि रास
(2) रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास
(3) चंदनबाला रास, भरतेश्वर बाहुबली रास, रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार
(4) श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास, रेवंतगिरि रास

उत्तर- (4)/व्याख्या

प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम

रचना	वर्ष	रचनाकार
श्रावकाचार	933 ई0	देवसेन
भरतेश्वर बाहुबली रास	1184 ई0	शालिभद्र सूरि
चन्दनबाला रास	1200 ई0	आसगु
रेवंत गिरि रास	1231 ई0	विजयसेन सूरि

22. अलंकार संप्रदाय से सबंद्ध अलंकार ग्रंथों का सही कालानुक्रम है :

(1) अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार सार संग्रह, काव्यालंकार
(2) काव्यालंकार, अलंकार सर्वस्व, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार कौस्तुभ
(3) काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार
(4) काव्यालंकार, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ

उत्तर- (4)/व्याख्या

अलंकार ग्रंथ	कालक्रम	अलंकार
काव्यालंकार	6वीं शताब्दी	भामह
काव्यालंकार सार संग्रह	8वीं शताब्दी	उद्भट
अलंकार सर्वस्व	12वीं शताब्दी	रुय्यक
अलंकार कौस्तुभ	15वीं शताब्दी	कर्णपूर्ण

23. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही कालानुक्रम है :

(1) कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, जॉन ड्राइडन
(2) मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन
(3) क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन, मैथ्यू आर्नल्ड
(4) जॉन ड्राइडन, कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे

उत्तर- (4)/व्याख्या

जन्मकाल के अनुसार पाश्चात्य आलोचकों का क्रम- जान ड्राइडन (1631), कॉलरिज (1772 ई0), मैथ्यू अर्नाल्ड (1822), क्रोचे (1866 ई0) है।

24. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है:

(1) घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना
(2) स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना
(3) अद्भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी
(4) अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्भुत प्रायश्चित

उत्तर- (1)/व्याख्या

उपन्यास	प्र0 वर्ष	उपन्यासकार
घराऊ घटना	1894	भुवनेश्वर मिश्र
स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी	1899	लज्जा राम मेहता शर्मा
अद्भुत प्रायश्चित	1906	ब्रजनन्दन सहाय
अंगूठी का नगीना	1918	किशोरी लाल गोस्वामी

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(1) अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द
(2) जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे
(3) मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन
(4) शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया

उत्तर- (1)/व्याख्या

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
अपने-अपने पिंज़रे	1995	मोहनदास नैमिशराय
जूठन	1997	ओमप्रकाश वाल्मीकि
मुर्दहिया	2010	डॉ0 तुलसीराम
शिकंजे का दर्द	2012	सुशीला टाक भौंरे

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) मैला आंचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस
(2) परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, मैला आंचल
(3) मैला आंचल, परती परिकथा, जुलूस, दीर्घतपा
(4) परती परिकथा, मैला आंचल, जुलूस, दीर्घतपा

उत्तर- (1)/व्याख्या

फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यासों का अनुक्रम- मैला आंचल (1954), परती परिकथा (1957), दीर्घतपा (1963), जुलूस (1965), कितने चौराहे (1966), पल्टू बाबू रोड (1979) और 'कलंक मुक्ति' है।

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) सतमी के बच्चे, फाँसी, बिखरे मोती, दो बाँके
(2) सतमी के बच्चे, दो बाँके, बिखरे मोती, फाँसी
(3) दो बाँके, सतमी के बच्चे, बिखरे मोती, फाँसी
(4) फाँसी, बिखरे मोती, सतमी के बच्चे, दो बाँके

उत्तर- (4)/व्याख्या/

कहानी संग्रह	वर्ष	कहानीकार
फाँसी	1929	जैनेन्द्र
बिखरे मोती	1932	सुभद्रा कुमारी चौहान
सतमी के बच्चे	1935	राहुल सांकृत्यायन
दो बाँके	1936	भगवती चरण वर्मा

28. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त

(2) श्याम नारायण पाण्डेय, सोहनलाल द्विवेदी, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त

(3) सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर

(4) रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्यामनारायण पाण्डेय

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *जन्मकाल के अनुसार कवियों का अनुक्रम- सियाराम शरण गुप्त (1894-1963), सोहन लाल द्विवेदी (1906-1988), श्याम नारायण पाण्डेय (1907-1991), रामधारी सिंह दिनकर (1908-1974) है।*

29. निम्नलिखित दैनंदिनियों (डायरियों) का सही कालानुक्रम है :

(1) मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने

(2) प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी

(3) दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी

(4) डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी

उत्तर- (3)/व्याख्या/

डायरी	वर्ष	डायरीकार
दैनंदिनी	1885	राधाचरण गोस्वामी
डायरी के कुछ पन्ने	1940	घनश्याम दास बिड़ला
मेरी कॉलिज डायरी	1954	धीरेन्द्र वर्मा
प्रवास की डायरी	1971	हरिवंश राय बच्चन

30. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है :

(1) हरिश्चंद मैंगजीन, आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती

(2) आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हरिश्चंद्र मैंगजीन

(3) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी, हरिश्चंद्र मैंगजीन, सरस्वती

(4) सरस्वती, हरिश्चंद्र मैंगजीन, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी

उत्तर- (1)/व्याख्या/

पत्र-पत्रिकाएँ	प्र0 वर्ष	प्रमुख सम्पादक
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873	भारतेन्दु
आनन्द कादंबिनी	1881	प्रेमघन
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896	वेणी प्रसाद
सरस्वती	1900	महावीर प्रसाद द्विवेदी

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) जयमयंक जसचंद्रिका	(i) देवसेन
(b) पृथ्वीराज रासो	(ii) मधुकर कवि
(c) श्रावकाचार	(iii) सुमति मणि
(d) नेमिनाथ रास	(iv) चंदबरदाई
	(v) पुष्पदंत

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर- (2)/व्याख्या/

रचना	रचनाकार
जयमयंक जसचंद्रिका	मधुकर कवि
पृथ्वीराज रासो	चंदबरदाई
श्रावकाचार	देवसेन
नेमिनाथ रास	सुमति मणि
णयकुमार चरिउ	पुष्पदंत

32. निम्नलिखित ग्रंथो को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) साहित्य लहरी	(i) रसखान
(b) प्रेम वाटिका	(ii) सूरदास
(c) रसमंजरी	(iii) हितहरिवंश
(d) भक्त नामावली	(iv) नंददास
	(v) ध्रुवदास

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(ii)	(v)	(i)	(iii)

उत्तर- (1)/व्याख्या/

ग्रंथ	लेखक
साहित्य लहरी	सूरदास
प्रेम वाटिका	रसखान
रस मंजरी	नंददास
भक्त नामावली	ध्रुवदास
यमुनाष्टक	हितहरिवंश

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
(a) आलम	(i) सुजानहित प्रबंध
(b) घनानंद	(ii) श्रृंगारलतिका सौरभ
(c) ठाकुर	(iii) माधवानल कामकंदला
(d) द्विजदेव	(iv) ठाकुर ठसक
	(v) इश्कनामा

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या

कवि	रचना
आलम	माधवानल कामकंदला
घनानंद	सुजानहित प्रबंध
ठाकुर	ठाकुर ठसक
द्विजदेव	श्रृंगारलतिका सौरभ
बोधा	इश्कनामा

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) एक पतंग अनंत में	(i) शमशेर बहादुर सिंह
(b) यहाँ से देखो	(ii) कुंवर नारायण
(c) बात बोलेगी	(iii) अशोक बाजपेयी
(d) आत्मजयी	(iv) श्रीकांत वर्मा
	(v) केदारनाथ सिंह

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर- (4)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
एक पतंग अनंत में	1984	अशोक बाजपेयी
यहाँ से देखो	1999	केदारनाथ सिंह
बात बोलेगी	1981	शमशेर बहादुर सिंह
आत्मजयी	1965	कुंवर नारायण
जलसाघर	1973	श्रीकान्त वर्मा

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) सूखी डाली	(i) रामकुमार वर्मा
(b) कारवाँ	(ii) जयशंकर प्रसाद
(c) बादल की मृत्यु	(iii) उपेन्द्रनाथ अश्क
(d) एक घूँट	(iv) विष्णु प्रभाकर
	(v) भुवनेश्वर प्रसाद

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या

एकांकी	वर्ष	एकांकीकार
सूखी डाली	1941	उपेन्द्रनाथ अश्क
कारवाँ	1935	भुवनेश्वर प्रसाद
बादल की मृत्यु	1930	रामकुमार वर्मा
एक घूँट	1930	जयशंकर प्रसाद
मैं तुम्हे क्षमा नहीं करूँगा	1986	विष्णु प्रभाकर

36. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) मेरी आत्म कहानी	(i) रामवृक्ष बेनीपुरी
(b) स्मृति की रेखाएं	(ii) शिवनंदन सहाय
(c) माटी की मूरतें	(iii) श्याम सुंदर दास
(d) हरिश्चंद्र	(iv) महादेवी वर्मा
	(v) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(v)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	वर्ष	विधा	रचनाकार
मेरी आत्मकहानी	1941	आत्मकथा	श्यामसुंदर दास
स्मृति की रेखाएँ	1947	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
माटी की मूरतें	1946	रेखाचित्र	रामवृक्ष बेनीपुरी
हरिश्चन्द्र	1905	जीवनी	शिवनन्दन सहाय
माटी हो गयी सोना	1959	रेखाचित्र	कन्हैया लाल मिश्र

37. निम्नलिखित लेखिकाओं को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) ममता कालिया	(i) एक जमीन अपनी
(b) नासिरा शर्मा	(ii) शेष कादंबरी
(c) चित्रा मुद्गल	(iii) एक पत्नी के नोट्स
(d) अलका सरावगी	(iv) एक पति के नोट्स
	(v) जिंदा मुहावरे

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)
(3)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)

उत्तर- (1)/व्याख्या

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
एक पत्नी के नोट्स	1997	ममता कालिया
जिन्दा मुहावरे	1993	नासिरा शर्मा
एक जमीन अपनी	1990	चित्रा मुद्गल
शेष कादंबरी	2001	अलका सरावगी
एक पति के नोट्स	1967	महेन्द्र भल्ला

38. निम्नलिखित काव्य शास्त्रीय कृतियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) औचित्य विचार चर्चा	(i) आनंद वर्द्धन
(b) ध्वन्यालोक	(ii) भट्ट नायक
(c) श्रृंगार प्रकाश	(iii) भोजराज
(d) काव्य मीमांसा	(iv) राजशेखर
	(v) क्षेमेन्द्र

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(v)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर- (1)/व्याख्या

काव्यशास्त्री कृतियाँ	प्रणीत आचार्य
औचित्य विचार चर्चा	*क्षेमेन्द्र*
ध्वन्यालोक	*आनन्द वर्धन*
श्रृंगार प्रकाश	*भोजराज*
काव्य मीमांसा	*राजशेखर*
हृदय दर्पण/सहृदय दर्पण	*भट्टनायक*

39. **निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची-I	सूची-II
(a) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	(i) रमेशचंद्र शाह
(b) शब्द और मनुष्य	(ii) विश्वनाथ त्रिपाठी
(c) अज्ञेयः वागर्थ-वैभव	(iii) निर्मल वर्मा
(d) लोकवादी तुलसीदास	(iv) शिवदान सिंह चौहान
	(v) परमानंद श्रीवास्तव

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर- (3)/व्याख्या

आलोचना ग्रंथ	वर्ष	आलोचक
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	*1954*	*शिवदान सिंह चौहान*
शब्द और मनुष्य	*1988*	*परमानन्द श्रीवास्तव*
अज्ञेय : वागर्थ-वैभव	*1995*	*रमेशचन्द्र शाह*
लोकवादी तुलसी दास	*1974*	*विश्वनाथ त्रिपाठी*
शब्द और स्मृति	*1976*	*निर्मल वर्मा*

40. **निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिएः**

सूची-I	सूची-II
(a) हरिकृष्ण प्रेमी	(i) अंगूर की बेटी
(b) गोविन्द वल्लभ पंत	(ii) संन्यासी
(c) लक्ष्मी नारायण मिश्र	(iii) अशोक
(d) चंद्रगुप्त विद्यालंकार	(iv) रक्षा बंधन
	(v) कर्त्तव्य

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

उत्तर- (2)/व्याख्या

नाटक	वर्ष	नाटककार
रक्षाबन्धन	*1934*	*हरिकृष्ण प्रेमी*
अंगूर की बेटी	*1937*	*गोविन्द वल्लभ पंत*
संन्यासी	*1930*	*लक्ष्मी नारायण मिश्र*
अशोक	*1935*	*चन्द्रगुप्त विद्यालंकार*
कर्त्तव्य	*1936*	*सेठ गोविन्द दास*

निर्देश : प्रश्न संख्या 41 से 45 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमे से एक स्थापना (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य को कर्म में प्रवृत्त करने वाली मूल प्रवृत्ति भावात्मिका है। केवल तर्कबुद्धि या विवेचना के बल से हम किसी कार्य में प्रवृत्त नहीं होते।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जहाँ जटिल बुद्धि-व्यापार के अनंतर किसी कर्म का अनुष्ठान देखा जाता है वहाँ भी तह में कोई भाव या वासना छिपी रहती है।

(1) (A) गलत (R) गलत (2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) सही (R) सही (4) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *मनुष्य केवल तर्क से, विश्लेषण से या विवेचना मात्र से किसी भी कार्य में पूर्ण प्रवृत्त नहीं होता है। वह भावात्मिका (आत्मिक भाव) से जब किसी कार्य को करता है तो उस कार्य के पूर्ण सम्पन्न होने की निश्चितता बनी रहती है, यही उसकी मूल प्रवृत्ति है। जब कभी भी मात्र जटिल बुद्धि संरचना के कारण कोई भी कार्य किया जाता है तो वहाँ भी कोई न कोई भाव या इच्छा छिपी रहती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

42. **स्थापना (Assertion) (A) : अभिव्यंजनावादियों के अनुसार कवि या कलाकार अपने अंतर की भावना को बाहर प्रकाशित करता है, बाह्य वस्तु को नहीं।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अभिव्यंजनावादी अंतर की भावना की जगह बाह्य वस्तु को अधिक महत्व देता है।

(1) (A) सही (R) गलत (2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) सही(R) सही (4) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (1)/व्याख्या *अभिव्यंजना का अर्थ है अभिव्यक्ति। इस मत के अनुसार कोई भी कवि या कालाकार या अन्य कोई अपने अन्दर की भावना को बात के माध्यम से, चित्र के, अभिनय के माध्यम से बाहर को प्रकाशित करता है। न कि जो बाह्य में वस्तु स्थित है उसे। अभिव्यंजनावादी आन्तरिक को जयादा महत्त्व देता है, बाह्य को कम। अतः कथन (A) सही है और (R) गलत है।*

43. **स्थापना (Assertion) (A) : मन को अनुरंजित करना, उसे सुख या आनंद पहुँचाना ही कविता का अंतिम लक्ष्य मानना चाहिए।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनोविलास की सामग्री है जिससे सहृदय पाठक अपनी कुठाओं से मुक्त होता है। इसे ही हृदय की मुक्तावस्था कहा गया है।

(1) (A) सही (R) सही (2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) और (R) दोनों गलत (4) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *कविता का अन्तिम लक्ष्य मात्र मन को अनुरंजित करना, सुख या आनन्द पहुँचाना ही नहीं है बल्कि इसका लक्ष्य मनुष्य एवं समस्त सृष्टि का कल्याण करना है।*

कविता मनोविलास की सामग्री नहीं है। शुक्ल के अनुसार, हृदय की मुक्तावस्था ज्ञानदशा है। अतः कथन (A) और (R) दोनों गलत हैं।

44. **स्थापना (Assertion) (A) : फ्रायड के अनुसार कला और धर्म, दोनों का उद्भव अचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं में ही होता है। इस कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।**

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अवचेतन मानस में कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।

(1) (A) सही (R) सही (2) (A) सही (R) गलत
(3) (A) और (R) दोनों गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (2)/व्याख्या *फ्रायड के अनुसार कला और धर्म दोनों का उद्भव अचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं के द्वारा ही होता है। जब इस कामशक्ति का उन्नयन हो जाता है तभी कलाकार सर्जन करता है। अवचेतन मानस उत्पन्न कामशक्ति के द्वारा कलाकार सर्जन नहीं करता बल्कि अवचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं के द्वारा उत्पन्न कामशक्ति से कलाकार सर्जन करता है। अतः कथन (A) सही तथा (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का जो चरम लक्ष्य सर्वभूत को आत्मभूत कराके अनुभव कराना है, उसके साधन में भी अहंकार का त्याग आवश्यक है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जब तक इस अहंकार से पीछा न छूटेगा तब तक प्रकृति के सब रूप मनुष्य की अनुभूति के भीतर नहीं आ सकते।

(1) (A) सही (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *काव्य का चरम लक्ष्य सर्वभूत को आत्मभूत कराना है। इस आत्मभूत के साधन में अगर अहंकार आता है तो उसका त्याग आवश्यक है अन्यथा आत्मभूत नहीं हो पायेगा। अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है बिना इसके त्याग के मनुष्य प्रकृति के सभी रूपों को अपने भीतर नहीं ला सकता या उसे आत्मभूत नहीं कर सकता। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोकसत्ता में लीन किये रहता है। उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है। इस अनुभूति-योग के अभ्यास से हमारे मनोविकार का परिष्कार तथा शेष सृष्टि के साथ हमारे रागात्मक संबंध की रक्षा और निर्वाह होता है। जिस प्रकार जगत् अनेक रूपात्मक है उसी प्रकार हमारा हृदय भी अनेक भावात्मक है। इन अनेक भावों का व्यायाम और परिष्कार तभी समझा जा सकता है जबकि इनका प्रकृत सामंजस्य जगत् के भिन्न-भिन्न रूपों, व्यापारों या तथ्यों के साथ हो जाय। इन्हीं भावों के सूत्र से मनुष्य-जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव चिरकाल से करती चली आई है।

46. भावों का व्यायाम और परिष्कार कब संभव है?

(1) भावों का स्वाभाविक संबंध मानव-जगत् से स्थापित होने पर।
(2) भावों का स्वाभाविक संबंध प्रकृति-जगत् से स्थापित होने पर
(3) भावों का स्वाभाविक संबंध मानवेतर जगत् से स्थापित होने पर।
(4) भावों का स्वाभाविक संबंध विश्व के विविध रूपों-व्यापारों के साथ स्थापित होने पर।

उत्तर- (4)/व्याख्या *भावों का व्यायाम और परिष्कार तभी सम्भव है जब इनका प्रकृत सामंजस्य जगत् में भिन्न-भिन्न रूपों व्यापारों या तथ्यों के साथ हो जाये। अर्थात् भावों का स्वाभाविक सम्बन्ध विश्व के विविध रूपों व्यापारों के साथ स्थापित हो जाये।*

47. अनेक रूपात्मक जगत् की तरह हमारा हृदय अनेक भावात्मक है, क्योंकि :

(1) जगत् की सत्ता से हमारी हृदय की सत्ता निरपेक्ष है।
(2) अनेक रूपात्मक जगत् की आतंरिक अभिव्यक्ति हमारे हृदय द्वारा संभव है।
(3) अनेक भावात्मक हृदय कारण है और जगत् उसकी अभिव्यक्ति।
(4) अनेक रूपात्मक जगत् और हमारे हृदय में प्रस्तुत-अप्रस्तुत संबंध है।

उत्तर- (2)/व्याख्या *अनेक रूपात्मक जगत् की तरह हमारा हृदय अनेक भावात्मक है, क्योंकि अनेक रूपात्मक जगत् की आंतरिक अभिव्यक्ति हमारे हृदय द्वारा सम्भव है।*

48. मनुष्य जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव किसके कारण करती रही है।

(1) बुद्धि के सामंजस्य के कारण।
(2) मन के सामंजस्य के कारण।
(3) अहंकार के सामंजस्य के कारण।
(4) हृदय के सामंजस्य के कारण।

उत्तर- (4)/व्याख्या *मनुष्य जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव चिरकाल से हृदय के सामंजस्य के कारण करती चली आ रही है।*

49. शुद्ध अनुभूतियों का संचार कब होता है?

(1) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मिलाने से।
(2) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मुक्त करने से।
(3) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ मनुष्य जगत् से संबंद्ध रखने से।
(4) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ चेतन जगत् से संबंद्ध रखने से।

उत्तर- (1)/व्याख्या *शुद्ध अनुभूतियों का संचार तब होता है जब हम लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मिला लेते हैं।*

50. हमारे मनोविकार का परिष्कार किस दशा में संभव है?

(1) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को विशिष्ट समझते रहने से।
(2) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को निरर्थक समझते रहने से।
(3) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता का समर्पण कर देने के अभ्यास से।
(4) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता को तुच्छ मानकर अलग रखने से।

उत्तर- (3)/व्याख्या *लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता का समर्पण कर देने के अभ्यास से हमारे मनोविकास का परिष्कार सम्भव होता है।*

UGC NET/ J.R.F. EXAM
प्रश्न-पत्र III हिन्दी

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम किस भाषा में लिखा गया था?
(1) अंग्रेजी (2) हिन्दी
(3) फ्रेंच (4) जर्मन

उत्तर- (3)/व्याख्या *हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' है। इसके लेखक गार्सा द तासी हैं। यह दो भागों में विभक्त है। इसका प्रथम भाग 1839 ई0 में तथा दूसरा भाग 1847 ई0 में प्रकाशित हुआ है। यह फ्रेंच भाषा में लिखा गया है। इस ग्रंथ में 738 कवियों का विवरण है तथा वर्णक्रमानुसार पद्धति पर आधारित है। इसका हिन्दी अनुवाद लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय ने किया है।*

2. 'पंडिअ सअल सत्त बक्खाणइ। देहहि बुद्ध बसंत न जाणइ।' इस काव्य-पंक्ति के रचनाकार हैं :
(1) सरहपा (2) कण्हपा
(3) शबरीपा (4) नागार्जुन

उत्तर- (1)/व्याख्या

पंक्ति	रचनाकार
पंडिअ सअल ------------- न जाणइ।	सरहपा
आगम वेअ पुराणे, पंडित मान बहंति।	कण्हपा

3. 'आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गये हैं।' आचार्य शुक्ल का यह कथन निम्नलिखित में से किस कवि के सम्बन्ध में है?
(1) बिहारी (2) विद्यापति
(3) मतिराम (4) भिखारीदास

उत्तर- (2)/व्याख्या *"आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गये हैं। उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविन्द' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी।" यह कथन शुक्ल का विद्यापति के लिए है।*

4. मैथिली हिन्दी में रचित गद्य की पहली पुस्तक है :
(1) उक्तिव्यक्तिप्रकरण (2) वर्णरत्नाकर
(3) राउलवेल (4) वसंत विलास

उत्तर- (2)/व्याख्या *मैथिली हिन्दी गद्य भी आद्य (पहली) पुस्तक 'वर्णरत्नाकर' है। इसके लेखक ज्योतिरीश्वर ठाकुर हैं। इसका रचनाकाल 14वीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध माना जाता है। इसमें कुल आठ कल्लोल हैं।*

5. 'राजमती' इनमें से किस काव्यकृति की नायिका है?
(1) कीर्तिपताका (2) आल्हखंड
(3) बीसल देवरासो (4) रणमल्ल छंद

उत्तर- (3)/व्याख्या *'राजमती' बीसलदेव रासो की नायिका है। इसकी रचना नरपति नाल्ह ने 1155 ई. में की थी। यह एक गेय काव्य है। इसमें चार खण्ड हैं तथा लगभग (2000) चरण हैं। यह एक वर्णनात्मक काव्य है। यह श्रृंगार रस प्रधान है और इसे 'वीरगीत' काव्य भी कहा जाता है।*

6. 'शाश्वती' डायरी के लेखक हैं :
(1) दिनकर (2) बच्चन
(3) रघुवीर सहाय (4) अज्ञेय

उत्तर- (4)/व्याख्या

डायरी	लेखक
शाश्वती	अज्ञेय
प्रवासी की डायरी	हरिवंशराय बच्चन
दिनकर की डायरी	दिनकर
दिल्ली मेरा परदेश	रघुवीर सहाय

7. निम्नलिखित काव्य-कृतियों में से किसकी रचयिता मीराबाई नहीं हैं?
(1) गीतगोविंद टीका (2) प्रेमतत्त्वनिरूपण
(3) राग गोविंद (4) नरसी जी का मायरा

उत्तर- (2)/व्याख्या *गीतगोविंद टीका, राग गोविन्द, नरसी जी का मायरा, राग सोरठा, मलार राग और रुक्मणी मंगल मीराबाई की रचनाएँ हैं। प्रेमतत्वनिरूपण कृष्णदास की रचना है।*

8. रीतिकाल के किस कवि ने अपनी कविताओं में ऋतुओं और त्योहारों के साथ जीवन को खूबसूरती के साथ मिलाया है?
(1) बिहारी (2) घनानंद
(3) देव (4) पद्माकर

उत्तर- (4)/व्याख्या *पद्माकर ने अपनी कविताओं में ऋतुओं और त्योहारों के साथ जीवन को खूबसूरती के साथ मिलाया है। एक उदाहरण देखें-*
'फागु की भीर अभीरिन में गहि गोविंद लै गई भीतर गोरी।-----
नैन नचाय कही मुसकाय लला फिर आयो खेलन होरी।।
शुक्ल जी कहते हैं "ऐसा सर्वप्रिय कवि इस काल के भीतर बिहारी को छोड़कर दूसरा नहीं हुआ।"

9. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना देव की नहीं है?
(1) कविकुलकल्पतरू (2) भावविलास
(3) भवानीविलास (4) अष्टयाम

उत्तर- (1)/व्याख्या *भावविलास, भवानीविलास, अष्टयाम, राग रत्नाकर, कुशल विलास, जाति विलास, सुजान विनोद, प्रेम तरंग इत्यादि देव की रचनाएँ हैं।*
कविकुलकल्पतरु, रस विलास, श्रृंगार मंजरी, कृष्ण चरित, काव्य विवेक, काव्य प्रकाश इत्यादि चिन्तामणि की रचनाएँ हैं।

10. 'सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक।' यह काव्य-पंक्ति किसकी है?
(1) सूरदास (2) कबीरदास
(3) चंदबरदाई (4) जायसी

उत्तर- (2)/व्याख्या

काव्य पंक्ति	कवि
सूर समाना ------ घर एक	कबीरदास
प्रभु हौं सब पतितन कौ टीकौ	सूरदास
राजनीति पाइयै। ग्यान पाइयै सु जानिय।	चन्दबरदाई
नयन जो देखा कँवल भा निरमल नीर सरीर।	जायसी

11. 'रासपंचाध्यायी' किस छंद में लिखी गयी है?

(1) रोला (2) दोहा
(3) सोरठा (4) चौपाई

उत्तर- (1)/व्याख्या/ *'रासपंचाध्यायी' नन्ददास की रचना है। यह रोला छन्द में रचित है। इसमें लौकिक एवं पारलौकिक प्रेम को समन्वित रूप में प्रस्तुत किया गया है।*

12. निम्नलिखित में से कौन राधावल्लभ संप्रदाय का प्रवर्तक है?

(1) बल्लभाचार्य (2) हित हरिवंश
(3) गोविंद स्वामी (4) छीत स्वामी

उत्तर- (2)/व्याख्या/ *'राधाबल्लभ' सम्प्रदाय के प्रवर्तक हित हरिवंश हैं। हरिवंश ने गुरु रूप में राधा जी को स्वीकार किया है।*

13. 'प्रकृति के नाना रूपों के साथ केशव के हृदय का सामंजस्य कुछ भी न था?
यह कथन किसका है?

(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) लाला भगवान दीन
(3) रामचन्द्र शुक्ल (4) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *आ0 शुक्ल ने केशवदास की 'रामचन्द्रिका' के सन्दर्भ में कहा है कि ''केशव के लिए प्राकृतिक दृश्यों का कोई आकर्षण नहीं था.... प्रकृति के नाना रूपों के साथ केशव के हृदय का सामंजस्य कुछ न था।''*

14. 'हमन है इश्क मस्ताना हमन को होशियारी क्या?
रहै आजाद या जग में, हमन दुनियाँ से यारी क्या?'
इन काव्य-पंक्तियों के रचयिता हैं-

(1) अमीर खुसरो (2) नजीर अकबराबादी
(3) उसमान (4) कबीरदास

उत्तर- (4)/व्याख्या/

काव्य पंक्ति	कवि
हमन हैं इश्क ----------- यारी क्या।	*कबीरदास*
सूनी सेज डरावन लागै, विरहा अगिन मोहि डस डस जाय।	*अमीर खुसरो*
बलंदीप देखा अंगरेखा। तहा जाइ जेहि कठिन करेजा।।	*उसमान*
जब आदमी के पेट में आती हैं रोटियाँ। फूली नहीं बदन में समाती हैं रोटियाँ।।	*नज़ीर अकबराबादी*

15. 'हिन्दू मग पर पाँव न राख्यौ।
का बहुतैं जो हिन्दी भाख्यौ।।'
ये काव्य-पंक्तियाँ किस बोली में हैं?

(1) ब्रज (2) भोजपुरी (3) अवधी (4) बुंदेली

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *''हिन्दू मग पर ------- हिन्दी भाख्यौ।'' यह अवधी भाषा की पंक्ति है तथा इसके लेखक नूर मुहम्मद हैं। इनकी एक रचना 'अनुराग बांसुरी' है जिसमें यह पंक्ति उल्लिखित है। इस रचना में हिन्दी भाषा के प्रति मुसलमानों का भाव प्रकट होता है। जब नूर मुहम्मद पर हिन्दी का समर्थन करने का आरोप लगा तो उन्होंने इसमें अपनी सफाई दी थी।*

16. 'एक तनी हुई रस्सी है जिस पर मैं नाचता हूँ।'
पंक्ति के रचनाकार हैं :

(1) अज्ञेय (2) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(3) त्रिलोचन (4) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर- (1)/व्याख्या/

पंक्ति	रचनाकार
एक तनी ----------- नाचता हूँ।	*अज्ञेय*
लीक पर वे चलें जिनके, चरण दुर्बल और हारे हैं।	*सर्वेश्वरदयाल सक्सेना*
जड़ता है जीवन की पीड़ा निस्तरंग पाषाणी क्रीड़ा	*त्रिलोचन*
हिंसा और अहिंसा क्या है। जीवन में बढ़ हिंसा क्या है?	*केदारनाथ अग्रवाल*

17. 'युगधारा' के रचयिता हैं :

(1) सुमित्रानंदन पंत (2) महादेवी वर्मा
(3) नागार्जुन (4) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *'युगधारा' (1953), सतरंगे पंखों वाली (1959), भस्मांकुर (खण्ड काव्य-1971), तुमने कहा था (1980), तालाब की मछलियाँ (1975), पुरानी जूतियों का कोरस (1983 ई.) इत्यादि नागार्जुन की काव्य रचनाएँ हैं।*

18. 'शब्द जादू हैं।
मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है।'
ये पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं?

(1) गजानन माधव मुक्तिबोध
(2) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(3) शमशेर बहादुर सिंह
(4) रघुवीर सहाय

उत्तर- (2)/व्याख्या/

काव्य पंक्ति	रचनाकार
शब्द जादू हैं -------- कुछ नहीं हैं।	*अज्ञेय*
कविता में कहने की आदत नहीं है, पर कह दूँ! वर्तमान समाज चल नहीं सकता।	*मुक्तिबोध*
बात बोलेगी हम नहीं। भेद खोलेगी बात ही।।	*शमशेर बहादुर सिंह*
मैं अपनी एक मूर्ति बनाता हूँ और एक ढहाता हूँ।	*रघुवीर सहाय*

19. 'बीती विभावरी जाग री।
अम्बर पनघट में डुबो रही, तारा-घट उषा-नागरी।'
उपर्युक्त पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद के किस काव्य संग्रह में संकलित हैं?

(1) प्रेमपथिक (2) झरना
(3) काननकुसुम (4) लहर

उत्तर- (4)/व्याख्या/ *'बीती विभावरी जाग री' अम्बर पनघट में डुबो रही, तारा-घट उषा-नागरी।।' खगकुल कुल सा बोल रहा, किसलय का अंचल डोल रहा। लो, यह लतिका भी भर लाई, मधु मुकुल नवल रस गागरी।।'' यह पंक्तियाँ जयशंकर की काव्य रचना 'लहर' में संकलित हैं। 'लहर' एक गीत काव्य भी है।*

20. 'अंधा कुआँ' किसकी नाट्यकृति है?

(1) धर्मवीर भारती (2) लक्ष्मीनारायण लाल
(3) मोहन राकेश (4) सुरेन्द्र वर्मा

उत्तर- (2)/व्याख्या/

नाट्यकृति	वर्ष	नाटककार
अंधा कुआँ	1955	लक्ष्मी नारायण लाल
आधे-अधूरे	1969	मोहन राकेश
कैद-ए-हयात	1993	सुरेन्द्र वर्मा
नदी प्यासी थी	1954	धर्मवीर भारती

21. **'मल्लिका' किस नाटक की पात्र है?**

(1) माधवी
(2) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(3) आषाढ़ का एक दिन
(4) आठवाँ सर्ग

उत्तर- (3)/व्याख्या/

नाटक	पात्र	नाटककार
आषाढ़ का एक दिन	मल्लिका	मोहन राकेश
माधवी	माधवी	भीष्म साहनी
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	शीलवती	सुरेन्द्र वर्मा
आठवां सर्ग	प्रियंगु	सुरेन्द्र वर्मा

22. **निम्नलिखित में से कौन-सी कहानी राजी सेठ की नहीं है?**

(1) समान्तर चलते हुए (2) अपने दायरे
(3) गलत होता पंचतंत्र (4) जाह्नवी

उत्तर- (4)/व्याख्या/ *समान्तर चलते हुए, अपने दायरे, गलत होता पंचतंत्र, अंधे मोड़ के आगे, तीसरी हथेली, गमे हयात ने मारा, उसी जंगल में इत्यादि कहानियाँ राजी सेठ की हैं। 'जाह्नवी' जैनेन्द्र की कहानी है।*

23. **'आधा गाँव' उपन्यास में चित्रित गाँव है :**

(1) गंगौली (2) शिवपालगंज (3) मेरीगंज (4) बेलारी

उत्तर- (1)/

गाँव	उपन्यास	उपन्यासकार
गंगौली	आधा गाँव	राही मासूम रजा
शिवपालगंज	रागदरबारी	श्रीलाल शुक्ल
मेरीगंज	मैला आँचल	फणीश्वरनाथ रेणु
बेलारी	गोदान	प्रेमचन्द

24. **महिला पुलिस कर्मियों के जीवन पर आधारित उपन्यास है :**

(1) ग्लोबल गाँव का देवता (2) गुनाह बेगुनाह
(3) मुन्नी मोबाइल (4) जिंदा मुहावरे

उत्तर- (2)/व्याख्या/ *'गुनाह बेगुनाह (2011)- मैत्रेयी पुष्पा का उपन्यास है। यह महिला पुलिस कर्मियों के जीवन पर आधारित है। 'ग्लोबल गाँव के देवता' रणेन्द्र का उपन्यास है जो कि आदिवासी जीवन पर केन्द्रित है। 'जिन्दा मुहावरे' नासिरा शर्मा का उपन्यास है। यह भारत विभाजन पर केन्द्रित है। 'मुन्नी मोबाइल'- प्रदीप सौरभ का उपन्यास है।*

25. **'छप्पर' के लेखक हैं :**

(1) ओमप्रकाश वाल्मीकि (2) मोहनदास नैमिशराय
(3) सूरजपाल चौहान (4) जयप्रकाश कर्दम

उत्तर- (4)/व्याख्या/

रचना	लेखक
छप्पर	जयप्रकाश कर्दम
सलाम	ओम प्रकाश वाल्मीकि
आवाजें	मोहनदास नैमिशराय
हैरी कब आयेगा	सूरजपाल चौहान

26. **निम्नलिखित में से कौन-सी उक्ति निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल की नहीं है?**

(1) हृदय-प्रसार का स्मारक स्तंभ काव्य है।
(2) काव्य एक अखंड तत्त्व या शक्ति है, जिसकी गति अमर है।
(3) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।
(4) धर्म की रसात्मक अनुभूति का नाम भक्ति है।

उत्तर- (2)/व्याख्या/ *'काव्य एक अखंड तत्व या शक्ति है, जिसकी गति अमर है।' यह उक्ति रामचन्द्र शुक्ल की नहीं है।*

27. **इनमें से कौन-सा एकांकी भुवनेश्वर प्रसाद का है?**

(1) राजपूत की हार (2) लक्ष्मी का स्वागत
(3) सबसे बड़ा आदमी (4) स्ट्राइक

उत्तर- (4)/व्याख्या/

एकांकी	एकांकीकार
स्ट्राइक	भुवनेश्वर प्रसाद
राजपूत की हार	सुदर्शन
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्र नाथ अश्क
सबसे बड़ा आदमी	भगवती चरण वर्मा

28. **'भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र का जीवन-चरित' ग्रंथ के रचनाकार हैं :**

(1) राधाकृष्णदास (2) श्यामसुन्दर दास
(3) श्रीधर पाठक (4) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (1)/व्याख्या/

जीवनी	वर्ष	रचनाकार
भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का जीवन चरित्र	1904	राधाकृष्णदास
प्राचीन पंडित और कवि	1918	महावीर प्रसाद द्विवेदी

29. **इनमें से कौन शिशु-संवेदना की कहानी नहीं है?**

(1) नादान दोस्त (2) चोरी (3) कजाकी (4) दो सखियाँ

उत्तर- (4)/व्याख्या/ *'दो सखियाँ' तथा अन्य कहानियाँ प्रेमचन्द की हैं। 'दो सखियाँ' कहानी शिशु संवेदना से सम्बन्धित नहीं है।*

30. **'विभक्ति विचार' नामक पुस्तक की रचना किसने की थी?**

(1) माधवप्रसाद मिश्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(3) गोविन्द नारायण (4) कामता प्रसाद गुरु

उत्तर- (3)/व्याख्या/

पुस्तक	रचनाकार
विभक्ति विचार	गोविन्द नारायण मिश्र
रामलीला	माधव प्रसाद मिश्र
भाषा और व्याकरण	महावीर प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी व्याकरण	कामता प्रसाद गुरु

31. **'काव्य-सर्जन एक प्रकार के ईश्वरीय उन्माद का परिणाम है।' यह कथन किसका है?**

(1) कॉलरिज (2) प्लेटो (3) अरस्तू (4) क्रोचे

उत्तर- (2)/व्याख्या/

कथन	कथनकार
काव्य सर्जन ------- परिणाम है।	प्लेटो
भाव, अनुभूति या संवेदना की मनोदशा का नाम है।	अरस्तू
भाषा मानव मन का शस्त्रागार है।	कॉलरिज
कला वस्तु में नही होती बल्कि वस्तु द्वारा अभिव्यक्ति रूप में होती है।	क्रोचे

32. 'जादूई यथार्थवाद' (Magical Realism) शब्द का सबसे पहले प्रयोग किसने किया था?

(1) गैब्रियल गार्सिया मार्क्वेज (2) जुआन रूफो
(3) फ्रेन्ज रोह (4) जार्ज साइको

उत्तर- (3)/व्याख्या *जादुई यथार्थवाद शब्द अंग्रेजी के मैजिक रियलिज्म का हिन्दी रूपान्तर है। सर्वप्रथम फ्रेन्ज रोह ने जर्मन चित्रकारों के चित्रों का विश्लेषण करते हुए इस शब्द का प्रयोग किया था। जादुई यथार्थवाद का प्रतिष्ठापक बुअलो को माना जाता है।*

33. इनमें से कौन मार्क्सवादी विचारक नहीं है?

(1) जोसेफ एडीसन (2) लुकाच
(3) राल्फ फॉक्स (4) कॉडवेल

उत्तर- (1)/व्याख्या *कार्ल मार्क्स, लुकाच, कॉडवेल, ब्लाक, बैंजामिन, गोल्डमन एडार्नो इत्यादि मार्क्सवादी विचारक हैं।*
जोसेफ एडीसन (Joseph Addison)- यह अंग्रेजी भाषा के निबन्धकार (English Essayist), नाटककार, कवि और राजनीतिज्ञ थे। इन्होंने अपने मित्र रिचर्ड स्टील के साथ The Spectator, पत्रिका की शुरुआत की थी।

34. इनमें से कौन-सा कथन सत्य है?

(1) प्लेटो की दृष्टि यथार्थपरक थी, अरस्तू की आदर्शपरक।
(2) प्लेटो और अरस्तू दोनों की ही दृष्टि आदर्शपरक थी।
(3) प्लेटो की दृष्टि आदर्शपरक थी, अरस्तू की यथार्थ परक।
(4) प्लेटो और अरस्तू दोनों की दृष्टि यथार्थपरक थी।

उत्तर- (3)/व्याख्या *प्लेटो प्रत्ययवादी या आत्मवादी दार्शनिक था। वह आदर्श राज्य से कवि या साहित्यकार के निष्कासन की बात करता था। अरस्तू यथार्थवादी था उसने त्रासदी को विशेष महत्त्व दिया।*

35. 'विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है' किसकी धारणा है?

(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी (2) रामचन्द्र शुक्ल
(3) नगेन्द्र (4) राम विलास शर्मा

उत्तर- (2)/व्याख्या

धारणा	विचारक
विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है।	*रामचन्द्र शुक्ल*
काव्य में अन्य भावों के उद्बोधन और मानव चरित्र के उन्नयन की शक्ति होनी चाहिए	*महावीर प्रसाद द्विवेदी*
रस सिद्धान्त एक ऐसा व्यापक सिद्धान्त है, जिसमें इन वादों का विरोध मिट जाता है।	*डॉ0 नगेन्द्र*
भक्ति आन्दोलन एक जातीय एवं जनवादी आन्दोलन है।	*रामविलास शर्मा*

36. निम्नलिखित में से स्वकीया नायिका का भेद कौन-सा नहीं है?

(1) मध्या (2) मुग्धा
(3) प्रौढ़ा (4) वासकसज्जा

उत्तर- (4)/व्याख्या *विनय, सरलता आदि गुणों से युक्त गृह कार्यों में तत्पर पतिव्रता स्त्री को स्वकीया नायिका कहते हैं। इसके मुख्य 3 भेद किये जाते हैं- मुग्धा, मध्या, प्रगल्भा। प्रगल्भा का अर्थ है प्रौढ़ा (Mature)। अतः वासकसज्जा स्वकीया नायिका भेद नहीं है। यद्यपि भरत ने नायिका के जिन आठ भेदों का उल्लेख किया है उनमें एक वासकज्जा है। न कि वासकसज्जा।*

37. ध्वनि सिद्धान्त के आचार्य हैं :

(1) आनंदवर्धन (2) वामन
(3) मम्मट (4) विश्वनाथ

उत्तर- (1)/व्याख्या *आनन्दवर्धन 'ध्वनि सिद्धान्त' के प्रवर्तक आचार्य हैं। वामन 'रीति सम्प्रदाय' के प्रवर्तक आचार्य हैं। 'विश्वनाथ' रसवादी और 'मम्मट' ध्वनिवादी आचार्य हैं।*

38. संवेदनशीलता का असाहचर्य (Dissociation of sensibility) - यह अवधारणा किसकी है?

(1) आई.ए. रिचर्ड्स (2) जार्ज लुकाच
(3) टी.एस. इलियट (4) एफ.आर.लीविस

उत्तर- (3)/व्याख्या

अवधारणा	प्रवर्तक
संवेदनशीलता का असाहचर्य	*टी.एस.इलियट*
मूर्त विधान	
मूल्य सिद्धान्त	*आई.ए. रिचर्ड्स*
सम्प्रेषण सिद्धान्त	
महान यथार्थवाद	*जार्ज लुकाच*

39. महादेवी वर्मा की किस कृति में जीव-जन्तुओं और पशु पक्षियों से सम्बन्धित संस्मरण हैं?

(1) अतीत के चलचित्र (2) पथ के साथी
(3) स्मृति की रेखायें (4) मेरा परिवार

उत्तर- (4)/व्याख्या *'मेरा परिवार' महादेवी वर्मा कृत जीव-जन्तुओं और पशु-पक्षियों से सम्बन्धित संस्मरण है। इसमें गिल्लू (गिलहरी), सोना (हिरनी), दुर्मुख (खरगोश), गौरा (गाय), नीलू (कुत्ता), निक्को (नेवला), रोजी (कुतिया), रानी (घोड़ी) इत्यादि के संस्मरण हैं।*
'अतीत के चलचित्र' और 'स्मृति की रेखाएँ' में समाज के निरीह प्राणी रेखांकित हुए हैं। 'पथ के साथी' में वे चित्रित हैं जो महादेवी के अग्रज और सहयोगी हैं और उन्हें प्रिय हैं। जैसे- रामा (नौकर), बिन्दा, परित्यक्ता-साबिया, पितृहीन-घीसा इत्यादि।

40. भारतीय काव्य शास्त्र में रसगत दोषों की संख्या कितनी मानी गयी है?

(1) 5 (2) 10 (3) 25 (4) 20

उत्तर- (2)/व्याख्या *भारतीय काव्यशास्त्र में रसगत दोषों की संख्या 10 है।*

41. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है :

(1) गुरुनानक, कबीरदास, दादूदयाल, मलूकदास
(2) कबीरदास, गुरुनानक, मलूकदास, दादूदयाल
(3) कबीरदास, गुरुनानक, दादूदयाल, मलूकदास
(4) कबीरदास, दादूदयाल, गुरुनानक, मलूकदास

उत्तर- (3)/व्याख्या *जन्मकाल के अनुसार कवियों का क्रम- कबीरदास (1398), गुरुनानक (1469), दादूदयाल (1544) और मलूकदास (1574 ई.) है।*

42. रचनाकाल के आधार पर रचनाओं का सही क्रम है :

(1) कविकुलकल्पतरु, रसिकप्रिया, ललित ललाम, अलंकारमाला
(2) रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, ललित ललाम, अलंकारमाला
(3) रसिकप्रिया, ललित ललाम, अलंकारमाला, कविकुलकल्पतरु
(4) अलंकारमाला, रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, ललित ललाम

उत्तर- (2)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
रसिक प्रिया	1591	केशवदास
कविकुलकल्पतरु	1650-63	चिन्तामणि
ललित ललाम	1661-64	मतिराम
अलंकार माला	1711	सूरति मिश्र

43. टी.एस. इलियट के आलोचना-ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :

(1) द सेक्रेड वुड, एलिजाबेथेन एसेज; सेलेक्टेड एसेज, एसेज : एन्सियेंट एण्ड माडर्न
(2) एलिजाबेथेन एसेज; द सेक्रेड वुड; सेलेक्टेड एसेज, एसेज : एन्सियेंट एण्ड माडर्न
(3) सेलेक्टेड एसेज; द सेक्रेड वुड; एलिजाबेथेन एसेज; एसेज : ऐन्सियेंट एण्ड माडर्न
(4) एसेज : एन्सियेंट एण्ड माडर्न, सेलेक्टेड एसेज, द सेक्रेड वुड, एलिजाबेथेन एसेज

उत्तर- (1)/व्याख्या *टी.एस. इलियट के आलोचना-ग्रन्थों का सही अनुक्रम है- 'द सेक्रेड वुड (1920), होमेज टु जॉन ड्राइडन (1924), एलिजाबेथेन एसेज (1932), द यूज ऑफ पोएट्री एण्ड द यूज ऑफ क्रिटिसिज्म (1933), सेलेक्टेड एसेज (1934) और एसेज : एन्सियेंट एण्ड माडर्न (1936 ई.) है।*

44. नाट्यशास्त्र से सम्बद्ध निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(1) भाव प्रकाशन, दशरूपक, नाट्यदर्पण, अभिनव भारती
(2) नाट्यदर्पण, दशरूपक, भाव प्रकाशन, अभिनव भारती
(3) दशरूपक, अभिनव भारती, नाट्यदर्पण, भाव प्रकाशन
(4) अभिनव भारती, दशरूपक, नाट्यदर्पण, भाव प्रकाशन

उत्तर- (4)/व्याख्या

ग्रन्थ	समय	रचनाकार
अभिनव भारती	10वीं शती का उत्तरार्द्ध	अभिनव गुप्त
दशरूपक	11वीं शती का पूर्वार्द्ध	धनंजय
नाट्यदर्पण	12वीं शती	रामचन्द्र-गुणचन्द्र
भाव प्रकाशन	13वीं शती	शारदा तनय

45. निम्नलिखित ग्रंथों का सही कालानुक्रम है :

(1) कवि कह गया है, जनांतिक, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, प्रेमचन्द और उनका युग
(2) मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना, जनांतिक, प्रेमचन्द और उनका युग, कवि कह गया है
(3) प्रेमचन्द और उनका युग, जनांतिक, मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना, कवि कह गया है
(4) जनांतिक, प्रेमचन्द और उनका युग, मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना, कवि कह गया है

उत्तर- (3)/व्याख्या

ग्रन्थ	वर्ष	रचनाकार
प्रेमचन्द और उनका युग	1952	रामविलास शर्मा
जनांतिक	1981	नेमिचन्द्र जैन
मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	1993	नन्द किशोर नवल
कवि कह गया है	2000	अशोक वाजपेयी

46. हिन्दी काव्यशास्त्र की निम्नलिखित कृतियों का सही कालानुक्रम है :

(1) शृंगार निर्णय, रसराज, रसिकानंद, रसकलस
(2) रसराज, शृंगार निर्णय, रसिकानंद, रसकलस
(3) रसराज, रसिकानंद, रसकलस, शृंगार निर्णय
(4) रसिकानंद, रसराज, शृंगार निर्णय, रसकलस

उत्तर- (2)/व्याख्या

कृति	समय	रचनाकार
रसराज	1633-43	मतिराम
शृंगार निर्णय	1807	भिखारीदास
रसिकानंद	1822	ग्वाल
रसकलस	1931	हरिऔध

47. निम्नलिखित कहानी संग्रहों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) पुष्पलता, छाया, चित्रशाला (भाग-1), चिनगारियाँ
(2) चित्रशाला (भाग-1), पुष्पलता, छाया, चिनगारियाँ
(3) चिनगारियाँ, छाया, पुष्पलता, चित्रशाला (भाग-1)
(4) छाया, पुष्पलता, चित्रशाला (भाग-1), चिनगारियाँ

उत्तर- (4)/व्याख्या

कहानी संग्रह	प्र0 वर्ष	कहानीकार
छाया	1912	जयशंकर प्रसाद
पुष्पलता	-	सुदर्शन
चित्रशाला (भाग-1)	1924	विश्वम्भर नाथ शर्मा
चिनगारियाँ	1925	बेचन शर्मा 'उग्र'

48. निम्नलिखित नाटकों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) कबिरा खड़ा बाजार में, करफ्यू, डाक्टर, कोर्ट मार्शल
(2) डाक्टर, करफ्यू, कबिरा खड़ा बाजार में, कोर्ट मार्शल
(3) डाक्टर, कबिरा खड़ा बाजार में, कोर्ट मार्शल, करफ्यू
(4) करफ्यू, डाक्टर, कोर्ट मार्शल, कबिरा खड़ा बाजार में

उत्तर- (2)/व्याख्या

नाटक	प्र0 वर्ष	नाटककार
डाक्टर	1958	विष्णु प्रभाकर
करफ्यू	1972	लक्ष्मी नारायण लाल
कबिरा खड़ा बाजार में	1981	भीष्म साहनी
कोर्ट मार्शल	1991	स्वदेश दीपक

49. निर्मल वर्मा के निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का प्रकाशन काल के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, ढलान से उतरते हुए, आदि अंत और आरम्भ।
(2) कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, ढलान से उतरते हुए, आदि अंत और आरम्भ।
(3) ढलान से उतरते हुए, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, आदि अंत और आरम्भ।
(4) आदि अंत और आरम्भ, ढलान से उतरते हुए, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति।

उत्तर- (1)/व्याख्या *निर्मल वर्मा के निबन्धों का सही अनुक्रम है- चीड़ों पर चाँदनी (1964), शब्द और स्मृति (1976), कला का जोखिम (1981), ढलान से उतरते हुए (1985), शताब्दी के ढलते वर्षों में (1995), दूसरे शब्दों में (1997), आदि अंत और आरम्भ (2001)।*

50. प्रसाद की काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) लहर, आँसू, उर्वशी, झरना (2) आँसू, झरना, उर्वशी, लहर
(3) उर्वशी, झरना, आँसू, लहर (4) झरना, उर्वशी, आँसू, लहर

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *प्रसाद की काव्य कृतियों का सही अनुक्रम- उर्वशी (1909), वन मिलन (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), चित्राधार (1918), झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933) है।*

51. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) रश्मिरथी, कनुप्रिया, लोकायतन, आत्मजयी
(2) लोकायतन, रश्मिरथी, कनुप्रिया, आत्मजयी
(3) लोकायतन, कनुप्रिया, रश्मिरथी, आत्मजयी
(4) कनुप्रिया, लोकायतन, रश्मिरथी, आत्मजयी

उत्तर- (1)/व्याख्या/

रचना	प्र0 वर्ष	रचनाकार
रश्मिरथी	1952	दिनकर
कनुप्रिया	1959	धर्मवीर भारती
लोकायतन	1964	पंत
आत्मजयी	1965	कुंवर नारायण

52. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबन्ध-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) प्रगति और परम्परा, अंगद की नियति, अद्यतन, यत्र तत्र सर्वत्र
(2) यत्र तत्र सर्वत्र, अद्यतन, प्रगति और परम्परा, अंगद की नियति
(3) अद्यतन, अंगद की नियति, प्रगति और परम्परा, यत्र तत्र सर्वत्र
(4) प्रगति और परम्परा, अद्यतन, अंगद की नियति, यत्र तत्र सर्वत्र

उत्तर- (4)/व्याख्या/

निबन्ध संग्रह	प्र0 वर्ष	निबन्धकार
प्रगति और परम्परा	1949	राम विलास शर्मा
अद्यतन	1977	अज्ञेय
अंगद की नियति	1984	विद्या निवास मिश्र
यत्र तत्र सर्वत्र	2000	शरद जोशी

53. निम्नलिखित उपन्यासों का सही कालानुक्रम है :

(1) नदी के द्वीप, देश द्रोही, शहर में घूमता आइना, तमस
(2) देश द्रोही, नदी के द्वीप, शहर में घूतमा आइना, तमस
(3) तमस, देश द्रोही, शहर में घूमता आइना, नदी के द्वीप
(4) शहर में घूमता आइना, तमस, देश द्रोही, नदी के द्वीप

उत्तर- (2)/व्याख्या/

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
देश द्रोही	1943	यशपाल
नदी के द्वीप	1951	अज्ञेय
शहर में घूमता आईना	1963	उपेन्द्रनाथ अश्क
तमस	1973	भीष्म साहनी

54. जगदीश चन्द्र के उपन्यासों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) धरती धन न अपना, यादों का पहाड़, मुट्ठी भर कांकर, नरक कुण्ड में वास।
(2) मुट्ठी भर कांकर, यादों का पहाड़, धरती धन न अपना, नरक कुण्ड में वास।
(3) यादों का पहाड़, धरती धन न अपना, मुट्ठी भर कांकर, नरक कुण्ड में वास।
(4) नरक कुण्ड में वास, मुट्ठी भर कांकर, यादों का पहाड़, धरती धन न अपना।

उत्तर- (3)/व्याख्या/ *जगदीश चन्द्र के उपन्यासों का सही क्रम है- यादों का पहाड़ (1966), धरती धन न अपना (1972), आधा पुल (1973), कभी न छोड़े खेत (1976), मुट्ठी भर काँकर (1976), टुंडा लाट (1978), घास गोदाम (1985), नरक कुण्ड में वास (1994), लाट की वापसी (2000) इत्यादि है।*

55. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित ऐतिहासिक उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) मृगनयनी, एकदा नैमिषारण्ये, अनामदास का पोथा, अभिज्ञान
(2) एकदा नैमिषारण्ये, मृगनयनी, अभिज्ञान, अनामदास का पोथा
(3) मृगनयनी, अनामदास का पोथा, एकदा नैमिषारण्ये, अभिज्ञान
(4) अभिज्ञान, अनामदास का पोथा, मृगनयनी, एकदा नैमिषारण्ये

उत्तर- (1)/व्याख्या/

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
मृगनयनी	1950	वृन्दावन लाल वर्मा
एकदा नैमिषारण्ये	1972	अमृत लाल नागर
अनामदास का पोथा	1976	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अभिज्ञान	1981	नरेन्द्र कोहली

निर्देश : प्रश्न संख्या 56 से 65 तक के प्रश्नों के दो कथन दिये गये हैं। इनमें से एक स्थापना (A) तथा दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिये।

56. स्थापना (A) : मनुष्य के लिये कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी न किसी रूप में पायी जाती है।

तर्क (R) : इसीलिये कविता की जरूरत मनुष्य जाति को हमेशा रहेगी।

(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (1)/व्याख्या/ *मनुष्य के लिए कविता वास्तव में बहुत ही प्रयोजनीय (प्रयोग में लाये जाने योग्य/उपयोगी) है। यह संसार की सभी सभ्य-असभ्य जातियों में किसी न किसी रूप में पायी जाती है। इसकी महत्त्वपूर्ण उपयोगिता मनुष्य जाति में हमेशा बनी रहेगी। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

57. स्थापना (A) : वैचारिक स्वतन्त्रता साहित्यकार को व्यापक सामाजिक सत्य और संवेदना से विमुख करती है।

तर्क (R) : क्योंकि विचारबद्धता उसकी संवेदनात्मक अभिव्यक्ति को सर्वस्वीकृति सामाजिक विस्तार देती है।

(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत (4) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (3)/व्याख्या *वैचारिक स्वतन्त्रता साहित्यकार को रूढ़ियों एवं कुप्रथाओं से अलग और दूर तक सोचने का अवसर देती हैं। यह सामाजिक सत्य और संवेदना से विमुख न करके उस पर पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त करती हैं। विचारबद्धता से मौलिक वैचारिकता का हनन होता है जिससे कुछ नया होने या करने की सम्भावना समाप्त हो जाती है। विचारबद्धता अभिव्यक्ति को सर्वस्वीकृति सामाजिक विस्तार नहीं देती हैं। अतः कथन (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

58. स्थापना (A) : कवियों ने लोकरक्षा के विधान में करुणा को ही बीज भाव माना है। करुणा से रक्षा का विधान होता है।
तर्क (R) : क्योंकि कविता में अभिव्यक्त अन्य भावों में लोकरक्षा का विधान नहीं पाया जाता।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (2)/व्याख्या *लोकरक्षा या जनमानस या संसार की रक्षा के लिए मानव में संवेदनात्मक विकास आवश्यक है। इसमें भी सबसे प्रमुख भाव करुणा ही है। करुणा के द्वारा रक्षा का विधान करना सम्भव है। कविता में अभिव्यक्त अन्य भावों द्वारा भी लोक रक्षा का विधान पाया जाता है। मात्र करुणा में ही नहीं यह तो प्रमुख भाव है एक मात्र भाव नहीं। अतः कथन (A) सही (R) गलत है।*

59. स्थापना (A) : मिथक सार्वकालिक और सार्वदेशिक होते हैं।
तर्क (R) : इसीलिये मिथक के माध्यम से किसी भी समय और समाज के अन्तर्विरोध और संवेदना की अभिव्यक्ति सम्भव है।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) गलत और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (4)/व्याख्या *मिथक सार्वकालिक (सभी कालों/समय में) और सार्वदेशिक (सभी देशों में) एक साथ और एक समान नहीं होते हैं। इसलिए मिथक के माध्यम से किसी भी समय और समाज में अन्तर्विरोध और संवेदना की अभिव्यक्ति सम्भव है। अतः कथन (A) गलत और (R) सही है।*

60. स्थापना (A) : नाद सौन्दर्य से कविता की आयु नहीं बढ़ती।
तर्क (R) : क्योंकि नाद सौन्दर्य का योग कविता का पूर्ण स्वरूप खड़ा करने के लिये कुछ-न-कुछ आवश्यक होता है।
(1) (A) गलत और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) सही और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (1)/व्याख्या *नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है। नाद सौन्दर्य कविता को पूर्ण रूप प्रदान करने में आवश्यक होता है बिना इसके कविता पूर्णता को नहीं प्राप्त कर पाती। अतः कथन (A) गलत और (A) सही है।*

61. स्थापना (A) : मरणासन्न महाकाव्य के गर्भ से उपन्यास का जन्म हुआ है।
तर्क (R) : क्योंकि उपन्यास का उदय पश्चिम में मध्यवर्ग के उदय के साथ हुआ।
(1) (A) गलत और (R) गलत (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) सही (4) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (4)/व्याख्या *महाकाव्य और उपन्यास का विस्तार फलक लगभग समान है। महाकाव्य के अवशान की पृष्ठभूमि पर उपन्यास का जन्म हुआ और आज महाकाव्य का स्थान उपन्यास ले चुका है। उपन्यास पश्चिम मध्य वर्ग में उत्पन्न हुआ और वहाँ से बंगला साहित्य से होते हुए हिन्दी में आया। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

62. स्थापना (A) : साधारणीकरण की प्रमुख आधारशिला मानव सुलभ समानानुभूति है।
तर्क (R) : क्योंकि मानव सुलभ समानानुभूति स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति है, जिसे भारतीय दर्शन का बल भी प्राप्त है।
(1) (A) सही और (R) गलत (3) (A) सही और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत (4) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (2)/व्याख्या *विशिष्ट को सामान्य करना ही साधारणीकरण है। साधारणीकरण का प्रमुख बिन्दु मानव को सुलभ समान-अनुभूति करना है। यह समानानुभूति स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति है। इस प्रवृत्ति को भारतीय दर्शन का भी सहयोग प्राप्त है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

63. स्थापना (A) : प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का आद्यन्त समन्वय हुआ है।
तर्क (R) : कारण कि यह केवल उन पर पश्चिमी नाट्य चिन्तन के प्रभाव से ही सम्भव हुआ।
(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (1)/व्याख्या *प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का आदि से अन्त तक समन्वय हुआ है। इस समन्वय में उन पर मात्र पश्चिमी नाट्य चिन्तन का ही प्रभाव नहीं है, बल्कि भारतीय नाट्य चिन्तन का भी प्रभाव है, अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

64. स्थापना (A) : आदर्श नागरिक को आत्म विकास करते हुए सारी धरती के सुख में ही अपना सुख मानना चाहिये।
तर्क (R) : क्योंकि प्रत्येक नागरिक के व्यवहार की, उसकी अच्छाई-बुराई की मूल कसौटी समाज-कल्याण की भावना है।
(1) (A) सही और (R) सही (2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) सही (4) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (1)/व्याख्या *आदर्श नागरिक को आत्म विकास (अपना विकास) करते हुए सारी धरती (संसार) के सुख में ही अपना सुख मानना चाहिए और वह मानता है। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने व्यवहार, अच्छाई-बुराई के मूल में समाज-कल्याण की भावना को चिह्नित करे। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

65. स्थापना (A) : गोदान ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है।
तर्क (R) : क्योंकि गोदान में समग्र युग-जीवन का चित्रण हुआ है।
(1) (A) गलत और (R) सही (2) (A) सही और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत(4) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (4)/व्याख्या *'गोदान' प्रेमचन्द का रचित उपन्यास है। इसमें किसान ग्रामीण जीवन का चित्रण है। तथा इसे ग्रामीण जीवन का महाकाव्य भी कहा जाता है। 'गोदान' में समग्र युग जीवन का चित्रण नहीं बल्कि किसान ग्रामीण जीवन एवं जमींदारी प्रथा का चित्रण किया गया है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

66. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची-I	सूची-II
(a) सर्वंगी	(i) मलूकदास
(b) ग्यानबोध	(ii) धरणीदास
(c) प्रेमप्रगास	(iii) रज्जब
(d) शब्दसागर	(iv) दादूदयाल
	(v) बूला साहब

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(i)	(iv)	(v)	(ii)

उत्तर- (2)/व्याख्या

ग्रन्थ	लेखक
सर्वंगी	*रज्जब*
ग्यानबोध	*मलूकदास*
प्रेमप्रगास	*धरणीदास*
शब्दसागर	*बूला साहब*
अंगवधू	*दादू दयाल*

67. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची-I	सूची-II
(a) भूषण	(i) रस रत्नाकर
(b) घनानंद	(ii) रसराज
(c) सूरति मिश्र	(iii) इश्कलता
(d) मतिराम	(iv) रस सारांश
	(v) अलंकार प्रकाश

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर- (1)/व्याख्या **नोट :** *आयोग द्वारा जारी उत्तर पत्रक में विकल्प (1) को सही माना गया है परन्तु उपलब्ध पाठ्य-पुस्तकों के आधार पर कोई भी उत्तर विकल्प सही नहीं है। जो निम्नवत् है -*

रचनाकार	रचना
भिखारीदास	*रस सारांश*
घनानन्द	*इश्कलता*
सूरति मिश्र	*रस रत्नाकर*
मतिराम	*रसराज*
भूषण	*अलंकार प्रकाश*

68. रीतिकाल की निम्नलिखित खड़ीबोली गद्य रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची-I	सूची-II
(a) सुरासुरनिर्णय	(i) रामप्रसाद निरंजनी
(b) भाषायोग वाशिष्ठ	(ii) दीपचंद जैन
(c) भाषा पद्म पुराण	(iii) हरि जी
(d) चिद्विलास	(iv) दौलतराम जैन
	(v) मुंशी सदासुखलाल

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(v)

उत्तर- (3)/व्याख्या

गद्य रचना	लेखक
सुरासुर निर्णय	*मुंशी सदासुख लाल*
भाषा योग वशिष्ठ	*रामप्रसाद निरंजनी*
भाषा पद्म पुराण	*दौलतराम जैन*
चिद्विलास	*दीपचंद जैन*

69. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची-I	सूची-II
(a) निशा निमंत्रण	(i) नरेन्द्र शर्मा
(b) प्रभात फेरी	(ii) हरिवंश राय बच्चन
(c) नींद के बादल	(iii) माखनलाल चतुर्वेदी
(d) जीवन के गान	(iv) शिवमंगल सिंह सुमन
	(v) केदारनाथ अग्रवाल

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(v)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर- (3)/व्याख्या

रचना	वर्ष	रचनाकार
निशा निमंत्रण	*1938*	*हरिवंश राय बच्चन*
प्रभात फेरी	*1938*	*नरेन्द्र शर्मा*
नींद के बादल	*1947*	*केदारनाथ अग्रवाल*
जीवन के गान	*1941*	*शिवमंगल सिंह सुमन*
समर्पण	*1956*	*माखनलाल चतुर्वेदी*

70. निम्नलिखित नाटकों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची-I	सूची-II
(a) भारत दुर्दशा	(i) ज्वाला प्रसाद मिश्र
(b) मयंक मंजरी	(ii) जयशंकर प्रसाद
(c) रुक्मिणी परिणय	(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(d) सीता वनवास	(iv) किशोरी लाल गोस्वामी
	(v) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(iii)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर- (2)/व्याख्या

नाटक	वर्ष	नाटककार
भारत दुर्दशा	*1880*	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*
मयंक मंजरी	*1891*	*किशोरी लाल गोस्वामी*
रुक्मिणी परिणय	*1894*	*हरिऔध*
सीता वनवास	*1895*	*ज्वाला प्रसाद मिश्र*
सज्जन	*1910*	*जयशंकर प्रसाद*

71. **निम्नलिखित कहानियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची-I	सूची-II
(a) गुलबहार	(i) मास्टर भगवान दीन
(b) ग्यारह वर्ष का समय	(ii) गिरिजादत्त बाजपेयी
(c) पंडित और पंडितानी	(iii) रामचन्द्र शुक्ल
(d) कुंभ में छोटी बहू	(iv) किशोरी लाल गोस्वामी
	(v) बंग महिला

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)
(4)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)

उत्तर- (3) व्याख्या

कहानी	वर्ष	कहानीकार
गुलबहार	1902	किशोरी लाल गोस्वामी
ग्यारह वर्ष का समय	1903	रामचन्द्र शुक्ल
पंडित और पंडितानी	1903	गिरिजा दत्त बाजपेयी
कुंभ में छोटी बहू	1906	बंग महिला
प्लेग की चुड़ैल	1902	मास्टर भगवानदीन

72. **निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची-I	सूची-II
(a) साहित्य का श्रेय और प्रेय	(i) दिनकर
(b) आलोक पर्व	(ii) रामविलास शर्मा
(c) रेती के फूल	(iii) जैनेन्द्र
(d) आस्था और सौन्दर्य	(iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
	(v) अज्ञेय

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(4)	(ii)	(v)	(i)	(iv)

उत्तर- (2) व्याख्या

निबन्ध संग्रह	वर्ष	लेखक
साहित्य का श्रेय और प्रेय	1953	जैनेन्द्र
आलोक पर्व	1972	हजारी प्रसाद द्विवेदी
रेती के फूल	1954	दिनकर
आस्था और सौन्दर्य	1961	रामविलास शर्मा
केन्द्र और परिधि	1984	अज्ञेय

73. **निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची-I	सूची-II
(a) लिरिकल बैलड्स	(i) क्रोचे
(b) बायोग्राफिया लिटरोरिया	(ii) कॉलरिज
(c) एस्थेटिक	(iii) वर्ड्सवर्थ
(d) दि फाउन्डेशन्स ऑफ एस्थेटिक्स	(iv) इलियट
	(v) रिचर्ड्स

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(v)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर- (1) व्याख्या

ग्रन्थ	वर्ष	लेखक
लिरिकल बैलड्स	1798	वर्ड्स वर्थ
बायोग्राफिया लिटरेरिया	1817	कॉलरिज
एस्थेटिक	1902	क्रोचे
दि फाउन्डेशन्स ऑफ एस्थेटिक्स	1922	रिचर्ड्स
दि सेक्रेड वुड	1920	इलियट

74. **निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये:**

सूची-I	सूची-II
(a) नया साहित्य : नये प्रश्न	(i) देवराज उपाध्याय
(b) रस सिद्धान्त	(ii) शिवकुमार मिश्र
(c) मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन	(iii) आनन्द प्रकाश दीक्षित
(d) रोमांटिक साहित्य शास्त्र	(iv) नंददुलारे बाजपेयी
	(v) नगेन्द्र

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर- (2) व्याख्या

कृति	वर्ष	लेखक
नया साहित्य : नये प्रश्न	1955	नंददुलारे बाजपेयी
रस सिद्धान्त	1964	नगेन्द्र
मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन	1973	शिवकुमार मिश्र
रोमांटिक साहित्य शास्त्र	1951	देवराज उपाध्याय
काव्य में रस	1956	आनन्द प्रकाश दीक्षित

75. **निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची-I	सूची-II
(a) उज्ज्वल नील मणि	(i) अप्पय दीक्षित
(b) कुवलयानन्द	(ii) विश्वनाथ
(c) साहित्य दर्पण	(iii) रूप गोस्वामी
(d) रस गंगाधर	(iv) जय देव
	(v) पण्डितराज जगन्नाथ

कोड :	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर- (4) व्याख्या

काव्य शास्त्रीय ग्रंथ	समय	आचार्य
उज्ज्वल नीलमणि	15-16वीं शती	रूपगोस्वामी
कुवलयानन्द	16वीं शती	अप्पय दीक्षित
साहित्य दर्पण	14वीं शती	विश्वनाथ
रस गंगाधर	17वीं शती	पंडित राज जगन्नाथ
चंद्रालोक	13वीं शती	जयदेव

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
DECEMBER : 2014	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

1. 'प्रेमवाटिका' किसकी काव्यकृति है ?
(A) रसखान (B) नागरीदास
(C) आलम (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

उत्तर- (A)/ व्याख्या *रसखान' का मूल नाम 'सैयद इब्राहिम' था। इनकी चार कृतियाँ पायी जाती हैं- सुजान रसखान (संकलन), प्रेमवाटिका (1614 ई.), 'दानलीला' और 'अष्टयाम' 'प्रेमवाटिका' में कवि ने राधा-कृष्ण को प्रेम के बगीचे का मालिन- माली मानकर प्रेम के गूढ़ तत्त्व का निरूपण किया है। 'अष्टयाम' में कृष्ण की दिनचर्या का वर्णन है।*

2. 'अनघ' नाटक किस कवि ने लिखा है ?
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) सुमित्रानन्दन पन्त (D) रामकुमार वर्मा

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'अनघ' (1928 ई.) मैथिलीशरण गुप्त का तथा 'रजतशिखर', 'शिल्पी' और 'सौवर्ण' सुमित्रानन्दन पन्त का गीतिनाट्य या काव्य नाटक है।*

3. 'घुमक्कड़शास्त्र' के लेखक हैं -
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(C) सत्यदेव परिव्राजक (D) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर- (D)/ *'घुमक्कड़शास्त्र' राहुल सांकृत्यायन का यात्रा विषयक विशेष ग्रन्थ है-*

यात्रा-ग्रंथ	वर्ष	रचनाकार
• पैरों में पंख बाँधकर • उड़ते चलो उड़ते चलो	1952 1954	रामवृक्ष बेनीपुरी
• हमारी जापान यात्रा	1932	कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'
• यात्री मित्र • ज्ञान के उद्यान में	1936 1937	सत्यदेव परिव्राजक
• किन्नर देश में • चीन में कम्यून • एशिया के दुर्गम-भूखण्डों में • रूस में पच्चीस मास	1948 1959 1956 1952	राहुल सांकृत्यायन

4. 'प्रेमसागर' के लेखक हैं -
(A) इंशा अल्लाह खाँ (B) सदल मिश्र
(C) लल्लूजी लाल (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर- (C)/

रचना	वर्ष	लेखक
प्रेमसागर	1810	लल्लू जी लाल
रानी केतकी की कहानी या उदयभानुचरित	1808 लगभग	इंशा अल्लाह खाँ
नासिकेतोपाख्यान या चंद्रावती	1803	सदल मिश्र
सच्ची समालोचना	1886	बालकृष्ण भट्ट

5. 'आत्म निरीक्षण' के लेखक हैं
(A) वियोगी हरि (B) गुलाब राय
(C) हरिभाऊ उपाध्याय (D) सेठ गोविंददास

उत्तर- (D)/

आत्मकथा	वर्ष	लेखक
आत्म निरीक्षण	1958	सेठ गोविन्द दास
मेरा जीवन प्रवाह	1948	वियोगी हरि
साधना के पथ पर	1946	हरिभाऊ उपाध्याय
मेरी असफलताएँ	1946	गुलाब राय

6. 'पृथ्वी प्रदक्षिणा' के लेखक हैं -
(A) मौलवी महेश प्रसाद (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) शिवप्रसाद गुप्त (D) सत्यदेव परिव्राजक

उत्तर- (C)/

यात्रा साहित्य	वर्ष	लेखक
पृथ्वी प्रदक्षिणा	1914	शिव प्रसाद गुप्त
मेरी यूरोप यात्रा	1935	राहुल सांकृत्यायन
यूरोप की सुखद स्मृतियाँ	1937	सत्यदेव परिव्राजक
मेरी ईरान यात्रा	1930	महेश प्रसाद

7. इनमें से किस उपन्यास के लेखक अमृतलाल नागर नहीं हैं ?
(A) सुहाग के नूपुर (B) मानस का हंस
(C) भूले बिसरे चित्र (D) बूँद और समुद्र

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'सुहाग के नूपुर' (1960), 'मानस का हंस' (1972) और 'बूँद और समुद्र' (1956), अमृत लाल नागर के उपन्यास हैं। 'भूले बिसरे चित्र' (1959) भगवती चरण वर्मा का उपन्यास हैं।*

8. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक सुरेन्द्र वर्मा का नहीं है ?
(A) एक दूनी एक (B) मादा कैक्टस
(C) सेतुबंध (D) कैद-ए-हयात

उत्तर- (B) व्याख्या *'एक दूनी एक' (1987), 'सेतुबंध' (1972) और 'कैद-ए-हयात' (1993) सुरेन्द्र वर्मा के नाटक हैं। 'मादा कैक्टस' (1959) लक्ष्मी नारायण लाल का नाटक है।*

9. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास राहुल सांकृत्यायन का नहीं है?
(A) सिंह सेनापति (B) जय यौधेय
(C) दिवोदास (D) व्यतीत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'सिंह सेनापति (1942), 'जय यौधेय' (1944) और 'दिवोदास (1980) राहुल सांकृत्यायन का उपन्यास है। जबकि 'व्यतीत' (1953) जैनेन्द्र का उपन्यास है।*

10. ''ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है
इच्छा क्यों पूरी हो मन की,
एक दूसरे से न मिल सकें
यह विडंबना है जीवन की।''
इन काव्य-पंक्तियों के रचनाकार हैं-
(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पन्त
(C) अज्ञेय (D) रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर- (A)

पंक्ति	लेखक
'ज्ञान दूर.........जीवन की'	जयशंकर प्रसाद
'इस धारा सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जग का उद्गम'	सुमित्रानंदन पंत
'यों मैं कवि हूँ, आधुनिक हूँ, नया हूँ,	अज्ञेय
'पराधीन रहकर अपना सुख शोक न कह सकता है'	रामनरेश त्रिपाठी

11. **कंठ्योष्ठ्य ध्वनि का उदाहरण है -**
(A) औ (B) ए (C) क (D) त

उत्तर- (A)/व्याख्या *'अ + उ = ओ' और अ + ओ = औ इसमें 'अ' का उच्चारण स्थान 'कण्ठ' और 'उ' का उच्चारण स्थान 'ओष्ठ है अत: ओ, औ का उच्चारण स्थान 'कण्ठओष्ठ' हुआ। 'ए' का 'कण्ठतालु', 'क' का 'कण्ठ' तथा 'त' का उच्चारण स्थान 'दन्त' है।*

12. **पश्चिमी हिन्दी की दो बोलियों का सही युग्म है -**
(A) कन्नौजी-अवधी (B) ब्रज-बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी-बाँगरु (D) खड़ीबोली-बुन्देली

उत्तर- (D) व्याख्या *'खड़ी बोली तथा बुन्देली' पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का सही युग्म है। पश्चिमी हिन्दी की पाँच बोलियाँ हैं- खड़ीबोली (कौरवी), हरियाणवी (बाँगरू), बुन्देली, ब्रज और कन्नौजी। पूर्वी हिन्दी की तीन बोलियाँ हैं- अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी।*

13. **शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होने की योग्यता प्राप्त करता है, तो उसे कहा जाता है**
(A) वाक्य (B) ध्वनि (C) पद (D) समास

उत्तर- (C)/व्याख्या *भाषा की लघुतम इकाई 'ध्वनि' है। भाषा की लघुतम सार्थक इकाई 'शब्द' और पूर्ण सार्थक इकाई 'वाक्य' होता है। जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होने की योग्यता प्राप्त करता है तो उसे 'पद' कहा जाता है।*

14. **अर्धमागधी अपभ्रंश से विकसित बोली है -**
(A) बाँगरु (B) बघेली
(C) ब्रजभाषा (D) भोजपुरी

उत्तर- (B) व्याख्या *'बघेली', अर्धमागधी से, बाँगरू तथा ब्रजभाषा- शौरसेनी से और भोजपुरी- मागधी अपभ्रंश से विकसित है।*

15. **'भाषा काव्य संग्रह' किसकी कृति है ?**
(A) महेशदत्त शुक्ल (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) देवीदत्त शुक्ल (D) श्यामबिहारी मिश्र

उत्तर- (A)/व्याख्या *'भाषा काव्य संग्रह' (1873 ई.) में रचित महेश दत्त शुक्ल की रचना है। जो कि हिन्दी साहित्य के इतिहास से सम्बन्धित है।*

16. **वल्लभाचार्य का 'वेदांत सूत्र' पर लिखा प्रसिद्ध ग्रंथ है ?**
(A) पुष्टिमार्ग रहस्य (B) आनन्द भाष्य
(C) अणु भाष्य (D) सृष्टि रहस्य

उत्तर- (C)/व्याख्या *'पूर्व मीमांसा भाष्य'; 'उत्तर मीमांसा' या 'ब्रह्मसूत्र भाष्य' या 'अणुभाष्य', 'तत्त्वदीपक निबंध', पुष्टि प्रवाह मर्यादा' बल्लभाचार्य के ग्रंथ हैं। 'अणुभाष्य' 'वेदान्त सूत्र' पर लिखा गया है। यह शुद्धाद्वैतवाद के प्रतिपादन का प्रधान दार्शनिक ग्रंथ है। 'अणुभाष्य' इनकी अपूर्ण कृति है जिसे इनके पुत्र गोसाई विट्ठलनाथ ने पूरा किया। 'आनंद भाष्य' रामानन्द की रचना है।*

17. **''पानी परात को हाथ छुयौ नहिं**
नैनन के जल सों पग धोए।''
किस कवि की पंक्तियाँ हैं ?
(A) सूरदास (B) रहीम
(C) गंग कवि (D) नरोत्तमदास

उत्तर- (D)

पंक्ति	लेखक
'पानी परात...............पग धोए'	नरोत्तमदास
'मेरे नैना बिरह की बेल बई'	सूरदास
'उत्तम जाति है ब्राह्मनी देखत चित लुभाय'	रहीम
'कबहूँ न भड्डआ रन चढ़े कबहूँ न बाजी बंब	गंग कवि

18. **तुलसीदास के गुरु थे?**
(A) रामानन्द (B) हनुमत् शास्त्री
(C) नरहर्यानन्द (D) रामानुजाचार्य

उत्तर- (C)/व्याख्या *तुलसीदास के दीक्षा गुरू 'नरहर्यानन्द' और शिक्षा गुरू 'शेष सनातन थे। नरहर्यानन्द के गुरू रामानन्द थे।*

19. **'कवित्त रत्नाकर' किस कवि की कृति है ?**
(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) पद्माकर (D) सेनापति

उत्तर- (D) व्याख्या *'कवित्त रत्नाकर' और 'काव्य कल्पद्रुम' सेनापति के प्रसिद्ध ग्रंथ हैं। इनके गुरू का नाम हीरामणि दीक्षित था। ऋतुवर्णन और प्रकृति चित्रण इनकी विशेषता है। 'काव्य निर्णय'-भिखारी दास का, 'रामचन्द्रिका'- केशवदास का और 'प्रबोध पचासा' - पद्माकर का प्रसिद्ध ग्रंथ है।*

20. **'उत्तर कबीर' नामक कविता किस कवि की है ?**
(A) केदारनाथ सिंह (B) अशोक बाजपेयी
(C) कुँवर नारायण (D) ज्ञानेन्द्रपति

उत्तर- (A)

कृति	प्राप्त पुरस्कार	पुरस्कार वर्ष	रचनाकार
उत्तर कबीर	व्यास सम्मान	1997	केदारनाथ सिंह
कहीं नहीं वहीं	साहित्य अकादमी	1994	अशोक बाजपेयी
आत्मजयी	व्यास सम्मान	1995	कुँवर नारायण
संशयात्मा	साहित्य अकादमी	2006	ज्ञानेन्द्र पति

21. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित जीवनियों का सही अनुक्रम है :**
(A) व्योमकेश दरवेश, प्रेमचन्द्र घर में, वटवृक्ष की छाया में, आवारा मसीहा
(B) आवारा मसीहा, वटवृक्ष की छाया में, प्रेमचन्द्र घर में, व्योमकेश दरवेश
(C) वटवृक्ष की छाया में, व्योमकेश दरवेश, आवारा मसीहा, प्रेमचन्द घर में

(D) प्रेमचन्द्र घर में, आवारा मसीहा, वटवृक्ष की छाया मे, व्योमकेश दरवेश

उत्तर- (D)

जीवनी	वर्ष	सम्बन्धित व्यक्ति	रचनाकार
प्रेमचन्द घर में	1944	प्रेमचन्द	शिवरानी देवी
आवारा मसीहा	1974	शरत चन्द्र	विष्णु प्रभाकर
वटवृक्ष की छाया में	2006	अमृत लाल नगर	कुमुद नागर
व्योमकेश दरवेश	2011	हजारी प्रसाद द्विवेदी	विश्वनाथ त्रिपाठी

22. **प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही क्रम है**
(A) गोदान, निर्मला, कर्मभूमि, रंगभूमि
(B) रंगभूमि, निर्मला, गोदान, कर्मभूमि
(C) रंगभूमि, निर्मला, कर्मभूमि, गोदान
(D) रंगभूमि, कर्मभूमि, निर्मला, गोदान

उत्तर- (C) व्याख्या *प्रेमचन्द के उपन्यासों का क्रम- सेवासदन (1918), वरदान (1921), प्रेमाश्रम (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926), निर्मला (1927), गबन (1931), कर्मभूमि (1933), गोदान (1936) और मंगल सूत्र (अधूरा) है। इनका एक अन्य उपन्यास खोज के बाद प्राप्त हुआ है- 'दुर्गादास'।*

23. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार अमृतलाल नगर के निम्नलिखित उपन्यासों का सही क्रम है :**
(A) महाकाल, बूँद और समुद्र, खंजन नयन, मानस का हंस
(B) बूँद और समुद्र, महाकाल, मानस का हंस, खंजन नयन
(C) महाकाल, बूँद और समुद्र, मानस का हंस, खंजन नयन
(D) खंजन नयन, मानस का हंस, महाकाल, बूँद और समुद्र

उत्तर- (C) व्याख्या *अमृत लाल नागर के उपन्यासों का क्रम- महाकाल (1947), बूँद और समुद्र (1956), मानस का हंस (1972) और खंजन नयन (1981) है।*

24. **प्रकाशन के आरंभ की दृष्टि से निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही क्रम है :**
(A) माधुरी, विशाल भारत, जागरण, साहित्य संदेश
(B) विशाल भारत, जागरण, माधुरी, साहित्य संदेश
(C) जागरण, माधुरी, विशाल भारत, साहित्य संदेश
(D) साहित्य संदेश, विशाल भारत, माधुरी, जागरण

उत्तर- (A)

पत्रिका	वर्ष	स्थान	सम्पादक
माधुरी	1922	लखनऊ	दुलारे लाल भार्गव, प्रेमचन्द
विशाल भारत	1928	कलकत्ता	बनारसीदास चतुर्वेदी
जागरण	1929	बनारस	शिवपूजन सहाय, प्रेमचन्द
साहित्य संदेश	1937	आगरा	गुलाब राय

25. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार महादेवी वर्मा की निम्नलिखित गद्य कृतियों का सही क्रम है :**
(A) शृंखला की कड़ियाँ, अतीत के चलचित्र, पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ
(B) अतीत के चलचित्र, शृंखला की कड़ियाँ, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी
(C) स्मृति की रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, शृंखला की कड़ियाँ, पथ के साथी
(D) पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ, शृंखला की कड़ियाँ, अतीत के चलचित्र

उत्तर- (B) व्याख्या *महादेवी वर्मा की गद्य कृतियों का क्रम- अतीत के चल चित्र (1941), शृंखला की कड़ियाँ (1942), स्मृति की रेखाएँ (1943) और पथ के साथी (1956) है।*

26. **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के निम्नलिखित निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है :**
(A) लिखि कागद कोरे, आत्मनेपद, कहाँ है द्वारका, अद्यतन
(B) अद्यतन, लिखि कागद कोरे, आत्मनेपद, कहाँ है द्वारका,
(C) आत्मनेपद,अद्यतन,कहाँ है द्वारका,लिखि कागद कोरे,
(D) आत्मनेपद, लिखि कागद कोरे, अद्यतन, कहाँ है द्वारका,

उत्तर- (D) व्याख्या *अज्ञेय के निबन्धों का सही क्रम है- आत्मनेपद (1960), लिखि कागद कोरे (1972), अद्यतन (1977) और कहाँ है द्वारका (1982)*

27. **निम्नलिखित व्यंग्य रचनाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) जीप पर सवार इल्लियाँ, भित्तिचित्र, जो घर फूँके, यत्र तत्र सर्वत्र
(B) यत्र तत्र सर्वत्र, भित्तिचित्र, जीप पर सवार इल्लियाँ, जो घर फूँके
(C) भित्तिचित्र, जीप पर सवार इल्लियाँ, यत्र तत्र सर्वत्र,जो घर फूँके
(D) जो घर फूँके, यत्र तत्र सर्वत्र जीप पर सवार इल्लियाँ, भित्तिचित्र

उत्तर- (C) *सभी व्यंग्य रचनाओं का कालक्रम इस प्रकार हैं-*

रचना	वर्ष	रचनाकार
• भित्तिचित्र	1966	रवीन्द्र नाथ त्यागी
• जीप पर सवार इल्लियाँ	1971	शरद जोशी
• यत्र तत्र सर्वत्र	2000	
• जो घर फूँके	2006	ज्ञान चतुर्वेदी

28. **निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है:**
(A) त्यागपत्र, मेरी तेरी उसकी बात, नदी के द्वीप, खंजन नयन
(B) त्यागपत्र, नदी के द्वीप, मेरी तेरी उसकी बात, खंजन नयन
(C) नदी के द्वीप, त्यागपत्र, खंजन नयन, मेरी तेरी उसकी बात
(D) खंजन नयन, नदी के द्वीप, त्यागपत्र, मेरी तेरी उसकी बात

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
त्यागपत्र	1937	जैनेन्द्र
नदी के द्वीप	1951	अज्ञेय
मेरी तेरी उसकी बात	1974	यशपाल
खंजन नयन	1981	अमृत लाल नागर

29. **जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है :**
(A) बिहारी, चिंतामणि, भूषण, मतिराम
(B) चिंतामणि, मतिराम, बिहारी, भूषण
(C) चिंतामणि, मतिराम, भूषण, बिहारी
(D) भूषण, मतिराम, चिंतामणि, बिहारी

उत्तर- (A) व्याख्या *'जन्म काल के अनुसार कवियों का सही क्रम है- बिहारी (1595 ई.), चिंतामणि (1609 ई. लगभग) भूषण (1613 ई. लगभग), मतिराम (1617 ई. लगभग)।*

30. **भगवतीचरण वर्मा के निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) टेढ़े-मेढ़े रास्ते, भूले बिसरे चित्र,सामर्थ्य और सीमा, सीधी सच्ची बाते

(B) सीधी सच्ची बातें, सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र, टेढ़े मेढ़े रास्ते
(C) भूले बिसरे चित्र, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, सीधी सच्ची बातें, सामर्थ्य और सीमा,
(D) सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, सीधी सच्ची बातें

उत्तर- (A) व्याख्या *भगवती चरण वर्मा के उपन्यासों का सही अनुक्रम- टेढ़े-मेढ़े रास्ते (1946), भूले बिसरे चित्र (1959), सामर्थ्य और सीमा (1962) और सीधी सच्ची बातें (1968)।*

31. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी आत्मकथाओं से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
a. शिव पूजन सहाय	i. दश द्वार से सोपान तक
b. सुमित्रानंदन पन्त	ii. मेरा जीवन
c. हरिवंशराय बच्चन	iii. अपनी खबर
d. पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'	iv. राख से लपटें
	v. साठ वर्ष : एक रेखांकन

कोडः	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	i	iv	ii	v
(C)	v	iii	iv	ii
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर- (D)

लेखक	आत्मकथा
शिव पूजन सहाय	मेरा जीवन
सुमित्रा नन्दन पंत	साठ वर्षः एक रेखांकन
हरिवंश राय बच्चन	दश द्वार से सोपान तक
पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	अपनी खबर
पुरुषोत्तम दास टण्डन	राख से लपटें

32. निम्नलिखित आलोचकों को उनके ग्रन्थों से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
a. नन्ददुलारे वाजपेयी	i. जायसी
b. लक्ष्मीकांत वर्मा	ii. निराला
c. रामविलास शर्मा	iii. मानव मूल्य और साहित्य
d. विजयदेव नारायण साही	iv. हिन्दी साहित्यःबीसवीं शताब्दी
	v. नई कविता के प्रतिमान

कोडः	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	i	iii	v	ii
(C)	iv	v	ii	i
(D)	ii	i	iii	iv

उत्तर- (C)

आलोचक	वर्ष	ग्रंथ
नन्द दुलारे वाजपेयी	1942	हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी
लक्ष्मीकान्त वर्मा	1957	नई कविता के प्रतिमान
राम विलास शर्मा	1946	निराला
विजय देव नारायण साही	1983	जायसी
धर्मवीर भारती	1999	मानव मूल्य और साहित्य

33. निम्नलिखित संस्मरणात्मक रेखाचित्रों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
a. चेतना के बिम्ब	i. देवेन्द्र सत्यार्थी
b. रेखाएँ बोल उठीं	ii. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
c. जिन्दगी मुस्कराई	iii. महादेवी वर्मा
d. सिंहावलोकन	iv. यशपाल
	v. नगेन्द्र

कोडः	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	ii	iv	iii	iv
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर- (D)

संस्मरणात्मक रेखाचित्र	वर्ष	लेखक
चेतना के बिम्ब	1967	नगेन्द्र
रेखाएँ बोल उठी	1949	देवेन्द्र सत्यार्थी
जिन्दगी मुस्कराई	1953	कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'
सिंहावलोकन	1951,52,55	यशपाल
मेरा परिवार	1972	महादेवी वर्मा

34. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
a. भगवतीचरण वर्मा	i. पिंजरा
b. इलाचन्द्र जोशी	ii. मक्रील
c. यशपाल	iii. दो बाँके
d. उपेन्द्रनाथ अश्क	iv. एक कैदी
	v. दीवाली और होली

कोडः	a	b	c	d
(A)	iii	v	ii	i
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	v	ii	iv	iii
(D)	iv	i	iii	v

उत्तर- (A)

कहानीकार	कहानी
भगवतीचरण वर्मा	दो बाँके
इलाचन्द्र जोशी	दीवाली और होली
यशपाल	मक्रील
उपेन्द्रनाथ अश्क	पिंजरा
जैनेन्द्र	एक कैदी

35. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
a. राधाकृष्ण दास	i. तारा
b. किशोरीलाल गोस्वामी	ii. कश्मीर यात्रा
c. देवकीनन्दन खत्री	iii. चन्द्रकान्ता
d. श्रद्धाराम फिल्लौरी	iv. भाग्यवती
	v. निःसहाय हिन्दू

कोडः	a	b	c	d
(A)	iv	iii	i	ii
(B)	v	i	iii	iv
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर- (B)

उपन्यासकार	वर्ष	उपन्यास
राधाकृष्ण दास	1890	निःसहाय हिन्दू
किशोरी लाल गोस्वामी	1902	तारा
देवकी नंदन खत्री	1888	चन्द्रकान्ता
श्रद्धाराम फिल्लौरी	1877	भाग्यवती

36. **निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
a. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	i. महारानी पद्मावती
b. राधाचरण गोस्वामी	ii. संगीत शाकुंतल
c. प्रतापनारायण मिश्र	iii. अंधेर नगरी
d. बालकृष्ण भट्ट	iv. अमरसिंह राठौर
	v. नल दमयन्ती

कोड:	a	b	c	d
(A)	v	iii	iv	ii
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	ii	v	iii
(D)	iii	iv	ii	v

उत्तर- (D)

नाटककार	वर्ष	नाटक
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	1881	अंधेर नगरी
राधाचरण गोस्वामी	1895	अमरसिंह राठौर
प्रताप नारायण मिश्र	-	संगीत शाकुंतल
बालकृष्ण भट्ट	1895	नल दमयन्ती
राधाकृष्णदास	1882	महारानी पद्मावती

37. **निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
a. आत्मा की आँखें	i. गजानन माधव मुक्तिबोध
b. काठ का सपना	ii. हरिवंशराय बच्चन
c. समय और हम	iii. रामधारी सिंह 'दिनकर'
d. मिलन यामिनी	iv. जैनन्द्र कुमार
	v. नगेन्द्र

कोड:	a	b	c	d
(A)	iv	ii	v	iii
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	ii	v	iii	i

उत्तर- (C)

कृति	वर्ष	रचनाकार
आत्मा की आँखें	1964	दिनकर
काठ का सपना	1967	मुक्तिबोध
समय और हम	1964	जैनेन्द्र
मिलन यामिनी	1950	हरिवंशराय बच्चन
आलोचक की आस्था	1966	नगेन्द्र

38. **सुमित्रानन्दन पन्त के निम्नलिखित काव्य-संग्रहों को उनके प्रकाशन वर्ष के अनुसार सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
a. पल्लव	i. 1927
b. वीणा	ii. 1932
c. गुंजन	iii. 1936
d. स्वर्ण किरण	iv. 1926
	v. 1947

कोड:	a	b	c	d
(A)	ii	v	iii	iv
(B)	vi	i	ii	v
(C)	iii	ii	iv	i
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर- (B) व्याख्या *पंत के ग्रंथों का सही सुमेलन इस प्रकार है- पल्लव (1926), वीणा (1927), गुंजन (1932), युगान्त (1936) और स्वर्ण किरण (1947)।*

39. **निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन स्थान से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
a. आनंद कादंबिनी	i. कानुपर
b. ब्राह्मण	ii. प्रयाग
c. हिन्दी प्रदीप	iii. मिर्जापुर
d. उचित वक्ता	iv. अजमेर
	v. कलकत्ता

कोड:	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	ii
(B)	ii	iv	iii	i
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर- (D)

पत्रिका	प्र. स्थल	स्था. वर्ष	सम्पादक
आनन्द कादंबिनी	मिर्जापुर	1881	प्रेमघन
ब्राह्मण	कानपुर	1883	प्रतापनारयण मिश्र
हिन्दी प्रदीप	प्रयाग	1877	बालकृष्ण भट्ट
उचित वक्ता	कलकत्ता	1878	दुर्गा प्रसाद मिश्र

40. **निम्नलिखित निबन्धकारों को उनके निबंध संग्रहों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
a. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	i. महके आँगन चहके द्वार
b. वासुदेवशरण अग्रवाल	ii. वन्दे वाणी विनायकौ
c. रामवृक्ष बेनीपुरी	iii. पृथ्वीपुत्र
d. कुबेरनाथ राय	iv. कछुवा धर्म
	v. मराल

कोड:	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	v	ii	iii	iv
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर- (A)

निबन्धकार	निबन्ध संग्रह	वर्ष
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	कछुआ धर्म	1919
वासुदेव शरण अग्रवाल	पृथ्वीपुत्र	1949
रामवृक्ष बेनीपुरी	वन्दे वाणी विनायकौ	1854
कुबेरनाथ राय	मराल	1993
कन्हैया लाल मिश्र	महके आँगन चहके द्वार	-

41. **स्थापना (Assertion) (A): काव्य का उत्कर्ष केवल प्रेमभाव की कोमल व्यंजना में ही माना जा सकता है।**
तर्क (Reason) (R): क्रोध जैसे उग्र एवं प्रचंड भावों के विधान के साथ-साथ करुण-भाव की अभिव्यक्ति से काव्य में पूर्ण सौन्दर्य के साक्षात्कार होते हैं।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *काव्य के उत्कर्ष में प्रेम भाव, करुणभाव, वीरभाव, क्रोधभाव इत्यादि होता है न कि केवल प्रेमभाव। क्रोध में उग्र एवं प्रचन्ड भावों की प्रबलता होती हैं। काव्य में इसके साथ करुण भाव के आ जाने से पूर्ण सौन्दर्य का साक्षात्कार होता है। अतः कथन (A) गलत तथा (R) सही हैं।*

42. **स्थापना (Assertion) (A): भूमंडलीकरण ने 'जन' की पुरानी धारणा बदल कर रख दी है। उसने 'जन' को 'मास' में बदल दिया है।**
तर्क (Reason) (R): क्योंकि भूमंडलीकरण के 'मास' में वही लोग शामिल हैं जिनके पास क्रयशक्ति है और जो जनसंचार साधनों के उपयोग में दक्ष हैं।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *भूमंडलीकरण अर्थात् सम्पूर्ण पृथ्वी के एकीकरण ने 'जन' की पहले की धारणा को बदल दिया है। इस एकीकरण ने लोगों को द्रव्यमान, उत्पादन या बाजार बना दिया है। इस एकीकरण में वही लोग शामिल है। जिनके पास खरीदने की शक्ति होती है और जो जनसंचार साधनों का उपयोग अच्छी तरह कर सकते हैं। अतः (A) और(R) दोनों सही हैं।*

43. स्थापना (Assertion) (A): शृंगार को रसराज माना जाता है। इसीलिए वह सभी रसों में प्रधान है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि जीवन के आदि से लेकर अन्त तक उसी का प्रसार है और जीवन की सभी भावनाएँ उसी से निःसृत हैं।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'शृंगार' को रसों का राजा माना जाता है और राजा सभी में प्रधान होता ही है। लेकिन जीवन के आदि से अन्त तक केवल शृंगार की ही प्रधानता नहीं होती है और सभी भावनाओं का विकास उसी से नहीं हुआ है। जीवन के आरम्भ से लेकर अन्त तक समय-समय पर करुण, शोक, वीर, भय इत्यादि रसों का भी प्रवाह होता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

44. स्थापना (Assertion) (A): भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि वह मध्यकालीन परम्पराओं का पूर्ण विरोधी है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *भारतेन्दु युग से हिन्दी साहित्य का आधुनिक युग शुरू होता है और इसीलिए यह आधुनिकता का प्रवेश द्वार है। लेकिन यह मध्यकालीन परंपराओं का पूर्ण विरोधी नहीं है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A): प्रतीक अमूर्त का मूर्तिकरण है जिसमें अदृश्य सारतत्त्व की अभिव्यक्ति होती है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि जब किसी वस्तु का कोई एक भाग गोचर हो और फिर आगे उस वस्तु का ज्ञान हो, तब उस भाग को प्रतीक कहते हैं।
(A) (A) गलत, (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *प्रतीक या बिंब अमूर्त का मूर्तरूप है। इसमें अदृश्य के सार को दृश्य रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। जब हमें कोई वस्तु न दिखाई दे रही हो और आगे मूर्तिकरण द्वारा उसका हमें ज्ञान हो तो वह प्रतीक कहा जाता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें:

यूरोप और अमरीका में जो आधुनिकता फैली है, उसका असली कारण वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्राथमिकता और प्राबल्य है। यह दृष्टि उद्योग और टेक्नालॉजी से नहीं उत्पन्न हुई है, बल्कि टेक्नालॉजी और उद्योग ही इस दृष्टि के परिणाम हैं। यूरोप और अमरीका का सबसे बड़ा लक्षण वैज्ञानिक दृष्टि है, निष्ठुर होकर सत्य को खोजने की व्याकुलता है और इस खोज के क्रम में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा और धर्म, किसी भी बाधा को बुद्धि स्वीकार करने को तैयार नहीं है। आधुनिक मनुष्य के बारे में सामान्य कल्पना यह है कि अपने चिंतन में वह निर्मम होता है, निष्ठुर और निर्भीक होता है। जो बात बुद्धि की पकड़ में नहीं आ सकती, उसे वह त्रिकाल में भी स्वीकार नहीं करेगा और जो बातें बुद्धि से सही दिखाई देती हैं उनकी वह खुली घोषणा करेगा, चाहे वे धर्म के विरूद्ध पड़ती हों, नैतिकता के खिलाफ जाती हों अथवा उनसे मानवता का चिरपोषित विश्वास खंड-खंड हो जाता हो।

46. वैज्ञानिक दृष्टि कब धर्म, नैतिकता और विश्वास का विरोध करती है?
(A) जब वे उसकी दृष्टि से सही हों।
(B) जब वे मानवता की विरोधी हों।
(C) जब वे समाज के मूल्यों के संरक्षक हों।
(D) जब वे उसकी दृष्टि से गलत हों।

उत्तर- (D)/ व्याख्या *वैज्ञानिक दृष्टि धर्म, नैतिकता और विश्वास का विरोध तब करती है जब के उसकी दृष्टि में गलत होते हैं।*

47. आधुनिक मनुष्य के संदर्भ में वैज्ञानिक दृष्टि की सबसे बड़ी सिद्धि है
(A) तथ्यों के प्रति मन की प्रतिक्रिया
(B) तथ्यों के प्रति हृदय अनुभूति
(C) तथ्यों का वस्तुगत परीक्षण और निष्कर्ष
(D) तथ्यों के प्रति लोगों की क्रिया-प्रतिक्रिया

उत्तर- (C)/ व्याख्या *आधुनिक मनुष्य के बारे वैज्ञानिक दृष्टि की सबसे बड़ी सिद्धि तथ्यों का वस्तुगत परीक्षण और निष्कर्ष है।*

48. यूरोप और अमरीका में आधुनिकता के फैलने का कारण है
(A) उद्योग और टेक्नालॉजी का जन्म
(B) औद्योगिक वस्तुओं का उपयोग
(C) भौतिक दृष्टि का त्याग
(D) वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्रधानता और प्रबलता

उत्तर- (D)/ व्याख्या *वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्रबलता और प्रधानता ही यूरोप और अमरीका में आधुनिकता के फैसले का कारण है।*

49. टेक्नालॉजी-उद्योग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच संबंध है
(A) कार्य और कारण का (B) कारण और कार्य का
(C) आधार और अधिरचना का (D) जनक और जन्य का

उत्तर- (A)/ व्याख्या *टेक्नालॉजी - उद्योग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच कार्य और कारण का सम्बन्ध है।*

50. यूरोप और अमरीका किस संदर्भ में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा, धर्म आदि किसी भी बाधा को मानने के लिए तैयार नहीं है?
(A) दार्शनिक सत्य की खोज के संदर्भ में
(B) वैज्ञानिक सत्य की खोज के संदर्भ में
(C) सामाजिक यथार्थ के अनुसंधान के संदर्भ में
(D) साहित्यिक अनुसंधान के संदर्भ में

उत्तर- (B) व्याख्या *यूरोप और अमरीका वैज्ञानिक सत्य की खोज के संदर्भ में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा, धर्म आदि किसी भी बाधा को मानने के लिए तैयार नहीं हैं।*

1. इनमें से कौन सी ध्वनि संयुक्त व्यंजन है?

(A) क्य (B) च्च
(C) ट (D) औ

उत्तर- (A)/ व्याख्या जब दो भिन्न व्यंजन मिलकर एक नया रूप ग्रहण करते हैं तो उसे संयुक्त व्यंजन कहते हैं = क् + य = क्य। 'च्च' द्वित्व व्यंजन है। 'औ' संयुक्त स्वर है।

2. निम्नलिखित में से किस भाषा को संविधान की अष्टम सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है?

(A) डोगरी (B) मणिपुरी
(C) मैथिली (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर- (D)/ व्याख्या संविधान की अष्टम सूची में 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं जिसमें 'छत्तीसगढ़ी' नहीं है।
देखें- जून 2014 प्रश्न पत्र (II) प्रश्न संख्या-2

3. पुष्पदंत की प्रबंध रचना है

(A) रिट्ठणेमि चरिउ (B) णयकुमार चरिउ
(C) पउम चरिउ (D) भविसयत्तकहा

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकार
णयकुमार चरिउ या नागकुमार चरिउ	पुष्पदंत
रिट्ठणेमि चरिउ या अरिष्टनेमि चरित	स्वयंभू
पउम चरिउ या पद्म चरित	स्वयंभू
भविसयत्तकहा या सूय पंचमी	धनपाल

4. ''बह्मणेहि म जाणंत हि भेऊ। एवइ पढ़िअउ ए उच्चउ बेऊ।। मट्टी पार्णी कुस लइ पढ़ंत । घरहि बइसी अग्गि हुणंत।।'' उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) गोरखनाथ (B) सरहपा
(C) रैदास (D) कबीरदास

उत्तर- (B)

पंक्ति	कवि
'बह्मणेहि म......अग्गि हुणंत'	सरहपा
'हवकि न बोलिबा ठवकि न चलिबा धीरे धरिबा पाँव	गोरखनाथ
जाती ओछा पाती ओछा, ओछा जनमु हमारा	रैदास
'बिन रोए क्यों पाइए प्रेम पियारा मित्त'	कबीरदास

5. मुसलमान अनुयायी कबीरदास को किन का शिष्य मानते हैं?

(A) शेख तकी (B) रज्जब
(C) मुइनुद्दीन चिश्ती (D) नूर मुहम्मद

उत्तर- (A)/ व्याख्या 'मुसलमान अनुयायी कबीर को शेख तकी का शिष्य कहते हैं। सर्वमान्य धारणा यह है कि 'रामानंद' कबीर के गुरु थे।

6. फोर्ट विलियम कॉलेज के किस शिक्षक के माध्यम से हिंदी भाषा की पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन आरम्भ हुआ?

(A) लॉर्ड मैकाले (B) जार्ज ग्रियर्सन
(C) फादर कामिल बुल्के (D) गिल क्राइस्ट

उत्तर- (D)/ व्याख्या 1800 ई0 में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई। इसमें हिन्दी या हिन्दुस्तानी के प्राध्यापक जॉन गिल क्राइस्ट थे। इन्हीं के माध्यम से हिन्दी भाषा की पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन आरम्भ हुआ।

7. 'संशयात्मा' किस कवि की रचना है?

(A) अशोक बाजपेयी (B) कुँवर नारायण
(C) ज्ञानेन्द्रपति (D) उदयप्रकाश

उत्तर- (C)

साहित्य अकादमी पुरस्कृत रचना	पुरस्कृत वर्ष	रचनाकार
संशयात्मा	2006	ज्ञानेन्द्रपति
कहीं नहीं वहीं	1994	अशोक बाजपेयी
कोई दूसरा नहीं	1995	कुँवर नारायण
मोहन दास	2010	उदय प्रकाश

8. एकांकी में अन्विति अथवा संकलनत्रय के अंतर्गत काल, स्थान के साथ किसके निर्वाह की गणना की जाती है?

(A) पात्र (B) कार्य
(C) प्रकरी (D) पताका

उत्तर- (B)/ व्याख्या संकलनत्रय में काल, स्थान और कार्य या वस्तु की गणना की जाती है। पताका, प्रकरी, बीज, बिन्दु और कार्य ये पाँचों अर्थ- प्रकृतियाँ हैं।

9. इनमें से कौन 'अनुभाव' का एक भेद है?

(A) निर्वेद (B) व्रीड़ा
(C) उन्माद (D) आहार्य

उत्तर- (D)/ व्याख्या भरतमुनि के अनुसार 'अनुभाव' के तीन भेद (वाचिक, आंगिक,सात्विक) हैं। भानुदत्त के अनुसार अनुभाव के चार भेद- (कायिक, मानसिक, आहार्य और सात्विक) हैं। निर्वेद, व्रीड़ा और उन्माद संचारी भाव हैं।

10. शब्द में जहाँ मूल अर्थ नहीं, बल्कि उसका व्यंग्यार्थ अभिप्रेत होता है, वहाँ कौन सी शब्द-शक्ति होती है?

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यंजना (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (C)

विशेषता	शब्द शक्ति
शब्द में जहाँ मूल अर्थ या मुख्यार्थः होता है वहाँ-	अभिधा
शब्द में जहाँ मुख्यार्थ बाधित हो तथा लक्ष्यार्थ आए	लक्षणा
जहाँ पर मुख्यार्थ तथा लक्ष्यार्थ दोनों बाधित हो और व्यंग्यार्थ अभिप्रेत हो	व्यंजना

11. **जयशंकर प्रसाद कृत 'उर्वशी' किस विधा की रचना है?**

(A) गीतिकाव्य (B) प्रगीत
(C) नाटक (D) चम्पू काव्य

उत्तर- (D) व्याख्या जयशंकर प्रसाद कृत 'उर्वशी' (1909) चम्पू काव्य है। चम्पू काव्य में गद्य और पद्य दोनों मिश्रित होता है।

12. **'काव्यदोष' की परिभाषा इनमें से सबसे पहले किसने दी?**

(A) दंडी (B) भामह
(C) वामन (D) आनंदवर्धन

उत्तर- (C) व्याख्या काव्य दोष की सर्वप्रथम परिभाषा आचार्य वामन ने दी। ''गुणं विपर्य यात्मानो दोषाः'' अर्थात् गुण की आत्मा के विपरीत अवयव ही दोष हैं। वामन ने दोषों की संख्या 20 बतायी है। गुण को रीति का नियामक सिद्ध करने वाले प्रथम आचार्य दण्डी हैं। वक्रोक्ति का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन भामह ने किया था। 'रस' के साथ 'औचित्य' का सम्बन्ध स्थापित करने वाले प्रथम आचार्य आनन्दवर्धन हैं।

13. **''पाय महावर दैन को नाइन बैठी आय।**
फिरि फिरि जानि महावरी एड़ी मीड़ति जाय।।''
इन काव्य-पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?

(A) संदेह (B) भ्रांतिमान
(C) विशेषोक्ति (D) समासोक्ति

उत्तर- (B) व्याख्या जहाँ समानता के कारण दूसरी वस्तु को दूसरी मान लिया जाय वहाँ भ्रान्तिमान अलंकार होता है। उक्त उदाहरण में नायिका के पैर में महावर (रंग) लगाने के लिए नाइन आयी लेकिन नायिका के पैर की लालिमा इतनी थी कि नाइन को पहले से महावर लगे होने का भ्रम हो गया। जहाँ निश्चय की स्थिति न बन पा रही हो वहाँ संदेह अलंकार होता है।

14. **'यथार्थवाद और छायावाद' निबंध के रचयिता हैं**

(A) जयशंकर प्रसाद (B) शांतिप्रिय द्विवेदी
(C) नंददुलारे वाजपेयी (D) मुकुटधर पाण्डेय

उत्तर- (A)

निबन्ध	रचयिता
यथार्थवाद और छायावाद	प्रसाद
वृन्त और विकास	शान्तिप्रिय द्विवेदी
रीति और शैली	नन्ददुलारे बाजपेयी
हिन्दी में छायावाद	मुकुटधर पाण्डेय

15. **'मिला तेज से तेज' किस विधा की रचना है?**

(A) जीवनी (B) आत्मकथा
(C) निबंध (D) संस्मरण

उत्तर- (A) व्याख्या 'मिला तेज से तेज' सुभद्रा कुमारी चौहान की जीवनी है। इसकी लेखिका सुभद्रा जी की पुत्री सुधा चौहान हैं।

16. **'छायावाद का पतन' पुस्तक के लेखक कौन हैं?**

(A) शांतिप्रिय द्विवेदी (B) रामविलास शर्मा
(C) नंददुलारे बाजपेयी (D) देवराज

उत्तर- (D)

रचना	वर्ष	लेखक
छायावाद का पतन	1966	देवराज
कवि और काव्य	1937	शान्तिप्रिय द्विवेदी
प्रसाद, निराला और पंत	1931	नन्द दुलारे बाजपेयी
आस्था और सौन्दर्य	1956	रामविलास शर्मा

17. **'एक पत्नी के नोट्स' किसकी रचना है?**

(A) ममता कालिया (B) चित्रा मुद्गल
(C) मेहरून्निसा परवेज (D) मंजुल भगत

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
एक पत्नी के नोट्स	1997	ममता कालिया
एक जमीन अपनी	1990	चित्रा मुद्गल
आँखों की दहलीज	1969	मेहरुन्निशा परवेज
बेगाने घर में	1978	मंजुल भगत

18. **निर्मल वर्मा का पहला कहानी संग्रह है**

(A) जलती झाड़ी (B) बीच बहस में
(C) परिंदे (D) कव्वे और कालापानी

उत्तर- (C) व्याख्या निर्मल वर्मा के कहानी संग्रह का क्रम इस प्रकार है- 'परिंदे' (1960), 'जलती झाड़ी' (1965), 'बीच बहस में' (1973) और 'कव्वे और काला पानी' (1983)।

19. **रस निष्पत्ति के संदर्भ में 'भुक्तिवाद' किस आचार्य का मत है?**

(A) अभिनव गुप्त (B) शंकुक
(C) भट्टनायक (D) भट्ट लोल्लट

उत्तर- (C) व्याख्या रस निषपत्ति के सन्दर्भ में 'भुक्तिवाद' - भट्टनायक का मत है।
देखें- दिसम्बर-2013 प्रश्न पत्र-II प्रश्न संख्या-8

20. **'स्वर भंग' किस प्रकार का अनुभाव है?**

(A) कायिक (B) वाचिक
(C) आहार्य (D) सात्विक

उत्तर- (D) व्याख्या **(क) सात्विक अनुभाव-** इसे मानसिक अनुभाव भी कहते हैं। यह पवित्र माना जाता है। इसके आठ भेद माने जाते हैं- स्वेद, कंपन, रोमांच, स्तंभ, स्वरभंग, अश्रु, विवर्णता और प्रलय।
(ख) कायिक- कायिक (शारीरिक) चेष्टाएँ करना।
(ग) वाचिक- वाचिक (वाणी) से या बातचीत प्रयोग करना।
(घ) आहार्य- वस्त्र सज्जा द्वारा आकर्षित होना।

21. जयशंकर प्रसाद के किस नाटक का एक पात्र 'शर्वनाग' है?

(A) राज्यश्री (B) स्कंदगुप्त

(C) जनमेजय का नागयज्ञ (D) विशाख

उत्तर- (B)

प्रसाद के नाटक	सम्बन्धित पात्र
स्कन्दगुप्त	शर्वनाग, मातृगुप्त, धातुसेन, अनन्तदेवी आदि
राज्य श्री	गुहवर्मा, विकटघोष, राज्यवर्धन, हर्षवर्धन आदि
जनमेजय का नागयज्ञ	उत्तंक, मणिमाला, जरत्कारु, दामिनी, काश्यप आदि
विशाख	नरदेव, चन्द्रलेखा, इरावती

22. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक स्त्री- समस्या से सम्बन्धित नहीं है?

(A) अंधा कुआँ (B) चिंदियों की एक झालर

(C) साँच कहूँ तो (D) नेपथ्य राग

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'अंधा कुआँ' (1955)- लक्ष्मीनारायण लाल, 'सच कहूँ तो' (1993), (बीसलदेव रासो पर आधारित)- प्रभाकर श्रोत्रिय और नेपथ्य राग' (2004) मीराकांत का नाटक है। उपर्युक्त तीनों नाटक स्त्री-समस्या से सन्दर्भित हैं। 'चिंदियों की एक झालर' (1969)- अमृतराय का नाटक है। इसमें स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद की सामाजिक व्यवस्था का चित्रण है।*

23. 'अंत हाजिर हो' किस महिला नाट्यकार की रचना है?

(A) शांति मेहरोत्रा (B) मृणाल पाण्डे

(C) त्रिपुरारि शर्मा (D) मीरा कांत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'अंत हाजिर हो' और 'नेपथ्यराग'- मीराकांत, 'एक और दिन' और 'ठहरा हुआ पानी'- शान्ति मेहरोत्रा, 'जो राम रचिराखा' और 'आदमी जो मछुआरा नहीं था'- मृणाल पाण्डेय तथा 'काठ की गाड़ी' और 'बाँझ घाटी'- त्रिपुरारि शर्मा के नाटक हैं।*

24. ''हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ कल वहाँ चले।'' ये काव्य- पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (B) माखनलाल चतुर्वेदी

(C) भगवतीचरण वर्मा (D) सुभद्राकुमारी चौहान

उत्तर- (C)

काव्य पंक्ति	कवि
हम दीवानों ......वहाँ चले	भगवती चरण वर्मा
'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाये'	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
यौवन की मादक लाली में यौवन का हुलास देखा	सुभद्रा कुमारी चौहान
जगे एशिया, हिले विश्व और राजनीति का नाम न हो	माखन लाल चतुर्वेदी

25. ''बात बोलेगी/हम नहीं/ भेद खोलेगी/ बात ही'' - काव्य- पंक्तियों के रचनाकार हैं

(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) नागार्जुन

(C) शिवमंगल सिंह सुमन (D) त्रिलोचन शास्त्री

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
'बात बोलेगी.....बात ही'	शमशेर बहादुर सिंह
'जन-जन में ऊर्जा भर दे, मैं उद्गाता हूँ उस रवि का	नागार्जुन
हाय! यहाँ मानव-मानव में समता का व्यवहार नहीं	शिवमंगल सिंह 'सुमन'
मुझे जगत जीवन का प्रेमी बना रहा है प्यारा तुम्हारा	त्रिलोचन

26. ''जनम अवधि हम रूप निहारल
नयन न तिरपित भेल।''
इन काव्य- पंक्तियों के रचयिता हैं

(A) विद्यापति (B) हितहरिवंश

(C) रसखान (D) मीराबाई

उत्तर- (A)

पंक्ति	रचयिता
'जनम अवधि ......भेल'	विद्यापति
'कहा कहौं इन नैंननि की बात ये अति प्रिया बदन अंबुज रस अटके अनत न जात'	हित हरिवंश
'देखि गदर हित साहिबी, दिल्ली नगर मसान'	रसखान
'जोगी मत जा, मत जा, पाइ परूँ चेरी तेरी हैं।'	मीराबाई

27. ''रूप की आराधना का मार्ग
आलिंगन नहीं तो और क्या है?''
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं

(A) भवानीप्रसाद मिश्र (B) नरेन्द्र शर्मा

(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर- (C)

पंक्ति	रचनाकार
'रूप की ......क्या है'	दिनकर
'टूटने का सुखः बहुत प्यारे बन्धनों का आज झटका लग रहा है'	भवानी प्रसाद मिश्र
प्रेम तुम्हारा है मेरी इन आँखों का आकाश। मृदु मुस्कान तुम्हारी मेरे प्राणों का उल्लास।	नरेन्द्र शर्मा
'हे मेरी तुम! आओ बैठे पास-पास। हम हास और परिहास करें।	केदारनाथ अग्रवाल

28. ''लोकवृत्तानुकरणं नाट्मेतन्मया कृतम''- यह कथन किस आचार्य का है?

(A) भरत (B) अभिनवगुप्त
(C) धनंजय (D) रामचंद्र गुणचंद्र

उत्तर- (A)

कथन	आचार्य
'लोकवृत्तानुकरणं ......कृतम्'	भरत
'प्रतिभा अपूर्ववस्तु निर्माणक्षमा प्रज्ञा'	अभिनव गुप्त
'विभावैरनुभावैश्च सात्विकैर्व्य भिचारिभिः	धनन्जय
रस को सुखकारक और दुःखकारक दो वर्गो में बाँटा है।	रामचन्द्र गुणचन्द्र

29. ''काव्यं तु जायते जातु कस्यचित् प्रतिभावतः।'' - यह उक्ति किस आचार्य की है?
(A) भामह (B) दण्डी (C) उद्भट (D) मम्मट

उत्तर- (A)

कथन	आचार्य
'काव्यं तु ....प्रतिभावतः'	भामह
'नैसर्गिकी च प्रतिभा श्रुतं च बहु निर्मलम'	दण्डी
'शांत रस को रस विवेचन में सर्वप्रथम स्थान देने वाले आचार्य	उद्भट
'शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्र काव्याद्यवेक्षणात्	मम्मट

30. ''औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्'' - यह उक्ति किस आचार्य की है?
(A) आनंदवर्धन (B) मम्मट (C) क्षेमेन्द्र (D) विश्वनाथ

उत्तर- (C)

कथन	आचार्य
'औचित्यं ....जीवितम्'	क्षेमेन्द्र
'चारुत्वोत्कर्ष निबंधना हि वाच्यव्यंग्योः प्राधान्य-विवक्षा'	आनन्दवर्धन
'शक्तिः कवित्ववीजरूपः संस्कार विशेषः'	मम्मट
'वाच्यातिणयिनि वाङ्ग्ये ध्वनिस्त काव्यभुत्तमम'	विश्वनाथ

31. ''कविता सर्वोत्तम शब्दों का सर्वोत्तम क्रम विधान है।'' - किस पाश्चात्य आलोचक का मत है?
(A) एडीसन (B) वर्ड्सवर्थ
(C) कॉलरिज (D) मैथ्यू आर्नल्ड

उत्तर- (C)

मत	आलोचक
'कविता सर्वोत्तम शब्दों का सर्वोत्तम क्रम विधान है'	कॉलरिज
'कविता प्रबल भावों का सहज उच्छलन है'!	वर्ड्सवर्थ
'कल्पना सर्वप्रथम प्रत्यक्ष दृश्य से प्रभावित होती है'	एडीसन
'काव्य जीवन की आलोचना है'	मैथ्यू अर्नाल्ड

32. ''कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है।'' - यह कथन किसका है?
(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (D) महादेवी वर्मा

उत्तर- (B)

कथन	कथनकार
'कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है'	पंत
'काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है'	प्रसाद
साहित्य की मुक्ति उसके काव्य में देख पड़ती है'	निराला
'कविता सबसे बड़ा परिग्रह है'	महादेवी वर्मा

33. निम्नलिखित में से कौन सा शृंखलामूलक अलंकार नहीं है?
(A) कारणमाला (B) माला दीपक
(C) एकावली (D) काव्यलिंग

उत्तर- (D) व्याख्या जहाँ पर क्रम से या शृंखलाबद्ध वर्णन इस प्रकार से हो कि बाद में कथित आगे के लिए आधार, की कड़ी या कारण या माला बनती जाती है वहाँ पर करणमाला, माला दीपक और एकावली अलंकार होता है। जबकि जहाँ युक्ति द्वारा कारण देकर पद या वाक्य के अर्थ का समर्थन किया जाता है वहाँ काव्य लिंग अलंकार होता है।

34. इनमें से कौन सी बोली ओकार बहुला नहीं है?
(A) खड़ी बोली (B) ब्रज
(C) बुंदेली (D) कन्नौजी

उत्तर- (A) व्याख्या खड़ी बोली (कौरवी) आकार बहुला है। जबकि ब्रज, बुन्देली, कन्नौजी, मारवाड़ी, कुमायूँनी, गढ़वाली और मालवी -ओकार बहुला हैं। अवधी और बघेली- उदासीन आकार बहुला हैं। भोजपुरी- इकार बहुला बोली है।

35. 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है?
(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) पद्माकर (D) सेनापति

उत्तर- (A) व्याख्या कविप्रिया (1601), रसिकप्रिया (1591), विज्ञानगीता- केशवदास की, रस सारांश, काव्य निर्णय, शृंगार निर्णय, शतरंज शतिका- भिखारीदास की, पद्माभरण, जगत विनोद, प्रबोधपचासा, गंगालहरी- पद्माकर की और कवित्तरत्नाकर तथा काव्यकल्पद्रुम- सेनापति की रचना है।

36. 'गीत गुंज' किस कवि की रचना है?
(A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) रामकुमार वर्मा (D) महादेवी वर्मा

उत्तर- (A)

रचना	वर्ष	कवि
गीत गुंज	1954	निराला
गुंजन	1932	पंत
चित्ररेखा	1935	राम कुमार वर्मा
सान्ध्यगीत	1936	महादेवी वर्मा

37. 'छाया' नामक एकांकी के लेखक हैं
(A) उपेन्द्रनाथ अश्क (B) रामकुमार वर्मा
(C) उदयशंकर भट्ट (D) सुदर्शन

उत्तर- (D)

एकांकी	लेखक
छाया	सुदर्शन
चरवाहे	उपेन्द्रनाथ अश्क
कामकंदला	रामकुमार वर्मा
धूम शिखा	उदय शंकर भट्ट

38. **राजेन्द्र यादव की कहानी है**

(A) बदबू (B) जहाँ लक्ष्मी कैद है
(C) गदर (D) जानवर और जानवर

उत्तर- (B)

कहानी	वर्ष	कहानीकार
जहाँ लक्ष्मी कैद है	1957	राजेन्द्र यादव
बदबू	1967	शेखर जोशी
जानवर और जानवर	1958	मोहन राकेश

39. **इनमें से किस हिंदी आलोचक ने 'साधारणीकरण' की व्याख्या की है?**

(A) नगेन्द्र (B) नन्ददुलारे वाजपेयी
(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी (D) नामवर सिंह

उत्तर- (A)/व्याख्या *'साधारणीकरण' के प्रस्तोता 'भट्टनायक' हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'आलम्बन धर्म' का साधारणीकरण माना है। नगेन्द्र ने साधारणीकरण की व्याख्या की तथा 'कवि की भावना' का साधारणीकरण माना। श्यामसुन्दर दास ने 'भावक या पाठक' का साधारणीकरण माना है।*

40. **'श्लेष' अलंकार कितने प्रकार का होता है?**

(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

उत्तर- (A)/व्याख्या *'श्लेष का अर्थ होता है चिपका हुआ अर्थात् जहाँ एक ही शब्द में कई अर्थ चिपके हों या एक शब्द के कई अर्थ हों वहाँ श्लेष अलंकार होता है। श्लेष अलंकार के दो प्रकार हैं। (1) अभंग श्लेष (2) सभंग श्लेष।*

41. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार इन उपन्यासों का सही अनुक्रम है**

(A) सिंह सेनापति, शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), राम रहीम, अलका
(B) अलका, राम रहीम, शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), सिंह सेनापति
(C) शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), राम रहीम, अलका, सिंह सेनापति
(D) राम रहीम, अलका, सिंह सेनापति, शेखरः एक जीवनी (प्रथम भाग)

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	लेखक
अलका	1933	निराला
राम रहीम	1936	राधिका रमण प्रसाद सिंह
शेखरः एक जीवनी (प्रथम भाग)	1940	अज्ञेय
सिंह सेनापति	1942	राहुल सांकृत्यायन

42. **फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है**

(A) परती परिकथा, दीर्घतपा, पलटूबाबू रोड़, मैला आँचल
(B) मैला आँचल, पलटूबाबू रोड़, परती परिकथा, दीर्घतपा
(C) मैला आँचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, पलटूबाबू रोड़
(D) दीर्घतपा, मैला आँचल, पलटूबाबू रोड़, परती परिकथा

उत्तर- (C)/व्याख्या *फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यासों का सही क्रम इस प्रकार है- मैला आँचल (1954), परती परिकथा (1957), दीर्घतपा (1963), जुलूस (1965), कितने चौराहे (1966), पल्टू बाबू रोड (1979) और राम रतन राय (1971-अपूर्ण)*

43. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है**

(A) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आँधी, इंद्रजाल
(B) आकशदीप, प्रतिध्वनि, इंद्रजाल, आँधी
(C) आँधी, इंद्रजाल, आकाशदीप, प्रतिध्वनि
(D) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, इंद्रजाल, आँधी

उत्तर- (A)/व्याख्या *जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम- छाया (1912), प्रतिध्वनि (1926), आकाशदीप (1928), आँधी (1931) और इन्द्रजाल (1936) हैं।*

44. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार इन रचनाओं का सही अनुक्रम है**

(A) इतिहास तिमिर नाशक, साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में, शिवशंभु के चिट्ठे
(B) सीढ़ियों पर धूप में, इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे, साहित्य देवता
(C) इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे, साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में
(D) साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में, इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे

उत्तर- (C)

रचना	वर्ष	रचनाकार
इतिहास तिमिर नाशक	1873	शिव प्रसाद सितारे हिन्द
शिवशम्भु के चिट्ठे	1903-1905	बालमुकुन्द गुप्त
साहित्य देवता	1943	माखन लाल चतुर्वेदी
सीढ़ियों पर धूप में	1960	रघुवीर सहाय

45. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार रामविलास शर्मा की कृतियों का सही अनुक्रम है**

(A) बड़े भाई, भारतेन्दु युग, परम्परा का मूल्यांकन, भाषा, साहित्य और संस्कृति

(B) भारतेन्दु युग, भाषा, साहित्य और संस्कृति, परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई
(C) भाषा, साहित्य और संस्कृति, परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई, भारतेन्दु युग
(D) परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई, भाषा, साहित्य और संस्कृति, भारतेन्दु युग

उत्तर- (B)/व्याख्या *'प्रकाशन के अनुसार रामविलास शर्मा की कृतियों का सही अनुक्रम है- प्रेमचन्द (1941), भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946), 'भाषा, साहित्य और संस्कृति' (1954), आस्था और सौन्दर्य (1961), भाषा और समाज (1961), परम्परा का मूल्यांकन (1981) और बड़े भाई (1986)।*

46. भाषा-निर्माण की इकाइयों का सही अनुक्रम है
(A) शब्द, ध्वनि, वाक्य, पद (B) शब्द, वाक्य, ध्वनि, पद
(C) पद, वाक्य, ध्वनि, शब्द (D) ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य

उत्तर- (D)/ व्याख्या *भाषा-निर्माण में भाषा की लघुतम इकाई ध्वनि है, ध्वनियों से 'शब्द' बनता है। 'शब्दों' से 'पद' का निर्माण होता है और 'पदों' से 'वाक्य' बनता है। अतः भाषा का निर्माण आरोही क्रम में- ध्वनि→ शब्द→ पद→ वाक्य आते हैं।*

47. निम्नांकित में से उच्चारण स्थान के आधार पर कंठ से लेकर मुख विवर में उच्चरित व्यंजन ध्वनियों का सही अनुक्रम हैः
(A) कंठ्य, तालव्य, वर्त्स्य, दंत्य, ओष्ठ्य
(B) तालव्य, कंठ्य, ओष्ठ्य, दंत्य, वर्त्स्य
(C) दंत्य, ओष्ठ्य, कंठ्य, वर्त्स्य, तालव्य
(D) ओष्ठ्य, वर्त्स्य, तालव्य, कंठ्य, दंत्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *उच्चारण स्थान के आधार पर उच्चारित ध्वनियों का सही अनुक्रम- कंठ्य, तालव्य, वर्त्स्य, दंत्य, ओष्ठ्य है। 'वर्त्स्य' ध्वनियाँ वे हैं जो दन्तमूल से उच्चारित होती हैं। इसमें (न, र, ल, स) आते हैं।*

48. देवनागरी लिपि का सही विकास-क्रम है
(A) गुप्त लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि, नागरी लिपि
(B) नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(C) ब्राह्मी लिपि, नागरी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(D) गुप्त लिपि, नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि

उत्तर- (*)/ व्याख्या **देवनागरी लिपि का विकास क्रम-**

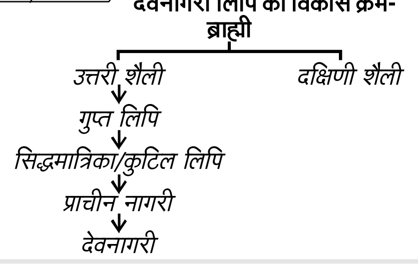

49. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है
(A) माधवी, मुआवजे, आलमगीर, हानूश
(B) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलमगीर
(C) मुआवजे, हानूश, आलमगीर, माधवी
(D) आलमगीर, माधवी, हानूश, मुआवजे

उत्तर- (B)/व्याख्या *प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है- 'हानूश' (1977), 'कबिरा खड़ा बाजार में' (1981), 'माधवी' (1985), 'मुआवजे' (1993), 'रंग दे बसन्ती चोला' (1998) और 'आलमगीर (1999)।*

50. विष्णु प्रभाकर के नाटकों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है
(A) युगे युगे क्रांति, सत्ता के आर-पार, डाक्टर, टूटते परिवेश
(B) टूटते परिवेश, डाक्टर, सत्ता के आर-पार, युगे युगे क्रांति
(C) सत्ता के आर-पार, टूटते परिवेश, युगे युगे क्रांति, डाक्टर
(D) डाक्टर, युगे युगे क्रांति, टूटते परिवेश, सत्ता के आर-पार

उत्तर- (D)/ व्याख्या *विष्णु प्रभाकर के नाटकों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम- 'डॉक्टर' (1958), 'युगे-युगे' क्रान्ति (1969), 'टूटते परिवेश' (1974), 'कुहासा और किरण' (1975), 'वंदिनी' (1979), 'सत्ता के आर-पार' (1981), 'श्वेत कमल' (1984) है।*

51. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम हैः
(A) केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय
(B) त्रिलोचन, रघुवीर सहाय, केदारनाथ अग्रवाल, धर्मवीर भारती
(C) धर्मवीर भारती, त्रिलोचन, केदारनाथ अग्रवाल, रघुवीर सहाय
(D) रघुवीर सहाय, त्रिलोचन, धर्मवीर भारती, केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर- (A)/व्याख्या *जन्म काल के अनुसार कवियों का अनुक्रम निम्नलिखित है- केदारनाथ अग्रवाल (1911 ई0), त्रिलोचन (1917), धर्मवीर भारती (1926) और रघुवीर सहाय (1929)।*

52. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम हैः
(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी
(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(D) माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

उत्तर- (C)/व्याख्या *जन्म काल के अनुसार कवियों का अनुक्रम निम्नवत् है- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (1865 ई.), मैथिली शरण गुप्त (1886), माखनलाल चतुर्वेदी (1888) और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (1897)।*

53. प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम है
(A) निशा निमंत्रण, मधुकलश, मधुशाला, मधुबाला
(B) मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण
(C) मधुबाला, मधुशाला, निशा निमंत्रण, मधुकलश
(D) मधुकलश, निशा निमंत्रण, मधुशाला, मधुबाला

उत्तर- (B)/ व्याख्या *सभी रचनाएँ हरिवंश राय बच्चन की हैं। प्रकाशन वर्ष के अनुसार इनका क्रम निम्नवत् है- मधुशाला (1935), मधुबाला (1936), मधुकलश (1937), निशा निमंत्रण (1938),एकांत संगीत (1939), सतरंगिनी (1945), हलाहल (1946), मिलन यामिनी (1950)।*

54. जन्मकाल के अनुसार रचनाकारों का सही अनुक्रम है

(A) श्रीधर पाठक, जगन्नाथदास रत्नाकर, रामनरेश त्रिपाठी, मुकुटधर पाण्डेय

(B) मुकुटधर पाण्डेय, श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, जगन्नाथदास रत्नाकर

(C) जगन्नाथदास रत्नाकर, रामनरेश त्रिपाठी, मुकुटधर पाण्डेय, श्रीधर पाठक

(D) रामनरेश त्रिपाठी, जगन्नाथदास रत्नाकर, श्रीधर पाठक, मुकुटधर पाण्डेय

उत्तर- (A)/ व्याख्या *जन्म काल के अनुसार रचनाकारों का अनुक्रम- श्रीधर पाठक (1859), जगन्नाथ दास रत्नाकर (1866), रामनरेश त्रिपाठी (1889) और मुकुटधर पाण्डेय (1895) है।*

55. जन्मकाल के अनुसार कवियों का सही अनुक्रम है

(A) दादू दयाल, गुरू नानक, मलूक दास, सुंदर दास

(B) गुरू नानक, दादू दयाल, सुंदर दास, मलूक दास

(C) गुरू नानक, दादू दयाल, मलूक दास, सुंदर दास

(D) मलूक दास, गुरू नानक, दादू दयाल, सुंदर दास

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जन्म काल के अनुसार कवियों का सही अनुक्रम- गुरुनानक (1469-1538 ई.), दादू दयाल (1554-1603 ई.), मलूकदास (1574-1682) और सुन्दरदास (1596-1689) ई. है।*

56. स्थापना (Assertion) (A): मनोविश्लेषणवाद में सबसे अधिक महत्त्व व्यक्ति के मन को दिया जाता है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि व्यक्ति का मन सामाजिक प्रतिबंधों में कैद होकर जड़ हो जाता है।

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) गलत और (R) गलत

(C) (A) सही और (R) गलत (D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'मनोविश्लेषणवाद' में मन का विश्लेषण किया जाता है। इसमें व्यक्ति मन का ही विशेष महत्त्व होता है। व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है। लेकिन अधिकार व्यक्ति का मन सामाजिक प्रतिबन्धों में कैद होकर जड़ नहीं होता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

57. स्थापना (Assertion) (A): ईश्वर और मनुष्य के बीच संबंध स्थापित करने का एक माध्यम धर्म है। धर्म साधना व्यक्तिनिष्ठ है
तर्क (Reason) (R): क्योंकि साध्य और साधक का एकीकरण साधना के माध्यम से ही होता है।

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) सही और (R) गलत

(C) (A) गलत और (R) सही (D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *ईश्वर और मनुष्य के बीच का सम्बन्ध एक आस्था या विश्वास है। और यह आस्था ही धर्म है। धर्म की साधना व्यक्तिनिष्ठ है। अर्थात् धर्म को मानना या न मानना व्यक्तिगत है। साध्य और साधक के एक होने का माध्यम साधना ही है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं*

58. स्थापना (Assertion) (A): सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि के लिए करुणा का प्रसार आवश्यक है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि करुणा का व्यक्तिगत स्वार्थ से विरोध है। उसके लिए निजी हित छोड़ना पड़ता है।

(A) (A) गलत और (R) गलत(B) (A) गलत और (R) सही

(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) सही और (R) गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *सामाजिक जीवन में समन्वय को बनाये रखने के लिए करुणा या दया का होना आवश्यक है। करुणा और व्यक्तिगत स्वार्थ एक दूसरे के विरोधी हैं। करुणा के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करना पड़ता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

59. स्थापना (Assertion) (A): इतिहास का साहित्य कुछ बड़े-बड़े व्यक्तियों के उत्थान और पतन के लेखे जोखे के नाम नहीं है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि इतिहासमूलक साहित्य मनुष्य के धारावाहिक जीवन के सारभूत रस का प्रवाह है।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) गलत

(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *साहित्य का इतिहास रचनाकारों के उत्थान और पतन का विवरण मात्र ही नहीं होता है। यह साहित्य के विकास एवं संवर्द्धन की प्रक्रिया को दर्शाता है। साहित्य का इतिहास मनुष्य या समाज के क्रिया कलाप को क्रमबद्ध तरीके से सार रूप में प्रस्तुत करता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

60. स्थापना (Assertion) (A): जाति भेद और छुआ-छूत की प्रथाओं ने हमारे देश को अनेक स्तरों में बाँट रखा है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि लोकतंत्र के शक्ति-विकेन्द्रीकरण का सबसे सही मार्ग यही है।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) सही और (R) सही

(C) (A) गलत और (R) गलत(D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *जाति, धर्म आदि के भेद ने और छुआ-छूत आदि की रूढ़ियों एवं प्रथाओं ने देश तथा व्यक्ति को अनेक स्तरों पर बाँटा है। लोकतंत्र की शक्ति का विकेन्द्रीकरण इसी असमानता और प्रथा को दूर करने के लिए किया गया है न कि देश को बाँटने के लिए अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

61. स्थापना (Assertion) (A): काव्य विद्या है और कला उपविद्या। इसलिए चौंसठ कलाओं की सूची में काव्य समाविष्ट नहीं है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि कला कौशल और शिल्प है, जबकि काव्य ज्ञान और जीवन का एक व्यापक सर्जनात्मक विधान है जिसमें सत् और असत् का विवेक रहता है।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) सही

(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (C) व्याख्या *भारतीय परंपरा में कुल चौंसठ कलाएँ मानी जाती हैं। काव्य को विद्या या ज्ञान माना जाता है। और कला को उप विद्या। इस चौसठ कलाओं में काव्य सम्मिलित नहीं है। कला को कौशल और शिल्प माना जाता है। और काव्य को ज्ञान एवं जीवन के विस्तृत पटल का सर्जनात्मक रूप। काव्य के द्वारा हम सत्य एवं असत्य को पहचानने की शक्ति प्राप्त करते हैं। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

62. स्थापना (Assertion) (A): नाटक शुद्ध साहित्य है, जिसकी आलोचना काव्यालोचन के स्थापित प्रतिमानों द्वारा की जा सकती है।

तर्क (Reason) (R): लेकिन नाटक शुद्ध साहित्य नहीं है। यह केवल नट की क्रिया है।

(A) (A) गलत और (R) सही (B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत (D) (A) सही और (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या *नाटक शुद्ध साहित्य होता है। इसमें अभिनय की प्रधानता होती है। नाटक की आलोचना काव्य की आलोचना के लिए स्थापित प्रतिमानों पर नहीं की जा सकती है। नाटक केवल नट की क्रिया ही नहीं है। इसके द्वारा समाज तथा व्यक्ति की अच्छाइयों एवं बुराइयों को और मानव मन को विश्लेषित किया जाता है। स्थापना में नाटक को शुद्ध साहित्य माना गया है जबकि तर्क में इसे साहित्य नहीं माना गया है जो अपने आप को स्वतः ही गलत सिद्ध करता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों ही गलत हैं।*

63. स्थापना (Assertion) (A): साहित्य मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल के ऊपर उठाकर लोक-सामान्य की भूमि पर ले जाता है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि मनुष्य संबंधों का निर्वाह साहित्य से प्रेरित होकर केवल आत्म-संतोष के लिए करता है।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *साहित्य मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बंधों या व्यक्तिगत हित के संकुचित विचार या मंडल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य की भूमि पर ले जाता है। मनुष्य संबन्धों का निर्वाह मात्र साहित्य से ही प्रेरित होकर नहीं करता है। न ही सिर्फ आत्म सन्तोष के लिए। अतः कथन (A) सही (R) गलत है।*

64. स्थापना (Assertion) (A): मनुष्य की रागात्मक प्रवृत्ति उसे सामाजिक बंधनों से मुक्त होने के लिए प्रेरित करती है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि समाज मनुष्य की रागात्मकता को स्वीकार नहीं करता।

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *मनुष्य की रागात्मक प्रवृत्ति मनुष्य को सामाजिक बंधनों से मुक्त होने के लिए प्रेरित करती है। समाज मनुष्य की रागात्मकता को स्वीकार करता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

65. स्थापना (Assertion) (A): साहित्य में व्यक्तिवादी चेतना समाज के बहुमुखी विकास को अवरूद्ध करती है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि व्यक्तिवाद से समाज में अराजकता फैलती है।

(A) (A) गलत और (R) गलत (B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (C) व्याख्या *साहित्य में व्यक्तिगत विचार समाज के बहुमुखी विकास को प्रतिबन्धित करता है। व्यक्तिवाद से समाज में अराजकता का भाव पैदा होता है। जबकि समाज में समभाव या समन्वय की आवश्यकता होती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

66. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
a. वामा शिक्षक	i. राधाकृष्ण दास
b. भाग्यवती	ii. बालकृष्ण भट्ट
c. निस्सहाय हिन्दू	iii. श्रद्धाराम फिल्लौरी
d. नूतन ब्रह्मचारी	iv. लाला श्रीनिवास दास
	v. ईश्वरी प्रसाद- कल्याण राय

कोड:	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	लेखक
वामा शिक्षक	1872	ईश्वरी प्रसाद-कल्याण राय
भाग्यवती	1877	श्रद्धाराम फिल्लौरी
निस्सहाय हिन्दू	1890	राधा कृष्णदास
नूतन ब्रह्मचारी	1886	बालकृष्ण भट्ट
परीक्षागुरू	1882	लाला श्रीनिवास दास

67. प्रेमचंद के औपन्यासिक पात्रों को उनके उपन्यासों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
a. अमृतराय	i. निर्मला
b. कृष्णचन्द्र	ii. सेवासदन
c. जानसेवक	iii. प्रेमा
d. उदयभानु	iv. कायाकल्प
	v. रंगभूमि

कोड:	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	iii	ii	v	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर- (B)

पात्र	उपन्यास	वर्ष
अमृतराय	प्रेमा	1907
कृष्णचन्द्र	सेवासदन	1918
जानसेवक	रंगभूमि	1925
उदयभानु	निर्मला	1927
जोहरा	गबन	1931
सकीना	कर्मभूमि	1933
दातादीन	गोदान	1936
चक्रधर	कायाकल्प	1926

68. आई.ए. रिचर्ड्स के ग्रंथों को उनके प्रकाशन के प्रथम संस्करण वर्ष से सुमेलित कीजिएः

	सूची-I		सूची-II
a.	दि प्रिंसिपल्स ऑफ लिटररी क्रिटिसिज्म	i.	सन् 1922
b.	दि फिलॉसॅफी ऑफ रेटारिक	ii.	सन् 1924
c.	साइंस एंड पोइट्री	iii.	सन् 1929
d.	प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	iv.	सन् 1926
		v.	सन् 1936

कोडः	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	ii	i	v
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	v	iv	iii

उत्तर- (D) व्याख्या: *आई.ए. रिचर्ड्स के ग्रन्थों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है- 'दि फाउंडेशन ऑफ ईस्थेटिक' (1922), 'दि मीनिंग ऑफ मीनिंग' (1923), 'दि प्रिंसिपल्स ऑफ लिटररी क्रिटिसिज्म' (1924), 'साइंस एण्ड पोएट्री' (1926), 'प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म' (1929), और 'दि फिलॉसॅफी ऑफ रेटारिक' (1936)।*

69. निम्नलिखित पाश्चात्य सिद्धांतों को उनसे संबद्ध पुस्तकों के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची-I		सूची-II
a.	रागात्मक भाषा	i.	दि सेक्रेड वुड
b.	परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा	ii.	बायोग्राफिया लिटरेरिया
c.	कल्पना सिद्धांत	iii.	द मीनिंग ऑफ मीनिंग
d.	अनुकरण सिद्धांत	iv.	कल्चर एंड एनार्की
		v.	पेरिपोइएतिकेस

कोडः	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	ii	iii	i
(C)	iii	i	ii	v
(D)	ii	iii	i	iv

उत्तर- (C)

सिद्धांत	पुस्तक	लेखक
रागात्मक भाषा	द मीनिंग ऑफ मीनिंग	रिचर्ड्स एवं सी.के. आग्डेन
परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा	दि सेक्रेड वुड	इलियट
कल्पना सिद्धांत	बायोग्राफिया लिटरेरिया	कोलरिज
अनुकरण सिद्धान्त	पेरिपोइएतिकेस	अरस्तू

70. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची-I		सूची-II
a.	भरत	i.	रीति
b.	दण्डी	ii.	ध्वनि
c.	वामन	iii.	रस
d.	आनंदवर्धन	iv.	अलंकार
		v.	वक्रोक्ति

कोडः	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	iv	v	iv
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर- (B)

आचार्य	सम्प्रदाय	ग्रन्थ
भरत	रस	नाट्य शास्त्र
दण्डी	अलंकार	काव्यादर्श
वामन	रीति	काव्यालंकार सूत्र वृत्ति
आनन्दवर्धन	ध्वनि	ध्वन्यालोक
कुंतक	वक्रोक्ति	वक्रोक्ति जीवितम्

71. निम्नलिखित निबंधकारों को उनके निबंधों के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची-I		सूची-II
a.	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	i.	आलोक पर्व
b.	रामधारी सिंह 'दिनकर'	ii.	आलबाल
c.	सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	iii.	माटी हो गई सोना
d.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	iv.	संचारिणी
		v.	रेती के फूल

कोडः	a	b	c	d
(A)	iii	v	ii	i
(B)	iv	iii	ii	v
(C)	ii	i	v	iii
(D)	v	iv	ii	i

उत्तर- (A)

निबन्धकार	निबन्ध	वर्ष
कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'	माटी हो गई सोना	1959
रामधारी सिंह 'दिनकर'	रेती के फूल	1954
अज्ञेय	आलबाल	1971
हजारी प्रसाद द्विवेदी	आलोक पर्व	1972
शांतिप्रिय द्विवेदी	संचारिणी	1939

72. **निम्नलिखित संस्मरणात्मक कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः**

	सूची-I		सूची-II
a.	आछे दिन पाछे गए	i.	राजेन्द्र यादव
b.	नंगातलाई का गाँव	ii.	काशीनाथ सिंह
c.	आँगन के बंदनवार	iii.	कमलेश्वर
d.	वे देवता नहीं हैं।	iv.	विश्वनाथ त्रिपाठी
		v.	विवेकी राय

कोडः	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	i
(B)	iv	iii	v	ii
(C)	ii	iv	v	i
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर- (C)

संस्मरण	वर्ष	लेखक
आछे दिन पाछे गए	2004	काशीनाथ सिंह
नंगातलाई का गाँव	2006	विश्वनाथ त्रिपाठी
आँगन के वंदनवार	2003	विवेकी राय
वे देवता नहीं है	2000	राजेन्द्र यादव
मेरे हमदम मेरे दोस्त	1975	कमलेश्वर

73. **निम्नलिखित लेखकों को उनके यात्रावृत्तांत के साथ सुमेलित कीजिएः**

	सूची-I		सूची-II
a.	राहुल सांकृत्यायन	i.	आखिरी चट्टान तक
b.	रामवृक्ष बेनीपुरी	ii.	चीड़ों पर चाँदनी
c.	मोहन राकेश	iii.	मेरी तिब्बत यात्रा
d.	निर्मल वर्मा	iv.	पैरों में पंख बाँधकर
		v.	देश-विदेश

कोडः	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	iv	ii	v	i
(C)	v	iii	i	ii
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर- (D)

लेखक	यात्रावृत्त	वर्ष
राहुल सांकृत्यायन	मेरी तिब्बत यात्रा	1937
रामवृक्ष बेनीपुरी	पैरों में पंख बाँधकर	1952
मोहन राकेश	आखिरी चट्टान तक	1953
निर्मल वर्मा	चीड़ों पर चाँदनी	1964
दिनकर	देश-विदेश	1957

74. **निम्नलिखित कहानियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः**

	सूची-I		सूची-II
a.	ग्यारह वर्ष का समय	i.	माधव राव सप्रे
b.	गुलबहार	ii.	किशोरी लाल गोस्वामी
c.	एक टोकरी भर मिट्टी	iii.	बंग महिला
d.	प्लेग की चुड़ैल	iv.	रामचन्द्र शुक्ल
		v.	भगवान दास

कोडः	a	b	c	d
(A)	iv	ii	i	v
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर- (A)

कहानी	वर्ष	लेखक
ग्यारह वर्ष का समय	1903	रामचन्द्र शुक्ल
गुलबहार	1902	किशोरी लाल गोस्वामी
एक टोकरी भर मिट्टी	1901	माधव राव सप्रे
प्लेग की चुड़ैल	1902	भगवान दास
दुलाई वाली	1907	बंग महिला

75. **निम्नलिखित काव्यसंग्रहों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः**

	सूची-I		सूची-II
a.	आत्महत्या के विरूद्ध	i.	प्रभाकर माचवे
b.	हाशिये का गवाह	ii.	गजानन माधव मुक्तिबोध
c.	चाँद का मुँह टेढ़ा है	iii.	कुँवर नारायण
d.	स्वप्न भंग	iv.	रघुवीर सहाय
		v.	भारत भूषण अग्रवाल

कोडः	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	iv	v	ii

उत्तर- (C)

काव्य-संग्रह	कवि
आत्महत्या के विरूद्ध	रघुवीर सहाय
हाशिये का गवाह	कुँवर नारायण
चाँद का मुँह टेढ़ा है।	मुक्तिबोध
स्वप्न भंग	प्रभाकर माचवे
छवि के बंधन	भारत भूषण अग्रवाल

1. अवधी का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?

(A) महाराष्ट्री (B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी (D) मागधी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *अवधी का विकास अर्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। अपभ्रंश तथा उनसे विकसित 'उपभाषा' एवं बोलियों का विवरण निम्नवत् है-*

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
1. शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी या बंगारू, बुन्देली, कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राज. (मारवाड़ी), पूर्वी राज. (जयपुरी), उत्तरी राज. (मेवाती), दक्षिणी राज. (मालवी)
	पहाड़ी	कुमायूनी, गढ़वाली, नेपाली
	गुजराती	
2. अर्धमागधी	पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
3. मागधी	बिहारी	भोजपुरी, मगही, मैथिली
	बंगला	
	उड़िया	
	असमिया	
4. पैशाची	लहंदा	
	पंजाबी	
5. ब्राचड़	सिंधी	
6. महाराष्ट्री	मराठी	

2. इनमें से किसको संविधान की अष्टम अनुसूची में सम्मिलित नही किया गया?

(A) डोगरी (B) मैथिली
(C) ब्रज (D) असमिया

उत्तर-(C)/ व्याख्या *संविधान की अष्टम अनुसूची में कुल (22) भाषाओं को सम्मिलित किया गया है। आरम्भ में संविधान में (14) भाषाएँ स्वीकृत थीं- असमिया, बंगाली गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, संस्कृत और उर्दू। 21वें संविधान संशोधन (1967) द्वारा 'सिंधी' को इसमें शामिल किया गया। 71वें संविधान संशोधन (1992) द्वारा- कोकणी, मणिपुरी और नेपाली को इसमें शामिल किया गया। 92वें संविधान संशोधन (2003) द्वारा-बोड़ो, संथाली, मैथिली और डोंगरी को भी आठवी अनुसूची में (22) भाषाएँ हैं जिसमें 'ब्रज' नहीं है यह पश्चिमी हिन्दी की एक बोली है।*

3. विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्वकालीन अवस्था का नाम है

(A) पालि (B) संस्कृत
(C) हिन्दी (D) अवहट्ठ

उत्तर- (A)/ व्याख्या *विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्व कालीन अवस्था पालि है-*

हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम-

संस्कृत
(1500 ई0 पू0 - 500 ई0 पू0 तक)
↓
पालि
(500 ई0 पू0 - 1 ई0 तक)
↓
प्राकृत
(1 ई0 - 500 ई0 तक)
↓
अपभ्रंश
(500 ई0 - 1000 ई0 तक)
↓
हिन्दी
(1000 ई0 ---------------)

4. गोकुल नाथ की रचना है

(A) पउम चरिउ (B) ललित विस्तार
(C) छंदानुशासन (D) चौरासी वैष्णवन की वार्ता

उत्तर- (D)/

रचना	रचनाकार	समय
पउम चरिउ	स्वयंभू	8 वीं शताब्दी
ललित विस्तार	परशुराम शर्मा वैद्य	बीसवीं सदी
1.चौरासी वैष्णवन की वार्ता 2.दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ	विक्रम की 17 वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध

5. 'काव्यालंकार' किसकी रचना है?

(A) भामह (B) राजशेखर
(C) दण्डी (D) रूद्रभट्ट

उत्तर- (A)/

रचना	रचनाकार	समय
काव्यालंकार	*भामह*	*6 वीं शदी का मध्य*
काव्यमीमांसा	*राजशेखर*	*880-920 के बीच*
काव्यादर्श	*दण्डी*	*7वीं शदी का उत्तरार्द्ध*
श्रृंगार तिलक	*रूद्रभट्ट*	*10वीं शदी*

6. इनमें से कौन सी रचना लल्लूलाल की नहीं है?

(A) सिंहासन बत्तीसी (B) बैताल पच्चीसी
(C) सुख सागर (D) लाल चंद्रिका

उत्तर- (C)/ व्याख्या सिंहासन बत्तीसी (1801), बैताल पच्चीसी (1801), राजनीति (1802), प्रेमसागर या नागरी दशम (1803-1809),भाषा कायदा (1811), सभाविलास (1815) माधोविलास (1817) तथा लालचन्द्रिका (1818) लल्लू लाल की रचना है। जबकि 'सुखसागर', 'मंतखबुत्तवारीख' और 'सुरासुर निर्णय' (1783) मुंशी सदासुखलाल (सदासुखराय) नियाज (निसार) की रचना है।

7. इनमें से कौन सा इलाचंद्र जोशी का उपन्यास है?
(A) सुनीता (B) मुक्ति पथ
(C) सुखदा (D) तेरी मेरी उसकी बात

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
सुनीता	1935	जैनेन्द्र
मुक्तिपथ	1950	इलाचन्द्र जोशी
सुखदा	1952	जैनेन्द्र
तेरी मेरी उसकी बात	1973	यशपाल

8. इनमें से कौन मनोविश्लेषणवादी कथाकार नहीं है?
(A) जैनेन्द्र (B) चतुरसेन शास्त्री
(C) इलाचंद्र जोशी (D) अज्ञेय

उत्तर- (B)/ व्याख्या जैनेन्द्र (1905-1988), इलाचन्द्र जोशी (1902-82) तथा अज्ञेय (1911-87) मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार हैं। जबकि चतुर सेन शास्त्री (1891-1960) प्राकृतवादी, ऐतिहासिक उपन्यासकार हैं।

9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक है
(A) गोरक्ष विजय (B) कालिका मंगल
(C) सरस्वती मंगल (D) विद्यासुंदर

उत्तर- (D)

भारतेन्दु के अनुदित नाटक

अनुदित नाटक	वर्ष	मूल नाटक
विद्यासुन्दर	1868	संस्कृत नाटक चौरपंचाशिका का अनु.
पाखण्ड विडम्बन	1872	प्रबोध चन्द्रोदय
कर्पूरमंजरी	1875	सट्टक -संस्कृत का अनु.
मुद्रा राक्षस	1878	संस्कृत से
सत्यहरिश्चन्द्र	1875	चंडकौशिक के आधार पर

10. इनमे से कौन-सा काव्य रामकथा पर आधारित है?
(A) भूमिजा (B) कामायनी
(C) नीरजा (D) यशोधरा

उत्तर- (A)

रचना	वर्ष	विषयवस्तु	रचनाकार
भूमिजा	1961	रामकथा	रघुवीर शरण मित्र
कामायनी	1936	शैव दर्शन/जल प्लावन	प्रसाद
नीरजा	1935	गीतिकाव्य संग्रह	महादेवी वर्मा
यशोधरा	1932	गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा का वियोग	मैथिलीशरण गुप्त

11. नाटक को पंचम वेद किसने कहा?
(A) धनंजय (B) भट्टनायक
(C) भरत मुनि (D) भानुदत्त

उत्तर-(C)/ व्याख्या भरत मुनि ने अपने ग्रन्थ 'नाट्यशास्त्र में नाटक को पंचम वेद की संज्ञा दी है।

12. 'आगम-वेअ-पुराणेहि, पाणिअ माण वहन्ति'-पंक्ति किसकी है?
(A) सरहपा (B) कण्हपा
(C) शवरपा (D) डोंबिपा

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार	समय
पंडित सअल सत्त बक्खाणइ। देहहि रूद्ध बसंत न जाणइ।।	सरहपा	8 वीं शदी
आगम-वेअ-पुराणेहि,पाणिअ माण वहन्ति	कण्हपा	820 ई.
छाडु छाडु माआ मोह विषम दुन्दोली, महासुहे विसन्ति शवरो लइआ सुण-मेहली	शबरपा	780 ई.
गंगा जउना मांझे रे बहइ नाइ। ताहे बुडिली मातंगि योइआ लीले पार करेइ।।	डोंबिपा	840 ई

13. खड भाषा पुराणं च/कुरानं कथितं मया।-भाषा के संबंध में यह पंक्ति किस कवि की है?
(A) जगनिक (B) नरपतिनाल्ह
(C) चंदबरदाई (D) अब्दुल रहमान

उत्तर- (C)

पंक्ति	पंक्तिकार
खडभाषा ----------------- कथितं मया	चंदबरदाई
दव का दाधा कपुली मिल्ही। जीभ का दाधा नु परँगूराई।।	नरपति नाल्ह
कटि-कटि शीश गिरै धरनी में। उठि-उठि रूंड तलवार। आठ कोस के तहँ गिरदा में। अंधाधुंध करैं तलवार	जगनिक
चौंदिसि घोरंधार छाप गउ गरूअ भरो। गगन-कुहर घुर घुरै सरोषउ अंबुधरो।।	अब्दुल रहमान

14. प्रेमचन्द के 'सेवासदन' उपन्यास का उर्दू शीर्षक है
(A) बाजार ए हुस्न (B) गोशा ए आफिमत
(C) चौगाने हस्ती (D) हम खुर्मा व हम सबाब

उत्तर- (A)

प्रेमचन्द के उपन्यासों का उर्दू शीर्षक

उपन्यास	वर्ष	उर्दू शीर्षक
सेवासदन	1918	बाजारे हुस्न
प्रेमाश्रम	1922	गोशा ए आफिमत
रंगभूमि	1925	चौगाने हस्ती
प्रेमा अर्थात दो सखियों का विवाह	1907	हम खूर्मा व हम सबाब
वरदान	1921	जलवए ईसार

15. नाक, भौंह, पेट, दाँत, मुँछ आदि विषयों के निबंधकार हैं
(A) भारतेन्दु (B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) बालमुकुंद गुप्त (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर- (B)/ व्याख्या 'धोखा, वृद्ध, खुशामद, दाँत, बालक, आप, बात, भौं, नारी, मुच्छ, परीक्षा, ह, द, समझदार की मौत, मनोयोग इत्यादि निबन्ध प्रतापनारायण मिश्र के हैं।

16. **जयशंकर प्रसाद का सर्वप्रथम नाटक है**

(A) सज्जन (B) राज्यश्री (C) कामना (D) विशाख

उत्तर-(A)/व्याख्या *सज्जन (1910), प्रायश्चित (1913), राज्यश्री (1915), विशाख (1921), अजातशत्रु (1922), जनमेजय का नागयज्ञ (1926), कामना (1927), स्कन्दगुप्त (1928), चन्द्रगुप्त (1931), एक घूंट (1930, एकांकी) और ध्रुवस्वामिनी (1933, अंतिम) आदि जयशंकर प्रसाद के नाटक हैं।*

17. **शब्दों की पद-रचना पर आधारित भाषाओं के वर्गीकरण को क्या कहा जाता है?**

(A) ऐतिहासिक वर्गीकरण (B) कुलात्मक वर्गीकरण

(C) प्रभाव आधारित वर्गीकरण (D) आकृतिमूलक वर्गीकरण

उत्तर- (D)/व्याख्या *'पद रचना का सम्बन्ध व्याकरण या भाषा की रूप रचना से है। सम्बन्धतत्व, पद रचना या वैयाकरणिक समानता पर आधारित वर्गीकरण आकृतिमूलक या रूपात्मक कहलाता है। इसके दो भेद हैं- (क) अयोगात्मक (ख) योगात्मतक। ऐतिहासिक वर्गीकरण को काल आधारित वर्गीकरण भी कहते हैं इसे प्रागैतिहासिक, प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक इत्यादि वर्गों में बाँटा गया है। कुलात्मक को पारिवारिक वर्गीकरण भी कहा जाता है। इसमें भारोपीय द्रविड़ इत्यादि परिवार आते हैं। प्रभाव आधारित वर्गीकरण में एक भाषा का दूसरे पर प्रभाव आधार होता है।* **जैसे-** *संस्कृत, फारसी इत्यादि से प्रभावित भाषाओं का वर्गीकरण।*

18. **'दूसरा दरवाजा' किस विधा की रचना है?**

(A) नाटक (B) उपन्यास

(C) गीतिनाट्य (D) कहानी

उत्तर-(A)/व्याख्या *अंधा कुआँ (1955, पहला) मादा कैक्टस (1959), सुन्दर रस (1959), सूखा सरोवर (1960), नाटक बहुरंगी (1961), दर्पन (1963), कर्फ्यू (1972), दूसरा दरवाजा (1972), अब्दुल्ला दीवाना (1973), यक्ष प्रश्न (1976), एक सत्य हरिचन्द्र (1976), गंगा माटी (1977), बलराम की तीर्थ यात्रा (1983) इत्यादि लक्ष्मी नारायण लाल के नाटक हैं।*

19. **इनमें से कौन सी रचना आत्मकथा है?**

(A) मै आईना हूँ (B) पहला पड़ाव

(C) मेरे सात जनम (D) आत्मदाह

उत्तर- (C)

रचना	विधा	रचनाकार
पहला पड़ाव	उपन्यास	श्रीलाल शुक्ल
मेरे सात जनम	आत्मकथा	हंसराज रहबर
आत्मदाह	उपन्यास	चतुरसेन शास्त्री

20. **'रस गंगाधर ' में पंडितराज जगन्नाथ ने किस बादशाह की प्रशंसा की है?**

(A) शाहजहाँ (B) औरंगजेब (C) अकबर (D) बाबर

उत्तर-(A)/व्याख्या *जगन्नाथ - शाहजहाँ के समकालीन थे तथा उनके दरबार में रहते थे। 'पंडितराज' की उपाधि इन्हें शाहजहाँ ने ही दी थी। 1628-1658 तक शाहजहाँ का शासन था जगन्नाथ ने अपने ग्रंथ 'रस गंगाधर' में शाहजहाँ की प्रशंसा की है। इनकी अन्य रचनाएँ - आसफविलास, चित्रमीमांसा-खण्डन, भामिनी विलास इत्यादि हैं।*

21. **रचनाकाल के अनुसार भारतेंन्दु के नाटकों का सही क्रम हैः**

(A) नील देवी ,अंधेर नगरी,भारत दुर्दशा,सती प्रताप

(B) सती प्रताप,नील देवी ,भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी

(C) अंधेर नगरी,भारत दुर्दशा, नील देवी,सती प्रताप

(D) भारत दुर्दशा, नीलदेवी,अंधेर नगरी, सती प्रताप

उत्तर- (D)/ व्याख्या *भारत-दुर्दशा (1880), नीलदेवी (1881), अंधेर नगरी (1881), सती प्रताप (1882), प्रेम जोगिनी (1875) अंतिम दोनों अपूर्ण भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक हैं।*

22. **पंत की काव्य-रचनाओं का सही क्रम है**

(A) गुंजन, पल्लव, ग्राम्या, युगांत

(B) पल्लव, गुंजन, युगांत, ग्राम्या

(C) युगांत, गुंजन, ग्राम्या, पल्लव

(D) पल्लव, गुंजन, ग्राम्या, युगांत

उत्तर-(B)/व्याख्या *ग्रंथि (1920), वीणा (1972), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगांत (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण धूलि (1947), उत्तरा (1949), वाणी (1957), कला और बूढ़ा चाँद (1959), चिदम्बरा, लोकायतन (1964) इत्यादि सुमित्रा नन्दन पंत की काव्य कृतियाँ हैं।*

23. **इन उपन्यासों का प्रकाशन काल के अनुसार सही क्रम हैः**

(A) बूँद और समुद्र,कठगुलाब,अमृत और विष,मैला आँचल

(B) मैला आँचल, अमृत और विष,बूँद और समुद्र,कठगुलाब

(C) कठगुलाब,बूँद और समुद्र, अमृत और विष,मैला आँचल

(D) मैला आँचल,बूँद और समुद्र,अमृत और विष,कठगुलाब

उत्तर- (D)

उपन्यास	प्रकाशन काल	उपन्यासकार
मैला आँचल	1954	फणीश्वर नाथ रेणु
बूँद और समुद्र	1956	अमृत लाल नगर
अमृत और विष	1966	अमृत लाल नागर
कठ गुलाब	1996	मृदुला गर्ग

24. **पत्रिकाओं का प्रकाशन काल के अनुसार सही क्रम है**

(A) सरस्वती, ब्राह्मण, हंस, नागरी प्रचारिणी पत्रिका

(B) ब्राह्मण, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हंस

(C) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, हंस, ब्राह्मण, सरस्वती

(D) सरस्वती, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, हंस, ब्राह्मण

उत्तर- (B)

पत्रिका	प्र. व.	स्थान	सम्पादक
ब्राह्मण	1883	कानुपर	प्रताप नारायण मिश्र
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896	बनारस	वेणी प्रसाद
सरस्वती	1900	प्रा. में काशी फिर इलाहाबाद से	श्याम सुन्दर दास एवं चार अन्य
हंस	1930	बनारस वर्तमान में दिल्ली	संस्थापक संपा· प्रेमचन्द

25. **ज्ञानपीठ पुरस्कृत कृतियों का वर्षवार सही अनुक्रम है**

(A) चिदम्बरा, यामा, उर्वशी, कितनी नावों में कितनी बार

(B) उर्वशी, कितनी नावों में कितनी बार, चिदम्बरा, यामा

(C) उर्वशी, चिदम्बरा, कितनी नावों में कितनी बार, यामा

(D) कितनी नावों में कितनी बार, यामा, चिदम्बरा, उर्वशी

उत्तर- (*)/ व्याख्या/ नोट - दिये गये विकल्प में कोई भी विकल्प वर्षवार सही क्रम में नहीं है। इसका क्रमानुसार विवरण निम्नवत् है।

रचना	प्र. वर्ष	ज्ञानपीठ पु.वर्ष	रचनाकार
चिदम्बरा	1959	1968	सु.नं.पंत
उर्वशी	1961	1972	दिनकर
कितनी नावों में कितनी बार	1967	1978	अज्ञेय
यामा	1940	1982	महादेवी वर्मा

26. **रचनाकाल के अनुसार काव्यों का सही क्रम है**
(A) आँसू, कामायनी, लहर, कानन कुसुम
(B) कानन कुसुम, आँसू, कामायनी, लहर
(C) लहर, आँसू, कामायनी, कानन कुसुम
(D) कानन कुसुम, आँसू, लहर, कामायनी

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार काव्यों का सही क्रम इस प्रकार से है- कानन कुसुम (1913), आँसू (1925), लहर (1933) और कामायनी (1936) यह सभी रचनाएँ जयशंकर प्रसाद की हैं।*

27. **जीवन काल के आधार पर कवियों का सही क्रम हैं**
(A) अमीर खुसरो, विद्यापति, रैदास, नानक
(B) नानक, विद्यापति, रैदास, अमीर खुसरो
(C) विद्यापति, रैदास, अमीर खुसरो, नानक
(D) विद्यापति, रैदास, नानक, अमीर खुसरो

उत्तर- (A)

कवि	जीवनकाल	जन्मस्थान
अमीर खुसरो	1255-1324	पटियाली (एटा) उ.प्र.
विद्यापति	1368-1448	विपसी (दरभंगा) बिहार
रैदास	1388-1518	काशी उ.प्र.
गुरुनानक	1469-1538	तलवंडी (लाहौर)

28. **प्रकाशन काल की दृष्टि से प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही अनुक्रम है-**
(A) सेवासदन,प्रतिज्ञा,वरदान,रंगभूमि,
(B) सेवासदन ,वरदान,रंगभूमि,प्रतिज्ञा
(C) रंगभूमि,वरदान,प्रतिज्ञा,सेवासदन
(D) सेवासदन,प्रतिज्ञा,रंगभूमि,वरदान

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *प्रकाशन काल के अनुसार प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही क्रम इस प्रकार है-सेवासदन (1918), वरदान (1921), प्रेमाश्रम (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926) निर्मला (1927), प्रतिज्ञा (1929), गबन (1931), कर्मभूमि (1932), गोदान (1936) और मंगलसूत्र (1936) अपूर्ण।*

29. **प्रकाशन काल की दृष्टि से भीष्म साहनी के उपन्यासों का सही क्रम है**
(A) तमस, कड़ियाँ, नीलू नीलिमा नीलोफर, मय्यादास की माड़ी
(B) मय्यादास की माड़ी, तमस, कड़िया,नीलू नीलिमा नीलोफर,
(C) नीलू नीलिमा नीलोफर,तमस,कड़ियाँ, मय्यादास की माड़ी
(D) कड़ियाँ,तसम, मय्यादास की माड़ी,नीलू नीलिमा नीलोफर,

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *प्रकाशन काल के अनुसार भीष्म साहनी के उपन्यासों का अनुक्रम - झरोखे (1967), कड़ियाँ (1970), तमस (1973), बसन्ती (1980), मय्यादास की माड़ी (1988), कुन्तो (1993), नीलू नीलिमा नीलोफर (2000) है।*

30. **प्रकाशन काल की दृष्टि से विष्णु प्रभाकर की रचनाओं का सही क्रम है**
(A) सृजन के सेतु, यादों की तीर्थयात्रा, हमसफर मिलते रहे, अर्द्धनारीश्वर
(B) अर्द्धनारीश्वर, सृजन के सेतु, हमसफर मिलते रहे, यादों की तीर्थयात्रा
(C) यादों की तीर्थयात्रा, सृजन के सेतु, हमसफर मिलते रहे, अर्द्धनारीश्वर
(D) यादों की तीर्थयात्रा, अर्द्धनारीश्वर, सृजन के सेतु, हमसफर मिलते रहे,

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *विष्णु प्रभाकर की रचनाओं का सही अनुक्रम-*

रचना	वर्ष	विधा
यादों की तीर्थ यात्रा	1981	संस्मरण
सृजन के सेतु	1990	संस्मरण
हम सफर मिलते रहे	1996	संस्मरण
अर्द्ध नारीश्वर	1997	उपन्यास

31. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) यारों के यार तीन पहाड़	i. मैत्रेयी पुष्पा
(b) बिना दीवारों का घर	ii. मेहरून्निशा परवेज
(c) अकेला पलाश	iii. मन्नू भण्डारी
(d) शेष यात्रा	iv. कृष्णा सोबती
	v. उषा प्रियंवदा

कूटः

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	v	iv	iii	i

उत्तर- (A)

रचना	वर्ष	रचनाकार
यारों के यार तीन पहाड़	1967	कृष्णा सोबती
बिना दीवारों का घर	1965	मन्नू भण्डारी
अकेला पलाश	1981	मेहरून्निशा परवेज
शेष यात्रा	1984	उषा प्रियंवदा
गुनाह बेगुनाह	2011	मैत्रेयी पुष्पा

32. **निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) शिव प्रसाद	i. एक टोकरी भर मिट्टी
(b) यशपाल	ii. पाजेब
(c) जैनेन्द्र	iii. पुलिस की सीटी
(d) माधवराव सप्रे	iv. दादी माँ
	v. हँसा जाई अकेला

कूटः

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iii	ii	i
(D)	iii	ii	i	ii

उत्तर- (A)

कहानीकार	कहानी
शिव प्रसाद सिंह	दादी माँ
यशपाल	पुलिस की सीटी
जैनेन्द्र	पाजेब
माधव राव सप्रे	एक टोकरी भर मिट्टी
मारकण्डेय	हँसा जाई अकेला

33. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय कृतियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) भारतीय साहित्य शास्त्र — i. हेमचन्द्र
(b) भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका — ii. बलदेव उपाध्याय
(c) रस मीमांसा — iii. नगेन्द्र
(d) काव्यानुशासन — iv. रामचन्द्र शुक्ल
v. अप्पय दीक्षित

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	iv	iii	ii	v
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	ii	v	iii	iv

उत्तर- (C)

काव्यशास्त्रीय कृतियाँ	आचार्य
भारतीय साहित्य शास्त्र	बलदेव उपाध्याय
भारतीय काव्य शास्त्र	नगेन्द्र
रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
काव्यानुशासन	हेमचन्द्र
कुवलयानंद	अप्पय दीक्षित

34. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन-स्थान के साथ सुमेलित कीजिएः

(a) नागरी प्रचारिणी पत्रिका — i. इलाहाबाद
(b) सम्मेलन पत्रिका — ii. जबलपुर
(c) पहल पत्रिका — iii. दिल्ली
(d) नया प्रतीक — iv. काशी
v. भोपाल

कूटः

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	iv	v	ii	iii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर- (D)

पत्रिका	प्र.स्थान	सम्पादक
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	काशी	वेणी प्रसाद
सम्मेलन पत्रिका	इलाहाबाद	विभूतिमिश्र
पहल पत्रिका	जबलपुर	ज्ञानरंजन
नया प्रतीक	दिल्ली	अज्ञेय
साक्षात्कार	भोपाल	अशोक बापजेयी

35. निम्नलिखित पात्रों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) रेखा — i. मैला आँचल
(b) नीलिमा — ii. वे दिन
(c) कमला — iii. आवाँ
(d) रायना — iv. नदी के द्वीप
v. अंधेरे बन्द कमरे

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	v	ii	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	i	ii
(D)	v	iii	ii	iv

उत्तर- (C)

पात्र	रचना	प्र.वर्ष	रचनाकार
रेखा	नदी के द्वीप	1961	अज्ञेय
नीलिमा	अंधेरे बंद कमरे	1961	मोहन राकेश
कमला	मैला आँचल	1954	रेणु
रायना	वे दिन	1964	निर्मल वर्मा
नमिता	आवाँ	1999	चित्रा मुद्गल

36. निम्नलिखित नाटकों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

(a) हानूश — i. मुद्राराक्षस
(b) दशरथ नंदन — ii. भीष्म साहनी
(c) पैर तले की जमीन — iii. जगदीशचन्द्र माथुर
(d) तिलचट्टा — iv. सुरेन्द्र वर्मा
v. मोहन राकेश

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	v
(B)	ii	iii	v	i
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	ii	i	iv

उत्तर- (B)

नाटक	वर्ष	रचनाकार
हानूश	1977	भीष्म साहनी
दशरथ नंदन	1974	जगदीश चन्द्र माथुर
पैर तले की जमीन	अपूर्ण	मोहन राकेश
तिलचट्टा	1973	मुद्राराक्षस
रति का कंगन	2010	सुरेन्द्र वर्मा

37. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके अनुयायियों के साथ सुमेलित कीजिए

(a) वल्लभ सम्प्रदाय — i. हरिव्यास देव
(b) निम्बार्क सम्प्रदाय — ii. दामोदर दास
(c) राधावल्लभ सम्प्रदाय — iii. गदाधर भट्ट
(d) चैतन्य सम्प्रदाय — iv. जगन्नाथ गोस्वामी
v. गोविन्द स्वामी

कूट :

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	iv	i	iii	v
(C)	ii	i	v	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर- (A)

सम्प्रदाय	अनुयायी	सम्प्रदाय पुरस्कर्ता
वल्लभ सम्प्रदाय	गोविन्दस्वामी	वल्लभाचार्य
निम्बार्क सम्प्रदाय	हरिव्यास देव	निम्बार्काचार्य
राधा बल्लभ सं.	दामोदर दास	हितहरिवंश
चैतन्य सम्प्रदाय	गदाधर भट्ट	चैतन्य महाप्रभु
हरिदासी/सखी/ टट्टी सम्प्रदाय	जगन्नाथ गोस्वामी	स्वामी हरिदास

38. निम्नलिखित रचनाओं को उनकी विधाओं के साथ सुमेलित कीजिए

(a) प्रेत की छाया — i. नाटक
(b) कर्बला — ii. निबंध
(c) छितवन की छाँह — iii. आत्मकथा
(d) अन्या से अनन्या — iv. उपन्यास
v. एकांकी

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	i	v
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	v	iii	ii	i
(D)	i	v	iii	iv

उत्तर- (B)

रचना	वर्ष	विधा	रचनाकार
प्रेत की छाया	1944	उपन्यास	इलाचन्द्र जोशी
कर्बला	1928	नाटक	प्रेमचन्द
छितवन की छाँह	1953	निबंध	विद्यानिवास मिश्र
अन्या से अनन्या	2007	आत्मकथा	प्रभा खेतान
भोर का तारा	1937	एकांकी	जगदीश चन्द्र माथुर

39. निम्नलिखित संस्थाओं को उनके संस्थापकों के साथ सुमेलित कीजिएः

(a) ब्रह्म समाज — i. एनी बेसेंट
(b) प्रार्थना समाज — ii. विवेकानन्द
(c) आर्य समाज — iii. दयानंद सरस्वती
(d) रामकृष्ण मिशन — iv. राजा राम मोहन राय
v. केशवचन्द्र सेन

कूटः

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	v
(B)	v	ii	iv	i
(C)	i	iii	ii	v
(D)	iv	v	iii	ii

उत्तर- (D)

संस्था	संस्था स्था. वर्ष	संस्थापक
ब्रह्म समाज	1828	राजाराम मोहन राय
प्रार्थना समाज	1867	केशवचन्द्र सेन
आर्य समाज	1867	दयानन्द सरस्वती
रामकृष्ण मिशन	1897	विवेकानन्द
थियॉसाफिकल सोसाइटी	1875	श्रीमती एनी बेसेन्ट संस्था से सम्बन्धित

40. निम्नलिखित पंक्तिओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः

(a) जो बीत गयी सो बात गयी — i. मुक्तिबोध
(b) मै तो डूब गया था स्वयं शून्य में — ii. दिनकर
(c) दो पाटों के बीच पिस गया — iii. बच्चन
(d) रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नही तो और क्या है? — iv. अज्ञेय
v. नरेन्द्र शर्मा

कूटः

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iv	ii	iii	v
(C)	iii	v	iv	ii
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
जो बीत .... बात गयी	हरिवंश राय बच्चन
मैं तो ....शून्य में	अज्ञेय
दो पाटों ....पिस गया	मुक्तिबोध
रूप की ....और क्या है	दिनकर
आह अंतिम रात वह बैठी रही तुम पास मेरे	नरेन्द्र शर्मा

41. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य की श्रेष्ठ साधन ही संस्कृति है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साधनाओं के माध्यम से मनुष्य अविरोधी-सत्य तक पहुँच सका है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *मनुष्य की श्रेष्ठ साधना का प्रतिफल ही संस्कृति है। साधना एक ऐसी शक्ति है जो मनुष्य को विरोधों से दूर कर अविरोधी सत्य की प्राप्ति कराता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

42. स्थापना (Assertion) (A) : रस का निर्णायक सहृदय है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सहृदय रस का समीक्षक होता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर-(A) व्याख्या *सहृदय श्रोता, दर्शक और पाठक में रस जिस रूप में उत्पन्न होगा वह उसी रूप में उसको स्वीकार करता है तथा अपना मत देता है। किसी भी विषय पर सहृदयों की राय एक या अलग-अलग भी हो सकती है। अतः वह रस का निर्णायक होता है। लेकिन वह रस का समीक्षक नहीं होता है क्योंकि समीक्षा करना आलोचक का कार्य है जो उसमें गुणदोष देखता है। अतः कथन (A) सही (R) गलत है।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : अंतर्मुखी प्रवृति के व्यक्ति की मानसिक उलझनों की सफल अभिव्यक्ति 'एकालाप' के रूप में होती है
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि'एकालाप' साहित्यकार की मनोरूग्णता का द्योतक है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D) व्याख्या *व्यक्तित्व के मुख्यतः दो भेद हैं- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी-अंतर्मुखी व्यक्ति स्वनुभव पर विशेष बल देता है तथा अपने विचार को ही प्रमुखता से सबके सामने रखता है। यह विधि 'एकालाप' की श्रेणी में आती है। एकालाप मात्र मनोरूग्णता का द्योतक नहीं है अतः कथन (A) सही तथा (R) गलत है।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : युग जीवन के परिवेश में साहित्य की विकास परम्परा का निरूपण करना ही साहित्य के इतिहास का कर्तव्य-कर्म है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्य का इतिहासकार युग जीवन के परिवेश से इतर होता है।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर-(C)/व्याख्या *साहित्य का समाज, जीवन और समय से विशेष सम्बन्ध होता है। काल के परिवेश का साहित्य पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। साहित्य के इतिहासकार का कर्तव्य है कि वह जीवन युग परिवेश को ध्यान में रखकर लेखन कर्म करे। साहित्यिक इतिहासकार युग जीवन से इतर न होकर उससे सम्बद्ध होता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य में वस्तु और रूप एक दूसरे से अभिन्न और परस्पर अनुस्यूत होते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्य में वस्तु और रूप की सत्ता एक दूसरे पर निर्भर है।

(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (B)/व्याख्या *बिंब और प्रतिबिंब के रूप में वस्तु और रूप का साहित्य में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है इसमें वस्तु की स्थिति , रूप पर और रूप की स्थिति वस्तु पर निर्भर है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देशः निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढे. और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिये गये बहुविक्लपों में से सही विकल्प का चयन करेः

शासन की पहुँच प्रवृति और निवृति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती है।भीतरी या सच्ची प्रवृति-निवृति को जागरित रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्मक्षेत्र में शक्ति भावना को जगाती है। भाक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है। अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसी के भीतर दिखाई पड़ता है। इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास करना चाहिए। जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी। रागात्मिका वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता । जब मनुष्य के सुख और आनंद का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौंदर्य के साथ हो जायेगा, जब उसकी रक्षा का भाव,तृणगुल्म, वृक्ष-लता,पशु-पक्षी,कीट-पतंग, सब की रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जायेगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जायेगा और जगत् का सच्चा प्रतिनिधि हो जायेगा।

46. स्व और लोक दोनों के मंगल का मिलन-बिंदु किसके भीतर है?

(A) भक्ति (B) ज्ञान (C) योग (D) कर्म

उत्तर-(A)/व्याख्या *स्व (अपने) और लोक के मंगल का मिलन-बिन्दु (संगम) भक्ति के अन्दर (भीतर) दिखाई पड़ता है।*

47. नरसत्ता के प्रसार के लिए उपयुक्त है

(A) ज्ञान-हृदय (B) ज्ञान (C) हृदय (D) कर्म

उत्तर-(A)/व्याख्या *'जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी।' अर्थात् नरसत्ता के प्रसार के लिए 'ज्ञान' और 'हृदय' दोनों ही उपयुक्त हैं।*

48. जीवन का सामंजस्य विश्व के साथ स्थापित करने के लिए आवश्यक है

(A) प्रकृति (B) ज्ञानात्मिका वृत्ति
(C) वैराग्य (D) रागात्मिका वृत्ति

उत्तर- (D)/व्याख्या *जीवन का प्राकृत सामंजस्य विश्व के साथ स्थापित करने के लिए रागात्मिका वृत्ति आवश्यक है।*

49. सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति जागरित रखने की शक्ति किसमें होती है?

(A) कविता (B) विज्ञान
(C) दर्शन (D) समाजशास्त्र

उत्तर-(A)/व्याख्या *'भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागरित करने की शक्ति कविता में है। यह प्रवृत्ति-निवृत्ति धर्म क्षेत्र में शक्ति की भावना को जगाती रहती है।*

50. मनुष्य के अवतार का उद्देश्य कब पूर्ण कहा जायेगा?

(A) सिर्फ मनुष्य समाज के साथ सामंजस्य स्थापित होने से।
(B) मनुष्य समाज का शेष प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित होने से।
(C) पशु-पक्षियों के साथ सामंजस्य स्थापित होने से।
(D) वृक्षा-लता के साथ सामंजस्य स्थापित होने से।

उत्तर- (B)/व्याख्या *जब मनुष्य का सुख और आनंद शेष प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेगा तब मनुष्य के रूप में अवतार (जन्म) लेने का उद्देश्य पूर्ण कहा जा सकता है।*

1. 'कुवलयमाला कथा' के रचनाकार हैं
(A) रोड कवि (B) उद्यतन सूरि
(C) दमोदर शर्मा (D) ज्योतिरीश्वर

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'कुवलयमाला कथा' नवीं सदी में रचित उद्योतनसूरि की रचना है। यह आदिकालीन राजस्थानी हिन्दी गद्य की प्रमुख रचना है।*
'राउलवेल' 10वीं शती में रचित रोड़कवि की रचना है। यह चम्पू काव्य की प्राचीनतम कृति है। शिला पर अंकित होने के कारण इसे शिलांकित कृति भी कहा जाता है।
'उक्ति व्यक्ति प्रकरण'- 12वीं शती में रचित दामोदर शर्मा की रचना है। यह एक व्याकरण ग्रन्थ है।
'वर्णरत्नाकर' 14वीं शती में रचित यह ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना है। यह एक शब्दकोश ग्रन्थ है एवं मैथिली की प्राचीनतम रचना मानी जाती है।

2. 'लालचंद्रिका' के रचनाकार हैं
(A) लल्लूलालजी (B) सदल मिश्र
(C) गंगा प्रसाद शुक्ल (D) राजा शिव प्रसाद

उत्तर- (A)

रचना	सम्बन्ध-विशेष	रचनाकार
लालचंद्रिका	बिहारी सतसई की टीका	लल्लू लालजी
रामचरित्र	आध्यात्मरामायण का रूपान्तरण	सदलमिश्र
राजा भोज का सपना	टकशाली हिन्दी में	राजशिव प्रसाद सितारे हिन्द

3. ''साखी सबदी दोहरा कहि कहनी-उपखान। भगति निसृपहिं अधम कवि निंदहिं वेद पुरान।'' किस कवि की पंक्तियाँ हैं?
(A) कबीर दास (B) भिखारी दास
(C) तुलसीदास (D) सूरदास

उत्तर- (C)

पंक्ति	पंक्तिकार
संस्कृत है कूप जल भाखा बहता नीर	कबीरदास
ब्रजभाषा हेत ब्रजबास ही न अनुमानों ऐसे कबिन की बानी हूँसो जानिये।	भिखारीदास
साखी सबदी दोहरा .....निंदहिं वेद पुरान	तुलसीदास
मो सौं कहत मोल कौ लीनों	सूरदास

4. 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार हैं
(A) जगनिक (B) शारंगधर कवि
(C) नल्लसिंह (D) नरपति नाल्ह

उत्तर- (D)

रचना	समय	रचनाकार
बीसलदेव रासो	1155 ई.	नरपतिनाल्ह
हमीर रासो	14वीं शती	शारंगधर
परमाल रासो	13 वीं शती	जगनिक
विजय पाल रासो	13 वीं शती	नल्लसिंह

5. अद्दहमाण की रचना है
(A) प्राकृत पैंगलम (B) संदेश रासक
(C) जयचंद्र प्रकाश (D) प्रबंध चिंतामणि

उत्तर- (B)

रचना	समय	रचनाकार
प्राकृत पैंगलम	14 वीं शती का पूर्वार्द्ध	सुमति/लक्ष्मीधर
संदेश रासक	13 वीं शती का आरंभ	अब्दुल रहमान
जयचंद्र प्रकाश	12 वीं शती	भट्ट केदार
प्रबंध चिन्तामणि	1304 ई0	मुरूतुंग

विशेष नोट - *'प्राकृत पैंगलम' का रचयिता डॉ. याकोबी के अनुसार सुमति और हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार लक्ष्मीधर हैं।*

6. 'काव्यालंकार संग्रह' की रचनाकार है
(A) उद्भट (B) भामह (C) दण्डी (D) वामन

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार	समय
काव्यालंकार संग्रह	उद्भट	9वीं शती का पूर्वार्द्ध
काव्यालंकार	भामह	छठी शती का मध्यकाल
काव्यादर्श	दण्डी	7वीं शती का उत्तरार्द्ध
काव्यालंकार	रूद्रट	
काव्यालंकार सूत्र वृत्ति	वामन	8वीं-9वीं शती

7. 'एवं क्रमहेतुमभिधाय रसविषयं लक्षणसूत्रमाह'- यह रस संबंधी सूत्र किस आर्चाय का है?
(A) भरतमुनि (B) आनंदवर्धन
(C) अभिनव गुप्त (D) हेमचंद्र

उत्तर- (C)

सूत्र	आचार्य
वाङ्ग सत्वोयेतान्काव्यार्थावागङ्ग न्भावयन्तीति	*भरतमुनि*
चारूत्वोत्कर्ष निबंधना हि वाच्यव्यंग्योः	*आनन्दवर्धन*
एवं क्रमहेतु मभिधाय रसविषयं लक्षण सूत्र माह	*अभिनव गुप्त*
सिरि जरखंडी लोअड़ी गलि मणियडा न बीस	*हेमचन्द्र*

8. 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' ग्रंथ का विषय है
(A) पुराण (B) प्रेमकाव्य
(C) भक्तिकाव्य (D) व्याकरण

उत्तर- (D)/ व्याख्या *12वीं शती में महाराज गोविन्द चन्द्रदेव के सभापंडित दामोदर शर्मा ने 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण' नामक ग्रंथ की रचना की। इसमें पाँच प्रकरण हैं। यह एक व्याकरण ग्रंथ है तथा राजकुमारों को स्थानीय भाषा का ज्ञान कराने के लिए लिखा गया था।*

9. ''मस्तीन सुखा डाहिबी।आसीम औरम थाहिबी।।धी धी धुना नुप जाहिबी। फीफी फिना सत साहिबी।।'' उपरोक्त पंक्तियाँ किस भाषा का नमूना हैं?
(A) मागधी (B) पैशाची (C) बांगरू (D) कौरवी

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ 'मस्तीन सुखा डाहिबी.......फीफी फिना सत साहिबी'। पैशाची भाषा का नमूना है। यह भाषा प्राचीन समय में कश्मीर क्षेत्र में प्रचलित थी।

10. **'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं**

(A) रैदास (B) कृष्णदास
(C) परमानंददास (D) नंददास

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ अष्टछाप या 'अष्टसखा' की-स्थापना 1565 ई. में गोस्वामी विट्ठलनाथ ने की थी। 'अष्टछाप' पर 'पुष्टिमार्गी' भक्ति का प्रभाव है। इसमें कुल आठ कवि आते हैं जिसमें चार बल्लभाचार्य के शिष्य-कुम्भनदास, सूरदास, परमानंद दास और कृष्णदास हैं जबकि चार शिष्य गोस्वामी विट्ठलनाथ के हैं-गोविन्दस्वामी, नन्ददास, छीतस्वामी, और चतुर्भुज दास।

11. **राधावल्लभी संप्रदाय के आचार्य हैं**

(A) रामानुजाचार्य (B) गोस्वामी हितहरिवंश
(C) वल्लभाचार्य (D) शंकराचार्य

उत्तर- (B)/

सम्प्रदाय	सिद्धान्त	आचार्य
राधा वल्लभी सम्प्रदाय	-	हित हरिवंश
श्री सम्प्रदाय	विशिष्टाद्वैत	रामानुजाचार्य
रूद्र सम्प्रदाय	शुद्धाद्वैत	बल्लभाचार्य
स्मार्त सम्प्रदाय	अद्वैत	शंकराचार्य

12. **मलिक मुहम्मद जायसी की रचना नहीं है**

(A) मधुमालती (B) अखरावट
(C) आखिरी कलाम (D) पद्मावत

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ पद्मावत, अखरावट, आखिरी कलाम, चित्ररेखा, मसल नामा, कहरनामा (महरी बाईसी), कन्हावत सभी मलिक मुहममद जायसी की रचना हैं। जबकि मधुमालती (1540 ई.)- मंझन की रचना है।

13. **नायिका भेद पर आधारित ग्रंथ 'रसमंजरी' के रचनाकार है**

(A) सूरदास (B) बिहारी (C) नंददास (D) विद्यापति

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ 'रसमंजरी' (1550 ई.) में रचित नंददास की रीतिनिरूपण सम्बन्धी रचना है। यह नायिका भेद पर आधारित है। स्वकीया और परकीया नायिका के भेदों के साथ नौ प्रकार की नायिकाओं का वर्णन है। इसके अतिरिक्त- रासपंचाध्यायी, सिद्धान्त पंचाध्यायी, रूपमंजरी, विरहमंजरी, भंवरगीत इत्यादि इनकी अन्य रचनाएँ हैं।

14. **कृपाराम द्वारा रचित नायिक-भेद की सबसे पुरानी पुस्तक है**

(A) हित-तरंगिणी (B) श्रुतिभूषण
(C) उज्ज्वल नीलमणि (D) कर्णाभरण

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ कृपारामकृत 'हिततरंगिणी' (1541ई.) रीति निरूपण की पुरानी पुस्तक मानी जाती है। इसमें नायक-नायिका के भेदोपभेद का उल्लेख है। 'उज्ज्वल नीलमणि'- रूप गोस्वामी की और कर्णाभरण-गोविन्द की रचना है।

15. **'कविकुल कल्पतरु' के रचनाकार हैं**

(A) देव (B) केशवदास (C) चिंतामणि (D) भिखारीदास

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ कविकुल कल्पतरु, रसविलास, काव्यविवेक, श्रृंगारमंजरी इत्यादि चिंतामणि की रचना है। भावविलास, भामनीविलास, प्रेमचंद्रिका, सुजानविनोद, प्रेमतरंग, काव्यरसायन, इत्यादि देव की रचना है। रसिक प्रिया, रामचंद्रिका, कविप्रिया, विज्ञानगीता, छंदमाला इत्यादि केशवदास की रचना है तथा काव्यनिर्णय, श्रृंगारनिर्णय, छंदप्रकाश इत्यादि भिखारी दास की-रचना है।

16. **रीति मुक्त श्रृंगारी कवि नहीं हैं**

(A) सेनापति (B) द्विजदेव
(C) आलम (D) ठाकुर

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ सेनापति रीतिकाल के रीतिबद्ध काव्यकार है जबकि द्विवदेव, आलम, ठाकुर, बोधा, घनानंद रीतिकाल के रीतिमुक्त श्रृंगारी कवि हैं।

17. **नीति कवि 'दीनदयाल गिरि' की रचना नहीं है**

(A) अनुरागबाग (B) वैराग्य दिनेश
(C) विश्वनाथ नवरत्न (D) छत्र प्रकाश

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ अन्योक्ति कल्प द्रुम (सं.1912), अनुरागबाग (सं.1888), वैराग्य दिनेश (सं.1906), विश्वनाथ नवरत्न और दृष्टांत तरंगिणी(सं.1879) रीतिकाल के नीतिकाव्यकार दीनदयाल गिरि की रचना है। जबकि छत्रप्रकाश, विष्णुविलास-लालकवि की रचना है।

18. **आठवीं शताब्दी के कवि नहीं हैं**

(A) सरहपा (B) हेमचंद्र
(C) शबरपा (D) स्वयंभू

उत्तर- (B)/

कवि	समय	प्रमुख रचना
सरहपा	8 वीं शती	दोहाकोश
हेमचन्द	11 वीं शती	शब्दानुशासन
शबरपा	8 वीं शती	चर्यापद
स्वयंभू	8 वीं शती	पउमचरिउ

19. **सखी संप्रदाय को कहा जाता है**

(A) राधावल्लभ संप्रदाय (B) हरिदास संप्रदाय
(C) चित्याचिंत्य संप्रदाय (D) अष्टछाप संप्रदाय

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ 'सखी' सम्प्रदाय को हरिदासी या टट्टी सम्प्रदाय भी कहा जाता है। इसके प्रवर्तक स्वामी हरिदास जी है।'राधाबल्लभ' के संस्थापक हितहरिवंश हैं। 'चिंत्याचिंत्य' के प्रतिपादक- चैतन्य महाप्रभु हैं जबकि 'अष्टछाप' के आविर्भावक विट्ठलनाथ जी हैं।

20. **'प्रयोगवाद' शब्द का सबसे पहले प्रयोग किस आलोचक ने किया है?**

(A) नगेन्द्र (B) नंददुलारे बाजपेयी
(C) विजयदेव नारायण साही (D) रघुवंश

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ 'छायावाद' शब्द का सबसे पहले प्रयोग मुकुटधर पाण्डेय ने किया।'प्रयोगवाद' शब्द का प्रथम प्रयोग नन्ददुलारे बाजपेयी और 'नयीकविता' शब्द का प्रथम प्रयोग 'अज्ञेय' ने किया। नन्ददुलारे बाजपेयी ने छायावाद को 'बैठे ठाले का धंधा' कहा है।

21. **''फोर्ट विलियम कॉलेज'' की स्थापना कब हुई ?**

(A) 1801 ई. (B) 1810 ई. (C) 1800 ई. (D) 1802 ई.

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ 1800 ई. में मार्क्विस वेलेजली ने कलकत्ता में 'फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की थी' इसमें हिन्दुस्तानी विभाग के प्रथम अध्यक्ष गिलक्राइस्ट थे।

22. **''देहरि भई विदेस' किस विधा की रचना है?**

(A) नाटक (B) उपन्यास
(C) आत्मकथ्य (D) संस्मरण

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *'देहरि भई विदेश '(2005) में 20 लेखिकाओं का आत्मकथ्य संकलित है। इसको तीन शीर्षकों- दस्तावेज, आत्मकथांश और आत्मकथ्य में विभक्त किया गया है। इसके यशस्वी सम्पादक स्व. राजेन्द्र यादव जी हैं।*

23. **''भारोपीय परिवार'' की भाषा नहीं है**

(A) केल्टिक (B) इतालिक
(C) जर्मनिक (D) सियोयन

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *भारोपीय परिवार की भाषा के अन्तर्गत दस भाषाओं की गणना की जाती है- 1. केल्टिक 2.इतालिक 3.जर्मनिक या ट्यूटनिक 4.ग्रीक 5.बाल्तोस्लाविक 6.आलबनीय 7.आर्मनीय 8.खत्ती अथवा हत्ती 9. तुखारीय 10.भारत-इरानी अथवा आर्य जबकि- सियोयन,पिमन् शोशोनियन,इरोकोयीयन् इत्यादि एस्किमो- वर्ग की भाषाएँ हैं।*

24. **मैथिली का प्राचीनतम उपलब्ध ग्रंथ है**

(A) वर्णरत्नाकर (B) कीर्तिलता
(C) चर्यापद (D) ज्ञानेश्वरी

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *'वर्णरत्नाकर'मैथिली भाषा का प्राचीनतम ग्रंथ है। यह 14 वीं शती में रचित ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना है। 'कीर्तिलता'-विद्यापति, 'चर्यापद'- शबरपा और ज्ञानेश्वरी के रचनाकार संत ज्ञानेश्वर हैं। यह 'श्री मद्भगवद्गीता' की टीका है।*

25. **'उत्तरायण' महाकाव्य के रचनाकार हैं**

(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध
(B) रामकुमार वर्मा
(C) सियारामशरण गुप्त
(D) रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर- (B)/

रचना	विधा	रचनाकार
उत्तरायण	महाकाव्य	रामकुमार वर्मा
प्रियप्रवास	महाकाव्य	हरिऔध
आर्द्रा	काव्यग्रंथ	सियाराम शरण गुप्त
मिलन	खण्डकाव्य	रामनरेश त्रिपाठी

26. **आधुनिक आर्य भाषाओं के वर्गीकरण के अनुसार पूर्वी समुदाय की भाषा नहीं है**

(A) उड़िया (B) मराठी
(C) बिहारी (D) बंगला

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *डॉ. ग्रियर्सन ने अपने ग्रंथ 'भाषा सर्वेक्षण' में भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण निम्नवत् किया है-*

(क) बाहरी उपशाखा

1. उत्तरी पश्चिमी समुदाय
I- लंहदा अथवा पश्चिमी पंजाबी
II- सिन्धी

2. दक्षिणी समुदाय
III- मराठी-

3. पूर्वी समुदाय
IV- उड़िया
V- बिहारी
VI-बंगला
VII-असमिया

(ख) मध्य उपशाखा

4. बीच का समुदाय
VIII-पूर्वी हिन्दी

(ग) भीतरी उपशाखा

5. केन्द्रीय अथवा भीतरी समुदाय
IX- पश्चिमी-हिन्दी
X-पंजाबी
XI-गुजराती
XII-भीत्नी
XIII-खानदेशी
XIV-राजस्थानी

6. पहाड़ी समुदाय
XV-पूर्वी पहाड़ी अथवा नेपाली
XVI-मध्य या केन्द्रीय पहाड़ी
XVII-पश्चिमी पहाड़ी

27. **''हिन्दुस्तानी'' शब्द यूरोप के लोगों की देन है। यह कथन किसका है ?**

(A) गार्सा-द-तासी (B) शिवसिंह सेंगर
(C) ग्रियर्सन (D) रामचंद शुक्ल

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *'हिन्दुस्तानी' शब्द को यूरोप के लोगों की देन मानने वाले विद्वान ग्रियर्सन हैं।*

28. **पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत नहीं आती है**

(A) बाँगरू (B) कन्नौजी
(C) बुन्देली (D) बघेली

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *पश्चिमी हिन्दी में- खड़ी बोली (कौरवी), ब्रज, हरियाणवी (बाँगरू), कन्नौजी और बुन्देली आती है जबकि बघेली, छत्तीसगढ़ी और अवधी पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ हैं।*

29. **मार्क्सवादी आलोचक नहीं हैं**

(A) रामविलास शर्मा (B) नामवर सिंह
(C) शिवदान सिंह चौहान (D) विजयदेव नारायण साही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *प्रकाश चन्द्र गुप्त, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, शिवदान सिंह चौहान, नेमिचन्द्र जैन, अमृतराय, शिव कुमार मिश्र, नामवर सिंह, इत्यादि मार्क्सवादी समीक्षक हैं। जबकि विजय देव नारायण साही, मलयज, परमानन्द श्रीवास्तव, रामस्वरूप चतुर्वेदी इत्यादि नये समीक्षकों में गिने जाते हैं।*

30. 'काव्यादर्श' ग्रंथ के रचनाकार हैं

(A) दण्डी (B) वामन

(C) रूद्रट (D) भामह

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार
काव्यादर्श	दण्डी
काव्यालंकार सूत्र वृत्ति	वामन
काव्यालंकार	रूद्रट
काव्यालंकार	भामह

31. आचार्य कुंतक काव्य-शास्त्र में किस संप्रदाय के प्रर्वतक माने जाते हैं?

(A) औचित्य (B) वक्रोक्ति

(C) ध्वनि (D) रीति

उत्तर- (B)

सम्प्रदाय	प्रवर्तक आचार्य
रस	भरतमुनि
अलंकार	भामह
औचित्य	क्षेमेन्द्र
वक्रोक्ति	कुंतक
ध्वनि	आनंद वर्धन
रीति	वामन

32. हिन्दी में 'लोकजागरण' की अवधारणा किस आलोचक की है?

(A) रामविलास शर्मा (B) शिवदानसिंह चौहान

(C) प्रकाशचंद्र गुप्त (D) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर- (A) व्याख्या *'रामविलास शर्मा ने हिन्दी साहित्य के भक्ति काल को 'लोकजागरण' की संज्ञा दी है।*

33. ''भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की सुधि ब्रज-गांवनि मैं पावन जबै लगीं।'' उपरोक्त पंक्तियाँ किस काव्य कृति की हैं?

(A) रसकलस (B) गंगावतरण

(C) उद्धवशतक (D) भ्रमरगीत

उत्तर- (C) व्याख्या *'भेजे मनभावन के ------------------ पावन जबै लगी। पंक्तियाँ 'उद्धवशतक' की हैं। इसके रचनाकार जगन्नाथ दास रत्नाकर हैं।*

34. जादुई यथार्थवाद (मैजिक रियलिज्म) शब्द का सबसे पहले प्रयोग किसने किया ?

(A) फ्रांज काफ्का (B) फ्रेन्ज रोह

(C) कामू (D) सार्त्र

उत्तर- (B) व्याख्या *जादुई यथार्थवाद (मैजिक रियलिज्म) शब्द का प्रथम प्रयोग फ्रेन्ज रोह ने किया था।*

35. 'बौद्धगान ओ दोहा' का संपादन किसने किया है ?

(A) राहुल सांकृत्यायन (B) सूर्यकान्त शास्त्री

(C) प्रबोधचन्द्र बागची (D) हरप्रसाद शास्त्री

उत्तर- (D)

सम्पादित ग्रंथ	सम्पादक
बौद्धगान ओ दोहा	हरप्रसाद शास्त्री
दोहाकोश	प्रबोध चन्द्रबागची
काव्यधारा	राहुल सांकृत्यायन

36. 'दोहा' या 'दूहा' किस भाषा का लोकप्रिय छंद रहा है ?

(A) पालि (B) प्राकृत

(C) अपभ्रंश (D) अवधी

उत्तर- (C) व्याख्या *रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- ''जैसे 'गाथा' या 'गाहा' कहने से प्राकृत का बोध होता था वैसे ही पीछे 'दोहा' या 'दूहा' कहने से अपभ्रंश या लोक प्रचलित काव्य भाषा का बोध होने लगा।'' अर्थात गाथा या गाहा से प्राकृत का और दोहा या दूहा से अपभ्रंश का बोध होता है।*

37. ''शंकर शेष ' द्वारा रचित नाटक नहीं है

(A) कोर्ट मार्शल (B) एक और द्रोणाचार्य

(C) घरौंदा (D) अरे मायावी सरोवर

उत्तर- (A) व्याख्या *एक और द्रोणाचार्य (1977), घरौंदा (1978), अरे मायावी सरोवर (1980), बंधन अपने-अपने, कोमल गंधार (1982), पोस्टर (1983), खुजराहो का शिल्पी (1982) इत्यादि शंकरशेष के नाटक हैं।*
जबकि बालभगवान (1989), कोर्ट मार्शल (1991), जलता हुआ रथ (1998), सबसे उदास कविता (1998) इत्यादि स्वेदश दीपक के नाटक हैं।

38. 'नई कहानी' आंदोलन चलाने वाले लेखक नहीं हैं

(A) राजेन्द्र यादव (B) गंगाप्रसाद विमल

(C) कमलेश्वर (D) मोहन राकेश

उत्तर- (B) व्याख्या *राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर और मोहन राकेश तीनों ने नई कहानी आन्दोलन चलाया था। जबकि गंगाप्रसाद विमल ने अकहानी आन्दोलन चलाया।*

39. 'प्रभा खेतान' की आत्मकथा है

(A) एक कहानी यह भी (B) पिंजरे की मैना

(C) अन्या से अनन्या (D) हादसे

उत्तर- (C)

आत्मकथा	वर्ष	आत्मकथाकार
एक कहानी यह भी	2007	मन्नू भण्डारी
पिंजरे की मैना	2008	चन्द्रकिरण सौन रेक्सा
अन्या से अनन्या	2007	प्रभा खेतान
हादसे	2005	रमणिका गुप्ता

40. 'पहला गिरमिटिया ' उपन्यास के लेखक हैं

(A) अभिमन्यु अनत (B) विष्णु प्रभाकर

(C) गिरिराज किशोर (D) श्रीलाल शुक्ल

उत्तर- (C)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
अपनी-अपनी सीमा	1983	अभिमन्यु अनत
अर्द्धनारीश्वर	1992	विष्णु प्रभाकर
पहला गिरमिटिया	1999	गिरिराज किशोर
राग-विराग	2005	श्री लाल शुक्ल

41. निम्नांकित कृतियों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है :

(A) साकेत : एक अध्ययन ,सीढ़ियों पर धूप में, सच्ची समालोचना, इतिहास तिमिर नाशक

(B) सच्ची समालोचना, साकेतः एक अध्ययन ,इतिहास तिमिर नाशक, सीढ़ियों पर धूप में

(C) इतिहास तिमिर नाशक, सच्ची समालोचना, साकेतः एक अध्ययन, सीढ़ियों पर धूप में
(D) सीढ़ियों पर धूप में, सच्ची समालोचना, इतिहास तिमिर नाशक, साकेत : एक अध्ययन

उत्तर- (C)

कृति	प्रका.वर्ष	कृतिकार
इतिहास तिमिर नाशक	1873	शिवप्रसाद सितारे हिन्द
सच्ची समालोचना	1886	बालकृष्ण भट्ट
साकेतः एक अध्ययन	1939	डॉ नगेन्द्र
सीढ़ियों पर धूप में	1959	रघुवीर सहाय

42. **भगवतीचरण वर्मा के निम्नांकित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम हैः**
(A) टेढ़े मेढ़े रास्ते, चित्रलेखा, सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र
(B) चित्रलेखा,टेढ़े मेढ़े रास्ते,भूले बिसरे चित्र,सामर्थ्य और सीमा,
(C) भूले बिसरे चित्र,सामर्थ्य और सीमा,चित्रलेखा,टेढ़े मेढ़े रास्ते,
(D) सामर्थ्य और सीमा,चित्रलेखा,भूले बिसरे चित्र,टेढ़े मेढ़े रास्ते,

उत्तर- (B)/ व्याख्या *चित्रलेखा (1934), टेढ़े मेढ़े रास्ते(1946), भूले बिसरे चित्र (1959) , सामर्थ्य और सीमा (1962), सीधी सच्ची बातें (1968), सबहिं नचावत राम गोसाईं (1970), प्रश्न और मारीचिका (1973), युवराज चुण्डा (1978) , चाणक्य (1982)भगवती चरण वर्मा के उपन्यास हैं।*

43. **रघुवीर सहाय की कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) आत्महत्या के विरूद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ
(B) हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गए हैं, आत्महत्या के विरुद्ध
(C) लोग भूल गए हैं, आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ
(D) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गए हैं, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, आत्महत्या के विरुद्ध,

उत्तर- (A)/ व्याख्या *रघुवीर सहाय की कृतियों का सही अनुक्रम निम्नवत् है- आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हँसो-हँसों जल्दी हँसो (1975) लोग भूल गये हैं (1982) और कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989)।*

44. **अज्ञेय के निम्नांकित कहानी संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम हैः**
(A) परम्परा, शरणार्थी, विपथगा, अमरवल्लरी
(B) अमरवल्लरी, विपथगा, शरणार्थी, परम्परा
(C) शरणार्थी, अमरवल्लरी, परम्परा, विपथगा
(D) विपथगा, परम्परा, शरणार्थी, अमरवल्लरी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *विपथगा (1937), परम्परा (1944), कोठरी की बात (1945), शरणार्थी (1948), जयदोल (1951), अमरवल्लरी (1955) और ये तेरे प्रतिरूप (1961), इत्यादि अज्ञेय के कहानी संग्रह हैं।*

45. **रामविलास शर्मा की निम्नांकित कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) विराम चिह्न; भाषा, साहित्य और संस्कृति; प्रगति और परम्परा; भाषा, युगबोध और कविता
(B) प्रगति और परम्परा; भाषा, साहित्य और संस्कृति; भाषा, युगबोध और कविता; विराम चिह्न
(C) भाषा, युगबोध और कविता; भाषा, साहित्य और संस्कृति; प्रगति और परम्परा; विराम चिह्न
(D) प्रगति और परम्परा; विराम चिह्न; भाषा, युगबोध और कविता; भाषा, साहित्य और संस्कृति

उत्तर- (B)/ व्याख्या *प्रगति और परम्परा (1949), साहित्य और संस्कृति (1949), भाषा, साहित्य और संस्कृति (1954) , प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ (1954), मानव सभ्यता का विकास (1965), आस्था और सौन्दर्य (1961) , भाषा और समाज (1961), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978), परम्परा का मूल्यांकन (1981), भाषा युगबोध और कविता (1981), लोक जागरण और हिन्दी-साहित्य (1985), हिन्दी जाति का साहित्य(1986), विराम चिह्न इत्यादि राम विलास शर्मा के ग्रंथ हैं।*

46. **विद्यानिवास मिश्र के निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही क्रम हैः**
(A) कदम की फूली डाल, तुम चंदन हम पानी, तमाल के झरोखे से, सेफाली झर रही है
(B) तुम चंदन हम पानी, सेफाली झर रही है, कदम की फूली डाल, तमाल के झरोखे
(C) सेफाली झरी रही है, तुम चंदन हम पानी, तमाल के झरोखे से, कदम की फूली डाली
(D) तमाल के झरोख, तुम चंदन हम पानी, कदम की फूली डाल, सेफाली झरी रही है

उत्तर- (A)/ व्याख्या *छितवन की छाँह (1953- प्रथम), कदम की फूली डाल (1956), तुम चन्दन हम पानी (1957), मैंने सिल पहुँचाई (1966), परम्परा बंधन नहीं (1976), तमाल के झरोखे से (1981), संचारिणी (1982), अंगद की नीयति (1984), लागौं रंग हरी (1985), शेफाली झर रही है (1989), फागुन दुई रे दिना (1994), शिरीष की याद आई (1995), गाँधी का करुणरस (2002), साहित्य के सरोकार (2007), इत्यादि विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रह हैं।*

47. **शरद जोशी के व्यंग्य निबंधों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम हैः**
(A) राह किनारे बैठ, यत्र-तत्र सर्वत्र , हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, तिलस्म,
(B) तिलस्म, यत्र-तत्र सर्वत्र ,राह किनारे बैठ, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे,
(C) हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, राह किनारे बैठ,तिलस्म, यत्र-तत्र सर्वत्र ,
(D) यत्र-तत्र सर्वत्र, राह किनारे बैठ, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, तिलस्म

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जीप पर सवार इल्लियाँ (1971), हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे (1971), राह किनारे बैठे (1973), तिलिस्म (1975), यत्र-तत्र सर्वत्र (2000), श्री गणेशाय नमः साहित्य का महाबली, नदी में खड़ा कवि इत्यादि शरद जोशी के निबन्ध संग्रह है। यह व्यंग्य निबन्धकार हैं।*

48. **नेमिचंद जैन की रचनाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है**
(A) रंगदर्शन, तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार, जनांतिक
(B) जनांतिक, रंगदर्शन, तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार
(C) अधूरे साक्षात्कार, रंगदर्शन, जनांतिक, तीसरा पाठ
(D) तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार, जनांतिक, रंगदर्शन ,

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *अधूरे साक्षात्कार (1966), रंगदर्शन (1967), बदलते परिप्रेक्ष्य (1968), जनांतिक (1981) दृश्य-अदृश्य (1993),रंग परम्परा (1996),तीसरा पाठ (1998), नेमिचन्द्र जैन के समीक्षात्मक ग्रन्थ हैं।*

49. **राही मासूम रज़ा के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है**
(A) आधा गाँव, टोपी शुक्ला, दिल एक सादा कागज़, असंतोष के दिन
(B) दिल एक सादा कागज़, टोपी शुक्ला, आधा गाँव, असंतोष के दिन
(C) असंतोष के दिन, आधा गाँव, दिल एक सादा कागज़, टोपी शुक्ला
(D) टोपी शुक्ला, असंतोष के दिन, आधा गाँव, दिल एक सादा कागज़

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *आधा गाँव (1966), टोपी शुक्ला या बलभद्र नारायण (1969), हिम्मत जौनपुरी (1969), दिल एक सादा कागज़ (1973), सीना-75 (1977), कटरा बी आरज़ू (1978), असंतोष के दिन (1985), और नीम का पेड़ (2003), इत्यादि राही मासूम रज़ा के उपन्यास हैं।*

50. **निम्नांकित ऐतिहासिक उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) मधुर स्वप्न, कुणाल की आँखें, गढ़ कुंढार, वयं रक्षामः
(B) गढ़ कुंढार, मधुर स्वप्न, वयं रक्षामः, कुणाल की आँखें
(C) वयं रक्षामः, गढ़ कुंढार, कुणाल की आँखें, मधुर स्वप्न
(D) मधुर स्वप्न, गढ़ कुंढार, कुणाल की आँखें, वयं रक्षामः

उत्तर- (B)/

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
गढ़ कुंढार	*1929*	*वृन्दावन लाल वर्मा*
मधुर स्वप्न	*1950*	*राहुल सांकृत्यायन*
वयं रक्षामः	*1955*	*चतुर सेन शास्त्री*
कुणाल की आँखे	*1967*	*आनन्द प्रकाश जैन*

51. **निम्नांकित महिला कथाकारों के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है :**
(A) पचपन खम्भे लाल दीवारें, तत्सम, दिलो दानिश, आँवा
(B) तत्सम,दिलो दानिश,पचपन खम्भे लाल दीवारें, आँवा
(C) आँवा,तत्सम,दिलो दानिश,पचपन खम्भे लाल दीवारें
(D) दिलो दानिश,आँवा,तत्सम,पचपन खम्भे लाल दीवारें

उत्तर- (A)/

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
पचपन खम्भे लाल दीवारें	*1961*	*उषा प्रियंवदा*
तत्सम	*1983*	*राजी सेठ*
दिलोदानिश	*1993*	*कृष्णा सोबती*
आवाँ	*1999*	*चित्रामुद्‌गल*

52. **निम्नांकित गीतिनाट्यों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है :**
(A) अंधायुग, एक कंठ विषपायी, मत्स्य गंधा, अग्निलीक
(B) अग्निलीक, एक कंठ विषपायी, अंधायुग, मत्स्य गंधा
(C) अग्निलीक, अंधायुग, मत्स्य गंधा, एक कंठ विषपायी
(D) मत्स्य गंधा, अंधायुग, एक कंठ विषपायी, अग्निलीक

उत्तर- (D)/

गीतिनाट्य	प्र. वर्ष	नाटककार
मत्स्यगंधा	*1937*	*उदय शंकर भट्ट*
अंधायुग	*1955*	*धर्मवीर भारती*
एक कंठ विषपायी	*1963*	*दुष्यन्त कुमार*
अग्निलीक	*1976*	*भारत भूषण अग्रवाल*

53. **निम्नांकित दलित लेखकों की आत्मकथाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम हैः**
(A) तिरस्कृत, हादसे, जूठन, मुर्दहिया
(B) मुर्दहिया, तिरस्कृत, जूठन, हादसे
(C) जूठन, तिरस्कृत, हादसे, मुर्दहिया
(D) हादसे, मुर्दहिया, तिरस्कृत, जूठन

उत्तर- (C)/

आत्मकथा	प्र.वर्ष	आत्मकथाकार
जूठन	*1997*	*ओम प्रकाश बाल्मीकि*
तिरस्कृत , संतप्त	*2002, 2006*	*डॉ. सूरज पाल चौहान*
हादसे	*2005*	*रमणिका गुप्ता*
मुर्दहिया, मणिकर्णिका	*2010, 2014*	*डॉ. तुलसी राम*
मेरी पत्नी और भेड़िया	*2010*	*डॉ. धर्मवीर*
शिकंजे का दर्द	*2012*	*सुशीला टाकभौरे*

54. **ज्ञानपीठ प्रदान किए गए वर्षों के अनुसार निम्नांकित साहित्यकारों का सही अनुक्रम है :**
(A) श्री नरेश मेहता, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानन्दन पंत
(B) रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, श्री नरेश मेहता
(C) सुमित्रानन्दन पंत, रामधारी सिंह दिनकर, श्री नरेश मेहता, महादेवी वर्मा
(D) महादेवी वर्मा, सुमित्रानन्दन पंत, श्री नरेश मेहता, रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *दिये गये विकल्पों में उत्तर उल्टे क्रम में है। सीधे क्रम में कोई भी विकल्प सही नहीं है।*

हिन्दी ज्ञान पीठ पु० कवि	वर्ष	कृति
सुमित्रानंदन पन्त	1968	*चिदम्बरा*
दिनकर	1972	*उर्वशी*
अज्ञेय	1978	*कितनी नावों में कितनी बार*
महादेवी वर्मा	1982	*यामा*
नरेश मेहता	1992	*सम्पूर्ण साहित्य*
निर्मल वर्मा	1999	*सम्पूर्ण सा.*
कुँवर नारायण	2005	*सम्पूर्ण सा.*
श्री लाल शुक्ल	2009	*सम्पूर्ण सा. खासकर रागदरबारी के लिए*
अमरकान्त	2009	*स. सा. खासकर इन्ही हथियारों के लिये*
केदार नाथ सिंह	2013	*सम्पूर्ण सा.*

55. **महिला रचनाकारों के निम्नांकित कहानी संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :**
(A) जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, यही सच है, बोलने वाली औरत
(B) यही सच है, जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, बोलने वाली औरत
(C) बोलने वाली औरत, जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, यही सच है
(D) एक स्त्री का विदागीत, बोलने वाली औरत, जोड़ बाकी, यही सच है

उत्तर- (B)

कहानी संग्रह	प्र.वर्ष	कहानीकार
यही सच है	*1966*	*मन्नू भण्डारी*
जोड़ बाकी	*1981*	*शशि प्रभाशास्त्री*
एक स्त्री का विदा गीत	*1983*	*मृणाल पाण्डेय*
बोलने वाली औरत	*2000*	*ममता कालिया*

56. **स्थापना (Assertion) (A) : जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है, वैसे ही नाटक में रस की।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नाटक में रस की स्थिति आद्यंत होती है
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या *जैसे विश्व की अभिव्यक्ति का मूल विश्वात्मा है, वैसे ही नाटक की अभिव्यक्ति का मूल रस है। प्रेक्षक अन्ततः नाटक में रस का अनुभव ही करता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

57. **स्थापना (Assertion) (A) : छायावाद के संबंध में मान्यता है कि किसी कविता के भावों की छाया यदि कहीं अन्यत्र जाकर पड़े तो उसे छायावादी कविता कहना चाहिए।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि छायावादी कविता अन्योक्ति से अधिक नहीं है ।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D) व्याख्या *छायावादी कविता अपनी बात को सीधे न कहकर प्रतीक या अन्योक्ति के माध्यम से कहती है। इसलिए इसे आध्यात्म के सन्दर्भ में 'रहस्यवादी' प्रेम के सन्दर्भ में 'स्वच्छन्दतावादी इत्यादि कहा जाता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

58. **स्थापना (Assertion) (A):जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है । हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द-विधान करती आई है, उसे कविता कहते हैं।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनुष्य की चेतना को अनासक्त बनाती है ।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या *शुक्ल के अनुसार जब आत्मा सांसारिक माया से मुक्त होता है तो ज्ञानदशा की ओर अग्रसर हो जाता है। उसी तरह हृदय जब बन्धनों से मुक्त होता है तो रसदश को प्राप्त करता है और सहृदय कहलाता है। हृदय की इसी मुक्ति साध्य के लिए जब मनुष्य की वाणी शब्द-विधि का सहारा साधन के रूप लेता है तो वह कविता कहलाती है। कविता मनुष्य की चेतना को आसक्त या सशक्त बनाती है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

59. **स्थापना (Assertion) (A): शास्त्री सिद्धांत परिवर्तनशील हैं, उनका युगानुकूल पुनराख्यान होना चाहिए।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि शास्त्रीय सिद्धांतों का युगानुकूल पुनराख्यान न होने से उनका महत्त्व बना रहता है
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (B) व्याख्या *कोई भी व्यवस्था या सिद्धान्त अपने समय के लिए तो उपयुक्त होती हैं, लेकिन वह हमेशा उपयुक्त नहीं रह सकती है क्योंकि समय परिवर्तनशील है अतः व्यवस्था भी परिवर्तनीय होनी चाहिए यदि वह प्रासंगिक न रह गयी हो तो। इसलिए सिद्धान्त का पुनराख्यान होना चाहिए पुनराख्यान इसलिए होना चाहिए कि हम समय की माँग को पूरा कर सके और आगे बढ़े न कि इसलिए कि उनका महत्त्व कम करना है अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

60. **स्थापना (Assertion) (A): सर्वभूत को आत्मभूत करके अनुभव करना ही काव्य का चरम लक्ष्य है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्यकार लोकसत्ता को न स्वीकार करके सिर्फ व्यक्ति सत्ता को स्वीकार करता है ।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनो सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनो गलत

उत्तर- (C) व्याख्या *काव्य का चरम लक्ष्य ही है कि कवि सर्वभूत (सब का) आत्मभूत (अपना) अनुभव करके व्यक्त करें। साहित्यकार के लिए व्यक्ति सत्ता से ज्यादा महत्त्व लोकसत्ता का होता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

61. **स्थापना (Assertion) (A): भक्ति में लेन-देन का भाव नहीं होता।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि लेन-देन का भाव स्वार्थ की जमीन पर प्रतिष्ठित होता है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D) व्याख्या *भक्ति निःस्वार्थ भाव से किया जाने वाला कार्य है। इसमें लेन-देने का भाव नहीं होता जहाँ लेने-देने का भाव होता है वहाँ स्वार्थ की स्थापना होती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

62. **स्थापना (Assertion) (A): जिस साहित्य से हमारी सुरुचि न जागे वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सुरुचि संपन्नता मात्र साहित्य तक ही सीमित है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R)सही

उत्तर- (A) व्याख्या साहित्य का कार्य समाज का हित करना है। अगर साहित्य ऐसा है जो हमारे अन्दर सुन्दर विचार,भाव या रुचि न जगा सके तो वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है। सुरुचि सम्पन्नता को प्रतिष्ठित करने का माध्यम साहित्य मात्र ही नहीं है। इसके अन्य भी माध्यम हैं। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।

63. स्थापना (Assertion) (A): रचना जीवन का अर्थ विस्तार करती है, तो भावक तथा आलोचक रचना का अर्थ विस्तार करता है । तर्क (Reason) (R) : क्योंकि रचना में जीवन का संचित अनुभव निहित होता है ।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या कोई भी रचना जीवन का अर्थ विस्तार करती है। भावक तथा आलोचक रचना का अर्थ विस्तार करता है। क्योंकि आलोचना को रचना का पुनर्सृजन माना जाता है। रचना में लेखक या कवि के जीवन का संचित अनुभव निहित होता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।

64. स्थापना (Assertion) (A): विखंडनवाद मार्क्सवाद का विस्थापन नहीं है अपितु उसकी जड़ों तक पहुँचना है। तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मार्क्सवाद से विखंडनवाद का जन्म हुआ है ।

(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D) व्याख्या मार्क्सवाद सामाजिक यथार्थ की बात करता है तथा तर्क के माध्यम से उसकी जड़ तक जाने की बात करता है। विखंडनवाद भी जड़ तक पहुँचाने की बात करता है। अतः दोनों एक दूसरे से सन्दर्भित होते हैं। मार्क्सवाद और विखंडनवाद दोनों अलग-अलग विचार हैं। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।

65. स्थापना (Assertion) (A) : मिथक मनुष्य जाति के सांस्कृतिक इतिहास का आख्यान है। तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मिथक के बिना इतिहास का लेखन असंभव है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A) व्याख्या मिथक एक आस्था एवं विश्वास है जो जनश्रुति एवं पौराणिक कथाओं के माध्यम से व्यक्त होता है। यह सांस्कृतिक इतिहास का आख्यान होता है। मिथक के बिना इतिहास लेखन सम्भव है मिथक में तमाम ऐसी बातें होती हैं जो तर्क तथा कसौटी पर खरी नहीं उतरती हैं जबकि इतिहास में अमूमन ऐसा बहुत ही कम होता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।

66. निम्नलिखित कवियों को उनके काव्य संग्रहों के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) नरेन्द्र वर्मा — i. फूल नहीं रंग बोलते हैं
(b) नागार्जुन — ii. बुनी हुई रस्सी
(c) केदार नाथ अग्रवाल — iii. आत्मजयी
(d) भावनी प्रसाद मिश्र — iv. युगधारा
v. प्रवासी के गीत

कूटः

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	v	iii
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	v	iv	i	ii
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर- (C)

कवि	काव्य संग्रह	वर्ष
नरेंद्र शर्मा	प्रवासी के गीत	1939
नागार्जुन	युगधारा	1956
केदारनाथ अग्रवाल	फूल नही रंग बोलते हैं	1965
भावनी प्रसाद मिश्र	बुनी हुई रस्सी	1971
कुँवर नारायण	आत्मजयी	1965

67. निम्नलिखित साहित्यकारों को उनके द्वारा संपादित पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) गणेश शंकर विद्यार्थी — i. चाँद
(b) चंद्रधर शर्मा गुलेरी — ii. मतवाला
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र — iii. प्रताप
(d) महादेवी वर्मा — iv. समालोचक
v. कविवचन सुधा

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	i
(B)	i	ii	iii	v
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	iii	v	iv

उत्तर- (A)

साहित्यकार	सम्पादित पत्रिका	स्था.वर्ष
गणेश शंकर विद्यार्थी	प्रताप	1913
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	समालोचक	1902
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कविवचन सुधा	1868
महादेवी वर्मा	चाँद	1920
निराला	मतवाला	1923

68. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) संजीव — i. समर शेष है
(b) बदीउज्जमां — ii. सूत्रधार
(c) राही मासूम रज़ा — iii. नागफनी का देश
(d) अमृतराय — iv. एक चूहे की मौत
v. दिल एक सादा कागज़

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	v	iii
(B)	i	ii	iii	v
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	ii	iv	iii

उत्तर- (A)

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
संजीव	सूत्रधार	2003
बदी उज्जमा	एक चूहे की मौत	1971
राही मासूम रज़ा	दिल एक सादा कागज़	1973
अमृत राय	नागफनी का देश	1953
विवेकी राय	समर शेष है	1988

69. **निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) तुलसीदास — i. रामस्वरूप चतुर्वेदी
(b) महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण — ii. शिवदानसिंह चौहान
(c) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष — iii. रामविलास शर्मा
(d) भाषा और संवेदना — iv. माता प्रसाद गुप्त
v. नेमिचन्द्र जैन

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iii	v	iv	ii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर- (D)

ग्रन्थ	वर्ष	ग्रंथकार
तुलसीदास	1940	माता प्रसाद गुप्त
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नव जागरण	1977	रामविलास शर्मा
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954	शिवदान सिंह चौहान
भाषा और संवेदना	1964	राम स्वरूप चतुर्वेदी
तार सप्तक	1943	नेमिचन्द्र जैन

70. **निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) बावनदास — i. रागदरबारी
(b) रगंनाथ — ii. आँवा
(c) मंदा — iii. मैला आँचल
(d) नमिता पाण्डे — iv. इदन्नमम्
v. आधा गाँव

कूट :

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	i
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर- (B)

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
बावनदास	मैला आँचला	रेणु
रंगनाथ	रागदरबारी	श्री लाल शुक्ल
मंदा	इदन्नमम्	मैत्रेयी पुष्पा
नमिता पाण्डे	आँवा	चित्रा मुद्गल
सैयद मियाँ	आधा गाँव	राही मासूम रज़ा

71. **निम्नलिखित पात्रों को उनके काव्यों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) यशोदा — i. असाध्य वीणा
(b) शची — ii. प्रिय प्रवास
(c) अश्वत्थामा — iii. आत्महत्या के विरुद्ध
(d) केशकम्बली — iv. अंधा युग
v. विष्णुप्रिया

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	ii	v	iv	i
(C)	iv	iii	ii	v
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर- (B)

पात्र	काव्य	काव्यकार
यशोदा	प्रिय प्रवास	हरिऔध
शची	विष्णु प्रिया	मैथिली शरण गुप्त
अश्वत्थामा	अंधायुग	धर्मवीरभारती
केशकम्बली	असाध्यवीणा	अज्ञेय

72. **निम्नलिखित सिद्धांतों को उनके विचारकों के साथ सुमेलित कीजिए:**

(a) मनोविश्लेषणवाद — i. अभिनव गुप्त
(b) अस्तित्ववाद — ii. महिम भट्ट
(c) उत्पत्तिवाद — iii. ज्याँ पाल सार्त्र
(d) अभिव्यक्तिवाद — iv. युंग
v. भट्टलोल्लट

कूट :

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	iii	ii	iv	v
(C)	iv	iii	v	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर- (C)

सिद्धान्त	विचारक
मनोविश्लेषणवाद	युंग
अस्तित्ववाद	ज्याँ पाल सार्त्र
उत्पत्तिवाद	भट्टलोल्लट
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त

73. **निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) मवाली — i. कमलेश्वर
(b) पॉल गोमरा का स्कूटर — ii. शेखर जोशी
(c) गुल की बन्नौ — iii. मोहन राकेश
(d) राजा निरबंसिया — iv. उदय प्रकाश
v. धर्मवीर भारती

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	i
(B)	i	iii	ii	v
(C)	ii	iv	iii	v
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर- (A)

कहानी	कहानीकार
मावली	मोहन राकेश
पॉल गोमरा का स्कूटर	उदय प्रकाश
गुल की बन्नो	धर्मवीर भारती
राजा निरबंसिया	कमलेश्वर
कोसी का घटवार	शेखर जोशी

74. **निम्नलिखित निबंधों को उनके निबंधकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(a) ठिठुरता हुआ गणतंत्र — i. कुबेरनाथ राय
(b) वसंत आ गया है — ii. रामचंद्र शुक्ल
(c) प्रिया नीलकंठी — iii. बालकृष्ण भट्ट
(d) काव्य में रहस्यवाद — iv. हजारी प्रसाद द्विवेदी
v. हरिशंकर परसाई

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	ii	v	iv

उत्तर- (C)

निबन्ध	निबन्धकार
ठिठुरता हुआ गणतंत्र	*हरिशंकर परसाई*
बसंत आ गया है	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
प्रिया नीलकंठी	*कुबेरनाथ राय*
काव्य में रहस्यवाद	*रामचन्द्र शुक्ल*
संसार महानाट्यशाला	*बालकृष्ण भट्ट*

75. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) विषम शिला संकुला
पर्वतोभूता गंगा शशितारकहारा
अभिद्रुता अतिशय पूता — i. त्रिलोचन

(b) अर्ध विवृत जघनों पर
तरुण सत्य के सिर धर
लेटी थी वह दामिनी-सी
रुचि गौर कलेवर — ii. सुमित्रानंदन पंत

(c) तुम मुझे प्रेम करो, जैसे
मछलियाँ लहरों से करती हैं — iii. कुँवर नारायण

(d) अनंत विस्तार का अटूट
मौन मुझे भयभीत करता है — iv. शमशेर बहादुर सिंह

v. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	v
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iii	v	ii	iv
(D)	iv	v	iii	i

उत्तर- (B)

काव्य पंक्ति	कवि
विषमशिला-------अतिशय पूता	*त्रिलोचन*
अर्ध विवृत----रुचि गौर कलेवर	*पंत*
तुम मुझे------------करती हैं	*शमशेर बहादुर सिंह*
अनंत विस्तार---------भयभीत करता है	*कुँवर नारायण*
लो और तेज हो गया उनका रोजगार, जो कहते आ रहे हैं पैसे लेकर उतार देंगे पार	*सर्वेश्वर दयाल सक्सेना*

व्याख्यात्मक हल

UGC NET/ J.R.F. EXAM

DECEMBER : 2013

प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'कॉमरेड का कोट' किसकी रचना है?
(A) अमरकांत (B) राजेश जोशी
(C) सृंजय (D) फणीश्वरनाथ रेणु

उत्तर- (C) व्याख्या *'भगदत्त का हाथी' (1988), 'कॉमरेड का कोट' (1993) तथा 'नंगा' (2001) समकालीन कहानीकार 'सृंजय' के प्रसिद्ध कहानी-संग्रह हैं।*

2. 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' के लेखक कौन हैं?
(A) पुष्पदंत (B) रोड़ कवि
(C) ठाकुर ज्योतिरीश्वर (D) दामोदर शर्मा

उत्तर- (D) व्याख्या *'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' 12वीं शताब्दी में रचित है। इसके रचनाकार दामोदर शर्मा हैं। यह एक व्याकरण ग्रन्थ है। महापुराण, णयकुमार चरिउ तथा जसहर चरिउ- पुष्पदंत की, राउलवेल (चम्पूकाव्य)- रोड़ कवि की तथा वर्णरत्नाकर (14वीं शती) में रचित ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना है। यह मैथिली की प्राचीनतम कृति है एवं एक शब्दकोश ग्रंथ है।*

3. 'श्यामा स्वप्न' के लेखक कौन हैं?
(A) किशोरीलाल गोस्वामी (B) ठाकुर जगन्मोहन सिंह
(C) ब्रजनंदन सहाय (D) गोपालराम गहमरी

उत्तर- (B) व्याख्या *ठाकुर जगन्मोहन सिंह भारतेन्दु युग के श्रृंगार रस तथा प्रकृति चित्रण के प्रसिद्ध काव्यकार हैं। 'श्यामास्वप्न' (1888) इनका प्रसिद्ध उपन्यास है। 'प्रेमसम्पत्तिलता', 'श्यामालता', 'श्यामा-सरोजिनी', 'देवयानी' इनकी प्रमुख काव्य-कृतियाँ हैं। किशोरीलाल गोस्वामी भारतेन्दु युग के प्रमुख सामाजिक एवं ऐतिहासिक उपन्यासकार हैं। इन्होंने अपने उपन्यास के लिये दो नाम का प्रयोग किया है। सौन्दर्योपासक, अरण्यबाला, लालचीन इत्यादि ब्रजनंदन सहाय के उपन्यास हैं। चक्करदार चोरी, भोजपुर में ठगी इत्यादि गोपालराम गहमरी के जासूसी उपन्यास हैं। इन्हें जासूसी उपन्यास का पुरस्कर्ता माना जाता है।*

4. 'मेरी तेरी उसकी बात' के लेखक कौन हैं?
(A) भगवतीचरण वर्मा (B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर (D) शिवप्रसाद सिंह

उत्तर- (B) व्याख्या *'दादा-कामरेड' (1941) यशपाल का पहला उपन्यास है। 'देशद्रोही' (1943), 'दिव्या' (1945), 'पार्टी कामरेड' (1946), 'अमिता' (1956), झूठा-सच' (दो-भाग) (1958-60) तथा 'मेरी तेरी उसकी बात' (1974) यशपाल के प्रसिद्ध उपन्यास हैं। पतन, चित्रलेखा, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, रेखा, प्रश्न और मारीचिका इत्यादि भगवती चरण वर्मा। महाकाल, बूँद और समुद्र, सेठ बाँकेलाल, सुहाग के नूपुर, अग्निगर्भा, पीढ़ियाँ इत्यादि अमृतलाल नागर के और नीला चाँद, वैश्वानर, कुहरे में युद्ध, अलग-अलग वैतरणी इत्यादि शिव प्रसाद सिंह के उपन्यास हैं।*

5. इनमें से कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी वर्ग की नहीं है?
(A) अवधी (B) ब्रज (C) बुन्देली (D) कन्नौजी

उत्तर- (A) व्याख्या *हिन्दी की कुल 5 उपभाषाएँ तथा 18 बोलियाँ हैं।*

हिन्दी की उपभाषाएँ	बोलियाँ
1. पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी (बंगारू), बुंदेली, कन्नौजी।
2. पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी।
3. राजस्थानी हिन्दी	पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी), पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी), उत्तरी राजस्थानी (मेवाती), दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)।
4. बिहारी हिन्दी	भोजपुरी, मगही, मैथली।
5. खस या पहाड़ी	गढ़वाली, कुमायूँनी, नेपाली

6. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान है
(A) मूर्धन्य (B) तालव्य (C) दन्त्य (D) ओष्ठ्य

उत्तर- (B) व्याख्या *'श' का तालव्य, 'ष' का मूर्धन्य तथा 'स' का उच्चारण स्थान दन्त्य है।*

7. 'भाषा और समाज' के लेखक कौन हैं?
(A) राम विलास शर्मा (B) देवेन्द्र नाथ शर्मा
(C) धीरेन्द्र वर्मा (D) उदयनारायण तिवारी

उत्तर- (A) व्याख्या *'प्रगति और परम्परा' (1949), 'साहित्य और संस्कृति' (1949), 'आस्था और सौन्दर्य' (1961), 'भाषा और समाज' (1961), 'परम्परा का मूल्यांकन' (1981) इत्यादि मार्क्सवादी समीक्षक रामविलास शर्मा की रचनाएँ हैं। 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' (1984)- देवेन्द्रनाथ शर्मा, 'विचारधारा' (1953)- डॉ. धीरेन्द्र वर्मा तथा 'हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास' - उदयनारायण तिवारी की रचना है।*

8. 'अनुमितिवाद' की अवधारणा किसकी है ?
(A) शंकुक (B) रुद्रट (C) भट्टनायक (D) विश्वनाथ

उत्तर- (A) व्याख्या *'भरतमुनि के रस सूत्र - ''विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगादस-निष्पत्तिः'' की व्याख्या चार विद्वानो ने की है जिनका सिद्धान्त क्रमशः निम्नवत् है-*

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
1. भट्टलोलट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद	मीमांसा
2. शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
3. भट्टनायक	भुक्ति या भोगवाद	सांख्य
4. अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

9. 'जादुई यथार्थवाद' के प्रतिष्ठापक कौन हैं?
(A) कीट्स (B) देरिदा (C) फ्रॉयड (D) बुअलो

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'जादुई यथार्थवाद' के प्रतिष्ठापक 'बुअलो' हैं।*

10. **उत्तर संरचनावाद के मुख्य विचारक हैं :**

(A) दान्ते (B) ब्रेडले (C) सास्यूर (D) जॉनसन

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'उत्तरसंरचनावाद' भाषिक सिद्धान्त पर आधारित है, इसमें भाषा का सम्बन्ध बाह्य जगत से नहीं होता है। वह स्वायत्त है। भाषा के बाहर कोई यथार्थ नहीं है। जिसे यथार्थ जगत कहा जाता है, वह वस्तुतः भाषा के द्वारा निर्मित है। इसके मुख्य विचारकों में- सास्यूर, देरिदा, रोलां बार्थ, मिशेल फूको इत्यादि आते हैं।*

11. **'अर्धकथानक' किस भाषा की रचना है?**

(A) अवधी (B) ब्रज (C) बुंदेली (D) राजस्थानी

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'अर्धकथानक' (1641) में रचित बनारसी दास जैन की आत्मकथा है यह हिन्दी की प्रथम आत्मकथा मानी जाती है। यह पद्यात्मक है, इसकी भाषा 'ब्रज' है।*

12. **इनमें से कौन सी दलित आत्मकथा नहीं है ?**

(A) नागफनी (B) जूठन
(C) अपनी खबर (D) मुर्दहिया

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'अपनी-खबर'(1960) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' की आत्मकथा है। जो कि दलित आत्मकथा नहीं है।*
(i) नागफनी (2007)- रूपनारायण सोनकर
(ii) जूठन (1997)- ओम प्रकाश वाल्मीकि
(iii) मुर्दहिया (2010)- डॉ. तुलसीराम की दलित आत्मकथा है।

13. **''उज्ज्वल वरदान चेतना का, सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं।'' यह पंक्ति कामायनी के किस सर्ग से है?**

(A) श्रद्धा (B) आशा (C) लज्जा (D) आनंद

उत्तर- (C)/ व्याख्या *''उज्ज्वल वरदान चेतना का सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं, जिसमें अनन्त अभिलाषा के सपने सब जगते रहते हैं।'' यह पंक्ति जयशंकर प्रसाद की रचना 'कामायनी' के छठवें सर्ग 'लज्जा' की है। 'कामायनी' में कुल 15 सर्ग हैं।*

14. **''सुनिहै कथा कौन निर्गुन की,**
रचि पचि बात बनावत
सगुन सुमेरु प्रगट देखियत,
तुम तृन की ओट दुरावत।''
ये पंक्तियाँ किसकी हैं?

(A) सूरदास (B) नंददास
(C) कृष्णदास (D) परमानंद दास

उत्तर- (A)/ व्याख्या *''सुनिहै कथा .... दुरावत।'' पंक्तियाँ भक्तिकालीन कृष्णभक्ति शाखा के प्रमुख कवि सूरदास की है।*

15. **''कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन?'' कथन किस रचना से है ?**

(A) ध्रुवस्वामिनी (B) प्रेमयोगिनी
(C) कर्पूर मंजरी (D) नीलदेवी

उत्तर- (A)/ व्याख्या *''कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन।'' यह कथन प्रसाद की रचना ध्रुवस्वामिनी (नाटक) में ध्रुवस्वामिनी द्वारा कथित है।*

16. **'आखिरी कलाम' काव्य का प्रतिपाद्य विषय है**

(A) इस्लाम दर्शन (B) प्रेमाख्यान
(C) लोक संस्कृति (D) युगबोध

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'आखिरी कलाम' जायसी की रचना है। इसमें फारसी अक्षरों का प्रयोग किया गया है। 'बाबर' की प्रशंसा के साथ कयामत (इस्लाम दर्शन) का वर्णन किया गया है। जायसी की अन्य रचनाएँ - पद्मावत, अखरावट, चित्ररेखा, मसलनामा तथा कन्हावत हैं।*

17. **'तद्भव' पत्रिका का प्रकाशन स्थल है**

(A) भोपाल (B) दिल्ली (C) लखनऊ (D) अहमदाबाद

उत्तर- (C)

पत्रिका	प्र०वर्ष	प्र०स्थल	सम्पादक
तद्भव	1999	लखनऊ	अखिलेश
कथादेश	1997	दिल्ली	हरिनारायण
पूर्वाग्रह	1974	भोपाल	अशोक बाजपेयी
हिन्दी नवजीवन	1921	अहमदाबाद	महात्मा गाँधी

18. **'व्योमकेश दरवेश' के लेखक कौन हैं?**

(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) यशपाल
(C) रुद्र काशिकेय (D) विश्वनाथ त्रिपाठी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'व्योमकेश दरवेश' (2011 ई.) विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा लिखित हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवनी है। इस कृति के लिये त्रिपाठी को 2013 का व्यास सम्मान प्रदान किया गया है।*

19. **इनमें से किस कवि का समावेश अज्ञेय संपादित ''चौथा सप्तक'' में किया गया है?**

(A) जगदीश गुप्त (B) सुमन राजे
(C) नागार्जुन (D) शम्भुनाथ सिंह

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'तार सप्तक'(1943), दूसरा सप्तक (1951), 'तीसरा सप्तक' (1959) तथा 'चौथा सप्तक' (1979) का सम्पादन 'अज्ञेय' ने किया है। प्रत्येक सप्तक में (सात-सात) कवियों का संग्रह है। सुमन राजे 'चौथा सप्तक' की कवयित्री हैं। 4 सप्तक कवियों के नाम प्रभाकर माचवे, भारतभूषण अग्रवाल, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध तथा नेमिचन्द्र जैन- तारसप्तक के, शमशेर बहादुर सिंह, शकुन्तला माथुर, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, हरिनारायण व्यास तथा नरेश मेहता- दूसरा सप्तक के, कुँवर नारायण, केदारनाथ सिंह, कीर्ति चौधरी, प्रयाग नारायण त्रिपाठी, विजयदेव नारायण साही, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तथा मदन वात्स्यायन- तीसरा सप्तक के और अवधेश कुमार, राजकुमार कुंभज, स्वदेश भारती, सुमन राजे, राजेन्द्र किशोर, श्रीराम वर्मा तथा नन्द किशोर आचार्य चौथा सप्तक के कवि हैं।*

20. **'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' किस विधा से सम्बन्धित रचना है?**

(A) उपन्यास (B) रेखाचित्र
(C) यात्रा वृत्तांत (D) कहानी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' नामक लेख राहुल सांकृत्यायन के प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत - 'घुमक्कड़शास्त्र' (1948 ई.) में संकलित है।*

21. **निम्नलिखित लेखकों का जन्म के अनुसार सही अनुक्रम कौन सा है?**

(A) प्रतापनारायण मिश्र - बालमुकुन्द गुप्त - बालकृष्ण भट्ट - राजा लक्ष्मण सिंह
(B) बालमुकुन्द गुप्त - राजा लक्ष्मण सिंह - प्रतापनारायण मिश्र - बालकृष्ण भट्ट

(C) राजा लक्ष्मण सिंह - बालकृष्ण भट्ट - प्रतापनारायण मिश्र - बालमुकुन्द गुप्त
(D) बालकृष्ण भट्ट - प्रतापनारायण मिश्र - बालमुकुन्द गुप्त - राजा लक्ष्मण सिंह

उत्तर- (C) व्याख्या *जन्म के अनुसार लेखकों का क्रम इस प्रकार है-*

राजालक्ष्मण सिंह	*- (1826-1896)*
बालकृष्ण भट्ट	*- (1844-1914)*
प्रताप नारायण मिश्र	*- (1856-1894)*
बालमुकुन्द गुप्त	*- (1865-1907)*

22. इन कृतियों का काल के आधार पर सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) रसिकप्रिया - श्रृंगार मंजरी - षड्ऋतु वर्णन - रस रहस्य
(B) श्रृंगार मंजरी- षड्ऋतु वर्णन - रसिक प्रिया - रस रहस्य
(C) रस रहस्य - षड्ऋतु वर्णन - रसिकप्रिया - श्रृंगार मंजरी
(D) षड्ऋतु वर्णन - रस रहस्य - रसिकप्रिया - श्रृंगार मंजरी

उत्तर- (C) व्याख्या *कृतियों का प्रकाशन के अनुसार काल इस प्रकार है-*

कृति	प्र० वर्ष	रचनाकार
रसिकप्रिया	*1591 ई.*	*केशवदास*
श्रृंगार मंजरी	*1643 ई.*	*चिंतामणि*
षड्ऋतु-वर्णन	*1650-70 के बीच*	*ग्वाल*
रस रहस्य	*1670 ई.*	*कुलपति मिश्र*

23. निम्नलिखित मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) संन्यासी - अजय की डायरी - अपने अपने अजनबी - कल्याणी
(B) कल्याणी - संन्यासी - अजय की डायरी - अपने अपने अजनबी
(C) अजय की डायरी - कल्याणी - अपने अपने अजनबी - संन्यासी
(D) अपने अपने अजनबी - संन्यासी - अजय की डायरी - कल्याणी

उत्तर- (B) व्याख्या *मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का अनुक्रम निम्नवत् है-*

रचना	प्र०वर्ष	रचनाकार
कल्याणी	*1939 ई0*	*जैनेन्द्र*
संन्यासी	*1940 ई0*	*इलाचन्द्र जोशी*
अजय की डायरी	*1960 ई0*	*डॉ. देवराज*
अपने-अपने अजनबी	*1961 ई0*	*अज्ञेय*

24. प्रकाशन के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) कोर्ट मार्शल - कबिरा खड़ा बाजार में - कथा एक कंस की - द्रौपदी
(B) कबिरा खड़ा बाजार में - कथा एक कंस की - द्रौपदी - कोर्ट मार्शल
(C) कथा एक कंस की - द्रौपदी - कोर्ट मार्शल - कबिरा खड़ा बाजार में
(D) द्रौपदी - कथा एक कंस की - कबिरा खड़ा बाजार में - कोर्ट मार्शल

उत्तर- (D)

नाटक	प्र. वर्ष	नाटककार
1.द्रौपदी	1972 ई0	सुरेन्द्र वर्मा
2.कथा एक कंस की	1976 ई0	दया प्रकाश सिन्हा
3.कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई0	भीष्म साहनी
4.कोर्ट मार्शल	1991 ई0	स्वदेश दीपक

25. प्रकाशन के अनुसार इन पत्रिकाओं का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) हिन्दी प्रदीप - ब्राह्मण - चाँद - हंस
(B) ब्राह्मण - चाँद - हंस - हिन्दी प्रदीप
(C) चाँद - हंस - हिन्दी प्रदीप - ब्राह्मण
(D) हंस - हिन्दी प्रदीप- ब्राह्मण - चाँद

उत्तर- (A)

पत्रिका	प्र० वर्ष	स्थान	संपादक
1.हिन्दी प्रदीप (मासिक)	1877 ई0	इलाहाबाद	बालकृष्ण भट्ट
2.ब्राह्मण (मा0)	1883 ई0	कानपुर	प्रताप नारायण मिश्र
3.चाँद (सा0, मा0)	1920 ई0	प्रयाग	महादेवी वर्मा
4.हंस (मा0)	1930 ई0	बनारस, बाद में दिल्ली से	प्रेमचन्द

26. काल के अनुसार निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) खुमाण रासो - बीसलदेव रासो - चन्दनबाला रास - पउमचरिउ
(B) बीसलदेव रासो - चन्दनबाला रास - पउमचरिउ - खुमाण रासो
(C) पउमचरिउ - खुमाण रासो - बीसलदेव रासो - चन्दनबाला रास
(D) चन्दलवाला रास - पउमचरिउ - खुमाण रासो - बीसलदेव रासो

उत्तर- (C)

रचना	वर्ष	रचनाकार
पउमचरिउ	*8वीं शती*	*स्वयंभू*
खुमाण रासो	*9वीं शती*	*दलपति विजय*
वीसलदेव रासो	*1155 ई.*	*नरपति नाल्ह*
चन्दन बाला रास	*1200 ई. के लगभग*	*आसगु*

27. काल के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) भोजराज - रूय्यक - विश्वनाथ - वामन
(B) वामन - भोजराज - रूय्यक - विश्वनाथ
(C) रूय्यक - विश्वनाथ - वामन - भोजराज
(D) विश्वनाथ - वामन - भोजराज - रूय्यक

उत्तर- (B)

आचार्य	काल/समय	रचना
1. वामन	8वीं-9वी शती के मध्य	काव्यालंकार सूत्र वृत्ति
2. भोजराज	11वीं शती का पूर्वार्द्ध	सरस्वती कंठाभरण
3. रूय्यक	12वीं शती का मध्य	अलंकार सर्वस्व
4. विश्वनाथ	14वीं शती	साहित्य दर्पण

28. इन ग्रंथों का काल के आधार पर सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) काव्यादर्श - ध्वन्यालोक - काव्यप्रकाश - साहित्य दर्पण
(B) ध्वन्यालोक - काव्यप्रकाश - साहित्य दर्पण - काव्यादर्श
(C) काव्यप्रकाश - साहित्य दर्पण - काव्यादर्श - ध्वन्यालोक
(D) साहित्य दर्पण - काव्यादर्श - ध्वन्यालोक - काव्यप्रकाश

उत्तर- (A)

रचना	काल/समय	रचनाकार
काव्यादर्श	*600 ई.*	*दण्डी*
ध्वन्यालोक	*850 ई.*	*आनन्दवर्द्धन*
काव्य प्रकाश	*12वीं शताब्दी*	*मम्मट*
साहित्य-दर्पण	*1384 ई.*	*विश्वनाथ*

29. **चरण में मात्राओं की संख्या (कम से अधिक) के आधार पर मात्रिक छंदों का सही अनुक्रम कौन सा है ?**

(A) पीयूषवर्धक - रोला - गीतिका - चौपाई
(B) रोला - गीतिका - चौपाई - पीयूषवर्धक
(C) गीतिका - चौपाई - पीयूषवर्धक - रोला
(D) चौपाई - पीयूषवर्धक - रोला - गीतिका

उत्तर- (D)

छन्द	चरण	मात्राओं की संख्या
चौपाई	चार	16
पीयूषवर्धक	चार	19
रोला	चार	24
गीतिका	चार	26

30. **प्रकाशन के अनुसार इन उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) नदी के द्वीप - अँधेरे बंद कमरे - वे दिन - भाग्यवती
(B) अँधेरे बंद कमरे - वे दिन - भाग्यवती - नदी के द्वीप
(C) वे दिन - भाग्यवती - नदी के द्वीप - अँधेरे बंद कमरे
(D) भाग्यवती - नदी के द्वीप - अँधेरे बंद कमरे - वे दिन

उत्तर- (D)

उपन्यास	प्र० वर्ष	रचनाकार
1. भाग्यवती	1877	श्रद्धाराम फुल्लौरी
2. नदी के द्वीप	1951	अज्ञेय
3. अंधेरे बन्द कमरे	1961	मोहन राकेश
4.वे दिन	1964	निर्मल वर्मा

31. **निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए**

सूची- I		सूची - II	
a.	कविवचन सुधा	i.	प्रतापनारायण मिश्र
b.	ब्राह्मण	ii.	बालकृष्ण भट्ट
c.	हिन्दी प्रदीप	iii.	प्रेमचंद
d.	विश्वभारती	iv.	बाबू हरिश्चन्द्र
		v.	हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iv	i	ii	v
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर- (C)

पत्रिका	सम्पादक
कवि वचन सुधा	बाबू हरिश्चन्द्र
ब्राह्मण	प्रतापनारायण मिश्र
हिन्दी प्रदीप	बालकृष्ण भट्ट
विश्व भारती	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हंस	प्रेमचन्द

32. **निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए**

सूची - I		सूची - II	
a.	मैंने स्मृति के दीप जलाए	i.	शिवपूजन सहाय
b.	भावों की तीर्थयात्रा	ii.	फणीश्वरनाथ रेणु
c.	वे दिन वे लोग	iii.	रामनाथ सुमन
d.	वन तुलसी की गंध	iv.	विष्णु प्रभाकर
		v.	महादेवी वर्मा

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	v
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर- (B)

संस्मरण	प्र० वर्ष	रचनाकार
मैंने स्मृति के दीप जलाए	1976	रामनाथ सुमन
भावों (यादों) की तीर्थयात्रा	1981	विष्णु प्रभाकर
वे दिन वे लोग	1965	शिव पूजन सहाय
वन तुलसी की गंध	1984	फणीश्वर नाथ 'रेणु
पथ के साथी	1956	महादेवी वर्मा

33. **निम्नलिखित कृतियों को उनके विधा रूप के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची - I		सूची - II	
a.	एक कंठ विषपायी	i.	जीवनी
b.	अन्या से अनन्या	ii.	यात्रा-वृत्तांत
c.	एक बूँद-सहसा उछली	iii.	गीति नाट्य
d.	उत्तरयोगी : श्री अरविंद	iv.	आत्मकथा
		v.	संस्मरण

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर- (D)

रचना	विधा	रचनाकार
एक कंठ विषपायी	गीतिनाट्य	दुश्यन्त कुमार
अन्या से अनन्या	आत्मकथा	प्रभा खेतान
एक बूँद सहसा उछली	यात्रा-वृत्तांत	अज्ञेय
उत्तरयोगी श्री अरविंद	जीवनी	डॉ. शिव प्रसाद सिंह
वे देवता नहीं	संस्मरण	राजेन्द्र यादव

34. **निम्नलिखित लम्बी कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए:**

सूची - I		सूची - II	
a.	हरिजन गाथा	i.	अरुण कमल
b.	बाघ	ii.	निराला
c.	शिवाजी का पत्र	iii.	केदारनाथ सिंह
d.	प्रमथ्यु गाथा	iv.	नागार्जुन
		v.	धर्मवीर भारती

कोड :	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	ii	iv
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर- (A)

कविता	कविताकार
हरिजन गाथा	नागार्जुन
बाघ	केदारनाथ सिंह
शिवाजी का पत्र	निराला
प्रमथ्यु गाथा	धर्मवीर भारती
सबूत	अरुण कमल

35. **निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके लेखकों को सुमेलित कीजिएः**

सूची - I	सूची - II
a. मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ।	i. बालकृष्ण भट्ट
b. नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है।	ii. हजारीप्रसाद द्विवेदी
c. साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।	iii. प्रतापनारायण मिश्र
d. आचरण की सभ्यता का यह देश ही निराला है।	iv. रामचन्द्र शुक्ल
	v. सरदार पूर्णसिंह

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iv	i	v
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	i	ii	iii

उत्तर- (B)

पंक्तियाँ	लेखक
मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ।	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है।	*रामचन्द्र शुक्ल*
साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।	*बालकृष्ण भट्ट*
आचरण की सभ्यता का यह देश ही निराला है।	*सरदार पूर्णसिंह*
एक का अनेक होना ही नाश का हेतु है।	*प्रतापनारायण मिश्र*

36. **निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों को उनके निबंधकारों के साथ सुमेलित कीजिएः**

सूची - I	सूची - II
a. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है।	i. कुबेरनाथ राय
b. प्रिया नीलकंठी	ii. धर्मवीर भारती
c. ठेले पर हिमालय	iii. हजारीप्रसाद द्विवेदी
d. आलोक पर्व	iv. विद्यानिवास मिश्र
	v. विष्णुकांत शास्त्री

कोड :	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	v
(B)	v	iii	ii	iv
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर- (C)

निबन्ध	प्र० वर्ष	निबन्धकार
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	*1974*	*विद्यानिवास मिश्र*
प्रिया नीलकंठी	*1968*	*कुबेरनाथ राय*
ठेले पर हिमालय	*1958*	*धर्मवीर भारती*
आलोक पर्व	*1972*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
चिन्तनमुद्रा	*1977*	*विष्णुकान्त शास्त्री*

37. **निम्नलिखित कवियों को उनकी पंक्तियों के साथ सुमेलित कीजिएः**

सूची - I	सूची - II
a. अज्ञेय	i. बात बोलेगी हम नहीं, भेद खोलेगी बात ही
b. निराला	ii. मुक्त करो नारी को मानव
c. पंत	iii. रूपों में एक अरूप सदा खिलता है।
d. शमशेर बहादुर सिंह	iv. बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु
	v. व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर- (A)

कवि	पंक्तियाँ
अज्ञेय	*रूपों में एक अरूप सदा खिलता है।*
निराला	*बाँधों न नाव इस ठाँव बन्धु*
पंत	*मुक्त करो नारी को मानव*
शमशेर बहादुर सिंह	*बात बोलेगी हम नहीं, भेद खोलेगी बात ही*

38. **निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः**

सूची - I	सूची - II
a. केशव कहि न जाइ का कहिए।	i. सूर
b. अविगत गति कछु कहत न आवै।	ii. कबीर
c. राम भगति अनियारे तीन।	iii. जायसी
d. जोरी लाइ रकत कै लेई।	iv. तुलसी
	v. मीरा

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	iii	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर- (C)

पंक्तियाँ	कवि
केशव कहि न जाइ का कहिए	*तुलसीदास*
अविगत गति कछु कहत न आवै	*सूरदास*
राम भगति अनियारे तीन	*कबीरदास*
जोरी लाइ रकत कै लेई	*जायसी*
बसो मेरे नैनन में नंदलाल	*मीरा*

39. **निम्नलिखित कृतियों को उनके कवि आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिएः**

सूची - I	सूची - II
a. रस रहस्य	i. भिखारीदास
b. रससारांश	ii. कुलपति मिश्र
c. कविकुल कल्पतरु	iii. मतिराम
d. ललित ललाम	iv. चिंतामणि
	v. पद्माकर

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर- (B)

रचना	वर्ष	रचनाकार
रस रहस्य	*1670*	*कुलपति मिश्र*
रस सारांश	*1742*	*भिखारीदास*
कविकुल कल्पतरु	*1650*	*चिंतामणि*
ललित ललाम	*1661-64 के बीच*	*मतिराम*
पद्माभरण	*1810 के लगभग*	*पद्माकर*

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची- I		सूची - II	
a.	कवितावली	i.	पिंगल
b.	पृथ्वीराज रासो	ii.	ब्रज
c.	बरवैनायिका भेद	iii.	खड़ी बोली
d.	अमीर खुसरो की मुकरिया	iv.	अवधी
		v.	भोजपुरी

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	iii	ii
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

रचना	भाषा	रचनाकार
कवितावली	*ब्रज*	*तुलसीदास*
पृथ्वीराज रासो	*पिंगल*	*चन्दवरदाई*
बरवैनायिका भेद	*अवधी*	*रहीमदास*
अमीर खुसरो की मुकरिया	*खड़ी बोली*	*अमीर खुसरो*
विदेशिया	*भोजपुरी*	*ठाकुर कवि*

41. स्थापना (Assertion) (A) : उत्तर आधुनिकता वृद्ध पूँजीवाद है।
तर्क (Reason) (R) : इसमें विश्व बाजार से प्रभावित तीसरी दुनिया का उपभोक्तावादी चिन्तन ज्यादा मुखर हुआ है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C) व्याख्या *उत्तर आधुनिक विमर्श में पूँजीवाद का ह्रास होता है तथा उपभोक्तावाद को प्रमुखता प्रदान की जाती है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

42. स्थापना (Assertion) (A) : अधिकतर मनोवेत्ताओं के मतानुसार बुद्धिवादी पाठक का रचना के साथ पूर्ण तादात्म्य अथवा साधारणीकरण सहज सम्भव नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : आस्वादन के समय पाठक ''वेदान्तर शून्य'' हो जाता है, अतः मानसिक अन्तराल, के कारण उसका साधारणीकरण हो सकता है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *बुद्धिवादी पाठक का रचना के साथ तादात्म्य अथवा साधारणीकरण सहज सम्भव है। अतः (A) गलत तथा (R) सही है।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : वक्रोक्ति स्वतंत्र संप्रदाय न होकर आचार्य कुन्तक का एकल मतवाद है।
तर्क (Reason) (R) : संप्रदाय में एकाधिक विचारकों की सहभागिता अनिवार्य होती है। इसे अधिकतर आचार्यों ने अलंकार माना है, संप्रदाय नहीं।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A), (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (R) सही (A) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *'वक्रोक्ति' सम्प्रदाय नहीं है। यह एक सिद्धान्त है, जिसके प्रतिष्थापक आचार्य 'कुन्तक' हैं।*

किसी 'सम्प्रदाय' की प्रामाणिकता उसके मानने वालों की संख्या तथा विषय-वस्तु पर आधारित होती है। ज्यादातर आचार्य 'वक्रोक्ति' को मात्र एक अलंकार ही मानते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।

44. स्थापना (Assertion) (A) : 'रमणीयार्थ प्रतिपादक' प्रत्येक ''शब्द'' काव्य नहीं होता।
तर्क (Reason) (R) : जब सर्वोत्तम शब्द अपने सर्वोत्तम क्रम में किसी वाक्य में सुगठित हो जाता है, तब वह काव्य का स्तर प्राप्त करता है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *''रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्ः'' अर्थात् रमणीय अर्थ प्रदान करने वाले सर्वोत्तम शब्द जब अपने सर्वोत्तम क्रम में आते हैं तभी वह काव्य का स्तर प्राप्त करते हैं अन्यथा नहीं। यह कथन पंडित राज जगन्नाथ का है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : प्रतीकवाद एक प्रकार का काव्यात्मक रहस्यवाद है।
तर्क (Reason) (R) : इसमें केवल रहस्यपूर्ण और वक्रतापूर्ण सृजन किया जाता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या *प्रतीकवाद में प्रतीकों के माध्यम से रहस्यवाद की ओर संकेत किया जाता है। लेकिन यह केवल रहस्यपूर्ण और वक्रतापूर्ण सृजन नहीं करता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के दिए गये बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

'कल्पना' और 'व्यक्तित्व' की, पाश्चात्य समीक्षा-क्षेत्र में, इतनी अधिक मुनादी हुई कि काव्य के और सब पक्षों से दृष्टि हटकर इन्हीं दो पर जा जमी। 'कल्पना' काव्य का बोधपक्ष है। कल्पना में आई - व्यापार- योजना का कवि या श्रोता को अंतः साक्षात्कार का बोध होता है। पर इस बोधपक्ष के अतिरिक्त काव्य का भावपक्ष भी है। कल्पना को रूप योजना के लिए प्रेरित करने वाले और कल्पना में आई हुई वस्तुओं में श्रोता या पाठक को रमानेवाले रति, करुणा, क्रोध, उत्साह, आश्चर्य इत्यादि भाव या मनोविकार होते हैं। इसी से भारतीय दृष्टि ने भावपक्ष को प्रधानता दी और रस के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा की। पर पश्चिम में 'कल्पना' - 'कल्पना' की पुकार के सामने धीरे-धीरे समीक्षकों का ध्यान भावपक्ष से हट गया और बोधपक्ष ही पर भिड़ गया। काव्य की रमणीयता उस हल्के आनन्द के रूप में ही मानी जाने लगी जिस आनन्द के लिए हम नई-नई सुन्दर भड़कीली और विलक्षण वस्तुओं को देखने जाते हैं। इस प्रकार कवि तमाशा दिखाने वाले के रूप में और श्रोता या पाठक तटस्थ तमाशबीन के रूप में समझे जाने लगे। केवल देखने का आनन्द कुछ विलक्षण को देखने का कौतूहल मात्र होता है।

46. कवि या श्रोता को अंतःसाक्षात्कार बोध किस का होता है?

(A) व्यक्तित्व का।
(B) विलक्षणता का।
(C) कल्पना में आई रूप-व्यापार-योजना का।
(D) मनोविकारों का।

उत्तर- (C) व्याख्या *'कल्पना' काव्य का बोध पक्ष है। अतः कल्पना में आए रूप- व्यापार-योजना से कवि या श्रोता को अंतः साक्षात्कार का बोध होता है।*

47. भारतीय दृष्टि ने काव्य में किस सिद्धान्त की प्रतिष्ठा की?

(A) रस सिद्धान्त की।
(B) कौतूहल सिद्धान्त की।
(C) कल्पना सिद्धान्त की।
(D) श्रोता या पाठक की तटस्थता की।

उत्तर- (A) व्याख्या *भारतीय दृष्टि ने रति, करुणा, क्रोध इत्यादि मनोविकार के भावपक्ष को प्रधानता दी तथा रस सिद्धान्त की प्रतिष्ठा की।*

48. केवल देखने का आनन्द क्या है?

(A) रसानुभूति
(B) श्रोता या पाठक को काव्य का मर्म समझाना
(C) भावपक्ष को प्रबल बनाना।
(D) कुछ विलक्षण को दिखाने का कौतूहल मात्र।

उत्तर- (D) व्याख्या *केवल (सिर्फ) देखने का आनन्द, कुछ विलक्षण को देखने कौतूहल मात्र होता है।*

49. 'कल्पना' काव्य का कौन सा पक्ष है?

(A) भावपक्ष। (B) बोधपक्ष।
(C) रमणीय पक्ष। (D) अलंकार पक्ष।

उत्तर- (B) व्याख्या *कल्पना काव्य का बोध पक्ष है।*

50. काव्य में पाश्चात्य समीक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चा किस तत्त्व को लेकर हुई है?

(A) भावपक्ष की
(B) रस सिद्धान्त की प्रतिष्ठा की।
(C) काव्य में गम्भीर रमणीयता की।
(D) कल्पना और व्यक्तित्व की।

उत्तर- (D) व्याख्या *कल्पना और व्यक्तित्व की पाश्चात्य समीक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चा होती है।*

UGC NET/ J.R.F. EXAM हिन्दी

प्रश्न-पत्र III

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'कुवलयमाला कथा' के रचनाकार हैं
(A) उद्योतन सूरि (B) मेरूतुंग
(C) दामोदर शर्मा (D) हेमचन्द्र

उत्तर- (A) व्याख्या *'कुवलयमाला कथा' नवीं सदी में रचित उद्योतनसूरि की रचना है। यह आदिकालीन राजस्थानी हिन्दी गद्य की प्रमुख रचना है। इसमें तात्कालीन प्रचलित बोलचाल की भाषा का नमूना मिलता है। 'प्रबन्ध चिन्तामणि'- मेरुतुंग की, 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण'- दामोदर शर्मा की तथा 'शब्दानुसाशन' और 'कुमारपाल चरित' हेमचन्द्र की रचना है।*

2. खुसरो की रचना 'खालिक बारी' वस्तुतः है
(A) पहेलियों का संकलन (B) कहमुकरियों को संकलन
(C) फ़ारसी-हिन्दी शब्दकोश (D) मनोरंजनपरक रचना

उत्तर- (C) व्याख्या *खुसरो की रचनाएँ-*
1. *खालिक बारी (फारसी-हिन्दी शब्दकोश)*
2. *हालात-ए-कन्हैया*
3. *नजरान-ए-हिन्दी*
4. *पहेलियाँ, मुकरियाँ*
5. *दो-सुखने इत्यादि हैं।*

अमीर खुसरो खड़ी बोली' हिन्दी के प्रथम कवि माने जाते हैं।

3. किस समीक्षक ने विद्यापति की पदावलियों को जीव और परमात्मा के सम्बन्ध का रूपक माना है?
(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) आनन्दकुमार स्वामी
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर- (B) व्याख्या *आनन्द कुमार स्वामी ने विद्यापति की 'पदावली' को जीव और परमात्मा के सम्बन्ध का रूपक माना है।*
1. *'निराला' ने 'पदावली' को 'नागिन की लहर' माना है।*
2. *विद्यापति को रामचन्द्र शुक्ल ने 'शृंगारी' कवि कहा है।*
3. *हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'शृंगार रस का सिद्ध वाक्' कवि कहा है।*
4. *सर्वप्रथम ग्रियर्सन ने विद्यापति को 'रहस्यवादी' कहा।*

4. सिंधी भाषा का विकास अपभ्रंश की किस बोली से माना गया है?
(A) ब्राचड़ (B) पैशाची (C) मागधी (D) अर्धमागधी

उत्तर- (A)

अपभ्रंश रूप	आधुनिक भाषा रूप
1. ब्राचड़	सिंधी
2. पैशाची	पिशाच जाति से सम्बन्धित भाषा
3. मागधी	बिहारी हिन्दी
4. अर्धमागधी	पूर्वी हिन्दी

5. इनमें से कौन सी भाषा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में नहीं है?
(A) डोगरी (B) संथाली (C) बोडो (D) भोजपुरी

उत्तर- (D) व्याख्या *भारतीय संविधान की आठवी अनुसूची में वर्तमान में कुल 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं। जिसमें 'भोजपुरी' शामिल नहीं है। इसे शामिल करने का प्रस्ताव चल रहा है।*

6. इनमें से किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?
(A) अपमान (B) अपराध
(C) अपयश (D) अपमति

उत्तर- (B) व्याख्या
अप + मान= अपमान
अप+ यश = अपयश
अप+ मति= अपमति

इन सभी में 'अप' उपसर्ग है, जबकि 'अपराध' में कोई उपसर्ग नहीं है।

7. 'सबरस' के रचनाकार हैं
(A) मुल्ला वजही (B) कुली कुतुबशाह
(C) इंशा अल्ला खां (D) सैयद हुसैन अली खां

उत्तर- (A) व्याख्या *'सबरस' (1635 ई0) दक्खिनी गद्य के प्रसिद्ध रचनाकार मुल्ला वजही की कृति है। यह उर्दू-साहित्य की प्रथम गद्य रचना मानी जाती है।*

8. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कब हुई?
(A) सन् 1800 ई. (B) सन् 1805 ई.
(C) सन् 1857 ई. (D) सन् 1900 ई.

उत्तर- (A) व्याख्या *वेलेजली ने 1800 ई0 में 'फोर्ट विलियम कॉलेज' (कलकत्ता) की स्थापना की थी। इसमें हिन्दुस्तानी भाषा का प्रथम प्रोफेसर जॉन गिलक्राइस्ट को बनाया गया। इसी कालेज में लल्लूलाल तथा सदल मिश्र की भी नियुक्ति की गयी थी।*

9. 'बेकसी का मज़ार' उपन्यास के लेखक हैं
(A) अमृतलाल नागर (B) प्रतापनारायण श्रीवास्तव
(C) चतुरसेन शास्त्री (D) विष्णु प्रभाकर

उत्तर- (B) व्याख्या *'बेकसी का मज़ार' (1957 ई0), 'विदा' (1927), 'विपथगा' (1964) इत्यादि प्रताप नारायण श्रीवास्तव के उपन्यास हैं। शतरंज के मोहरे, अमृत और विष, एकदा नैमिषारण्ये-अमृत लाल नागर, मंदिर की नर्तकी, आलमगीर, खग्रास, अमर अभिलाषा- चतुरसेन शास्त्री और निशिकान्त, स्वप्नमयी, दर्पण का व्यक्ति, अर्द्धनारीश्वर इत्यादि विष्णु प्रभाकर का उपन्यास है।*

10. 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक हैं
(A) महावीरप्रसाद द्विवेदी (B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) बाबू श्यामसुंदर दास (D) ठाकुर शिवप्रसाद सिंह

उत्तर- (C) व्याख्या *सरस्वती (मा0) पत्रिका का आरम्भ 1900 ई0 में 'काशी' से हुआ था तथा इसके प्रथम सम्पादक श्यामसुन्दरदास, राधाकृष्णदास, जगन्नाथदास, कार्तिक प्रसाद और किशोरी लाल गोस्वामी थे। 1901 में इसके सम्पादक सिर्फ श्यामसुन्दर दास हुए। बाद में यह इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी और 1903 ई0 से 1920 ई0 तक इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी हुए।*

11. **काव्य-हेतुओं में व्युत्पत्ति का सही अर्थ है**
(A) परिश्रम (B) शब्द ज्ञान
(C) लोक ज्ञान (D) प्रगाढ़ पांडित्य

उत्तर- (B)/ व्याख्या *काव्य हेतु मुख्यतः तीन प्रकार के माने जाते हैं- प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास। यहाँ पर व्युत्पत्ति का सही अर्थ शब्द ज्ञान है।*

12. **इनमें से कौन मनोविश्लेषणवाद से जुड़े विचारक नहीं हैं?**
(A) एडलर (B) फ्रायड
(C) जुंग (D) सार्त्र

उत्तर- (D)/ व्याख्या *एडलर, फ्रायड तथा जुंग मूलतः मनोविश्लेषणवादी है; जबकि सार्त्र, कीर्केगार्द आदि विद्वान मूलतः अस्तित्ववादी है।*

13. **काव्य गुणों के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं**
(A) रूद्रट (B) दण्डी
(C) वामन (D) अप्पय दीक्षित

उत्तर- (C)/ व्याख्या *काव्य गुणों के प्रतिष्ठापक आचार्य वामन हैं। वामन ने गुणों को दो भागों 'शब्दगुण' और 'अर्थगुण' में विभक्त करके गुणों की कुल संख्या 20 मानी है। भरतमुनि ने 10 गुण माने हैं। अभिनव गुप्त, मम्मट, आनन्दवर्धन आदि ने प्रसाद, माधुर्य और ओज नामक तीन ही गुण माने हैं।*

14. **'वैदग्धाभंगी भणिति' - किसका सूत्र है?**
(A) कुंतक (B) भोज
(C) राजशेखर (D) पंडितराज जगन्नाथ

उत्तर- (A)/

सूत्र	सूत्रकार
वैदग्धाभंगी भणिति (चमत्कार पूर्ण कथन)	कुंतक
अदोषं/निर्दोषं गुणवत्काव्यमलङ्कारलंकृतम्	भोजराज
तस्य (कवेः) कर्म स्मृतं काव्यम्	राजशेखर
रमणीयार्थप्रतिपादकःशब्दः काव्यम्	जगन्नाथ

15. **हठयोग का प्रभाव निम्नलिखित कवियों में से किस पर पड़ा है?**
(A) स्वयंभू (B) घाघ भड्डरी
(C) गोरखनाथ (D) अद्दहमाण

उत्तर- (C)/ व्याख्या *नाथ पंथ का मूल बौद्धों की वज्रयान शाखा है। बौद्ध - सिद्धों में उत्पन्न विकार के विरोध स्वरूप गोरखनाथ ने पतंजलि के उच्च लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति को लेकर हठयोग का प्रर्वतन किया तथा षट्चक्रों वाला योगमार्ग चलाया और नाथपंथ की स्थापना की। 'नाथपंथ' का प्रचार-प्रसार भारत के पश्चिमी भागों मुख्यतः राजपूताना तथा पंजाब में था।*

16. **आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा स्थापित सिद्धान्त नहीं है**
(A) विसंगति बोध (B) लोकमंगल की साधनावस्था
(C) हृदय की मुक्तावस्था (D) विरुद्धों का सामंजस्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'लोक मंगल की साधनावस्था', 'हृदय की मुक्तावस्था' तथा 'विरूद्धों का समंजस्य' आ0 रामचन्द्र शुक्ल का सिद्धान्त हैं। 'विसंगतिबोध' पाश्चात्य से होता हुआ हिन्दी साहित्य में आया है। यह आधुनिकता बोध से सम्बन्धित है। इसका पर्याय है मानव जीवन का निरूद्देश्य और अर्थहीन होना। आधुनिक रचनाकार के अनुसार मानव के पैदा होने, जीने और मर जाने में कोई संगति नहीं है। सब कुछ बेमेल तथा बेमानी है। यह विसंगति बोध है।*

17. **इनमें से संकलन-त्रय में किसकी गणना नहीं की जाती है?**
(A) समय संकलन (B) स्थान संकलन
(C) प्रभाव संकलन (D) कार्य संकलन

उत्तर- (C)/ व्याख्या *संकलनत्रय में मुख्यतः तीन बिन्दुओं का वर्णन किया जाता है जिसमें- स्थान संकलन, समय या काल संकलन और कार्य या वस्तु संकलन प्रमुख हैं। प्रभाव संकलन, संकलनत्रय की गणना में नहीं आता है।*

18. **'हिन्दी जाति की अवधारणा' के पुरस्कर्त्ता कौन हैं?**
(A) अज्ञेय (B) रामविलास शर्मा
(C) नगेन्द्र (D) भगीरथ मिश्र

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'हिन्दी जाति की अवधारणा' के पुरस्कर्ता प्रसिद्ध मार्क्सवादी समीक्षक रामविलास शर्मा हैं। भारतेन्दु युग के सन्दर्भ में इन्होंने कहा है- '' भारतेन्दु युग का साहित्य हिन्दी-भाषी जनता का जातीय साहित्य है वह हमारे जातीय नवजागरण का साहित्य है''। इसी प्रकार प्रेमचन्द के सम्बन्ध में कहते हैं कि ''प्रेमचन्द की आवाज सुनकर हमें अपने देश और जनता पर गर्व होता है। उस जातीय संस्कृति पर गर्व होता है जिसे प्रेमचन्द संवार रहे थे।''*

19. **'भाषा और संवेदना' के लेखक हैं**
(A) जगदीश गुप्त (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रमेशचंद्र शाह (D) विजयदेव नारायण साही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *रामस्वरूप चतुर्वेदी ने काव्य- भाषा की सर्जनात्मकता को केन्द्र में रखकर समीक्षा की है। इनका मानना है कि ''भाषा का आधारभूत रूप वह है जो रचनाकार समाज से स्वीकार करता है और उसी के अनुरूप उसकी संवेदना निखरती है।'' 'हिन्दी नवलेखन' (1960), 'भाषा और संवेदना' (1964), 'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास' (1986) इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।*

20. **'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास के रचनाकार हैं**
(A) राधाकृष्ण दास (B) ठाकुर जगमोहन सिंह
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) लज्जाराम मेहता

उत्तर- (C)/ व्याख्या *नूतन ब्रह्मचारी' (1886), 'सौ अजान एक सुजान' (1892 ई0), 'रहस्यकथा' (अपूर्ण) बालकृष्ण भट्ट के उपन्यास हैं। 'नूतन ब्रह्मचारी' में ब्रह्मचारी विनायक के सरल व्यवहार के प्रभाव से डाकुओं के हृदय परिवर्तन को दिखाया गया है। यह विद्यार्थियों को चारित्रिक शिक्षा देने के लिये लिखा गया है।*

21. **'अंगद का पाँव' के लेखक हैं**
(A) हरिशंकर परसाई (B) धर्मवीर भारती
(C) शरद जोशी (D) श्रीलाल शुक्ल

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'अंगद का पाँव' (1958 ई0), 'यहाँ से वहाँ (1970 ई0), 'कुछ जमीन पर कुछ हवा में, (1993), 'अगली शताब्दी का शहर (1996), 'खबरों की जुगाली' (2006) इत्यादि श्री लाल शुक्ल के व्यंग्य परक निबन्ध संग्रह हैं।*

22. **'कालीचरन' किस उपन्यास का पात्र है?**
(A) परतीः परिकथा (B) झूठा सच
(C) मैला आँचल (D) गोदान

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कालीचरन, बावनदास, विश्वनाथ प्रसाद इत्यादि 'मैला आँचल (1954 ई0) नामक उपन्यास के पात्र हैं। यह हिन्दी का प्रथम आँचलिक उपन्यास माना जाता है। इसके रचनाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' हैं। 'परतीपरिकथा' (1957 ई.), 'दीर्घतपा' (1963 ई.), 'जुलूस' (1965 ई.) इत्यादि 'रेणु' के अन्य उपन्यास हैं।*

23. इनमें से कौन सी महिला कथाकार हिन्दी की नहीं है?
(A) कृष्णा सोबती (B) राजी सेठ
(C) मधु कांकरिया (D) महाश्वेता देवी

उत्तर- (D) व्याख्या *महाश्वेता देवी बंग्ला साहित्य की प्रसिद्ध कथाकार हैं। 'जंगल के दावेदार' तथा 'अग्निगर्भ' इत्यादि इनकी रचनाएँ हैं।*

24. तुलसीदास की किस रचना में संत-महंतों के लक्षण वर्णित हैं?
(A) वैराग्य संदीपनी (B) रामाज्ञा प्रश्न
(C) पार्वती मंगल (D) जानकी मंगल

उत्तर- (A) व्याख्या *'वैराग्य संदीपनी' में तुलसी ने संत-महंतों के लक्षण वर्णित किये हैं। 'रामाज्ञाप्रश्न' तुलसी की ज्योतिष सम्बन्धी रचना है। 'पार्वती मंगल' में पार्वती एवं शिव के विवाह और 'जानकी मंगल' में जानकी एवं राम के विवाह की कथा वर्णित है।*

25. दृष्टकूट पदों की रचना किस कवि ने की है?
(A) कबीरदास (B) सूरदास
(C) तुलसीदास (D) रहीम

उत्तर- (B) व्याख्या *दृष्टिकूट पदों की रचना सूरदास ने की है। 'साहित्य लहरी' इनके दृष्टिकूट पदों का संकलन है। 'सूरसागर' तथा 'सूरसारावली' इनकी अन्य रचना हैं।*

26. 'सुखसागर' के रचनाकार हैं
(A) लल्लूलाल (B) सदल मिश्र
(C) बाबू हरिश्चंद (D) मुंशी सदासुखलाल 'नियाज'

उत्तर- (D) व्याख्या *'सुखसागर' मुंशी सदासुख लाल 'नियाज' की रचना है। यह 'विष्णु पुराण' या 'भागवत' का पद्यानुवाद है। 'सुरासुर निर्णय' इनका निबन्ध है। डॉ0 नगेन्द्र ने इनका नाम मुंशी सदासुख राय 'निसार' बताया है। तथा 'सुखसागर' इनका उपनाम बताया है। भाषा के सन्दर्भ में इनका कथन है कि-*
''रस्मौ रिवाज भाखा का दुनिया से उठ गया।''

27. 'बालाबोधिनी' मासिक पत्रिका के संपादक थे
(A) पं. प्रतापनारायण मिश्र (B) पं. राधाचरण गोस्वामी
(C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (D) ठा. जगमोहन सिंह

उत्तर- (C) व्याख्या *1874 ई0 में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने महिलाओं के लिए 'बालाबोधिनी' (मासिक) पत्रिका का सम्पादन बनारस से आरम्भ किया था। 'कविवचन सुधा' 1868 ई0 (मा0, पाक्षिक, साप्ताहिक), तथा 'हरिश्चन्द्र मैगजीन' (1873 ई0) मासिक नामक पत्रिकाओं का सम्पादन भी भारतेन्दु ने किया।*

28. 'जयवर्द्धमान' नाटक के लेखक कौन हैं?
(A) डॉ. रामकुमार वर्मा (B) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
(C) उदयशंकर भट्ट (D) सेठ गोविन्द दास

उत्तर- (A) व्याख्या *'कौमुदी महोत्सव' (1954 ई0), 'विजय पर्व, (1954 ई0),नानाफड़नवीस' (1956 ई0), 'अशोक का शोक' (1967 ई0), 'अग्निशिखा' (1970 ई0), 'संत तुलसीदास' (1974 ई0), 'जय वर्द्धमान' (1975 ई0), 'स्वयंवरा' (1980 ई0) इत्यादि डॉ0 राम कुमार वर्मा के नाटक हैं।*

29. 'मुकुल' नामक कविता-संग्रह किस रचनाकार का है?
(A) पं. नरेन्द्र शर्मा (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' (D) सुभद्राकुमारी चौहान

उत्तर- (D) व्याख्या *'त्रिधारा' और 'मुकुल' सुभद्राकुमारी चौहान का काव्य संग्रह है। 'झाँसी की रानी' इनकी प्रसिद्ध कविता है। यह राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा की प्रमुख कवयित्री हैं।*

30. 'चक्कर क्लब' के रचनाकार हैं
(A) अमृतलाल नागर (B) नगेन्द्र
(C) यशपाल (D) बालमुकुन्द गुप्त

उत्तर- (C) व्याख्या *'चक्कर क्लब', 'देखा सोचा समझा' 'बात-बात में बात, 'गाँधीवाद की शव परीक्षा', तथा 'न्याय का संघर्ष, इत्यादि यशपाल के प्रमुख निबन्ध संग्रह है।*

31. 'चेखवः एक 'इंटरव्यू' किसकी रचना है :
(A) रणवीर रांगा (B) पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
(C) राजेन्द्र यादव (D) प्रभाकर माचवे

उत्तर- (C)

रचना	रचनाकार
चेखव : एक इन्टरव्यू	*राजेन्द्र यादव*
मैं इनसे मिला	*पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'*
सृजन की मनोभूमि	*रणवीर रांगा*
गोरी नजरों में हम	*प्रभाकर माचवे*

32. एही रूप सकती औ सीऊ। एही रूप-त्रिभुवन कर जीऊ ।।- काव्य पंक्ति किस कवि की है?
(A) मलिक मुहम्मद जायसी (B) तुलसीदास
(C) हृदयनाथ (D) कुतुबन

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
'एही रूप ------------- कर जीऊ'	*जायसी*
'गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग'	*तुलसी*
रुकमिनी पुनि वैसहि मरि गई कुलवंत सत सों सति भई।	*कुतुबन*

33. ''जसोदा! कहा कहौं हौं बात?
तुम्हरे सुत के करतब मो पै कहत कहे नहिं जात।''
ये किस कवि की काव्य पंक्तियाँ हैं?
(A) सूरदास (B) चतुर्भुज दास
(C) कुम्भनदास (D) हरिदास

उत्तर- (B) व्याख्या *''जसोदा! कहा कहौ...........कहे नहिंजात।'' चतुर्भुजदास की पंक्ति है। चतुर्भुजदास-कुंभनदास के पुत्र, गोसाई विट्ठलनाथ के शिष्य तथा 'अष्ट छाप' के कवियों में से एक हैं। 'द्वादशयश' तथा 'हितजू को मंगल' इनकी प्रमुख रचना है।*

34. यह अभिनव मानव प्रजा सृष्टि।
द्वयता में लगी निरंतर ही वर्णों की करती रहे वृष्टि ।।''-
ये काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानन्दन पन्त
(C) महादेवी वर्मा (D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
यह अभिनव ------------- वृष्टि	*प्रसाद*
सुन्दर विश्वासों से ही बनता है सुखमय जीवन	*पंत*
यह दोनों दो ओरें थीं, संसृति की चित्रपटी की	*महादेवी*
उत्तर पकड़ता बाँह दलित की मन्त्री के आसन से	*दिनकर*

35. **कमलेश्वर द्वारा रचित कहानी नहीं है**

(A) राजा निरबंसिया (B) मांस का दरिया
(C) एक और जिन्दगी (D) कस्बे का आदमी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'जानवर और जानवर' (1958 ई0), 'एक और जिन्दगी' (1961), 'फौलाद का आकाश' (1966) इत्यादि मोहन राकेश के कहानी संग्रह हैं। 'राजा निरबंसिया' (1957 ई0),'कस्बे का आदमी' (1958), 'खोई हुई दिशाएँ' (1963), मांस का दरिया' (1966 ई0) 'बयान' (1973) इत्यादि कमलेश्वर के कहानी संग्रह हैं। कमलेश्वर 'समान्तर कहानी' आन्दोलन 1972 ई0 के पुरस्कर्ता भी हैं।*

36. **'मित्र संवाद' पत्र साहित्य किनके बीच लिखे गये पत्रों का संग्रह है?**

(A) रामविलास शर्मा-केदारनाथ अग्रवाल
(B) नेमिचंद जैन-नागार्जुन
(C) अमृतलाल नागर-यशपाल
(D) हजारीप्रसाद द्विवेदी-शिवप्रसाद सिंह

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'मित्र-संवाद'(1992 ई0) के सम्पादक डॉ0 रामविलास शर्मा है। इसमें रामविलास शर्मा एवं केदार नाथ अग्रवाल के पत्रों का संग्रह है।*

37. **इनमें से कौन सी कृति वृन्दावनलाल वर्मा की है?**

(A) गोदान (B) भुवन विक्रम
(C) चित्रलेखा (D) यही सच है

उत्तर- (B)

कृति	प्रका0 वर्ष	कृतिकार
A. गोदान	1936 ई0	प्रेमचन्द
B. भुवनविक्रम	1957 ई0	वृन्दावन लालवर्मा
C. चित्रलेखा	1934 ई0	भगवती चरणवर्मा
D. यही सच है	1966 ई0	मन्नू भण्डारी

38. **इनमें जीवनीपरक उपन्यास नहीं है**

(A) खंजन नयन (B) मानस का हंस
(C) पहला गिरमिटिया (D) भूले बिसरे चित्र

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'भूले बिसरे चित्र' (1959 ई0) भगवतीचरण वर्मा का उपन्यास है।, इसमें मध्यम परिवार की चार पीढ़ियों का चित्रण है। 'खंजन नयन' (1981) में सूरदास, 'मानस का हंस' (1972 ई0) में तुलसीदास का जीवन चित्रण है। इसके रचनाकार अमृतलाल नागर हैं। 'पहला गिरमिटिया' (1999 ई0) गाँधी जी के जीवन पर आधारित गिरिराज किशोर का उपन्यास है।*

39. **कौन सा उपन्यास अधूरा नहीं है?**

(A) इरावती (B) मंगलसूत्र
(C) चोटी की पकड़ (D) रत्ना की बात

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'रत्ना की बात' (1954 ई0) तुलसीदास के जीवन पर आधारित रांगेय राघव का पूर्ण उपन्यास है। 'इरावती' जयशंकर प्रसाद, 'मंगलसूत्र' (1936 ई0) प्रेमचन्द तथा 'चोटी की पकड़' (1944 ई0) निराला का अधूरा (अपूर्ण) उपन्यास है।*

40. **'लगता नहीं है दिल मेरा' आत्मकथा की लेखिका हैं**

(A) कृष्णा अग्निहोत्री (B) मन्नू भण्डारी
(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) पद्मा सचदेव

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'लगता नहीं है दिल मेरा' (1997 ई0) कृष्णा अग्निहोत्री, 'एक कहानी यह भी'-मन्नू भण्डारी, 'कस्तूरी कुण्डल बसै' (2002 ई0) मैत्रेयी पुष्पा, बूंद बावड़ी (1999 ई.) पद्मा सचदेव की आत्मकथा है।*

41. **प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है**

(A) मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी
(B) तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई
(C) तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई,
(D) शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से

उत्तर- (B)/ व्याख्या *विद्यानिवास मिश्र मुख्यतः ललित निबन्धकार हैं। निबन्ध का सही अनुक्रम है 'तुम चन्दन हम पानी' (1957 ई0)', मैंने सिल पहुँचाई' (1966 ई0), तमाल के झरोखे से' (1981 ई0) शिरीष की याद आई' (1995 ई0)।*

42. **प्रकाशन वर्ष के आधार पर अज्ञेय के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम कौन सा है?**

(A) आत्मनेपद, अन्तरा, धार और किनारे, त्रिशंकु
(B) अन्तरा, धार और किनारे, त्रिशंकु, आत्मनेपद
(C) धार और किनारे, त्रिशंकु, आत्मनेपद, अन्तरा
(D) त्रिशंकु, आत्मनेपद, अन्तरा, धार और किनारे

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सही अनुक्रम इस प्रकार है- 'त्रिशंकु' (1945 ई0), 'आत्मनेपद' (1960 ई0), 'अन्तरा' (1975), 'धार और किनारे' (1982 ई0)।*

43. **प्रकाशन के अनुसार इलाचन्द्र जोशी के उपन्यासों का सही अनुक्रम है**

(A) निर्वासित, जिप्सी, जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी
(B) जिप्सी, जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी, निर्वासित
(C) जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी, निर्वासित, जिप्सी
(D) कवि की प्रेयसी, निर्वासित, जिप्सी, जहाज का पंछी

उत्तर- (A)/ व्याख्या *इलाचन्द जोशी मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार हैं। इनके उपन्यासों का सही अनुक्रम है- 'निर्वासित' (1946 ई0), 'जिप्सी' (1952 ई0), जहाज का पंछी' (1954 ई0) तथा 'कवि की प्रेयसी' (1976 ई0)।*

44. **प्रकाशन के अनुसार इन रचनाओं का सही अनुक्रम है**

(A) पल्लव, लहर, नीरजा, अनामिका
(B) लहर, नीरजा, अनामिका, पल्लव
(C) नीरजा, अनामिका, पल्लव, लहर
(D) अनामिका, पल्लव, लहर, नीरजा

उत्तर- (D)/ व्याख्या *प्रकाशन वर्ष के अनुसार क्रम निम्नवत् है-*

रचना	प्र0 वर्ष	विधा	रचनाकार
अनामिका	1923 ई.	काव्य संग्रह	निराला
पल्लव	1928 ई.	काव्य संग्रह	सुमित्रानन्दन पंत
लहर	1933 ई.	काव्य संग्रह	जयशंकर प्रसाद
नीरजा	1935 ई.	काव्य संग्रह	महादेवी वर्मा

45. प्रकाशन के अनुसार इन नाटकों का सही अनुक्रम है
(A) सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू, मादा कैक्टस
(B) मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू, मादा कैक्टस, सूखा सरोवर
(C) मादा कैक्टस, सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू,
(D) कर्फ्यू, मादा कैक्टस, सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु

उत्तर- (C)/ व्याख्या *नाटकों का सही अनुक्रम इस प्रकार है- 'मादा कैक्टस'(1959 ई0), 'सूखा सरोवर'(1960 ई0), 'मिस्टर अभिमन्यु' (1971 ई0) 'कर्फ्यू' (1972 ई0)। सभी नाटक लक्ष्मीनारायण लाल के हैं।*

46. प्रकाशन की दृष्टि से रामविलास शर्मा के ग्रंथों का सही अनुक्रम है-
(A) आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधना भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद
(B) भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधना भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य
(C) निराला की साहित्य साधना भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या
(D) नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधना भाग-1

उत्तर- (A)/ व्याख्या *प्रकाशन वर्ष के अनुसार क्रम निम्न प्रकार है- 'आस्था और सौन्दर्य' (1961 ई0), 'भारत की भाषा समस्या' (1965 ई0), 'निराला की साहित्य साधना भाग-1' (1969 ई0), नयी कविता और अस्तित्ववाद' (1978 ई0)।*

47. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित नाट्य रचनाओं का सही अनुक्रम हैः
(A) अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, रक्षाबन्धन, नहुष
(B) नहुष, अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, रक्षाबन्धन
(C) ध्रुवस्वामिनी, रक्षाबन्धन, नहुष, अंधेर नगरी
(D) रक्षाबन्धन, नहुष, अन्धेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी

उत्तर- (B)/ व्याख्या नाटकों का सही अनुक्रम निम्न हैं-

नाटक	प्र0 वर्ष	नाटककार
नहुष	1859 ई.	गोपाल चन्द्र गिरिधरदास
अंधेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
रक्षाबन्धन	1934 ई.	हरिकृष्ण प्रेमी

48. रचनाकाल दृष्टि से निम्नलिखित एकांकियों का सही अनुक्रम हैः
(A) कारवाँ, एकादशी, नदी प्यासी थी, एक घूँट
(B) एक घूँट, कारवाँ, एकादशी, नदी प्यासी थी
(C) एकादशी, नदी प्यासी थी, एक घूँट, कारवाँ
(D) नदी प्यासी थी, एक घूँट, कारवाँ, एकादशी

उत्तर- (B)

एकांकी	प्र0 वर्ष	एकांकीकार
एक घूँट	1929 ई.	जयशंकर प्रसाद
कारवाँ	1935 ई.	भुवनेश्वर प्रसाद
एकादशी	-	सेठ गोविन्ददास
नदी प्यासी थी	-	धर्मवीर भारती

49. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम हैः
(A) जिन्दगीनामा, आवाँ, कुइयाँजान, बेघर
(B) आवाँ, कुइयाँजान, बेघर, जिन्दगीनामा
(C) कुइयाँजान, बेघर, जिन्दगीनामा, आवाँ
(D) बेघर, जिन्दगीनामा, आवाँ, कुइयाँजान

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सही अनुक्रम निम्नवत् है-*

उपन्यास	प्र0 वर्ष	उपन्यासकार
बेघर	1971 ई0	ममता कालिया
जिन्दगी नामा	1979 ई0	कृष्णा सोबती
आवाँ	1999 ई0	चित्रा मुद्गल
कुइयाँजान	2005 ई0	नासिरा शर्मा

50. प्रकाशन के अनुसार वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(A) कचनार, मृगनयनी, रामगढ़ की रानी, विराटा की पद्मिनी
(B) विराटा की पद्मिनी, कचनार, मृगनयनी, रामगढ़ की रानी
(C) मृगनयनी, रामगढ़ की रानी, विराट की पद्मिनी, कचनार
(D) रामगढ़ की रानी, विराट की पद्मिनी, कचनार, मृगनयनी

उत्तर- (B)/ व्याख्या *वर्मा जी के उपन्यासों का सही अनुक्रम इस प्रकार है- 'विराटा की पद्मिनी' (1936 ई0), 'कचनार' (1948 ई0), 'मृगनयनी' (1950 ई0), 'रामगढ़की रानी' (1961 ई0)।*

51. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम हैः
(A) जागरण प्रतीक, नयी कविता, कल्पना
(B) प्रतीक, नयी कविता, कल्पना, जागरण
(C) नयी कविता, कल्पना, जागरण, प्रतीक
(D) कल्पना, जागरण, प्रतीक, नयी कविता

उत्तर- (A)/व्याख्या *पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम इस प्रकार है-*

पत्रिका	प्र0 वर्ष	प्र0 स्थान	सम्पादक
जागरण	1929 ई.	बनारस	शिवपूजन सहाय, प्रेमचन्द
प्रतीक	1947 ई.	इला./दिल्ली	अज्ञेय
नयी कविता	1954 ई.	इलाहाबाद	जगदीश गुप्त/ रामस्वरूप चतुर्वेदी
कल्पना	1949 ई.	हैदराबाद	आर्येन्द्र शर्मा

52. प्रकाशन की दृष्टि से प्रेमचंद की कहानियों का सही अनुक्रम है
(A) नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, रानी सारंगा
(B) शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, रानी सारंगा, नमक का दरोगा
(C) रानी सारंगा, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति
(D) सद्गति, रानी सारंगा, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *प्रेमचन्द की कहानियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-*

कहानी	प्रकाशन वर्ष
रानी सारंगा	1910 ई.
नमक का दरोगा	-
शतरंज के खिलाड़ी	1925 ई.
सद्गति	1931 ई.

53. प्रकाशन के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :
(A) कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदनी, यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा
(B) चीड़ों पर चाँदनी, यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग
(C) यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदनी
(D) मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदनी, यात्रा चक्र

उत्तर- (D) व्याख्या ये सभी कृतियाँ यात्रा-साहित्य विधा की हैं। इनका सही अनुक्रम निम्न प्रकार है-

कृतियाँ	प्र० वर्ष	कृतिकार
मेरी तिब्बत यात्रा	1937 ई.	राहुल सांकृत्यायन
कलकत्ता से पेकिंग	1955 ई.	डॉ. भगवत शरण उपाध्याय
चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई.	निर्मल वर्मा
यात्रा चक्र	1995 ई.	धर्मवीर भारती

54. **प्रकाशन के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम हैः**

(A) डिप्टी कलक्टरी, वापसी, फैंस के इधर-उधर, गदल,
(B) गदल, डिप्टी कलक्टरी, वापसी, फैंस के इधर-उधर
(C) वापसी, फैंस के इधर-उधर, गदल, डिप्टी कलक्टरी
(D) फैंस के इधर उधर, गदल, डिप्टी कलक्टरी, वापसी

उत्तर- (B) व्याख्या प्रकाशन के अनुसार कहानियों का अनुक्रम-

कहानी	प्र० वर्ष	कहानीकार
गदल	१९५५ ई.	रांगेय राघव
डिप्टी कलक्टरी	१९५६ ई.	अमरकान्त
वापसी	१९६० ई.	उषा प्रियंवदा
फैंस के इधर-उधर	१९६८ ई.	ज्ञानरंजन

55. **निराला के निम्नलिखित निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के आधार पर सही अनुक्रम हैः**

(A) प्रबंध प्रतिमा, चाबुक, चयन, प्रबंध पद्म
(B) चाबुक, चयन, प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा
(C) प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा, चाबुक, चयन
(D) चयन, प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा, चाबुक

उत्तर- (C) व्याख्या प्रकाशन वर्ष के अनुसार 'निराला' के निबन्धों का सही अनुक्रम-
प्रबन्ध पद्म, प्रबन्ध प्रतिमा (1940 ई.), चाबुक (1951 ई.) और चयन है।

56. **स्थापना (Assertion) (A) : 'ऐब्सर्डबोध' व्यक्ति के भीतरी यथार्थ को उद्घाटित करता है, अतः यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।**
तर्क (Reason) (R) : यह आस्था और तर्क, दोनों को नकारता है, अतः अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत और (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)

57. **स्थापना (Assertion) (A) : मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र में सर्वोपरि है- श्रम का सौन्दर्य।**
तर्क (Reason) (R) : मार्क्सवादियों के अनुसार हाथ मात्र कर्म इन्द्रिय न होकर आद्य सर्जना शक्ति है। वही हर कला की सृष्टि करता है। अतः श्रम और सौन्दर्य परस्पर पूरक हैं।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C) व्याख्या मार्क्सवाद- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद सिद्धान्त पर आधारित है। इसमें श्रमिक वर्ग को श्रेष्ठ माना जाता है। यहाँ पर श्रम ही सौन्दर्य है तथा श्रम और सौन्दर्य एक-दूसरे के पूरक हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

58. **स्थापना (Assertion) (A) : हिन्दी काव्यशास्त्र का सर्वोच्च प्रदेय है- 'सर्वांग निरूपण'।**
तर्क (Reason) (R) : सर्वांग निरूपण आचार्यों ने रस, अलंकार, पिंगल आदि का निरूपण करते हुए इसके अन्तर्गत काव्य हेतु, प्रयोजन, गुण-दोष आदि की भी चर्चा की है, जो अत्यन्त उपयोगी है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या सर्वांग अर्थात् काव्य के सभी अंगों का निरूपण। काव्यशास्त्रियों ने काव्य की समीक्षा, आलोचना एवं काव्य रचना के लिए विभिन्न अंगों या सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया जिनमें-रस, छन्द, अलंकार, रीति, ध्वनि इत्यादि प्रमुख हैं। इन्ही के माध्यम से काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण-दोष, शब्द शक्तियों आदि की चर्चा की गयी है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

59. **स्थापना (Assertion) (A) : अधिकतर संस्कृत आचार्य औचित्य के पोषक रहे हैं, अतः औचित्य सम्प्रदाय के स्वतंत्र अस्तित्व का औचित्य कदापि सिद्ध नहीं होता है।**
तर्क (Reason) (R) : औचित्य का आग्रह आचार्य भरत से लेकर आनंदवर्धन, महिमभट्ट आदि तक ने बहुशः किया है। सभी काव्यांगों में इसकी स्वीकृति है। आचार्य क्षेमेन्द्र ने समग्रतः इस मत को सुव्यवस्थित किया है, किन्तु एकल मत होने के कारण इसे सम्प्रदाय कहना समीचीन नहीं लगता।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या 'औचित्य' सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य क्षेमेन्द्र माने जाते है। अधिकतर आचार्यो ने अपने सिद्धान्त में 'औचित्य' की चर्चा की है। यह क्षेमेन्द्र का स्वतंत्र सिद्धान्त के रूप में एकल मत है। अतः इसे पूर्णतः सम्प्रदाय नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि सम्प्रदाय में मतानुयायी अधिक होते हैं।

60. **स्थापना (Assertion) (A) : प्लेटो के अनुसार भावातिरेक अत्यन्त अनिष्टकर होता है और अरस्तू के अनुसार भावों का दमन बड़ा घातक होता है, अतः आदर्शवाद और त्रासदी दोनों सिद्धान्त सन्दिग्ध हैं।**
तर्क (Reason) (R) : प्लेटो साहित्यकार के निष्कासन पर बल देते थे और अरस्तू के निष्कासन पर बल देते थे और अरस्तू मात्र विरेचन तक उसकी उपयोगिता मानते थे, अतः दोनों सिद्धान्त अधूरे लगते हैं।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D) व्याख्या अरस्तु के गुरू प्लेटो तथा प्लेटो के गुरू सुकरात थे। प्लेटो ने प्रपत्यवाद एवं आदर्शवाद को तथा अरस्तू ने त्रासदी एवं विरेचन के सिद्धान्त को जन्म दिया। अपने सिद्धान्त में प्लेटो ने भावों के अतिरेक को अनिष्टकर बताया है, तो अरस्तू ने भावों के दमन को ही अनिष्टकर कहा है। अतः दोनों सिद्धान्त संदिग्ध अवस्था में है। इसलिए (A) और (R) दोनों सही है।

61. **स्थापना (Assertion) (A) : 'उत्तर संरचनावाद' मुख्यतः पाठकेन्द्रित है और वह पाठ 'अर्थापन' साध्य होता है।**
तर्क (Reason) (R) : पाठ को इतना महत्त्व देना और ''लेखक की मृत्यु'' की घोषणा कर देना सस्यूर का अतिवादी चिन्तन है, अतः यह पुनविचारणीय है।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या *उत्तर संरचनावाद में मुख्य बिन्दु 'पाठ' है। पाठ के बाहर कुछ भी नहीं है और पाठ का कोई स्थिर अर्थ भी नहीं होता है। अर्थात् एक पाठ को अनेक प्रकार से पढ़ा जा सकता है। यहाँ पर लेखक नगण्य हो जाता है। सस्यूर ने इसे "लेखक की मृत्यु" करार दिया है जिस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

62. स्थापना (Assertion) (A) : काव्यानुभूति सदैव लोकोत्तर होती है। तर्क (Reason) (R) : कवि की अनुभूति लोक से परे होती है। इसीलिए उसे ब्रह्मानन्द सहोदर कहा गया है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *काव्यानुभूति सदैव लोकोत्तर होती है। कवि की अनुभूति लौकिक एवं अलौकिक दोनों होती है। ब्रह्मानन्द सहोदर का सम्बन्ध काव्य रस से है, कवि से नहीं। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

63. स्थापना (Assertion) (A) : प्रेम में प्रिय अच्छा लगता है, साथ ही प्रेमी में यह वृत्ति हो जाती है कि मैं भी प्रिय को अच्छा लगूँ। तर्क (Reason) (R) : प्रिय और प्रेमी दोनों में परस्पर अनुभूतिजन्य तादात्मय आधार के रूप में काम करता है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या *प्रेम में प्रिय और प्रेमी दोनों में एक-दूसरे के प्रति अच्छा लगने की वृत्ति पायी जाती है। इसमें परस्पर दोनों का अनुभव, तादात्म्य स्थापित करते हुये आधार का कार्य करता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

64. स्थापना (Assertion) (A) : कविता ही हृदय को प्रकृत दशा में लाती है और जगत के बीच क्रमशः उसका अधिकाधिक प्रसार करती हुई उसे मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर ले जाती है। तर्क (Reason) (R) : कविता का सम्बन्ध हृदय से न होकर मन से और वह विविध शब्दजालों के माध्यम से अभिव्यक्ति पाती है।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D) व्याख्या *कविता मनुष्य के हृदय को प्रकृत दशा में लाती है और व्यक्ति को मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर पहुँचाने का काम करती है। कविता का सम्बन्ध हृदय से होता है और कविता मात्र शब्दजाल नहीं है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

65. स्थापना (Assertion) (A) : भाव का ज्ञान से विरोध नहीं है। दोनों में प्रस्थान बिन्दु अवश्य भिन्न हैं, पर दोनों का लक्ष्य बिन्दु एक ही है। तर्क (Reason) (R) : भाव का सम्बन्ध हृदय से है और ज्ञान का सम्बन्ध बुद्धि से, अतः दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C) व्याख्या *भाव का ज्ञान से विरोध नहीं है। दोनों का व्यापार भिन्न है किन्तु लक्ष्य बिन्दु एक ही है। भाव का सम्बन्ध हृदय से और ज्ञान का सम्बन्ध बुद्धि से है और दोनों एक-दूसरे से अन्तर्सम्बन्धित हैं। यहाँ पर स्थापना में भाव तथा ज्ञान को सम्बन्धित बताया गया है जबकि तर्क में दोनों को विरोधी। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

66. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	सत्यनारायण कविरत्न	i.	गंगालहरी
b.	जगन्नाथदास रत्नाकर	ii.	वीर सतसई
c.	रामचरित उपाध्याय	iii.	भ्रमरदूत
d.	वियोगी हरि	iv.	देवदूत
		v.	वायुदूत

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	v	iv	ii	i
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर- (B) व्याख्या *कृतियों का सुमेलित क्रम निम्नवत् है-*

रचनाकार	रचना
सत्यनारायण कविरत्न	भ्रमरदूत
जगन्नाथदास 'रत्नाकर'	गंगालहरी
राम चरित उपाध्याय	देवदूत
वियोगी हरि	वीर सतसई

67. निम्नलिखित नाटकों के साथ उनके पात्रों को सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	अंधेर नगरी	i.	चाणक्य
b.	कोर्ट मार्शल	ii.	सुरेखा
c.	द्रौपदी	iii.	रामचन्दर
d.	कौमुदी महोत्सव	iv.	नारायण दास
		v.	मातृगुप्त

कूट :

	a	b	c	d
(A)	v	i	iii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर- (C) व्याख्या *नाटकों का पात्रों के साथ सुमेलित क्रम-*

नाटक	पात्र	प्र० वर्ष	नाटककार
अंधेर नगरी	नारायणदास	1881 ई.	भारतेन्दु
कोर्ट मार्शल	रामचन्दर	1991 ई.	स्वदेश दीपक
द्रौपदी	सुरेखा	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
कौमुदी महोत्सव	चाणक्य	1954 ई.	रामकुमार वर्मा
स्कन्दगुप्त	मातृगुप्त	1928 ई.	जयशंकर प्रसाद

68. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची - I		सूची - II	
a.	भरत मिलाप	i.	अग्रदास
b.	ध्यानमंजरी	ii.	ईश्वरदास
c.	रामायण महानाटक	iii.	लालदास
d.	अवध-विलास	iv.	प्राणचंद चौहान
		v.	हृदयराम

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	v	ii	iii	i
(C)	iii	v	i	ii
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलित क्रम निम्नवत् है-

रचना	रचनाकार
भरत मिलाप	ईश्वरदास
ध्यान मंजरी	अग्रदास
रामायण महानाटक	प्राणचन्द चौहान
अवध-विलास	लालदास
हनुमन्नाटक	हृदयराम

69. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. नंददास	i. युगलशतक
b. श्री भट्ट	ii. रागमाला
c. रसखान	iii. प्रेमवाटिका
d. हरिराम व्यास	iv. रूपमंजरी
	v. रणमल्ल छंद

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	ii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलित क्रम निम्नवत् है-

रचनाकार	रचना
नंददास	रूपमंजरी
श्री भट्ट	युगल शतक
रसखान	प्रेमवाटिका
हरिराम व्यास	रागमाला
श्रीधर	रणमल्ल छन्द

70. इन उक्तियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. शब्दार्थ शरीरं ताबत् काव्यम्	i. भामह
b. काव्यं ग्राह्यम् अलंकारात्	ii. मम्मट
c. मुख्यार्थहतिर्दोषः	iii. विश्वनाथ
d. करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधु काव्य निबन्धनम्	iv. वामन
	v. दण्डी

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	ii	i
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर- (B)

उक्तियाँ	सम्बन्धित आचार्य	रचना
A. शब्दार्थ शरीरं तावत् काव्यम्	दण्डी	काव्यादर्श
B. काव्यं ग्राह्याम् अलंकारात	वामन	काव्यालंकार सूत्र वृत्ति
C. मुख्यार्थहतिर्दोषः	मम्मट	काव्य प्रकाश
D. करोति कीर्ति प्रीतिं च साधु काव्य निबन्धनम्	भामह	काव्यालंकार
E. वाक्यं रसात्मक काव्यं	विश्वनाथ	साहित्य दर्पण

71. इन स्थापनाओं को उनके विद्वानों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. महान कवि वही हो सकता है, जो साथ में गंभीर दार्शनिक हो।	i. टी.एस. इलियट
b. कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि उससे पलायन है।	ii. कॉलरिज
c. काव्य-भाषा तथ्यात्मक नहीं, रागात्मक होती है।	iii. लांजाइनस
d. महान् व्यक्तित्व ही महान् विचारों से सम्पन्न होता है।	iv. आई.ए.रिचर्ड्स
	v. ड्राइडन

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	ii	iv	v
(C)	v	iv	iii	i
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

स्थापना	विद्वान	सिद्धान्त
A. महान् कवि वही हो सकता है, जो साथ में गंभीर दार्शनिक हो।	कॉलरिज	कल्पना सिद्धान्त
B. कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं बल्कि उससे पलायन है।	टी.एस. इलियट	निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
C. काव्यभाषा तथ्यात्मक नहीं रागात्मक होती है।	आई.ए. रिचर्ड्स	सम्प्रेषण एवं मूल्य सिद्धान्त
D. महान् व्यक्तित्व ही महान् विचारों से सम्पन्न होता है।	लांजाइनस	औदात्यवाद

72. निम्नलिखित उदाहरणों को उनके अलंकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति। परित गाँठ दुरजन हिए, दई नई यह रीति।	i. रूपक
b. चंचल-अंचल सा नीलांबर	ii. उत्प्रेक्षा
c. खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघ वन बीच गुलाबी रंग।	iii. असंगति
d. अम्बर-पनघट में डुबो रही तारा-घट ऊषा-नागरी।	iv. विरोधाभास
	v. उपमा

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	v	ii	i
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	i	iii

उत्तर- (B)

उदाहरण	अंलकार	विशेष
A. दृग अरूझत……. ….. नई यह रीति।	असंगति	जहाँ कार्य कहीं और तथा कारण कहीं और हो अथार्त् असमानता हो
B. चंचल-अंचल सा नीलांबर।	उपमा	जहाँ उपमेय की तुलना उपमान से की जाये
C. खिला हो ज्यों …. ……..गुलाबी रंग।	उत्प्रेक्षा	जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना हो
D. अम्बर पनघट…… ….. ऊषा-नागरी।	रूपक	जहाँ उपमेय तथा उपमान में अभेद रूप हो।

73. **निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः**

	सूची - I		सूची - II
a.	कितना अकेला हूँ मैं, इस समाज में	i.	मुक्तिबोध
b.	पिस गया वह भीतरी औ बाहरी दो कठिन पाटों के बीच	ii.	अज्ञेय
c.	वे पत्तर जोड़ रहे हैं, तुम सपने जोड़ रहे हो।	iii.	नागार्जुन
d.	मैं ही वसंत का अग्रदूत	iv.	रघुवीर सहाय
		v.	निराला

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर- (A)

पंक्तियाँ	कवि
कितना अकेला ----------- समाज में।	*रघुवीर सहाय*
पिस गया --------- पाटों के बीच।	*मुक्तिबोध*
वे पत्तर --------- रहे हों।	*नागार्जुन*
मैं ही बसन्त का अग्रदूत।	*निराला*
कन्हाई ने प्यार किया कितनी गोपियों को कितनी बार	*अज्ञेय*

74. **निम्नलिखित कवियों को उनकी जनपदीय भाषा से सुमेलित कीजिएः**

	सूची - I		सूची - II
a.	जगदीश गुप्त	i.	बुंदेली
b.	बंशीधर शुक्ल	ii.	राजस्थानी
c.	ईसुरी	iii.	भोजपुरी
d.	सूर्यमल्ल मिश्रण	iv.	अवधी
		v.	ब्रज

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	iii	ii	i	v
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर- (D)

कवि	जनपदीय भाषा	उपभाषा
जगदीश गुप्त	*ब्रज*	*पश्चिमी हिन्दी*
बंशीधर शुक्ल	*अवधी*	*पूर्वी हिन्दी*
ईसुरी	*बुन्देली*	*पश्चिमी हिन्दी*
सूर्यमल्ल मिश्रण	*राजस्थानी*	*राजस्थानी*
भिखारी ठाकुर	*भोजपुरी*	*बिहारी हिन्दी*

75. **इन रचनाकारों को उनके सर्वाधिक सम्बद्ध जनसंचार माध्यमों से सुमेलित कीजिएः**

	सूची - I		सूची - II
a.	उदयशंकर भट्ट	i.	दूरदर्शन
b.	इलाचन्द्र जोशी	ii.	फिल्म
c.	मनोहरश्याम जोशी	iii.	समाचार पत्रकारिता
d.	अज्ञेय	iv.	रेडियो
		v.	कम्प्यूटर-इण्टरनेट

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर- (A)

रचनाकार	सम्बन्धित जनसंचार माध्यम
उदयशंकर भट्ट	*फिल्म*
इलाचन्द्र जोशी	*रेडियो*
मनोहर श्याम जोशी	*दूरदर्शन*
अज्ञेय	*समाचार पत्रकारिता*

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
JUNE : 2013	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'वट पीपल' के लेखक कौन हैं?
(A) हरिवंशराय बच्चन (B) निर्मल वर्मा
(C) रामधारी सिंह दिनकर (D) रामकुमार वर्मा

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'मिट्टी की ओर' (1946 ई0), 'अर्द्धनारीश्वर' (1952), 'रेती के फूल' (1954), 'वेणुवन' (1958), 'उजली आग' (1956), 'वट पीपल' (1961ई0), 'साहित्यमुखी' (1968) इत्यादि रामधारी सिंह 'दिनकर' के निबन्ध-संग्रह हैं।*

2. 'समांतर कहानी' के पुरस्कर्ता हैं?
(A) महीप सिंह (B) कमलेश्वर
(C) मोहन राकेश (D) राजेन्द्र यादव

उत्तर- (B)/ व्याख्या *कहानी आन्दोलन एवं उनके पुरस्कर्त्ता निम्नवत है-*

कहानी आन्दोलन	सन्	पुरस्कर्ता
1. नयी कहानी	1956-57	मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर
2. अ- कहानी	1960-62	डॉ.गंगा प्रसाद विमल
3. सचेतन कहानी	1964 ई०	डॉ.महीप सिंह
4. सहज कहानी	1968	अमृत राय
5. समान्तर कहानी	1972	कमलेश्वर
6. सक्रिय कहानी	1979	राकेश वत्स

3. 'शेषयात्रा' की लेखिका कौन हैं?
(A) उषा प्रियंवदा (B) कृष्णा सोबती
(C) नासिरा शर्मा (D) मन्नू भण्डारी

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'पचपन खम्भे लाल दीवारें' (1961 ई.), 'रुकोगी नहीं राधिका' (1967), 'शेषयात्रा' (1984), 'अन्तर्वशी' (2000) तथा 'भय कबीर उदास' (2007) उषा प्रियंवदा के उपन्यास हैं।*

4. हिन्दी साहित्य के प्रथम इतिहासकार हैं-
(A) जॉर्ज ग्रियर्सन (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर (D) गार्सा द तासी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *हिन्दी साहित्य के प्रथम इतिहासकार फ्रेंच विद्वान गार्सा द तासी हैं। इन्होंने फ्रेंच भाषा में 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐंदुई ऐ ऐन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रन्थ लिखा। जिसका प्रथम भाग 1839 ई. तथा द्वितीय भाग 1847 ई. में प्रकाशित हुआ और दूसरा संस्करण 1871 ई. में आया। इसमें कवियों का विवरण वर्णक्रमानुसार दिया गया है।*

5. 'कुमारपाल प्रतिबोध' के रचनाकार कौन हैं?
(A) हेमचन्द्र (B) सारंगधर
(C) सोमप्रभु सूरि (D) विद्याधर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'कुमारपाल प्रतिबोध' (1184 ई.) सोमप्रभ सूरी की रचना है। यह गद्यपद्यमय संस्कृत-प्राकृत काव्य है। 'कुमारपाल चरित्र' नामक प्राकृत काव्य हेमचन्द्र का है।*

6. निम्नलिखित में कौन-सी रचना उपन्यास नहीं हैं?
(A) अजय की डायरी (B) एक साहित्यिक की डायरी
(C) जयवर्धन (D) पहला गिरमिटिया

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'एक साहित्यिक की डायरी' (1964 ई.) मुक्तिबोध की आलोचनात्मक कृति है। जबकि अन्य सभी- 'अजय की डायरी' (1960 ई.), 'जयवर्धन' (1956 ई.), 'पहला गिरमिटिया' (1999) क्रमशः डॉ. देवराज, जैनेन्द्र तथा गिरिराज किशोर के उपन्यास हैं।*

7. इनमें से कौन नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में नहीं है?
(A) रामनारायण मिश्र (B) श्यामसुन्दर दास
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) ठाकुर शिवकुमार सिंह

उत्तर- (C)/ व्याख्या *नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 1893 ई. में की गयी थी। इसके संस्थापक सदस्यों में मुख्यतः तीन- रामनारायण मिश्र, श्यामसुन्दरदास तथा ठाकुर शिव कुमार सिंह थे। रामचन्द्र शुक्ल इसमें सम्मिलित नहीं थे।*

8. इनमें कौन वैष्णव भक्ति का आचार्य नहीं है?
(A) शंकराचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) मध्वाचार्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *शंकराचार्य वैष्णव भक्त आचार्य नहीं थे। इन्होने ज्ञान और भक्ति तथा निर्गुण और सगुण के विरोध की स्थापना करते हुये निर्गुण ब्रह्म से ही ज्ञान को सम्बद्ध किया। इन्होने 'अद्वैतवाद' सिद्धान्त का प्रवर्तन किया और स्मार्त सम्प्रदाय की स्थापना की तथा इसमें पंचदेवोपासना की व्यवस्था की।*
रामानुचार्य वैष्णव भक्ति के आद्य आचार्य माने जाते हैं।

9. जगनिक की रचना कही जाती है
(A) बीसलदेव रासो (B) परमाल रासो
(C) पृथ्वीराज रासो (D) आल्ह खण्ड

उत्तर-(B/D)/ व्याख्या *जगनिक की रचना का मूल नाम 'परमाल रासो' है। इसी को उत्तर प्रदेश में 'आल्हाखंड' के नाम से जाना जाता है। 1865 ई. में चार्ल्स इलियट ने 'आल्हाखंड' के नाम से इसका प्रकाशन कराया था। यह एक लोकगेय काव्य है। विकल्प में दोनों होने के कारण (UGC) नें दोनों को सही माना है। बीसलदेव रासो- नरपति नाल्ह की तथा पृथ्वीराजरासो- चन्दवरदायी की रचना है।*

10. 'झोपड़ी से राजभवन तक' के लेखक कौन हैं?
(A) नैमिश राय (B) माता प्रसाद
(C) कंवल भारती (D) सूरजपाल चौहान

उत्तर- (B)/ व्याख्या *यह आत्मकथा विधा की रचना है।*

आत्मकथा	प्र० वर्ष	आत्मकथाकार
झोपड़ी से राजभवन तक	2002	माता प्रसाद
अपने-अपने पिंजरे	1995	मोहन दास नैमि शराय
तिरस्कृत	2002	सूरज पाल चौहान
संतप्त	2006	सूरजपाल चौहान

11. 'राम की शक्ति पूजा' की यौगिक प्रक्रिया का स्रोत क्या हैं?
(A) वेदान्त (B) योगवशिष्ठ (C) नव वेदान्त (D) हठ योग

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'राम की शक्तिपूजा' निराला की लम्बी कविता है। यह नव वेदान्त यौगिक प्रक्रिया पर आधारित है तथा इसका प्रेरणा स्रोत् 'कृत्तवासी रामायण' (बंग्ला) है।*

12. इनमें से कौन 'तार सप्तक' के कवि नहीं हैं?
(A) भारत भूषण अग्रवाल (B) भवानी प्रसाद मिश्र
(C) प्रभाकर माचवे (D) गिरिजाकुमार माथुर

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'तार सप्तक' 1943 ई. से प्रयोगवाद का जन्म माना जाता है। अन्य सप्तक- दूसरा सप्तक (1951), तीसरा सप्तक (1959), चौथा सप्तक (1979 ई.) में आया था। इन चारों सप्तकों के सम्पादक 'अज्ञेय' थे। चारों में सात-सात कवियों की रचनाओं का संकलन किया गया है। भवानी प्रसाद मिश्र 'दूसरा सप्तक' के जबकि अन्य सभी 'तार सप्तक' के कवि हैं।*

13. 'एक हथौड़ा वाला घर में और हुआ' किसकी पंक्ति हैं?
(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) रामदरश मिश्र
(C) रामकुमार वर्मा (D) शिवमंगल सिंह सुमन

उत्तर- (A)/ व्याख्या *केदारनाथ अग्रवाल प्रगतिवाद के प्रमुख कवि हैं। ''एक हथौड़ा --------- हुआ।'', ''आज नदी बिल्कुल उदास थी'' इनकी पंक्तियाँ हैं। 'युग की गंगा' (1947 ई.), 'नींद के बादल' (1947 ई.), 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' (1965) इत्यादि इनकी काव्य रचना है।*

14. प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धंधा' किसने कहा है?
(A) नगेन्द्र (B) शिवदानसिंह चौहान
(C) रामकुमार वर्मा (D) नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *नन्ददुलारे वाजपेयी को प्रायः छायावादी, स्वच्छन्दतावादी, सौष्ठववादी, रसवादी तथा आध्यात्मवादी समीक्षक कहा जाता है। इन्होंने प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धंधा' कहा है। 'आधुनिक इतिहास', 'नया साहित्य ः नये प्रश्न', प्रकीर्णिका इत्यादि इनकी समीक्षात्मक कृतियाँ हैं।*

15. 'अगले जनम मोहि बिटिया न कीजो' की लेखिका कौन हैं?
(A) मधु कांकरिया (B) अनामिका
(C) उषा राजे सक्सेना (D) मृणाल पाण्डेय

उत्तर- (*)/ व्याख्या

रचना	लेखिका
रास्तों पर भटकते हुये	मृणाल पाण्डेय
अंतहीन मरुस्थल	मधु कांकरिया
अवांतर कथा	अनामिका
इन्द्रधनुष की तलाश में	उषा राज सक्सेना

नोट- 'अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो' उर्दू साहित्यकार कुर्तुलुन-ए-हैदर की रचना है।

16. 'अग्निपथ के पार चंदन-चांदनी का देश' किसकी पंक्ति हैं?
(A) हरिवंशराय बच्चन (B) महादेवी वर्मा
(C) रामनरेश त्रिपाठी (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर- (B)/ व्याख्या *1. 'अग्निपथ ------- का देश।'*
2. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली।' महादेवी वर्मा की पंक्तियाँ हैं। यह छायावाद की प्रमुख कवयित्री हैं। 'नीहार' (1930), 'रश्मि' (1932), 'नीरजा' (1935), 'सांध्यगीत' (1936) तथा 'यामा' (1940) इनकी प्रमुख काव्य कृतियाँ हैं।

17. 'आनन्द कादम्बिनी' के संपादक कौन थे?
(A) बाबू महादेव सेठ (B) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(D) अम्बिका प्रसाद व्यास

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'आनन्द कादम्बिनी' (1881 ई.) (मासिक) तथा 'नागरी-नीरद' (1893 ई.) (साप्ताहिक) मिर्जापुर से प्रकाशित होने वाली पत्रिकायें थी। इसके सम्पादक बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' थे।*

18. 'गोबर गणेश' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
(A) रमेशचन्द्र शाह (B) विवेकीराय
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) शैलेश मटियानी

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'गोबर गणेश' (1978 ई.), 'किस्सा गुलाम' (1986 ई.), 'आखिरी दिन' (1992) तथा 'पुनर्वास' (1995 ई.) रमेशचन्द्र शाह के उपन्यास हैं।*

19. 'फादर कामिल बुल्के' को हिन्दी साहित्य में महत्त्व दिये जाने का कारण है?
(A) कोश निर्माण (B) ये सभी
(C) रामकथा लेखन (D) तुलसी साहित्य के विशेषज्ञ

उत्तर- (B)/ व्याख्या *फादर कामिल बुल्के का जन्म 1909 ई. में बेल्जियम में हुआ था। 'रामकथा का विकास' पर शोध कार्य किया। रामकथा उत्पत्ति और विकास, अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोश, मुक्तिदाता, नया विधान, नीलाक्षी, बाइबिल का हिन्दी अनुवाद तथा तुलसी साहित्य पर इन्होनें विशेष कार्य किया। 1982 ई. में दिल्ली में इनका निधन हो गया।*

20. 'आत्माराम की टें-टें' निबन्ध में आत्माराम के प्रतीक हैं?
(A) गोविन्द नारायण मिश्र (B) गोपालराम 'गहमरी'
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) बालमुकुन्द गुप्त

उत्तर- (D)/ व्याख्या *महावीर प्रसाद द्विवेदी के 'भाषा और व्याकरण' लेख में 'अनस्थिरता' शब्द को लेकर बालमुकुंद ने एक व्यंग्य लेख लिखा था। जिसके प्रतिउत्तर में महावीर प्रसाद ने 'सरगौ नरक ठेकाना नाहिं' नामक लेख 'कल्लू अल्हइत' के नाम से लिखा था। बाद में गोविन्दनारायण मिश्र ने महावीर प्रसाद द्विवेदी का पक्ष लेते हुए 'आत्माराम की टें-टें' नामक लेख लिखा। इस लेख में ही 'आत्माराम' के प्रतीक बालमुकुन्द गुप्त हैं।*

21. प्रकाशन के अनुसार इन आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) प्रेमचन्द और उनका युग- हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष- छायावाद- हिन्दी नवरत्न
(B) हिन्दी नवरत्न- प्रेमचन्द और उनका युग - हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष - छायावाद
(C) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष - छायावाद - हिन्दी नवरत्न - प्रेमचन्द और उनका युग
(D) छायावाद - हिन्दी नवरत्न - प्रेमचन्द और उनका युग - हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष

उत्तर- (B)/ व्याख्या *प्रकाशन वर्ष के अनुसार आलोचना ग्रन्थों का क्रम-*

आलोचना ग्रन्थ	प्र० वर्ष	ग्रन्थकार
हिन्दी नवरत्न	1910 ई.	मिश्र बन्धु
प्रेमचन्द और उनका युग	1952 ई.	रामविलास शर्मा
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954 ई.	शिवदान सिंह चौहान
छायावाद	1955 ई.	नामवर सिंह

22. जन्म के आधार पर इन निबन्धकारों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी - वासुदेवशरण अग्रवाल - भगवतशरण उपाध्याय- डॉ. सम्पूर्णानन्द
(B) वासुदेवशरण अग्रवाल - भगवतशरण उपाध्याय - डॉ. सम्पूर्णानन्द - रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) भगवतशरण उपाध्याय - डॉ. सम्पूर्णानन्द - रामवृक्ष बेनीपुरी - वासुदेवशरण अग्रवाल
(D) डॉ. सम्पूर्णानन्द - रामवृक्ष बेनीपुरी - वासुदेवशरण अग्रवाल - भगवतशरण उपाध्याय

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जन्म के आधार पर सही अनुक्रम- डॉ. सम्पूर्णानन्द (1890 ई.), रामवृक्ष बेनीपुरी (1896 ई.), वासुदेव शरण अग्रवाल (1904 ई.), भगवत शरण उपाध्याय (1908 ई.)।*

23. प्रकाशन वर्ष के आधार पर इन उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) रुकोगी नहीं राधिका - आपका बंटी - सूरजमुखी अँधेरे के - चित्तकोबरा
(B) आपका बंटी - सूरजमुखी अँधेरे के - चित्तकोबरा - रुकोगी नहीं, राधिका
(C) सूरजमुखी अँधेरे के - चित्तकोबरा - रुकोगी नहीं, राधिका - आपका बंटी
(D) चित्तकोबरा - रुकोगी नहीं, राधिका - आपका बंटी - सूरजमुखी अँधेरे के

उत्तर- (A)/ व्याख्या *प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का क्रम-*

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रुकोगी नहीं राधिका	*1967 ई.*	*उषा प्रियंवदा*
आपका बंटी	*1971 ई.*	*मन्नू भण्डारी*
सूरजमुखी अंधेरे के	*1972 ई.*	*कृष्णा सोवती*
चित्तकोबरा	*1979 ई.*	*मृदुला गर्ग*

24. प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) विशाख - अजातशत्रु - स्कन्दगुप्त - राज्यश्री
(B) अजातशत्रु - स्कन्दगुप्त- राज्य श्री - विशाख
(C) राज्य श्री - विशाख - अजातशत्रु - स्कन्दगुप्त
(D) स्कन्दगुप्त - राज्यश्री - विशाख - अजातशत्रु

उत्तर- (C)/ व्याख्या *प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम- 'राज्यश्री' (1915 ई.), 'विशाख' (1921), 'अजातशत्रु' (1922), 'स्कन्दगुप्त' (1928) है।*

25. जैनेन्द्र कुमार के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) त्यागपत्र - कल्याणी - सुखदा - सुनीता
(B) सुनीता - त्यागपत्र - कल्याणी - सुखदा
(C) कल्याणी - सुखदा - सुनीता - त्यागपत्र
(D) सुखदा - सुनीता - त्यागपत्र - कल्याणी

उत्तर- (B)/ व्याख्या *जैनेन्द्र के उपन्यासों का सही अनुक्रम- 'सुनीता' (1934 ई.), 'त्यागपत्र' (1937), 'कल्याणी' (1939), 'सुखदा' (1952) है।*

26. काल के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) भामह - दण्डी - आनन्दवर्द्धन - अभिनवगुप्त
(B) दण्डी - आनन्दवर्द्धन - अभिनवगुप्त - भामह
(C) आनन्दवर्द्धन - अभिनवगुप्त - भामह - दण्डी
(D) अभिनवगुप्त - भामह - दण्डी - आनन्दवर्द्धन

उत्तर- (A)/ व्याख्या *काल के अनुसार आचार्यों का अनुक्रम-*

आचार्य	काल/समय	रचना
भामह	*6वीं शताब्दी*	*काव्यालंकार*
दण्डी	*7वीं शताब्दी*	*काव्यादर्श*
आनन्दवर्द्धन	*9वीं शताब्दी*	*ध्वन्यालोक*
अभिनव गुप्त	*10-11वीं शताब्दी*	*ध्वन्यालोक लोचन*

27. चरण में वर्णो की संख्या (कम से अधिक) के आधार पर इन वर्णिक छन्दों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) वसन्त तिलका - मन्दाक्रान्ता - शार्दूल - विक्रीडित - इन्द्रवज्रा
(B) मन्दाक्रान्ता - शार्दूल विक्रीडित - इन्द्रवज्रा - वसन्त तिलका
(C) शार्दूल विक्रीडित - इन्द्रवज्रा - वसन्त तिलका - मन्दाक्रान्ता
(D) इन्द्रवज्रा - वसन्त तिलका - मन्दाक्रान्ता - शार्दूल विक्रीडित

उत्तर- (D)/ व्याख्या *चरण में वर्णों की संख्या का क्रम- इन्द्रवज्रा (11-वर्ण), वसन्त तिलका (14-वर्ण), मन्दाक्रान्ता (17-वर्ण), शार्दूल विक्रीडित (19-वर्ण) है।*

28. आदिकाल के निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) गोरखनाथ - अमीर खुसरो - विद्यापति - सरहपा
(B) अमीर खुसरो - विद्यापति - सरहपा - गोरखनाथ
(C) सरहपा - गोरखनाथ - अमीर खुसरो - विद्यापति
(D) विद्यापति - सरहपा - गोरखनाथ - अमीर खुसरो

उत्तर- (C)/ व्याख्या *रचनाकारों का सही अनुक्रम- सरहपा (769 ई. राहुल के अनुसार), गोरखनाथ 845 ई.(राहुल के अनुसार, 13वीं शती- शुक्ल के अनुसार, 11वीं शती-बड़थ्वाल के अनुसार), अमीर खुसरो (1255-1324 ई.), विद्यापति (1350-1460 ई.) है।*

29. स्थापना के आधार पर इन हिन्दी संस्थाओं का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) काशी नागरी प्रचारणी सभा - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा - साहित्य अकादमी
(B) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग - राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा - साहित्य अकादमी - काशी नागरी प्रचारणी सभा
(C) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा - साहित्य अकादमी - काशी नागरी प्रचारणी सभा - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
(D) साहित्य अकादमी - काशी नागरी प्रचारणी सभा- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग - राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

उत्तर- (A)/ व्याख्या *स्थापना के अनुसार संस्थाओं का अनुक्रम-*

संस्था	स्थापना वर्ष	स्थान
काशी नागरी प्रचारणी सभा	*1893 ई.*	*काशी/बनारस*
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग	*1910 ई.*	*इलाहाबाद*
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	*1936 ई.*	*वर्धा*
साहित्य अकादमी	*1954 ई.*	*नई दिल्ली*

30. जन्म के आधार पर इन कवियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) सूरदास - परमानंद दास - कृष्णदास - कुंभनदास
(B) कुंभनदास - सूरदास - परमानंद दास - कृष्णदास
(C) परमानंद दास - कृष्णदास - कुंभनदास - सूरदास
(D) कृष्णदास - कुंभनदास - सूरदास - परमानंद दास

उत्तर- (B)/ व्याख्या *जन्म के अनुसार कवियों का अनुक्रम- कुंभनदास (1468 ई.), सूरदास (1478 ई.), परमानन्द दास (1493 ई.), कृष्णदास (1496 ई.) है।*

31. **निम्नलिखित भाषा रूपों और उनके प्रयोक्ताओं को सुमेलित कीजिये-**

सूची - I		सूची - II	
a.	दक्खिनी	i.	दामोदर पंडित
b.	कोसली	ii.	कुतुबशाह
c.	ब्रजबुलि	iii.	सरहदपाद
d.	संधाभाषा	iv.	शंकर देव अवतरे
		v.	कुतुबन

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	ii	i

उत्तर- (B)

भाषा रूप	प्रयोक्ता
दक्खिनी	*कुतुबशाह*
कोसली	*दामोदर पंडित*
ब्रजबुलि	*शंकर देव अवतरे*
संधाभाषा	*सरहपाद*
अवधी	*कुतुबन*

32. **निम्नलिखित इतिहासग्रंथों को उनके लेखकों से सुमेलित कीजिये-**

सूची - I		सूची - II	
a.	हिन्दी साहित्य का अतीत	i.	रामस्वरूप चतुर्वेदी
b.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	ii.	गणपति चन्द्र गुप्त
c.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	iii.	रामकुमार वर्मा
d.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	iv.	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
		v.	डॉ. नगेन्द्र

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर- (C)

इतिहास ग्रंथ	लेखक	प्र० वर्ष
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	*विश्वनाथ प्रसाद मिश्र*	*1959 (i) 1960 (ii)*
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	*रामस्वरूप चतुर्वेदी*	*1986 ई.*
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	*गणपति चन्द्र गुप्त*	*1965 ई.*
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	*रामकुमार वर्मा*	*1938 ई.*

33. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-**

सूची- I		सूची - II	
a.	बीजक	i.	जायसी
b.	अखरावट	ii.	कबीरदास
c.	भक्तमाल	iii.	नन्ददास
d.	श्याम सगाई	iv.	नाभादास
		v.	हितहरिवंश

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर- (C)

रचना	रचनाकार
बीजक	*कबीरदास*
अखरावट	*जायसी*
भक्तमाल	*नाभादास*
श्याम सगाई	*नन्ददास*
हित-चौरासी	*हित हरिवंश*

34. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजियेः**

सूची - I		सूची - II	
a.	छत्रसाल दशक	i.	घनानन्द
b.	कवि कुल कल्पतरू	ii.	देव
c.	भाव विलास	iii.	भूषण
d.	इश्कलता	iv.	चिन्तामणि
		v.	सूरदास

कूटः

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर- (D) व्याख्या

रचना	रचनाकार
छत्रसाल दशक	*भूषण*
कवि कुल कल्पतरु	*चिन्तामणि*
भाव विलास	*देव*
इश्कलता	*घनानन्द*
नलदमन	*सूरदास*

नोट - यह सूरदास रीतिकाल के कवि हैं भक्तिकाल वाले नहीं।

35. **निम्नलिखित काव्य छन्दों को उनके प्रयोक्ता कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-**

सूची - I		सूची - II	
a.	सॉनेट	i.	अज्ञेय
b.	हाइकू	ii.	त्रिलोचन
c.	सवैया	iii.	गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
d.	कवित्त	iv.	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
		v.	मंगलेश डबराल

कूटः

	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	ii
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iv	ii	v	i
(D)	ii	i	iii	iv

उत्तर- (D)

छन्द	प्रयोक्ता
सॉनेट	*त्रिलोचन*
हाइकू	*अज्ञेय*
सवैया	*गया प्रयाद शुक्ल 'सनेही'*
कवित्त	*अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'*

36. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों के साथ उनके कवियों को सुमेलित कीजिये-

	सूची - I		सूची - II
a.	चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना	i.	महावीर प्रसाद द्विवेदी
b.	रूपोद्यान प्रफुल्लप्राय कलिका राकेंदु बिम्बानना	ii.	मैथिलीशरण गुप्त
c.	वेदने ! तू भी भली बनी	iii.	महादेवी वर्मा
d.	सुरम्य रम्ये, रस राशि रंजिते	iv.	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
		v.	सुभद्रा कुमारी चौहान

कूटः

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	v	iii	i	ii
(C)	ii	i	v	iv
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर- (A)

काव्य पंक्तियाँ	रचयिता
चिर सजग ---------- व्यस्त बना।	*महादेवी वर्मा*
रूपोद्यान --------- बिम्बानना।	*'हरिऔध'*
वेदने! तू भली बनी।	*मैथिलीशरण गुप्त*
सुरम्य रम्ये रस राशि रंजिते।	*महावीर प्रसाद द्विवेदी*
नंदन-वन सी फूल उठी यह छोटी-सी कुटिया मेरी।	*सुभद्रा कुमारी चौहान*

37. निम्नलिखित नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिये-

	सूची - I		सूची - II
a.	बंधन अपने-अपने	i.	सुरेन्द्र वर्मा
b.	सिन्दूर की होली	ii.	शंकर शेष
c.	अशोक का शोक	iii.	लक्ष्मी नारायण लाल
d.	नायक, खलनायक, विदूषक	iv.	मोहन राकेश
		v.	रामकुमार वर्मा

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	iv	ii	iii
(B)	ii	iii	v	i
(C)	v	i	iii	ii
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर- (B)

नाटक	प्र० वर्ष	नाटककार
बंधन अपने-अपने	-	*शंकर शेष*
सिन्दूर की होली	*1934 ई.*	*लक्ष्मी नारायण मिश्र*
अशोक का शोक	*1967 ई.*	*रामकुमार वर्मा*
नायक, खलनायक, विदूषक	*1972 ई.*	*सुरेन्द्र वर्मा*
आषाढ़ का एक दिन	*1958 ई.*	*मोहन राकेश*

38. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिये-

	सूची - I		सूची - II
a.	लाल पान की बेगम	i.	रामदरश मिश्र
b.	एक औरत की जिन्दगी	ii.	निर्मल वर्मा
c.	लन्दन की एक रात	iii.	फणीश्वरनाथ रेणु
d.	शवयात्रा	iv.	श्रीकांत वर्मा
		v.	कृष्ण बलदेव वैद

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	i	v
(D)	iii	i	ii	iv

उत्तर- (D)

कहानी	कहानीकार
लाल पान की बेगम	*फणीश्वरनाथ रेणु*
एक औरत की जिन्दगी	*रामदरश मिश्र*
लन्दन की एक रात	*निर्मल वर्मा*
शवयात्रा	*श्रीकान्त वर्मा*
जामुन की गुठली	*कृष्ण बलदेव वैद*

39. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

	सूची - I		सूची - II
a.	भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है।	i.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
b.	श्रद्धेय बनने का मतलब है 'नान परसन' अव्यक्ति हो जाना।	ii.	रामचन्द्र शुक्ल
c.	काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है।	iii.	बालमुकुन्द गुप्त
d.	पंडिताई भी एक बोझ है।	iv.	हरिशंकर परसाई
		v.	जयशंकर प्रसाद

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	ii	iv	v	i

उत्तर- (D)

पंक्तियाँ	लेखक
भक्ति धर्म --------- अनुभूति है।	*रामचन्द्र शुक्ल*
श्रद्धेय बनने ------- हो जाना।	*हरिशंकर परसाई*
काव्य ------------- अनुभूति है।	*जयशंकर प्रसाद*
पंडिताई भी एक बोझ है।	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
यह विचार वैसा ही बेतुका है जैसा अभी वर्षा में होली गायी जाती थी।	*बालमुकुन्द गुप्त*

40. निम्नलिखित अवधारणाओं के साथ उनके संस्थापकों को सुमेलित कीजियेः

	सूची - I		सूची - II
a.	सहृदय	i.	भट्टनायक
b.	साधारणीकरण	ii.	आनन्दवर्धन
c.	मधुमती भूमिका	iii.	जगदीश गुप्त
d.	अर्थ की लय	iv.	केशव प्रसाद मिश्र
		v.	अभिनवगुप्त

कूटः

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर- (C)

अवधारणा	संस्थापक
सहृदय	आनन्दवर्धन
साधारणीकरण	भट्टनायक
मधुमती भूमिका	केशव प्रसाद मिश्र
अर्थ की लय	जगदीश गुप्त

41. स्थापना (Assertion) (A) : उपमान को अप्रस्तुत विधान मानना हिन्दी का प्राचीन सिद्धान्त है।
तर्क (Reason) (R) : यह स्थापना आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की है अर्थात् यह नवीन सिद्धान्त है।

(a) (A) सही, (R) गलत (b) (A) गलत, (R) सही
(c) (A) और (R) दोनों सही (d) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *उपमान को (अप्रस्तुत) तथा उपमेय को (प्रस्तुत) विधान मानना नवीन सिद्धान्त है। इसकी स्थापना रामचन्द्र शुक्ल ने की है। अतः (A) गलत तथा (R) सही है।*

42. स्थापना (Assertion) (A) : अस्तित्ववाद विज्ञान विरोधी दर्शन है।
तर्क (Reason) (R) : यह 'चयन' की अगाध छूट देता है और अराजकता, अनास्था तथा अतिस्वच्छन्दता को प्रश्रय देता है। विज्ञान का भी यह अंध समर्थन नहीं करता।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अस्तित्ववादी दर्शन विज्ञान का विरोध करता है। वह उसका अंध समर्थन नहीं करता है। अस्तित्ववाद उन समस्त विचारों के विरुद्ध है जो व्यक्ति को अ-मनुष्य और अस्तित्वहीन बनाते हैं। यह मनुष्य को स्वतंत्र मानता है। यह मनुष्य को न तो वस्तु और न ही मशीन मानता है, इसकी दृष्टि में मनुष्य क्रियात्मक शक्ति है। कीर्केगार्द, सार्त्र आदि अस्तित्ववादी हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का सर्वस्व है 'काव्यालंकार'। इसके रहते अन्य किसी की आवश्यकता नहीं।
तर्क (Reason) (R) : काव्यालंकार में 'रसध्वनि' 'रसवदलंकार' आदि समस्त सम्प्रदायों का स्वतः सन्निवेश हो जाता है। वही सच्चे अर्थों में शोभाकारक धर्म है।

(a) (A) और (R) दोनों सही (b) (A) और (R) दोनों गलत
(c) (A) सही, (R) गलत (d) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *काव्य का सर्वस्व रस, छन्द, अलंकार इत्यादि सभी हैं, न कि सिर्फ काव्यालंकार। काव्यालंकार में सिर्फ अलंकार समाहित होता है अन्य कोई भी सिद्धान्त नहीं। अतः (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : बिम्ब का मुख्य ध्येय होता है, वर्ण्य विषय का ऐन्द्रिय प्रतिबिंबन।
तर्क (Reason) (R) : बिंब-विधायक रचनाकार ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से अपने भावों का सम्मूर्त्तन करके उनका संप्रेषण करता है और अपने बिंब से पाठक को जोड़ता है।

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) और (R) दोनो सहीं (d) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *शब्दों या रचना के माध्यम से रचनाकार, रचना को बिंब (रूप या प्रतिरूप या मॉडल) का आकार देने का प्रयत्न करता है। तथा वर्ण्य विषय का केन्द्रीय प्रतिबिंबन करता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : 'स्वच्छन्दतावाद' न छायावाद है, न रहस्यवाद।
तर्क (Reason) (R) : यह शास्त्रीय जड़ता की प्रतिक्रिया से उत्पन्न वैयक्तिक कल्पनातिरेक और निजी रहस्यानुभूति की उपज है।

(a) (A) और (R) दोनों सही (b) (A) और (R) दोनों गलत
(c) (A) सही, (R) गलत (d) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *स्वच्छन्दतावाद एक स्वतंत्र काव्यधारा मानी जाती है। पाश्चात्य प्रभाव स्वरूप इसका विकास भारतीय शास्त्रीय जड़ता के विरोध स्वरूप हुआ था। रामचन्द्र शुक्ल-श्रीधर पाठक को स्वच्छन्दतावाद का जनक मानते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के दिये हुए बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-

व्यक्ति-सम्बन्ध-हीन सिद्धान्त-मार्ग निश्चयात्मिका बुद्धि को चाहे व्यक्त हो, पर प्रवर्त्तक मन को अव्यक्त रहते हैं। वे मनोरंजनकारी तभी लगते हैं, जब किसी व्यक्ति के जीवन-क्रम के रूप में देखे जाते हैं। शील की विभूतियाँ अनन्त रूपों में दिखायी पड़ती है। मनुष्य जाति ने जब से होश सम्भाला तब से वह इन अनन्त रूपों को महात्माओं के आचरणों तथा आख्यानों और चरित्र-सम्बन्धी पुस्तकों में देखती चली आ रही है। जब इन रूपों पर मनुष्य मोहित होता है, तब सात्विक शील की ओर आप से आप आकर्षित होता है। शून्य सिद्धान्त वाक्यों में कोई आकर्षण-शक्ति या प्रवृत्तिकारिणी क्षमता नहीं होती। 'सदा सत्य बोलो', 'दूसरो की भलाई करो', 'क्षमा करना सीखो''- ऐसे-ऐसे सिद्धान्त वाक्य किसी को बार-बार बकते सुन वैसा ही क्रोध आता है जैसे किसी बेहूदे की बात सुनकर। जो इस प्रकार की बातें करता चला जाय उससे चट कहना चाहिये- 'बस चुप रहा, तुम्हे बोलने की तमीज नहीं, तुम बच्चों या कोल-भीलों के पास जाओं। ये बातें हम पहले से जानते हैं। मानव-जीवन के बीच हम इसके सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं। यदि तुम्हें दिखाने की प्रतिभा या शक्ति हो तो दिखाओ, नहीं तो चुपचाप अपना रास्ता लो।' गुण प्रत्यक्ष नहीं होता, उसके आश्रय और परिणाम प्रत्यक्ष होते है। अनुभावात्मक मन को आकर्षित करने वाले आश्रय और परिणाम है, गुण नहीं। ये ही अनुभूति के विषय हैं। अनुभूति पर प्रवृत्ति और निवृत्ति निर्भर हैं। अनुभूति मन की पहली क्रिया है, संकल्प-विकल्प दूसरी। अतः सिद्धान्त-पथों के सम्बन्ध में जो आनन्दानुभव करने की बाते है, जो अच्छी लगने की बातें हैं वे पथिकों में तथा उनके चारों पाई जाएँगी। सत्पथ के दीपक उन्हीं के हाथ में हैं- या वे ही सत्पथ के दीपक है। सत्वोन्मुख प्राणियों के लिये ऐसे पथिकों के सामीप्य-लाभ की कामना करना स्वाभाविक ही है।

46. मनुष्य सात्विक शील की ओर आप ही आप आकर्षित कब होता है?

(A) जब शील की विभूतियों के अनन्त रूपों पर मोहित होता है।
(B) शून्य सिद्धान्त वाक्यों को सुनकर।
(C) जब वह काव्य गुणों को पढ़ता है।
(D) निश्चयात्मक बुद्धि का जब उदय होता है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *जब मनुष्य शील की विभूतियों के अनन्त रूप में मोहित होता है, तब वह सात्विक शील की ओर अपने आप ही आकर्षित होता है।*

47. प्रवृत्ति और निवृत्ति किस पर निर्भर है?

(A) कविता के आस्वादन पर। (B) कविता के गुणों पर।
(C) अनुभूति पर। (D) महात्माओं के आचरण पर।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *अनुभूति पर ही प्रवृत्ति और निवृत्ति निर्भर है। अनुभूति मन की पहली क्रिया है।*

48. मन की दूसरी क्रिया क्या है?

(A) अनुभूति (B) सौन्दर्य
(C) प्रत्यक्षानुभूति (D) संकल्प-विकल्प

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *अनुभूति मन की पहली क्रिया है तथा संकल्प-विकल्प मन की दूसरी क्रिया है।*

49. व्यक्ति सम्बन्धहीन सिद्धान्त मार्ग मनोरंजनकारी कब लगते हैं?

(A) निश्चयात्मक बुद्धि के अभाव में।
(B) सिद्धान्तकारी वाक्यों को सुनकर।
(C) जब वे किसी व्यक्ति के जीवनक्रम के रूप में देखे जाते है।
(D) सत्वोन्मुख प्राणियों के वचन सुनकर।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *व्यक्ति-सम्बन्धहीन सिद्धान्त मार्ग प्रर्वतक मन को अव्यक्त रहते हैं। वे मनोरंजनकारी तभी लगते हैं, जब वे किसी व्यक्ति के जीवनक्रम के रूप में देखे जाते हैं।*

50. मानव-जीवन के बीच हम किस सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं?

(A) संकल्प-विकल्प का
(B) सिद्धान्त वाक्यों में निहित बातों का
(C) बच्चों को अच्छे-अच्छे सिद्धान्त वाक्य सुनाने का।
(D) गुण-कथन का।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *मानव-जीवन के बीच हम सिद्धान्त-वाक्यों में निहित बातों के सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं।*

व्याख्यात्मक हल | UGC NET/ J.R.F. EXAM

JUNE : 2013 | प्रश्न-पत्र III | हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. डॉ. सुनीतिकुमार चटर्जी के अनुसार पूर्वी हिन्दी आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं में किस वर्ग में आती है?

(A) उदीच्य (B) प्रतीच्य (C) मध्यदेशीय (D) प्राच्य

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सुनीति कुमार चटर्जी के अनुसार भाषा का वर्गीकरण-*
1. उदीच्य- सिन्धी, लहँदा, पंजाबी।
2. प्रतीच्य- गुजराती, राजस्थानी।
3. मध्यदेशीय- पश्चिमी हिन्दी।
4. प्राच्य- पूर्वी हिन्दी, बिहारी, उड़िया, असमिया, बंगाली।
5. दक्षिणात्य- मराठी।

2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने वैदिक ध्वनियों की संख्या मानी है

(A) 13 स्वर, 38 व्यंजन = 51 (B) 12 स्वर, 34 व्यंजन = 46
(C) 15 स्वर, 41 व्यंजन = 56 (D) 14 स्वर, 36 व्यंजन = 50

उत्तर- (A)/ व्याख्या *धीरेन्द्र वर्मा ने अपने ग्रन्थ 'हिन्दी भाषा का इतिहास' में वैदिक ध्वनियों की मूल संख्या (51) मानी है जिसमें 13 स्वर एवं 38 व्यंजन हैं।*

3. लल्लूजी लाल द्वारा रचित नहीं है

(A) सिंहासन बत्तीसी (B) शकुंतला नाटक
(C) प्रेम सागर (D) चंद्रावती

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सिहांसन बत्तीसी (1801), शकुंतला नाटक (1810) और प्रेमसागर (1810) लल्लूलाल की रचना है। जबकि चन्द्रावती या नासिकेतोपाख्यान (1803 ई.) सदल मिश्र की रचना है।*

4. 'अंगबधू' किस कवि की रचना है

(A) दादू दयाल (B) रज्जबजी
(C) विद्यापति (D) कबीरदास

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'अंगबधू' दादू दयाल की रचना है या इनकी रचनाओं का संकलन है। 'अंगबधू' के संकलनकर्ता रज्जब हैं। 'हरडेवाणी' भी दादू की रचनाओं का संग्रह है।*

5. शिवपूजन सहाय का एकमात्र उपन्यास है

(A) देहाती दुनिया (B) भिखारिणी
(C) मनोरमा (D) एकाकिनी

उत्तर- (A)

उपन्यास	प्र० वर्ष	उपन्यासकार
देहाती दुनिया	1926 ई.	शिवपूजन सहाय
भिखारिणी	1929 ई.	विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
मनोरमा	1924 ई.	चंडी प्रसाद हृदयेश
एकाकिनी	1927 ई.	श्रीनाथ सिंह

6. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के विरोधी आचार्य हैं

(A) भामह (B) आचार्य विश्वनाथ
(C) रुद्रट (D) मम्मट

उत्तर- (B)/ व्याख्या *वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक कुंतक हैं। वक्रोक्ति का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन भामह ने किया था जबकि आचार्य विश्वनाथ इसके विरोधी हैं। विश्वनाथ मुख्यतः रसवादी आचार्य हैं।*

7. किस आचार्य ने भावातिरेक को अनिष्टकर माना है?

(A) अरस्तू (B) लांजाइनस (C) प्लेटो (D) रिचर्ड्स

उत्तर- (C)/ व्याख्या *प्लेटो ने प्रत्ययवाद एवं आदर्शवाद का प्रवर्तन किया। प्लेटो ने साहित्य में भावों के अतिरेकर (अधिकता) को अनिष्टकर माना है। वे साहित्यकार के निष्कासन पर बल देते हैं।*

8. पश्चिम के आचार्यों में किसने भावदमन को अनिष्टकर माना है?

(A) अरस्तू (B) होरेस (C) कीट्स (D) इलियट

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अरस्तू ने त्रासदी एवं विवेचन के सिद्धान्त का प्रवर्तन किया। इनके अनुसार साहित्य में भावों का दमन बड़ा घातक होता है।*

9. अलंकार सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य हैं

(A) रुद्रट (B) भामह (C) दण्डी (D) उद्भट

उत्तर- (B)/ व्याख्या *अलंकार सम्प्रदाय के संस्थापक 'भामह' हैं। इन्होने दो शब्दालंकार तथा 36 अर्थालंकार अर्थात् कुल 38 अलंकारों का वर्णन किया है। 'वक्रोक्ति' को यह अलंकार का मूल या राजा मानते हैं। 'काव्यालंकार' इनका प्रसिद्ध ग्रन्थ है।*

10. कारयित्री और भावयित्री प्रतिभा का विभाजन किस आचार्य ने किया है?

(A) धनंजय (B) महिम भट्ट (C) श्री हर्ष (D) राजशेखर

उत्तर- (D)/ व्याख्या *काव्य हेतु तीन माने गये हैं (प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास)। राजशेखर ने प्रतिभा के दो भेद 'कारयित्री' तथा 'भावयित्री' किये हैं। कारयित्री प्रतिभा कवि में तथा भावयित्री प्रतिभा सहृदय में होती है।*

**11. ''कर्मठ कठमलिया कहें ज्ञानी ज्ञान-विहीन
तुलसी त्रिपथ बिहाय गो राम दुआरे दीन'' - में त्रिपथ का अर्थ है**

(A) निर्गुण, सगुण और मुक्ति मार्ग
(B) उत्तम मार्ग, मध्यम मार्ग और निम्न मार्ग
(C) द्वैत, अद्वैत और द्वैताद्वैत
(D) कर्म मार्ग, ज्ञान मार्ग और उपासना मार्ग

उत्तर- (D)/ व्याख्या *पंक्ति के अनुसार तुलसी के त्रिपथ का अर्थ है- कर्म मार्ग, ज्ञान मार्ग तथा उपासना मार्ग।*

12. ढलमल-ढलमल चंचल अंतल, झलमल झलमल तारा' - पंक्ति में मुख्यतः वर्णन है

(A) नदी की धारा का (B) नीले आकाश का
(C) चाँदनी रात का (D) साड़ी के आँचल का

उत्तर- (A)/ व्याख्या *पंक्ति में पानी में पड़ते हुये तारे की स्थिति या गति को अभिव्यंजित किया गया है। अतः नदी की धारा का वर्णन है।*

**13. संतन को कहा सीकरी सों काम?
आबत जात पहनियाँ टूटी, बिसरि गयो हरि नाम।।
- पंक्तियाँ किस कवि की हैं?**

(A) तुलसीदास (B) कुम्भनदास
(C) कबीरदास (D) दादू दयाल

उत्तर- (B)/ व्याख्या *कुंभनदास अष्टछाप के प्रथम कवि हैं। यह बल्लभाचार्य के शिष्य थे। अकबर ने इन्हें फतेहपुर सीकरी बुलाया था। वहाँ जाने पर इन्होंने अकबर से निम्न पद कहे थे-*
'संतन (भक्तन) को कहा ---------- गयो हरिनाम।

14. **बहु बीती थोरी रही, सोऊ बीती जाय ।**
हित ध्रुव बेगि बिचारि के बसि बृंदावन आय ।।
- पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
(A) सूरदास (B) कुम्भनदास (C) ध्रुवदास (D) रहीम

उत्तर- (C) व्याख्या *ध्रुवदास, हितहरिवंश के शिष्य स्वप्न में हुये थे। इनके रचित 40 ग्रन्थ माने जाते हैं। भक्तनामावली, सिद्धान्त विचार, ब्रजलीला, मानलीला, दानलीला इत्यादि इनके प्रमुख ग्रन्थ हैं। 'बहु बीती --------- वृंदावन आय।।' इनकी प्रसिद्ध पंक्ति है।*

यह रीतिकाल तथा भक्तिकाल के कवियों को जोड़ने वाले रससिद्ध कवि माने जाते हैं।

15. **छायावाद के समर्थन में सबसे पहला लेख लिखने वाले लेखक हैं**
(A) जयशंकर प्रसाद (B) मुकुटधर पाण्डेय
(C) श्रीधर पाठक (D) नन्ददुलारे बाजपेयी

उत्तर- (B) व्याख्या *छायावाद के समर्थन में सबसे पहला लेख मुकुटधर पाण्डेय ने 1920 ई. में जबलपुर से प्रकाशित 'श्रीशारदा' पत्रिका में 'हिन्दी में छायावाद' नामक शीर्षक से लिखा था। 'छायावाद' शब्द का प्रथम प्रयोग भी मुकुटधर ने ही किया था।*

16. **'संशय की एक रात' किसके संशय पर आधारित रचना है?**
(A) राम (B) कृष्ण (C) शंकर (D) विष्णु

उत्तर- (A) व्याख्या *'संशय की एक रात' (1962 ई.) के रचनाकार नरेश मेहता हैं। इसमें युद्ध को लेकर राम के मन में उत्पन्न हुये संशय का वर्णन है। बाद में वह इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि युद्ध सीता के लिये नहीं, प्रजा के लिये हो।*

17. **'अरे यायावर रहेगा याद' किसका यात्रावृत्तान्त है?**
(A) यशपाल (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) अज्ञेय (D) निर्मल वर्मा

उत्तर- (C)

यात्रा वृत्तांत	वर्ष	लेखक
अरे यायावर रहेगा याद।	1953	अज्ञेय
एक बूंद सहसा उछली।	1960	अज्ञेय
पैरों में पंख बाँधकर।	1952	रामवृक्ष बेनीपुरी
उड़ते चलो उड़ते चलो।	1954	रामवृक्ष बेनीपुरी
लोहे की दीवार के दोनों ओर	1953	यशपाल
चीड़ों पर चाँदनी	1964	निर्मल वर्मा

18. **इनमें से कौन-सी कृति संस्मरण विधा की नहीं है?**
(A) पथ के साथी (B) हम हशमत
(C) लौट आओ धार (D) मित्र संवाद

उत्तर- (D) व्याख्या *'मित्र संवाद' (1992 ई.) में रामविलास शर्मा तथा केदारनाथ अग्रवाल के पत्रों का संकलन है।*

'पथ के साथी' (1956), 'हम हशमत' (दो भाग) (1977 ई.), 'लौट आओ धार' (1995) क्रमशः महादेवी वर्मा, कृष्णा सोवती तथा दूधनाथ सिंह का संस्मरण है।

19. **हजारी प्रसाद द्विवेदी के किस उपन्यास में औपनिषधिक कथा का आधार लिया गया है?**
(A) बाणभट्ट की आत्मकथा (B) पुनर्नवा
(C) चारुचंद्र लेख (D) अनामदास का पोथा

उत्तर- (D) व्याख्या *हजारी प्रसाद द्विवेदी के चार प्रमुख उपन्यास- 1. बाणभट्ट की आत्मकथा (1946 ई.) इसमें द्विवेदी जी ने मध्यकालीन जड़ता पर प्रहार किया है। इसमें व्यष्टि तथा समष्टि का समन्वय मिलता है। यह एक क्लासिकल रोमैंटिक उपन्यास है।*
2. चारुचन्द्र लेख (1963 ई.) इसमें मध्यकालीन धार्मिक अभिप्रायों को आधुनिक दृष्टि से देखा गया है। इसका नायक 'सातवाहन' है।
3. पुनर्नवा (1973 ई.) इसमें गोपाल आर्यक तथा चन्दा की प्रेमकथा का वर्णन है।
4. अनामदास का पोथा (1976 ई.) यह औपनिषदिक कथा पर आधारित है तथा रैक्व ऋषि और राजकुमारी जाबाला की प्रेम कथा का वर्णन किया गया है।

20. **इनमें से कौन-सी रचना पौराणिक कथा पर आधारित नहीं है?**
(A) महाप्रस्थान (B) उर्वशी
(C) कनुप्रिया (D) अमन का राग

उत्तर- (D) व्याख्या *'अमन का राग' शमशेर बहादुर सिंह की एक लम्बी कविता है।*

जबकि 'महाप्रस्थान'- नरेश मेहता, 'उर्वशी'- दिनकर तथा 'कनुप्रिया'- धर्मवीर भारती की प्रबन्धात्मक रचनाएँ हैं, जो पौराणिक कथा पर आधारित है।

21. **'कर्मनाशा की हार' किसका कहानी संग्रह है?**
(A) धर्मवीर भारती (B) शिवप्रसाद सिंह
(C) मार्कण्डेय (D) ज्ञानरंजन

उत्तर- (B) व्याख्या *'आर पार की माला' (1955 ई.), 'कर्मनाशा की हार' (1958), 'मुरदा सराय' (1966), 'भेड़िये' (1977) इत्यादि शिव प्रसाद सिंह की कहानी के संग्रह हैं। 'गुल की बन्नो' धर्मवीर भारती, 'हंसा जाई अकेला' मार्कण्डेय और 'पिता' ज्ञानसंन की कहानी है।*

22. **रामवृक्ष बेनीपुरी का नाटक है**
(A) कोणार्क (B) अग्निशिखा
(C) आम्बपाली (D) अंधा कुआँ

उत्तर- (C)

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
कोणार्क	1951 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
अग्निशिखा	1970 ई.	रामकुमार वर्मा
आम्बपाली	1940 के आसपास	रामवृक्ष बेनीपुरी
अंधा कुआँ	1955 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

23. **'शारदीया' गद्य काव्य-कृति के रचनाकार हैं**
(A) दिनेश नंदनी डालमिया (B) सुमन राजे
(C) महादेवी वर्मा (D) मेहरुन्निसा परवेज़

उत्तर- (A) व्याख्या *'शबनम' (1937 ई.), 'मौक्तिक माल' (1938), 'शारदीया' (1939), 'दुपहरिया के फूल' (1942), 'स्पन्दन' (1949) इत्यादि दिनेश नंदिनी डालमिया की गद्य-काव्य कृति हैं।*

24. **जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित कहानी नहीं है**
(A) फांसी (B) नीलम देश की राजकन्या
(C) पाज़ेब (D) अमरवल्लरी

उत्तर- (D) व्याख्या *'खेल' (1928 ई.), 'फांसी' (1929), 'वातायन' (1930), 'नीलम देश की राजकन्या' (1933), 'एक रात' (1934), 'पाजेब' (1942 ई.) इत्यादि जैनेन्द्र के कहानी संग्रह हैं।*

'विपथगा' (1937 ई.), 'कोठरी की बात' (1945), 'शरणार्थी' (1948), 'जयदोल' (1951) तथा 'अमरवल्लरी' (1954 ई.) अज्ञेय के कहानी संग्रह हैं।

25. 'एक प्लेट सैलाब' कहानी की लेखिका हैं

(A) उषा प्रियंवदा (B) मन्नू भण्डारी
(C) कृष्णा सोबती (D) शिवानी

उत्तर- (B) व्याख्या *'मैं हार गयी' (1957 ई.), 'यही सच है' (1966 ई.), 'एक प्लेट सैलाब' (1968), 'त्रिशंकु' (1978) इत्यादि मन्नू भण्डारी के कहानी संग्रह हैं।*

26. 'रंग दे बसंती चोला' नाटक के रचनाकार हैं

(A) सुरेन्द्र वर्मा (B) मोहन राकेश
(C) भीष्म साहनी (D) विनोद रस्तोगी

उत्तर- (C) व्याख्या *'हानूश' (1977 ई.), 'कबिरा खड़ा बाजार में' (1981), 'माधवी' (1985), 'मुआवजे' (1993), 'रंग दे बसंती चोला' (1998) तथा 'आलमगीर' (1999 ई.) भीष्म साहनी के प्रसिद्ध नाटक हैं।*

27. 'यह पथ बंधु था' उपन्यास के लेखक हैं

(A) नरेश मेहता (B) विवेकी राय
(C) श्रीलाल शुक्ल (D) राजेन्द्र अवस्थी

उत्तर- (A) व्याख्या *'डूबते मस्तूल' (1954 ई.), 'धूमकेतु : एक श्रुति' (1962), 'यह पथ बंधु था' (1962), 'दो एकांत' (1964), 'नदी यशस्वी है' (1967), 'प्रथम फाल्गुन' (1968) तथा 'उत्तरकथा' (दो भाग) नरेश मेहता के उपन्यास हैं।*

28. 'नाच्यौ बहुत गोपाल' उपन्यास की नायिका है

(A) मृणालिनी (B) बुधिया (C) निर्गुनिया (D) सिलिया

उत्तर- (C) व्याख्या *'नाच्यौ बहुत गोपाल' (1978 ई.) अमृतलाल नागर का उपन्यास है। यह दलित-मेहतर समाज पर केन्द्रित है। 'निर्गुनिया' इस उपन्यास की प्रमुख पात्र है।*

29. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास की स्त्री पात्र हैं

(A) रेखा - गौरा (B) अमला - रंजना
(C) सेल्मा - योके (D) शशि - सरस्वती

उत्तर- (D) व्याख्या *'शेखर : एक जीवनी' (दो भाग) (1940-44 ई.) अज्ञेय का उपन्यास है। शशि और सरस्वती इसके स्त्री पात्र हैं। सेल्मा और योके, अज्ञेय के उपन्यास 'अपने-अपने अजनबी' (1961) के पात्र हैं।*

30. भारत विभाजन पर आधारित उपन्यास नहीं है

(A) झूठा सच (B) तमस
(C) सीधी सच्ची बातें (D) आधा गाँव

उत्तर- (C) व्याख्या *'सीधी सच्ची बातें- (1968 ई.) भगवती चरण वर्मा का उपन्यास है। इसमें (1938-48 ई.) तक के भारतीय इतिहास को सामान्य रूप से प्रस्तुत किया गया है, जो कि पूर्णतः भारत विभाजन से सम्बन्धित नहीं है। जबकि 'झूठा सच' (दो भाग) (1958 ई.)- यशपाल, 'तमस' (1973)- भीष्म साहनी तथा 'आधा गाँव' (1966 ई.)- राही मासूम रज़ा का भारत विभाजन से सम्बन्धित उपन्यास हैं।*

31. कौन-सी रचना रामधारी सिंह दिनकर की नहीं है?

(A) अध्यात्म चिन्तन (B) रेणुका
(C) दिल्ली (D) नीम के पत्ते

उत्तर- (A) व्याख्या *'रेणुका', 'दिल्ली' तथा 'नीम के पत्ते' 'दिनकर' की रचना है। जबकि 'अध्यात्म चिंतन' दिनकर की रचना नहीं है।*

32. इनमें से कौन-सी रचना भीष्म साहनी की है?

(A) बुनी हुई रस्सी (B) कड़ियाँ
(C) बहुत रात गये (D) कुछ और कविताएँ

उत्तर- (B) व्याख्या *'कड़ियाँ' (1970 ई.) भीष्म साहनी का उपन्यास है। 'बुनी हुई रस्सी'- भवानी प्रसाद मिश्र तथा 'कुछ और कवितायें' शमशेर बहादुर सिंह का काव्य-संग्रह है। 'बहुत रात गये' (1967 ई.) नरेन्द्र शर्मा का काव्य संग्रह है।*

33. कौन-सा उपन्यास भगवती चरण वर्मा का नहीं है?

(A) पतन (B) चित्रलेखा
(C) टेढ़े-मेढ़े रास्ते (D) न आने वाला कल

उत्तर- (D) व्याख्या *'पतन' (1927 ई.), 'चित्रलेखा' (1934) तथा 'टेढ़े-मेढ़े रास्ते' (1946 ई.) भगवती चरण वर्मा का उपन्यास है। जबकि 'न आने वाला कल' (1968 ई.) मोहन राकेश का उपन्यास है।*

34. 'देखिये मार्क्सवाद सिखाता है कि हर चीज़ पर डाउट करो' - यह कथन किस आलोचक का है?

(A) रामविलास शर्मा (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) शिवदान सिंह चौहान

उत्तर- (A) व्याख्या *रामविलास शर्मा मार्क्सवादी समीक्षक हैं। 'देखिये ---------- डाउट करो।' शर्मा जी का कथन है।*

35. इनमें से कौन-सी कृति प्रतिबन्धित रही है?

(A) भारत भारती (B) बंदिनी
(C) झाँसी की रानी (D) चिनगारियाँ

उत्तर- (D) व्याख्या *'चिनगारियाँ' (1926 ई.) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' का कहानी संग्रह है। इसमें कुल 12 कहानियाँ संग्रहित हैं। कहानियों के माध्यम से क्रान्तिकारी विचारों के कारण 1928 ई. में ब्रिटिश सरकार ने इसे जब्त कर प्रतिबन्धित कर दिया था। 'भारत भारती' भी कुछ समय के लिये प्रतिबन्धित थी।*

36. 'लाल पसीना' उपन्यास के लेखक हैं

(A) रामदेव धुरंधर (B) अभिमन्यु अनत
(C) हेमराज सुन्दर (D) अनन्त गोपाल शेवड़े

उत्तर- (B) व्याख्या *'लाल पसीना' (1977 ई.) अभिमन्यु अनत का उपन्यास है। इस उपन्यास की अगली कड़ी 'गाँधी जी बोले थे' (1984 ई.) है। 'शेफाली', 'इंसान और मशीन' इनके अन्य उपन्यास हैं। यह मारीशस के प्रवासी भारतीय हैं। इन्हें मारीशस का प्रेमचन्द कहा जाता है।*

37. 'जगदम्बा बाबू गाँव आ रहे हैं' कहानी संग्रह किस कथा लेखिका का है?

(A) ममता कालिया (B) मैत्रेयी पुष्पा
(C) चित्रा मुद्गल (D) राजी सेठ

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'लाक्षागृह' (1982 ई.), 'इस हमाम में' (1987), 'जगदम्बा बाबू आ रहे हैं' (1992), 'जिनावर' (1996), 'भूख' (2001) इत्यादि चित्रा मुद्‌गल के कहानी-संग्रह हैं।*

38. 'मय्यादास की माड़ी' उपन्यास के लेखक हैं

(A) भीष्म साहनी (B) अमरकांत
(C) राही मासूम रज़ा (D) जगदीश चंद्र

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'झरोखे' (1967 ई.), 'कड़ियाँ (1970), 'तमस' (1973), 'मय्यादास की माड़ी' (1988), 'कुन्तो' (1993), 'नीलू नीलिमा नीलोफर' (2000 ई.) इत्यादि भीष्म साहनी के उपन्यास हैं।*

39. निर्मल वर्मा द्वारा रचित निबन्धों का संग्रह नहीं है

(A) कला का जोखिम (B) शब्द और स्मृति
(C) चिन्तन मुद्रा (D) ढलान से उतरते हुये

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'चिन्तन मुद्रा' (1977) विष्णुकान्त शास्त्री का निबन्ध संग्रह है। जबकि 'कला का जोखिम' (1981), 'शब्द और स्मृति' (1976) तथा 'ढलान से उतरते हुये' (1985) निर्मल वर्मा का निबन्ध संग्रह है।*

40. 'कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ' इनमें से किस रचनाकार की रचना है?

(A) रघुवीर सहाय (B) रामदरश मिश्र
(C) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (D) धूमिल

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'सीढ़ियों पर धूप में', 'हँसो-हँसो जल्दी हँसो', 'लोग भूल गये हैं', 'कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ', 'आत्महत्या के विरुद्ध' इत्यादि रघुवीर सहाय के काव्य-संग्रह हैं।*

41. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) मृगावती, पद्‌मावत, चित्रावली, इन्द्रावती
(B) पद्‌मावत, चित्रावली, मृगावती, इन्द्रावती
(C) चित्रावली, मृगावती, इन्द्रवती, पद्‌मावत
(D) इन्द्रावती, पद्‌मावत, चित्रावली, मृगावती

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
मृगावती	1503 ई.	कुतुबुन
पद्‌मावत	1540 ई.	जायसी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
इन्द्रावती	1744 ई.	नूर मुहम्मद

42. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइये

(A) धरती धन न अपना, मुरदाघर, आधा गाँव, किसनगढ़ की अहेरी
(B) मुरदाघर, किसनगढ़ की अहेरी, आधा गाँव, धरती धन न अपना
(C) आधा गाँव, धरती धन न अपना, मुरदाघर, किसनगढ़ की अहेरी
(D) किसनगढ़ की अहेरी, आधा गाँव, धरती धन न अपना, मुरदाघर

उत्तर- (C)

कृति	प्रकाशित वर्ष	कृतिकार
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रज़ा
धरती धन न अपना	1972 ई.	जगदीश चन्द्र
मुरदाघर	1974 ई.	जगदम्बा प्रसाद 'दीक्षित'
किसनगढ़ की अहेरी	1981 ई.	संजीव

43. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है-

(A) महाभोज, पहला गिरमिटिया, कितने पाकिस्तान, मछली मरी हुई
(B) मछली मरी हुई, महाभोज, पहला गिरमिटिया, कितने पाकिस्तान
(C) पहला गिरमिटिया, कितने पाकिस्तान, महाभोज, मछली मरी हुई
(D) कितने पाकिस्तान, मछली मरी हुई, महाभोज, पहला गिरमिटिया

उत्तर- (B)

कृति	प्र० वर्ष	कृतिकार
मछली मरी हुई	1966 ई.	राजकमल चौधरी
महाभोज	1979 ई.	मन्नू भण्डारी
पहला गिरमिटिया	1999 ई.	गिरिराज किशोर
कितने पाकिस्तान	2000 ई.	कमलेश्वर

44. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम बताइये

(A) ग्राम, पंचपरमेश्वर, पाज़ेब, दुलाई वाली
(B) पंचपरमेश्वर, पाज़ेब, दुलाई वाली, ग्राम
(C) पाज़ेब, दुलाई वाली, ग्राम, पंचपरमेश्वर
(D) दुलाई वाली, ग्राम, पंचपरमेश्वर, पाज़ेब

उत्तर- (D)

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
दुलाई वाली	1907 ई.	बंग महिला
ग्राम	1911 ई.	जयशंकर प्रसाद
पंचपरमेश्वर	1916 ई.	प्रेमचन्द
पाज़ेब	1942 ई.	जैनेन्द्र

45. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) अतीत के चलचित्र, दस तसवीरें, बोलती प्रतिमा, समय के पाँव
(B) बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, समय के पाँव, दस तसवीरें
(C) दस तसवीरें, समय के पाँव, बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र
(D) समय के पाँव, बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, दस तसवीरें

उत्तर- (B)

कृतियाँ	प्रकाशित वर्ष	कृतिकार
बोलती प्रतिमा	1937 ई.	श्रीराम शर्मा
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	महादेवी वर्मा
समय के पाँव	1962 ई.	माखन लाल चतुर्वेदी
दस तसवीरें	1963 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर

46. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निर्मल वर्मा के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइये-

(A) कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, शताब्दी के ढलते वर्षों में, ढलान से उतरते हुए
(B) ढलान से उतरते हुए, शताब्दी के ढलते वर्षों में, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति
(C) शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, ढलान से उतरते हुए, शताब्दी के ढलते वर्षों में
(D) शताब्दी के ढलते वर्षों में, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, ढलान से उतरते हुए

उत्तर- (C)/ व्याख्या *निर्मल वर्मा के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम- 'शब्द और स्मृति' (1976 ई.), 'कला का जोखिम' (1981 ई.), 'ढलान से उतरते हुये' (1985) तथा 'शताब्दी के ढलते वर्षों में' (1998 ई.) है।*

47. प्रकाशन वर्ष के अनुसार कुबेरनाथ राय के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) रस आखेटक, विषाद योग, महाकवि की तर्जनी, दृष्टि अभिसार
(B) दृष्टि अभिसार, रस आखेटक, विषाद योग, महाकवि की तर्जनी
(C) विषाद योग, दृष्टि अभिसार, रस आखेटक, महाकवि की तर्जनी
(D) महाकवि की तर्जनी, विषाद योग, रस आखेटक, दृष्टि अभिसार

उत्तर- (A) व्याख्या प्रकाशन वर्ष के अनुसार कुबेर नाथ राय के निबन्ध-संग्रहों का अनुक्रम- 'रस आखेटक' (1970 ई.), 'विषाद योग' (1973), 'महाकवि की तर्जनी' (1979) तथा 'दृष्टि अभिसार' (1984 ई.) है।

48. निम्नलिखित कवियों का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम में है :

(A) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, ऋतुराज, मदन कश्यप, नरेश मेहता
(B) ऋतुराज, मदन कश्यप, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता
(C) मदन कश्यप, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता, ऋतुराज
(D) नरेश मेहता, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, ऋतुराज, मदन कश्यप

उत्तर- (D) व्याख्या कवियों का काल क्रमानुसार अनुक्रम- नरेश मेहता (1921-2000 ई.), सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (1927-83 ई.), ऋतुराज (1940 ई.), मदन कश्यप (1954 ई.) है।

49. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल, विचार और वितर्क
(B) अशोक के फूल, विचार और वितर्क, कुटज, आलोक पर्व
(C) विचार और वितर्क, कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल
(D) कुटज, अशोक के फूल, विचार और वितर्क, आलोक पर्व

उत्तर- (B) व्याख्या प्रकाशन वर्ष के अनुसार हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध-संग्रह का अनुक्रम- 'अशोक के फूल' (1948 ई.), 'विचार और वितर्क (1954 ई.), 'कुटज' (1964 ई.) तथा 'आलोक पर्व' (1972 ई.) है।

50. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइये

(A) मैला आँचल, बलचनमा, जल टूटता हुआ, बहती गंगा
(B) जल टूटता हुआ, बहती गंगा, बलचनमा, मैला आँचल
(C) बलचनमा, मैला आँचल, बहती गंगा, जल टूटता हुआ
(D) बहती गंगा, जल टूटता हुआ, मैला आँचल, बलचनमा

उत्तर- (C)

कृतियाँ	प्रकाशन वर्ष	कृतिकार
बलचनमा	1952 ई.	नागार्जुन
मैला आँचल	1954 ई.	फणीश्वर नाथ 'रेणु'
बहती गंगा	1952 ई.	शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र'
जल टूटता हुआ	1969 ई.	रामदरश मिश्र

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचन्द के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) वरदान, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला
(B) प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, वरदान
(C) रंगभूमि, निर्मला, वरदान, प्रेमाश्रम
(D) निर्मला, वरदान, प्रेमाश्रम, रंगभूमि

उत्तर- (A) व्याख्या प्रेमचन्द के उपन्यासों का अनुक्रम- 'वरदान' (1921), 'प्रेमाश्रम' (1922), 'रंगभूमि' (1925) तथा 'निर्मला' (1927 ई.) है।

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित महाकाव्यों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) साकेत, उर्वशी, प्रियप्रवास, कामायनी
(B) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, उर्वशी
(C) कामायनी, उर्वशी, साकेत, प्रियप्रवास
(D) उर्वशी, प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत

उत्तर- (B)

महाकाव्य	प्रकाशन वर्ष	महाकाव्यकार
प्रियप्रवास	1914 ई.	हरिऔध
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद
उर्वशी	1961 ई.	दिनकर

53. प्रकाश वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम बताइये :

(A) मुड़ मुड़ कर देखता हूँ, आज के अतीत, अर्धकथानक, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(B) टुकड़े-टुकड़े दास्तान, अर्धकथानक, आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ
(C) आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ, अर्धकथानक, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(D) अर्धकथानक, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ

उत्तर- (D)

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
अर्धकथानक	1641 ई.	बनारसीदास जैन
टुकड़े-टुकड़े दास्तान	1986 ई.	अमृतलाल नागर
आज के अतीत	2003 ई.	भीष्म साहनी
मुड़-मुड़ कर देखता हूँ	2001 ई.	राजेन्द्र यादव

54. प्रकाशन वर्ष के अनुसार लल्लूजी लाल की कृतियों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) शकुंतला नाटक, सभाविलास, लाल चन्द्रिका, सिंहासन बत्तीसी
(B) सिंहासन बत्तीसी, लाल चन्द्रिका, सभाविलास, शकुंतला नाटक
(C) सिंहासन बत्तीसी, शकुंतला नाटक, सभाविलास, लाल चन्द्रिका
(D) लाल चन्द्रिका, सिंहासन बत्तीसी, शकुंतला नाटक, सभाविलास

उत्तर- (C) व्याख्या प्रकाशन वर्ष के अनुसार लल्लूजी लाल की कृतियों का सही अनुक्रम- 'सिंहासन बत्तीसी' (1801 ई.), 'शकुंतला नाटक' (1810 ई.), 'सभाविलास' (1815 ई.) तथा 'लालचन्द्रिका' (1818 ई.) है।

55. प्रकाशन वर्ष के अनुसार नन्ददुलारे बाजपेयी के निम्नलिखित आलोचना ग्रन्थों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य, रस सिद्धान्त, रीति और शैली
(B) रस सिद्धान्त, रीति और शैली, आधुनिक साहित्य, हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी
(C) रीति और शैली, रस सिद्धान्त, हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य
(D) हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, रीति और शैली, रस सिद्धान्त, आधुनिक साहित्य

उत्तर- (A) व्याख्या नन्ददुलारे बाजपेयी के आलोचना ग्रन्थों का सही अनुक्रम- 'हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी' (1942 ई.), 'आधुनिक साहित्य' (1950), 'रस सिद्धान्त' (1977) तथा 'रीति और शैली' (1979 ई.) है।

56. स्थापना (Assertion) (A) : मानववाद नास्तिक दर्शन है और मानवतावाद आस्तिक दर्शन।
तर्क (Reason) (R) : मानवतावाद मूलतः निर्गुण निराकार का प्रतिपादन करता है।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *मानववाद नास्तिक और मानवतावाद आस्तिक दर्शन है। मानवतावाद निर्गुण तथा सगुण दोनों का प्रतिपादन करता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

57. स्थापना (Assertion) (A) : हिन्दी कवि आचार्यों की मौलिक देन है- 'रसरीति' की स्थापना।
तर्क (Reason) (R) : हिन्दी रीतिकाव्य में रस से ज्यादा रीति को महत्त्व दिया गया है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *हिन्दी रीतिकाव्य में 'रस' को ज्यादा महत्त्व दिया गया है, न कि रीति को। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

58. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का सर्वप्रमुख हेतु है : 'व्युत्पत्ति'।
तर्क (Reason) (R) : 'व्युत्पत्ति' नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा की उपज होती है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत तथा (R) सही (D) (A) सही तथा (R) गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *काव्य हेतु तीन प्रकार के हैं- (प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास) इनमें सर्वप्रमुख 'प्रतिभा' है। 'प्रतिभा' को ही भट्टलोलट ने -नवनवोन्मेषशालिनी प्रज्ञा' कहा है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।*

59. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य के अपरिहार्य तत्त्व हैं- शब्द, अर्थ, कल्पना, भाव और विचार।
तर्क (Reason) (R) : इनमें से कई तत्त्व जोड़े या छोड़े जा सकते हैं, अतः इनमें अपरिहार्य कोई नहीं है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (R) और (A) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *शब्द, अर्थ, कल्पना, भाव और विचार इत्यादि काव्य के अपरिहार्य तत्त्व हैं। इन्हें आवश्यकतानुसार जोड़ा या घटाया जा सकता है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

60. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा अर्थ को उन्मीलित करती है, न कि अर्थ की सृष्टि करती है।
तर्क (Reason) (R) : यह देरिदा का मत है। वह 'पाठ' पर जोर देता है, लेखन पर नहीं।
(A) (A) और (R) दानों सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *जाक देरिदा 'विखण्डन' या 'विरचना' के प्रवर्तक हैं। इनके अनुसार भाषा अर्थ को उत्पन्न करती है न कि उसकी सृष्टि। देरिदा पाठ को प्रमुख मानता है लेखक को नहीं। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

61. स्थापना (Assertion) (A) : आचार्य शुक्ल के अनुसार 'लोकमंगल' के विधायक भाव हैं- करुणा और क्रोध।
तर्क (Reason) (R) : महर्षि वाल्मीकि के काव्योद्रेक के ये ही दोनों हेतु थे। शुक्ल जी ने क्रोध की जगह प्रेम को रख दिया है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *कथन (A) सही तथा (R) गलत है।*

62. स्थापना (Assertion) (A) : लय शब्द मात्र से ही नहीं, अर्थ, भाव, विचार- सबमें होती है।
तर्क (Reason) (R) : शब्द-अर्थ अन्योन्याश्रित होते हैं। शब्द श्रव्य होते हैं और अर्थ बुद्धिग्राह्य। दोनों के अनुपात से ही श्रेष्ठ साहित्य का सृजन होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *लय-शब्द, अर्थ, भाव तथा विचार सबमें होती है। शब्द और अर्थ एक-दूसरे पर आश्रित होते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

63. स्थापना (Assertion) (A) : ग्लानि से दुबला होने में देर लगती है और पानीदार ही दुबला होता है।
तर्क (Reason) (R) : दुबला होना आदमी की निर्बलता की निशानी है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *ग्लानि व्यक्ति को आंतरिक असहजता प्रदान करती है और व्यक्ति पश्चाताप की अग्नि में जलता रहता है। और यह स्थिति पानीदार (इज्जतदार) लोगों के साथ ज्यादा होती है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

64. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का विषय सदा 'विशेष' होता है 'सामान्य' नहीं। वह 'व्यक्ति' सामने लाता है 'जाति' नहीं।
तर्क (Reason) (R) : काव्य की संरचना सदैव 'जाति' पर आश्रित होकर 'व्यक्ति' केन्द्रित हो जाती है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *काव्य व्यक्ति, मानवता, समाज, सभ्यता एवं संस्कृति इत्यादि को सामने लाता है। न कि जाति, वर्ण, लिंग, इत्यादि को। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

65. स्थापना (Assertion) (A) : साहसपूर्ण आनन्द की उमंग का नाम उत्साह है।
तर्क (Reason) (R) : साहस के बिना वीरकर्म का सम्पादन नहीं होता। अतः आनन्द भी प्राप्त नहीं होता।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *आनन्द हमें तभी प्राप्त होता है जब हम संवेदनात्मक रूप से पूर्णतः किसी कार्य या क्रिया-प्रतिक्रिया में संलग्न होते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

66. निम्नलिखित कहानियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची –I	सूची –II
(a) एक और जिन्दगी	(i) रामदरश मिश्र
(b) सर्पदंश	(ii) मोहन राकेश
(c) शरणागत	(iii) मुक्तिबोध
(d) विपात्र	(iv) वृन्दावन लाल वर्मा
	(v) चतुरसेन शास्त्री

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर- (A)

कहानी	कहानीकार
एक और जिन्दगी	*मोहन राकेश*
सर्पदंश	*रामदरश मिश्र*
शरणागत	*वृन्दावन लाल वर्मा*
विपात्र	*मुक्तिबोध*
अंबपालिका	*चतुरसेन शास्त्री*

67. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके छंदों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची–I	सूची–II
(a) जब मैं था तब हरि न हों अब हरि हैं मैं नाहिं।	(i) सवैया
(b) राम को रूप निहारत जानकी कंकन के नग की परछाहीं।	(ii) कवित्त
(c) जानत वह सिरजन हारा, जो कछु है मन मरम हमारा।	(iii) रूपमाला
(d) अधर लगे हैं आनि करिकै प्रयान-प्रान चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को।	(iv) दोहा
	(v) चौपाई (अर्द्धाली)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(D)	(iv)	(i)	(v)	(ii)

उत्तर- (D) व्याख्या *(A) दोहा, (B) सवैया, (C) चौपाई (अर्द्धाली अर्थात् आधी चौपाई), (D) कवित्त है।*

68. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) एसेस इन क्रिटिसिज़्म	(i) क्रोचे
(b) एस्थेटिका	(ii) रेनेवेलेक
(c) फिलॉसफी ऑफ रिटोरिक	(iii) आई.ए.रिचर्ड्स
(d) ए हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न क्रिटिसिज़्म	(iv) मैथ्यू ऑर्नल्ड
	(v) अरस्तू

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)

उत्तर- (C)

रचना	रचनाकार
एसेस इन क्रिटिसिज्म	*मैथ्यू आर्नल्ड*
एस्थेटिका	*क्रोचे*
फिलॉसफी ऑफ रिटोरिक	*आई.ए.रिचर्ड्स*
ए हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न क्रिटिसिज्म	*रेनेवेलेक*
पेरिपोइतिकेस	*अरस्तू*

69. निम्नलिखित आलोचना ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची–I	सूची–II
(a) शृंगार प्रकाश	(i) महिम भट्ट
(b) व्यक्ति विवेक	(ii) अप्पय दीक्षित
(c) चित्र मीमांसा	(iii) भोज
(d) रस मंजरी	(iv) रुद्र भट्ट
	(v) भानुदत्त

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर- (A)

आलोचना ग्रन्थ	लेखक
शृंगार प्रकाश	*भोज*
व्यक्ति-विवेक	*महिम भट्ट*
चित्रमीमांसा	*अप्पय दीक्षित*
रस मंजरी	*भानुदत्त*
शृंगार तिलक	*रूद्र भट्ट*

70. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) राधावल्लभ सम्प्रदाय	(i) शेख फरीद
(b) खालसा सम्प्रदाय	(ii) प्राणनाथ
(c) सूफी सम्प्रदाय	(iii) गुरु गोविन्द सिंह
(d) प्रणामी सम्प्रदाय	(iv) बिहारी
	(v) सुंदरदास

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर- (B)

सम्प्रदाय	कवि
राधा वल्लभ सम्प्रदाय	*बिहारी*
खालसा सम्प्रदाय	*गुरु गोविन्द सिंह*
सूफी सम्प्रदाय	*शेख फरीद*
प्रणामी सम्प्रदाय	*प्राणनाथ*
संत सम्प्रदाय	*सुन्दरदास*

71. निम्नलिखित हिन्दी सेवियों को उनके मूल स्थान से सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) जॉर्ज ए. ग्रियर्सन	(i) इंग्लैण्ड
(b) फ्रेडरिक पिन्काट	(ii) आयरलैण्ड
(c) वरान्निकोव	(iii) मॉरीशस
(d) अभिमन्यु अनत	(iv) रूस
	(v) इटली

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)

उत्तर- (C)

हिन्दी सेवी	मूल स्थान
जार्ज ए. ग्रियर्सन	*आयरलैण्ड*
फ्रेडरिक पिन्काट	*इंग्लैण्ड*
वरान्निकोव	*रूस*
अभिमन्यु अनत	*मॉरीशस*

72. निम्नलिखित पुरस्कारों को उनके पुरस्कृत साहित्यकारों से सुमेलित कीजिये :

सूची–I	सूची–II
(a) प्रथम देव पुरस्कार	(i) जयशंकर प्रसाद
(b) मंगला प्रसाद पारितोषिक	(ii) महादेवी वर्मा
(c) प्रथम भारत भारती	(iii) अमरकान्त
(d) व्यास पुरस्कार (2011)	(iv) दुलारे लाल भार्गव
	(v) सुमित्रानन्दन पन्त

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(ii)	(v)

उत्तर- (B)

पुरस्कार	वर्ष	पुरस्कृत साहित्यकार
प्रथम देव पुरस्कार	-	दुलारे लाल भार्गव
मंगला प्रसाद पारितोषिक	-	जयशंकर प्रसाद
प्रथम भारत-भारती	1982	महादेवी वर्मा
व्यास पुरस्कार	2011	रामदरश मिश्र
प्रथम ज्ञानपीठ (हिन्दी में)	1968	सुमित्रानन्दन पंत
साहित्य अकादमी	2007	अमरकान्त

73. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके दुहरे शीर्षकों से सुमेलित कीजिये**

सूची–I	सूची–II
(a) तीसरी कसम	(i) सती सुख देवी
(b) बिगाड़े का सुधार	(ii) मारे गए गुलफाम
(c) रानी केतकी की कहानी	(iii) देवबाला
(d) ठेठ हिन्दी का ठाठ	(iv) उदय भान चरित
	(v) लवंगलता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर- (C)

प्रथम नाम	दूसरा नाम	रचनाकार
तीसरी कसम	मारे गये गुलफाम	फणीश्वर नाथ 'रेणु'
बिगाड़े का सुधार	सती सुख देवी	पं लज्जाराम मेहता
रानी केतकी की कहानी	उदय भान चरित	इशाँ अल्लाह खाँ
ठेठ हिन्दी का ठाठ	देवबाला	हरिऔध
लवंगलता	आदर्श बाला	किशोरी लाल गोस्वामी

74. **निम्नलिखित कवियों को उनके आश्रयदाताओं के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची–I	सूची–II
(a) मतिराम	(i) प्रतापगढ़ अधिपति हिन्दुपति सिंह
(b) पद्माकर	(ii) बूँदी राजा भावसिंह
(c) रत्नाकर	(iii) नाभा नरेश जसवंतसिंह
(d) भिखारीदास	(iv) नागपुर महाराज रघुनाथ राव
	(v) अयोध्या नरेश प्रतापनारायण सिंह

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर- (A)

कवि	आश्रयदाता	प्रमुख रचना
मतिराम	बूँदी राजाभाव सिंह	ललितललाम
पद्माकर	नागपुर महाराज रघुनाथराव	जगद्विनोद
रत्नाकर	अयोध्या नरेश प्रतापनारायण सिंह	उद्धव शतक
भिखारीदास	प्रतापगढ़ अधिपति हिन्दूपति सिंह	काव्य निर्णय

75. **निम्नलिखित पंक्तियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये**

सूची–I	सूची–II
(a) अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे, उठाने ही होंगे।	(i) कामायनी
(b) हँस पड़ा गगन, वह शून्य लोक	(ii) अँधेरे में
(c) स्थिर सर्मपण है हमारा	(iii) कुकुरमुत्ता
(d) आप अपने से उगा मैं	(iv) नदी के द्वीप
	(v) असाध्य वीणा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

उत्तर- (C)

पंक्ति	कृति	कृतिकार
अब ---------- ही होंगे।	अंधेरे में	मुक्तिबोध
हँस पड़ा ------ लोक।	कामायनी	जयशंकर प्रसाद
स्थिर ---------- हमारा।	नदी के द्वीप	अज्ञेय
आप ---------- उगा मैं।	कुकुरमुत्ता	निराला
कृतकृत्य हुआ मैं तात पधारे आप	असाध्य वीणा	अज्ञेय

व्याख्यात्मक हल — UGC NET/ J.R.F. EXAM

DECEMBER : 2012 — प्रश्न-पत्र II — हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'सरहपा' का सम्बन्ध निम्न में से किससे है?
(A) सिद्ध साहित्य (B) रासो काव्य
(C) नाथ साहित्य (D) जैन काव्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *सरहपा सिद्ध साहित्य तथा सिद्धों में प्रथम हैं। राहुल सांकृत्यायन ने इनका समय 769 ई. माना है। सरहपाद, सरोज वज्र तथा राहुल भद्र इनके अन्य नाम हैं। इनकी रचना 'दोहा कोश' है। सिद्धों की संख्या 84 मानी जाती है।*

2. निम्नलिखित में से कौन अष्टछाप के कवि नहीं हैं?
(A) सूरदास (B) कुंभनदास (C) नन्ददास (D) सुन्दरदास

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सुन्दरदास अष्टछाप के कवि नहीं हैं। अष्टछाप में आठ कवि आते हैं, जिनमें चार बल्लभाचार्य के शिष्य- कुंभनदास, सूरदास, परमानंददास, कृष्णदास तथा चार गोस्वामी विट्ठलनाथ के शिष्य- गोविन्द स्वामी, नन्ददास, छीतस्वामी और चतुर्भुजदास थे।*

3. बिहारी किस धारा के कवि हैं?
(A) रीतिसिद्ध (B) रीतिमुक्त (C) स्वच्छन्द (D) रीतिबद्ध

उत्तर- (A)/ व्याख्या *बिहारी रीतिकाल के रीतिसिद्ध धारा के कवि हैं। 'बिहारी-सतसई' इनकी प्रसिद्ध रचना है।*

4. प्रेमचन्द किस प्रवृत्ति के उपन्यासकार हैं?
(A) आदर्शवादी (B) यथार्थवादी
(C) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी (D) यथार्थोन्मुख आदर्शवादी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *प्रेमचन्द आदर्शोन्मुख यर्थाथवादी उपन्यासकार हैं। 'गोदान' (1936 ई.) इसका सशक्त उदाहरण है।*

5. अमृतलाल नागर के जीवनीपरक उपन्यास 'खंजन नयन' में किसके जीवन का चित्रण किया गया है?
(A) सूरदास (B) तुलसीदास (C) रैदास (D) मीराबाई

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'मानस का हंस' (1972 ई.) तुलसीदास के जीवन पर तथा खंजन नयन (1981 ई.) सूरदास के जीवन पर आधारित अमृतलाल नागर का जीवनीपरक उपन्यास है।*

6. अंगरेजी स्वच्छन्दतावादी काव्य का प्रभाव हिन्दी की किस काव्यधारा पर दिखाई देता है?
(A) प्रगतिवाद (B) प्रयोगवाद
(C) छायावाद (D) नयी कविता

उत्तर- (C)/ व्याख्या *स्वच्छन्दतावाद (रोमैंटिसिज्म) का प्रभाव हिन्दी छायावाद (1918-36 ई.) पर दिखाई पड़ता है।*

7. ''दुःख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज जो नहीं कही।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत हैं?
(A) सरोज स्मृति (B) राम की शक्तिपूजा
(C) तुलसीदास (D) कुकुरमुत्ता

उत्तर- (A)/ व्याख्या *''दुःख ही ------------ नहीं कही।'' पंक्तियाँ प्रसिद्ध छायावादी कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कृति 'सरोजस्मृति' की है। अन्य सभी रचनाएँ निराला की ही हैं।*

8. 'रस आखेटक' के रचनाकार हैं
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) कुबेरनाथ राय (D) शरद जोशी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'प्रिया नीलकण्ठी' (1968 ई.), 'रस आखेटक' (1970), 'गंध मादन' (1972), 'विषाद योग' (1973), 'निषाद बाँसुरी' (1974 ई.) इत्यादि कुबेरनाथ राय के निबन्ध-संग्रह हैं।*

9. निम्न में से कौन-सी हरिशंकर परसाई की रचना नहीं है?
(A) विकलांग श्रद्धा का दौर (B) ठिठुरता हुआ गणतन्त्र
(C) प्रेमचन्द के फटे जूते (D) जीप पर सवार इल्लियाँ

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'जीप पर सवार इल्लियाँ' (1971 ई.), 'हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे' (1971), 'यत्र तत्र सर्वत्र' (2000 ई.) शरद जोशी की व्यंग्य रचनाएँ हैं। जबकि 'विकलांग श्रद्धा का दौर' (1980 ई.), 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' (1970), 'प्रेमचन्द के फटे जूते', 'सदाचार का ताबीज' (1967), 'तुलसीदास चंदन घिसे' (1986 ई.) इत्यादि हरिशंकर परसाई के निबन्ध-संग्रह हैं।*

10. 'एक बूंद सहसा उछली' किस विधा की रचना है?
(A) यात्रा-वृत्तान्त (B) संस्मरण
(C) रेखाचित्र (D) निबन्ध

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'अरे यायावर रहेगा याद' (1953 ई.) तथा 'एक बूंद सहसा उछली' (1960 ई.) अज्ञेय का यात्रा वृत्तान्त है।*

11. 'आलोचक के मुख से' किस आलोचक व्याख्यानों का संकलन है?
(A) नन्ददुलारे बाजपेयी (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) नामवर सिंह (D) प्रभाकर श्रोत्रिय

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'आलोचक के मुख से' (2005 ई.) नामवर सिंह के व्याख्यानों का संकलन है।*

12. 'समय देवता' किस कवि की कविता है?
(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) नागार्जुन
(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) नरेश मेहता

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'समय देवता' नरेश मेहता का काव्य जबकि 'समय के पाँव' (1962 ई.) साहित्य देवता माखनलाल चतुर्वेदी का संस्मरण है।*

13. 'ऑफ ग्रैमेटॉलोजी' के लेखक कौन हैं?
(A) जैक देरिदा (B) रिचर्ड रोर्टी
(C) फ्रेडरिक जेमसन (D) पॉल दि मान

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'ऑफ ग्रैमेटॉलाजी' जैक देरिदा की रचना है। देरिदा ने 'विखण्डनवाद' का सिद्धान्त दिया।*

14. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी आलोचक नहीं है?
(A) शिवदान सिंह चौहान (B) शिवकुमार मिश्र
(C) प्रकाशचंद्र गुप्त (D) रामस्वरूप चतुर्वेदी

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *रामस्वरूप चतुर्वेदी भाषिक संवेदना एवं आधुनिकता बोध के आलोचक माने जाते हैं। अन्य सभी मार्क्सवादी आलोचक हैं।*

15. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसकी रचना है?

(A) विद्यानिवास मिश्र (B) विष्णुकान्त शास्त्री
(C) कुबेरनाथ राय (D) गुलाब राय

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *'तुम चंदन हम पानी' (1957 ई.), 'मैंने सिल पहुँचाई' (1966), मेरे 'राम का मुकुट भीग रहा है' (1974), 'भ्रमरानन्द के पत्र' (1981 ई.), 'फागुन दुईरे दिना' (1994), 'गांधी का करुण रस' (2002 ई.) इत्यादि विद्यानिवास मिश्र का निबन्ध-संग्रह है। मिश्र जी मुख्यतः ललित निबन्धकार हैं।*

16. निम्नलिखित में से कौन-सी आलोचना कृति विजयदेव नारायण साही की है?

(A) जायसी (B) सूरदास
(C) साहित्यलोचन (D) रस मीमांसा

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *'जायसी' (1983 ई.) विजयदेव नारायण साही, ''सूरदास (1945) डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, 'साहित्या लोचन' (1922 ई.) श्यामसुन्दरदास तथा 'रस मीमांसा' (1949 ई.) रामचन्द्र शुक्ल की कृति हैं।*

17. खड़ी बोली के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज का विशिष्ट योगदान है, क्योंकि

(a) अंग्रेजों ने खड़ी बोली के विकास को प्रमुखता दी।
(b) खड़ी बोली के प्रशिक्षण से विविध साहित्यिक विधाओं में सृजन हुआ।
(c) खड़ी बोली में साहित्य लेखन युग की आवश्यकता थी।

(A) (a) और (b) सही, (c) गलत
(B) (a) और (c) सही, (b) गलत
(C) (b) और (c) सही, (a) गलत
(D) (c) सही, (a) और (b) गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *फोर्ट विलियम कॉलेज (1800 ई.) ने साहित्यिक विधाओं के सृजन में योगदान न देकर केवल खड़ी बोली को प्रश्रय प्रदान किया था। अतः (A) और (C) कथन सही और (B) गलत हैं।*

18. (a) ब्रजभाषा में गीतात्मकता स्वाभाविक रूप से आ जाती है।
(b) ब्रजभाषा में परुष वर्णों का अभाव है।

(A) (a) और (b) दोनों सही (B) (a) आंशिक सही, (b) सही
(C) (a) और (b) दोनों गलत (D) (a) सही, (b) आंशिक सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *ब्रजभाषा में गीतात्मकता स्वभाविक रूप से आती है, पर ऐसा हमेशा नहीं होता है। ब्रजभाषा में कोमल वर्णों की बहुलता है तथा परुष वर्णों की कमी। अतः (a) आंशिक सही तथा (b) सही है।*

19. (a) नयी कविता में नये मनुष्य की प्रतिष्ठा हुई है।
(b) नयी कविता में व्यक्त मनुष्य का द्वन्द्व अंशतः आयातित है।

(A) (a) सही, (b) गलत (B) (a) और (b) दोनों सही
(C) (a) सही, (b) आंशिक सही (D) (a) गलत, (b) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *नयी कविता परम्परागत कविता से आगे नये भावबोधों की अभिव्यक्ति के साथ ही नये मूल्यों और नये शिल्प विधान, लघुमानव इत्यादि का अन्वेषण करता है। इसके दो प्रमुख तत्त्व हैं- अनुभूति की सच्चाई और बुद्धिमूलक यथार्थवादी दृष्टि। इसमें व्यक्त मनुष्य का द्वन्द्व पाश्चात्य प्रभावित है। अतः (a) और (b) दोनों सही हैं।*

20. छायावाद की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

(a) आत्मानुभूति की अभिव्यक्ति
(b) साम्राज्यवाद के प्रति विद्रोह
(c) सौन्दर्य के प्रति अत्यधिक आकर्षण
(d) छायावाद रहस्य का पर्याय है

(A) सभी सही
(B) (a), (c), (d) सही, (b) आंशिक सही
(C) (c) आंशिक सही, (a), (b), (d) सही
(D) (a), (b), (c) सही, (d) आंशिक सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *'छायावाद' रहस्यवाद का पर्याय नहीं है। इसमें रहस्यवाद का आंशिक लक्षण पाया जाता है। महादेवी वर्मा रहस्यवादी कवयित्री में आती हैं। अतः (a), (b), (c) सही और (d) आंशिक सही है।*

21. निम्नलिखित इतिहास ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हिन्दी साहित्य का इतिहास- मिश्रबंधु विनोद
(B) हिन्दी साहित्य का इतिहास- हिन्दी साहित्य की भूमिका- मिश्रबंधु विनोद- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
(C) हिन्दी साहित्य की भूमिका- हिन्दी साहित्य का इतिहास- मिश्रबंधु विनोद- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
(D) मिश्रबंधु विनोद- हिन्दी साहित्य का इतिहास- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

उत्तर- (D)/

इतिहास ग्रंथ	कालक्रम	इतिहासकार
मिश्र बन्धु विनोद	*1913 ई.*	*मिश्र बन्धु*
हिन्दी साहित्य का इतिहास	*1929 ई.*	*रामचन्द्र शुक्ल*
हिन्दी साहित्य की भूमिका	*1940 ई.*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	*1938 ई.*	*रामकुमार वर्मा*

22. गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं का सही क्रम कौन-सा है?

(A) गीतावली- दोहावली- विनय पत्रिका- रामचरित मानस
(B) रामचरित मानस- दोहावली- गीतावली- विनय पत्रिका
(C) दोहावली- गीतावली- रामचरित मानस- विनय पत्रिका
(D) विनय पत्रिका- दोहावली- गीतावली- रामचरित मानस

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *तुलसीदास की रचनाओं का सही क्रम- 'रामचरित मानस' (सं. 1631), 'दोहावली' (सं. 1640), 'गीतावली' (सं. 1653) तथा 'विनयपत्रिका' (सं. 1653) है।*

23. जन्मतिथि की दृष्टि से द्विवेदी युगीन कवियों का सही क्रम कौन-सा है?

(A) श्रीधर पाठक- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- मैथिलीशरण गुप्त- रामनरेश त्रिपाठी
(B) मैथिलीशरण गुप्त- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- श्रीधर पाठक- रामनरेश त्रिपाठी
(C) रामनरेश त्रिपाठी- श्रीधर पाठक- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- मैथिलीशरण गुप्त
(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- मैथिलीशरण गुप्त- श्रीधर पाठक- रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *जन्मतिथि की दृष्टि से सही अनुक्रम- श्रीधर पाठक (1859-1928 ई.), हरिऔध (1865-1947 ई.), मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964 ई.) तथा रामनरेश त्रिपाठी (1889-1962 ई.) है। इन सभी में पहली जन्मतिथि तथा दूसरी मृत्युतिथि है।*

24. आधुनिक हिन्दी की निम्नलिखित कृतियों का प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?
(A) आत्मजयी- कनुप्रिया- उर्वशी- यशोधरा
(B) कनुप्रिया- उर्वशी- आत्मजयी- यशोधरा
(C) उर्वशी- कनुप्रिया- यशोधरा- आत्मजयी
(D) यशोधरा- उर्वशी- कनुप्रिया- आत्मजयी

उत्तर- (D)

कृतियाँ	प्रकाशन वर्ष	कृतिकार
यशोधरा	1932 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
उर्वशी	1961 ई.	'दिनकर'
कनुप्रिया	1959 ई.	धर्मवीर भारती
आत्मजयी	1965 ई.	कुंवर नारायण

25. निम्नलिखित पाश्चात्य् समीक्षकों का जन्म की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?
(A) अरस्तू- प्लेटो- लोंजाइनस- कॉलरिज
(B) प्लेटो- अरस्तू- लोंजाइनस- कॉलरिज
(C) कॉलरिज- प्लेटो- अरस्तू- लोंजाइनस
(D) लोंजाइनस- अरस्तू- प्लेटो- कॉलरिज

उत्तर- (B) व्याख्या *जन्म की दृष्टि से सही अनुक्रम- 'प्लेटो' (427 ई.पू.-347 ई.पू. तक), अरस्तू (384-322 ई.पू.), लोंजाइनस (प्रथम-तृतीय शती), कॉलरिज (1772-1834 ई.) हैं।*

26. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्न पत्रिकाओं का सही क्रम क्या है?
(A) कवि वचन सुधा- सरस्वती- चाँद- हंस
(B) सरस्वती- चाँद- हंस- कवि वचन सुधा
(C) हंस- चाँद- कवि वचन सुधा- सरस्वती
(D) चाँद- हंस- सरस्वती- कवि वचन सुधा

उत्तर- (A)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	प्रमुख सम्पादक
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
सरस्वती	1900 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी
चाँद	1920 ई.	महादेवी वर्मा
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द

27. निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) तमस- सूखा बरगद- आधा गाँव- झूठा सच
(B) झूठा सच- आधा गाँव- सूखा बरगद- तमस
(C) सूखा बरगद- झूठा सच- आधा गाँव- तमस
(D) झूठा सच- आधा गाँव- तमस- सूखा बरगद

उत्तर- (D)

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
झूठा सच	1958 ई.	यशपाल
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रज़ा
तमस	1973 ई.	भीष्म साहनी
सूखा बरगद	1986ई.	मंज़ूर एहतसाम

28. निम्नलिखित कवियों का सही क्रम क्या है?
(A) पद्माकर- बिहारी- चिन्तामणि- केशवदास
(B) बिहारी- पद्माकर- केशवदास- चिन्तामणि
(C) चिन्तामणि- केशवदास- बिहारी- पद्माकर
(D) केशवदास- चिन्तामणि- बिहारी- पद्माकर

उत्तर- (D) व्याख्या *कवियों का सही अनुक्रम- केशवदास (1555 ई.), चिन्तामणि (1600 ई.), बिहारी (1595 ई.) तथा पद्माकर (1753 ई.) जन्म के अनुसार हैं। रचनाकाल के अनुसार चिन्तामणि, बिहारी से पहले आते हैं।*

29. निम्नलिखित काव्यों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) लोकायतन- राम की शक्तिपूजा- झरना- प्रिय प्रवास
(B) झरना- प्रिय प्रवास- लोकायतन- राम की शक्तिपूजा
(C) प्रिय प्रवास- झरना- राम की शक्तिपूजा- लोकायतन
(D) राम की शक्तिपूजा- लोकायतन- झरना- प्रिय प्रवास

उत्तर- (C)

काव्य	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध
झरना	1918 ई.	जयशंकर प्रसाद
राम की शक्ति पूजा	1936 ई.	निराला
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत

30. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजिये-

(a) घुन खाये शहतीरों पर	(i) केदारनाथ अग्रवाल
(b) एक बीते के बराबर	(ii) नागार्जुन
(c) किंतु हम हैं द्वीप	(iii) धूमिल
(d) भूख से रिरियाती हुई	(iv) अज्ञेय
	(v) लीलाधर जगूड़ी

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	v	iv	iii	i
(C)	i	ii	iii	v
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि	सम्बन्धितवाद
घुन खाये शहतीरों पर	नागार्जुन	प्रगतिवादी
एक बीते के बराबर	केदारनाथ अग्रवाल	प्रगतिवादी
किन्तु हम हैं द्वीप	अज्ञेय	प्रयोगवादी
भूख से रिरियाती हुई	धूमिल	नई/समकालीन कविता

31. निम्नलिखित सम्पादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) श्यामसुन्दर सेन	(i) कवि वचन सुधा
(b) राजा लक्ष्मण सिंह	(ii) समाचार सुधावर्षण
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	(iii) आनन्द कादम्बिनी
(d) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'	(iv) प्रजा हितैषी
	(v) मतवाला

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर- (A)

सम्पादक	पत्रिका	प्रकाशित वर्ष
श्याम सुन्दर सेन	समाचार सुधावर्षण	1854 ई.
राजा लक्ष्मण सिंह	प्रजा हितैषी	1855 ई.
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कविवचन सुधा	1868 ई.
प्रेमघन	आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.
महादेव प्रसाद सेठ	मतवाला	1923 ई.

32. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) सार सुधा निधि (i) 1877
(b) बंग दूत (ii) 1930
(c) भारत मित्र (iii) 1879
(d) हंस (iv) 1829
(v) 1931

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	ii	i	iii	v
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर- (D)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	प्रमुख सम्पादक
सार सुधा निधि	*1879 ई.*	*सदानन्द मिश्र*
बंगदूत	*1829 ई.*	*राजा राममोहन राय*
भारत मित्र	*1877 ई.*	*रुद्रदत्त*
हंस	*1930 ई.*	*प्रेमचन्द*

33. निम्नलिखित आलोचनात्मक कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) दूसरी परम्परा की खोज (i) रामधारी सिंह दिनकर
(b) नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र (ii) नामवर सिंह
(c) हिन्दी साहित्य का आदिकाल (iii) गजानन माधव मुक्तिबोध
(d) नया साहित्य : नये प्रश्न (iv) नन्ददुलारे बाजपेयी
(v) हजारी प्रसाद द्विवेदी

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	iv
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	i	v	iii
(D)	iii	ii	v	iv

उत्तर- (A)

कृति	वर्ष	लेखक
दूसरी परम्परा की खोज	*1982*	*नामवर सिंह*
नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र	*1971*	*गजानन माधव मुक्तिबोध*
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	*1952*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
नया साहित्य : नये प्रश्न	*1955*	*नन्ददुलारे बाजपेयी*
शुद्ध कविता की खोज	*1966*	*रामधारी सिंह 'दिनकर'*

34. निम्नलिखित कथनों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) करुणा दुःखात्मक वर्ग में आने वाला मनोविकार है। (i) डॉ. नगेन्द्र
(b) मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति हैं। (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है। (iii) रामचन्द्र शुक्ल
(d) भक्ति आन्दोलन एक जातीय और जनवादी आन्दोलन है। (iv) रामविलास शर्मा
(v) रामस्वरूप चतुर्वेदी

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	iii	ii
(D)	ii	iv	i	v

उत्तर- (B)

कथन	लेखक
करुणा --------- मनोविकार है।	*रामचन्द्र शुक्ल*
मनुष्य की --------- संस्कृति है।	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
छायावाद ---------- विद्रोह है।	*डॉ. नगेन्द्र*
भक्ति आन्दोलन -------- आन्दोलन है।	*रामविलास शर्मा*
सूर्य और चन्द्र हिन्दू और इस्लामी संस्कृति के परंपरित प्रतीक हैं।	*रामस्वरूप चतुर्वेदी*

35. निम्नलिखित कृतियों को उनकी विधा के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) लहरों के राजहंस (i) नाटक
(b) आधा गाँव (ii) निबन्ध
(c) तुम चन्दन हम पानी (iii) आत्मकथा
(d) मुर्दहिया (iv) रेखाचित्र
(v) उपन्यास

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iv	i
(B)	v	iv	iii	i
(C)	ii	iii	i	v
(D)	i	v	ii	iii

उत्तर- (D)

कृतियाँ	विधा	लेखक
लहरों के राजहंस	*नाटक*	*मोहन राकेश*
आधा गाँव	*उपन्यास*	*राही मासूम रज़ा*
तुम चन्दन हम पानी	*निबन्ध*	*विद्यानिवास मिश्र*
मुर्दहिया	*आत्मकथा*	*तुलसीराम*
लखनऊ मेरा लखनऊ	*संस्मरण*	*मनोहर श्याम जोशी*

36. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके पात्रों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) गबन (i) मृणाल
(b) नदी के द्वीप (ii) डॉ. प्रशान्त
(c) मैला आँचल (iii) जालपा
(d) बाणभट्ट की आत्मकथा (iv) भुवन
(v) निपुणिका

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	v
(B)	ii	i	v	iii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	v	ii	i

उत्तर- (A)

रचनाकार	उपन्यास	पात्र
प्रेमचन्द	*गबन*	*जालपा*
अज्ञेय	*नदी के द्वीप*	*भुवन*
रेणु	*मैला आँचल*	*डॉ. प्रशान्त*
हजारीप्रसाद द्विवेदी	*बाणभट्ट की आत्मकथा*	*निपुणिका*
जैनेन्द्र	*त्यागपत्र*	*मृणाल*

37. निम्नलिखित पात्रों को नाटकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) सिंहरण (i) आधे-अधूरे
(b) युयुत्सु (ii) हानुश

(c) जुनेजा (iii) चन्द्रगुप्त
(d) दक्ष (iv) अंधायुग
(v) एक कंठ विषपायी

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	iii	iv	i	v
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर- (C)

पात्र	नाटक	नाटककार
सिंहरण	*चन्द्रगुप्त*	*प्रसाद*
युयुत्सु	*अंधायुग*	*धर्मवीर भारती*
जुनेजा	*आधे-अधूरे*	*मोहन राकेश*
दक्ष	*एक कंठ विषपायी*	*दुष्यन्त कुमार*
कात्या	*हानूश*	*भीष्म साहनी*

38. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) भट्ट लोल्लट (i) स्फोटवाद
(b) शंकुक (ii) अभिव्यक्तिवाद
(c) अभिनवगुप्त (iii) अनुमितिवाद
(d) भट्ट नायक (iv) आरोपवाद
(v) भुक्तिवाद

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	ii	v	iv
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	ii	i	iii	v

उत्तर- (A)

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	*आरोपवाद या उत्पत्तिवाद*	*मीमांसा*
शंकुक	*अनुमितिवाद*	*न्याय*
अभिनवगुप्त	*अभिव्यक्तिवाद*	*शैव*
भट्टनायक	*भुक्ति या भोगवाद*	*सांख्य*

39. निम्नलिखित आचार्यों को उनके कालखण्ड के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) भामह (i) दसवीं सदी
(b) क्षेमेन्द्र (ii) सत्रहवीं सदी
(c) विश्वनाथ (iii) ग्यारहवीं सदी
(d) पंडितराज जगन्नाथ (iv) चौदहवीं सदी
(v) छठी सदी

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	v	iii	iv	ii
(C)	iii	ii	i	v
(D)	iv	i	iii	ii

उत्तर- (B)

आचार्य	कालखण्ड	प्रमुख रचना
भामह	*छठीं सदी*	*काव्यालंकार*
क्षेमेन्द्र	*ग्यारहवीं सदी*	*औचित्यविचार चर्चा*
विश्वनाथ	*चौदहवीं सदी*	*साहित्य दर्पण*
पंडित राज जगन्नाथ	*सत्रहवीं सदी*	*रस गंगाधर*
धनंजय	*दसवीं सदी*	*दशरूपक*

40. स्थापना (Assertion) (A) : किसी व्यक्ति का लोभ उस व्यक्ति से केवल बाह्य सम्पर्क रखकर ही तुष्ट नहीं हो सकता, उसके हृदय का सम्पर्क भी चाहता है।
तर्क (Reason) (R) : लोभ प्रेम का मूल है।

(A) (A) गलत, (R) सही (B) (A) सही, (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *लोभ प्रेम का मूल न होकर प्रेम लोभ का मूल है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

41. स्थापना (Assertion) (A) : भरत मुनि के अनुसार स्थायी भाव ही रस के रूप में परिणत होता है।
तर्क (Reason) (R) : उनके प्रसिद्ध रससूत्र में स्थायी भाव का स्पष्ट उल्लेख है।

(A) (A) सही, (R) सही (B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) गलत, (R) गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *भरत मुनि के अनुसार स्थायी भाव ही रस में बदल जाता है। भरतमुनि का सूत्र है-*
"विभावानुभावव्यभिचरीसंयोगात्रसनिपत्तिः"
अर्थात् विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी या संचारी भाव के योग से रस की उत्पत्ति होती है। इस सूत्र में स्थायी भाव का उल्लेख नहीं है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।

42. स्थापना (Assertion) (A) : "बिन पग चलै सुनै बिनु काना" - असंगति अलंकार का उदाहरण है।
तर्क (Reason) (R) : असंगति अलंकार में कारण के बिना कार्य हो जाता है।

(A) (A) गलत, (R) गलत (B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) सही, (R) सही (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *(1) जहाँ कारण के बिना कार्य होना पाया जाये, वहाँ विभावना अलंकार होता है। "बिनुपद --------- काना" में विभावना अलंकार है।*
(2) जहाँ कारण कहीं (अन्यत्र) तथा कार्य कहीं (अन्यत्र) हो वहाँ असंगति अलंकार होता है।
जैसे- 'दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति।
परति गाँठ दुर्जन हिये, दई-नई यह रीति।
अतः (A) और (R) दोनों गलत हैं।

43. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा वैज्ञानिकों की दृष्टि में हिन्दी और उर्दू अलग-अलग भाषाएँ हैं।
तर्क (Reason) (R) : उनका व्याकरण एक ही है।

(A) (A) सही, (R) सही (B) (A) गलत, (R) गलत
(C) (A) गलत, (R) सही (D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *भाषा वैज्ञानिकों के अनुसार हिन्दी तथा उर्दू अलग-अलग भाषा नहीं हैं। जबकि इन दोनों के व्याकरण में समानता है। अतः (A) गलत तथा (R) सही है।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : मैथिली संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है।
तर्क (Reason) (R) : इसके शामिल होने से हिन्दी भाषियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

(A) (A) गलत, (R) सही (B) (A) गलत, (R) गलत
(C) (A) सही, (R) सही (D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषायें सम्मिलित हैं, जिनमें से एक मैथिली भी है। मैथिली हिन्दी की उपभाषा 'बिहारी' की एक बोली है, जो हिन्दी क्षेत्र की भाषा के अन्तर्गत ही है। इसलिये इसके संविधान में सम्मिलित होने से भी हिन्दी की संख्या में वृद्धि नहीं होती है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : ''हमारे मत में हिन्दी और उर्दू दो बोली न्यारी-न्यारी हैं।'' - यह कथन राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' का है।

तर्क (Reason) (A) : यह कथन ईस्ट इण्डिया कम्पनी की भाषा नीति के विरूद्ध है।

(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही

(C) (A) गलत, (R) गलत (D) (A) सही, (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'हमारे मत ------- न्यारी-न्यारी हैं।' यह कथन राजा लक्ष्मण सिंह का है। जो कि समकालीन परिदृश्य में ईस्ट इंडिया कम्पनी की भाषा नीति का समर्थन करता प्रतीत होता है।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-

यूरोपीय उपन्यास के विकास में पूँजीवादी अर्थतन्त्र और मध्य वर्ग का योगदान बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है और अकसर इस अवधारणा को हिन्दी उपन्यास के इतिहास पर भी चस्पाँ कर दिया जाता है। पर हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों को देखते हुए हिन्दी उपन्यास के सम्बन्ध में इस सामान्यीकरण को संगत नहीं माना जा सकता। 1870-90 की अवधि में हिन्दी क्षेत्र में न तो पूँजीवादी अर्थतन्त्र का कोई वर्चस्व था, न ही कोई मजबूत मध्य वर्ग पैदा हुआ था। इस समय भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद के चंगुल में तड़फड़ा रहा था और एक विदेशी पूँजीवादी उसका चौतरफा शोषण कर रहा था। इस विदेशी पूँजीवाद की भाषा अंगरेजी थी। इस व्यवस्था के पोषक और सहायक के रूप में अंगरेजी पढ़ा-लिखा मध्य वर्ग वजूद में आ रहा था, पर वह अधिकतर अहिन्दी भाषी, विशेष रूप से बंगला भाषी था। दरअसल हिन्दी उपन्यास हिन्दी भाषी जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति था।

46. पूँजीवादी अर्थतन्त्र और मध्य वर्ग ने साहित्य की किस विधा के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया?

(A) यूरोपीय उपन्यास (B) भारतीय उपन्यास

(C) हिन्दी उपन्यास (D) बंगला उपन्सास

उत्तर- (A)/ व्याख्या *पूँजीवाद और मध्यवर्ग ने साहित्य की यूरोपीय उपन्यास विधा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।*

47. हिन्दी उपन्यास के सम्बन्ध में किस सामान्यीकरण को संगत नहीं माना जा सकता?

(A) हिन्दी उपन्यास के विकास पर पश्चिमी उपन्यासों का भी प्रभाव है।

(B) हिन्दी उपन्यास पूंजीवाद की देन है।

(C) हिन्दी उपन्यास में परम्परा से चली आती कथा का भी योगदान है।

(D) हिन्दी उपन्यास भारतीय जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या *कथनानुसार हिन्दी उपन्यास पूँजीवाद की देन नहीं है। यह भारतीय परम्परा, राष्ट्रीय आकांक्षा तथा पाश्चात्य से गुंफित है। अतः कथन (B) असंगत है।*

48. 1870-90 की अवधि में हिन्दी क्षेत्र के किस अर्थतन्त्र का वजूद नहीं था?

(A) सामन्तवादी अर्थतन्त्र (B) जमींदारी अर्थतन्त्र

(C) पूंजीवादी अर्थतन्त्र (D) वाणिज्यिक अर्थतन्त्र

उत्तर- (C)/ व्याख्या *1870-90 के बीच में पूँजीवादी अर्थतन्त्र का हिन्दी क्षेत्र में वजूद नहीं था।*

49. 1870-90 की अवधि में भारत किसके चंगुल में तड़फड़ा रहा था?

(A) ब्रिटिश उपनिवेशवाद (B) फ्रांसीसी उपनिवेशवाद

(C) जर्मन उपनिवेशवाद (D) ब्रिटिश राष्ट्रवाद

उत्तर- (A)/ व्याख्या *1870-90 के बीच भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद के चंगुल में फँसा था।*

50. हिन्दी उपन्यास किसकी राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति था?

(A) हिन्दी भाषी जनता (B) अहिन्दी भाषी

(C) अंगरेजी पढ़ा-लिखा वर्ग (D) मध्य वर्ग

उत्तर- (A)/ व्याख्या *हिन्दी उपन्यास हिन्दी भाषी जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।*

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अपभ्रंश का मुख्य छंद है
(A) दोहा (B) बरवै (C) कुंडलिया (D) सवैया

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अपभ्रंश का मुख्य छन्द दोहा, पज्झटिका, अरिल्ल, कड़वक, तोमर, त्रोटक इत्यादि हैं। 'दोहा' को अपभ्रंश काल में 'दूहा' भी कहा जाता था।*

2. आगरा की बोली-क्षेत्र है
(A) अवधी (B) खड़ीबोली (C) ब्रज (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *ब्रजभाषा का बोली क्षेत्र- आगरा, मथुरा, भरतपुर, धौलपुर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी इत्यादि स्थानों तक फैला है। 'ब्रज' पश्चिमी हिन्दी की बोली है।*

3. 'पंडिअ सअल सन्त बक्खाणइ। देहहि बुद्ध बसंत न जाणइ' कथन है
(A) मीनपा (B) शबरीपा (C) गोरक्षपा (D) शबरपा

उत्तर- (*)/ व्याख्या *'पंडिट सअल ---------- न जाणइ' कथन रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (पृष्ठ 4) में सरहपा का बताया गया है, जबकि विकल्प में शबरीपा है। अतः उक्त साक्ष्य के आधार पर सरहपा की पंक्ति है। क्योंकि विकल्प (B) में शबरीपा है अतः कोई भी विकल्प सही नहीं है।*
'सरहपा' हिन्दी के प्रथम कवि तथा 84 सिद्धों में भी प्रथम माने जाते हैं। इनकी रचना का नाम 'दोहा कोश' है।

4. 'परमात्मप्रकाश' के रचनाकार हैं
(A) रामसिंह (B) योगीन्द्र
(C) हेमचन्द्र (D) मेरुतुंग

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'परमात्मप्रकाश' तथा 'योगसागर' दोनों छठीं शताब्दी जोइन्दु या योगीन्द्र की रचना है। इन रचनाओं से अपभ्रंश में दोहा- काव्य परम्परा का आरम्भ माना जाता है।*

5. 'गोरखबानी' के सम्पादक हैं
(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) श्यामसुन्दर दास (D) पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'गोरखबानी' का सम्पादन डॉ.पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने किया है। यह गोरखनाथ की रचनाओं का संकलन है। डॉ. बड़थ्वाल ने गोरखनाथ का समय ग्यारहवीं शताब्दी माना है। तथा इनकी रचनाओं की संख्या 14 बताया है।*

6. किस रचना का दूसरा नाम 'आल्हा खंड' है?
(A) पृथ्वीराज रासो (B) परमाल रासो
(C) विजयपाल रासो (D) हम्मीर रासो

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'परमाल रासो' का दूसरा नाम 'आल्हा खण्ड' है। यह जगनिक की रचना है। यह लोकगेय काव्य है। जगनिक महोबा के राजा परमर्दिदेव के आश्रित थे। इनका रचनाकाल तेरहवीं शताब्दी का आरम्भ माना जाता है। 1865 ई. में चार्ल्स इलियट ने 'आल्हाखण्ड' के नाम से इसका प्रकाशन कराया था। 'पृथ्वीराज रासो'- चन्दवरदाई, 'विजयपाल रासो'- नल्ल सिंह तथा 'हम्मीर रासो'- शारंगधर की रचना है।*

7. 'सजन सकारे जाँयगें नैन मरेंगें रोय' उक्ति है
(A) अमीर खुसरो (B) कबीर
(C) दादूदयाल (D) रहीम

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'सजन ------ रोय' यह अमीर खुसरो की रचना है। यह खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि माने जाते हैं। इनका मूल नाम अबुल हसन था। 'खालिकबारी', 'हालात-ए-कन्हैया', 'पहेलियाँ', 'मुकरियाँ', 'दोसुखने' इत्यादि इनकी रचनायें हैं। इन्हें 'हिन्दुस्तान का तूती' कहा जाता है। इनके गुरु 'निजामुद्दीन औलिया' थे।*

8. 'अष्टछाप' के कवि हैं
(A) स्वामी हरिदास (B) हित हरिवंश
(C) प्रियादास (D) कुंभनदास

उत्तर- (D)/ व्याख्या *अष्टछाप की स्थापना 1565 ई. में गोस्वामी विट्ठलनाथ ने की थी। इनमें कुल आठ कवि आते हैं। जिनमें चार वल्लभाचार्य के शिष्य- कुम्भनदास, सूरदास, परमानन्ददास तथा कृष्णदास हैं। और चार विट्ठलनाथ के शिष्य- गोविन्दस्वामी, नन्ददास, छीतस्वामी तथा चतुर्भुजदास हैं।*

9. 'हेरी म्हा तो दरद दिवाणी म्हाराँ दरद न जाण्याँ कोय' उक्ति है
(A) सहजोबाई (B) मीराबाई (C) दयाबाई (D) मुक्ताबाई

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'हेरी ----------- जाण्याँ कोय' मीराबाई का कथन है। मीराबाई भक्तिकाल की कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री हैं। इनके गुरु 'रैदास' माने जाते हैं। इनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। 'नरसी जी का मायरा', 'गीतगोविन्द टीका', 'राग सोरठा' इत्यादि इनकी रचनायें हैं।*

10. 'माँगि के खैबो मसीत के सोइबो, लैबो को एक न दैबो को दोऊ।' पंक्ति का सम्बन्ध तुलसीदास की किस रचना से है?
(A) रामचरितमानस (B) विनयपत्रिका
(C) गीतावली (D) कवितावली

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'माँगि --------- को दोऊ।' पंक्ति तुलसीदास की रचना 'कवितावली' से है। यह ब्रजभाषा में रचित है। रामचन्द्र शुक्ल ने इनकी कुल 12 रचनाओं का उल्लेख किया है।*

11. मुल्ला वजही की रचना है
(A) कुतुब मुश्तरी (B) कदमराव व पदमराव
(C) शिकारनामा (D) इरशादनामा

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'कुतुब मुश्तरी' (1609 ई.) मुल्ला वजही की रचना है। यह दक्षिणी हिन्दी के प्रसिद्ध रचनाकार हैं। इनकी एक अन्य गद्यकृति- 'सबरस' (1635 ई.) है। यह उर्दू साहित्य की प्रथम गद्य रचना मानी जाती है। 'शिकारनामा' ख्वाजा बन्दा नेवाज गेसूदराज जी की रचना है।*

12. प्रतापसाहि की रचना नहीं है
(A) काव्य विलास (B) व्यंग्यार्थ कौमुदी
(C) नवरस तरंग (D) श्रृंगार मंजरी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'काव्यविलास', 'व्यंग्यार्थ-कौमुदी', 'जयसिंह प्रकाश', श्रृंगार मंजरी', 'श्रृंगारशिरोमणि', 'काव्यविनोद' इत्यादि प्रताप साही की रचनायें हैं। जबकि 'नवरस तरंग', 'श्रृगार भूषण' बेनी 'प्रवीन' की रचना है।*

13. 'छत्रप्रकाश' प्रबन्ध काव्य के रचनाकार हैं

(A) सूदन (B) लालकवि (C) भूषण (D) पद्माकर

उत्तर- (B) व्याख्या *'छत्रप्रकाश' (प्रबन्धकाव्य) तथा 'विष्णुविलास' के रचनाकार लाल कवि हैं। 'सुजान चरित' (प्रबन्ध काव्य) के रचयिता सूदन हैं।*

14. निम्नलिखित में से कौन-सा नीतिकार कवि नहीं है?

(A) रहीमदास (B) गिरधर कविराय
(C) दीनदयाल गिरि (D) गिरिधर दास

उत्तर- (D) व्याख्या *रहीमदास, गिरिधर कविराय, दीन दयाल गिरि, बैताल, सम्मन तथा रामसहायदास- रीतिकाल के प्रसिद्ध नीतिकाव्यकार हैं।*

गिरिधरदास रीतिकाल के अलंकार निरूपण रीतिबद्ध कवियों में से एक हैं। 'भारती भूषण' इनकी प्रसिद्ध रचना है।

15. निम्नलिखित में से किन लेखकों का सम्बन्ध 'फोर्ट विलियम कॉलेज' से था?

(A) राजा लक्ष्मण सिंह, शिवप्रसाद सिंह 'सितारे हिन्द'
(B) रामप्रसाद निरंजनी, वैकुंठनाथ मिश्र
(C) जुगलकिशोर, बालमुकुंद गुप्त
(D) लल्लूलाल, सदल मिश्र

उत्तर- (D) व्याख्या *'फोर्ट विलियम कॉलेज' की स्थापना (1800 ई.) में वेलेजली ने कलकत्ता में की थी। इसमें जान गिलक्राइस्ट को हिन्दी भाषा का प्रथम प्रो0 बनाया गया। लल्लू लाल को 1802 ई. में भाषा मुंशी के पद पर तथा सदल मिश्र को 'हिन्दुस्तानी विभाग' में 1803 ई. को नियुक्त किया गया था।*

16. 'गार्सा द तासी' ने 'हिन्दुस्तानी साहित्य का इतिहास' किस भाषा में लिखा है?

(A) फ्रांसीसी (B) जर्मन (C) अंग्रेजी (D) हिन्दी

उत्तर- (A) व्याख्या *गार्सा द तासी ने फ्रेंच भाषा में 'इस्तवार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रन्थ लिखा था। जिसका प्रथम भाग 1839 ई. तथा दूसरा भाग 1847 ई. में प्रकाशित हुआ था। लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ने इसका अनुवाद 'हिन्दुई साहित्य का इतिहास' (1952 ई.) नाम से किया।*

17. अंग्रेजी सरकार की ओर से अदालत का कामकाज देश की प्रचलित भाषाओं में करने का 'इश्तहारनामा' किस सन् में निकला?

(A) सन् 1816 (B) सन् 1826 (C) सन् 1836 (D) सन् 1946

उत्तर- (C) व्याख्या *1830 की सरकारी विज्ञप्ति और 1836 के 'इश्तहारनामा' के द्वारा देशी भाषाओं को अदालती कामकाज में स्थान दिया गया। इसके पहले मुख्यतः फारसी अदालती भाषा हुआ करती थी।*

18. 'लोगन कवित्त कीबो खेल करि जानो है' किसकी उक्ति है?

(A) ठाकुर (B) घनानंद (C) केशवदास (D) मतिराम

उत्तर- (A) व्याख्या *ठाकुर रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं। 'ठाकुर-ठसक' तथा 'ठाकुर शतक' इनकी रचना है। यह जैतपुर के राजा परीछत के आश्रित थे। 'लोगन ---------- जानो है' इनकी प्रसिद्ध पंक्ति है।*

19. इनमें से कौन-सी रचना तुलसीदास की है?

(A) रामध्यान मंजरी (B) रामसतसई
(C) कृष्णगीतावली (D) श्री रामार्चन पद्धति

उत्तर- (C) व्याख्या *'कृष्णगीतावली' तुलसीदास की रचना है। 'रामध्यानमंजरी' स्वामी अग्रदास की तथा 'श्री रामार्चन पद्धति' रामानन्द की रचना है। शिव सिंह सरोज ने 'रामसतसई' को तुलसी की रचना बताया है।*

20. यह काव्य पंक्ति - 'हिन्दू मग पर पाँव न राखेउँ। का जौ बहुतै हिन्दी भाखेउ।' किसकी है?

(A) जायसी (B) नूर मुहम्मद
(C) मंझन (D) कुतुबन

उत्तर- (B) व्याख्या *'हिन्दू मग ----------- हिन्दी भाखेउ' पंक्ति नूरमुहम्मद की रचना 'अनुराग बाँसुरी' (1764 ई.) से है। यह फारसी अक्षरों में लिखित है। इसकी भाषा संस्कृतगर्भित है। इसमें हिन्दी भाषा के प्रति मुसलमानों का भाव व्यंजित होता है। इस रचना में चौपाइयों के बीच-बीच में बरवै का प्रयोग किया गया है।*

21. 'कबीर कानि राखी नहीं, वर्णाश्रम षट दरसनी' किसने कहा है?

(A) रैदास (B) मलूकदास (C) नाभादास (D) प्रियादास

उत्तर- (C) व्याख्या *नाभादास रामभक्ति शाखा के कवि हैं। इन्होंने लगभग (1585 ई.) में भक्तमाल' की रचना की। यह एक जीवनीपरक ग्रन्थ है। इसी में कबीर के सन्दर्भ में कहते हैं कि 'कबीर ---------- दरसनी।' तुलसी को भी कहते हैं कि-*

'कलि कुटिल जीव निस्तारहि बाल्मीकि तुलसी भयो।'

प्रियादास ने 'भक्तमाल' की टीका लिखी है।

22. इनमें से किसका समय सबसे पहले है?

(A) कबीरदास (B) रैदास (C) धर्मदास (D) दादूदयाल

उत्तर- (B) व्याख्या *रैदास (जन्म 1299-1398 ई. के बीच अनुमानित है), कबीर (1398 ई.), धर्मदास (1400-1500 के बीच), दादूदयाल (1544 ई.) जन्म समय माना जाता है। अतः रैदास सबसे पहले आते हैं।*

23. इनमें से किसका समय सबसे बाद में है?

(A) केशवदास (B) रहीमदास (C) घनानन्द (D) पद्माकर

उत्तर- (D) व्याख्या *जन्म के अनुसार क्रम- रहीमदास (1553 ई.), केशवदास (1555 ई), घनानन्द (1689 ई.) तथा पद्माकर (1753 ई.) हैं। अतः पद्माकर सबसे बाद में आते हैं।*

24. इनमें से कौन-सा नाटक भारतेन्दु का नहीं है?

(A) भारत जननी (B) भारत दुर्दशा
(C) भारत सौभाग्य (D) अंधेर नगरी

उत्तर- (C) व्याख्या *'भारत जननी' (1884 ई.), 'भारत दुर्दशा' (1880 ई.) तथा 'अंधेर नगरी' (1881 ई.) भारतेन्दु का नाटक हैं। जबकि 'भारत सौभाग्य' (1888 ई.) बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन' का नाटक है।*

25. इनमें से कौन-सी पत्रिका मासिक नहीं थी?

(A) बालाबोधिनी (B) हिन्दी प्रदीप
(C) सरस्वती (D) नागरी प्रचारिणी

उत्तर- (D)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	विधा
बालाबोधिनी	1874 ई.	मासिक
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	मासिक
सरस्वती	1900 ई.	मासिक
नागरी प्रचारिणी	1896 ई.	त्रैमासिक

26. निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास काशीनाथ सिंह का है?
(A) रेहन पर रग्घू (B) चाक
(C) एक ब्रेक के बाद (D) ग्लोबल गाँव के देवता

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
रेहन पर रग्घू	2008 ई.	काशीनाथ सिंह
चाक	1997 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
एक ब्रेक के बाद	2008 ई.	अलका सरावगी
ग्लोबल गाँव के देवता	2009 ई.	रणेन्द्र

27. निम्नलिखित में से किन साहित्यकारों का जन्म शताब्दी वर्ष सन् 2011 था?
(A) बच्चन, दिनकर, रामकुमार वर्मा, सुभद्राकुमारी चौहान
(B) अज्ञेय, त्रिलोचन, मुक्तिबोध, महादेवी वर्मा
(C) नागार्जुन, अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेर
(D) नागार्जुन, भैरवप्रसाद गुप्त, उपेन्द्रनाथ अश्क, भीष्म साहनी

उत्तर- (C) व्याख्या

साहित्यकार	जन्म समय	जन्मस्थान
नागार्जुन	1911 ई.	तरौनी (दरभंगा)
अज्ञेय	1911 ई.	कसया (देवरिया)
केदारनाथ अग्रवाल	1911 ई.	कमासिन (बाँदा)
शमशेर	1911 ई.	देहरादून

अतः 2011 सभी का जन्म शताब्दी वर्ष है।

28. 'दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीत' में कौन-सा अलंकार है?
(A) विरोधाभास (B) असंगति (C) विभावना (D) निदर्शना

उत्तर- (B) व्याख्या जहाँ कारण कहीं और (अन्यत्र) हो और कार्य कहीं (अन्यत्र) हो रहा हो वहाँ असंगति अलंकार होता है।
'दृग ------------ चित प्रीति' में असंगति अलंकार है।

29. निम्नलिखित में से 'दस द्वारे का पिंजरा' उपन्यास के रचनाकार हैं
(A) अनामिका (B) अलका सरावगी
(C) मधु काँकरिया (D) नासिरा शर्मा

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
दस द्वारे का पिंजरा	2008	अनामिका
शेष कादम्बरी	2001	अल्का सरावगी
सेज पर संस्कृत	2008	मधु काँकरिया
जीरो रोड	2008	नसिरा शर्मा

30. 'कथासतीसर' की लेखिका हैं
(A) चित्रा मुद्गल (B) क्षमा शर्मा
(C) नीलाक्षी सिंह (D) चन्द्रकांता

उत्तर- (D) व्याख्या 'बाकी सब खैरियत है' (1983 ई.), 'ऐलान गली जिन्दा है' (1984 ई.), 'यहाँ वितस्ता बहती है' (1992 ई.) 'अपने-अपने कोणार्क' (1995 ई.), कथासतीसर' (2001 ई.) चन्द्रकान्ता के उपन्यास हैं।
'कथासतीर' के लिये चन्द्रकान्ता को (2005) का व्यास सम्मान मिला है।

31. 'रससूत्र' के व्याख्याता कौन हैं?
(A) भरत मुनि, महिम भट्ट, मम्मट, विश्वनाथ
(B) लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(C) विश्वनाथ, पं. जगन्नाथ, महिम भट्ट, अप्पय दीक्षित
(D) केशव मिश्र, विद्यासागर, राजशेखर, जयदेव

उत्तर- (B)

रससूत्र के व्याख्याता	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भुक्ति या भोगवाद	सांख्य
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

32. हिन्दी दैनिक 'समाचार सुधावर्षण' के सम्पादक हैं
(A) जुगल किशोर (B) श्यामसुन्दर सेन
(C) बालमुकुंद गुप्त (D) राधाकृष्ण दास

उत्तर- (B)

पत्र	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक
उदंत मार्तण्ड	30 मई 1826 ई.	युगल/जुगल किशोर
समाचार सुधावर्षन	1854 ई.	श्याम सुन्दर सेन
हिन्दी बंगवासी	1890 ई.	बालमुकुन्द गुप्त
सरस्वती	1900 ई.	राधाकृष्णदास व 4 अन्य

33. 'द न्यू क्रिटिसिज्म' पुस्तक के लेखक हैं
(A) जॉन क्रो रैंसम (B) जाक देरीदा
(C) रोला बार्थ (D) सॉस्यूर

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार
द न्यू क्रिटिसिज्म	जॉन क्रो रैंसम
ग्रामैटोलाजी	जाक देरिदा

34. 'राइटिंग एंड डिफरेंस' पुस्तक किस आलोचक की है?
(A) मिशेल फूको (B) वर्जीनिया वुल्फ़
(C) सिमोन द बुआ (D) जाक़ देरीदा

उत्तर- (D)

35. ''साधारणीकरण' आलम्बनत्व धर्म का होता है'' कथन किसका है?
(A) आचार्य विश्वनाथ (B) आचार्य अभिनवगुप्त
(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (D) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

उत्तर- (C) व्याख्या 'साधारणीकरण' की अवधारणा भट्ट नायक की देन है।
1. शुक्ल के अनुसार- ''साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म का होता है।''
2. नगेन्द्र के अनुसार- ''साधारणीकरण कवि भावना का होता है।''
3. केशव प्रसाद मिश्र- ''साधारणीकरण सहृदय की चेतना का होता है।''
4. श्याम सुन्दर दास के अनुसार ''साधारणीकरण भावक या पाठक का होता है।''

36. 'सुअरदान' के लेखक हैं
(A) मनोज सोनकर (B) रूपनारायण सोनकर
(C) तुलसीराम (D) जयप्रकाश कर्दम

उत्तर- (B)

रचना	लेखक
सूअरदान	रूपनारायण सोनकर
जाँच	मनोज सोनकर
मुर्दहिया	तुलसीराम
गूंगा नहीं था मैं	जय प्रकाश कर्दम

37. 'अन्न हैं मेरे शब्द' किस कवि की कृति है?
(A) स्वप्निल श्रीवास्तव (B) रवीन्द्र श्रीवास्तव
(C) आलोक श्रीवास्तव (D) एकान्त श्रीवास्तव

उत्तर- (D)

रचना	रचनाकार
अन्न हैं मेरे शब्द	एकान्त श्रीवास्तव
मुझे दूसरी पृथ्वी चाहिये	स्वप्निल श्रीवास्तव
आमीन	आलोक श्रीवास्तव

38. 'अनारो' किसका उपन्यास है?

(A) ममता कालिया (B) चित्रा मुद्‌गल
(C) मंजुल भगत (D) राजीसेठ

उत्तर- (C)/ व्याख्या 'अनारो' (1977 ई.), 'बेगाने घर में' (1978 ई.), 'खातुल' (1983), 'तिरछी बौछार' (1984) तथा 'गंजी' (1995 ई.) मंजुल भगत के उपन्यास हैं।

39. 'व्योमकेश दरवेश' किस विधा की रचना है?

(A) आत्मकथा (B) संस्मरण (C) जीवनी (D) डायरी

उत्तर- (C)/ व्याख्या 'व्योमकेश दरवेश' (2011) विश्वनाथ त्रिपाठी कृत हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवनी है। इस कृति के लिये त्रिपाठी जी को 2013 का व्यास सम्मान प्रदान किया गया है।

40. 'सुचरिता' का सम्बन्ध किस उपन्यास से है?

(A) शेखर एक जीवनी (B) बाणभट्ट की आत्मकथा
(C) पहला गिरमिटिया (D) राग दरबारी

उत्तर- (B)

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
शशि	शेखर : एक जीवनी	अज्ञेय
सुचरिता	बाणभट्ट की आत्मकथा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मोहनदास	पहला गिरमिटिया	गिरिराज किशोर
वैद्यजी	रागदरबारी	श्रीलाल शुक्ल

41. रचनाकाला की दृष्टि से निम्नलिखित रचनओं का सही अनुक्रम बताइये-

(A) कृष्णायन, कीर्तिपताका, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका
(B) कीर्तिपताका, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, कृष्णायन
(C) रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, कृष्णायन, कीर्तिपताका
(D) रामचन्द्रिका, रामचरितमानस, कीर्तिपताका, कृष्णायन

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कीर्तिपताका	13वीं शती	विद्यापति
रामचरितमानस	1574 में रचना प्रारम्भ	तुलसीदास
रामचन्द्रिका	1601 ई.	केशवदास
कृष्णायन	1943 ई.	द्वारिका प्रसाद मिश्र

42. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है

(A) साकेत, कामायनी, कुरुक्षेत्र, अंधायुग
(B) कामायनी, कुरुक्षेत्र, साकेत, अंधायुग
(C) साकेत, कुरुक्षेत्र, अंधायुग, कामायनी
(D) अंधायुग, कुरुक्षेत्र, साकेत, कामायनी

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1935 ई.	जयशंकर प्रसाद
कुरुक्षेत्र	1946 ई.	दिनकर
अंधायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती

43. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :

(A) अनुराग बाँसुरी, मृगावती, ज्ञानदीप, इन्द्रावती
(B) ज्ञानदीप, मृगावती, अनुराग बाँसुरी, इन्द्रावती
(C) मृगावती, ज्ञानदीप, इन्द्रावती, अनुराग बाँसुरी
(D) इन्द्रावती, मृगावती, ज्ञानदीप, अनुराग बाँसुरी

उत्तर- (C)

ग्रन्थ	रचनाकाल	ग्रन्थकार
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
ज्ञानदीप	1619 ई.	शेखनबी
इन्द्रावती	1744 ई.	नूर मुहम्मद
अनुराग बाँसुरी	1764 ई.	नूर मुहम्मद

44. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित निबन्धकारों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) रामचन्द्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, विद्यानिवास मिश्र
(D) विद्यानिवास मिश्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (B)/ व्याख्या जन्मकाल के अनुसार निबन्धकार का अनुक्रम- महावीर प्रसाद द्विवेदी (1864 ई.), रामचन्द्र शुक्ल (1884 ई.), हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907 ई.) तथा विद्यानिवास मिश्र (1926 ई.) हैं।

45. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(A) अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर, आत्मनेपद, श्रृंखला की कड़ियाँ
(B) अर्द्धनारीश्वर, आत्मनेपद, श्रृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल
(C) आत्मनेपद, श्रृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर
(D) श्रृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर,आत्मनेपद

उत्तर- (D)

निबन्ध	रचनाकाल	निबन्धकार
श्रृंखला की कड़ियाँ	1942 ई.	महादेवी वर्मा
अशोक के फूल	1948 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अर्द्धनारीश्वर	1952 ई.	दिनकर
आत्मनेपद	1960 ई.	अज्ञेय

46. रचनाकाल की दृष्टि से उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(A) परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दु, ठेठ हिन्दी का ठाठ, देहाती दुनिया
(B) निस्सहाय हिन्दु, परीक्षा गुरु, ठेठ हिन्दी के ठाठ, देहाती दुनिया
(C) देहाती दुनिया, परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दु, ठेठ हिन्दी के ठाठ
(D) ठेठ हिन्दी के ठाठ, देहाती दुनिया, परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दु

उत्तर- (A)

उपन्यास	रचनाकाल	उपन्यासकार
परीक्षा गुरु	1882 ई.	श्रीनिवास दास
निस्सहाय हिन्दु	1890 ई.	राधाकृष्ण दास
ठेठ हिन्दी का ठाठ	1899 ई.	हरिऔध
देहाती दुनिया	1926 ई.	शिवपूजन सहाय

47. रचनाकाल के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) अनामदास का पोथा, पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख

(B) पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, अनामदास का पोथा
(C) बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा
(D) चारुचन्द्र लेख, बाणभट्ट की आत्मकथा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार उपन्यासों का अनुक्रम- 'बाणभट्ट की आत्मकथा' (1947 ई.), 'चारुचन्द्र लेख' (1963 ई.), 'पुनर्नवा' (1973 ई.) तथा 'अनामदास का पोथा' (1976 ई.) है।*

48. **रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है**
(A) ग्यारह वर्ष का समय, दुलाई वाली, पंच परमेश्वर, दोपहर का भोजन
(B) दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय, पंच परमेश्वर, दोपहर का भोजन
(C) दोपहर का भोजन, पंच परमेश्वर, दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय
(D) पंच परमेश्वर, दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय, दोपहर का भोजन

उत्तर- (A)/

कहानी	रचनाकाल	रचनाकार
ग्यारह वर्ष का समय	*1903 ई.*	*रामचन्द्र शुक्ल*
दुलाईवाली	*1907 ई.*	*बंग महिला*
पंचपरमेश्वर	*1916 ई.*	*प्रेमचन्द*
दोपहर का भोजन	-	*अमरकान्त*

49. **रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है**
(A) स्कन्दगुप्त, झाँसी की रानी, चंद्रावली, कबिरा खड़ा बजार में
(B) चंद्रावली, कबिरा खड़ा बजार में, स्कन्दगुप्त, झाँसी की रानी
(C) झाँसी की रानी, स्कन्दगुप्त, चंद्रावली, कबिरा खड़ा बजार में
(D) चंद्रावली, स्कन्दगुप्त, झाँसी की रानी, कबिरा खड़ा बजार में

उत्तर- (D)/

नाटक	रचनाकाल	नाटककार
चंद्रावली	*1876 ई.*	*भारतेन्दु*
स्कन्दगुप्त	*1928 ई.*	*प्रसाद*
झाँसी की रानी	*1948 ई.*	*वृन्दावन लाल वर्मा*
कबिरा खड़ा बजार में	*1981 ई.*	*भीष्म साहनी*

50. **रचनाकाल के आधार पर प्रसाद के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :**
(A) चन्द्रगुप्त, अजातशत्रु, राज्यश्री, ध्रुवस्वामिनी
(B) अजातशत्रु, राज्यश्री, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(C) राज्यश्री, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(D) अजातशत्रु, राज्यश्री, ध्रुवस्वामिनी, चन्द्रगुप्त

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम- 'राज्यश्री' (1915 ई.), 'अजातशत्रु' (1922 ई.), चन्द्रगुप्त' (1931 ई.) तथा 'ध्रुवस्वामिनी' (1933 ई.) है।*

51. **रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :**
(A) मेरी जीवन यात्रा, अर्धकथा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(B) अर्धकथा, मेरी जीवन यात्रा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(C) टुकड़े-टुकड़े दास्तान, मेरी जीवन यात्रा, अर्धकथा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(D) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, अर्धकथा, मेरी जीवन यात्रा

उत्तर- (*)/ व्याख्या/

आत्मकथा	रचनाकाल	आत्मकथाकार
अर्धकथा	*1641 ई.*	*बनारसीदास जैन*
मेरी जीवन यात्रा	*1946 ई.*	*राहुल सांकृत्यायन*
क्या भूलूँ क्या याद करूँ	*1969 ई.*	*हरिवंश राय 'बच्चन'*
टुकड़े-टुकड़े दास्तान	*1986 ई.*	*अमृतलाल नागर*

विशेष नोट- 'अर्द्धकथा' या 'अर्द्धकथानक' (1641 ई.) बनारसीदास जैन की आत्मकथा है। जबकि 'अर्धकथा' (1988 ई.) डॉ. नगेन्द्र की आत्मकथा है। अगर 'अर्धकथा' को जैन की रचना माने तो प्रश्न सही है अन्यथा प्रश्न में त्रुटि है।

52. **रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही क्रम है**
(A) भारत भारती, रस कलश, उर्वशी, शम्बूक
(B) रस कलश, भारत भारती, उर्वशी, शम्बूक
(C) उर्वशी, शम्बूक, भारत भारती, रस कलश
(D) शम्बूक, रस कलश, भारत भारती, उर्वशी

उत्तर- (A)/

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
भारत भारती	*1912 ई.*	*मैथिलीशरण गुप्त*
रस कलश	*1940 ई.*	*हरिऔध*
उर्वशी	*1961 ई.*	*दिनकर*
शम्बूक	-	*जगदीश गुप्त*

53. **रचनाकाल की दृष्टि से निराला की निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :**
(A) तुलसीदास, परिमल, नये पत्ते, आराधना
(B) आराधना, परिमल, नये पत्ते, तुलसीदास
(C) नये पत्ते, आराधना, परिमल, तुलसीदास
(D) परिमल, तुलसीदास, नये पत्ते, आराधना

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार निराला की कृतियों का अनुक्रम- 'परिमल' (1930 ई.), 'तुलसीदास' (1938 ई.), 'नये पत्ते' (1946 ई.) तथा 'आराधना' (1953 ई.) है।*

54. **रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है**
(A) राग दरबारी, धरती धन न अपना, महाभोज, झीनी झीनी बीनी चदरिया
(B) महाभोज, राग दरबारी, धरती धन न अपना ,झीनी झीनी बीनी चदरिया
(C) धरती धन न अपना, झीनी झीनी बीनी चदरिया, महाभोज, राग दरबारी
(D) राग दरबारी, महाभोज, धरती धन न अपना, झीनी झीनी बीनी चदरिया

उत्तर- (A)/

उपन्यास	रचनाकाल	उपन्यासकार
राग दरबारी	*1968 ई.*	*श्रीलाल शुक्ल*
धरती धन न अपना	*1972 ई.*	*जगदीश चन्द्र*
महाभोज	*1979 ई.*	*मन्नू भण्डारी*
झीनी-झीनी बीनी चदरिया	*1986 ई.*	*अब्दुल बिस्मिल्लाह*

55. **हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम है :**
(A) पालि, प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश
(B) संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
(C) संस्कृत, अपभ्रंश, पालि, प्राकृत
(D) अपभ्रंश, संस्कृत, प्राकृत, पालि

उत्तर- (B)/ व्याख्या हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम-

संस्कृत
(1500 ई0 पू0 - 500 ई0 पू0 तक)
↓
पालि
(500 ई0 पू0 - 1 ई0 तक)
↓
प्राकृत
(1 ई0 - 500 ई0 तक)
↓
अपभ्रंश
(500 ई0 - 1000 ई0 तक)
↓
हिन्दी
(1000 ई0 ---------------)

56. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य सामूहिक अवचेतन का निषेध है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्य में सिर्फ व्यक्ति मन की अभिव्यक्ति होती है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *साहित्य सामूहिक अवचेतन का निषेध नहीं बल्कि यह अवचेतन की संस्कृति है। साहित्य में सिर्फ व्यक्ति मन की ही अभिव्यक्ति नहीं होती है। इसमें सभी मानव, जीव-जगत, प्रकृति, समाज इत्यादि आते हैं। अतः कथन (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

57. स्थापना (Assertion) (A) : विषमता और दुख-सुख का द्वन्द्व विकास का मूलाधार है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि समता से विकास असंभव है।
(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *विकास, जीवन के दो पहलू दुख और सुख के द्वन्द्व से ही निःसृत होता है। विकास समानता और असमानता दोनों पर निर्भर करता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

58. स्थापना (Assertion) (A) : कला सामाजिक अनुपयोगिता की अनुमति के विरूद्ध अपने को प्रमाणित करने का प्रयत्न है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कलाकार सामाजिक अभावों के खिलाफ संघर्ष करता है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जिसे समाज अनुपयोगी मानता है, कला उसी को प्रमाणिक करने का प्रयास करती है। तथा इसे सिद्ध करने के लिये कलाकार सामाजिक अनुपलब्धता के खिलाफ संघर्ष करता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

59. स्थापना (Assertion) (A) : सौन्दर्य बाहर की कोई वस्तु नहीं, मन के भीतर की वस्तु है।
तर्क (Reason) (R) : कारण कि सौन्दर्य की सत्ता मन के बाहर नहीं होती है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *सम्पूर्ण सौन्दर्य बाह्य तथा आन्तरिक का योग है। वास्तविक सौन्दर्य की कसौटी आन्तरिक सौन्दर्य ही है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

60. स्थापना (Assertion) (A) : नारीवाद का एक उद्देश्य पुरुष-सत्ता का निषेध है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नारीवाद का एकमात्र उद्देश्य यही है।
(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'नारीवाद' के उद्देश्यों में एक उद्देश्य 'पुरुष सत्ता का निषेध' है। नारीवाद के कई उद्देश्य हैं। जैसे- आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक इत्यादि सभी क्षेत्रों में समान या समुचित भागीदारी। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

61. स्थापना (Assertion) (A) : प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रेम दो कौड़ी का होता है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *प्रेम एक संवेदना है। यह मानवीय मनोवृत्ति का परिणाम है। प्रेम को बेचा या खरीदा नहीं जा सकता। अतः (A) सही व (R) गलत है।*

62. स्थापना (Assertion) (A) : स्थायी साहित्य जीवन की चिरन्तन समस्याओं का समाधान है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि स्थायी साहित्य का लोक जीवन की तात्कालिक समस्याओं से कोई सम्बन्ध नहीं होता।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही, (R) गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *स्थायी साहित्य जीवन की दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान है। तथा इसका सम्बन्ध लोकजीवन की तात्कालिक समस्याओं से सम्बद्ध होता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

63. स्थापना (Assertion) (A) : लोकहृदय में हृदय के लीन होने का नाम रसदशा है।
तर्क (Reason) (R) : इसलिये साधारणीकरण के लिये कवि का लोकधर्मी होना आवश्यक नहीं है।
(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *साधारणीकरण के लिये कवि को लोकधर्मी होना आवश्यक है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

64. स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भारतेन्दु युगीन कविता में मध्यकालीन भावबोध का नितांत अभाव है।
(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *हिन्दी साहित्य में आधुनिकता की शुरुआत भारतेन्दु युग से होती है। इस युग में मध्यकालीन (भक्ति एवं रीति) से सम्बन्धित साहित्य भी रचा जा रहा था। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

65. स्थापना (Assertion) (A) : रस ब्रह्मास्वाद सहोदर है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि रस में लौकिक विषयों का सर्वथा तिरोभाव होता है।

(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *रस ब्रह्मास्वाद या ब्रह्मानन्द सहोदर माना जाता है। रस में लौकिक विषयों का आविर्भाव होता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

66. निम्नलिखित कवियों को उनके काव्य संग्रहों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) बालकृष्ण शर्मा नवीन (i) हिमतरंगिणी
(b) रामनरेश त्रिपाठी (ii) प्रवासी के गीत
(c) माखनलाल चतुर्वेदी (iii) हम विषपायी जनम के
(d) सोहनलाल द्विवेदी (iv) पथिक
(v) भैरवी

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	iv	i	v
(D)	ii	i	iii	iv

उत्तर- (C)

कवि	काव्यग्रन्थ	प्र० वर्ष
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	*हम विषपायी जनम के*	
रामनरेश त्रिपाठी	*पथिक*	*1920 ई.*
माखनलाल चतुर्वेदी	*हिमतरंगिणी*	*1948 ई.*
सोहनलाल द्विवेदी	*भैरवी*	*1951 ई.*
नरेन्द्र शर्मा	*प्रवासी के गीत*	*1938 ई.*

67. निम्नलिखित साहित्यकारों को उनके द्वारा सम्पादित पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (i) आनन्द कादम्बिनी
(b) अंबिकादत्त व्यास (ii) हिन्दी प्रदीप
(c) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (iii) ब्राह्मण
(d) बालकृष्ण भट्ट (iv) कवि वचन सुधा
(v) पीयूष प्रवाह

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	iii	i	ii	iv

उत्तर- (A)

साहित्यकार	पत्रिका	वर्ष
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	*कवि वचन सुधा*	*1868 ई.*
अम्बिकादत्त व्यास	*पीयूष प्रवाह*	*1884 ई.*
बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'	*आनन्द कादम्बिनी*	*1881 ई.*
बालकृष्ण भट्ट	*हिन्दी प्रदीप*	*1877 ई.*
प्रताप नारायण मिश्र	*ब्राह्मण*	*1883 ई.*

68. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) भीष्म साहनी (i) कटरा बी आरजू
(b) श्रीलाल शुक्ल (ii) तमस
(c) राही मासूम रजा (iii) शहर में कर्फ्यू
(d) शिवप्रसाद सिंह (iv) राग दरबारी
(v) अलग-अलग वैतरणी

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	i	iii	iv	v
(C)	ii	iv	i	v
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर- (C)

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
भीष्म साहनी	*तमस*	*1973 ई.*
श्रीलाल शुक्ल	*रागदरबारी*	*1968 ई.*
राही मासूम रज़ा	*कटरा बी आरज़ू*	*1978 ई.*
शिव प्रसाद सिंह	*अलग-अलग वैतरणी*	*1967 ई.*
विभूतिनारायण राय	*शहर में कर्फ्यू*	*1986 ई.*

69. निम्नलिखित आलोचना ग्रन्थों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) रस मीमांसा (i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(b) नाथ सम्प्रदाय (ii) नन्ददुलारे बाजपेयी
(c) आस्था और सौन्दर्य (iii) रामचन्द्र शुक्ल
(d) हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी (iv) रामविलास शर्मा
(v) देवीशंकर अवस्थी

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर- (B)

आलोचना ग्रन्थ	आलोचक	वर्ष
रस मीमांसा	*रामचन्द्र शुक्ल*	*1949 ई.*
नाथ सम्प्रदाय	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*	*1950 ई.*
आस्था और सौन्दर्य	*रामविलास शर्मा*	*1961 ई.*
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	*नन्ददुलारे बाजपेयी*	*1942 ई.*
साहित्य विधाओं की प्रकृति	*देवी शंकर अवस्थी*	*1998 ई.*

70. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) गोबर (i) नदी के द्वीप
(b) भुवन (ii) बाणभट्ट की आत्मकथा
(c) महामाया (iii) मृगनयनी
(d) कुमारगिरि (iv) गोदान
(v) चित्रलेखा

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	v
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	iv	iii	v	ii

उत्तर- (A)

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
गोबर	*गोदान*	*प्रेमचन्द*
भुवन	*नदी के द्वीप*	*अज्ञेय*
महामाया	*बाणभट्ट की आत्मकथा*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
कुमारगिरि	*चित्रलेखा*	*भगवती चरण वर्मा*
महमूद बर्घरा	*मृगनयनी*	*वृन्दावन लाल वर्मा*

71. निम्नलिखित पात्रों को उनके काव्यों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) प्रियंवद (i) प्रलय की छाया

(b) कमला (ii) उर्वशी
(c) औशीनरी (iii) आत्मजयी
(d) नचिकेता (iv) असाध्यवीणा
(v) अंधायुग

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर- (B)

पात्र	काव्य	काव्यकार
प्रियंवद	असाध्यवीणा	अज्ञेय
कमला	प्रलय की छाया	प्रसाद
औशीनरी	उर्वशी	दिनकर
नचिकेता	आत्मजयी	कुंवर नारायण
प्रमथ्यु	अंधायुग	धर्मवीर भारती

72. निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके विचारकों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) अभिव्यंजनावाद (i) टी.एस.इलियट
(b) आभिजात्यवाद (ii) सार्त्र
(c) अस्तित्ववाद (iii) ज़ाक देरीदा
(d) विखण्डनवाद (iv) क्रोचे
(v) मैथ्यू आर्नल्ड

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	v	iii	ii	i
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर- (D)

सिद्धान्त	विचारक
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे
अभिजात्यवाद	टी.एस.इलियट
अस्तित्ववाद	सार्त्र
विखण्डनवाद	जाक देरिदा
नव्य अभिजात्यवाद	मैथ्यू आर्नल्ड

73. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) फणीश्वरनाथ रेणु (i) दोपहर का भोजन
(b) अमरकांत (ii) ठेस
(c) उषा प्रियंवदा (iii) परदा
(d) यशपाल (iv) वापसी
(v) पुरस्कार

	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	iii
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	ii	v	iv	i

उत्तर- (B)

कहनीकार	कहानी
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	ठेस
अमरकान्त	दोपहर का भोजन
उषा प्रियंवदा	वापसी
यशपाल	परदा
जयशंकर प्रसाद	पुरस्कार

74. निम्नलिखित निबन्धों को उनके निबन्धकारों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) मज़दूरी और प्रेम (i) कुबेरनाथ राय
(b) कुटज (ii) अध्यापक पूर्णसिंह
(c) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (iii) विद्यानिवास मिश्र
(d) लोभ और प्रीति (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(v) रामचन्द्र शुक्ल

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	iii	v
(B)	iv	ii	iii	i
(C)	v	ii	iv	iii
(D)	iv	ii	iii	v

उत्तर- (A)

निबन्ध	निबन्धकार
मजदूरी और प्रेम	अध्यापक पूर्ण सिंह
कुटज	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	विद्यानिवास मिश्र
लोभ और प्रीति	रामचन्द्र शुक्ल
रस आखेटक	कुबेरनाथ राय

75. निम्नलिखित उक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) मैं उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र समझता हूँ। (i) महादेवी वर्मा
(b) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है। (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) करुणा सेंत का सौदा नहीं है। (iii) प्रेमचन्द
(d) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है। (iv) जयशंकर प्रसाद
(v) रामचन्द्र शुक्ल

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	ii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	i	ii	iv	iii

उत्तर- (A)

उक्ति	लेखक
मैं उपन्यास --------- समझता हूँ।	प्रेमचन्द्र
अधिकार ----------- सारहीन है।	जय शंकर प्रसाद
करुणा ------------ नहीं है।	रामचन्द्र शुक्ल
मनुष्य ही ----------- लक्ष्य है।	हजारी प्रसाद द्विवेदी
काव्य या कला का सत्य जीवन की परिधि में सौन्दर्य के माध्यम द्वारा व्यक्त अखण्ड सत्य है।	महादेवी वर्मा

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देशः इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. 'पउमचरिउ' किसकी रचना है?
(A) अब्दुल रहमान (B) विद्यापति
(C) स्वयम्भू (D) चन्द वरदायी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'पउमचरिउ' (रामकथा), 'रिट्ठणेमिचरिउ' (हरिवंशपुराण- कृष्णकथा) तथा 'स्वयंभूछन्द' जैनाचार्य स्वयंभू की रचना है। यह अपभ्रंश के प्रथम कवि माने जाते हैं। इन्हें अपभ्रंश का 'वाल्मीकि' कहा जाता है।*

2. गोस्वामी तुलसीदास की रचना 'कवितावली' किस भाषा की रचना है?
(A) अवधी (B) ब्रजभाषा (C) मैथिली (D) बुन्देली

उत्तर- (B)/ व्याख्या *तुलसीदास की रचना- कवितावली (कवित्त रामायण), दोहावली, गीतावली, विनयपत्रिका, कृष्णगीतावली ब्रजभाषा में तथा रामचरितमानस, पार्वतीमंगल, जानकी मंगल, बरवै रामायण, वैराग्यसंदीपनी आदि रचनाएँ अवधी भाषा में हैं।*

3. 'खड़ी बोली' के लिये सुनीतिकुमार चटर्जी ने किस शब्द का प्रयोग किया है?
(A) जनपदीय हिन्दुस्तानी (B) वर्नाक्युलर हिन्दुस्तानी
(C) कौरवी (D) रेख़्ता

उत्तर- (A)/ व्याख्या *खड़ी बोली के लिये सुनीति कुमार चटर्जी ने जनपदीय हिन्दुस्तानी का प्रयोग किया है।*

4. सूफी प्रेमाख्यानक काव्य-परम्परा में 'आराध्य' को प्रायः किस रूप में देखा गया है?
(A) गुरु के रूप में (B) प्रेमी के रूप में
(C) सखा के रूप में (D) प्रेमिका के रूप में

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सूफी प्रेमाख्यानक परम्परा में 'आराध्य' या 'परमात्मा' को प्रेमिका के रूप में देखा गया है। जबकि 'आराधक' या 'आत्मा' को प्रेमी के रूप में। शुक्ल ने स्त्री तथा पुरुष को क्रमशः 'परमात्मा' तथा 'आत्मा' का प्रतीक माना है।*

5. छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किसने कहा है?
(A) सुमित्रानन्दन पन्त (B) डॉ.नगेन्द्र
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) जयशंकर प्रसाद

उत्तर- (B)/ व्याख्या *छायावाद के लिये कहे गये विद्वानों के कथन-*
(i) *''छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।''* - **डॉ. नगेन्द्र**
(ii) *''मानव तथा प्रकृति के सूक्ष्म, किन्तु व्यक्त सौन्दर्य में आध्यात्मिक छाया का भान छायावाद की सर्वमान्य व्याख्या हो सकती है।''* - **नन्द दुलारे बाजपेयी**
(iii) *''छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह नहीं रहा।''* - **डॉ. रामविलास शर्मा**
(iv) *''छायावाद तत्त्वतः प्रकृति के बीच जीवन का उद्गीय है।''* - **महादेवी वर्मा**

6. निम्नलिखित में से कौन 'मिश्र बन्धुओं' में नहीं है?
(A) कृष्णबिहारी मिश्र (B) श्यामबिहारी मिश्र
(C) गणेशबिहारी मिश्र (D) शुकदेव बिहारी मिश्र

उत्तर- (A)/ व्याख्या *श्याम बिहारी मिश्र, गणेश बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र तीनों भाई थे जो कि मिश्र बन्धु के नाम से जाने जाते हैं। 'मिश्रबन्धु विनोद', 'हिन्दी नवरत्न', 'नेत्रोन्मीलन' इत्यादि इनकी रचनाएँ हैं। कृष्ण बिहारी मिश्र इनमें सम्मिलित नहीं हैं। 'देव और बिहारी' इनकी आलोचना कृति है।*

7. 'रस गंगाधर' के रचयिता कौन हैं?
(A) अभिनवगुप्त (B) दण्डी
(C) पंडितराज जगन्नाथ (D) आचार्य विश्वनाथ

उत्तर- (C)

रचना	रचनाकार
रस गंगाधर	पंडित राज जगन्नाथ
काव्यादर्श	दण्डी
ध्वन्यालोक लोचन	अभिनवगुप्त
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

8. निम्नलिखित में से कौन 'तार सप्तक' का कवि नहीं है?
(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) गिरिजाकुमार माथुर
(C) मुक्तिबोध (D) प्रभाकर माचवे

उत्तर- (A)/ व्याख्या *गिरिजा कुमार माथुर, प्रभाकर माचवे तथा मुक्तिबोध 'तार सप्तक' (1943 ई.) के कवि हैं। जबकि- शमशेर बहादुर सिंह 'दूसरा सप्तक' (1951 ई.) के कवि हैं।*

9. 'शिवपालगंज' किस उपन्यास से सम्बन्धित है?
(A) बिस्रामपुर का सन्त (B) राग दरबारी
(C) आधा गाँव (D) मैला आँचल

उत्तर- (B)

उपन्यास	सम्बन्धित स्थान	उपन्यासकार
बिस्रामपुर का संत	-	श्रीलाल शुक्ल
रागदरबारी	शिवपालगंज	श्रीलाल शुक्ल
आधा गाँव	गंगोली	राही मासूम रज़ा
मैला आँचल	पूर्णिया/ मेरी गंज	रेणु

10. भरत मुनि के अनुसार काव्य में कुल कितने गुण होते हैं?
(A) दस (B) पाँच (C) तीन (D) सात

उत्तर- (A)/ व्याख्या *भरतमुनि ने गुणों की संख्या 'दस' मानी है- (श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, पद-सौकुमार्य, अर्थव्यक्ति, उदारता, कांति।)*
मम्मट, भामह तथा आनन्द वर्धन ने गुणों की संख्या 'तीन' मानी है- (माधुर्य, ओज, प्रसाद)।

11. हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' क्या है?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) अयोगवाह (D) संयुक्ताक्षर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' न ही स्वर में और न ही व्यंजन में आते हैं। इसीलिये इन्हें अयोगवाह कहा जाता है। 'अं' को अनुस्वार तथा 'अः' को विसर्ग भी कहते हैं।*

12. **'अन्धायुग' किस नाट्यविधा के अन्तर्गत आता है?**
(A) गीतिनाट्य (B) नाटक
(C) रूपक (D) प्रहसन

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'अन्धायुग' (1955 ई.) धर्मवीर भारती की गीतिनाट्य विधा की रचना है। इसे काव्य-नाट्य भी कहा जाता है।*

13. **"दो राह, समय के रथ पर घर्घर नाद सुनो सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।"**
उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी कविता से उद्धृत है?
(A) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (B) रामधारी सिंह दिनकर
(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) जानकीवल्लभ शास्त्री

उत्तर- (B)/ व्याख्या *"दो राह ------------- जनता आती है।" रामधारी सिंह दिनकर की 'दिल्ली' नामक कविता की पंक्ति है।*

14. **हिन्दी के किस आलोचक ने 'देवरानी जेठानी की कहानी' को हिन्दी में प्रथम उपन्यास माना है?**
(A) नामवर सिंह (B) रामविलास शर्मा
(C) विजय मोहन सिंह (D) गोपाल राय

उत्तर- (D)/ व्याख्या *पं0 गौरी दत्त कृत 'देवरानी जेठानी की कहानी' (1870 ई.) को गोपाल राय ने हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना है। हिन्दी में अंग्रेजी ढंग का प्रथम मौलिक उपन्यास लाला श्री निवास दास का 'परीक्षा गुरु' (1882 ई.) माना जाता है।*

15. **'समालोचनादर्श' के शीर्षक से 'एसे ऑन क्रिटिसिज़्' का अनुवाद किसने किया?**
(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) डॉ. नगेन्द्र
(C) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (D) रमेश कुन्तल मेघ

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जगन्नाथदास 'रत्नाकर' ने पोप के 'एस्से ऑन क्रिटिसिज्म' का 'समालोचनादर्श' (1897 ई.) नाम से पद्यात्मक अनुवाद किया।*

16. **'शिखर से सागर तक'- किस रचनाकार की जीवनी है?**
(A) निराला (B) मुक्तिबोध
(C) अज्ञेय (D) धर्मवीर भारती

उत्तर- (C)/ व्याख्या *रामकमल राय कृत 'शिखर से सागर तक' (1986 ई.) अज्ञेय की जीवनी है।*

17. **(a) हिन्दी में भक्तिधारा का उदय बाहरी आक्रमण की प्रतिक्रिया है।**
(b) यह भारतीय साधना परम्परा का स्वतः स्फूर्त विकास है।
(A) (a) और (b) दोनों सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) गलत और (b) सही
(D) (a) और (b) दोनों आंशिक सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *(i) हिन्दी में ---------- प्रतिक्रिया है। इस कथन के समर्थक रामचन्द्र शुक्ल हैं।*
(ii) यह भारतीय ----------- विकास है। इसके समर्थक हजारी प्रसाद द्विवेदी इत्यादि विद्वान हैं।
भक्तिधारा के उदय का कोई भी एक निश्चित कारण नहीं था। अतः (A) और (R) दोनों आंशिक सही हैं।

18. **(a) 'विभावन व्यापार' रस प्रक्रिया की सुदृढ़ भूमिका है।**
(b) विभाव ही रस का हेतु है।
(A) (a) आंशिक सही और (b) गलत
(B) (a) और (b) दोनों सही
(C) (a) गलत और (b) आंशिक सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *रस प्रक्रिया में विभाव की सुदृढ़ भूमिका होती है। विभाव, अनुभाव, संचारी भाव सभी रस के कारण या उद्देश्य में सम्मिलित होते हैं। अतः (A) सही और (B) आंशिक सही है।*

19. **(a) 'छायावाद' और 'रहस्यवाद' में तात्त्विक भेद नहीं है।**
(b) 'छायावाद' में अभिव्यक्ति की सूक्ष्मता और 'रहस्यवाद' में अज्ञात के प्रति जिज्ञासा है।
(A) (a) गलत और (b) सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) आंशिक सही और (b) सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'छायावाद' और 'रहस्यवाद' में अंशतः तात्त्विक भेद हैं। यह कथन (B) में दर्शाया गया है। अतः (A) आंशिक सही और (B) सही है।*

20. **(a) 'नयी कविता' में निरूपित मनुष्य मात्र द्वन्द्वग्रस्त है।**
(b) 'नयी कविता' में मात्र व्यक्ति चेतना की कविता नहीं है।
(A) (a) और (b) दोनों सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) आंशिक सही और (b) सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'नयी कविता' के मनुष्य में आकांक्षा, पीड़ा, हताशा, निराशा तथा दुविधा ग्रस्त स्थिति का चित्रण है। 'नयी कविता' में व्यक्ति चेतना न होकर 'मैं' या 'लघुमानव' की भावना प्रबल है। अतः (A) आंशिक सही तथा (B) सही है।*

21. **निम्नलिखित इतिहास ग्रन्थों का कालक्रमानुसार सही क्रम कौन-सा है?**
(A) मिश्रबन्धु विनोद- मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान - शिवसिंह सरोज- इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ऐ ऐंदूस्तानी
(B) इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदूई ऐ ऐंदूस्तानी - शिवसिंह सरोज - मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचन ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान - मिश्रबन्धु विनोद
(C) शिवसिंह सरोज - इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ऐ ऐंदूस्तानी - मिश्रबन्धु विनोद - मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान
(D) मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान - इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ऐ ऐंदुस्तानी - शिवसिंह सरोज - मिश्रबन्धु विनोद

उत्तर- (B)/

इतिहास ग्रन्थ	वर्ष	ग्रंथकार
इस्त्वार द ल लितरेत्युर ऐंदुई ऐ ऐंदुस्तानी	1839 ई.	गार्सा द तासी
शिव सिंह सरोज	1883 ई.	शिव सिंह सेंगर
मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दन हिन्दुस्तान	1888 ई.	जार्ज ग्रियर्सन
मिश्र बन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्रबन्धु

22. **नवजागरण कालीन सुधारवादी संस्थाओं की शुरुआत का सही क्रम कौन-सा है?**
(A) ब्रह्म समाज - प्रार्थना समाज - आर्य समाज - रामकृष्ण मिशन
(B) रामकृष्ण मिशन - आर्य समाज - ब्रह्म समाज - प्रार्थना समाज
(C) प्रार्थना समाज - आर्य समाज - रामकृष्ण मिशन - ब्रह्म समाज

(D) आर्य समाज - ब्रह्म समाज - प्रार्थना समाज - रामकृष्ण मिशन

उत्तर- (A)

संस्था	वर्ष	संस्थापक
ब्रह्म समाज	1828 ई.	राजा राम मोहन राय
प्रार्थना समाज	1867 ई.	महादेव गोविन्द रानाडे
आर्य समाज	1867 ई.	दयानन्द सरस्वती
रामकृष्ण मिशन	1897 ई.	स्वामी विवेकानन्द

23. **छायावादी काव्यधारा के प्रमुख स्तम्भों का जन्मतिथि के आधार पर सही क्रम कौन-सा है?**

(A) सुमित्रानन्दन पन्त - जयशंकर प्रसाद - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - महादेवी वर्मा
(B) जयशंकर प्रसाद - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - सुमित्रानन्दन पन्त - महादेवी वर्मा
(C) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - महादेवी वर्मा - जयशंकर प्रसाद - सुमित्रानन्दन पन्त
(D) महादेवी वर्मा - जयशंकर प्रसाद - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - सुमित्रानन्दन पन्त

उत्तर- (B)/ व्याख्या *छायावादी स्तम्भों का जन्म के अनुसार अनुक्रम-*

जयशंकर प्रसाद (1890 ई.), सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (1899 ई.), सुमित्रानन्दन पन्त (1900 ई.) और महादेवी वर्मा (1907 ई.) हैं।

24. **प्रकाशन की दृष्टि से निम्न काव्य कृतियों का सही क्रम क्या है?**

(A) गीत फरोश - युग वाणी - हरी घास पर क्षण भर - कुकुरमुत्ता
(B) कुकुरमुत्ता - हरी घास पर क्षण भर - युगवाणी - गीत फरोश
(C) हरी घास पर क्षण भर - कुकुरमुत्ता - युगवाणी - गीत फरोश
(D) युगवाणी - कुकुरमुत्ता - हरी घास पर क्षण भर - गीत फरोश

उत्तर- (D)

कृति	प्रकाशन वर्ष	कृतिकार
युगवाणी	1939 ई.	सुमित्रानन्दन पन्त
कुकुरमुत्ता	1942 ई.	निराला
हरी घास पर क्षण भर	1949 ई.	अज्ञेय
गीत फरोश	1956 ई.	भवानी प्रसाद मिश्र

25. **निराला के उपन्यासों का प्रकाशन की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) अप्सरा - अलका - निरूपमा - प्रभावती
(B) प्रभावती - निरूपमा - अप्सरा - अलका
(C) निरूपमा - अलका - प्रभावती - अप्सरा
(D) अलका - अप्सरा - निरूपमा - प्रभावती

उत्तर- (A)/ व्याख्या *निराला के उपन्यासों का क्रम- 'अप्सरा' (1931 ई.), 'अलका' (1933 ई.), 'निरूपमा' (1936 ई.) तथा 'प्रभावती' (1936 ई.) है।*

26. **आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख आन्दोलनों का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) प्रगतिवाद - प्रयोगवाद - नयी कविता - अकविता
(B) प्रयोगवाद - प्रगतिवाद - अकविता - नयी कविता
(C) नयी कविता - प्रगतिवाद - प्रयोगवाद - अकविता
(D) अकविता - प्रगतिवाद - प्रयोगवाद - नयी कविता

उत्तर- (A)/ व्याख्या *कविता आन्दोलनों का सही अनुक्रम- प्रगतिवाद (1936 ई.), प्रयोगवाद (1943 ई.), नयी कविता (1954 ई.) तथा अकविता (1965 ई.)।*

27. **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख काव्यशास्त्रियों का सही क्रम क्या है?**

(A) आनन्दवर्धन - भरत मुनि - जगन्नाथ - विश्वनाथ
(B) भरत मुनि - आनन्दवर्धन - विश्वनाथ - जगन्नाथ
(C) जगन्नाथ - विश्वनाथ - आनन्दवर्धन - भरत मुनि
(D) विश्वनाथ - आनन्दवर्धन - भरत मुनि - जगन्नाथ

उत्तर- (B)/ व्याख्या *काव्यशास्त्रियों का सही अनुक्रम- भरतमुनि (दूसरी शती ई.पू.- दूसरी शती ई. के बीच), आनन्दवर्धन (9वीं शती का मध्य), विश्वनाथ (14वीं शती) और जगन्नाथ (17वीं शती) हैं।*

28. **प्रकाशन वर्ष के आधार पर निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) आँवा - चाक - आपका बंटी - रुकोगी नहीं राधिका
(B) आपका बंटी - आँवा - रुकोगी नहीं राधिका - चाक
(C) रुकोगी नहीं राधिका - आपका बंटी - चाक - आँवा
(D) चाक - आँवा - रुकोगी नहीं राधिका - आपका बंटी

उत्तर- (C)

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रुकोगी नहीं राधिका	1967 ई.	उषा प्रियंवदा
आपका बंटी	1971 ई.	मन्नू भण्डारी
चाक	1997 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
आवाँ	1999 ई.	चित्रा मुद्गल

29. **प्रेमाख्यान काव्य परम्परा की प्रमुख रचनाओं का सही क्रम क्या है?**

(A) चन्दायन - मृगावती - पद्मावत - मधुमालती
(B) मधुमालती - मृगावती - चन्दायन - पद्मावत
(C) पद्मावत - चन्दायन - मृगावती - मधुमालती
(D) मृगावती - पद्मावत - मधुमालती - चन्दायन

उत्तर- (A)

रचना	वर्ष	रचनाकार
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
पद्मावत	1540 ई.	जायसी
मधुमालती	1545 ई.	मंझन

30. **निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिये**

सूची–I	सूची–II
(a) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'	(i) भाषा और संवेदना
(b) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	(ii) फोर्ट विलियम कालेज
(c) मिश्रबन्धु	(iii) भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश
(d) रामविलास शर्मा	(iv) भूगोल हस्तामलक
	(v) हिन्दी नवरत्न

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(C)	(iv)	(ii)	(v)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(v)

उत्तर- (C)

रचनाकार	रचना
राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'	भूगोल हस्तामलक
लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय	फोर्ट विलियम कालेज
मिश्रबन्धु	हिन्दी नवरत्न
रामविलास शर्मा	भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश
रामस्वरूप चतुर्वेदी	भाषा और संवेदना

31. निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) ज्योतिरीश्वर ठाकुर	(i) राउल वेल
(b) दामोदर भट्ट	(ii) उक्ति व्यक्ति प्रकरण
(c) नरपति नाल्ह	(iii) बीसलदेव रासो
(d) रोड	(iv) वर्ण रत्नाकर
	(v) खुमान रासो

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर- (A)

रचनाकार	रचना	वर्ष
ज्योतिरीश्वर ठाकुर	वर्ण रत्नाकर	14वीं शती
दामोदर भट्ट	उक्ति व्यक्ति प्रकरण	12वीं शती
नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो	1155 ई.
रोड/रोडा	राउरवेल	10वीं शती
दलपति विजय	खुमान रासो	9वीं शती

32. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) सुमित्रानन्दन पंत	(i) कविप्रिया
(b) घनानन्द	(ii) मृगावती
(c) केशवदास	(iii) इश्कलता
(d) कुतुबन	(iv) ग्राम्या
	(v) लहर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर- (D)

कवि	कृति	वर्ष
सुमित्रानन्दन पंत	ग्राम्या	1940 ई.
घनानन्द	इश्कलता	-
केशवदास	कविप्रिया	1601 ई.
कुतुबन	मृगावती	1503 ई.
प्रसाद	लहर	1933 ई.

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) रघुवीर सहाय	(i) माया दर्पण
(b) श्रीकान्त वर्मा	(ii) फूल नहीं रंग बोलते हैं
(c) दिनकर	(iii) आत्महत्या के विरुद्ध
(d) केदारनाथ अग्रवाल	(iv) अनामिका
	(v) परशुराम की प्रतीक्षा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर- (A)

कवि	कृति	वर्ष
रघुवीर सहाय	आत्महत्या के विरुद्ध	1967 ई.
श्रीकान्त वर्मा	माया दर्पण	1967 ई.
दिनकर	परशुराम की प्रतीक्षा	1963 ई.
केदारनाथ अग्रवाल	फूल नहीं रंग बोलते हैं	1965 ई.
निराला	अनामिका	1923 ई.

34. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) नागार्जुन	(i) संशय की एक रात
(b) नरेश मेहता	(ii) अकाल में सारस
(c) भवानीप्रसाद मिश्र	(iii) सतपुड़ा के जंगल
(d) केदारनाथ सिंह	(iv) युगधारा
	(v) आत्मजयी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (B)

कवि	कृति	वर्ष
नागार्जुन	युगधारा	1952 ई.
नरेश मेहता	संशय की एक रात	1962 ई.
भवानी प्रसाद मिश्र	सतपुड़ा के जंगल	
केदारनाथ सिंह	अकाल में सारस	1988 ई.
कुंवर नारायण	आत्मजयी	1965 ई.

35. निम्नलिखित गद्यकृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) साहित्यलोचन	(i) रामचन्द्र शुक्ल
(b) रस मीमांसा	(ii) विद्यानिवास मिश्र
(c) ठेले पर हिमालय	(iii) धर्मवीर भारती
(d) तमाल के झरोखे से	(iv) श्याम सुन्दर दास
	(v) विवेकी राय

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(B)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर- (D)

कृति	वर्ष	लेखक
साहित्यलोचन	1922 ई.	श्याम सुन्दर दास
रस मीमांसा	1949 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
ठेले पर हिमालय	1958 ई.	धर्मवीर भारती
तमाल के झरोखे से	1981 ई.	विद्यानिवास मिश्र
वन तुलसी की गंध	2002 ई.	विवेकी राय
वन तुलसी की गंध	यात्रावृत्त	रेणु

36. निम्नलिखित कथाकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये

सूची–I	सूची–II
(a) कृष्णा सोबती	(i) कितने पाकिस्तान
(b) श्रीलाल शुक्ल	(ii) टोपी शुक्ला
(c) राही मासूम रज़ा	(iii) समय सरगम
(d) कमलेश्वर	(iv) बिस्रामपुर का सन्त
	(v) जुलूस

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(i)
(D)	(iv)	(v)	(iii)	(i)

उत्तर- (A)

कथाकार	कथा	वर्ष
कृष्णा सोबती	*समय सरगम*	*2000 ई.*
श्री लाल शुक्ल	*विश्रामपुर का संत*	*1998 ई.*
राही मासूम रज़ा	*टोपी शुक्ला*	*1969 ई.*
कमलेश्वर	*कितने पाकिस्तान*	*2000 ई.*
फणीश्वर नाथ 'रेणु'	*जुलूस*	*1965 ई.*

37. **निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची–I	सूची–II
(a) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	(i) परदा
(b) रामचन्द्र शुक्ल	(ii) बुद्धू का काँटा
(c) यशपाल	(iii) दोपहर का भोजन
(d) अमरकान्त	(iv) ग्यारह वर्ष का समय
	(v) एक और जिन्दगी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(B)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(v)	(iv)	(i)

उत्तर- (C)

कहानीकार	कहानी	वर्ष
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	*बुद्धू का काँटा*	*1912 के लगभग*
रामचन्द्र शुक्ल	*ग्यारह वर्ष का समय*	*1903 ई.*
यशपाल	*परदा*	*1944 ई.*
अमरकान्त	*दोपहर का भोजन*	-
मोहन राकेश	*एक और जिन्दगी*	*1961 ई.*

38. **निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिये :**

सूची–I	सूची–II
(a) निर्मल वर्मा	(i) कोसी का घटवार
(b) मार्कण्डेय	(ii) कसाईबाड़ा
(c) शिवमूर्ति	(iii) हंसा जाइ अकेला
(d) शेखर जोशी	(iv) लंदन की एक रात
	(v) पालगोमरा का स्कूटर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(v)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(v)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर- (C)

कहानीकार	कहानी	वर्ष
निर्मल वर्मा	*लन्दन की एक रात*	
मार्कण्डेय	*हंसा जाइ अकेला*	*1957 ई.*
शिवमूर्ति	*कसाईबाड़ा*	*1980 ई.*
शेखर जोशी	*कोसी का घटवार*	*1958 ई.*
उदय प्रकाश	*पालगोमरा का स्कूटर*	*1997 ई.*

39. **निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों का सुमेलन कीजिये**

सूची–I	सूची–II
(a) ज्यों ज्यों निहारिये नेरे ह्वै नैननि	(i) पद्माकर
(b) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी	(ii) घनानन्द
(c) नैन नचाइ कह्यौ मुसकाई	(iii) मतिराम
(d) रावरे रूप की रीति अनूप	(iv) भूषण
	(v) ठाकुर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(C)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
1. ज्यों-ज्यों ------------ नैननि।	*मतिराम*
2. ऊँचे घोर ---------- रहनवारी।	*भूषण*
3. नैन ----------- झुकाइ।	*पद्माकर*
4. रावरे ---------- अनूप।	*घनानन्द*
5. सेवक सिपाही हम उन राजपूतन के।	*ठाकुर*

40. **स्थापना (Assertion) (A) : शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है।**
तर्क (Reason) (R) : भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति शासन में नहीं होती।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

41. **स्थापना (Assertion) (A) : कवि-वाणी के प्रसार से हम संसार के सुख-दुःख, आनन्द-क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।**
तर्क (Reason) (R) : इस प्रकार के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन नहीं खुलता है।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *कथन (A) के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन खुलता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

42. **स्थापना (Assertion) (A) : भक्ति में लेन देन का भाव नहीं रहता।**
तर्क (Reason) (R) : समर्पण भक्ति का मूल है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर- (D) व्याख्या *श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। भक्ति निःस्वार्थ सृजित होती है। भक्ति में व्यक्ति अपना अस्तित्त्व खोकर अगले को ही सबकुछ मान लेता है। अतः समर्पण भक्ति का मूल है। इसलिये कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

43. **स्थापना (Assertion) (A) : प्रिय के वियोग से जो दुःख होता है, उसमें कभी-कभी दया या करुणा का भी कुछ अंश मिला रहता है।**
तर्क (Reason) (R) : प्रिय के वियोग पर उत्पन्न करुणा का विषय प्रिय के सुख का निश्चय है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या प्रिय के वियोग से जो करुणा उत्पन्न होती है, वह प्रिय के सुख से नहीं बल्कि दुःख का निश्चय करके होती है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।

44. **स्थापना (Assertion) (A) : दुष्कर्म के अनेक अप्रिय फलों में से एक अपमान है।**
तर्क (Reason) (R) : दुष्कर्म से उत्पन्न अपमान के प्रति स्वयं को चरित्रवान सिद्ध करना सदाचरण है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या सदा सत्य का आचरण करना ही सदाचरण है। न कि दुष्कर्म से उत्पन्न अपमान की कालिमा को मिटाने के लिये या अपने को चरित्रवान सिद्ध करने का प्रयास करने के लिये। सदाचारी व्यक्ति दुष्कर्म करेगा ही नहीं। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।

45. **स्थापना (Assertion) (A) : प्रेम का समाजीकरण होता है तो उसे भक्ति कहते हैं।**
तर्क (Reason) (R) : प्रेम सामाजिक भाव नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या प्रेम व्यक्तिगत ना होकर जब सामाजिक हो जाता है, तो वह भक्ति की श्रेणी में आता है। प्रेम सामाजिक भाव है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

प्राचीन और मध्यकालीन आर्य भाषाओं - संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश - का क्षेत्र सार्वदेशिक था। जिस रूप में ये उपलब्ध हैं उस रूप में उनका व्याकरणिक ढाँचा भी अलग था। इन भाषाओं में प्रादेशिक निष्ठा नहीं थी, किन्तु जातीय भाषाओं में यह निष्ठा बढ़ी। संस्कृत से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश और अपभ्रंश से उत्तर भारत की आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास हुआ। ऐसा विश्वास किया जाता रहा है और इसके लिये सिद्धान्त भी गढ़े गये थे। किन्तु अब यह धारणा कि हिन्दी या बंगला आदि अपभ्रंश से निकली, खंडित हो चुकी हैं। किन्तु जातीय भाषाओं नें संस्कृत और अपभ्रंश से बहुत कुछ लिया है। हिन्दी ने उनकी विरासत को सबसे अधिक ग्रहण किया- विशेष रूप से अपभ्रंश की विरासत को। शब्द-समूह, उच्चारण तथा व्याकरणिक ढाँचे के अलग होने से अपभ्रंश साहित्य को हिन्दी साहित्य का अंग नहीं माना जा सकता। किन्तु सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिये उसका अध्ययन आवश्यक है।

46. **संस्कृत का क्षेत्र किस सीमा तक विस्तृत था?**

(A) प्रादेशिक (B) सार्वदेशिक
(C) मध्यदेशीय (D) क्षेत्रीय

उत्तर- (B) व्याख्या संस्कृत, प्राकृत तथा अपभ्रंश का क्षेत्र सार्वदेशिक था। अर्थात् यह भारत के या देश के सभी भागों में फैली थी।

47. **सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिये किसका अध्ययन आवश्यक नहीं है?**

(A) संस्कृत (B) प्राकृत (C) ब्रजभाषा (D) हिन्दी

उत्तर- (C) व्याख्या सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिये संस्कृत, प्राकृत तथा हिन्दी का अध्ययन आवश्यक है, जबकि ब्रजभाषा इसके लिये आवश्यक नहीं है।

48. **जातीय भाषा के रूप में आज किस भाषा को मान्यता प्राप्त है?**

(A) प्राकृत (B) बंगला (C) अपभ्रंश (D) संस्कृत

उत्तर- (B) व्याख्या हिन्दी तथा बंगला को जातीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है।

49. **अपभ्रंश को हिन्दी साहित्य के इतिहास का अंग मानने के लिये क्या आधार होना चाहिए?**

(A) शब्द-समूह में भिन्नता होनी चाहिये।
(B) व्याकरणिक ढाँचे में भिन्नता होनी चाहिये।
(C) उच्चारण मे भिन्नता होनी चाहिये।
(D) जातीयता में भिन्नता होनी चाहिये।

उत्तर- (D) व्याख्या अपभ्रंश को हिन्दी साहित्य का अंग मानने के लिये जातीयता में भिन्नता होनी चाहिये।

50. **संस्कृत से सीधा सम्बन्ध किस भाषा का है?**

(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश
(C) आधुनिक भारतीय भाषाएँ (D) हिन्दी

उत्तर- (A) व्याख्या संस्कृत से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश तथा अपभ्रंश से उत्तर भारत की आधुनिक भाषाओं का विकास हुआ है। अतः संस्कृत से सीधा सम्बन्ध प्राकृत भाषा का है।

व्याख्यात्मक हल

JUNE : 2012

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. ब्रजभाषा का विकास किससे हुआ?

(A) मागधी (B) पैशाची
(C) शौरसैनी (D) अर्धमागधी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी तथा पश्चिमी हिन्दी से पाँच बोलियाँ निःसृत हैं-*
ब्रजभाषा, हरियाणवी (बंगारू), खड़ी बोली (कौरवी), कन्नौजी तथा बुन्देली। मागधी अपभ्रंश से बिहारी हिन्दी तथा अर्धमागधी अपभ्रंश से पूर्वी हिन्दी की उत्पत्ति हुई है।

2. अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था का नाम है :

(A) पालि (B) प्राकृत (C) संस्कृत (D) अवहट्ठ

उत्तर- (D)/ व्याख्या *अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था को अवहट्ठ, अवहत्थ, पुरानी हिन्दी इत्यादि कहा जाता है।*

3. अपभ्रंश के कुल कितने स्वर थे?

(A) आठ (B) बारह (C) दस (D) नौ

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अपभ्रंश में स्वरों की संख्या आठ थी। (अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ओ)। ('ऐ' और 'औ') स्वरों में आदिकाल में आते हैं।*

4. 'मगही' किस हिन्दी प्रदेश की बोली है?

(A) मध्य प्रदेश (B) बिहार (C) राजस्थान (D) छत्तीसगढ़

उत्तर- (B)/ व्याख्या *बिहारी हिन्दी से मगही, मैथिली तथा भोजपुरी निकली हैं। मगही-बिहार प्रदेश की बोली है। यह पटना, गया, पलामू, हजारीबाग, मुंगेर इत्यादि स्थानों पर बोली जाती है।*

5. भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का आधार है :

(A) रूपरचना (B) ध्वनि (C) इतिहास (D) अर्थ

उत्तर- (C)/ व्याख्या *भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण में विश्व की भाषाओं को परिवारों में बाँटा जाता है। जिसका मुख्य आधार इतिहासबद्ध होता है। इन परिवारों में- द्रविड़ परिवार, चीनी या एकाक्षरी परिवार, सामी-हामी परिवार, काकेशियन परिवार, बुशमैन परिवार, भारोपीय परिवार, हित्ती परिवार इत्यादि प्रमुख हैं। हिन्दी भारोपीय परिवार की भाषा है।*

6. पुष्पदन्त किस शताब्दी के कवि थे?

(A) आठवीं शताब्दी (B) सातवीं शताब्दी
(C) दसवीं शताब्दी (D) ग्यारहवीं शताब्दी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *पुष्पदन्त अपभ्रंश के प्रमुख कवि हैं। यह दसवीं शताब्दी के हैं- महापुराण, णयकुमारचरिउ, जसहर-चरिउ इत्यादि इनकी रचना है। स्वयंभू अपभ्रंश के प्रथम कवि हैं। इनका समय 8वीं शताब्दी है।*

7. 'दोहाकोश' किसकी रचना है?

(A) विद्याधर (B) सरहपा (C) पुष्पदन्त (D) शबरपा

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'दोहाकोश' सरहपा की रचना है। यह हिन्दी के प्रथम कवि तथा सिद्धों में भी प्रथम हैं। पुष्पदन्त की नागकुमार चरित (णयकुमार चरिउ) तथा शबरपा की 'चर्यापद' प्रसिद्ध रचना है।*

8. 'काव्य की रीति सिखी सुकबीन सों देखी सुनी बहुलोक की बातें- इस काव्योक्ति के कवि हैं :

(A) केशवदास (B) मतिराम
(C) पद्माकर (D) भिखारीदास

उत्तर- (D)/ व्याख्या *(i) "काव्य की रीति ----------- बहुलोक की बातें।"-* **भिखारीदास** *की पंक्ति है। 'काव्यनिर्णय' इनकी प्रसिद्ध रचना है।*
(ii) फागु की भीर, अभीरिन में गहि गोविन्द लै गई भीतर गोरी।"- **पद्माकर।**
(iii) "कुंदन को रंग फीकौ लगै, झलकै अति अंगनि चारु गोराई।"- **मतिराम**
(iv) "जदपि सुजाति सुलच्छनी, सुबरन सरस सुवृत्त।
भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त।।"- **केशवदास**

9. 'हरि रस पीया जानिए, जे कबहूं न जाय खुमार।
मैमंता घूमत फिरै, नाहीं तन की सार।।"- इन काव्य पंक्तियों के कवि हैं :

(A) सूरदास (B) कबीरदास
(C) रसखान (D) नन्ददास

उत्तर- (B)/ व्याख्या *(i) 'हरि रस ------------ तन की सार।'*
(ii) 'दसरथ सुत तिहुँ लोक बखाना।
राम नाम का मरम है आना।।'
(iii) 'हरि जननी मैं बालक तोरा।'
(iv) 'हमन है इश्क मस्ताना हमन को होशियारी क्या।'
(v) 'मोरि चुनरी में परि गयो दाग पिया।'
(vi) 'भीजे चुनरिया प्रेम रस बूँदन' इत्यादि कबीरदास की पंक्तियाँ हैं।

10. देवकवि की रचना है :

(A) काव्यनिर्णय (B) रसराज
(C) श्रृंगार निर्णय (D) भावविलास

उत्तर- (D)

रचना	समय	रचनाकार
काव्य निर्णय	1746 ई.	भिखारीदास
रसराज	1633-43	मतिराम
श्रृंगार निर्णय	1750 ई.	भिखारीदास
भाव विलास	1689 ई.	देव

11. 'साहित्य लहरी' के रचनाकार हैं :

(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) कृष्णदास (D) सुन्दरदास

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'साहित्य लहरी', 'सूरसागर' तथा 'सूरसारावली' सूरदास की रचना है।*

12. अष्टछाप की स्थापना किसने की?
(A) विट्ठलनाथ (B) वल्लभाचार्य
(C) सूरदास (D) रामानन्द

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'अष्टछाप' या 'अष्टसखा' की स्थापना गोसाई विट्ठलनाथ ने 1565 ई. में की थी। ये वल्लभाचार्य के पुत्र थे। अष्टछाप में क्रमशः आठ कवि आते हैं- क्रमशः कुंभनदास, सूरदास, परमानन्ददास, कृष्णदास, गोविन्दस्वामी, छीतस्वामी, चतुर्भुजदास तथा नन्ददास।*

13. सखी-सम्प्रदाय के संस्थापक हैं :
(A) हित हरिवंश (B) वल्लभाचार्य
(C) स्वामी हरिदास (D) मध्वाचार्य

उत्तर- (C)

सम्प्रदाय	संस्थापक
सखी या हरिदासी सम्प्रदाय	स्वामी हरिदास
राधावल्लभ सम्प्रदाय	हित हरिवंश
ब्रह्मसम्प्रदाय	मध्वाचार्य
पुष्टिमार्ग	वल्लभाचार्य

14. गोस्वामी तुलसीदास की अन्तिम रचना कौन-सी है?
(A) विनयपत्रिका (B) दोहावली
(C) कवितावली (D) हनुमानबाहुक

उत्तर- (D)/ व्याख्या *तुलसीदास की अन्तिम रचना 'हनुमान बाहुक' मानी जाती है। अन्तिम समय में भुजाओं में असह्य पीड़ा से मुक्ति के लिये तुलसी ने इसकी रचना की थी। यह रचना 'कवितावली' में संगृहीत है।*

15. मृगावती किसकी रचना है?
(A) उसमान (B) कुतुबन (C) मंझन (D) जायसी

उत्तर- (B)

रचना	समय	रचनाकार
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
पद्मावत	1540 ई.	जायसी

16. निम्नलिखित काव्योक्ति तुलसी की किस रचना से है?
"श्रुति सम्मत हरिभक्ति पथ संजुत विरति विवेक।"
(A) रामचरितमानस (B) कवितावली
(C) विनयपत्रिका (D) गीतावली

उत्तर- (A)/ व्याख्या *(i) "श्रुति सम्मत --------- विवेक।"- रामचरित मानस*
(ii) "राम को रूप निहारत जानकी, कंकन के नग की परछाही।"- कवितावली
(iii) "जाके प्रिय न राम वैदेही।"- विनयपत्रिका इत्यादि
(iv) 'जौं हौं मातु मते महं हवै हौं'- गीतावली तुलसीदास की रचनाएँ है।

17. शब्दशक्ति के विषय में निम्नलिखित कथन किसका है?
"अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा हीन।
अधम व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन।।"
(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) देवकवि (D) चिन्तामणि

उत्तर- (C)/ व्याख्या *अभिधा ---------- कहत नवीन।"- देवकवि का कथन है। भावविलास, भवानीविलास, काव्य रसायन (शब्द रसायन), सुजान विनोद इत्यादि इनकी रचना है।*

18. निम्नलिखित में से कौन-सा मतिराम का ग्रन्थ नहीं है?
(A) रसराज (B) रसविलास
(C) ललित ललाम (D) छंदसार

उत्तर- (B)/ व्याख्या *रसराज, ललित ललाम, छन्दसार, वृत्तकौमुदी, साहित्यसार, अलंकार पंचाशिका, फूलमंजरी इत्यादि मतिराम के ग्रन्थ हैं। जबकि रसविलास, काव्यविवेक, कविकुल-कल्पतरु, शृगार मंजरी इत्यादि चिन्तामणि की रचना है।*

19. निम्नलिखित में से कौन रीतिमुक्त कवि नहीं हैं?
(A) बोधा (B) ठाकुर (C) पद्माकर (D) आलम

उत्तर- (C)/ व्याख्या *बोधा, ठाकुर, आलम, घनानन्द, रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं। जबकि पद्माकर, मतिराम, देव, चिन्तामणि इत्यादि रीतिबद्ध काव्यधारा के तथा बिहारी रीतिसिद्ध काव्यधारा के कवि हैं।*

20. 'चंडी चरित्र' किसकी रचना है?
(A) गुरु गोविन्दसिंह (B) भूषण
(C) लालकवि (D) सूदन

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार
चंडीचरित्र	गुरु गोविन्द सिंह
शिवराज भूषण	भूषण
छत्रप्रकाश	लालकवि
सुजान चरित	सूदन

21. "ज्यौं-ज्यौं बसे जात दूरि-दूरि प्रिय प्राण मूरि।
त्यौं-त्यौं धसे जात मन मुकुर हमारे मैं।।"
भ्रमरगीत प्रसंग से सम्बन्धित उपर्युक्त पंक्तियों के कवि हैं :
(A) नन्ददास (B) सूरदास
(C) सत्यनारायण कविरत्न (D) जगन्नाथदास रत्नाकर

उत्तर- (D)/ व्याख्या *"ज्यौं-ज्यौं --------- हमारे मैं।"- के रचनाकार जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' हैं। 'उद्धव शतक', गंगावतरण, 'श्रृंगार लहरी', 'हिंडोला', 'बिहारी रत्नाकर' इत्यादि इनकी रचना है।*

22. निम्नलिखित में से किस गद्यकृति का निर्माण फोर्ट विलियम कॉलेज में हुआ था?
(A) भाषा योग वाशिष्ठ (B) भाषा पद्म पुराण
(C) नासिकेतोपाख्यान (D) दृष्टान्त सागर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *फोर्ट विलियम कालेज में लल्लू लाल तथा सदल मिश्र की नियुक्ति हुई थी। वहीं पर लल्लू लाल ने 'प्रेमसागर' तथा सदल मिश्र ने 'नासिकेतोपाख्यान' की रचना की थी। 'भाषा योग वशिष्ठ'- रामप्रसाद निरंजनी की तथा 'भाषा पद्म पुराण'- पं. दौलतराम की रचना है।*

23. 'निःसहाय हिन्दू' उपन्यास के लेखक हैं :
(A) श्रीनिवास दास (B) राधाकृष्ण दास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) राधाचरण गोस्वामी

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
निः सहाय हिन्दू	1890 ई.	राधाकृष्णदास
परीक्षागुरु	1882 ई.	श्रीनिवासदास
नूतन ब्रह्मचारी	1886 ई.	बालकृष्ण भट्ट
मृण्मयी (अनुवादित)	-	राधाचरण गोस्वामी

24. **निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक श्रीनिवास दास का नहीं है?**
(A) रणधीर प्रेममोहिनी (B) महारानी पद्मावती
(C) तप्ता-संवरण (D) संयोगिता स्वयंवर

उत्तर- (B) व्याख्या *'रणधीर प्रेममोहिनी' (1878 ई.) (यह हिन्दी का पहला दुःखान्त नाटक है), 'तप्ता संवरण' (1883 ई.), 'संयोगिता स्वयंवर' (1885 ई.) लाला श्रीनिवास दास के नाटक हैं। जबकि 'महारानी पद्मावती' (1882 ई.) राधाकृष्णदास का नाटक है।*

25. **राजा लक्ष्मण सिंह ने 'अभिज्ञानशाकुन्तल' का अनुवाद कब किया?**
(A) 1863 ई. (B) 1880 ई. (C) 1876 ई. (D) 1881 ई.

उत्तर- (A) व्याख्या *राजा लक्ष्मणसिंह ने 'अभिज्ञानशाकुन्तल' (1863 ई.), 'रघुवंश' (1878 ई.) तथा 'मेघदूत' (1882 ई.) में अनुवाद किया।*

26. **निम्नलिखित में से भारतेन्दु का कौन-सा नाटक 'प्रबोध चन्द्रोदय' की प्रतीकात्मक शैली से प्रभावित है?**
(A) अंधेरी नगरी (B) विषस्यविषमौषधम
(C) भारत दुर्दशा (D) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति

उत्तर- (C) व्याख्या *'भारत दुर्दशा' (1880- नाट्यरासक यह 'प्रबोध चन्द्रोदय' की प्रतीकात्मक शैली से प्रभावित है), 'अंधेर नगरी' (1881 ई.-प्रहसन), 'विषस्यविषमौषधम्' (1876 ई.- भाण, बड़ौदा के गायकवाड़ पर केन्द्रित), 'वैदिक हिंसा हिंसा न भवति' (1873 ई.-पहसन) इत्यादि भारतेन्दु के नाटक हैं।*

27. **बालकृष्ण भट्ट किसके सम्पादन कर्म से जुड़े थे?**
(A) ब्राह्मण (B) सरस्वती
(C) कविवचन सुधा (D) हिन्दी प्रदीप

उत्तर- (D)

पत्रिका	स्थापना वर्ष	मुख्य संपादक
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र
सरस्वती	1900 ई.	श्याम सुन्दर दास
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट

28. **निम्नलिखित में से कौन-सी रचना कृष्णकथा पर आधारित नहीं है?**
(A) प्रियप्रवास (B) अग्निलीक
(C) भ्रमरदूत (D) अंधायुग

उत्तर- (B) व्याख्या *'प्रिय प्रवास' (1914 ई.)- हरिऔध (यह खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है), 'भ्रमरदूत' -सत्यनारायण 'कविरत्न' तथा 'अंधायुग' (1955 ई.)- धर्मवीर भारती की कृष्णकथा पर आधारित रचना है। जबकि 'अग्निलीक' (1976 ई.)- भारतभूषण अग्रवाल की रामकथा पर आधारित रचना है।*

29. **'शिवशंभू के चिट्ठे' के निबन्धकार हैं :**
(A) बालमुकुन्द गुप्त (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) अध्यापक पूर्णसिंह (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर- (A) व्याख्या *'शिवशंभू के चिट्ठे'- बाल मुकुन्द गुप्त का प्रसिद्ध व्यंग्य निबन्ध है। इसमें तत्कालिक गवर्नर जनरल लॉर्ड कर्जन के भारत विरोधी कारनामों पर ओजपूर्ण, तीखी एवं व्यंग्यात्मक शैली में प्रहार किया गया है। गुप्त जी 'बंगभाषा' तथा 'भारतमित्र' पत्र के सम्पादक भी थे।*

30. **''जो घनीभूत पीड़ा थी, मस्तक में स्मृति-सी छाई,**
दुर्दिन में आँसू बनकर, वह आज बरसने आई।''
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) महादेवी वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर- (C) व्याख्या *''जो घनीभूत --------- आज बरसने आई।'' जयशंकर प्रसाद की रचना 'आँसू' की पंक्ति है।*

31. **''धिक् ! धाए तुम यों अनाहूत,**
धो दिया श्रेष्ठ कुल-धर्म धूत,
राम के नहीं, काम के सूत कहलाए।''
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों का सम्बन्ध किस काव्य रचना से है?
(A) साकेत (B) तुलसीदास
(C) राम की शक्तिपूजा (D) संशय की एक रात

उत्तर- (B) व्याख्या *''धिक्! धाए --------- सूत कहलाए।''- यह पंक्ति निराला की रचना 'तुलसीदास' (1938 ई.) की है।*

32. **'कविता दो शब्दों की नीरवता में रहती है।'**
काव्य-भाषा के सन्दर्भ में उपर्युक्त मत किसका है?
(A) नामवर सिंह (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) शमशेर बहादुर सिंह (D) अज्ञेय

उत्तर- (D) व्याख्या *''कविता ---------- रहती है।''- काव्यभाषा के सन्दर्भ में यह कथन अज्ञेय का है।*

33. **'अनन्तदेवी' प्रसाद के किस नाटक की पात्र हैं?**
(A) राज्यश्री (B) स्कन्दगुप्त
(C) ध्रुवस्वामिनी (D) विशाख

उत्तर- (B)

प्रसाद के नाटक	वर्ष	पात्र
राज्यश्री	1915 ई.	सूरमा
स्कन्दगुप्त	1928 ई.	अनन्तदेवी
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	कोमा
विशाख	1921 ई.	चन्द्रलेखा

34. **निम्नलिखित में से कौन-सा खण्डकाव्य रामनरेश त्रिपाठी का नहीं है?**
(A) मिलन (B) पथिक (C) नहुष (D) स्वप्न

उत्तर- (C) व्याख्या *'मिलन' (1917 ई.), 'पथिक' (1920 ई.) तथा 'स्वप्न' (1929 ई.) रामनरेश त्रिपाठी का खण्डकाव्य है। जबकि 'नहुष' मैथिलीशरण गुप्त की रचना है।*

35. **'मुन्नी मोबाइल' किसका उपन्यास है?**
(A) प्रदीप सौरभ (B) महुआ माजी
(C) ऋता शुक्ला (D) तुलसीराम

उत्तर- (A)

रचना	विधा	रचनाकार
मुन्नी मोबाइल	उपन्यास	प्रदीप सौरभ
मैं बोरिशाइल्ला	उपन्यास	महुआ माजी
मृत्युगंध जीवनगंध	उपन्यास	ऋता शुक्ला
मुर्दहिया	आत्मकथा	तुलसीराम

36. **'पिंजरे में मैना' किसकी आत्मकथा है?**
(A) चित्रा मुद्गल (B) मैत्रेयी पुष्पा
(C) चन्द्रकिरण सौनरेक्सा (D) मृदुला गर्ग

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *'पिंजरे में मैना' (2008 ई.) चन्द्रकिरण सौनरेक्सा तथा 'कस्तूरी कुण्डल बसै' (2002 ई.) मैत्रेयी पुष्पा की आत्मकथा है। 'पिंजरे में पन्ना' (उपन्यास) मणिमधुकर का है।*

37. 'मंगल का विधान करने वाले दो भाव हैं।'- किसका कथन है?

(A) श्यामसुन्दर दास (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) नन्ददुलारे बाजपेयी

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *''मंगल ------------ भाव है।'' कथन आ0 शुक्ल का है। शुक्ल लोकमंगल की बात कहते हैं।*

38. 'आलोचना का विषय कवि नहीं, कविता है।' किसका कथन है?

(A) ड्राइडन (B) टी.एस.इलियट
(C) क्रोचे (D) लांजाइनस

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *(i) 'आलोचना का विषय कवि नहीं, कविता है।'*
(ii) 'आलोचना का मूल तत्त्व है अच्छी कविता के चयन की और बुरी कविता के त्याग की क्षमता।'
(iii) 'काव्य श्रेष्ठ मनोरंजन है।' इत्यादि कथन टी.एस.इलियट के हैं।

39. ''सत्त्वोद्रेकाद खण्ड स्वप्रकाशानन्द चिन्मयः ।
वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रह्मास्वादसरोहर ।
लोकोत्तर चमत्कार प्राणः कैश्चित्प्रमातृभिः ।
स्वाकारवद भिन्नत्वेनायमास्वाद्यते रसः ।''-
रस के विषय में उपर्युक्त स्थापना किस आचार्य की है?

(A) आचार्य भरत (B) आचार्य भट्टनायक
(C) आचार्य अभिनवगुप्त (D) आचार्य विश्वनाथ

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *''सत्त्वोद्रेककाद ---------- रसः।'' रस के सन्दर्भ में 'साहित्य दर्पण' में उद्धृत आचार्य विश्वनाथ का कथन है।*

40. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक कालिदास के चरित्र से सम्बन्धित नहीं है?

(A) आठवाँ सर्ग (B) कन्धे पर बैठा था शाप
(C) शकुन्तला की अँगूठी (D) आषाढ़ का एक दिन

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *'आठवाँ सर्ग' (1976 ई.)- सुरेन्द्र वर्मा 'कन्धे पर बैठा था शाप' - मीराकांत तथा 'आषाढ़ का एक दिन' (1958 ई.)- मोहन राकेश का नाटक है जो कालिदास के चरित्र से सम्बन्धित है। 'शकुन्तला की अँगूठी' (1990 ई.)- सुरेन्द्र वर्मा का नाटक है। इसमें शकुन्तला तथा दुष्यन्त का चरित्र चित्रण है।*

41. निम्नलिखित साहित्यिक वादों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रपद्यवाद, प्रयोगवाद
(B) छायावाद, प्रयोगवाद, प्रपद्यवाद, प्रगतिवाद
(C) प्रपद्यवाद, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद
(D) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रपद्यवाद

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *छायावाद (1918 ई.), प्रगतिवाद (1936 ई.), प्रयोगवाद (1943 ई.) और प्रपद्यवाद (1956 ई.) में प्रकाश में आया।*

42. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है

(A) सोहनलाल द्विवेदी, सूरदास, केशवदास, जगन्नाथ रत्नाकर
(B) जगन्नाथ रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी, सूरदास, केशवदास
(C) सूरदास, केशवदास, जगन्नाथ रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी
(D) केशवदास, सूरदास, जगन्नाथ रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *जीवनकाल के अनुसार क्रम- सूरदास (1478 ई.), केशवदास (1555 ई.), जगन्नाथ रत्नाकर (1866 ई.) तथा सोहन लाल द्विवेदी (1906 ई.) है।*

43. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है

(A) कुवलयमालाकथा, राउलवेल, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, वर्णरत्नाकर
(B) राउलवेल, कुवलयमालाकथा, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, वर्णरत्नाकर
(C) उक्तिव्यक्ति प्रकरण, राउलवेल, कुवलयमालाकथा, वर्णरत्नाकर
(D) वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, राउलवेल, कुवलयमालाकथा

उत्तर- (A)/

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कुवलयमालाकथा	778 ई.	उद्योतनसूरि
राउलवेल	10वीं शदी	रोडा कवि
उक्तिव्यक्ति प्रकरण	12वीं शदी	दामोदर शर्मा
वर्णरत्नाकर	14वीं शदी	ज्योतिरीश्वर ठाकुर

44. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) साकेत, प्रियप्रवास, तुलसीदास, कृष्णायन
(B) प्रियप्रवास, साकेत, तुलसीदास, कृष्णायन
(C) कृष्णायन, प्रियप्रवास, साकेत, तुलसीदास
(D) तुलसीदास, प्रियप्रवास, साकेत, कृष्णायन

उत्तर- (B)/

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
प्रियप्रवास	1914 ई.	हरिऔध
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
तुलसीदास	1938 ई.	निराला
कृष्णायन	1943 ई.	द्वारिका प्रसाद मिश्र

45. रचनाकाल के आधार पर दिनकर की निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) दिनकर की डायरी, वट पीपल, संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर
(B) वट पीपल, संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर, दिनकर की डायरी
(C) मिट्टी की ओर, संस्कृति के चार अध्याय, वट पीपल, दिनकर की डायरी
(D) संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर, वट पीपल, दिनकर की डायरी

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम- 'मिट्टी की ओर' (1946 ई.), 'संस्कृति के चार अध्याय' (1956 ई.), 'वट पीपल' (1961 ई.) और 'दिनकर की डायरी' (1973 ई.) है।*

46. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) चित्रलेखा, विराटा की पद्मिनी, बूँद और समुद्र, सुहाग के नूपुर
(B) विराटा की पद्मिनी, चित्रलेखा, बूँद और समुद्र, सुहाग के नूपुर
(C) सुहाग के नूपुर, चित्रलेखा, विराटा की पद्मिनी, बूँद और समुद्र
(D) बूँद और समुद्र, चित्रलेखा, सुहाग के नूपुर, विराटा की पद्मिनी

उत्तर- (B)/

उपन्यास	रचनाकाल	उपन्यासकार
विराटा की पद्मिनी	*1929 ई.*	*वृन्दावन लाल वर्मा*
चित्रलेखा	*1934 ई.*	*भगवती चरण वर्मा*
बूँद और समुद्र	*1956 ई.*	*अमृत लाल नागर*
सुहाग के नूपुर	*1960 ई.*	*अमृतलाल नागर*

47. रचनाकाल की दृष्टि से प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) गबन, गोदान, सेवासदन, रंगभूमि
(B) रंगभूमि, गोदान, गबन, सेवासदन
(C) गोदान, गबन, सेवासदन, रंगभूमि
(D) सेवासदन, रंगभूमि, गबन, गोदान

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार प्रेमचन्द के उपन्यास का अनुक्रम- सेवासदन (1918 ई.), रंगभूमि (1925 ई.), गबन (1931 ई.) और गोदान (1936 ई.) है।*

48. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है

(A) बड़े भाई साहब, वापसी, डेफोडिल जल रहे हैं, पाल गोमरा का स्कूटर
(B) वापसी, बड़े भाई साहब, पाल गोमरा का स्कूटर, डेफोडिल जल रहे हैं
(C) डेफोडिल जल रहे हैं, पाल गोमरा का स्कूटर, बड़े भाई साहब, वापसी
(D) बड़े भाई साहब, डेफोडिल जल रहे हैं, वापसी, पाल गोमरा का स्कूटर

उत्तर- (A)/

कहानी	रचनाकाल	कहानीकार
बड़े भाई साहब	1931 ई.	प्रेमचन्द
वापसी	1960 ई.	उषा प्रियंवदा
डेफोडिल जल रहे हैं	1978 ई.	मृदुला गर्ग
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई.	उदय प्रकाश

49. रचनाकाल की दृष्टि से सुरेन्द्र वर्मा के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) छोटे सैयद बड़े सैयद, द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, शकुन्तला की अँगूठी
(B) शकुन्तला की अँगूठी, द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, छोटे सैयद बड़े सैयद
(C) द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, छोटे सैयद बड़े सैयद, शकुन्तला की अँगूठी
(D) आठवाँ सर्ग, द्रौपदी, छोटे सैयद बड़े सैयद, शकुन्तला की अँगूठी

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का क्रम- द्रौपदी (1972 ई.), आठवाँ सर्ग (1976 ई.), छोटे सैयद बड़े सैयद (1982 ई.) और शकुन्तला की अँगूठी (1990 ई.) है।*

50. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है

(A) कुकुरमुत्ता, दीपशिखा, पल्लव, कामायनी
(B) दीपशिखा, पल्लव, कामायनी, कुकुरमुत्ता
(C) कामायनी, पल्लव, दीपशिखा, कुकुरमुत्ता
(D) पल्लव, कामायनी, दीपशिखा, कुकुरमुत्ता

उत्तर- (D)/

कृतियाँ	रचनाकाल	कृतिकार
पल्लव	*1928 ई.*	*सुमित्रानन्दन पन्त*
कामायनी	*1936 ई.*	*जयशंकर प्रसाद*
दीपशिखा	*1942 ई.*	*महादेवी वर्मा*
कुकुरमुत्ता	*1942 ई.*	*निराला*

51. रचनाकाल के आधार पर अज्ञेय की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(A) आँगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, बावरा अहेरी
(B) भग्नदूत, हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार
(C) हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार
(D) बावरा अहेरी, हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, आँगन के पार द्वार

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *रचनाकाल के अनुसार अज्ञेय की रचनाओं का अनुक्रम- भग्नदूत (1933 ई.), हरी घास पर क्षण भर (1949 ई.), बावरा अहेरी (1954 ई.) और आँगन के पार द्वार (1969 ई.) है।*

52. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :

(A) श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, अज्ञेय
(B) मैथिलीशरण गुप्त, श्रीधर पाठक, दिनकर, अज्ञेय
(C) श्रीधर पाठक, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त, अज्ञेय
(D) श्रीधर पाठक, अज्ञेय, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *जीवनकाल की दृष्टि से रचनाकारों का अनुक्रम- श्रीधर पाठक (1859-1928 ई.), मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964 ई.), दिनकर (1908-1974 ई., अज्ञेय (1911-87 ई.) है।*

53. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कविताओं का सही अनुक्रम है

(A) अंधेरे में, असाध्यवीणा, सरोज-स्मृति, पटकथा
(B) असाध्यवीणा, सरोज-स्मृति, पटकथा, अंधेरे में
(C) सरोज-स्मृति, असाध्यवीणा, अंधेरे में, पटकथा
(D) पटकथा, सरोज-स्मृति, असाध्यवीणा, अंधेरे में

उत्तर- (C)/

काव्य	रचनाकाल	काव्यकार
सरोज-स्मृति	*1935 ई.*	*निराला*
असाध्यवीणा	*1961 ई.*	*अज्ञेय*
अंधेरे में	*1964 ई.*	*मुक्तिबोध*
पटकथा	*1972 ई.*	*धूमिल*

54. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है

(A) सतरंगे पंखों वाली, युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, मिट्टी की बारात
(B) युग की गंगा, सतरंगे पंखों वाली, फूल नहीं रंग बोलते हैं, मिट्टी की बारात
(C) मिट्टी की बारात, युग की गंगा, सतरंगे पंखों वाली, फूल नहीं रंग बोलते हैं
(D) फूल नहीं रंग बोलते हैं, युग की गंगा, मिट्टी की बारात, सतरंगे पंखों वाली

उत्तर- (B)/

कृति	रचनाकाल	कृतिकार
युग की गंगा	*1947 ई.*	*केदारनाथ अग्रवाल*
सतरंगे पंखों वाली	*1959 ई.*	*नागार्जुन*
फूल नहीं रंग बोलते हैं	*1965 ई.*	*केदारनाथ अग्रवाल*
मिट्टी की बारात	*1972 ई.*	*शिवमंगल सिंह सुमन*

55. **ब्राह्मी लिपि के विकास का अनुक्रम है :**
(A) ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, कुटिल लिपि, देवनागरी लिपि
(B) कुटिल लिपि, ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(C) ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि, गुप्त लिपि, कुटिल लिपि
(D) देवनागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, कुटिल लिपि, गुप्त लिपि

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'ब्राह्मी की उत्तरी शैली से 'गुप्तलिपि' विकसित हुई। 'गुप्त लिपि' से 'कुटिल लिपि' तथा 'कुटिल लिपि' से ही नागरी एवं शारदा लिपियों का विकास हुआ। कुटिल लिपि से 8-9वीं शताब्दी के आस-पास प्राचीन नागरी का विकास हुआ जिसे देवनागरी भी कहा जाता है। इसे उत्तर भारत में नागरी तथा दक्षिण भारत में नन्दि नागरी कहते हैं। देवनागरी लिपि का प्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट के शिलालेख में पाया जाता है।*

56. **स्थापना (Assertion) (A) : बिम्ब में अर्थ की सम्भाव्यता निहित होती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अर्थ हमेशा निश्चित होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *बिम्ब (प्रतीक) में अर्थ की सम्भावना निहित होती है। पर अर्थ हमेशा निश्चित नहीं होता है। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

57. **स्थापना (Assertion) (A) : जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता में कवि हृदय लोक-सामान्य की भूमि पर पहुँच जाता है।
(A) (A) अंशतः सही (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *(A) और (R) दोनों सही हैं। यह कथन रामचन्द्र शुक्ल का है।*

58. **स्थापना (Assertion) (A) : प्रेमचन्द यथार्थवाद से आदर्शवाद को श्रेष्ठ समझते थे।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि आदर्शवाद उनकी दृष्टि में सम्पूर्ण जीवन-दृष्टि है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *प्रेमचन्द प्रारम्भ में आदर्शवाद को श्रेष्ठ मानते थे। ये अपने रचना के अन्तिम दौर में आदर्श से यथार्थ की ओर बढ़ते हैं। आदर्शवाद ही प्रेमचन्द की दृष्टि में सम्पूर्ण जीवन नहीं था। अतः (A) सही तथा (R) गलत है।*

59. **स्थापना (Assertion) (A) : कलामात्र के लिये वही साहित्य हो सकता है जो विचारशून्य हो।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कला विचारों से पलायन है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *विचार भी एक कला है। कला विचार से पलायन नहीं करती बल्कि विचारों को सुरक्षित करती है। अतः (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

60. **स्थापना (Assertion) (A) : कहानी छोटे मुँह बड़ी बात करती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कहानी लघुजीवन खण्ड के माध्यम से एक सम्पूर्ण जीवनबोध या सत्य को प्रकाशित करती है।
(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कहानी का आकार छोटा होने पर भी उसमें जीवनबोध तथा सत्य को प्रदर्शित करने की सामर्थ्य होती है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

61. **स्थापना (Assertion) (A) : नाटक केवल चाक्षुष यज्ञ है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि आधुनिक मान्यता है कि नाटक में दृश्य की तुलना में श्रव्य तत्त्व कम महत्त्वपूर्ण होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *नाटक के दो तत्त्व प्रमुख हैं श्रव्य और दृश्य। अर्थात् नाटक श्रव्य और दृश्य दोनों होता है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।*

62. **स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्य का लक्ष्य केवल मनुष्य का चरित्र निर्माण है।
(A) (A) सही (R) सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।' यह कथन बालकृष्ण भट्ट का है। साहित्य का लक्ष्य सिर्फ चरित्र निर्माण ही नहीं है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

63. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है। जिसका सम्बन्ध विश्लेषण, विकल्प या विज्ञान से नहीं है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि विज्ञान का सम्बन्ध संवेदना से नहीं होता।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *"काव्य आत्मा --------- से नहीं है।" यह कथन जयशंकर प्रसाद का है। (A) और (R) दोनों सही हैं।*

64. **स्थापना (Assertion) (A) : संस्कृति के विकास के लिये मानसिक स्वतंत्रता अनिवार्य है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि संस्कृति एक मानसिक व्यापार है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *संस्कृति एक मानसिक व्यापार है। अतः संस्कृति के विकास के लिये मानसिक स्वतंत्रता होनी चाहिये। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

65. **स्थापना (Assertion) (A) : स्त्री पैदा नहीं होती बनायी जाती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि समाज उसे जन्म से वही संस्कार प्रदान करता है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *लिंग के आधार पर स्त्री पैदा होती है। लेकिन कर्म, व्यवहार, संवेदना इत्यादि के आधार पर स्त्री बनायी जाती है। समाज जन्म से उसे वही संस्कार प्रदान करता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

66. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) शलभ मैं शापमय वर हूँ (i) सुमित्रानंदन पंत
(b) दुःख ही जीवन की कथा रही (ii) बच्चन
(c) वियोगी होगा पहला कवि (iii) निराला
(d) जो बीत गयी सो बात गयी (iv) महादेवी वर्मा
(v) जयशंकर प्रसाद

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर- (C)

पंक्तियाँ	रचनाकार
शलभ मैं शापमय वर हूँ।	*महादेवी वर्मा*
दुःख -------- रही।	*निराला*
वियोगी ----------- कवि।	*पंत*
जो बीत ----------- बात गयी।	*बच्चन*
नारी तुम केवल श्रद्धा हो।	*जयशंकर प्रसाद*

67. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) मल्लिका (i) देहान्तर
(b) देवसेना (ii) आषाढ़ का एक दिन
(c) शीलवती (iii) स्कन्दगुप्त
(d) शर्मिष्ठा (iv) कोमल गांधार
(v) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(C)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(v)

उत्तर- (C)

पात्र	नाटक	नाटककार
मल्लिका	*आषाढ़ का एक दिन*	*मोहन राकेश*
देवसेना	*स्कन्दगुप्त*	*प्रसाद*
शीलवती	*सूर्य की ----- किरण तक*	*सुरेन्द्र वर्मा*
शर्मिष्ठा	*देहान्तर*	*नन्द किशोर आचार्य*
शकुनि	*कोमल गांधार*	*शंकर शेष*

68. निम्नलिखित आंचलिक उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) रतिनाथ की चाची (i) रांगेय राघव
(b) परती परिकथा (ii) नागार्जुन
(c) कब तक पुकारूँ (iii) रामदरश मिश्र
(d) पानी के प्राचीर (iv) फणीश्वरनाथ रेणु
(v) हिमांशु श्रीवास्तव

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(B)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर- (D)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
रतिनाथ की चाची	*1948 ई.*	*नागार्जुन*
परती परिकथा	*1957 ई.*	*फणीश्वरनाथ रेणु*
कब तक पुकारूँ	*1957 ई.*	*रांगेय राघव*
पानी के प्राचीर	*1961 ई.*	*रामदरश मिश्र*

69. निम्नलिखित कवियों के साथ उनकी कृतियों को सुमेलित कीजिये

(a) चिंतामणि (i) छत्रसाल दशक
(b) मतिराम (ii) काव्य मंजरी
(c) भूषण (iii) वृत्त कौमुदी
(d) बोधा (iv) विरह वारीश
(v) कवि कुलकल्पतरु

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)
(B)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(v)	(iv)

उत्तर- (B)

कवि	कृति
चिन्तामणि	*कवि कुलकल्पतरु*
मतिराम	*वृत्त कौमुदी*
भूषण	*छत्रसाल दशक*
बोधा	*विरह वारीश*
पदुमनदास	*काव्य मंजरी*

70. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) वल्लभाचार्य (i) विशिष्टाद्वैतवाद
(b) निम्बार्काचार्य (ii) अद्वैतवाद
(c) रामानुजाचार्य (iii) द्वैतवाद
(d) मध्वाचार्य (iv) द्वैताद्वैतवाद
(v) शुद्धाद्वैतावाद

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(v)

उत्तर- (A)

आचार्य	सिद्धान्त	सम्प्रदाय
वल्लभाचार्य	*शुद्धाद्वैतवाद*	*रुद्र सम्प्रदाय*
निम्बार्काचार्य	*द्वैताद्वैतवाद*	*सनकादि सम्प्रदाय*
रामानुजाचार्य	*विशिष्टाद्वैतवाद*	*श्री सम्प्रदाय*
मध्वाचार्य	*द्वैतवाद*	*ब्रह्म सम्प्रदाय*
शंकराचार्य	*अद्वैतवाद*	*स्मार्त सम्प्रदाय*

71. निम्नलिखित कृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) चांदायन (i) कुतुबन
(b) मृगावती (ii) मंझन
(c) अखरावट (iii) मुल्ला दाउद
(d) मधुमालती (iv) जायसी
(v) दामोदर कवि

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर- (D)

कृति	काल	कवि
चांदायन	1379 ई.	मुल्ला दाउद
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
अखरावट	1541 ई.	जायसी
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
लखनसेन-पद्मावती कथा	1459 ई.	दामोदर कवि

72. **निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिये**

(a) स्वयंभू (i) संदेशरासक
(b) पुष्पदंत (ii) पउमचरिउ
(c) अब्दुल रहमान (iii) महापुराण
(d) शबरपा (iv) राउलवेल
(v) चर्यापद

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर- (B)

कवि	कृति
स्वयंभू	पउमचरिउ
पुष्पदंत	महापुराण
अब्दुल रहमान	संदेश रासक
शबरपा	चर्यापद
रोडा	राउलवेल

73. **भाषा की उत्पत्ति के सम्बन्ध में निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित कीजिये :**

(a) धातु सिद्धान्त (i) स्वीट
(b) यो हे हो सिद्धान्त (ii) रेवेज
(c) इंगित सिद्धान्त (iii) राये
(d) सम्पर्क सिद्धान्त (iv) न्वायर
(v) हेज़

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)
(B)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(C)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)

उत्तर- (C)

सिद्धान्त	प्रतिपादक
रणन/ धातु सिद्धान्त	प्लेटो/ हेज़
यो हे हो सिद्धान्त	न्वायर
इंगित सिद्धान्त	राये
सम्पर्क सिद्धान्त	रेवेज
संकेत/ निर्णयवाद	रूसो
संगीत सिद्धान्त	डार्विन, स्पैंसर, येस्पर्शन

74. **निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिये-**

(a) भट्ट लोल्लट (i) अनुमितिवाद
(b) शंकुक (ii) अभिव्यक्तिवाद
(c) भट्टनायक (iii) भुक्तिवाद
(d) अभिनव गुप्त (iv) अभिव्यंजनावाद
(v) उत्पत्तिवाद

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(B)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(v)

उत्तर- (B)

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव
क्रोचे	अभिव्यंजनावाद	-

75. **निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिये**

(a) प्रतीक (i) बनारसीदास चतुर्वेदी
(b) विशाल भारत (ii) अज्ञेय
(c) कर्मवीर (iii) महादेवी वर्मा
(d) चाँद (iv) माखनलाल चतुर्वेदी
(v) प्रेमचन्द

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(iii)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर- (D)

पत्रिका	स्थापना वर्ष	सम्पादक
प्रतीक	1947 ई.	अज्ञेय
विशाल भारत	1928 ई.	बनारसीदास चतुर्वेदी
कर्मवीर	1924 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी
चाँद	1920 ई.	महादेवी वर्मा
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का प्रथम कवि किसे माना है?

(A) सरहपाद (B) पुष्य
(C) शालिभद्र सूरि (D) स्वयंभू

उत्तर- (A)/ व्याख्या

हिन्दी का प्रथम कवि	मानने वाले विद्वान
सरहपाद	राहुल सांकृत्यायन
पुष्य या पुण्ड	शिव सिंह सेंगर
शालिभद्र सूरि	गणपति चन्द्र गुप्त
स्वयंभू	रामकुमार वर्मा

नोट- सर्वसम्मति से 'सरहपाद' ही हिन्दी के प्रथम कवि माने जाते हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(A) ब्रजभाषा (B) बुन्देली
(C) खड़ी बोली (D) अवधी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *पश्चिमी हिन्दी की बोलियों में- ब्रजभाषा, बुन्देली, खड़ी बोली, कन्नौजी तथा हरियाणवी आती है। जबकि पूर्वी हिन्दी में- अवधी, बघेली एवं छत्तीसगढ़ी आती है।*

3. संविधान की आठवीं अनुसूची में कौन सी भाषा शामिल नहीं है?

(A) बोडो (B) मैथिली (C) भोजपुरी (D) डोगरी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *संविधान की आठवीं अनुसूची में भोजपुरी शामिल नहीं है। इसे संविधान में शामिल करने का प्रस्ताव लाया गया है।*

4. बिहारी उपभाषा वर्ग के अन्तर्गत कौन सी बोली नहीं आती हैं?

(A) भोजपुरी (B) बुन्देली (C) मगही (D) मैथिली

उत्तर- (B)/ व्याख्या *भोजपुरी, मगही एवं मैथिली-बिहारी उपभाषा की बोली है। जबकि बुन्देली-पश्चिमी हिन्दी की बोली है।*

5. निम्नलिखित में से अष्टछाप का कवि कौन नहीं हैं?

(A) मलूकदास (B) सूरदास
(C) परमानन्ददास (D) कुम्भनदास

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अष्टछाप की स्थापना 1565 ई0 में गोस्वामी विट्ठलनाथ ने की थी। इसमें आठ कवि सम्मिलित हैं, जिनमें- कुम्भनदास, सूरदास, परमानन्ददास, कृष्णदास, चतुर्भुजदास, गोविन्दस्वामी, छीतस्वामी तथा नन्ददास आते हैं।*

6. निम्नलिखित में से कौन सी रचना चिन्तामणि की है?

(A) अलंकार प्रकाश (B) रसराज
(C) कवि कुलकल्पतरू (D) काव्य निर्णय

उत्तर- (C)/

रचना	रचनाकार
1. अलंकार प्रकाश	भूषण
2. रसराज	मतिराम
3. कवि कुलकल्पतरु	चिंतामणि
4. काव्य निर्णय	भिखारीदास

7. इनमें से कौन सा कवि द्विवेदी युग का है?

(A) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(B) राधाकृष्णदास
(C) जसवन्त सिंह
(D) गया प्रसाद शुक्ल 'स्नेही'

उत्तर- (D)/ व्याख्या *गया प्रसाद शुक्ल 'स्नेही' (1883-1972ई0)- द्विवेदी युग के, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन' (1855-1923ई0) एवं राधाकृष्णदास (1865-1907ई0) भारतेन्दु युग के, जबकि जसवन्त सिंह (1627-1729ई0)- रीतिकाल के कवि हैं।*

8. इनमें से कौन सा कवि प्रगतिवादी नहीं है?

(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) भवानी प्रसाद मिश्र
(C) त्रिलोचन (D) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

उत्तर- (B)/ व्याख्या *भवानी प्रसाद मिश्र- प्रयोगवाद के कवि हैं। यह दूसरा सप्तक में संकलित है। जबकि अन्य सभी प्रगतिवादी कवि हैं।*

9. पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ- किसकी पंक्ति है?

(A) अज्ञेय (B) नागार्जुन
(C) रामकुमार वर्मा (D) शमशेरबहादुर सिंह

उत्तर- (A)/

पंक्ति	पंक्तिकार
पहले मैं ----------- बुनता हूँ।	अज्ञेय
घुन खाये शहतीरों पर की बारह खड़ी विधाता बाँचे।	नागार्जुन
एक पीली शाम, पतझर का जरा अटका हुआ पत्ता।	शमशेर बहादुर सिंह
हे ग्राम देवता नमस्कार सोना-चाँदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से दिया प्यार।	रामकुमार वर्मा

10. निम्नलिखित में से कौन सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की नहीं है?

(A) काठ की घाटियाँ (B) कुआनो नदी
(C) आत्महत्या के विरुद्ध (D) लिपटा रजाई में

उत्तर- (C)/ व्याख्या *आत्महत्या के विरुद्ध, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, सीढ़ियों पर, धूप में इत्यादि रघुवीर सहाय की काव्य कृतियाँ हैं। जबकि अन्य सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य कृति है।*

11. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास देवकीनन्दन खत्री का नहीं है?

(A) नरेन्द्र मोहिनी (B) भाग्यवती
(C) चन्द्रकान्ता (D) कुसुमलता

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'नरेन्द्र मोहिनी' (1893 ई0), 'चन्द्रकान्ता' (1888ई0) एवं 'कुसुम कुमारी' (1899 ई0)- देवकी नन्दन खत्री के उपन्यास हैं, जबकि 'भाग्यवती' (1877 ई0)- श्रद्धाराम फुल्लौरी और 'कुसुमलता' (1899 ई0) हरेकृष्ण जौहर का उपन्यास है।*

12. निम्नलिखित में कौन सा कहानीकार ग्रामीण चेतना का नहीं है?

(A) मारकण्डेय (B) विवेकी राय
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) निर्मल वर्मा

उत्तर- (D) व्याख्या *निर्मल वर्मा पाश्चात्य परम्परा के कहानीकार माने जाते हैं। इनकी कहानियाँ रोमानी रुचि से प्रभावित हैं, जबकि अन्य सभी ग्रामीण चेतना के कहानीकार हैं।*

13. 'इन्दु' पत्रिका का सम्पादक का नाम है-

(A) अम्बिकाप्रसाद गुप्त (B) जगदीश गुप्त
(C) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (D) काशी प्रसाद जायसवाल

उत्तर- (A)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
1. इन्दु	1909 ई0	अम्बिका प्रसाद गुप्त
2. नयी कविता	1954 ई0	जगदीश गुप्त
3. समालोचक	1902 ई0	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
4. पाटलिपुत्र	1914 ई0	काशी प्रसाद जायसवाल

14. 'आवारा मसीहा' रचना किसके जीवन पर आधारित है?

(A) बंकिमचन्द्र चटर्जी (B) प्रेमचन्द्र
(C) शरद्चन्द्र (D) रवीन्द्रनाथ टैगोर

उत्तर- (C) व्याख्या *बंगला के प्रसिद्ध उपन्यासकार शरत्चन्द्र चटोपाध्याय के जीवन पर विष्णु प्रभाकर ने 'आवारा मसीहा' (1974ई0) नामक जीवनी लिखी। यह तीन पर्वों में विभक्त है- 'दिशाहारा', 'दिशा की खोज' और दिशांत।*

15. निम्नलिखित में से कौन सी रचना नाट्यकाव्य नहीं है?

(A) अग्निलीक (B) परशुराम की प्रतीक्षा
(C) अंधायुग (D) एक कंठ विषपायी

उत्तर- (B) व्याख्या *'अग्निलीक' (1976 ई0)- भारतभूषण अग्रवाल, 'अंधायुग' (1955ई0)- धर्मवीर भारती और 'एक कंठ विषपायी (1963ई0)- दुश्यन्त कुमार का नाट्य काव्य है। जबकि 'परशुराम की प्रतीक्षा' (1963 ई0)- रामधारी सिंह 'दिनकर' का काव्य है।*

16. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रन्थ हजारी प्रसाद द्विवेदी का नहीं हैं?

(A) अशोक के फूल (B) कुटज
(C) विचार प्रवाह (D) वृन्त और विकास

उत्तर- (D) व्याख्या *'वृन्त और विकास' (1959 ई0)- शान्तिप्रिय द्विवेदी का निबन्ध है। जबकि 'अशोक के फूल' (1948), 'कुटज' (1964) एवं 'विचार प्रवाह' (1959ई0) हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबन्ध है।*

17. 'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ' नामक ग्रंथ के लेखक का नाम क्या है?

(A) नगेन्द्र (B) नन्ददुलारे बाजपेयी
(C) कुबेरनाथ राय (D) रामविलास शर्मा

उत्तर- (D)

ग्रन्थ	वर्ष	लेखक
१.प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ	1954 ई०	रामविलास शर्मा
२. नया साहित्य नये प्रश्न	1955 ई०	नन्द दुलारे बाजपेयी
३ महाकवि की तर्जनी	1979 ई०	कुबेर नाथ राय
४. आलोचक की आस्था	1966 ई०	डॉ० नगेन्द्र

18. 'रसगंगाधर' किसका ग्रन्थ है?

(A) मम्मट (B) पंडितराज जगन्नाथ
(C) विश्वनाथ (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर- (B)

ग्रन्थ	ग्रन्थकार
1. रस गगाधर	पण्डित राज जगन्नाथ
2. काव्य प्रकाश	मम्मट
3. साहित्य दर्पण	विश्वनाथ
4. औचित्य विचार चर्चा	क्षेमेन्द्र

19. इनमें से कौन 'रससूत्र' की व्याख्याता नहीं है?

(A) शंकुक (B) भट्टलोल्लट
(C) वामन (D) अभिनव गुप्त

उत्तर- (C) व्याख्या *भरत मुनि के 'रससूत्र' के व्याख्याकारों में चार नाम आता है जिनमें-भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक एवं अभिनवगुप्त हैं। वामन इनमें नहीं आते यह रीति सम्प्रदाय के जनक माने जाते हैं।*

20. 'द प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' किसका ग्रन्थ है?

(A) आई.ए. रिचर्डस (B) मैथ्यू अर्नाल्ड
(C) लुकाच (D) क्रोचे

उत्तर- (A) व्याख्या *'द प्रिंसिपल ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' (1924 ई0)- आई0ए0 रिचर्ड्स, 'एस्थेटिक'- क्रोचे, 'ऐसेस इन क्रिटिसिज्म'- मैथ्यू अर्नाल्ड की रचना है।*

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम लिखिये-

(A) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, कुरूक्षेत्र
(B) साकेत, प्रियप्रवास, कुरूक्षेत्र, कामायनी
(C) कामायनी, कुरूक्षेत्र, साकेत, प्रियप्रवास
(D) प्रियप्रवास, कामायनी, कुरूक्षेत्र, साकेत

उत्तर- (A)

रचना	समय	रचनाकार
1. प्रिय प्रवास	1914 ई0	हरिऔध
2. साकेत	1931 ई0	मैथिलीशरण गुप्त
3. कामायनी	1936 ई0	प्रसाद
4. कुरूक्षेत्र	1946 ई0	दिनकर

22. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से हिन्दी पत्रिकाओं का सही अनुक्रम लिखिये-

(A) आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, भारतोदय, हरिश्चन्द्र मैगजीन
(B) ब्राह्मण, हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी, भारतोदय
(C) हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, भारतोदय
(D) भारतोदय, ब्राह्मण, हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी

उत्तर- (C)

पत्रिका	प्र० वर्ष	सम्पादक
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.	भारतेन्दु
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	प्रेमघन
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र
भारतोदय	1885 ई.	सीताराम शर्मा

23. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-

(A) उपेन्द्रनाथ अश्क, इलाचन्द्र जोशी, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली
(B) इलाचन्द्र जोशी, उपेन्द्रनाथ अश्क, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली
(C) इलाचन्द्र जोशी, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली, उपेन्द्रनाथ अश्क
(D) नरेन्द्र कोहली, मोहन राकेश, इलाचन्द्र जोशी, उपेन्द्रनाथ अश्क

उत्तर- (B)

रचनाकार	समय
1. इलाचन्द्र जोशी	1902-1982 ई0
2. उपेन्द्र नाथ अश्क	1910-1996 ई0
3. मोहन राकेश	1925-1972 ई0
4. नरेन्द्र कोहली	1940.... ई0

24. रामचरितमानस के काण्डों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, अरण्यकाण्ड
(B) बाल्यकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड
(C) अयोध्याकाण्ड, बालकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड
(D) अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, बालकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *'रामचरित मानस' में सात काण्ड हैं, जिनका अनुक्रम इस प्रकार है- बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड और उत्तरकाण्ड।*

25. कवियों का सही अनुक्रम बताइये-
(A) द्विजदेव, केशवदास, विद्यापति, रसखान
(B) विद्यापति, द्विजदेव, रसखान, केशवदास
(C) विद्यापति, रसखान, केशवदास, द्विजदेव
(D) रसखान, विद्यापति, केशवदास, द्विजदेव

उत्तर- (C)

कवि	समय
1. विद्यापति	1350-1460 के मध्य
2. रसखान	1533-1618 ई0
3. केशवदास	1555-1617 ई0
4. द्विजदेव	1820-1861 ई0

26. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) कहै कबीर सुनो भाई साधो, भारत दुर्दशा, स्कन्दगुप्त, कबिरा खड़ा बाजार में
(B) भारत दुर्दशा, स्कन्दगुप्त, कबिरा खड़ा बाजार में, कहें कबीर सुनो भाई साधो
(C) स्कन्दगुप्त, कहै कबीर सुनो भाई साधो, भारत दुर्दशा, कबिरा खड़ा बाजार में
(D) भारत दुर्दशा, कबिरा खड़ा बाजार में, स्कन्दगुप्त, कहै कबीर सुनो भाई साधो

उत्तर- (B)

नाटक	समय	नाटककार
भारत दुर्दशा	1880 ई.	भारतेन्दु
स्कन्दगुप्त	1928 ई.	जयशंकर प्रसाद
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
कहे कबीर सुनो भाई साधो	1987 ई.	नरेन्द्र मोहन

27. निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) धरती धन न अपना, झूठा सच, आधा गाँव, धार
(B) धार, झूठा सच, आधा गाँव, धरती धन न अपना
(C) झूठा सच, धरती धन न अपना, आधा गाँव, धार
(D) झूठा सच, आधा गाँव, धरती धन न अपना, धार

उत्तर- (D)

उपन्यास	समय	उपन्यासकार
1. झूठा सच	1958 ई0	यशपाल
2. आधा गाँव	1966 ई0	राही मासूम रजा
3. धरती धन न अपना	1972 ई0	जगदीश चन्द्र
4. धार	1990 ई0	संजीव

28. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) पंच परमेश्वर, परदा, परिन्दे, पाल गोमरा का स्कूटर
(B) पंच परमेश्वर, परिन्दे, परदा, पाल गोमरा का स्कूटर
(C) परदा, पंच परमेश्वर, परिन्दे, पाल गोमरा का स्कूटर
(D) परिन्दे, पाल गोमरा का स्कूटर, परदा, पंच परमेश्वर

उत्तर- (A)

कहानी	समय	कहानीकार
1. पंच परमेश्वर	1916 ई0	प्रेमचन्द
2. परदा	1944 ई0	निर्मल वर्मा
3. परिन्दे	1960 ई0	यशपाल
4. पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई0	उदय प्रकाश

29. निम्नलिखित निबन्धकारों का सही अनुक्रम बताइये-
(A) बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुन्दर दास, सरदार पूर्णसिंह, बाबू गुलाबराय
(B) सरदार पूर्णसिंह, बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुन्दर दास, बाबू गुलाबराय
(C) श्यामसुन्दर दास, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह, बाबू गुलाबराय
(D) बाबू गुलाबराय, श्यामसुन्दर दास, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह

उत्तर- (A)

निबन्धकार	समय
1. बालमुकुन्द गुप्त	1865-1907 ई0
2. श्यामसुन्दर दास	1875-1944 ई0
3. सरदार पूर्णसिंह	1881-1939 ई0
4. बाबू गुलाबराय	1888-1963 ई0

30. निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) भरतमुनि, भामह, विश्वनाथ, अभिनव गुप्त
(B) भरतमुनि, विश्वनाथ, भामह, अभिनव गुप्त
(C) भरतमुनि, भामह, अभिनव गुप्त, विश्वनाथ
(D) भरतमुनि, अभिनव गुप्त, विश्वनाथ, भामह

उत्तर- (C)

आचार्य	समय	प्रमुख रचना
भरत मुनि	दूसरी सदी ई0पू0- दूसरी सदी ई0 के मध्य	नाट्यशास्त्र
भामह	6 वीं शती	काव्यालंकार
अभिनवगुप्त	10-11वीं शती	ध्वन्यालोक लोचन
विश्वनाथ	14वीं शती	साहित्य दर्पण

31. निम्नलिखित कृतियों को उनके निबन्धकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची - I		सूची - II	
a.	पगडंडियों का जमाना	i.	श्री लाल शुक्ल
b.	अंगद का पाँव	ii.	कुबेरनाथ राय
c.	गन्ध मादन	iii.	शरद जोशी
d.	जीप पर सवार इल्लियाँ	iv.	हरिशंकर परसाई
		v.	रवीन्द्रनाथ त्यागी

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	i	iv	ii	iii

उत्तर- (C)

निबन्ध	समय	निबन्धकार
पगडंडियों का जमाना	1966 ई0	हरि शंकर परसाई
अंगद का पाँव	1958 ई0	श्री लाल शुक्ल
गन्ध मादन	1972 ई0	कुबेर नाथ राय
जीप पर सवार इल्लियाँ	1971 ई0	शरद जोशी
फूलों वाले कैक्टस	1978 ई0	रवीन्द्रनाथ त्यागी

32. निम्नलिखित आलोचकों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	रामस्वरूप चतुर्वेदी	i.	छायावाद का पतन
b.	देवराज	ii.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
c.	रामविलास शर्मा	iii.	नयी कविता के प्रतिमान
d.	लक्ष्मीकांत वर्मा	iv.	आस्था और सान्दर्य
		v.	कविता के नये प्रतिमान

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	iv	v	ii	i
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

आलोचक	कृति	वर्ष
रामस्वरूप चतुर्वेदी	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई0
देवराज	छायावाद का पतन	1948 ई0
रामविलास शर्मा	आस्था और सौन्दर्य	1961 ई0
लक्ष्मीकान्त वर्मा	नयी कविता के प्रतिमान	1957 ई0
नामवर सिंह	कविता के नए प्रतिमान	1968 ई0

33. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	ग्यारह वर्ष का समय	i.	बंग महिला
b.	दुलाईवाली	ii.	जयशंकर प्रसाद
c.	ग्राम	iii.	राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द
d.	रानी केतकी की कहानी	iv.	रामचन्द्र शुक्ल
		v.	इंशा अल्ला खाँ

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iv	i	ii	v
(C)	i	iii	iv	v
(D)	v	ii	iv	i

उत्तर- (B)

कहानी	कहानीकार	वर्ष
ग्यारह वर्ष का समय	रामचन्द्र शुक्ल	1903 ई0
दुलाईवाली	बंगमहिला	1907 ई0
ग्राम	प्रसाद	1911 ई0
रानी केतकी की कहानी	इंशा अल्ला खाँ	1808 ई0
राजा भोज का सपना	शिव प्रसाद सितारेहिन्द	1850-80 के बीच

34. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	विराटा का पद्मिनी	i.	चतुरसेन शास्त्री
b.	वैशाली की नगरवधू	ii.	वृन्दावनलाल वर्मा
c.	दिव्या	iii.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
d.	चारूचन्द्र लेख	iv.	यशपाल
		v.	जैनेन्द्र कुमार

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	i
(D)	i	iii	iv	v

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
विराटा की पद्मिनी	1936 ई0	वृंदावन लाल वर्मा
वैशाली की नगर वधू	1949 ई0	चतुरसेन शास्त्री
दिव्या	1945 ई0	यशपाल
चारुचन्द्र लेख	1963 ई0	हजारी प्रसाद द्विवेदी
परख	1929 ई0	जैनेन्द्र

35. निम्नलिखित काव्यसंग्रहों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	हिम किरीटिनी	i.	त्रिलोचन
b.	अमोला	ii.	माखनलाल चतुर्वेदी
c.	काल तुझसे होड़ है	iii.	भवानी प्रसाद मिश्र
d.	गीत फरोश	iv.	शमशेर बहादुर सिंह
		v.	शिवमंगल सिंह सुमन

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	i
(B)	iii	i	v	ii
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

काव्य संग्रह	रचनाकार
हिम किरीटिनी	माखन लाल चतुर्वेदी
अमोला	त्रिलोचन
काल तुझसे होड़ है	शमशेर बहादुर सिंह
गीत फरोश	भवानी प्रसाद मिश्र
प्रलय सृजन	शिवमंगल सिंह सुमन

36. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	एक कहानी यह भी	i.	प्रभा खेतान
b.	अन्या से अनन्या	ii.	रमणिका गुप्ता
c.	हादसे	iii.	अमृता प्रीतम
d.	रसीदी टिकट	iv.	मन्नू भण्डारी
		v.	मैत्रेयी पुष्पा

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	iii
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर- (A)

आत्मकथा	वर्ष	आत्मकथाकार
एक कहानी यह भी	2007	मन्नू भण्डारी
अन्या से अनन्या	2007	प्रभा खेतान
हादसे	2005	रमणिका गुप्ता
रसीदी टिकट	1976	अमृता प्रीतम
कस्तूरी कुण्डल बसै	2002	मैत्रेयी पुष्पा

37. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. ग्लोबल गाँव के देवता	i. मोहनदास नैमिशराय
b. जूठन	ii. रणेन्द्र
c. मुक्ति पर्व	iii. सूरजपाल चौहान
d. छप्पर	iv. जयप्रकाश कर्दम
	v. ओमप्रकाश वाल्मीकि

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	iv	ii	v
(B)	v	vi	iii	i
(C)	ii	v	i	iv
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर- (C)

कृति	कृतिकार
ग्लोबल गाँव के देवता	रणेन्द्र
जूठन	ओम प्रकाश वाल्मीकि
मुक्तिपर्व	मोहनदास नैमिशराय
छप्पर	जय प्रकाश कर्दम
तिरस्कृत	सूरजपाल चौहान

38. निम्नलिखित उक्तियों को उनके निबन्धकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग	i. घनानन्द
b. अनबूड़े बूड़े तिरे, जे बूड़े सब अंग	ii. मीराबाई
c. अति सूधो सनेह को मारग है	iii. सूरदास
d. बसो मेरे नैनन में नन्द लाल	iv. बिहारी
	v. तुलसी

कोड :	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	v	iv	i	ii
(C)	ii	iv	v	i
(D)	i	iv	ii	v

उत्तर- (B)

उक्ति	रचनाकार
गोरख........लोग	तुलसीदास
अनबूड़े........सब अंग	बिहारी
अति.........मारग है	घनानन्द
बसो........नन्द लाल	मीराबाई
मेरे नैना बिरह की बेल बई	सूरदास

39. निम्नलिखित उक्तियों को उनके ग्रन्थकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. प्रददोषौ शब्दार्थो सगुणावलंकृती पुनः क्वापि	i. भट्टतौत
b. प्रज्ञानवनवोन्येषशालिनी प्रतिभा मता	ii. तुलसी
c. न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनिता मुखम्	iii. मम्मट
d. कीरति भनिति भूति भल सोई। सुरसरि सम सब कहँ हित होई।।	iv. भामह
	v. जायसी

कोड :	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	i	v	iv	ii
(C)	i	iii	iv	ii
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर- (D)

उक्ति	उक्तिकार
प्रददोषौ.......पुनः क्वपि	मम्मट
प्रज्ञा.........मता	भट्टतौत
न कान्तमपि......मुखम्	भामह
कीरति.......हित होई	तुलसी
औं मन जानि कबित अस कीन्हा, मकु यह रहै जगत मंह चीन्हा	जायसी

40. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. द कम्यूनिस्ट मेनीफेस्टो	i. कॉडवेल
b. द यूज ऑफ पोयट्री एण्ड यूज ऑफ क्रिटिसिज्म	ii. आर्नल्ड मैथ्यू
c. इल्यूजन एण्ड रिएलिटी	iii. कार्ल मार्क्स
d. द पोयटिक इमेज	iv. टी.एस.इलिएट
	v. सी.डे. लेविस

कोड :	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	i
(B)	iii	i	iv	v
(C)	iii	iv	i	v
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर- (C)

कृति	लेखक
द कम्यूनिस्ट मेनीफेस्टो	कार्ल मार्क्स
द यूज ऑफ पोयट्री एण्ड यूज ऑफ क्रिटिसिज्म	टी.एस.इलिएट
इल्यूजन एण्ड रिएलिटी	कॉडवेल
द पोयटिक इमेज	सी.डे. लेविस
एसेस इन क्रिटिसिज्म	मैथ्यू अर्नाल्ड

निर्देशः (प्रश्न 41 से 45): दी गयी स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

41. **स्थापना (Assertion) (A) : चिन्तन की अपेक्षा कर्म सत्य के अधिक समीप होता है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि धर्म में सक्रियता और व्यावहारिकता होती है।

(a) (A) और (R) दोनों सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत, (R) सही (d) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *चिन्तन में काल्पनिकता का भी समावेश होता है, जबकि कर्म में सत्य ज्यादा होता है। कर्म, सक्रिय एवं व्यावहारिक भी होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

42. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा ही एकमात्र साधन है, जो अन्य पशुओं से मनुष्य को पृथक करती है
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भाषा केवल मनुष्य की अर्जित सम्पत्ति है
(a) (A) और (R) दोनों गलत (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) और (R) दोनों सही (d) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *मनुष्य तथा पशु में अन्तर के कई कारण हैं मात्र भाषा ही नहीं। भाषा मनुष्य की अर्जित एवं सर्वोत्तम सम्पत्ति है। अतः (A) गलत और (R) सही हैं।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : सीखने का प्रयत्न किये बिना सिखाने की लालसा विफल होती है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सिखाने के लिये सीखने की आवश्यकता नहीं है।
(a) (A) और (R) दोनों गलत (b) (A) और (R) दोनों सही
(c) (A) गलत, (R) सही (d) (A)सही, (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *अगर सीखने में रुचि नहीं रखी जाती है तो सिखाने में पूर्ण सफलता नहीं हासिल की जा सकती है। सिखाने के लिये सीखने की आवश्यकता होती है। अतः कथन (A) सही है और (R) गलत है।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : (1) लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपभोग से जी नहीं भरता।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मनुष्य नहीं चाहता है कि उसकी प्राप्ति बार-बार हो।
(a) (A) और (R) दोनों गलत (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) और, (R) दोनों सही (d) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *जिस वस्तु के प्रति मनुष्य का लोभ होता है वह चाहता है कि वह वस्तु उसे बार-बार मिले। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मानव के हृदय को व्यापक नहीं बनाती,
(a) (A) और (R) दोनों सही (b) (A) और (R) दोनों गलत
(c) (A) सही, (R) गलत (d) (A) गलत, (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कविता मानव हृदय को व्यापक बनाती है। अतः (A) सही और (R) गलत हैं।*

निर्देशः (प्रश्न 46 से 50): निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-

सच्चे वीर पुरूष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं, उनके मन की गम्भीरता और शान्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है। वे कभी चंचल नहीं होते, रामायण में वाल्मीकि जी ने कुम्भकर्ण की गाढ़ी नींद में वीरता का एक चिन्ह दिखलाया है। सच है, सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती ये सत्वगुण के क्षीर समुद्र में ऐसे डूबे रहते हैं कि इनको दुनिया की खबर ही नहीं होती। वे संसार के सच्चे परोपकारी होते हैं। ऐसे लोग दुनिया के तख्ते को अपनी आँख की पलकों से हलचल में डाल देते हैं, जब ये शेर जागकर गर्जते हैं, तब सदियों तक इनकी आवाज की गूँज सुनाई देती रहती है और सब आवाजे बन्द हो जाती हैं।

46. सच्चे वीर पुरुष कैसे होते है?
(A) सुन्दर शान्त और चंचल
(B) बुद्धिमान और कायर
(C) तमो और रजोगुण से परिपूर्ण
(D) धीर, गम्भीर और आजाद

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं।*

47. कुम्भकर्ण का उल्लेख किस सन्दर्भ में किया गया है?
(A) वीरता के सन्दर्भ में (B) आलस के सन्दर्भ में
(C) गाढ़ी नींद के सन्दर्भ में (D) कायरता के सन्दर्भ में

उत्तर- (A)/ व्याख्या *कुम्भकर्ण की गाढ़ी नींद का उल्लेख वीरता के सन्दर्भ में किया गया है।*

48. जब सच्चे वीर जागकर शेर की तरह गरजते है तो क्या होता है?
(A) लोग डरकर भाग जाते हैं
(B) अपनी वीरता खो देते हैं
(C) सदियों तक उनकी आवाज की गूँज सुनाई देती हैं
(D) युद्ध के मैदान में डट जाते हैं

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जब सच्चे वीर जागकर शेर की तरह गरजते हैं तो- सदियों तक उनकी आवाज की गूँज सुनाई देती है।*

49. सच्चे वीर के मन की गम्भीरता कैसी होती है?
(A) पहाड़ की तरह ऊँची और पानी की तरह तरल
(B) समुद्र की तरह विशाल और आकाश की तरह स्थिर
(C) हवा की तरह अमूर्त और आग की तरह ज्वलनशील
(D) बर्फ की तरह शीतल और चीनी की तरह मीठी

उत्तर- (B)/ व्याख्या *सच्चे वीर के मन की गम्भीरता समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है।*

50. इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?
(A) सच्ची मानवता (B) सच्ची दयालुता
(C) सच्ची धीरता (D) सच्ची वीरता

उत्तर- (D)/ व्याख्या *इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक 'सच्ची वीरता' हो सकता है।*

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
JUNE : 2011	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. महाप्रभु वल्लभाचार्य के शिष्यों का वृतान्त इस ग्रंथ में हैः

(A) दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता
(B) भक्तिमाल
(C) चौरासी वैष्णवन की वार्ता
(D) वचनामृत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' तथा 'दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता' (17वीं शती) गोकुलनाथ की रचना है। 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' में वल्लभाचार्य के शिष्यों का जीवन वृत्त वर्णित है। 252 वैष्णवन की वार्ता में विट्ठलनाथ के शिष्यों का वर्णन है।*

2. 'काशी में हम प्रगट भए, रामानन्द चेताये।' किसकी पंक्ति है?

(A) कबीर (B) तुलसी (C) सूर (D) रैदास

उत्तर- (A)/ व्याख्या *(1) 'काशी .... चेताये।' कबीरदास की पंक्ति है। 'बीजक' इनकी रचना है जिसके संकलनकर्ता धर्मदास हैं।*

(2) मातु-पिता जाइ तज्यो, विधिहूँ न
लिखी कछु भाल-भलाई।- तुलसीदास

3. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति 'रसायण' से किसने मानी है?

(A) गार्सा-द-तासी (B) पं.रामनारायण दूगड
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) पं. हरप्रसाद शास्त्री

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'रासो' शब्द की उत्पत्ति मानने वाले विद्वान-*

शब्द से	मानने वाले विद्वान
रसायण	रामचन्द्र शुक्ल
राजसूय	गार्सा द तासी
राजयश	हर प्रसाद शास्त्री
रासक	नरोत्तम स्वामी
रास	नन्ददुलारे बाजपेयी

4. लक्षण ग्रन्थ का अर्थ है?

(A) नायिका भेद (B) काव्यांग विवेचन
(C) रस निष्पत्ति (D) गुण-दोष

उत्तर- (B)/ व्याख्या *काव्य के लक्षण दोहा, सवैया, कवित्त इत्यादि छन्दों के रूप में कवि आचार्यों द्वारा निरूपण ही लक्षण ग्रन्थ होता है। छन्द, अलंकार, नायिका भेद इत्यादि का काव्यगत विवेचन ही लक्षण ग्रन्थ है।*

5. निम्नलिखित कवियों में रीतिसिद्ध कौन हैं?

(A) बिहारी (B) घनानन्द (C) मतिराम (D) तोष

उत्तर- (A)/ व्याख्या *बिहारी- रीतिसिद्ध, घनानन्द- रीतिमुक्त तथा मतिराम एवं तोष- रीतिबद्ध कवि हैं।*

6. 'अनुमितिवाद' के प्रतिष्ठाता कौन हैं?

(A) भरतमुनि (B) आनन्दवर्धन
(C) शंकुक (D) अभिनव गुप्त

उत्तर- (C)/ व्याख्या *भरतमुनि के 'रससूत्र' की व्याख्या शंकुक ने 'अनुमितिवाद' के सिद्धान्त से की है।*

7. 'किंशुक कुसुम जानकर झपटा भौंरा शुक की लाल चोंच पर! तोते ने निज ठोर चलाई जामुन का फल उसे सोचकर।।' - में कौन सा अलंकार है?

(A) संदेह (B) स्वाभावोक्ति
(C) अन्योक्ति (D) भ्रांतिमान

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जहाँ किसी वस्तु में किसी दूसरी वस्तु के होने का भ्रम हो जाये वहाँ भ्रान्तिमान अलंकार होता है। 'किंशुक .... सोचकर।' पंक्ति में भौंरे को तोते की लाल चोंच में फूल का तथा तोते को भौंरे में जामुन के फल होने का भ्रम होता है। अतः भ्रान्तिमान अलंकार है।*

8. 'काव्यालंकार' के रचयिता हैं?

(A) भरत (B) कुन्तक (C) भामह (D) दण्डी

उत्तर- (C)

रचना	रचनाकार
काव्यालंकार	भामह
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
वक्रोक्तिजीवितम्	कुंतक
काव्यादर्श	दण्डी

9. निम्नलिखित में से कौन भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है?

(A) मराठी (B) गुजराती (C) मलयालम (D) हिन्दी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *मलयालम -द्रविड़ परिवार की भाषा है जबकि अन्य सभी भारोपीय परिवार की भाषा हैं।*

10. ब्रजभाषा कहाँ बोली जाती है?

(A) इलाहाबाद (B) ओरछा एवं झाँसी
(C) मथुरा-वृन्दावन (D) बनारस

उत्तर- (C)

बोली	क्षेत्र
ब्रजभाषा	मथुरा-वृन्दावन
अवधी	इलाहाबाद
बुन्देली	ओरछा एवं झाँसी
भोजपुरी	बनारस

11. 'विश्वजन की अर्चना में नहीं बाधक था इस व्यष्टि का अभिमान' किसकी पंक्ति हैं?

(A) भारतभूषण अग्रवाल (B) अज्ञेय
(C) नेमीचन्द्र जैन (D) त्रिलोचन

उत्तर- (C)

पंक्ति	कवि
विश्वजन की ------ का अभिमान	नेमिचन्द्र जैन
मुश्किल यह है कि मैं जिन्दगी को एक इमारत की तरह गढ़ना चाहता था	भारत भूषण अग्रवाल
धरम कमाता है वह तुलसीकृत रामायण सुन-पढ़ कर, जपता है नारायण नारायण	त्रिलोचन
दुःख सबको माँजता है	अज्ञेय

12. 'मतवाला' के सम्पादक कौन थे?
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) धर्मवीर भारती
(C) निराला (D) शिवपूजन सहाय

उत्तर- (C)

पत्र	सम्पादक
मतवाला	निराला
कवि वचन सुधा	भारतेन्दु
माधुरी	शिवपूजन सहाय
धर्मयुद्ध	धर्मवीर भारती

13. 'साखी' किसका संकलन हैं?
(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) कीर्ति चौधरी
(C) हरिनारायण व्यास (D) विजयदेव नारायण साही

उत्तर- (D) व्याख्या *साखी, मछलीघर, संवाद तुमसे- विजयदेव नारायण साही का काव्य संकलन है।*

14. 'जीवन-विवेक ही साहित्य विवेक है' किसका कथन हैं?
(A) रामविलास शर्मा (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) मुक्तिबोध (D) अज्ञेय

उत्तर- (B)

कथन	कथनकार
जीवन ------------ विवेक है	हजारी प्रसाद द्विवेदी
साहित्य के सभी तत्त्व समान रूप से परिवर्तनशील नहीं हैं	रामविलास शर्मा
कला भी ज्ञान का एक प्रकार या क्रिया है।	अज्ञेय
जो कुछ है उससे बेहतर चाहिये	मुक्तिबोध

15. निम्नलिखित में से कौन प्रगतिशील आलोचक नहीं हैं?
(A) नन्ददुलारे वाजपेयी (B) शिवदानसिंह चौहान
(C) प्रकाशचन्द्र गुप्त (D) रामविलास शर्मा

उत्तर- (A) व्याख्या *नन्ददुलारे बाजपेयी को छायावादी, प्रभाववादी, स्वच्छन्दतावादी, सौष्ठववादी, रसवादी, अध्यात्मवादी समीक्षक कहा जाता है। अन्य सभी प्रगतिशील/प्रगतिवादी/मार्क्सवादी आलोचक हैं।*

16. 'अल्मा कबूतरी' किसकी रचना हैं?
(A) मृदुला गर्ग (B) गीतांजलि श्री
(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) चित्रा मुद्गल

उत्तर- (C)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
अल्मा कबूतरी	2000 ई0	मैत्रेयी पुष्पा
चित्तकोबरा	1979 ई0	मृदुला गर्ग
आवाँ	1999 ई0	चित्रा मुद्गल
तिरोहित	2001 ई0	गीतांजलि श्री

17. 'विलोम' किस नाटक का पात्र हैं?
(A) चन्द्रगुप्त (B) अंधायुग
(C) कोमल गांधार (D) आषाढ़ का एक दिन

उत्तर- (D)

पात्र	नाटक	नाटककार
विलोम	आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
सिंहरण	चन्द्रगुप्त	प्रसाद
युयुत्सु	अन्धा युग	धर्मवीर भारती
गाँधारी	कोमल गांधार	शंकर शेष

18. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति हुयी है?
(A) वैदिक संस्कृत (B) लौकिक संस्कृत
(C) शौरसेनी अपभ्रंश (D) प्राकृत

उत्तर- (C) व्याख्या *शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी का विकास हुआ है। पश्चिमी हिन्दी से ही खड़ी बोली, ब्रजभाषा, बुन्देली, हरियाणवी, कन्नौजी बोली की उत्पत्ति हुयी है।*

19. निम्नलिखित में से कौन सी कृति आत्मकथा है?
(A) कलम का सिपाही (B) चीड़ों पर चाँदनी
(C) अर्द्धकथानक (D) बाणभट्ट की आत्मकथा

उत्तर- (C) व्याख्या *'अर्द्धकथानक' (1641ई0) में लिखित बनारसीदास जैन की आत्मकथा है। यह हिन्दी की प्रथम आत्मकथा मानी जाती है। 'कलम का सिपाही' (1962ई0) अमृतराय द्वारा लिखित प्रेमचन्द की जीवनी है। निर्मल वर्मा कृत 'चीड़ों पर चाँदनी' (1964ई0) यात्रा-साहित्य है। हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास है।*

20. 'छितवन की छाँह' निबन्ध संग्रह के रचयिता कौन हैं?
(A) बालकृष्ण भट्ट (B) हरिशंकर परसाई
(C) विद्यानिवास मिश्र (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (C)

निबन्ध	निबन्धकार
छितवन की छाँह	विद्यानिवास मिश्र
भिक्षावृत्ति	बालकृष्ण भट्ट
साहित्य सहचर	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कहत कबीर	हरिशंकर परसाई

21. कालक्रम के अनुसार चतुरसेन शास्त्री के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) हृदय की परख, हृदय की प्यास, अमर अभिलाषा, आत्मदाह
(B) आत्मदाह, अमर अभिलाषा, हृदय की प्यास, हृदय की परख
(C) हृदय की प्यास, आत्मदाह, हृदय की परख, अमर अभिलाषा
(D) अमर अभिलाषा, हृदय की परख, आत्मदाह, हृदय की प्यास

उत्तर- (A) व्याख्या *चतुरसेन शास्त्री के उपन्यासों का अनुक्रम- हृदय की परख (1918), हृदय की प्यास (1931), अमर अभिलाषा (1933) एवं आत्मदाह (1934 ई0) है।*

22. कालखण्ड की दृष्टि से कहानियों का सही अनुक्रम लिखियेः
(A) कफन, ग्राम, पाल गोमरा का स्कूटर, डिप्टी कलेक्टरी
(B) ग्राम, कफन, डिप्टी कलेक्टरी, पाल गोमरा का स्कूटर
(C) पाल गोमरा का स्कूटर, डिप्टी कलेक्टरी, कफन, ग्राम
(D) डिप्टी कलेक्टरी, पाल गोमरा का स्कूटर, ग्राम, कफन

उत्तर- (B)

कहानी	समय	कहानीकार
ग्राम	1911 ई0	प्रसाद
कफन	1936 ई0	प्रेमचन्द
डिप्टी कलेक्टरी	1956 ई0	अमरकान्त
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई0	उदय प्रकाश

23. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) राज्यश्री, खजुराहो का शिल्पी, कोणार्क, भारत दुर्दशा
(B) कोणार्क, भारत दुर्दशा, राज्यश्री, खजुराहों का शिल्पी
(C) खजुराहों का शिल्पी, कोणार्क, राज्यश्री, भारत दुर्दशा
(D) भारत दुर्दशा, राज्यश्री, कोणार्क, खजुराहों का शिल्पी

उत्तर- (D)

नाटक	वर्ष	नाटककार
भारत दुर्दशा	1880 ई0	भारतेन्दु
राज्यश्री	1915 ई0	प्रसाद
कोणार्क	1951 ई0	जगदीश चन्द्र माथुर
खजुराहो का शिल्पी	1982 ई.	शंकर शेष

24. **कालक्रमानुसार ग्रंथों का सही अनुक्रम है**

(A) काव्य प्रकाश, दशरूपक, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र
(B) नाट्यशास्त्र, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, दशरूपक, काव्य प्रकाश
(C) काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र, काव्य प्रकाश, दशरूपक
(D) दशरूपक, काव्य प्रकाश, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र

उत्तर- (B)

ग्रन्थ	समय	ग्रन्थकार
नाट्यशास्त्र	2 शतीई० पू० से2 सदीके बीच	भरतमुनि
काव्यालंकार सूत्रवृत्ति	9वीं शती	वामन
दशरूपक	10वीं शती	धनंजय
काव्यप्रकाश	12वीं शती	मम्मट

25. **प्रकाशनकाल के अनुसार निम्नलिखित यात्रा-वर्णनों का सही अनुक्रम बताइयेः**

(A) अरे यायावर रहेगा याद, देश-विदेश, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक, हँसते निर्झर दहकती भट्टी
(B) हँसते निर्झर दहकती भट्टी, देश-विदेश, अरे यायावर रहेगा याद, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक,
(C) देश-विदेश, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक, हँसते निर्झर दहकती भट्टी, अरे यायावर रहेगा याद
(D) अरे यायावर रहेगा याद, देश-विदेश, हँसते निर्झर दहकती भट्टी, तत्रलोक से यंत्रलोक तक

उत्तर- (A)

यात्रा साहित्य	प्र०काल	लेखक
अरे यायावर रहेगा याद	1953 ई0	अज्ञेय
देश-विदेश	1957 ई0	दिनकर
तन्त्रलोक से यन्त्रलोक तक	1962 ई0	डॉ. नगेन्द्र
हँसते निर्झर दहकती भट्टी	1982 ई0	विष्णु प्रभाकर
हँसती छाया दहकते निर्झर	1966 लगभग	निर्मल वर्मा
हंसती घाटी दहकते निर्झर	1966लगभग	निर्मल वर्मा

26. **निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम निर्धारित कीजिये-**

(A) भगवती चरण वर्मा, बच्चन, अज्ञेय, नरेन्द्र शर्मा
(B) अज्ञेय, नरेन्द्र शर्मा, बच्चन, भगवतीचरण वर्मा
(C) बच्चन, भगवतीचरण वर्मा, नरेन्द्र शर्मा, अज्ञेय
(D) नरेन्द्र शर्मा, अज्ञेय, बच्चन, भगवतीचरण वर्मा

उत्तर- (A)

रचनाकार	समय
भगवतीचरण वर्मा	1903-1981ई0
हरिवंश राय बच्चन	1907-2003ई0
अज्ञेय	1911-1987ई0
नरेन्द्र शर्मा	1913-1989ई0

27. **ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचनाकारों का सही क्रम लिखियेः**

(A) कुँवर नारायण, निर्मल वर्मा, दिनकर, अज्ञेय
(B) अज्ञेय, दिनकर, कुँवर नारायण, निर्मल वर्मा
(C) दिनकर, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कुँवर नारायण
(D) निर्मल वर्मा, कुँवर नारायण, अज्ञेय, दिनकर

उत्तर- (C)

पुरस्कृत लेखक	वर्ष	रचना
दिनकर	1972ई0	उर्वशी
अज्ञेय	1978ई0	कितनी नावों में कितनी बार
निर्मल वर्मा	1999ई0	सम्पूर्ण साहित्य
कुँवर नारायण	2005ई0	सम्पूर्ण साहित्य

28. **आदिकालीन रचनाओं का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) भरतेश्वर बाहुबली रास, स्थूलिभद्र रास, नेमिनाथ रास, संगीत रत्नाकर
(B) स्थूलिभद्र रास, नेमिनाथ रास, संगीत रत्नाकर, भरतेश्वर बाहुबली रास
(C) नेमिनाथ रास, स्थूलिभद्र रास, भरतेश्वर बाहुबली रास, संगीत रत्नाकर
(D) संगीत रत्नाकर, भरतेश्वर बाहुबली रास, नेमिनाथ, स्थूलिभद्र रास

उत्तर- (A)

रचना	समय	रचनाकार
भरतेश्वर बाहुबली रास	1184ई0	शालिभद्र सूरि
स्थूलिभद्र रास	1209ई0	जिनधर्म सूरि
नेमिनाथ रास	1213ई0	सुमति गणि
संगीत रत्नाकर	12वीं शती	शारंगदेव

29. **रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम लिखियेः**

(A) इन्द्रधनु रौंदे हुए थे, सीढ़ियों पर धूप, नए इलाकों में, वाजश्रवा के बहाने
(B) वाजश्रवा के बहाने, नए इलाके में, सीढ़ियों पर धूप, इंद्रधनु रौंदे हुये थे
(C) नए इलाकों में, सीढ़ियों पर धूप, इन्द्रधनु रौंदे हुये थे, वाजश्रवा के बहाने
(D) सीढ़ियों पर धूप, इंद्रधनु रौंदे हुये थे, वाजश्रवा के बहाने, नए इलाके में

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
इन्द्रधनु रौंदे हुये थे	1957ई0	अज्ञेय
सीढ़ियों पर धूप में	1959 ई0	रघुवीर सहाय
नए इलाके में	1996 ई0	अरूण कमल
वाजश्रवा के बहाने	2008 ई0	कुँवर नारायण

30. **काव्य-लक्षण और उनके प्रतिष्ठापकों का सुमेलन कीजियेः**

सूची - I	सूची - II
a. 'शब्दार्थौं सहितौ काव्यम्'	i. पण्डितराज जगन्नाथ
b. 'शरीरं तावदिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली।'	ii. विश्वनाथ
c. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम् ।'	iii. कुंतक
d. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम् ।'	iv. दण्डी
	v. भामह

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iv	v	iii	i
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर- (C)

काव्यलक्षण	प्रतिष्ठापक आचार्य
शब्दार्थो सहितौ काव्यम्'	भामह
शरीर........पदावली'	दण्डी
'रमणीयार्थ.......काव्यम्'	पण्डितराज जगन्नाथ
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'	विश्वनाथ
'वक्रोक्तिः काव्य जीवितम्'	कुंतक

31. निम्नलिखित को सुमेलित कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. अभिव्यंजनावाद	i. इलिएट
b. अंतश्चेतनावादी यथार्थवाद	ii. वर्ड्सवर्थ
c. स्वच्छंदतावाद	iii. क्रोचे
d. संप्रेषण	iv. रिचर्ड्स
	v. डी.एच.लारेन्स

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	v
(B)	v	ii	iii	iv
(C)	iv	i	v	ii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर- (D)

सिद्धान्त	प्रतिपादक
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे
अन्तश्चेतनावादी यथार्थवाद	डी.एच.लारेन्स
स्वच्छन्दतावाद	वर्ड्सवर्थ
संप्रेषण	रिचर्ड्स
निर्वैयक्तिकता	इलियट

32. निबन्धकार और कृतियों का सुमेलन कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. कुबेरनाथ राय	i. चिन्तामणि
b. हजारी प्रसाद द्विवेदी	ii. प्रिया नीलकंठी
c. विद्यानिवास मिश्र	iii. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
d. रामचन्द्र शुक्ल	iv. भीष्म को क्षमा नहीं किया
	v. साहित्य देवता

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	v
(B)	v	iv	iii	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर- (C)

निबन्ध	वर्ष	निबन्धकार
प्रिया नीलकंठी	1968	कुबेरनाथ राय
भीष्म को क्षमा नहीं किया	1970-75 के बीच	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	1974	विद्यानिवास मिश्र
चिन्तामणि	1949	रामचन्द्र शुक्ल
साहित्य देवता	1943	माखनलाल चतुर्वेदी

33. उपन्यास और उपन्यासकारों का सुमेलन कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. पुनर्नवा	i. यशपाल
b. कब तक पुकारूँ	ii. भगवतीचरण वर्मा
c. भूले बिसरे चित्र	iii. हजारी प्रसाद द्विवेदी
d. मनुष्य के रूप	iv. रांगेय राघव
	v. अमृतलाल नागर

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	ii
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iii	iv	ii	i
(D)	iv	v	iii	i

उत्तर- (C)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
पुनर्नवा	1973ई0	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कब तक पुकारूँ	1957ई0	रांगेय राघव
भूले बिसरे चित्र	1959ई0	भगवतीचरण वर्मा
मनुष्य के रूप	1949ई0	यशपाल
पीढ़ियाँ	1990ई0	अमृत लाल नागर

34. पत्रिकाओं तथा उनके संपादकों का सुमेलन कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. वागर्थ	i. कमला प्रसाद
b. नया ज्ञानोदय	ii. प्रयाग शुक्ल
c. वसुधा	iii. रवीन्द्र कालिया
d. रंग प्रसंग	iv. अखिलेश
	v. विजय बहादुर सिंह

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	iii
(B)	v	iii	i	ii
(C)	ii	i	iv	v
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर- (B)

पत्रिका	सम्पादक
वागर्थ	विजय बहादुर सिंह
नया ज्ञानोदय	रवीन्द्र कालिया
वसुधा	कमला प्रसाद
रंग प्रसंग	प्रयाग शुक्ल
तद्भव	अखिलेश

35. कहानीकार और उनकी कहानियों का सुमेलन कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. उषा प्रियंवदा	i. सिक्का बदल गया
b. मन्नू भण्डारी	ii. परिन्दे
c. कृष्णा सोबती	iii. वापसी
d. निर्मल वर्मा	iv. आर्द्रा
	v. अकेली

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	v	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	i	iii	ii

उत्तर- (A)

कहानीकार	कहानी
उषा प्रियंवदा	वापसी
मन्नू भण्डारी	अकेली
कृष्णा सोबती	सिक्का बदल गया
निर्मल वर्मा	परिन्दे
मोहन राकेश	आर्द्रा

36. पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. जिधर अन्याय, है उधर शक्ति	i. नागार्जुन
b. नारी तुम केवल श्रद्धा हो	ii. दिनकर
c. बहुत दिनों तक चक्की रोई, चूल्हा रहा उदास	iii. निराला
d. सिंहासन खाली करो कि जनता आती है	iv. पंत
	v. प्रसाद

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	v	i	ii
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर- (C)

पंक्ति	कविता	कवि
'जिधर.....शक्ति'	राम की शक्तिपूजा	निराला
'नारी......श्रद्धा हो'	कामायनी	प्रसाद
'बहुत......उदास'	अकाल और उसके बाद	नागार्जुन
'सिंहासन....आती है'	दिल्ली	दिनकर
प्रथम रश्मि का आना रंगिणि !तूने कैसे पहचाना?	वीणा	पंत

37. विधा को उसकी रचना के साथ कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. कविता	i. पहला गिरमिटिया
b. कहानी	ii. देहान्तर
c. उपन्यास	iii. अशोक के फूल
d. नाटक	iv. शहादतनामा
	v. अबूतर-कबूतर

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	i	iii	ii	v
(C)	iv	v	iii	i
(D)	ii	iii	v	iv

उत्तर- (A)

विधा	रचना	रचनाकार
कविता	अबूतर-कबूतर	उदय प्रकाश
कहानी	शहादत नामा	जितेन्द्र भाटिया
उपन्यास	पहला गिरमिटिया	गिरिराज किशोर
नाटक	देहान्तर	नन्द किशोर आचार्य
निबन्ध	अशोक के फूल	हजारी प्रसाद द्विवेदी

38. पात्रों को उसकी कृति के साथ सुमेलित कीजियेः

सूची - I	सूची - II
a. निउनिया	i. नदी के द्वीप
b. रायसाहब	ii. मैला आँचल
c. प्रशांत	iii. महाभोज
d. रेखा	iv. गोदान
	v. बाणभट्ट की आत्मकथा

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	ii	i
(C)	iv	ii	i	v
(D)	iii	iv	i	v

उत्तर- (B)

पात्र	कृति	कृतिकार
निउनिया	बाणभट्ट की आत्मकथा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
राय साहब	गोदान	प्रेमचन्द
प्रशान्त	मैला आँचल	रेणु
रेखा	नदी के द्वीप	अज्ञेय
बिसेसर	महाभोज	मन्नू भण्डारी

39. नाटक को उसके पात्रों के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची - I	सूची - II
a. चन्द्रगुप्त	i. विलोम
b. आषाढ़ का एक दिन	ii. ओक्काक
c. सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	iii. मेघराज आनन्द
d. देहान्तर	iv. सिंहरण
	v. पुरू

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	iv	i	ii	v
(C)	iii	iv	v	ii
(D)	ii	v	iv	iii

उत्तर- (B)

नाटक	पात्र	नाटककार
चन्द्रगुप्त	सिंहरण	प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन	विलोम	मोहन राकेश
सूर्य की ..... तक	ओक्काक	सुरेन्द्र वर्मा
देहान्तर	पुरू	नन्द किशोर आचार्य

40. स्थापना (Assertion) (A) : आन्तरिक संवेद्य-भावों की रसाग्रही अभिव्यक्ति कविता है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता लोकरंजन से जुड़ी हुई है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत, (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D) व्याख्या आन्तरिक संवेद्यों की रसात्मक अभिव्यक्ति कविता है। कविता लोकरंजन एवं लोकमंगल इत्यादि से जुड़ी हुई है। अतः (A) सही और (R) गलत है।

41. स्थापना (Assertion) (A) : दण्ड कोप का ही एक विधान है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि दण्ड में कोपशमन होता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत, (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या दण्ड, कोप (क्रोध, गुस्सा) का ही परिणाम होता है। जब व्यक्ति क्रोधित या गुस्से में होता है तो वह स्वयं या अन्य को दण्डित करता है जिससे उसका कोप शान्त होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

42. स्थापना (Assertion) (A) : श्रद्धा का मूलतत्त्व है दूसरे का महत्त्व स्वीकारना।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि स्वार्थियों और अभिमानियों के हृदय में श्रद्धा टिक सकती है।

(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही, (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जब हम दूसरे को अपने से श्रेष्ठ मानते हैं या उसका महत्त्व स्वीकार कर लेते हैं तब हम श्रद्धा में होते हैं। ऐसी स्थिति में स्वार्थी एवं अभिमानी व्यक्ति के हृदय में श्रद्धा का निवास नहीं हो सकता है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : सबसे मधुर या रसमयी वाग्धारा वही है जो करुण प्रसंग लेकर चले।
तर्क (Reason) (R) : कविता में करुण प्रसंग अनिवार्य है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) गलत, (R) सही
(D) (A) सही (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *करुणा, शील और सात्विकता का संस्थापक भाव है। करुणा प्रसंग रूपी वाग्धारा मधुर या रसमयी हो सकती है, लेकिन कविता के लिये करुणा ही अनिवार्य नहीं है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : प्रेमचन्द ने साहित्य में मनुष्य के स्वत्व का अन्वेषण किया है।
तर्क (Reason) (R) : प्रेमचन्द की रचनाएँ कल्पनाश्रित हैं।

(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत, (R) गलत
(D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *प्रेमचन्द के साहित्य में मनुष्यता की खोज की गयी है। प्रेमचन्द की रचनाएँ यथार्थाश्रित हैं। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : कबीर क्रान्तिवादी कवि हैं।
तर्क (Reason) (R) : वीर और ओज उनकी कविता के मुख्य स्वर हैं।

(A) (A) सही (R) सही
(B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को क्रान्तिकारी कवि स्वीकार किया है। कबीर की कविता का मुख्य स्वर अद्भुत, शान्त, प्रतीक योजना, रूपक विधान, यथार्थबोधता इत्यादि हैं। अतः (A) सही (R) गलत है।*

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कलियुग सब युगों से अच्छा है, क्योंकि इसमें मानस-पाप का कुछ फल नहीं होता, किन्तु मानस-पुण्य का पूरा फल मिलता है। राम का नाम राम से भी बड़ा है, भय की कोई जरूरत नहीं है। योग ने गृहस्थ को जरूरत से ज्यादा संशयालु बना दिया था, भक्ति ने पूरा आशावादी। एक ने मुक्ति को महँगा सौदा बता दिया, दूसरे ने बहुत सस्ता। योग में गलदश्रु भावुकता का कोई स्थान नहीं। जो भक्ति पद-पद पर भक्त को कंप, आवेग, जड़ता और रोमोद्गम की अवस्था ले आ देती है वह इस क्षेत्र में अपरिचित थी और यदि सचमुच ही भाग और विभाग कल्पित हैं, कल्प-विकल्प बेकार हैं, संसार मृग-मरीचिका है, परम तत्त्व विभाग और अविभाग से परे है, सूक्ष्म और स्थूल के अतीत है- यदि वे एक-रस है, समरस है तो फिर रोने से होता क्या है?

46. कलियुग सब युगों से अच्छा है?

(A) क्योंकि इसमें पाप और पुण्य समान हैं।
(B) इसमें मानस पाप का फल मिलता है।
(C) इसमें मानस पाप से मनुष्य दंडित नहीं होता है।
(D) इसमें मानस पुण्य का फल मिलता है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या *कलियुग सब युगों से इसलिये अच्छा है, क्योंकि इसमें मानस पाप का कोई फल नहीं होता किन्तु मानस पुण्य का पूरा फल मिलता है।*

47. भक्ति ने मुक्ति को क्यों सस्ता बना दिया है?

(A) भक्ति साधना कठिन नहीं है।
(B) भक्त की दृष्टि में मुक्ति का कोई महत्त्व नहीं है।
(C) भक्ति ईश्वरीय प्रेम के कारण सुलभ है।
(D) भक्ति में योग के समान कृच्छ साधना नहीं है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या *भक्ति ने मुक्ति को इसलिये सस्ता बना दिया है क्योंकि भक्त की दृष्टि में मुक्ति का कोई महत्त्व नहीं है वह इसके प्रति पूर्णतः आशावादी है कि भक्ति से मुक्ति मिलना ही है।*

48. योग में गलदश्रु भावुकता को क्यों स्थान नहीं है?

(A) योग साधना कठोर साधना है।
(B) योग में भावना को स्थान नहीं है।
(C) योग की पद्धति में ज्ञान की शुष्कता है।
(D) योग गृहस्थ के लिये दुष्कर है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या *योग में गलदश्रु भावुकता को इसलिये स्थान नहीं प्राप्त है क्योंकि योग में किसी भी प्रकार की भावुकता या भावना को स्थान नहीं दिया जाता है।*

49. योग और भक्ति ने गृहस्थ को किस रूप में प्रभावित किया है?

(A) गृहस्थ के लिये योग साधना कठिन है।
(B) भक्ति में सरसता है, योग में दुष्करता है।
(C) भक्ति एक सस्ता सौदा है, योग मँहगा।
(D) गृहस्थ के लिये भक्ति आकर्षक है, योग में दुष्करता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या *योग और भक्ति ने गृहस्थ को इस प्रकार से प्रभावित किया है कि भक्ति में सरसता है और योग में दुष्करता।*

50. परम तत्त्व क्या है?

(A) वह अखण्ड चैतन्य स्वरूप हैं।
(B) वह विभाग-अविभाग से परे है।
(C) वह गुणहीन-आकारहीन है।
(D) वह मायातीत है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या *परम तत्त्व विभाग और अविभाग से परे, सूक्ष्म और स्थूल के अतीत हैं।*

व्याख्यात्मक हल

DECEMBER : 2010

UGC NET/ J.R.F. EXAM

हिन्दी

प्रश्न-पत्र II

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. 'अब लौं नसानी, अब न नसैहौं' - किसकी उक्ति है?

(A) तुलसीदास (B) सूरदास (C) मीराबाई (D) कबीरदास

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
'अब लौं........नसैहौं।'	*तुलसीदास*
'मो सम कौन कुटिल खल कामी'	*सूरदास*
'मन रे परसि हरि के चरन'	*मीराबाई*
'हरि जननी मैं बालक तोरा'	*कबीरदास*

2. 'राउलवेल' किसकी रचना है?

(A) चन्द बरदाई (B) रोडा कवि

(C) दामोदर शर्मा (D) स्वयंभू

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकार
राउलवेल	*रोडा कवि*
पृथ्वीराज रासो	*चन्दबरदाई*
उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण	*दमोदर शर्मा*
परमचरिउ	*स्वयंभू*

3. इनमें से कौन-सी रचना अवधी भाषा की नहीं है?

(A) रामचरितमानस (B) पद्मावत

(C) विनयपत्रिका (D) चंदायन

उत्तर- (C)

रचना	भाषा	रचनाकार
रामचरितमानस	*अवधी*	*तुलसीदास*
पद्मावत	*ठेठ अवधी*	*जायसी*
विनय पत्रिका	*ब्रजभाषा*	*तुलसीदास*
चंदायन	*अवधी*	*मुल्ला दाऊद*

4. 'उद्धवशतक' - किसकी कृति है?

(A) सत्यनारायण कविरत्न (B) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(C) नाथूराम शर्मा शंकर (D) जगन्नाथदास रत्नाकर

उत्तर- (D)

रचना	रचनाकार
उद्धव शतक	*जगन्नाथदास रत्नाकर*
भ्रमरदूत	*सत्यनारायण कविरत्न*
कृषक-क्रंदन	*गया प्रसाद शुक्ल सनेही*
गर्भरंडा रहस्य	*नाथूराम शर्मा शंकर*

5. इनमें से कौन-सी रचना केशवदास की नहीं है?

(A) रामचन्द्रिका (B) कविप्रिया

(C) ललित ललाम (D) रसिकप्रिया

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'ललितललाम' मतिराम की रचना है। अन्य सभी केशवदास की रचनाएँ हैं।*

6. निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' की रचना का आधार-ग्रन्थ कौन-सा है?

(A) कम्ब रामायण (B) कृत्तिवास रामायण

(C) रामचरित मानस (D) रामचन्द्रिका

उत्तर- (B)/ व्याख्या *निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' (1936 ई0) पर 'कृत्तिवासी रामायण' या कृत्तिवास कृत 'बंगला रामायण' का प्रभाव है।*

7. 'आत्मजयी' - किसकी रचना है?

(A) कुँवर नारायण (B) दुष्यन्त कुमार

(C) धर्मवीर भारती (D) श्री नरेश मेहता

उत्तर- (A)/ व्याख्या **'आत्मजयी' (1965 ई0) कुँवरनारायण का प्रबन्धकाव्य है। यह 'कठोपनिषद्' के नचिकेता प्रसंग पर आधारित है। *सूर्य का स्वागत (1957)- दुष्यन्त कुमार, * आद्यान्त (1999)- धर्मवीर भारती, * चैत्या- नरेश मेहता की काव्य रचना है।*

8. इसमें नयी कहानी आन्दोलन के प्रारम्भकर्त्ताओं में से कौन नहीं है-

(A) कमलेश्वर (B) राजेन्द्र यादव

(C) ज्ञानरंजन (D) मोहन राकेश

उत्तर- (C)/ व्याख्या *1956-57 में 'नयी कहानी' आन्दोलन प्रारम्भ होता है, जिसके प्रमुख उन्नायकों में- कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव तथा मोहन राकेश आते हैं। ज्ञानरंजन मुख्यतः 'अ-कहानी' आन्दोलन से जुड़े रचनाकार हैं।*

9. 'मैं बोरिशाइल्ला' - किसकी रचना है?

(A) अनामिका (B) महुआ माझी

(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) चित्रा मुद्गल

उत्तर- (B)

रचना	वर्ष	रचनाकार
मैं बोरिशाइल्ला	*2006*	*महुआ माझी*
अवांतरकथा	*2000*	*अनामिका*
ललमनियाँ	*1996*	*मैत्रेयी पुष्पा*
जिनावर	*1996*	*चित्रा मुद्गल*

10. निम्नलिखित रचनाओं में से आत्मकथा कौन-सी नहीं है?

(A) मेरी आत्मकहानी (B) मेरी असफलताएँ

(C) मेरी जीवनयात्रा (D) माटी की मूरतें

उत्तर- (D)

रचना	विधा	रचनाकार
मेरी आत्म कहानी	*आत्मकथा*	*श्यामसुन्दर दास*
मेरी असफलताएँ	*आत्मकथा*	*बाबू गुलाबराय*
मेरी जीवन यात्रा	*आत्मकथा*	*राहुल सांकृत्यायन*
माटी की मूरतें	*रेखाचित्र*	*रामवृक्ष बेनीपुरी*

11. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसका निबन्ध है?

(A) विद्यानिवास मिश्र (B) कुबेरनाथ राय

(C) हरिशंकर परसाई (D) धर्मवीर भारती

उत्तर- (A)

निबन्ध	वर्ष	निबन्धकार
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	*1974ई0*	*विद्यानिवास मिश्र*
निषाद बाँसुरी	*1974ई0*	*कुबेर नाथ राय*
शिकायत मुझे भी है	*1970ई0*	*हरिशंकर परसाई*
शब्दिता	*1997ई0*	*धर्मवीर भारती*

12. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी समालोचक नहीं हैं?

(A) शिवदानसिंह चौहान (B) नंददुलारे बाजपेयी
(C) रामविलास शर्मा (D) नामवर सिंह

उत्तर- (B) व्याख्या *नन्द दुलारे बाजपेयी- छायावादी, प्रभाववादी, सौष्ठववादी इत्यादि प्रकार के आलोचक हैं। जबकि अन्य सभी मार्क्सवादी, प्रगतिवादी या प्रगतिशील आलोचक हैं।*

13. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक सुरेन्द्र वर्मा कृत नहीं हैं-

(A) छोटे सैयद, बड़े सैयद (B) द्रौपदी
(C) बादशाह गुलाम बेगम (D) सेतुबन्ध

उत्तर- (C) व्याख्या *'बादशाह गुलाम बेगम' (1979 ई0) गिरिराज किशोर का नाटक है, जबकि अन्य सभी सुरेन्द्र वर्मा के नाटक हैं।*

14. 'अरे यायावर रहेगा याद' किसके द्वारा रचित यात्रावृत्त है?

(A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) अज्ञेय
(C) राहुल सांकृत्यायन (D) यशपाल

उत्तर- (B)

यात्रा वृतान्त	वर्ष	लेखक
अरे यायावर रहेगा याद	1953	अज्ञेय
पैरों में पंख बाँधकर	1952	रामवृक्ष बेनीपुरी
किन्नर देश में	1948	राहुल सांकृत्यायन
लोहे की दीवार के दोनों ओर	1953	यशपाल

15. इनमें से कौन-सा महाकाव्य नहीं है-

(A) साकेत (B) कामायनी (C) महाप्रस्थान (D) प्रियप्रवास

उत्तर- (C)

रचना	विधा	रचयिता
साकेत	महाकाव्य	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	महाकाव्य	प्रसाद
प्रिय प्रवास	महाकाव्य	हरिऔध
महाप्रस्थान	प्रबन्धकाव्य	नरेश मेहता

16. 'काव्यशोभाकरान्धर्मानलंकारान्प्रचक्षते' - किसकी उक्ति है?

(A) दण्डी (B) भामह (C) रूद्रट (D) भरतमुनि

उत्तर- (A)

उक्ति	उक्तिकार
काव्य शोभा.........प्रचक्षते'	दण्डी
'ननु शब्दार्थो काव्यम्'	रूद्रट
'रसौ वै सः'	भरतमुनि
'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्'	भामह

17. 'संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) रूपक
(C) रूपकातिशयोक्ति (D) अन्योक्ति

उत्तर- (B) व्याख्या *जहाँ उपमेय का उपमान में भेद रहित आरोपण हो वहाँ रूपक अलंकार होता है। यहाँ पर ज्ञान रूपी आँधी अर्थात् ज्ञान ही आँधी है में अभेद है इसलिये रूपक अलंकार हुआ।*

18. साहित्यिक अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा था?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) शिवसिंह सेंगर (D) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर- (A) व्याख्या *सर्वप्रथम चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने 'उत्तर अपभ्रंश' को 'पुरानी हिन्दी' कहा बाद में शुक्ल ने साहित्यिक अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी कहा। ''सिद्धों की रचनाओं की भाषा देश मिश्रित अपभ्रंश या पुरानी हिन्दी की काव्य भाषा है, यह तो स्पष्ट है।'' - शुक्ल*

19. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है?

(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) अर्द्ध मागधी (D) पैशाची

उत्तर- (A)

अपभ्रंश	विकसित बोली
शौरसेनी	खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी (बंगारू), कन्नौजी, बुन्देली
मागधी	भोजपुरी, मगही, मैथिली
अर्द्धमागधी	अवधी, छत्तीसगढ़ी, बघेली
पैशाची	लंहदा, पंजाबी

20. डिंगल भाषा का सम्बन्ध किस साहित्य से है?

(A) हरियाणवी साहित्य (B) राजस्थानी साहित्य
(C) अवधी साहित्य (D) मैथिली साहित्य

उत्तर- (B) व्याख्या *डिंगल एवं पिंगल भाषा का सम्बन्ध राजस्थानी साहित्य से है।*

I. अपभ्रंश + राजस्थानी = डिंगल
II. अपभ्रंश + ब्रजभाषा = पिंगल

वीर रस की रचनाओं में डिंगल का तथा कोमलकान्त पदावली के लिये पिंगल का प्रयोग किया जाता था।

21. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिये-

(A) रामचन्द्रिका, रामचरितमानस, वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा
(B) रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा
(C) वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा, राचरितमानस, रामचन्द्रिका
(D) राम की शक्तिपूजा, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, वैदेही वनवास

उत्तर- (B)

रचना	कालक्रम	रचयिता
रामचरितमानस	1574 ई.	तुलसीदास
रामचन्द्रिका	1601 ई0	केशवदास
वैदेही वनवास	1940 ई0	हरिऔध
राम की शक्तिपूजा	1936 ई0	निराला

22. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित हिन्दी पत्रिकाओं का सही अनुक्रम बताइयेः

(A) सरस्वती, कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, नागरी प्रचारिणी पत्रिका
(B) हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, कविवचनसुधा, नागरी प्रचारिणी पत्रिका
(C) कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, नागरी प्रचारिणी पत्रिका,सरस्वती
(D) नागरी प्रचारिणी पत्रिका,सरस्वती,कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप

उत्तर- (C)

पत्रिका	प्र0काल	सम्पादक
कविवचन सुधा	1868 ई0	भारतेन्दु
हिन्दी प्रदीप	1877 ई0	बालकृष्ण भट्ट
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896 ई0	नागरी प्रचारिणी सभा
सरस्वती	1900 ई0	महावीर प्रसाद द्विवेदी

23. काल के अनुसार रचनाकारों का सही अनुक्रम बताइयेः

(A) लाला श्रीनिवास दास, प्रेमचन्द्र, अमृतलाल नागर, कमलेश्वर

(B) प्रेमचन्द्र, लाला श्रीनिवास दास, अमृतलाल नागर, कमलेश्वर
(C) अमृतलाल नागर, कमलेश्वर, लाला श्रीनिवास दास, प्रेमचन्द्र
(D) प्रेमचन्द्र, अमृतलाल नागर, लाला श्रीनिवास दास, कमलेश्वर

उत्तर- (A)

रचनाकार	कालक्रम
लाला श्रीनिवास दास	1851-1887 ई0
प्रेमचन्द	1880-1936 ई0
अमृत लाल नागर	1916-1990 ई0
कमलेश्वर	1932-2007 ई0

24. निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम बताइयेः
(A) प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी
(B) निराला, प्रसाद, महादेवी, पंत
(C) प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी
(D) पंत, प्रसाद, निराला, महादेवी

उत्तर- (C)

रचनाकार	कालक्रम
प्रसाद	1890-1937 ई0
निराला	1899-1962 ई0
पंत	1900-1970 ई0
महादेवी	1907-1987 ई0

25. युग की दृष्टि से रचनाकारों का सही अनुक्रम बताइये-
(A) हरिऔध, मीराबाई, चन्दबरदाई, सेनापति।
(B) चन्दबरदाई, हरिऔध, मीराबाई, सेनापति।
(C) मीराबाई, चन्दबरदाई, सेनापति, हरिऔध।
(D) चन्दबरदाई, मीराबाई, सेनापति, हरिऔध।

उत्तर- (D)

रचनाकार	युग	समय
चन्दबरदाई	आदिकाल	1168 ई०
मीराबाई	भक्तिकाल	1576 ई०
सेनापति	रीतिकाल	1589 ई०
हरिऔध	आधुनिक काल	1865 ई०

26. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) चन्द्रगुप्त, अंधेर नगरी, आषाढ़ का एक दिन, आठवाँ सर्ग
(B) अंधेर नगरी, आषाढ़ का एक दिन, चन्द्रगुप्त, आठवाँ सर्ग
(C) अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, आषाढ़ का एक दिन, आठवाँ सर्ग
(D) आषाढ़ का एक दिन, अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, आठवाँ सर्ग

उत्तर- (C)

नाटक	कालक्रम	नाटककार
अन्धेर नगरी	1881 ई0	भारतेन्दु
चन्द्रगुप्त	1931 ई0	प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन	1958 ई0	मोहन राकेश
आठवाँ सर्ग	1976 ई0	सुरेन्द्र वर्मा

27. निम्नलिखित उपन्यासों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखियेः
(A) टेढ़े मेढ़े रास्ते, गोदान, राग दरबारी, मैला आँचल
(B) गोदान, टेढ़े मेढ़े रास्ते, मैला आँचल, राग दरबारी
(C) गोदान, मैला आँचल, टेढ़े मेढ़े रास्ते, राग दरबारी
(D) मैला आँचल, टेढ़े मेढ़े रास्ते, गोदान, राग दरबारी

उत्तर- (B)

उपन्यास	कालक्रम	उपन्यासकार
गोदान	1936 ई0	प्रेमचन्द
टेढ़े-मेढ़े रास्ते	1946 ई0	भगवतीचरण वर्मा
मैला आँचल	1954 ई0	रेणु
रागदरबारी	1968 ई0	श्रीलाल शुक्ल

28. निम्नलिखित कहानियों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिये-
(A) उसने कहा था, वापसी, तिरिछ, कफन।
(B) तिरिछ, कफन, वापसी, उसने कहा था।
(C) कफन, वापसी, उसने कहा था, तिरिछ।
(D) उसने कहा था, कफन, वापसी, तिरिछ।

उत्तर- (D)

कहानी	कालक्रम	कहानीकार
उसने कहा था	1915 ई0	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
कफन	1936 ई0	प्रेमचन्द
वापसी	1960 ई0	उषा प्रियंवदा
तिरिछ	1989 ई0	उदय प्रकाश

29. निम्नलिखित साहित्येतिहासकारों का सही अनुक्रम लिखियेः
(A) गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, शिव सिंह सेंगर।
(B) गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, शिव सिंह सेंगर, हजारी प्रसाद द्विवेदी।
(C) गार्सा द तासी, शिव सिंह सेंगर, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी।
(D) शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी।

उत्तर- (C)

साहित्यकार	ग्रन्थ	वर्ष
गार्सा द तासी	इस्त्वार द ला लितरेत्यु ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी	1839 ई0
शिव सिंह सेंगर	शिव सिंह सरोज	1883 ई0
रामचन्द्र शुक्ल	हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई0
हजारी प्रसाद द्विवेदी	हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई0

30. निम्नलिखित आचार्यों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिये-
(A) पंडितराज जगन्नाथ, कुन्तक, भामह, रूप गोस्वामी।
(B) भामह, कुन्तक, रूप गोस्वामी, पंडितराज जगन्नाथ।
(C) कुन्तक, भामह, पंडितराज जगन्नाथ, रूप गोस्वामी।
(D) रूप गोस्वामी, कुन्तक, भामह, पंडितराज जगन्नाथ।

उत्तर- (B)

आचार्य	कालक्रम	रचना
भामह	छठी शती	काव्यालंकार
कुन्तक	10-11वीं शती	वक्रोतिजीवितम्
रूपगोस्वामी	15-16वीं शती	उज्ज्वल नीलमणि
पंडितराज जगन्नाथ	17वीं शती	रस गंगाधर

31. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. आलोचना	i. सुधीश पचौरी
b. तद्भव	ii. अरुण कमल
c. हंस	iii. अखिलेश
d. वाक्	iv. राजेन्द्र यादव
	v. नमिता सिंह

कोड :

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	i
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर- (A)

पत्रिका	सम्पादक
आलोचना	अरुण कमल
तद्भव	अखिलेश
हंस	राजेन्द्र यादव
वाक्	सुधीश पचौरी
वर्तमान-साहित्य	नमिता सिंह

32. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	कितने पाकिस्तान	i.	शिवप्रसाद सिंह
b.	तमस	ii.	कमलेश्वर
c.	मृगनयनी	iii.	वृन्दावनलाल वर्मा
d.	नीला चाँद	iv.	भीष्म साहनी
		v.	मन्नू भण्डारी

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	v	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर- (C)

रचना	वर्ष	रचनाकार
कितने पाकिस्तान	2000 ई0	कमलेश्वर
तमस	1973 ई0	भीष्म साहनी
मृगनयनी	1950 ई0	वृन्दावन लाल वर्मा
नीला चाँद	1988 ई0	शिव प्रसाद सिंह
आपका बंटी	1971 ई0	मन्नू भण्डारी

33. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	उषा प्रियंवदा	i.	ताई
b.	अमरकांत	ii.	वापसी
c.	मोहन राकेश	iii.	दोपहर का भोजन
d.	विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक	iv.	परमात्मा का कुत्ता
		v.	जिन्दगी और जोंक

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	iv
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	i	v	iv
(D)	v	iii	ii	iv

उत्तर- (B)

कहानीकार	कहानी
उषा प्रियंवदा	वापसी
अमरकान्त	दोपहर का भोजन
मोहन राकेश	परमात्मा का कुत्ता
कौशिक	ताई
अमरकान्त	ज़िंदगी और जोंक

34. निम्नलिखित नाटकों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I		सूची - II	
a.	रक्षाबन्धन	i.	लक्ष्मीनारायण लाल
b.	अंधा कुआँ	ii.	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
c.	बकरी	iii.	हरिकृष्ण प्रेमी
d.	कोर्ट मार्शल	iv.	स्वदेश दीपक
		v.	सुरेन्द्र वर्मा

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	iv
(B)	v	iii	ii	i
(C)	i	v	ii	iv
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर- (A)

नाटक	वर्ष	नाटककार
रक्षाबन्धन	1934	हरिकृष्ण प्रेमी
अंधा कुँआ	1955	लक्ष्मी नारायण लाल
बकरी	1974	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
कोर्ट मार्शल	1991	स्वदेश दीपक
सेतुबंध	1972 ई0	सुरेन्द्र वर्मा

35. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. साईं के सब जीव हैं कीरी कुंजर दोय	i. विद्यापति
b. देसिल बयना सबजन मिट्ठा	ii. कबीर
c. भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त	iii. पद्माकर
d. नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी	iv. केशव
	v. बिहारी

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	v	ii	iii	iv
(C)	i	ii	v	iv
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
'साईं के............दोय'	कबीर
'देसिल...........मिट्ठा'	विद्यापति
'भूषन बिनु........मित्त'	केशवदास
'नैन...........होरी'	पद्माकर
'बरतस लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ'	बिहारी

36. निम्नलिखित कृतियों को उनके कृतिकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I		सूची - II	
a.	संसद से सड़क तक	i.	केदारनाथ अग्रवाल
b.	फूल नहीं रंग बोलते हैं	ii.	दुष्यन्त कुमार
c.	युगधारा	iii.	धूमिल
d.	साए में धूप	iv.	नागार्जुन
		v.	शमशेर बहादुर सिंह

कोड :

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	v	iv	iii	i

उत्तर- (B)

कृतियाँ	कृतिकार
संसद से सड़क तक	धूमिल
फूल नहीं रंग बोलते हैं	केदारनाथ अग्रवाल
युगधारा	नागार्जुन
साए में धूप	दुष्यन्त कुमार
दोआब	शमशेर बहादुर सिंह

37. निम्नलिखित उक्तियों को उनके ग्रन्थकारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. सौन्दर्यमलंकारः	i. विश्वनाथ
b. वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	ii. वामन
c. वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागार्थाप्रतिपत्तये।	iii. पंडितराज जगन्नाथ
d. रमणीयार्थ प्रतिपादक शब्दः काव्यम्	iv. कालीदास
	v. मम्मट

कोड :

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	i	ii	v	iv

उत्तर- (A)

उक्ति	उक्तिकार
सौन्दर्यमलंकारः	वामन
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
वागार्थाविव.....प्रतिपत्तये	कालिदास
रमणीयार्थ.....काव्यम्	जगन्नाथ
तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि	मम्मट

38. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. ध्वन्यालोक	i. मम्मट
b. काव्यालंकार	ii. हेमचन्द्र
c. काव्यप्रकाश	iii. आनन्दवर्धन
d. काव्यानुशासन	iv. भामह
	v. विश्वनाथ

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iv	v	iii	ii
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	v	iii	ii	i

उत्तर- (C)

ग्रन्थ	आचार्य
ध्वन्यालोक	आनन्दवर्धन
काव्यालंकार	भामह
काव्य प्रकाश	मम्मट
काव्यानुशासन	हेमचन्द्र
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

39. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची- I	सूची - II
a. एस्से इन क्रिटिसिज्म	i. कॉलरिज
b. बायोग्राफिया लिटरेरिया	ii. मैथ्यू आर्नल्ड
c. एस्थेटिक्स	iii. आई.ए.रिचर्ड्स
d. प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	iv. क्रोचे
	v. टी.एस.इलियट

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iv	v	iii	i
(B)	i	v	iii	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर- (C)

ग्रन्थ	लेखक
एस्से इन क्रिटिसिज्म	मैथ्यू अर्नाल्ड
बायोग्राफिया लिटरेरिया	कॉलरिज
एस्थेटिक्स	क्रोचे
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	आई.ए.रिचर्ड्स
दि सेक्रेड वुड	टी.एस.इलियट

40. निम्नलिखित अंशों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. जो घनीभूत पीड़ा थी।	i. अज्ञेय
b. हेर प्यारे को सेज पास, नम्रमुख हँसी-खिली।	ii. प्रसाद
c. हम नहीं कहते कि हमे को छोड़कर स्रोतस्विनी बह जाय।	iii. निराला
d. जी हाँ हजूर, मैं गीत बेचता हूँ।	iv. बच्चन
	v. भवानी प्रसाद मिश्र

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
जो घनीभूत पीड़ा थी	प्रसाद
हेर प्यारे......हँसी-खिली	निराला
हम नहीं........बह जाय	अज्ञेय
जी हाँ........बेचता हूँ	भवानी प्रसाद मिश्र
'वह मादकता ही क्या जिसमें बाकी रह जाये जग का भय'	हरिवंश राय बच्चन

निर्देशः (प्रश्न 41 से 45): दी गयी स्थापनाओं (Assertion) और तर्को (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

41. **स्थापना (A) : चेतना अनुभूति का सघनता तथा चिन्तन से समन्वित आधार पर स्वरूप ग्रहण करती है।**

तर्क (R) : क्योंकि अनुभूति का सम्बन्ध हृदय में संवेदनशीलता से है और चिन्तन का सम्बन्ध बुद्धि से है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत, (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *अनुभूति का सम्बन्ध संवेदनशीलता से एवं चिन्तन का सम्बन्ध बुद्धि से है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

42. **स्थापना (A) : समाज का आत्यंतिक कल्याण शुभ बुद्धि द्वारा चालित दृढ़ संकल्प में है।**

तर्क (R) : क्योंकि यह संकल्पशक्ति मनुष्य से असाध्य साधन नहीं कराती है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *शुभ बुद्धि के दृढ़संकल्प द्वारा किये गये कार्यों से समाज का आत्यंतिक कल्याण होता है। संकल्पशक्ति मनुष्य से असाध्य साधन भी कराती है। अतः (A) सही (R) गलत है।*

43. स्थापना (A) : वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती जैसे मन की प्रसन्नता कभी कोई उधार नहीं ले सकता।
तर्क (R) : क्योंकि वीरता का सम्बन्ध मनोबल से है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *वीरता उसी के पास होती है जिसके पास प्रबल मनोबल एवं साहस हो। बिना मनोबल के यह अनुसरण से नहीं प्राप्त होती है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

44. स्थापना (A) : मानव जीवन की पूर्णता के लिये कर्म, ज्ञान और उपासना तीनों के मेल की आवश्यकता है।
तर्क (R) : क्योंकि मनुष्य जीवन की पूर्णता में उपासना स्थान सबसे महत्वपूर्ण है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *मानव जीवन की पूर्णता कर्म, ज्ञान एवं उपासना के समन्वय एवं सन्तुलन में है। न कि किसी की अधिकता एवं कमी में। अतः (A) सही (R) गलत है।*

45. स्थापना (A) : श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है।
तर्क (R) : क्योंकि श्रद्धा में दृष्टि पहले कर्मों पर से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *कर्मों के माध्यम से व्यक्ति की महत्ता स्वीकार करना श्रद्धा है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देशः (प्रश्न 46 से 50 तक): निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें:

जिन कर्मो में किसी प्रकार का कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है उन सबके प्रति उत्कंठापूर्ण आनन्द उत्साह के अन्तर्गत लिया जाता है। कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि भेद किये हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्धवीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा या मृत्यु की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यन्त प्राचीन काल से पड़ता चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं। पर केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता। उसके साथ आनन्दपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा का योग चाहिये।

46. उत्साह के भेद किस आधार पर किये गये है?
(A) दुर्बलता के आधार पर
(B) उत्साह के आधार पर
(C) कष्ट या हानि के भेद के आधार पर
(D) पीड़ा या आघात के आधार पर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *उत्साह के भेद कष्ट या हानि के भेद के आधार पर किये गये हैं। युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि उत्साह के भेद हैं।*

47. उत्कंठापूर्ण आनन्द किसके अन्तर्गत किया जाता है?
(A) वीरता के अन्तर्गत (B) उत्साह के अन्तर्गत
(C) युद्ध के अन्तर्गत (D) दान के अन्तर्गत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *उत्कंठापूर्ण आनन्द उत्साह के अन्तर्गत किया जाता है।*

48. साहित्य मीमांसकों ने वीरता के कौन-कौन से भेद किये हैं?
(A) युद्धवीर, दानवीर और दयावीर
(B) कर्मवीर और धर्मवीर
(C) शूरवीर और परिश्रमी
(D) अध्वसायी और ईमानदार।

उत्तर- (A)/ व्याख्या *साहित्य-मीमांसकों ने वीरता के युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि भेद किये हैं।*

49. सबसे प्राचीन वीरता कौन-सी है?
(A) दानवीरता (B) दयावीरता
(C) वाक्वीरता (D) युद्धवीरता

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सबसे प्रधान और प्राचीन 'युद्धवीरता' है। इसमें आघात, पीड़ा या मृत्यु की परवाह नहीं रहती है।*

50. युद्धवीरता के लिये किस प्रकार की प्रवृत्ति अपेक्षित है?
(A) चंचलता और अस्थिरता
(B) चतुराई और भीरूता
(C) साहस,प्रयत्न और कष्ट सहने का धीरज
(D) दृष्टता और धृष्टता

उत्तर- (C)/ व्याख्या *युद्धवीरता के लिये साहस, प्रयत्न और कष्ट सहने का धीरज होना चाहिये।*

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. अष्टछाप के कवियों में प्रथम नियुक्त कीर्तनकार कवि कौन थे?

(A) नन्ददास (B) कृष्णदास (C) सूरदास (D) कुम्भनदास

उत्तर- (D) व्याख्या *अष्टछाप की स्थापना गोस्वामी विट्ठलनाथ ने 1565 ई0 में की थी इसमें आठ कवि संकलित हैं। अष्टछाप के प्रथम कवि कुम्भनदास हैं।*

2. जायसीकृत 'पद्मावत' है

(A) पुराणकाव्य (B) धर्मकाव्य (C) रूपक काव्य (D) चम्पूकाव्य

उत्तर- (C) व्याख्या *जायसी कृत 'पद्मावत' (1540 ई0) उच्च कोटि का प्रबन्धकाव्य है। डॉ0 नगेन्द्र ने इसे प्रतीकात्मक या रूपक काव्य कहा है। इसे समासोक्ति काव्य भी कहा जाता है।*

3. 'बसो मेरे नैनन में नन्दलाल'- किसकी पंक्ति है?

(A) सूरदास (B) नन्ददास
(C) मीराबाई (D) कृष्णदास

उत्तर- (C)

पंक्ति	कवि
'बसो मेरे नैनन में नन्द लाल'	*मीराबाई*
'जाति पांति हमते कछु नाहिं'	*सूरदास*
'सोचत ही मन में रह्यों कब पाऊँ इक ठाऊँ'	*नन्ददास*
'मो मन गिरिधर छवि पै अटक्यो'	*कृष्णदास*

4. अमिय हलाहल मदभरे श्वेत श्याम रतनार। जियत मरत झुकि झुकि परत जेहि चितवत एक बार। किसकी पंक्तियाँ हैं?

(A) बिहारी (B) रसलीन (C) केशवदास (D) घनानन्द

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
'अमिय.......एक बार'	*रसलीन*
'देखे मुख भावै, अनदेखेई कमल चंद'	*केशवदास*
'सघन कुंज छाया सुखद, शीतल मंद सम्मीर'	*बिहारी*
'सलोने श्याम प्यारे क्यों न आवौ'	*घनानन्द*

5. 'बरवै रामायण' किसकी रचना है?

(A) सूरदास (B) तुलसीदास (C) नन्ददास (D) केशवदास

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकार
बरवै रामायण	*तुलसीदास*
साहित्य लहरी	*सूरदास*
रासपंचाध्यायी	*नन्ददास*
विज्ञानगीता	*केशवदास*

6. भरतमुनि के रससूत्र में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है?

(A) स्थायीभाव (B) विभाव
(C) अनुभाव (D) व्यभिचारी भाव

उत्तर- (A) व्याख्या *''विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगात् रसनिष्पत्तिः'' भरतमुनि का रस सूत्र है। इसमें स्थायी भाव का उल्लेख नहीं किया गया है।*

7. 'साधारणीकरण' संकल्पना के उद्‌गाता कौन हैं?

(A) कुंतक (B) वामन
(C) भट्टनायक (D) अभिनव गुप्त

उत्तर- (C) व्याख्या *पाठक, श्रोता या दर्शक में पाठ, दृश्य इत्यादि की रसानुभूति होना ही साधारणीकरण है। साधारणीकरण के प्रतिष्ठापक भट्टनायक हैं।*

8. शब्द की द्वयर्थी योजना से कौन-सा अलंकार होता है?

(A) अनुप्रास (B) वक्रोक्ति (C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा

उत्तर- (B) व्याख्या *शब्द की द्वयर्थी योजना या एक शब्द के कई अर्थ होने पर श्लेष अलंकार होता है। श्लेष का अर्थ है चिपका हुआ अर्थात् एक शब्द में कई अर्थ चिपके होते हैं। जैसे- 'पानि गए नहिं ऊबरे मोती, मानुष, चून।' इनमें दो से अधिक अर्थ भी होते हैं, जबकि वक्रोक्ति में शब्द के दो अर्थ होते हैं।*

9. निम्नलिखित में से कौन द्रविड़ परिवार की भाषा है?

(A) उड़िया (B) बंगला (C) असमिया (D) कन्नड़

उत्तर- (D) व्याख्या *उड़िया, बंगला, असमिया-भारोपीय परिवार की तथा कन्नड़-द्रविड़ परिवार की भाषा है।*

10. किस क्षेत्र की बोली को 'काशिका' कहा गया है?

(A) बैसवाड़ा (B) आरा-भोजपुर
(C) बनारस (D) मगध

उत्तर- (C) व्याख्या *बनारस की क्षेत्रीय बोली को 'काशिका' कहा जाता है। अवध की क्षेत्रीय बोली को 'बैसवाड़ा' कहा जाता है।*

11. 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के सम्पादक कौन हैं?

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) लाला श्रीनिवास दास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) राधाचरण गोस्वामी

उत्तर- (C)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
हिन्दी प्रदीप	*1877 ई0*	*बालकृष्ण भट्ट*
बालबोधिनी	*1874 ई0*	*भारतेन्दु*
सदादर्श	*1874 ई0*	*लाला श्रीनिवास दास*
भारतेन्दु	*1883 ई0*	*राधा चरण गोस्वामी*

12. 'तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब' -किसकी पंक्ति है?

(A) निराला (B) रघुवीर सहाय
(C) नागार्जुन (D) मुक्तिबोध

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
'तोड़ने ही........गढ़ सब'	*मुक्तिबोध*
'राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत भाग्य विधाता है'	*रघुवीर सहाय*
'जन-जन में जो ऊर्जा भर दे'	*नागार्जुन*
जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, झींगुर डटकर बोला'	*निराला*

13. 'आवारा मसीहा' किसकी रचना है?

(A) विष्णु प्रभाकर (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) हरिवंशराय बच्चन (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ 'आवारा मसीहा' (1974) विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित शतरचन्द्र चटोपाध्याय की जीवनी है। इसके तीन खण्ड हैं- दिशाहारा', 'दिशा की खोज' और 'दिशान्त'।

14. पशु-पक्षियों पर लिखित महादेवी वर्मा का रेखाचित्र संकलन है
(A) पथ के साथी (B) मेरा परिवार
(C) स्मृति की रेखाएँ (D) अतीत के चलचित्र

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ 'मेरा परिवार' (1972ई0) महादेवी वर्मा का रेखाचित्र है। जिसमें नीलकण्ठ (मोर), गिल्लू (गिलहरी), सोना (हिरनी), दुर्मुख (खरगोश), गौरा (गाय), नीलू (कुत्ता), निक्को (नेवला), रोजी (कुतिया), रानी (घोड़ी) इत्यादि पशु-पक्षियों का चित्रण किया गया है।

15. रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनात्मक कृति कौन-सी है?
(A) रससिद्धान्तः स्वरूप विश्लेषण (B) काव्यमीमांसा
(C) रसमीमांसा (D) वाङ्मय विमर्श

उत्तर- (C)/

आलोचना	आलोचनाकार
रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
रस सिद्धान्त : स्वरूप एवं विश्लेषण	डॉ.आनन्द प्रकाश दीक्षित
काव्यमीमांसा	राजशेखर
वाङ्मय विमर्श	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

16. मनोविश्लेषणात्मक शैली के उपन्यासकार हैं
(A) प्रेमचन्द (B) रांगेय राघव
(C) इलाचन्द्र जोशी (D) वृन्दावनलाल वर्मा

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय, जैनेन्द्र, डॉ0 देवराज इत्यादि मनोविश्लेषणात्मक शैली के उपन्यासकार हैं।

17. 'निउनिया' किस उपन्यास की पात्र है?
(A) अनामदास का पोथा (B) चारूचन्द्रलेख
(C) पुनर्नवा (D) बाणभट्ट की आत्मकथा

उत्तर- (D)/ व्याख्या/

उपन्यास	पात्र
अनामदास का पोथा	रैक्व
चारुचन्द्रलेख	सातवाहन
पुनर्नवा	गोपाल आर्यक
बाणभट्ट की आत्मकथा	निउनिया

नोट - 'निर्गुनियाँ' अमृतलाल नागर के उपन्यास 'नाच्यो बहुत गोपाल' की पात्र है।

18. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति किससे हुई है?
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी (C) पैशाची (D) कैथी

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ ब्राह्मी से गुप्त लिपि, गुप्तलिपि से कुटिल लिपि और कुटिल लिपि से देवनागरी लिपि की उत्पत्ति मानी जाती है।

19. 'ठेले पर हिमालय' किस विधा की रचना है?
(A) उपन्यास (B) कहानी (C) यात्रा-वृत्त (D) निबन्ध

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ 'ठेले पर हिमालय' (1958ई0) धर्मवीर भारती का निबन्ध है।

20. 'वन्दे वाणी विनायकौ' निबन्ध संकलन के रचयिता कौन हैं?
(A) विद्यानिवास मिश्र (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) गुलाबराय (D) प्रतापनारायण मिश्र

उत्तर- (B)/

निबन्ध	निबन्धकार
वन्देवाणी विनायकौ	रामवृक्ष बेनीपुरी
हल्दी दूब	विद्यानिवास मिश्र
मेरी दैनिकी का एक पृष्ठ	गुलाबराय
समझदार की मौत	प्रताप नारायण मिश्र

21. कालक्रम की दृष्टि से प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) सेवासदन, कर्मभूमि, रंगभूमि, गोदान
(B) कर्मभूमि, गोदान, सेवासदन, रंगभूमि
(C) गोदान, कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन
(D) रंगभूमि, कर्मभूमि, गोदान, सेवासदन

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ कालक्रम के अनुसार प्रेमचन्द के उपन्यासों का अवरोही क्रम- गोदान (1936), कर्मभूमि (1932), रंगभूमि (1925), सेवा सदन (1918ई0) है।

22. कालखण्ड की दृष्टि से कहानियों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) उसने कहा था, रानी केतकी की कहानी, तिरिछ, शरणागत
(B) रानी केतकी की कहानी, उसने कहा था, शरणागत, तिरिछ
(C) शरणागत, रानी केतकी की कहानी, उसने कहा था, तिरिछ
(D) तिरिछ, उसने कहा था, रानी केतकी की कहानी, शरणागत

उत्तर- (B)/

कहानी	वर्ष	कहानीकार
रानी केतकी की कहानी	1808	इंशा अल्ला खाँ
उसने कहा था	1913	गुलेरी
शरणागत	1912	वृंदावनलाल वर्मा
तिरिछ	1989	उदय प्रकाश

23. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) अंधायुग, शारदीया, कोर्ट मार्शल, मादा कैक्टस
(B) शारदीया, अंधायुग, मादा कैक्टस, कोर्ट मार्शल
(C) मादा कैक्टस, कोर्ट मार्शल, शारदीया, अंधायुग
(D) कोर्ट मार्शल, अंधायुग, मादा कैक्टस, शारदीया

उत्तर- (A)/

नाटक	वर्ष	नाटककार
अंधायुग	1955	धर्मवीर भारती
शारदीया	1959	जगदीश चन्द्र माथुर
कोर्ट मार्शल	1991	स्वदेश दीपक
मादा कैक्टस	1959	लक्ष्मी नारायण लाल

24. हजारी प्रसाद द्विवेदी के आलोचनात्मक ग्रंथों का सही अनुक्रम है
(A) कबीर, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य की भूमिका, सूरसाहित्य
(B) सूरसाहित्य, हिन्दी साहित्य की भूमिका, कबीर, हिन्दी साहित्य
(C) हिन्दी साहित्य, कबीर, हिन्दी साहित्य की भूमिका, सूरसाहित्य
(D) हिन्दी साहित्य की भूमिका, सूरसाहित्य,हिन्दी साहित्य, कबीर

उत्तर- (B)/

ग्रन्थ	समय
सूर साहित्य	1938 ई0
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई0
कबीर	1942 ई0
हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास	1953 ई0

25. प्रकाशनकाल के अनुसार रेखाचित्रों का सही अनुक्रम बताइये
(A) माटी की मूरतें, अमिट रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ
(B) कुछ शब्द कुछ रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, माटी की मूरतें,

अमिट रेखाएँ
(C) अतीत के चलचित्र, माटी की मूरतें, अमिट रेखाएँ, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ
(D) अतीत के चलचित्र, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ, अमिट रेखाएँ, माटी की मूरतें

उत्तर- (C)

रेखाचित्र	प्र० वर्ष	लेखक
अतीत के चलचित्र	1941ई0	महादेवी वर्मा
माटी की मूरतें	1946ई0	रामवृक्ष बेनीपुरी
अमिट रेखाएँ	1951 ई0	सत्यवती मल्लिक
कुछ शब्द कुछ रेखाएँ	1965 ई0	विष्णु प्रभाकर

26. रचनाकाल के अनुसार पत्रिकाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-
(A) हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, भारतेन्दु, सदादर्श
(B) सदादर्श, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, भारतेन्दु
(C) भारतेन्दु, ब्राह्मण, हिन्दी प्रदीप, सदादर्श
(D) ब्राह्मण, भारतेन्दु, हिन्दी प्रदीप, सदादर्श

उत्तर- (B)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
सदादर्श	1874	श्रीनिवास दास
हिन्दी प्रदीप	1877	बालकृष्ण भट्ट
ब्राह्मण	1883	प्रताप नारायण मिश्र
भारतेन्दु	1883	राधा चरण गोस्वामी

27. निराला की रचनाओं का सही अनुक्रम है
(A) अनामिका, परमिल, गीतिका, कुकुरमुत्ता
(B) कुकुरमुत्ता, गीतिका, परमिल, अनामिका
(C) परिमल, गीतिका, कुकुरमुत्ता, अनामिका
(D) गीतिका, कुकुरमुत्ता, अनामिका, परमिल

उत्तर- (A) व्याख्या *निराला की रचनाओं का सही अनुक्रम- अनामिका (1923ई0), परमिल (1930), गीतिका (1936) और कुकुरमुत्ता (1942 ई0) है।*

28. 'कामायनी' के सर्गो का सही अनुक्रम है
(A) चिंता, काम, आशा, श्रद्धा (B) श्रद्धा, आशा, चिंता, काम
(C) चिंता, आशा, श्रद्धा, काम (D) आशा, काम, श्रद्धा, चिन्ता

उत्तर- (C) व्याख्या *जयशंकर प्रसाद कृत 'कामायनी' (1936) में कुल 15 सर्ग हैं, जिनका क्रम इस प्रकार है- चिन्ता, आशा, श्रद्धा, काम, वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य, आनन्द।*

29. रचनाकाल के अनुसार लंबी कविताओं का सही अनुक्रम लिखिये
(A) असाध्य वीणा, पटकथा, कन्हार, प्रलय की छाया
(B) पटकथा, असाध्य वीणा, प्रलय की छाया, कन्हार
(C) प्रलय की छाया, असाध्य वीणा, पटकथा, कन्हार
(D) कन्हार, असाध्य वीणा, पटकथा, प्रलय की छाया

उत्तर- (C)

कविता	रचनाकाल	रचनाकार
प्रलय की छाया	1931 ई0	प्रसाद
असाध्यवीणा	1961 ई0	अज्ञेय
पटकथा	1972 ई0	धूमिल
कन्हार		

30. आचार्यों और उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलन कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. भट्ट लोल्लट	i. अभिव्यक्तिवाद
b. शंकुक	ii. उत्पत्तिवाद
c. भट्ट नायक	iii. अस्तित्ववाद
d. अभिनव गुप्त	iv. अनुमितिवाद
	v. भुक्तिवाद

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	iii	iv	i	v
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iv	v	i

उत्तर- (D)

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव
सार्त्र	अस्तित्ववाद	

31. निम्नलिखित ग्रन्थकार और उनके ग्रन्थों का सुमेलन कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. इलियट	i. पेरइप्सुस
b. वर्ड्सवर्थ	ii. पोरिपोइतिकेस
c. लोंगिनुस	iii. लिरिकल बैलड्स
d. अरस्तु	iv. रिपब्लिक
	v. दि वेस्ट लैंड

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iii	i	ii
(C)	iii	iv	i	v
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर- (B)

ग्रन्थकार	ग्रन्थ
इलियट	दि वेस्ट लैंड
वर्ड्सवर्थ	लिरिकल बैलड्स
लोंगिनुस	पेरिइप्सुस
अरस्तू	पोरिपोइतिकेस
प्लेटो	रिपब्लिक

32. निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. अज्ञेय	i. विकल्पहीन नहीं है दुनिया
b. किशन पटनायक	ii. स्त्रीत्व का मानचित्र
c. केदारनाथ सिंह	iii. शब्द और मनुष्य
d. अनामिका	iv. संवत्सर
	v. कब्रस्तान में पंचायत

कोड :	a	b	c	d
(A)	iv	i	v	ii
(B)	i	iii	v	ii
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	i	v	iii	ii

उत्तर- (A)

रचनाकार	रचना
अज्ञेय	संवत्सर
किशन पटनायक	विकल्पहीन नहीं है दुनिया
केदारनाथ सिंह	कब्रस्तान में पंचायत
अनामिका	स्त्रीत्व का मानचित्र
परमानन्द श्रीवास्तव	शब्द और मनुष्य

33. कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजियेः

	सूची - I		सूची - II
a.	केदारनाथ सिंह	i.	अग्निलीक
b.	ज्ञानेन्द्र पति	ii.	आत्मजयी
c.	भारतभूषण अग्रवाल	iii.	निर्वाचित कविताएँ
d.	कुँवर नाराण	iv.	अकाल में सरस
		v.	संशयात्मा

कोड :	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iii	i	iv	v
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर- (A)

कवि	कृति
केदारनाथ सिंह	*अकाल में सारस*
ज्ञानेन्द्र पति	*संशयात्मा*
भारत भूषण अग्रवाल	*अग्निलीक*
कुँवर नारायण	*आत्मजयी*
भगवतरावत	*निर्वाचित कविताएँ*

34. सम्पादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची - I		सूची - II
a.	अखिलेश	i.	पूर्वग्रह
b.	नमिता सिंह	ii.	वर्तमान साहित्य
c.	राजेन्द्र कुमार	iii.	तद्भव
d.	प्रभाकर श्रोत्रिय	iv.	बहुवचन
		v.	समयान्तर

कोड :	a	b	c	d
(A)	v	iv	ii	iii
(B)	ii	iii	i	iii
(C)	v	i	iv	ii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर- (D)

सम्पादक	पत्रिका
अखिलेश	*तद्भव*
नमिता सिंह	*वर्तमान साहित्य*
राजेन्द्र कुमार	*बहुवचन*
प्रभाकर श्रोत्रिय	*पूर्वग्रह*
पंकज बिष्ट	*समयान्तर*

35. कहानी और कहानीकारों का सुमेलन कीजिये-

	सूची - I		सूची - II
a.	सद्गति	i.	प्रसाद
b.	बिसाती	ii.	जैनेन्द्र
c.	दो बाँके	iii.	प्रेमचन्द
d.	पाजेब	iv.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
		v.	भगवतीचरण वर्मा

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर- (D)

कहानी	कहानीकार
सद्गति	*प्रेमचन्द*
बिसाती	*प्रसाद*
दो बाँके	*भगवतीचरण वर्मा*
पाजेब	*जैनेन्द्र*
बुद्धू का काँटा	*चन्द्रधर शर्मा गुलेरी*

36. पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजियेः

	सूची - I		सूची - II
a.	सेस महेस गनेस दिनेस	i.	सूरदास
b.	मन लेत पै देत छटाँक नहीं	ii.	तुलसीदास
c.	जैसे उड़ि जहाज को पंछी	iii.	घनानन्द
d.	गिरा अनयन नयन बिनु पानी	iv.	रसखान
		v.	केशवदास

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iii
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	iv	v	ii	i
(D)	iii	iv	i	iv

उत्तर- (B)

पंक्ति	कवि
सेस महेस गनेस दिनेस	*रसखान*
मन लेत पै दते छटाँक नहीं	*घनानन्द*
जैसे उड़ि जहाज को पक्षी	*सूरदास*
गिरा अनयन नयन बिनु पानी	*तुलसीदास*
देखे मुख भावै,अनदेखेई कमल चन्द	*केशवदास*

37. रचना के साथ उसकी विधा को सुमेलित कीजिएः

	सूची - I		सूची - II
a.	शब्द और मनुष्य	i.	नाटक
b.	काशी और अस्सी	ii.	यात्रा-वर्णन
c.	इला	iii.	उपन्यास
d.	पैरों में पंख बाँधकर	iv.	आलोचना
		v.	निबन्ध

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	ii	iii	v	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर- (B)

रचना	विधा	रचनाकार
शब्द और मनुष्य	*आलोचना*	*परमानन्द श्रीवास्तव*
काशी का अस्सी	*उपन्यास*	*काशीनाथ सिंह*
इला	*नाटक*	*प्रभाकर श्रोत्रिय*
पैरों में पंख बाँधकर	*यात्रा वर्णन*	*रामवृक्ष बेनीपुरी*
मिठ्उवा	*निबन्ध*	*अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल*

38. उपन्यासों का उनके पात्रों के साथ सुमेलन कीजिएः

	सूची - I		सूची - II
a.	रंगभूमि	i.	मृणाल
b.	झूठा-सच	ii.	नीलिमा
c.	त्यागपत्र	iii.	योके

d.	अंधेरे बंद कमरे		iv. तारा	
			v. सोफिया	

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	v
(B)	iv	ii	v	iii
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर- (C)

उपन्यास	पात्र	लेखक
रंगभूमि	सोफिया	प्रेमचन्द
झूठा-सच	तारा	यशपाल
त्यागपत्र	मृणाल	जैनेन्द्र
अन्धेरे बन्द कमरे	नीलिमा	मोहन राकेश
अपने-अपने अजनबी	योके	अज्ञेय

39. पात्रों को नाटकों के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची - I	सूची - II
a.	देवसेना	i. कोणार्क
b.	विशु	ii. आधे अधूरे
c.	गांधारी	iii. स्कंदगुप्त
d.	सावित्री	iv. रातरानी
		v. अंधायुग

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iii	i	v	ii
(B)	v	ii	i	iii
(C)	ii	v	iii	iv
(D)	v	iv	v	ii

उत्तर- (A)

पात्र	नाटक	नाटककार
देवसेना	स्कन्दगुप्त	प्रसाद
विशु	कोणार्क	जगदीश चन्द्र माथुर
गांधारी	अंधायुग	धर्मवीर भारती
सावित्री	आधे-अधूरे	मोहन राकेश

40. स्थापना (A) : सही शब्द वे ही हैं, जो उनके बीच के अंतराल का सबसे अधिक उपयोग करें।
तर्क (R) : अन्तराल के उस मौन द्वारा ही अर्थवत्ता का पूरा ऐश्वर्य सम्प्रेषित कर सके।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *शब्द की सार्थकता इसी में होती है कि छोटे होने पर भी ज्यादा से ज्यादा अर्थ को प्रेषित करें। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

41. स्थापना (A) : भरतमुनि ने अद्भुत को दिव्य तथा आनन्दज बताया है।
तर्क (R) : उनकी दृष्टि अलंकारों तक गई थी।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या *रस सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक भरतमुनि हैं। भरत ने अद्भुत रस को दिव्य एवं आनन्द को उत्पन्न करने वाला बताया है। भरत ने सिर्फ चार अलंकारों का वर्णन किया है। अतः भरत का अलंकार पर आंशिक प्रभाव है। इसलिये (A) सही और (R) गलत है।*

42. स्थापना (A) : गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं।
तर्क (R) : इन्हें गौण रूप से शब्दार्थ के भी धर्म नहीं माना जाता है।

(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B) व्याख्या *गुण मुख्यतः रस के धर्म होते हैं। गौण रूप से इन्हें शब्दार्थ का धर्म माना जाता है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

43. स्थापना (A) : कवियों और दार्शनिकों की दृष्टि में विश्व भावमय है।
तर्क (R) : इसी कारण जीवन की ठोस वास्तविकताओं से पलायन की वृत्ति पनपी है।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C) व्याख्या *कवियों एवं दार्शनिकों ने विश्व को भावमय या भावकत्व व्यापार माना है। जबकि जीवन से पलायन में इसका कारण नहीं है। अतः (A) सही (R) गलत है।*

44. स्थापना (A) : प्रेम जब व्यष्टि सौंदर्य से ऊपर उठता है तब वह आध्यात्मिक बनता है।
तर्क (R) : क्योंकि प्रेम आध्यात्मिक होता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A) व्याख्या *प्रेम जब भक्ति से ऊपर उठता है या व्यष्टि से समष्टि की ओर बढ़ता है तो वह आध्यात्मिक हो जाता है। प्रेम का सम्बन्ध आन्तरिक संवेदनात्मक भाव से है। अतः (A) सही (R) गलत है।*

45. स्थापना (A) : काव्य का सत्य असाधारण होता है।
तर्क (R) : क्योंकि वह सामान्य सत्य से मिलता है।

(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (D) व्याख्या *काव्य का सत्य साधारण भावभूमि से ऊपर उठकर असाधारण हो जाता है। तर्क में सामान्य सत्य की बात कही गयी है जबकि स्थापना में असाधारण सत्य की। अतः स्थापना और तर्क अन्तर्सम्बन्धित न होने के कारण तर्क गलत है। इसलिये कथन (A) सही और (R) गलत है।*

निर्देशः (प्र.सं.46 से 50 तक): निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे। जिस बात को उन्होंने जिस रूप में प्रकट करना चाहा है उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया-बन गया है तो सीधे-सीधे, नहीं तो दरेरा देकर। भाषा कुछ कबीर के सामने लाचार-सी नजर आती है। उसमें मानों ऐसी हिम्मत ही नहीं है कि इस लापरवाह फक्कड़ की किसी फरमाइश को नाहीं कर सकें, और अकह कहानी को रूप देकर मनोग्राही बना देने की तो जैसी ताकत कबीर की भाषा में है वैसी बहुत कम लेखकों में पाई जाती है।

46. कबीर की वाणी के विषय में क्या कहा गया है?

(A) कबीर वाणी के महापण्डित थे।
(B) कबीर वाणी के धनी थे।
(C) कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।
(D) कबीर वाणी के लोकनायक थे।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *कबीर की वाणी के विषय में कहा गया है कि वे 'वाणी के डिक्टेटर' (तानाशाह) थे। हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भी इस कथन का समर्थन किया है।*

47. कबीर के सामने भाषा का रूप कैसा था?

(A) भाषा का परिष्कृत रूप सामने आता है।
(B) भाषा लाचार-सी नजर आती हैं।
(C) भाषा पर उसका नियन्त्रण नहीं है।
(D) भाषा में बिखराव दृष्टिगत होता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *कबीर का भाषा पर जबरदस्त अधिकार था। भाषा उनके सामने लचर-सी नजर आती हैं।*

48. कबीर की भाषा में कैसी हिम्मत नहीं है?

(A) कि वह आशय को व्यक्त न कर सके।
(B) कि वह इस फक्कड़ की फरमाइश को नाहीं कर सके।
(C) कि वह कबीर के काव्यानुरूप प्रयुक्त न हो।
(D) कि वह सहज, सरल और सरस न बन सके।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *कबीर की भाषा में ऐसी हिम्मत नहीं है कि वह इस फक्कड़ की फरमाइश को पूरी न कर सके।*

49. कबीर की भाषा में कैसी ताकत थी?

(A) असत्य को सत्य सिद्ध कर दे।
(B) अकह कहानी को मनोग्राही बना दे।
(C) दुरूह दर्शन को भी स्पष्ट कर दे।
(D) सहज को भी असहज बना दे।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *कबीर की भाषा में ऐसी ताकत है कि वह अकह कहानी को मनोग्राही बना दे।*

50. कबीर ने बात को किस रूप में प्रकट करना चाहा?

(A) उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया।
(B) उसी रूप में भाषा से प्रकट नहीं कर सकते।
(C) परोक्ष रूप से व्यक्त कर देते थे।
(D) अधिक दुरूह बना देते थे।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *कबीर ने जिस बात को जिस रूप में चाहा उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया। बना तो सीधे से नहीं तो काँट-छाँट करके।*

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
DECEMBER : 2009	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. साहित्येतिहास-लेखन की विधि नहीं है?

(A) अकारादि क्रम (B) लेखकों का कालक्रम
(C) रचनाओं का कालक्रम (D) परिस्थिति-प्रवृत्ति मूलक क्रम

उत्तर- (A)/ व्याख्या *साहित्य इतिहास लेखन में अकारादि क्रम का प्रयोग नहीं किया जाता है। इतिहास लेखन में लेखक कालक्रम, रचना कालक्रम, परिस्थिति -प्रवृत्ति क्रम, वर्णक्रम, विधेयवादी, समाजशास्त्रीय एवं शोध प्रविधि आदि का प्रयोग किया जाता है।*

2. 'शब्दानुशासन' के लेखक हैं

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हेमचन्द्र
(C) सरहपाद (D) स्वयंभू

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'सिद्ध हेमचन्द्र शब्दानुशासन' हेमचन्द्र का व्याकरण ग्रन्थ है। इसमें संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश तीनों का समावेश है। रसमीमांसा- रामचन्द्र शुक्ल, दोहाकोश- सरहपा, पउमचरिउ- स्वयंभू की रचना है।*

3. 'खालिकबारी' किसकी रचना है?

(A) खालिक खलक (B) रहीम
(C) अमीर खुसरो (D) अकबर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *खाालिकबारी (कोश ग्रन्थ), हालात-ए-कन्हैया, नजरान-ए-हिन्दी, पहेलियाँ, मुकरियाँ इत्यादि अमीर खुसरो की रचना है।*

4. सूफीकाव्य का उद्देश्य है

(A) प्रेम-निरूपण (B) काव्यशास्त्र निरूपण
(C) इस्लाम धर्म का प्रचार (D) राष्ट्रीय चेतना

उत्तर- (A)/ व्याख्या *सूफी काव्य का उद्देश्य प्रेम के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें स्त्री को 'परमात्मा' तथा पुरुष को 'आत्मा' के रूप में चित्रित किया गया है।*

5. रीतिमुक्त कवि नहीं हैं

(A) घनानन्द (B) बोधा
(C) जसवन्त सिंह (D) ठाकुर

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जसवन्त सिंह, चिंतामणि, देव, मतिराम इत्यादि रीतिबद्ध धारा के कवियों में आते हैं। बिहारी रीतिसिद्ध तथा घनानन्द, बोधा, ठाकुर, आलम रीतिमुक्त कवियों में आते हैं।*

6. 'जूही की कली' कविता के कवि हैं?

(A) पन्त (B) निराला
(C) प्रसाद (D) महादेवी

उत्तर- (B)/ व्याख्या

कविता	कवि
जूही की कली	*निराला*
प्रथम प्रभात	*प्रसाद*
जाग बेसुध जाग	*महादेवी*
गिरजे का घण्टा	*पंत*

नोटः-'जूही की कली' (1916ई0) निराला की प्रथम कविता है। जिसे महावीर प्रसाद द्विवेदी ने अश्लील कहकर सरस्वती में नहीं प्रकाशित किया था।

7. 'हालावाद' के प्रवर्त्तक का नाम है

(A) नरेन्द्र शर्मा (B) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
(C) जगदीश गुप्त (D) हरिवंशराय बच्चन

उत्तर- (D)/ व्याख्या *हालावाद (1933 ई0) के प्रवर्त्तक हरिवंशराय 'बच्चन' हैं। इसे प्रेम और मस्ती का काव्य भी कहा जाता है।*

8. 'तुम विद्युत बन आओ पाहुन, मेरे नयनों पर पग धर-धर' पक्ति है?

(A) महादेवी वर्मा की (B) मीरा की
(C) श्री नरेश मेहता की (D) लीलाधर जगूड़ी की

उत्तर- (A)

पंक्ति	कवि
तुम विद्युत.......धर-धर	*महादेवी*
अंसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेल बोई	*मीराबाई*
हांक ला रहा वह प्रभात का ग्वाला	*नरेश मेहता*
भय भी शक्ति देता है	*लीलाधर जगूड़ी*

9. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा है?

(A) ग्रियर्सन (B) श्यामसुन्दरदास
(C) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (D) भारतेन्दु

उत्तर- (C)/ व्याख्या *अपभ्रंश/उत्तर अप्रभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' सबसे पहले चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने कहा।*

10. संचार माध्यमों में प्रयोग होता है

(A) हिन्दी का शासकीय रूप
(B) हिन्दी का साहित्यिक रूप
(C) हिन्दी का शुद्ध व्याकरणिक रूप
(D) हिन्दी का व्याकरणिक रूप

उत्तर- (A)/ व्याख्या *संचार माध्यमों में हिन्दी का शासकीय/ मानक रूप प्रयोग होता है।*

11. संचारी भावों की संख्या है

(A) 9 (B) 33 (C) 16 (D) 99

उत्तर- (B)/ व्याख्या *संचारी भावों की संख्या 33, स्थायी भावों की संख्या 9 और सात्विक भावों की संख्या 8 है।*

12. **'विखंडनवाद' के प्रवर्त्तक हैं**

(A) मैथ्यूआर्नल्ड (B) इलियट
(C) देरिदा (D) कामू

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *'विखंडनवाद के प्रवर्त्तक जाक देरिदा और वस्तुनिष्ठ समीकरण एवं निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त के प्रवर्त्तक इलियट हैं।*

13. **'कविवचन सुधा' के सम्पादक थे**

(A) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द
(B) भारतेन्दु
(C) बालमुकुन्द गुप्त
(D) गुलाबराय

उत्तर- (B)/

पत्रिका	सम्पादक
कविवचन सुधा	भारतेन्दु
हिन्दी बंगवासी	बालमुकुन्द गुप्त
साहित्य संदेश	गुलाब राय
बनारस अखबार	शिव प्रसाद सितारे हिन्द

14. **'नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना वर्ष है**

(A) 1893 ई0 (B) 1857 ई0 (C) 1902 ई0 (D) 1917 ई0

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 9 जुलाई 1893 ई0 को काशी में हुई थी। इसके प्रथम अध्यक्ष- राधाकृष्ण दास थे। इसके संस्थापक सदस्यों में- पं0 रामनारायण मिश्र, शिवकुमार सिंह, बाबू श्याम सुन्दर दास थे। इसी संस्था द्वारा 1896 ई0 में 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ।*

15. **'शिवशम्भु के चिट्ठे' के लेखक हैं**

(A) श्यामसुन्दर दास (B) बालमुकुन्द गुप्त
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) मुंशी सदासुखलाल

उत्तर- (B)/

निबन्ध	लेखक
शिवशम्भु के चिट्ठे	बालमुकुन्द गुप्त
सुरासुर निर्णय	सदासुखलाल
हिन्दी का आदि कवि	श्याम सुन्दर दास
बसन्त आ गया है	हजारी प्रसाद द्विवेदी

16. **'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' निबन्ध के लेखक हैं**

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) महावीरप्रसाद द्विवेदी (D) भारतेन्दु

उत्तर- (C)/

निबन्ध	निबन्धकार
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता	महावीर प्रसाद द्विवेदी
साहित्य में हिमालय की परम्परा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मणिकर्णिका	भारतेन्दु
चन्द्रोदय	बालकृष्ण भट्ट

17. **'अधिकार-सुख कितना मादक किन्तु सारहीन है' पंक्ति प्रसाद के किस नाटक से है?**

(A) ध्रुवस्वामिनी (B) अजातशत्रु
(C) चन्द्रगुप्त (D) स्कन्दगुप्त

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *'अधिकार .... सारहीन है।' यह प्रसाद के नाटक 'स्कन्दगुप्त' (1928 ई0) के पात्र स्कन्दगुप्त का कथन है।*

18. **निम्नलिखित में से अर्द्धस्वर कौन सा है?**

(A) य (B) प (C) क्ष (D) ज्ञ

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *हिन्दी में 'य' और 'व' को अर्ध स्वर माना जाता है। इनका निर्माण निम्नवत् होता है-*

इ+अ = य
उ+अ = व

'क्ष' एवं 'ज्ञ' संयुक्त व्यंजन हैं। ये दो शब्दों से मिलकर बनें है

क्+ष = क्ष
ज्+ञ = ज्ञ

19. **इनमें कौन सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है?**

(A) अवधी (B) बिहारी (C) बघेली (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *मागधी अपभ्रंश से बिहारी हिन्दी और बिहारी हिन्दी से- भोजपुरी, मैथिली एवं मगही का विकास होता है। अन्य सभी पूर्वी हिन्दी की बोली है।*

20. **बोली का लघुत्तम रूप है?**

(A) व्यक्ति बोली (B) उपबोली
(C) सहायक बोली (D) वर्ण

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *बोली/भाषा का लघुत्तम (सबसे छोटा) रूप ध्वनि होता है। ध्वनि के बाद आरोही क्रम में वर्ण होता है। क्योंकि वर्ण ध्वनि का मूर्त रूप है। वर्ण के बाद शब्द होता है।*

21. **स्थापना (A) : नाद सौन्दर्य का योग कविता की पूर्णता के लिये आवश्यक है।**
तर्क (R) : नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है। न कि नाद सौन्दर्य कविता की पूर्णता के लिये आवश्यक है। अतः (A) गलत और (R) सही है।*

22. **स्थापना (A) : व्यक्तिवाद का एक रूप अहंवाद है।**
तर्क (R) : अहंवादी व्यक्ति समाज का तिरस्कार करता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *व्यक्तिवादी व्यक्ति अहंवादी, अहंकारी एवं स्वार्थी हो जाता है और वह समाज का तिरस्कार करता है। अतः (A) और (R) दानों सही है।*

23. **स्थापना (A) : सिद्धान्ततः प्रजातन्त्र को सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है।**
तर्क (R) : शासन प्रायः प्रजा के हित में समर्पित होता है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *विश्व में प्रजातन्त्र को सर्वोत्तम शासन माना जाता है। क्योंकि यह शासन प्रजा के हित के लिये होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

24. **स्थापना (A) : कला की सर्जना आध्यात्मिक क्रिया है।**
तर्क (R) : आध्यात्मिकता और कला अन्योन्याश्रित हैं।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *कला की सर्जना सिर्फ आध्यात्मिक क्रिया ही नहीं है। आध्यात्मिकता और कला का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध नहीं है। कला अध्यात्म के साधन का कार्य कर सकती है। अतः (A) और (R) दोनो गलत हैं।*

25. स्थापना (A) : बड़े-बड़े राज्य उत्पाद की बिक्री के लिये सौदागर हो गये हैं।
तर्क (R) : क्योंकि व्यापार नीति राजनीति का प्रधान अंग हो गयी है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *व्यापार नीति राजनीति के प्रधान अंगों में से एक है इसीलिये राज्य उत्पाद की बिक्री को प्रमुखता प्रदान करते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

26. स्थापना (A) : ध्वनि काव्य चित्रकाव्य से श्रेष्ठ है।
तर्क (R) : क्योंकि चित्रकाव्य रस की सृष्टि नहीं कर पाता है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *मात्र चित्रकाव्य रस की पूर्ण सृष्टि करने में समर्थ नहीं है। जबकि ध्वनि काव्य में यह पूर्णता पायी जाती है। इसीलिये ध्वनि काव्य चित्रकाव्य से श्रेष्ठ है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।*

27. स्थापना (A) : कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के सकुंचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक की सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।
तर्क (R) : क्योंकि इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिये अपना पता नहीं रहता।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *कविता मनुष्य को सामान्य भावभूमि से ऊपर ले जाती है। क्योंकि इस स्तर पर पहुँचने पर मनुष्य समाज, संसार एवं मानव कल्याण को देखता है और व्यक्तिगत रूप को सम्पूर्ण में समाहित पाता है अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

28. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचकों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) नन्द दुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, रामविलास शर्मा
(B) रामविलास शर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल,नन्द दुलारे बाजपेयी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, नन्द दुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामवालिस शर्मा, नन्द दुलारे बाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर- (C)/

आलोचक	कालक्रम
रामचन्द्र शुक्ल	1884-1941 ई०
नन्द दुलारे बाजपेयी	1906-1967 ई०
हजारी प्रसाद द्विवेदी	1907-1979 ई०
राम विलास शर्मा	1912-2000 ई०

29. निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम बताइयेः
(A) सरस्वती, हंस, कविवचन सुधा, इन्दु
(B) कविवचन सुधा, सरस्वती, इन्दु, हंस
(C) इन्दु, सरस्वती, हंस, कविवचन सुधा
(D) हंस, सरस्वती, कविवचन सुधा, इन्दु

उत्तर- (B)/

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
कवि वचन सुधा	*1868 ई0*	*भारतेन्दु*
सरस्वती	*1900 ई0*	*श्यामसुन्दर दास*
इन्दु	*1909 ई0*	*अम्बिका प्रसाद गुप्त*
हंस	*1930 ई0*	*प्रेमचन्द*

30. प्रकाशन-काल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम लिखिये-
(A) दुलाई वाली, आँधी, पाजेब, यारों के यार
(B) पाजेब, यारों के यार, आँधी, दुलाई वाली
(C) आँधी, यारों के यार, दुलाई वाली, पाजेब
(D) यारों के यार, आँधी, पाजेब, दुलाई वाली

उत्तर- (A)/

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
दुलाई वाली	*1907 ई0*	*बंगमहिला*
आँधी	*1929 ई0*	*प्रसाद*
पाजेब	*1942 ई0*	*जैनेन्द्र*
यारों के यार	*1967 ई0*	*कृष्णा सोबती*

31. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित निबन्ध-संग्रहों का सही अनुक्रम बताइयेः
(A) शृंखला की कड़ियाँ, विषादयोग, शिवशम्भु के चिट्ठे, आत्माराम की टेंटें
(B) विषादयोग,शिवशम्भु के चिट्ठे, शृंखला की कड़ियाँ, आत्माराम की टेंटें
(C) आत्माराम की टेंटें, शिवशम्भु के चिट्ठे, विषादयोग, शृंखला की कड़ियाँ
(D) शिवशम्भु के चिट्ठे, आत्माराम की टेंटें, शृंखला की कड़ियाँ, विषादयोग

उत्तर- (D)/

निबन्ध	कालक्रम	निबन्धकार
शिवशम्भु के चिट्ठे	*1903-05 में भारत मित्र में प्रकाशित*	*बालमुकुन्द गुप्त*
आत्माराम की टेंटे	*1904-05 में प्रका0*	*गोविन्द नारायण मिश्र*
शृंखला की कड़ियाँ	*1942*	*महादेवी*
विषादयोग	*1973*	*कुबेरनाथ राय*

32. कालक्रम की दृष्टि से निम्नांकित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइयेः
(A) कब तक पुकारूँ, अन्तिम अरण्य, भूतनाथ, डूबते मस्तूल
(B) भूतनाथ, कब तक पुकारूँ, डूबते मस्तूल, अंतिम अरण्य
(C) अंतिम अरण्य, कब तक पुकारूँ, डूबते मस्तूल, भूतनाथ
(D) डूबते मस्तूल, कब तक पुकारूँ, अंतिम अरण्य, भूतनाथ

उत्तर- (C)/

उपन्यास	कालक्रम	उपन्यासकार
अन्तिम अरण्य	*2000 ई.*	*निर्मल वर्मा*
कब तक पुकारूँ	*1957 ई.*	*रांगेय राघव*
डूबते मस्तूल	*1954 ई.*	*नरेश मेहता*
भूतनाथ	*1906 ई.*	*देवकीनन्दन खत्री*

33. इनमें कौन सा युग संगत है?
(A) बीसलदेव रासो - नरपति नाल्ह
(B) खुमाणरासो - जगनिक

(C) विजयपाल रासो - चन्दबरदाई
(D) परमाल रासो - दलपत विजय

उत्तर- (A) **व्याख्या** संगत क्रम निम्नवत है-

ग्रन्थ	ग्रन्थकार
बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह
खुमाण रासो	दलपति विजय
विजयपाल रासो	नल्ह सिंह
परमाल रासो	जगनिक
पृथ्वीराज रासो	चन्दबरदायी

34. इसमें कौन सा युग्म संगत नहीं है?
(A) भारत दुर्दशा - भारतेन्दु
(B) प्रायश्चित - जयशंकर प्रसाद
(C) दशरथ नन्दन - जगदीशचन्द्र माथुर
(D) कबिरा खड़ा बाजार में - लक्ष्मीनारायण लाल

उत्तर- (D)

रचना	रचनाकार
भारत दुर्दशा	भारतेन्दु
प्रायश्चित	जयशंकर प्रसाद
दशरथ नन्दन	जगदीश चन्द्र माथुर
कबिरा खड़ा बाजार में	भीष्म साहनी
नाटक तोता मैना	लक्ष्मीनारायण लाल

35. कौन-सा युग्म संगत है?
(A) कौन तुम मेरे हृदय में - महादेवी वर्मा
(B) न जाने नक्षत्रों में कौन - प्रसाद
(C) जो घनीभूत पीड़ा थी - पंत
(D) सखि, वे मुझसे कहकर जाते - निराला

उत्तर- (A)

पंक्ति	पंक्तिकार
कौन तुम मेरे हृदय में	महादेवी वर्मा
न जाने नक्षत्रों से कौन	पंत
जो घनीभूत पीड़ा थी	प्रसाद
सखि वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त

36. निम्नलिखित कहानी और कहानीकार को सुमेलित कीजिएः

	सूची - I	**सूची - II**
a.	यही सच है	i. राजकमल चौधरी
b.	परिन्दे	ii. यशपाल
c.	फूलों का कुर्त्ता	iii. मन्नू भण्डारी
d.	जिन्दगी और जोंक	iv. निर्मल वर्मा
		v. अमरकान्त

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	i	iv	ii
(B)	iv	v	i	ii
(C)	iii	iv	ii	v
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर- (C)

कहानी	कहानीकार
यही सच है	मन्नू भण्डारी
परिन्दे	निर्मल वर्मा
फूलों का कुर्ता	यशपाल
जिन्दगी और जोंक	अमरकान्त
दाम्पत्य	राजकमल चौधरी

37. निम्नलिखित काव्य कृतियों तथा कृतिकारों को सुमेलित कीजिएः

	सूची - I	**सूची - II**
a.	ईश्वर की अध्यक्षता में	i. रघुवीर सहाय
b.	अबूतर कबूतर	ii. नागार्जुन
c.	आत्महत्या के विरुद्ध	iii. लीलाधर जगूड़ी
d.	जलसाघर	iv. उदय प्रकाश
		v. श्रीकांत वर्मा

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	ii	i	v	iv
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	v	i	iv	iii

उत्तर- (A)

कृति	कृतिकार
ईश्वर की अध्यक्षता में	लीलाधर जगूड़ी
अबूतर कबूतर	उदय प्रकाश
आत्महत्या के विरुद्ध	रघुवीर सहाय
जलसाघर	श्रीकान्त वर्मा
रवीन्द्र के प्रति	नागार्जुन

38. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और कवियों को सुमेलित कीजिएः

	सूची - I	**सूची - II**
a.	अति सूधौ सनेह कौ मारग है	i. तुलसीदास
b.	अब लौ नसानी अब न नसैहों	ii. सूरदास
c.	सटपटाति-सी-ससि मुखी मुख घूँघट पर ढाँके	iii. बिहारी
d.	ऊधौ मन न भए दस-बीस	iv. घनानन्द
		v. मीराबाई

कोड :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	v	iii	i	ii
(D)	i	iv	ii	v

उत्तर- (B)

काव्य पंक्ति	कवि
अति.......मारग है	घनानन्द
अब........नसैहों	तुलसीदास
सटपटाति-सी......ढाँकि	बिहारी
ऊधौ..........दस बीस	सूरदास
स्वस्ति श्री तुलसी कुल भूषन दूषन हरन गोसाईं	मीराबाई

39. निम्नलिखित रेखाचित्रों और रचनाकारों को सुमेलित कीजिये-

	सूची - I	**सूची - II**
a.	पद्म पराग	i. बनारसी दास चतुर्वेदी
b.	बोलती प्रतिमा	ii. देवेन्द्र सत्यार्थी
c.	माटी की मूरतें	iii. पद्म सिंह शर्मा
d.	रेखाएँ बोल उठी	iv. श्री राम शर्मा
		v. रामवृक्ष बेनीपुरी

कोड :

	a	b	c	d
(A)	v	i	iv	ii
(B)	iii	iv	v	ii
(C)	i	v	iii	iv
(D)	iv	iii	v	i

उत्तर- (B)

रेखाचित्र	वर्ष	लेखक
पद्म पराग	1929	पद्म सिंह शर्मा
बोलती प्रतिमा	1937	श्री राम शर्मा
माटी की मूरतें	1946	रामवृक्ष बेनीपुरी
रेखाएँ बोल उठी	1949	देवेन्द्र सत्यार्थी
रेखाचित्र	1952	बनारसी दास चतुर्वेदी

40. निम्नलिखित आत्मकथाओं और उनके लेखकों को सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. अन्या से अनन्या	i. ओमप्रकाश वाल्मीकि
b. बसेरे से दूर	ii. मन्नू भण्डारी
c. जूठन	iii. मृदुला गर्ग
d. एक कहानी यह भी	iv. हरिवंश राय बच्चन
	v. प्रभा खेतान

कोड :	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	i
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर- (D)

आत्मकथा	वर्ष	आत्मकथाकार
अन्या से अनन्या	2007	प्रभा खेतान
बसेरे से दूर	1978	हरिवंश राय बच्चन
जूठन	1997	ओमप्रकाश वाल्मीकि
एक कहानी यह भी	2007	मन्नू भण्डारी

41. निम्नलिखित पत्रिकाओं को सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. हंस	i. महीप सिंह
b. संचेतना	ii. राजेन्द्र यादव
c. आलोचना	iii. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
d. दस्तावेज	iv. अरुण कमल
	v. रवीन्द्र कालिया

कोड :	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	iv	i	iii	v

उत्तर- (A)

पत्रिका	सम्पादक
हंस	राजेन्द्र यादव
संचेतना	महीप सिंह
आलोचना	अरुण कमल
दस्तावेज	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
नया ज्ञानोदय	रवीन्द्र कालिया

42. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और उनके कवियों को सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. रवि हुआ अस्त, ज्योति के पत्र पर लिखा अमर	i. सुमित्रानन्दन पंत
b. शैया सैकत पर दुग्धधवल तन्वंगी गंगा ग्रीष्म विकल	ii. मैथिलीशरण गुप्त
c. सखि, वे मुझसे कहकर जाते	iii. निराला
d. शशि मुख पर घूँघट डाले	iv. नागार्जुन
	v. जयशंकर प्रसाद

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर- (D)

काव्य पंक्ति	कवि
'रवि हुआ.......लिखा अमर'	निराला
'शैया सैकत......विकल'	पंत
'सखि.........जाते'	मैथिलीशरण गुप्त
'शशि मुख पर घूँघट डाले'	प्रसाद
'तुम्हारी दन्तुरित मुस्कान'	नागार्जुन

43. निम्नलिखित पात्रों को नाट्यकृतियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. चन्द्रगुप्त	i. महेन्द्र नाथ
b. आधे अधूरे	ii. प्रपंच बुद्धि
c. कोणार्क	iii. चाणक्य
d. अंधायुग	iv. अश्वत्थामा
	v. विशु

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	iii	i	v	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर- (B)

नाटक	पात्र	नाटककार
चन्द्रगुप्त	चाणक्य	प्रसाद
आधे अधूरे	महेन्द्रनाथ	मोहन राकेश
कोणार्क	विशु	जगदीश चन्द्र माथुर
अंधायुग	अश्वत्थामा	धर्मवीर भारती
स्कन्दगुप्त	प्रपंच बुद्धि	प्रसाद

44. निम्नांकित नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. कोर्ट मार्शल	i. भीष्म साहनी
b. इतिहास चक्र	ii. प्रताप सहगल
c. अन्वेषक	iii. लक्ष्मीनारायण लाल
d. कबिरा खड़ा बाजार में	iv. स्वदेश दीपक
	v. दयाप्रकाश सिन्हा

कोड :	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	v	ii	i
(D)	iv	ii	v	iii

उत्तर- (C)

नाटक	वर्ष	नाटककार
कोर्ट मार्शल	1991 ई0	स्वदेश दीपक
इतिहास चक्र	1973 ई0	दया प्रकाश सिन्हा
अन्वेषक	1992 ई0	प्रताप सहगल
कबिरा खड़ा बाजार में	1981ई0	भीष्म साहनी
राम की लड़ाई	1979 ई0	लक्ष्मी नारायण लाल

45. **निम्नलिखित सिद्धान्तों और चिन्तकों को सुमेलित कीजिएः**

	सूची - I	सूची - II
a.	अनुमितिवाद	i. अभिनव गुप्त
b.	उत्पत्तिवाद	ii. भट्ट नायक
c.	साधारणीकरण	iii. भट्ट शंकुक
d.	अभिव्यक्तिवाद	iv. भट्ट लोल्लट
		v. भरतमुनि

कोड :

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iv	ii	i	v
(D)	v	i	iii	ii

उत्तर- (A)

सिद्धान्त	प्रवर्त्तक
अनुमितिवाद	*शंकुक*
उत्पत्तिवाद	*भट्ट लोल्लट*
साधारणीकरण	*भट्ट नायक*
अभिव्यक्तिवाद	*अभिनव गुप्त*
रस सिद्धान्त	*भरत मुनि*

निर्देश (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहु विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करें।

आधुनिक मानव की चिन्तन-प्रक्रिया पर भी विज्ञान ने गहरा प्रभाव डाला है। आस्था और श्रद्धा के स्थान पर तर्क और बुद्धि की प्रतिष्ठा से ही परम्परागत मूल्यों पर प्रश्न-चिन्ह लगा है। किन्तु इस तथ्य का एक दूसरा पहलू भी है। वैज्ञानिक चिन्तन ने देश की जो दूरियाँ कम कर दी हैं, उससे मानव-मानव में अन्तर घटा है जिससे कई पुराने मूल्यों को ही नए आयाम मिले हैं। जो सहयोग छोटे-से ग्राम या समाज तक सीमित था, अब विश्वव्यापी बनता जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीयता वाद पर अधिक बल दिया जाने लगा है। युद्ध पहले से अधिक गर्हित ठहराया जाने लगा है। समता भी अधिक महत्त्वपूर्ण मूल्य हो गया है। इसलिये यह कहना तो उचित नहीं जान पड़ता कि नये मूल्यों का विकास नहीं हुआ, किन्तु संप्रति इतना अवश्य है कि कोई नया मूल्य इतना व्यापक नहीं हो सका कि पूरी मूल्य-व्यवस्था दे सके। अधिकांश नवीनता पुरातन के संशोधन में ही रही हैं।

46. **विज्ञान ने हमारी चिन्तन-प्रक्रिया पर किस प्रकार प्रभाव डाला है?**

(A) हम अपने परम्परागत मूल्यों को तर्क और बुद्धि की कसौटी पर परखने लगे हैं।
(B) हमारा विश्वास सभी परम्परागत मूल्यों से उठ गया है।
(C) हमारी सोच शुद्ध भौतिकवादी बन गई है।
(D) हम पूर्णतः आत्मकेन्द्रित हो गये हैं।

उत्तर- (A) व्याख्या *चिन्तन प्रक्रिया पर विज्ञान के प्रभाव स्वरूप हम अपने परम्परागत मूल्यों को तर्क और बुद्धि की कसौटी पर परखने लगे हैं।*

47. **वैज्ञानिक चिन्तन से क्या परिवर्तन हुआ है?**

(A) हमें अधिक भौतिक लाभ मिलने लगे हैं।
(B) हमारी भौतिक दूरियाँ सिमट जाने से विश्व मानवता की परिकल्पना साकार हुयी है, फलस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ है।
(C) अब हम अपने ग्राम से ही नहीं चिपके रहना चाहते अपितु विश्व भ्रमण करना चाहते हैं।
(D) विश्व के भौतिक सुखों के प्रति अधिक आकृष्ट हुए हैं।

उत्तर- (B) व्याख्या *वैज्ञानिक चिन्तन से मानव-मानव के बीच की दूरियाँ कम हुई हैं और अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ है।*

48. **विज्ञान ने किन नये मूल्यों के निर्माण में सहयोग दिया है?**

(A) विज्ञान ने भौतिक सुख-सुविधाओं को महत्त्वपूर्ण बना दिया है।
(B) रंगभेद व नस्लवाद को बढ़ावा दिया है।
(C) मनुष्य को आत्मकेन्द्रित बना दिया है।
(D) मनुष्य-मनुष्य के बीच सभी प्रकार के भेद-भाव मिटाकर समता के धरातल पर ला खड़ा किया है।

उत्तर- (D) व्याख्या *विज्ञान ने मनुष्य के बीच के भेद भाव को मिटाकर समता की भावना का विकास किया है।*

49. **क्या आज के सभी मूल्य नव-निर्मित ही हैं?**

(A) आज सभी मूल्यों के नव-निर्माण में ही हम विश्वास करते हैं।
(B) आज मूल्य ही महत्त्वहीन हो गये हैं।
(C) नही, अधिकांश पुरातन मूल्य ही संशोधित रूप में आ रहे हैं।
(D) हम पुरातन मूल्यों को बदलना नहीं चाहते हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या *आज नये मूल्य आये हैं लेकिन अधिकांशतः पुराने मूल्यों का संशोधित रूप ही हमारे सामने उपस्थित है।*

50. **उपर्युक्त गद्य अवतरण का उपयुक्त शीर्षक दें**

(A) विज्ञान का महत्त्व
(B) मूल्य चिन्तन
(C) पुरातन मूल्यों का महत्त्व
(D) अन्तरराष्ट्रीयता की परिकल्पना

उत्तर- (A) व्याख्या *गद्य अवतरण का केन्द्रीय बिन्दु या शीर्षक मानव के विकास में 'विज्ञान का महत्त्व या योगदान' है।*

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
JUNE : 2009	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. 'हिन्दुस्तानी' भाषा का रूप क्या है?
(A) संस्कृतनिष्ठ (B) हिन्दी उर्दू मिश्रित
(C) दक्खिनी हिन्दी (D) ब्रज अवधी का मिश्रित रूप

उत्तर- (B) व्याख्या *'हिन्दुस्तानी' शब्द कभी 'उर्दू' तथा कभी 'हिन्दी' एवं कभी दोनों के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। पद्म सिंह शर्मा के अनुसार, ''विशुद्ध हिन्दी और उर्दू-ए-मुअल्ला की एक दरम्यानी सूरत का नाम 'हिन्दुस्तानी' कहा जाता है।'' डॉ. ग्रियर्सन का कथन है कि 'हिन्दुस्तानी' मुख्य रूप से दोआब की भाषा है।'' अतः हिन्दुस्तानी का प्रयोग हिन्दी-उर्दू मिश्रित के लिये किया जाता है।*

2. इनमें कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी वर्ग की नहीं है?
(A) बांगरू (B) ब्रज (C) कन्नौजी (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर- (D) व्याख्या *पश्चिमी हिन्दी वर्ग में- ब्रज, बांगरू (हरियाणवी), कन्नौजी, बुन्देली और खड़ीबोली (कौरवी) आती है। जबकि पूर्वी हिन्दी वर्ग में-अवधी, छत्तीसगढ़ी और बघेली आती है।*

3. वर्तमान समय में संविधान द्वारा स्वीकृत भाषाओं की संख्या है-
(A) चौदह (14) (B) बीस (20)
(C) बाइस (22) (D) छब्बीस (26)

उत्तर- (C) व्याख्या *भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में वर्तमान समय में 22 भाषायें सम्मिलित हैं। जो इस प्रकार हैं- असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिन्धी, तमिल, तेलगू, उर्दू, कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली, मैथिली, संथाली, डोगरी, बोडो।*

4. 'ग्रिम नियम' का सम्बन्ध किससे है?
(A) स्वनिम् विज्ञान (B) बोली विज्ञान
(C) अर्थ विज्ञान (D) कोश विज्ञान

उत्तर- (A) व्याख्या *ग्रिम नियम का सम्बन्ध स्वनिम विज्ञान अर्थात् ध्वनि विज्ञान से है। इसके प्रवर्तक जर्मन भाषा के विद्वान 'याकोब ग्रिम' हैं। यह 1822 ई. में प्रकाश में आया। इस नियम का सम्बन्ध भारोपीय स्पर्शों से है जो जर्मन भाषा में परिवर्तित हो गये थे। ग्रिम नियम बलाघात पर आधारित है।*

5. नन्ददास की किस रचना का सम्बन्ध नायक-नायिका भेद से है?
(A) रासपंचाध्यायी (B) रसमंजरी
(C) स्यामसगाई (D) भंवर गीत

उत्तर- (B) व्याख्या *रसमंजरी (1550ई0) में नन्ददास ने दोहा-चौपाई शैली में नायक-नायिकाओं का वर्णन किया है। इसमें स्वकीया और परकीया नायिका के भेदोपभेद को चित्रित किया गया है। 'रास पंचाध्यायी' में कृष्ण की रास लीला को रोला छन्द में वर्णित किया गया है।*

6. 'आनन्द कादम्बिनी' के संस्थापक थे-
(A) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (B) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(C) प्रतापनारायण मिश्र (D) राधा चरण दास

उत्तर- (B) व्याख्या *'आनन्द कादम्बिनी' (1881 ई0) (मासिक) मिर्जापुर तथा 'नागरी-नीरद' (1893 ई0) (साप्ताहिक) मिर्जापुर पत्रिका के संस्थापक एवं सम्पादक बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' थे।*

7. 'दीदी' पत्रिका के सम्पादक थे-
(A) ठाकुर श्रीनाथ सिंह (B) ठाकुर जगमोहन सिंह
(C) गणेश शंकर विद्यार्थी (D) प्रतापनारायण मिश्र

उत्तर- (A)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
दीदी	1939	ठाकुर श्रीनाथ सिंह
प्रताप	1913	गणेश शंकर विद्यार्थी
ब्राह्मण	1883	प्रतापनारायण मिश्र

8. इनमें कौन-सी रचना कुंवरनारायण की है?
(A) पथिक (B) बाजश्रवा के बहाने
(C) मगध (D) पहाड़ पर लालटेन

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकार
बाजश्रवा के बहाने	कुंवर नारायण
पथिक	रामनरेश त्रिपाठी
मगध	श्रीकान्त वर्मा
पहाड़ पर लालटेन	मंगलेश डबराल

9. 'लड़ाई' के नाटककार हैं-
(A) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (B) उपेन्द्रनाथ
(C) रामकुमार वर्मा (D) मोहन राकेश

उत्तर- (A)

नाटक	वर्ष	नाटककार
लड़ाई	1979	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
जय-पराजय	1937	उपेन्द्रनाथ अश्क
विजय पर्व	1954	रामकुमार वर्मा
आधे-अधूरे	1969	मोहन राकेश

10. 'कब्बे' और 'कालापानी' के कहानीकार हैं-
(A) अखिलेश (B) उदय प्रकाश
(C) स्वयं प्रकाश (D) निर्मल वर्मा

उत्तर- (D)

कहानी	कहानीकार
कब्बे और कालापानी	निर्मल वर्मा
दरियाई घोड़ा	उदय प्रकाश
मात्रा और भार	स्वयं प्रकाश
शाप ग्रस्त	अखिलेश

11. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' किस आचार्य का कथन हैः
(A) मम्मट (B) विश्वनाथ
(C) पण्डितराज जगन्नाथ (D) भामह

उत्तर- (C)

कथन	आचार्य
'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'	जगन्नाथ
'तद् दोषौ शब्दार्थो सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि'	मम्मट
'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्'	भामह
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'	विश्वनाथ

12. इनमें कौन बावरी पंथ से सम्बन्धित नहीं है?

(A) बुल्ला साहेब (B) बुलाल साहेब
(C) पलटू साहेब (D) संत साहेब

उत्तर- (C)/ व्याख्या 'बाबरी पंथ' की प्रवर्तक बाबरी साहिबा थीं। बुल्ला साहेब, बुलाल साहेब, संत साहेब इसी सम्प्रदाय से सम्बन्धित थे। जबकि पलटू साहेब जगजीवन दास के शिष्य थे तथा यह सत्यनामी (सतनामी) सम्प्रदाय के सन्त थे।

13. 'कब को टेरत दीन है, होन न स्याम सहाय!
तुम हू लागी जगत गुरु, जगनायक जग बाय!'
इस दोहे में कवि-

(A) शिकायत करता है (B) प्रार्थना करता है
(C) आत्मनिवेदन करता है (D) व्यंग्य करता है

उत्तर- (A)/ व्याख्या 'कब को --------- जग बाय।' पंक्ति में कवि अपने ईष्ट से शिकायत कर रहा है।

14. 'जन गण मन अधिनायक जय हे,
प्रजा विचित्र तुम्हारी है,
भूख भूख चिल्लाने वाली अशुभ
अमंगलकारी है' –इन पंक्तियों के लेखक हैं–

(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ सिंह (D) धूमिल

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
'जन गण मन ...... अमंगलकारी है।'	नागार्जुन
'आज का लेखन, आग के अँगूठों की क्रान्तिकारी कतार का बन्दूकमार लेखन है'	केदारनाथ अग्रवाल
'मैंने जब भी सोचा मुझे रामचन्द्र शुक्ल की मूंछे याद आई	केदारनाथ सिंह
'भूख से रिरियाती हुई हथेली का नाम, गया है और भूख से तनी हुई मुट्ठी का नाम नक्सलवाड़ी है।'	धूमिल

15. 'सब्बंगी' रचना किसकी है?

(A) दादूदास (B) पीपा (C) रैदास (D) रज्जब

उत्तर- (D)/ व्याख्या 'सब्बंगी' - रज्जब की रचना है। इसमें इन्होंने अपनी तथा अन्य निर्गुण संतों की रचनाओं का संकलन किया है। रज्जब ने 'अंगबधू' नाम से दादू दयाल की रचनाओं का संकलन किया है।

16. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना भारतवर्ष में कब हुई थी?

(A) 1930 ई. में (B) 1932 ई. में
(C) 1936 ई. में (D) 1938 ई. में

उत्तर- (C)/ व्याख्या 1935 ई. में पेरिस में एम.फार्स्टर के नेतृत्व में 'प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन (प्रगतिशील लेखक संघ) का प्रथम अधिवेशन हुआ। भारत में 1936 ई. में सज्जाद जहीर और मुल्कराज आनन्द के नेतृत्व में यह संस्था खुली और लखनऊ में इसका प्रथम अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता प्रेमचन्द ने की थी।

17. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहाँ है?

(A) हैदराबाद (B) कोचीन (C) चेन्नई (D) बंगलूरू

उत्तर- (C)

संस्था का नाम	मुख्यालय
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा	चेन्नई
हिन्दी प्रचार सभा	हैदराबाद
मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद्	बंगलौर

18. 'हिन्दुस्तानी' पत्रिका का प्रकाशन किस संस्था ने प्रारम्भ किया?

(A) हिन्दी अकादमी (B) हिन्दी साहित्य एकेडेमी
(C) हिन्दी साहित्य सम्मेलन (D) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान

उत्तर- (A)/ व्याख्या 'हिन्दुस्तानी' त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन 'हिन्दी अकादमी' या 'हिन्दुस्तानी एकेडमी' (प्रयाग) द्वारा किया जाता है। इस संस्था की स्थापना 1927 ई. में डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने की थी। इसके प्रथम अध्यक्ष तेज बहादुर सप्रू थे।

19. 'शेष स्मृतियाँ' संस्मरण के लेखक हैं–

(A) केदारनाथ सिंह (B) रघुवीर सहाय
(C) दूधनाथ सिंह (D) कुंवरचन्द्र प्रकाश सिंह

उत्तर- (D)

संस्मरण	लेखक
शेष स्मृतियाँ	कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह
लौट आओ धार	दूधनाथ सिंह
ताना-बाना	केदारनाथ सिंह
दिल्ली मेरा परदेश	रघुवीर सहाय

20. झांकियाँ निकलती हैं ढ़ोग अविश्वास की
बदबू आती है मरी हुई बात की
इस हवा में अब नहीं डोलूंगा
नहीं, नहीं मैं यह खिड़की नहीं खोलूंगा।
ये पंक्तियाँ किसकी हैं–

(A) प्रभाकर माचवे (B) भारतभूषण अग्रवाल
(C) नरेश मेहता (D) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
'झाँकियाँ निकलती ..... नहीं खोलूँगा।'	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
गा रे गा हरवाहे दिल चाहे वही तान, खेतों में पका धान।	प्रभाकर माचवे
यह सोन जुही-सी चाँदनी नव नवीन पंख कुँहर खोंसे	नरेश मेहता
डूबता दिन भीगती सी शाम, बन्द कर दो काम, लो विश्राम	भारत भूषण अग्रवाल

21. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिए–

(A) आखिरी कलाम, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद, बीसलदेव रासो
(B) बीसलदेव रासो, आखिरी कलाम, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद
(C) बरवै नायिकाभेद, वैराग्य संदीपनी, आखिरी कलाम, बीसलदेव रासो
(D) बीसलदेव रासो, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद, आखिरी कलाम

उत्तर- (B)

रचना	कालक्रम	रचनाकार
बीसलदेव रासो	1155 ई0	नरपति नाल्ह
आखिरी कलाम	1528 ई0	जायसी
वैराग्य संदीपनी	1557 ई0	तुलसीदास
बरवै नायिका भेद	1610-15 के बीच	रहीमदास

22. **निम्नलिखित हिन्दी समाचार पत्रों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिये-**

(A) कर्मवीर, आज, विशाल भारत, जनसत्ता
(B) आज, कर्मवीर, विशाल भारत, जनसत्ता
(C) जनसत्ता, विशाल भारत, कर्मवीर, आज
(D) विशाल भारत, जनसत्ता, कर्मवीर, आज

उत्तर- (B)

समाचार पत्र	कालक्रम	सम्पादक
आज	1920	श्री प्रकाश
कर्मवीर	1924	माखन लाल चतुर्वेदी
विशाल भारत	1928	बनारसी दास चतुर्वेदी
जनसत्ता	1980	ओम थानवी

23. **दिनकर की रचनाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) हुंकार, रेणुका, रसवन्ती, उर्वशी
(B) रेणुका, रसवन्ती, उर्वशी, हुंकार
(C) उर्वशी, रेणुका, हुंकार, रसवन्ती
(D) रसवन्ती, उर्वशी, हुंकार, रेणुका

उत्तर- (A) **व्याख्या** *दिनकर की रचनाओं का सही अनुक्रम- हुंकार(1938 ई0), रेणुका (1935ई0), रसवंती (1939) और उर्वशी (1961 ई0) है।*

24. **निम्नलिखित नाटकों का रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) अन्धायुग, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल, भारत दुर्दशा
(B) भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल, अन्धायुग
(C) अन्धायुग, भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल
(D) भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, अन्धायुग, कोर्ट मार्शल

उत्तर- (D)

नाटक	रचनाकाल	नाटककार
भारत दुर्दशा	1880 ई0	भारतेन्दु
प्रायश्चित	1913 ई0	प्रसाद
अन्धायुग	1955 ई0	धर्मवीर भारती
कोर्ट मार्शल	1991 ई0	स्वदेश दीपक

25. **निम्नलिखित आलोचकों का कालानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) विजयदेवनारायण साही, डॉ. देवराज, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लक्ष्मीकान्त वर्मा
(B) डॉ. देवराज, लक्ष्मीकान्त वर्मा, विजयदेवनारायण साही, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, डॉ. देवराज
(D) लक्ष्मीकान्त वर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, डॉ. देवराज

उत्तर- (B)

आलोचक	कालक्रम
डॉ0 देवराज	1917-1999 ई0
लक्ष्मीकान्त वर्मा	1922-2002 ई0
विजयदेव नारायण साही	1924-1986 ई0
रामस्वरूप चतुर्वेदी	1931-2003 ई0

26. **निम्नलिखित उपन्यासों का रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) कसप, चन्द्रकान्ता, नदी के द्वीप, तितली
(B) तितली, चन्द्रकान्ता, कसप, नदी के द्वीप
(C) चन्द्रकान्ता, तितली, नदी के द्वीप, कसप
(D) नदी के द्वीप, कसप, चन्द्रकान्ता, तितली

उत्तर- (C)

उपन्यास	रचनाकाल	उपन्यासकार
चन्द्रकान्ता	1888 ई0	देवकी नंदन खत्री
तितली	1934 ई0	प्रसाद
नदी के द्वीप	1951 ई0	अज्ञेय
कसप	1982 ई0	मनोहर श्याम जोशी

27. **निम्नलिखित काव्य संग्रहों का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) भग्नदूत, मंजीर, चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी
(B) मंजीर, चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी, भग्नदूत
(C) चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी, भग्नदूत, मंजीर
(D) साखी, चाँद का मुँह टेढ़ा है, मंजीर, भग्नदूत

उत्तर- (A)

काव्य संग्रह	कालक्रम	काव्यकार
भग्नदूत	1933 ई0	अज्ञेय
मंजीर	1941 ई0	गिरिजा कुमार माथुर
चाँद का मुँह टेढ़ा है	1964 ई0	मुक्तिबोध
साखी	1983 ई0	विजयदेव नारायण साही

28. **निम्नलिखित का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) अस्तित्त्ववाद, फ्रायडवाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
(B) फ्रायडवाद, अस्तित्त्ववाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
(C) संरचनावाद, अस्तित्त्ववाद, फ्रायडवाद, उत्तरसंरचनावाद
(D) उत्तरसंरचनावाद, संरचनावाद, फ्रायडवाद, अस्तित्त्ववाद

उत्तर- (C)

वाद	अनुक्रम	प्रयोक्ता
संरचनावाद	1725 ई०	विको
अस्तित्ववाद	1813-1855 ई०	कीर्केगार्द
फ्रायडवाद	1856-1939 ई०	फ्रायड
उत्तर संरचनावाद	1970 ई.	रोलाबर्थ

29. **निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का रचनाकाल के अनुसार, सही क्रम रेखांकित कीजिये-**

(A) चाबुक, परम्परा का मूल्यांकन, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक
(B) परम्परा का मूल्यांकन, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, चाबुक
(C) चाबुक, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, परम्परा का मूल्यांकन
(D) नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, परम्परा का मूल्यांकन, चाबुक

उत्तर- (B)

निबन्ध संग्रह	रचनाकाल	रचनाकार
परम्परा का मूल्यांकन	1981 ई0	राम विलास शर्मा
नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध	1964 ई0	मुक्तिबोध
आत्मपरक	1983 ई0	अज्ञेय
चाबुक	1951ई0	निराला

30. निम्नलिखित में काव्यान्दोलनों का सही कालानुक्रम रेखांकित कीजिये-

(A) युयुत्सावाद, अकविता, नयी कविता, नकेनवाद
(B) नयी कविता, नकेनवाद, अकविता, युयुत्सावाद
(C) नकेनवाद, नयी कविता, अकविता, युयुत्सावाद
(D) नयी कविता, अकविता, नकेनवाद, युयुत्सावाद

उत्तर- (B)

काव्य आन्दोलन	कालक्रम	प्रवर्त्तक
नयी कविता	*1954 ई.*	*जगदीश चन्द्र गुप्त*
नकेनवाद	*1956 ई.*	*नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार, नरेश*
अकविता	*1965 ई.*	*जगदीश चतुर्वेदी*
युयुत्सावाद	*1968 ई.*	*शलभ श्रीराम सिंह*

31. निम्नलिखित में उपन्यासों और उनके नारी-पात्रों को सुमेलित कीजिये-

(a) परख — (i) जालपा
(b) गबन — (ii) शशि
(c) त्यागपत्र — (iii) कट्टो
(d) शेखर : एक जीवनी — (iv) मृणालिनी
(v) धनिया

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(v)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर- (B)

उपन्यास	पात्र	उपन्यासकार
परख	*कट्टो*	*जैनेन्द्र*
गबन	*जालपा*	*प्रेमचन्द*
त्यागपत्र	*मृणालिनी*	*जैनेन्द्र*
शेखर एक जीवनी	*शशि*	*अज्ञेय*
गोदान	*धनिया*	*प्रेमचन्द*

32. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये

(a) दस द्वार के सोपान तक — (i) वृन्दावन लाल वर्मा
(b) मेरी आत्म कहानी — (ii) राहुल सांकृत्यायन
(c) अपनी कहानी — (iii) श्यामसुन्दर दास
(d) मेरी जीवन यात्रा — (iv) हरिवंशराय बच्चन
(v) चन्दर सेन

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (B)

आत्मकथा	वर्ष	आत्मकथाकार
दस द्वार के सोपान तक	*1985 ई०*	*हरिवंश राय बच्चन*
मेरी आत्म कहानी	*1941 ई०*	*श्याम सुन्दर दास*
अपनी कहानी	*1970 ई०*	*वृन्दावनलाल वर्मा*
मेरी जीवन यात्रा	*1946 ई०*	*राहुल सांकृत्यायन*

33. निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) बात बोलेगी — (i) केदारनाथ अग्रवाल
(b) साम्राज्ञी का नैवेद्यदान — (ii) शिवमंगल सिंह सुमन
(c) यमुना के प्रति — (iii) अज्ञेय
(d) अकाल में सारस — (iv) शमशेर बहादुर सिंह
(v) केदार नाथ सिंह

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)

उत्तर- (B)

रचना	कवि
बात बोलेगी	*शमशेर बहादुर सिंह*
साम्राज्ञी का नैवेद्य दान	*अज्ञेय*
यमुना के प्रति	*केदारनाथ अग्रवाल*
अकाल में सारस	*केदारनाथ सिंह*
प्रलय-सृजन	*शिव मंगल सिंह सुमन*

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) हंसावली — (i) कुतुबन
(b) चन्दायन — (ii) ईश्वर दास
(c) सत्यवती — (iii) कवि असाइत
(d) मृगावती — (iv) मुल्ला दाऊद
(v) उसमान

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(v)

उत्तर- (A)

रचना	वर्ष	कवि
हंसावली	*1370 ई0*	*असाइत*
चन्दायन	*1379 ई0*	*मुल्ला दाऊद*
सत्यवती	*1501 ई0*	*ईश्वरदास*
मृगावती	*1503 ई0*	*कुतुबन*
चित्रावली	*1613 ई0*	*उसमान*

35. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) अप्सरा — (i) वृन्दावन लाल वर्मा
(b) मृगनयनी — (ii) प्रेमचन्द
(c) कर्मभूमि — (iii) निराला
(d) मित्रो मरजानी — (iv) कृष्णा सोबती
(v) चित्रा मुद्गल

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(v)	(i)	(iii)

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
अप्सरा	*1931 ई0*	*निराला*
मृगनयनी	*1905 ई0*	*वृन्दावन लाल वर्मा*
कर्मभूमि	*1932 ई0*	*प्रेमचन्द*
मित्रोमरजानी	*1967 ई0*	*कृष्णा सोबती*
एक जमीन अपनी	*1990 ई0*	*चित्रा मुद्गल*

36. निम्नलिखित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों को सुमेलित कीजिये-

(a) रसगंगाधर — (i) मम्मट
(b) साहित्य दर्पण — (ii) आनन्दवर्धन
(c) काव्य प्रकाश — (iii) विश्वनाथ
(d) वक्रोक्ति जीवितम् — (iv) कुन्तक
(v) पण्डितराज जगन्नाथ

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(v)

उत्तर- (A)

ग्रन्थ	ग्रन्थकार
रसगंगाधर	जगन्नाथ
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ
काव्य प्रकाश	मम्मट
वक्रोक्ति जीवितम्	कुन्तक
ध्वन्यालोक	आनन्द वर्धन

37. **निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-**

(a) राष्ट्रगीत में भला कौन यह भारत भाग्य विधाता है — (i) गिरिजाकुमार माथुर
(b) क्या करूं जो शंभुधनु टूटा तुम्हारा — (ii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(c) अब मैं कवि नहीं रहा, काला झण्डा हूँ — (iii) रघुवीर सहाय
(d) साधो आज मेरे सत की परीक्षा है। — (iv) विजय देव नारायण साही
(v) प्रभाकर माचवे

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(v)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(v)	(iii)

उत्तर- (B)

काव्य पंक्तियाँ	कवि
राष्ट्रगीत में -------- विधाता है।	रघुवीर सहाय
क्या करूँ -------- टूटा तुम्हारा।	गिरिजा कुमार माथुर
अब मैं --------- झण्डा हूँ।	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
साधो ----------- परीक्षा है।	विजयदेव नारायण साही
कविता क्या है कहते हैं जीवन का दर्शन है, आलोचन	प्रभाकर माचवे

38. **निम्नलिखित यात्रा साहित्य और उनके लेखकों को सुमेलित कीजिये-**

(a) ठेले पर हिमालय — (i) रांगेय राघव
(b) आखिरी चट्टान — (ii) अमृत राय
(c) सुबह के रंग — (iii) मोहन राकेश
(d) पैरों में पंख बाँधकर — (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी
(v) धर्मवीर भारती

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(ii)	(v)	(iii)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(v)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(v)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर- (D)

यात्रा साहित्य	वर्ष	लेखक
ठेले पर हिमालय	1958 ई0	धर्मवीर भारती
आखिरी चट्टान	1953 ई0	मोहन राकेश
सुबह के रंग	-	अमृत राय
पैरों में पंख बांधकर	1952 ई0	रामवृक्ष बेनीपुरी

39. **निम्नलिखित साहित्यिक वादों के साथ सम्बन्धित कवियों का सुमेलन कीजिये-**

(a) प्रगतिवाद — (i) अज्ञेय
(b) हालावाद — (ii) जगदीश चतुर्वेदी
(c) अकविता — (iii) सुभद्रा कुमारी चौहान
(d) प्रयोगवाद — (iv) बच्चन
(v) त्रिलोचन

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)
(C)	(i)	(v)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(v)

उत्तर- (A)

वाद	प्रवर्तन वर्ष	सम्बन्धित कवि
प्रगतिवाद	1936 ई0	त्रिलोचन
हालावाद	1933 ई0	बच्चन
अकविता	1965 ई0	जगदीश चतुर्वेदी
प्रयोगवाद	1943 ई0	अज्ञेय
राष्ट्रीय काव्यधारा	छायावाद के समान्तर	सुभद्रा कुमारी चौहान

40. **निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिये-**

(a) भारतेन्दु — (i) शिवप्रसाद गुप्त
(b) ब्राह्मण — (ii) प्रताप नारायण मिश्र
(c) विशाल भारत — (iii) राधाचरण गोस्वामी
(d) आज — (iv) बनारसीदास चतुर्वेदी
(v) गणेश शंकर विद्यार्थी

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(v)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(i)	(v)	(iii)	(ii)

उत्तर- (B)

पत्र-पत्रिका	प्र0 वर्ष	सम्पादक
भारतेन्दु	1883	राधाचरण गोस्वामी
ब्राह्मण	1883	प्रताप नारायण मिश्र
विशाल भारत	1928	बनारसी दास चतुर्वेदी
आज	1920	शिव प्रसाद गुप्त
प्रताप	1913	गणेश शंकर विद्यार्थी

41. **स्थापना (Assertion) (A) : नाट्य का अपनी समग्रता में परिचय देना ही नटकर्म के आगे-पीछे जो मूल प्रयोग है वहाँ तक जाना पड़ेगा।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नटकर्म या प्रयोग में कवि रचित काव्य प्रस्तुत किया जाता है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A) व्याख्या: *नटकर्म या नाटक के उद्देश्यों में नाटक के उद्देश्यों एवं मूल्य को प्रस्तुत किया जाता है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

42. **स्थापना (Assertion) (A) : करुणा ही लोगों की श्रद्धा को अपनी ओर अधिक खींचती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि करुणा का विषय दूसरों का दुःख नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *किसी प्राणी को दूसरे पर करुणा करते देख तीसरे प्राणी को करुणा करने वाले पर श्रद्धा उत्पन्न होती है। अतः करुणा ही लोगों की श्रद्धा को अपनी ओर खींचती है। करुणा का विषय दूसरों का दुःख होता है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

43. स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाओं का मूल स्वर देश भक्ति नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि देशप्रेम की भावना तत्कालीन भारतीय समाज में नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाओं का मूल स्वर देश भक्ति या राष्ट्रीयता है। देशप्रेम की भावना तत्कालीन (भारतेन्दु युगीन) समाज में मुख्य रूप से पायी जाती है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।*

44. स्थापना (Assertion) (A) : भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उसमें अपने मंगल और लोकमंगल का संगम दिखाई पड़ता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति होती है। भक्ति में अपने मंगल और लोकमंगल का संगम होता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

45. स्थापना (Assertion) (A) : निराला की कल्पनाएँ उनके भावों की सहचरी नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उनकी कल्पनाएँ सुशील स्त्रियों की भाँति पति के पीछे-पीछे चलती नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'निराला की कल्पनाएँ उनके भावों का संवहन करती है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।*

निर्देश : निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

महाकाव्य की रचना जातीय संस्कृति के किसी महाप्रवाह, सभ्यता के उद्गम, संगम, प्रलय, किसी सहचरित के विराट उत्कर्ष अथवा आत्मतत्त्व के किसी चिर अनुभव रहस्य को प्रदर्शित करने के लिये की जाती है। आर्य-सभ्यता के विकास-काल में जब देव-दानवों का (अर्थात् दैव और आसुर संस्कृतियों का) संघर्ष हो रहा था, तब महर्षि वाल्मीकि ने देवपक्ष का विजयघोष करने वाले रामायण महाकाव्य का निर्माण किया। वेदव्यास ने द्वापर के अन्त में कुरुक्षेत्र संग्राम का स्मारक महाभारत ग्रन्थ रखा, जो कलियुग का अग्रदूत, अत्यन्त दुःखान्त सृजन है।

46. महाकाव्य की रचना किसको प्रदर्शित करने के लिये की जाती है?

(A) किसी सहच्चरित्र के आत्मतत्त्व को
(B) किसी महत् विषय को
(C) किसी महान नायक को
(D) किसी सहचरित्र के विराट उत्कर्ष को

उत्तर- (D)/ व्याख्या *महाकाव्य की रचना किसी सहचरित्र के विराट उत्कर्ष को प्रकट करने के लिये की जाती है।*

47. आर्य सभ्यता के विकास काल में किनके के मध्य संघर्ष हो रहा था?

(A) दैव और आसुर संस्कृतियों के मध्य
(B) आर्य और अनार्यों के मध्य
(C) देशी और विदेशियों के मध्य
(D) सत और असत प्रवृत्तियों के मध्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *आर्य सभ्यता के विकास काल में देव और दानवों (देव और आसुर संस्कृतियों) के मध्य संघर्ष हो रहा था।*

48. महाभारत किस युग के अन्त में लिखा गया-

(A) त्रेता युग के अन्त में (B) द्वापर के अन्त में
(C) भक्तिकाल के अन्त में (D) आदिकाल के अन्त में

उत्तर- (B)/ व्याख्या *वेदव्यास द्वारा महाभारत द्वापर युग के अन्त में लिखा गया।*

49. महाभारत को कैसा सृजन कहा गया है?

(A) सुखान्त सृजन (B) प्रसादान्त सृजन
(C) दुःखान्त सृजन (D) सुखान्त दुःखान्त सृजन

उत्तर- (C)/ व्याख्या *'महाभारत' को कलियुग का अग्रदूत, दुःखान्त सृजन कहा गया है।*

50. महाकाव्य की रचना में क्या होना चाहिये-

(A) राष्ट्रीय चेतना का महाप्रवाह
(B) जातीय संस्कृति का महाप्रवाह
(C) सांस्कृतिक सामाजिक चेतना
(D) मानवीय चेतना

उत्तर- (B)/ व्याख्या *महाकाव्य की रचना में जातीय संस्कृति का प्रवाह, सभ्यता का उद्गम, प्रलय, संगम इत्यादि को होना चाहिये।*

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी भाषा का सम्बन्ध किससे है?

(A) शौरसेनी अपभ्रंश (B) अपभ्रंश
(C) पश्चिमी प्राकृत (D) प्राकृत

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ *शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी से पाँच प्रमुख बोलियों- खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी (बंगारू), बुन्देली एवं कन्नौजी निकली हैं। अतः हिन्दी भाषा का सम्बन्ध शौरसेनी अपभ्रंश से है।*

2. इनमें से कौन-सी रचना अवधी में नहीं है?

(A) पद्मावत (B) मधुमालती
(C) कवितावली (D) नूर जवाहर

उत्तर- (C)/

रचना	भाषा	रचनाकार
पद्मावत	ठेठ अवधी	जायसी
मधुमालती	अवधी	मंझन
नूर (हंस) जवाहर	अवधी + ब्रज	कासिमशाह
कवितावली	ब्रजभाषा	तुलसीदास

3. 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'- किसका कथन है?

(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) कबीरदास (D) विद्यापति

उत्तर- (D)/

कथन	कथनकार
देसिल बअना सब जन मिट्ठा। ते तैंसन जपो अवहट्ठा।।	विद्यापति
भाखाबद्ध करबि मैं सोई। मोरे मन प्रबोध जेहिं होई।।	तुलसीदास
संसकिरत है कूप जल भाखा बहता नीर।	कबीरदास
भयो कठोर ब्रज ते भारी रहि के पापी कहा कियो।	सूरदास

4. हिन्दी नयी चाल में ढली, सन् 1873 ई. में- यह किसका कथन है?

(A) रामविलास शर्मा (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) किशोरीदास बाजपेयी (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *हिन्दी खड़ी बोली गद्य का ठीक परिकृष्त रूप 'हरिश्चन्द्र चंद्रिका' 1873 ई. में प्रकट हुआ। इसी के सन्दर्भ में भारतेन्दु ने 'कालचक्र' 1884 ई. में कहा कि- ''हिन्दी नयी चाल में ढली, सन् 1873 ई. में''। रामविलास शर्मा जी का कथन है कि- ''हिन्दी नये चाल में नहीं ढली।''*

5. 'आधुनिक काल में गद्य का आविर्भाव सबसे प्रधान घटना है।'- यह कथन किसका है?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) रामविलास शर्मा (D) नन्ददुलारे बाजपेयी

उत्तर- (B)/

कथन	कथनकार
आधुनिक काल में गद्य का आविर्भाव प्रधान घटना है। विलक्षण बात यह है कि आधुनिक गद्य साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नाटकों से हुआ।	रामचन्द्र शुक्ल
काव्य में अन्य भावों का उद्बोधन और मानव चरित्र के उन्नयन की शक्ति होनी चाहिये।	महावीर प्रसाद द्विवेदी
भारतेन्दु युग का साहित्य हिन्दी भाषी जनता का जातीय साहित्य है वह हमारे जातीय नवजागरण का साहित्य है।	डॉ. रामविलास शर्मा
विकासशील मानव जीवन के महत्त्वपूर्ण या मार्मिक अंशों की अभिव्यक्ति, यही साहित्य की मोटी परिभाषा हो सकती है।	नन्ददुलारे बाजपेयी

6. भरतमुनि ने अपभ्रंश को क्या नाम दिया है?

(A) लोकभाषा (B) जनभाषा (C) देशभाषा (D) अशुद्धभाषा

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ *भरतमुनि (विक्रम की दूसरी-तीसरी शती) ने 'अपभ्रंश' को देशभाषा कहा है। जबकि विद्यापति ने अपभ्रंश से भिन्न प्रचलित बोलचाल की भाषा को देशभाषा कहा है।*

7. वल्लभाचार्य किस सम्प्रदाय के संस्थापक थे?

(A) अद्वैत (B) द्वैताद्वैत (C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

उत्तर- (C)/

सम्प्रदाय	संस्थापक
अद्वैतवाद	शंकराचार्य
द्वैताद्वैतवाद	निम्बाकाचार्य
शुद्धाद्वैतवाद	बल्लभाचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	रामानुजाचार्य

8. निम्नलिखित में से कौन आचार्य कवि नहीं हैं?

(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) चिन्तामणि (D) ब्रजवासीदास

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *केशवदास, भिखारीदास, चिन्तामणि रीतिकाल के आचार्य कवियों में गिने जाते हैं। जबकि ब्रजवासीदास रीतिकाल के अन्य कवियों की श्रेणी में 'प्रबन्धकाव्यकार' के रूप में आते हैं। 'ब्रजविलास' (1770 ई.) इनकी प्रबन्ध रचना है। इसमें 'सूरसागर' के कथाक्रम में कृष्ण के जीवन का चित्रण किया गया है।*

9. 'कर्मवीर' के सम्पादक थे-

(A) शिवप्रसाद गुप्त (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) पराडकर (D) गणेश शंकर विद्यार्थी

उत्तर- (B)/

पत्र	स्थापना वर्ष	सम्पादक
कर्मवीर	1924 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी
आज	1920 ई.	बाबूराव विष्णु राव पराडकर
प्रताप	1913 ई.	गणेश शंकर विद्यार्थी
आज	1920 ई.	शिवप्रसाद गुप्त

10. 'कुआनो नदी' के रचनाकार हैं-
(A) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (B) रघुवीर सहाय
(C) श्रीकान्त वर्मा (D) नरेश मेहता

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार
कुआनो नदी	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
आत्महत्या के विरुद्ध	रघुवीर सहाय
समाधिलेख	श्रीकान्त वर्मा
प्रवादपर्व	नरेश मेहता

11. इनमें से कौन-सा महाकाव्य नहीं है?
(A) लोकायतन (B) रामदूत
(C) गंगावतरण (D) कुरूक्षेत्र

उत्तर- (D)

रचना	समय	विधा	रचनाकार
लोकायतन	1964	प्रबन्ध/महाकाव्य	सुमित्रानंदन पंत
रामदूत	2002	प्रबन्ध/महाकाव्य	हरिश्चन्द्र पाण्डेय
गंगावतरण	1927	प्रबन्ध/महाकाव्य	जगन्नाथदास रत्नाकर
कुरूक्षेत्र	1946	खण्डकाव्य	दिनकर

12. स्वदेश दीपक की रचना है-
(A) आधे-अधूरे (B) कबिरा खड़ा बाजार में
(C) बकरी (D) कोर्ट मार्शल

उत्तर- (D)

रचना	समय	रचनाकार
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
आधे अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

13. भुक्तिवाद की अवधारणा किसकी है?
(A) मम्मट (B) भट्टनायक
(C) भट्टलोल्लट (D) आनन्दवर्धन

उत्तर- (B)

सिद्धान्त	प्रवर्तक आचार्य
भुक्तिवाद	भट्टनायक
उत्पत्ति/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट
अनुमितिवाद	शंकुक
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन

14. 'उज्ज्वल नीलमणि' किस आचार्य की रचना है?
(A) मधुसूदन सरस्वती (B) रूपगोस्वामी
(C) रामानन्द (D) रामानुजाचार्य

उत्तर- (B)

रचना	रचनाकार
उज्ज्वल नीलमणि	रूपगोस्वामी
भगवदभक्ति रसायन	मधुसूदन सरस्वती
रामार्चन पद्धति	रामानन्द
श्री भाष्य	रामानुजाचार्य

15. सर्वव्यापी एक कुम्हारा, जाकि महिमा आर न पारा। हिन्दू तुरुक का एकै कर्ता, एकै ब्रह्म सबन का भर्ता। के रचनाकार हैं-
(A) कबीरदास (B) मलूकदास (C) तुलसीदास (D) रहीमदास

उत्तर- (B)

16. 'भाषा प्रवीन सुछन्द सदा रहै, सो घन जी के कवित्त बखानै' पंक्ति है-
(A) घनानन्द की (B) बोधा की
(C) व्रजरत्नदास की (D) रत्नाकर की

उत्तर- (C)/ व्याख्या

पंक्ति	पंक्तिकार
भाषा प्रवीन सुछन्द सदा रहै, सो घन जी के कवित्त बखानै।	व्रजरत्नदास
जान मिलै तो जहान मिलै, नहिं जान मिलै तौ जहान कहाँ को।	बोधा
कुटिल कटारी है अटारी है उतंग अति, जमुना तरंग है तिहारौ सतसंग है।	जगन्नाथदास रत्नाकर
सलोने श्याम प्यारे क्यों न आवौ। दरस प्यासी मरैं तिनकौं जिवावौ।।	घनानन्द

नोट- व्रजरत्नदास ने उक्त कथन 'घनानन्द कवित्त' में घनानन्द की प्रशस्ति में लिखा है।

17. 'अपने यहाँ संसद ऐसी घानी है जिसमें आधा तेल व आधा पानी है' के कवि हैं-
(A) केदारनाथ सिंह (B) धूमिल
(C) लीलाधर जगूड़ी (D) राजेश जोशी

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
अपने यहाँ संसद ऐसी घानी है, जिसमें आधा तेल आधा पानी है।	धूमिल
मैं पूरी ताकत के साथ शब्दों को फेंकना चाहता हूँ, आदमी की तरफ	केदारनाथ सिंह
जिस पर कोई नहीं खाना चाहता आजादी एक जूठी थाली है।	लीलाधर जगूड़ी
जादू है जादू है जादू है कविता।	राजेश जोशी

18. नागरी प्रचारिणी सभा, काशी के संस्थापकों में से थे-
(A) शिव कुमार सिंह और बाबू श्याम सुन्दरदास
(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और भारतेन्दु
(C) प्रताप नारायण मिश्र और बालकृष्ण भट्ट
(D) रत्नाकर और शिव प्रसाद गुप्त

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'नागरी प्रचारिणी सभा' काशी की स्थापना 1893 ई. में श्याम सुन्दर दास, रामनारायण मिश्र और शिवकुमार सिंह ने की थी।*

19. निम्नलिखित में से कौन-सी हिन्दी पत्रिका है?
(A) केरल ज्योति (B) केरल दर्शन
(C) दक्षिण निधि (D) देश पोषिणी

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'केरल ज्योति' हिन्दी की पत्रिका है, जिसका प्रकाशन 'केरल हिन्दी प्रसार सभा' त्रिवेन्द्रम के तत्वावधान में भास्करन नायर के सम्पादन में 1966 ई. में प्रारम्भ हुआ।*

20. 'विपाशा' पत्रिका का प्रकाशन किस स्थान से होता था?
(A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
(C) हिमाचल प्रदेश (D) दिल्ली

उत्तर- (C)/ व्याख्या *विपाशा पत्रिका का प्रकाशन भाषा एवं संस्कृति विभाग (हिमाचल प्रदेश) द्वारा किया जाता है। यह द्वैमासिक पत्रिका है।*

21. **निम्नलिखित रचनाओं को कालक्रमानुसार सही अनुक्रम में लिखिये-**
(A) कीर्त्तिलता, विनयपत्रिका, वीरसिंह देव चरित, ठाकुर ठसक
(B) ठाकुर ठसक, विनयपत्रिका, कीर्त्तिलता, वीरसिंह देव चरित
(C) वीरसिंह देव चरित, ठाकुर ठसक, कीर्त्तिलता, विनयपत्रिका
(D) विनयपत्रिका, कीर्त्तिलता, ठाकुर ठसक, वीरदेव सिंह चरित

उत्तर- (A)

रचना	समय	रचनाकार
कीर्तिलता	13वीं सदी	विद्यापति
विनय पत्रिका	1596 ई.	तुलसीदास
वीर सिंह देव चरित	1607 ई.	केशवदास
ठाकुर ठसक	1600 ई. के बाद	ठाकुर

22. **निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम क्या है?**
(A) उर्वशी, पद्मावत, पथिक, अनामिका
(B) पद्मावत, पथिक, अनामिका, उर्वशी
(C) पद्मावत, उर्वशी, अनामिका, पथिक
(D) पथिक, पद्मावत, उर्वशी, अनामिका

उत्तर- (B)

रचना	समय	रचनाकार
पद्मावत	1540 ई.	जायसी
पथिक	1920 ई.	रामनरेश त्रिपाठी
अनामिका	1923 ई.	निराला
उर्वशी	1961 ई.	दिनकर

23. **कौन-सा अनुक्रम सही है?**
(A) प्रायश्चित, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन
(B) चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन, प्रायश्चित
(C) सज्जन, प्रायश्चित, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(D) ध्रुवस्वामिनी, चन्द्रगुप्त, सज्जन, प्रायश्चित

उत्तर- (C) **व्याख्या** *सज्जन (1910), प्रायश्चित (1913), चन्द्रगुप्त (1931) एवं ध्रुवस्वामिनी (1933) ई. सभी प्रसाद के नाटक हैं।*

24. **निम्नलिखित वर्गों में रचनाकारों का कालक्रमानुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?**
(A) दिनकर, बच्चन, अज्ञेय, मैथिलीशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, बच्चन, अज्ञेय
(C) अज्ञेय, बच्चन, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त
(D) बच्चन, अज्ञेय, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर

उत्तर- (B)

रचनाकार	कालक्रम
मैथिली शरण गुप्त	1886-1946 ई.
बच्चन	1907-2003 ई.
दिनकर	1908-1974 ई.
अज्ञेय	1911-1987 ई.

25. **निम्नलिखित वर्गों में कालक्रमानुसार आचार्यों का कौन-सा क्रम सही है?**
(A) मम्मट, दण्डी, भामह, आनन्दवर्धन
(B) दण्डी, आनन्दवर्धन, मम्मट, भामह
(C) भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन, मम्मट
(D) आनन्दवर्धन, भामह, मम्मट, दण्डी

उत्तर- (C)

आचार्य	समय	प्रमुख रचना
भामह	6वीं शती का मध्य	काव्यालंकार
दण्डी	7वीं शती	काव्यादर्श
आनन्दवर्धन	9वीं शती का मध्य	ध्वन्यालोक
मम्मट	11वीं शती का उत्तरार्द्ध	काव्य प्रकाश

26. **रचनाकाल के अनुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?**
(A) शिवशंभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध, कुटज, कहाँ है द्वारका
(B) काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध, कहाँ है द्वारका, कुटज, शिवशंभु के चिट्ठे
(C) कुटज, कहाँ है द्वारका, शिवशंभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध
(D) कहाँ है द्वारका, कुटज, शिवशुभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
शिवशंभू के चिट्ठे	1905	बालमुकुन्द गुप्त
काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध	1939	प्रसाद
कुटज	1964	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कहाँ है द्वारका	1982	अज्ञेय

27. **रचनाकाल के अनुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?**
(A) पीली छतरी वाली लड़की, यारों का यार, ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ
(B) ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ, यारों का यार, पीली छतरी वाली लड़की
(C) ठाकुर का कुआँ, यारों का यार, पीली छतरी वाली लड़की, ग्यारह वर्ष का समय
(D) यारों का यार, पीली छतरी वाली लड़की, ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ

उत्तर- (B)

कहानी	रचनाकाल	कहानीकार
ग्यारह वर्ष का समय	1903	रामचन्द्र शुक्ल
ठाकुर का कुआँ	1932	प्रेमचन्द
यारों का यार	1967	कृष्णा सोबती
पीली छतरी वाली लड़की	2001	उदय प्रकाश

28. **रचनाकाल के अनुसार पत्रिकाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**
(A) नयी कविता, नागरी नीरद, दिनमान, चाँद
(B) चाँद, नागरी नीरद, दिनमान, नयी कविता
(C) नागरी नीरद, चाँद, नयी कविता, दिनमान
(D) दिनमान, नागरी नीरद, चाँद, नयी कविता

उत्तर- (C)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
नागरी नीरद	1893 ई.	प्रेमघन
चाँद	1920 ई.	रामरख सहगल
नयी कविता	1954 ई.	जगदीश गुप्त
दिनमान	1965 ई.	रघुवीर सहाय

29. **उपन्यासकारों का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिये-**
(A) राधिकारमण प्रसाद सिंह, अमृतलाल नागर, मोहन राकेश, देवकीनंदन खत्री
(B) देवकीनंदन खत्री, राधिकारमण प्रसाद सिंह, अमृत लाल नागर, मोहन राकेश
(C) मोहन राकेश, देवकीनंदन खत्री, अमृतलाल नागर, राधिकारमण प्रसाद सिंह
(D) अमृतलाल नागर, मोहन राकेश, राधिकारमण प्रसाद सिंह, देवकीनंदन खत्री

उत्तर- (B)

उपन्यासकार	कालक्रम	उपन्यास
देवकी नंदन खत्री	1861-1913 ई.	कुसुम कुमारी
राधिका रमण प्रसाद सिंह	1890-1971 ई.	राम-रहीम
अमृत लाल नागर	1916-1990 ई.	करवट
मोहन राकेश	1925-1972 ई.	अंतराल

30. काल के अनुसार कवियों के सही अनुक्रम को रेखांकित कीजिये-

(A) श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, त्रिलोचन, श्रीकान्त वर्मा
(B) श्रीकान्त वर्मा, श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, त्रिलोचन
(C) महादेवी वर्मा, त्रिलोचन, श्रीकान्त वर्मा, श्रीधर पाठक
(D) त्रिलोचन, श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, श्रीकान्त वर्मा

उत्तर- (A)

कवि	कालक्रम	रचना
श्रीधर पाठक	1860-1928 ई.	वनाष्टक
महादेवी वर्मा	1907-1987 ई.	सांध्यगीत
त्रिलोचन	1917-2007 ई.	धरती
श्रीकान्त वर्मा	1931-1986 ई.	जलसाघर

31. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) देश द्रोही	(i) वृन्दावन लाल वर्मा
(b) भूले बिसरे चित्र	(ii) यशपाल
(c) अनामदास का पोथा	(iii) निराला
(d) निरूपमा	(iv) भगवती चरण वर्मा
	(v) हजारी प्रसाद द्विवेदी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(v)	(ii)	(iv)
(B)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर- (C)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
देशद्रोही	1943	यशपाल
भूले बिसरे चित्र	1959	भगवती चरण वर्मा
अनामदास का पोथा	1976	हजारी प्रसाद द्विवेदी
निरूपमा	1936	निराला
भुवन विक्रम	1957	वृंदावन लाल वर्मा

32. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों का नाम सुमेलित कीजिये-

(a) जात पांत पूछै नहिं कोई	(i) तुलसीदास
(b) गिरा अनयन नयन बिनु बानी	(ii) परमानन्ददास
(c) प्रेम प्रेम ते होय प्रेम ते पारहिं पाइए	(iii) जायसी
(d) मानुष प्रेम भयो बैकुंठी	(iv) रामानन्द
	(v) सूरदास

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(C)	(iv)	(i)	(v)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(v)

उत्तर- (C)

पंक्ति	कवि
जात पांत पूछै नहिं कोई हरि को भजै सो हरि का होई।	रामानन्द
गिरा अनयन नयन बिनु बानी।	तुलसीदास
प्रेम प्रेम --------- पारहिं पाइए।	सूरदास
मानुष प्रेम भयो बैकुंठी नाहित काह छार भए मूठी।	जायसी
कहा करौं बैकुंठहि जाय	परमानंददास

33. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) कृष्ण चन्दर	(i) जहाँ लक्ष्मी कैद है
(b) हरिशंकर परसाई	(ii) राजा निरबंसिया
(c) राजेन्द्र यादव	(iii) महुए का पेड़
(d) कमलेश्वर	(iv) पाँच रूपये की आजादी
	(v) वापसी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर- (A)

कहानीकार	कहानी
मार्कण्डेय	महुए का पेड़
हरिशंकर परसाई	पाँच रूपये की आजादी
राजेन्द्र यादव	जहाँ लक्ष्मी कैद है
कमलेश्वर	राजा निरबंसिया
उषा प्रियंवदा	वापसी
कृष्ण चन्दर	पेशावर एक्सप्रेस

34. निम्नलिखित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों को सुमेलित कीजिये-

(a) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	(i) लॉन जाइनस
(b) सैक्रेड वुड	(ii) रिचर्डस
(c) लिरिकल वैलेड्स	(iii) अरस्तू
(d) पोयटिक्स	(iv) वड्र्सवर्थ
	(v) टी.एस.इलिएट

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(B)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर- (A)

ग्रन्थ	वर्ष	ग्रन्थकार
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	1929	रिचर्ड्स
सैक्रेड वुड	1920	टी.एस.इलियट
लिरिकल बैलेड्स	1798	वर्ड्सवर्थ
पोयटिक्स	1741	अरस्तू

35. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) अरुण यह मधुमय देश हमारा	(i) अज्ञेय
(b) हम नदी के द्वीप हैं	(ii) धूमिल
(c) दुखों के दागों को तमगों सा पहना	(iii) जयशंकर प्रसाद
(d) मेरे लिये हर आदमी एक जोड़ी जूता है	(iv) मुक्तिबोध
	(v) निराला

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (C)

पंक्ति	लेखक
अरुण यह मधुमय देश हमारा, जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।	प्रसाद
हम नदी के द्वीप हैं, हम धारा नहीं हैं।	अज्ञेय
दुःखों के दागों को तमगों सा पहना	मुक्तिबोध
मेरे लिये ---------- जूता है	धूमिल
मैंने मैं शैली अपनाई देखा एक दुःखी निज भाई।	निराला

36. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये-

(a) नया ज्ञानोदय — (i) रवीन्द्र कालिया
(b) साहित्य अमृत — (ii) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
(c) वाक् — (iii) आलोक मेहता
(d) दस्तावेज़ — (iv) सुधीश पचौरी
(v) त्रिलोकी नारायण चतुर्वेदी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(i)	(v)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(v)	(iii)	(iv)

उत्तर- (C)

पत्रिका	वर्ष	सम्पादक
नया ज्ञानोदय	2002	रवीन्द्र कालिया
साहित्य अमृत	1995	त्रिलोकी नारायण चतुर्वेदी
वाक्	2007	सुधीश पचौरी
दस्तावेज	1978	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
आउटलुक	-	आलोक मेहता

37. निम्नलिखित नाटककार और उनकी रचनाओं को सुमेलित कीजिये-

(a) धर्मवीर भारती — (i) दशरथ नन्दन
(b) जगदीश चन्द्र माथुर — (ii) जनकवि जगनिक
(c) मणि मधुकर — (iii) रस गन्धर्व
(d) कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह — (iv) अन्धा युग
(v) अन्धेर नगरी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(v)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर- (C)

नाटककार	नाटक	वर्ष
धर्मवीर भारती	अन्धा युग	1955 ई.
जगदीश चन्द्र माथुर	दशरथ नन्दन	1974
मणिमधुकर	रस गंधर्व	1975
कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह	जनकवि जगनिक	
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	अंधेर नगरी	1881

38. निबन्ध और निबन्धकार को सुमेलित कीजिये-

(a) नया साहित्य नये प्रश्न — (i) महादेवी वर्मा
(b) विचार और वितर्क — (ii) अज्ञेय
(c) हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य — (iii) नन्द दुलारे बाजपेयी
(d) मेरा परिवार — (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(v) विवेकी राय

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(v)	(iii)	(iv)

उत्तर- (B)

निबन्ध	वर्ष	निबन्धकार
नया साहित्य नये प्रश्न	1955	नन्ददुलारे बाजपेयी
विचार एवं वितर्क	1954	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य	1967	अज्ञेय
मेरा परिवार	1972	महादेवी वर्मा
आस्था और चिन्तन	1991	विवेकी राय

39. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके पुरुष पात्रों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) देवीदीन — (i) नीला चाँद
(b) कीर्तिवर्मा — (ii) किस्सा गुलाम
(c) ओंकारनाथ — (iii) जूठन
(d) कुन्दन — (iv) गबन
(v) गोदान

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर- (A) व्याख्या

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
देवीदीन	गबन	प्रेमचन्द
कीर्तिवर्मा	नीला चाँद	शिव प्रसाद सिंह
ओंकारनाथ	गोदान	प्रेमचन्द
कुन्दन	किस्सा गुलाम	रमेश चन्द्र शाह

नोट- जूठन (1997 ई.) ओमप्रकाश वाल्मीकि की आत्मकथा है।

40. निम्नलिखित काव्य लक्षणों को उनके प्रतिस्थापकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) शब्दार्थौं सहितौ काव्यम् — (i) रुद्रट
(b) ननु शब्दार्थौं काव्यम् — (ii) कुन्तक
(c) शब्दार्थौं सहितौ वक्रकवि व्यापार शालिनी — (iii) भामह
(d) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् — (iv) भरतमुनि
(v) विश्वनाथ

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(iii)	(v)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर- (D)

काव्यलक्षण	प्रतिष्ठापक
शब्दार्थौ ----------- काव्यम्	भामह
ननु ------------ काव्यम्	रूद्रट
शब्दार्थौं ------- व्यापार शालिनी	कुन्तक
वाक्यं --------- काव्यम्	विश्वनाथ
स भवति शुभकाव्यं नाटक प्रक्षेकाणाम्	भरतमुनि

41. **स्थापना (A) : मनोविज्ञान के आधार पर व्यक्ति के भाषागत ग्रहण और सम्प्रेषण सामर्थ्य में अन्तर स्वाभाविक है।**
तर्क (R) : क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक क्षमता में अन्तर नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *मनोविज्ञान के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में वैयक्तिक विभिन्नता होती है तथा उसके (IQ) लेवल में समानता नहीं पायी जाती है। इसी कारण भाषा ग्रहण एवं सम्प्रेषण में अन्तर स्वाभाविक है और प्रत्येक व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक क्षमता में अन्तर होता है। अतः कथन (A) सही तथा (R) गलत है।*

42. **स्थापना (A) : नये काव्य में नये जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा और स्वतंत्र प्रयोग की प्रवृत्ति मिलती है।**
तर्क (R) : क्योंकि इसमें जीवन मूल्यों का बिखराव मिलता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *समाज में समय के परिवर्तन के साथ जीवन मूल्यों में भी परिवर्तन होता रहता है। समाज से ही साहित्य निःसृत है। अतः नये काव्य में नये जीवन मूल्य की प्रतिष्ठा एवं स्वतंत्रता की प्रवृत्ति पायी जाती है। क्योंकि जीवन मूल्यों में बिखराव के साथ ही नवीन मूल्यों की स्थापना होती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही है।*

43. **स्थापना (A) : कामायनी का नायक शास्त्रीय महाकाव्यों के नायकों से भिन्न है।**
तर्क (R) : क्योंकि उसका अजनबीपन जीवन के प्रति तुच्छता बरतता है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *कामायनी के नायक में शास्त्रीय महाकाव्यों के (धीरललित, धीर प्रशान्त, धीरोद्धत इत्यादि) नायकों का कोई भी एक विशेष रूप या गुण नहीं पाया जाता, इनका अंश मात्र पाया जाता है। इसलिये यह नायक शास्त्रीय नायक से भिन्न है। कामायनी के नायक का अजनबीपन जीवन के प्रति तुच्छता नहीं बरतता। उसका जीवन मनुष्यत्व की खोज करता है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

44. **स्थापना (A) : बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।**
तर्क (R) : क्योंकि बैर से दोस्ती बढ़ती है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के कथनानुसार, 'बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।' अर्थात् बैर से क्रोध में स्थिरता आती है और वह किसी भी स्तर तक जा सकता है। बैर में दोस्ती घटती है। बैर और दोस्ती एक-दूसरे के विरोधी हैं। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

45. **स्थापना (A) : काव्य की पूर्ण अनुभूति के लिये कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता दोनों के लिये अनिवार्य है।**
तर्क (R) : क्योंकि काव्यानुभूति में वस्तु के साथ वक्ता की मूर्त भावना होती है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *कोई भी वस्तु अनुभूति के माध्यम से ही मूर्त रूप धारण करती है। अतः काव्य अनुभूति के लिये कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता हैं। पाठक दोनों के लिये अनिवार्य हैं। इसलिये कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देश : (प्र.सं. 46 से 50 तक) :- निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

साहित्य तो एक सात्विक जीवन है। उसे कठिन तपस्या और महान यज्ञ समझना चाहिये। जहाँ व्यक्ति के व्यक्तित्त्व के कोई स्वतंत्र विषय नहीं रह जाते, उच्च साहित्य की वह भाव-भूमि है। वहाँ अपरिग्रह का साम्राज्य है, फोटो नहीं छापे जाते। वहाँ वाणी मौन रहती है 'गाथा' गाने में सुख नहीं मानती। उस उच्च स्तर से जितने क्रिया-कलाप होते हैं, आत्म प्रेरणा से होते हैं, पर आज हिन्दी में आत्मप्रेरणा और 'आत्मकथा' का नाम लेना पाखण्ड बढ़ाना है। हमारे देश में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही।

46. **साहित्य को क्या माना गया है?**
(A) कठिन साधना और तपस्या
(B) लेखन का महान यज्ञ
(C) कठिन तपस्या और महान यज्ञ
(D) लेखन तपस्या और कठिन साधना

उत्तर- (C)/ व्याख्या *साहित्य एक सात्विक जीवन है। साहित्य को कठिन तपस्या और महान यज्ञ माना गया है।*

47. **उच्च साहित्य की भावभूमि क्या है?**
(A) जहाँ व्यक्ति स्वतंत्र विषय नहीं चुन सकता है
(B) जहाँ लेखक के व्यक्तित्त्व की स्वतंत्रता नहीं रहती
(C) जहाँ व्यक्ति को लिखने की स्वतंत्रता नहीं रहती
(D) जहाँ व्यक्तित्त्व के कोई स्वतंत्र विषय नहीं रह जाते

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जहाँ व्यक्ति के व्यक्तित्त्व का स्वतंत्र विषय नहीं रह जाता, वहीं उच्च साहित्य की भाव भूमि है। यहाँ अपरिग्रह की प्रमुखता होती है।*

48. **उच्च स्तर के क्रिया कलाप किससे होते हैं?**
(A) आत्मानुभाव से (B) आत्म प्रेरणा से
(C) आत्म कथन से (D) आत्मावलोकन से

उत्तर- (B)/ व्याख्या *उच्च स्तर के क्रियाकलाप आत्म-प्रेरणा से होते हैं।*

49. **किस देश में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही?**
(A) भारतवर्ष में (B) उत्तर प्रदेश में
(C) रूस में (D) अमेरिका में

उत्तर- (A)/ व्याख्या *हमारे देश अर्थात् भारतवर्ष में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही है।*

50. **हिन्दी में किस विधा को पाखण्ड कहा गया है?**
(A) गाथा को (B) आत्मप्रेरित संस्मरण को
(C) आत्मकथा को (D) गाथा को

उत्तर- (C)/ व्याख्या *हिन्दी में आत्मकथा विधा को पाखण्ड कहा गया है।*

UGC NET/ J.R.F. EXAM
प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. पाणिनी ने किस ग्रन्थ के द्वारा भाषा को एकरूपता देने का प्रयास किया?

(A) महाभाष्य (B) अष्टाध्यायी
(C) योगवशिष्ठ (D) वृहस्पति नीतिसार

उत्तर- (B)/ व्याख्या *पाणिनि का भाषा या ध्वनि को एकरूपता प्रदान करने वाला ग्रन्थ 'अष्टाध्यायी' (7-8 शती ई0 पू0) है। पाणिनि की 'अष्टाध्यायी', कात्यायन की 'वार्तिक' और पतंजलि का 'महाभाष्य' तीनों ने मिलकर व्याकरण को उच्चतम बिन्दु तक पहुँचाया। 'अष्टाध्यायी' में- प्रत्याहार सूत्र, समास, कारक, संक्षिप्तता, शब्दव्युत्पति, पद विभाग, वर्ण विकार इत्यादि का वर्णन है। इसमें लगभग -4000 सूत्र हैं।*

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्रथम लेखक कौन हैं?

(A) जार्ज ग्रियर्सन (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर (D) गार्सा द तॉसी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रथम लेखक गार्सा द तॉसी हैं। 'इस्त्वार द ला लितरात्पुर एन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' इनके इतिहास ग्रंथ का नाम है जो कि फ्रैंच भाषा में है। इसका प्रथम भाग 1839 ई0 तथा द्वितीय भाग 1847 ई0 में प्रकाशित हुआ था। 'शिवसिंह सरोज' (1883 ई0) शिवसिंह सेंगर का, 'द मार्डन वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' (1888-1889 ई0) जार्ज ग्रियर्सन का तथा 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (1929 ई0 रामचन्द्र शुक्ल का इतिहास ग्रंथ है।*

3. आदिकालीन साहित्य में वीर रस की रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग किया गया है?

(A) पिंगल (B) बुन्देली (C) डिंगल (D) प्राकृत

उत्तर- (C)/ व्याख्या *आदिकाल में वीर रस की रचनाओं में डिंगल भाषा या शैली का प्रयोग किया जाता था। इसमें परुष वर्णों का प्रयोग किया जाता है। यह दो भाषाओं का मिश्रण है- अपभ्रंश + राजस्थानी = डिंगल जबकि कोमल कान्त पदावली के लिए पिंगल भाषा या शैली का प्रयोग किया जाता था। यह भी दो भाषाओं का मिश्रण थी। अपभ्रंश + ब्रजभाषा = पिंगल*

4. 'साहित्य लहरी' की विषयवस्तु क्या है?

(A) नायिका भेद (B) अवतार लीला
(C) निर्गुण का खण्डन (D) नीति

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'साहित्य लहरी' (1550 ई0 के लगभग) सूरदास की रचना है। इसमें दृष्टकूट में राधाकृष्ण की लीलाओं का वर्णन है। तथा अलंकारों एवं नायिका भेदों का वर्णन भी कूट पद में किया गया है। इस ग्रंथ में सूरदास की वंश परंपरा का भी वर्णन मिलता है।*

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने प्रेमाख्यान काव्य परम्परा का प्रथम कवि किसे माना है?

(A) मंझन (B) जायसी
(C) मुल्ला दाऊद (D) कुतुबन

उत्तर- (D)/ व्याख्या *प्रेमाख्यान काव्य परम्परा का प्रथम कवि उनकी रचना एवं मानने वाले विद्वान की सारणी निम्नवत् है-*

कवि	रचना	समय	मानने वाले विद्वान
असाइत	हंसावली	1370	डॉ0 नगेन्द्र
मुल्ला दाउद	चंदायन	1379	रामकुमार वर्मा
ईश्वरदास	सत्यवती कथा	1501	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कुतुबन	मृगावती	1503	आ. रामचन्द्र शुक्ल

6. 'जे हाल मिसकी मुकुन तगाफुल दुराय नैना, बनाय बतियाँ।' पंक्ति किसकी है?

(A) अमीर खुसरो (B) मुल्ला दाऊद
(C) चंदबरदाई (D) रसलीन

उत्तर- (A)/ व्याख्या *'जे हाल मिसकी मुकुन तगाफुल दुराय नैना, बनाय बतियां। कि ताबे हिज्रां न दारम, ऐ जो न लेहु काहे लगाय छतियां। शबाने हिज्रां दराज चूं जुल्फ व रोजे वसलत चूं उम्र कोतह। सखी पिया को जो मैं न देखू तो कैसें काटूं अंधेरी रतियां',। यह अमीर खुसरो की फारसी-हिन्दी मिश्रित गजल है। जबकि 'मनहु कला ससभान कला सोलह सौ बन्निय' चन्दवरदायी की, तिय सैसव जो बन मिले, भेद न जान्यो जात।' रसलीन की पंक्ति है।*

7. इनमें से कौन पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?

(A) कौरवी (B) बुन्देली (C) मारवाड़ी (D) कन्नौजी

उत्तर- (C)/ व्याख्या *पश्चिमी हिन्दी में पाँच बोलियाँ आती हैं- खड़ीबोली (कौरवी), ब्रजभाषा, बुन्देली, कन्नौजी और हरियाणवी (बंगारू) जबकि मारवाड़ी (पश्चिमी राजस्थानी), जयपुरी (पूर्वी राजस्थानी),मेवाती (उत्तरी राजस्थानी) और मालवी (दक्षिणी राजस्थानी) की बोली है।*

8. शब्द रचना में किसका योगदान नहीं होता?

(A) प्रत्यय (B) पद (C) धातु (D) उपसर्ग

उत्तर- (B)/ व्याख्या *प्रत्यय, धातु, उपसर्ग इत्यादि के योग से शब्द का निर्माण होता है। जबकि शब्दों के संघात से पद का निर्माण होता है। अतः शब्दों से पद बनता है न कि पदों से शब्द।*

9. निम्नलिखित में से किस शब्द में रूप साधक प्रत्यय है?

(A) बचपन (B) लड़के (C) मातृत्व (D) एकता

उत्तर- (B)/ व्याख्या *'लड़के' शब्द से पुरुष जाति या रूप का बोध होता है अतः 'लड़के' में रूप साधक प्रत्यय है। बचपन, मातृत्व,एकता शब्द भाववाचक है अतः इन शब्दों में भाव साधक प्रत्यय है।*

10. प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'कल्पना' कहाँ से प्रकाशित होती थी?

(A) कोलकाता (B) त्रिवेन्द्रम
(C) मुम्बई (D) हैदराबाद

उत्तर- (D)/ व्याख्या *प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'कल्पना' 1949 ई0 में हैदराबाद से प्रकाशित होती थी। यह द्विमासिक पत्र था। इसके सम्पादक -आर्येन्द्र शर्मा थे।*

11. **'रावेर रूप को रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारिये'- किसकी पंक्ति है?**

(A) बोधा (B) घनानन्द (C) ठाकुर (D) देव

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
रावेर रूप........ निहारिये	घनानन्द
सहते ही बनै कहते न बनै मन ही मन पीर पिरैबो करै	बोधा
सेवक सिपाही हम उन राजपूतन के	ठाकुर
बड़े बड़े नैनन सों आंसू भरि भरि ढरि, गोरो मुख आज ओरो सो बिलानो जात	देव

12. **'केसव कहि न जाइ का कहिए। देखत सब रचना विचित्र अति, समुझि मनाहि मन रहिए' किस कवि की पंक्ति है?**

(A) केशवदास (B) तुलसीदास
(C) सूरदास (D) नन्ददास

उत्तर- (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
केसव कहि....... मन रहिए	तुलसीदास
बासर की सम्पति उलूक ज्यों न चितवन	केशवदास
नंद जू मेरे घर आनंद इ भयो, हो गोवर्धन तैं आयों।	सूरदास
जों उनिके गुन होय, वेद क्यों नेति बखाने	नन्ददास

13. **निम्नलिखित में से कौन मिश्रबन्धु नहीं है?**

(A) शुकदेव बिहारी मिश्र (B) कृष्ण बिहारी मिश्र
(C) श्यामबिहारी मिश्र (D) गणेश बिहारी मिश्र

उत्तर- (B) व्याख्या *मिश्र बन्धु, तीन भाई थे जिनमें श्याम प्रसाद बिहारी, शुक देव बिहारी और गणेश बिहारी मिश्र आते हैं कृष्ण बिहारी मिश्र इनसे अलग हैं।*

14. **इनमें से 'नयी कहानी' आन्दोलन के साथ कौन कहानीकार नहीं जुड़ा था?**

(A) मोहन राकेश (B) कमलेश्वर
(C) ज्ञानरंजन (D) राजेन्द्र यादव

उत्तर- (C) व्याख्या *'नई कहानी' आन्दोलन (1955-56) के लगभग चला। मोहन राकेश, कमलेश्वर एवं राजेन्द्र यादव इसके प्रमुख उन्नायक थे जबकि 'अकहानी' आन्दोलन (1960-62) के आस-पास चला। इसके प्रवर्तक डॉ0 गंगा प्रसाद विमल थे। ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह, रवीन्द्र कालिया, सुधा अरोड़ा इत्यादि इस आन्दोलन के प्रमुख कहानीकार हैं।*

15. **इनमें से 'गंगौली' गाँव किस उपन्यास के केन्द्र में है?**

(A) जल टूटता हुआ (B) अलग अलग वैतरणी
(C) परती : परकथा (D) आधा गाँव

उत्तर- (D)

उपन्यास	वर्ष	सम्बन्धित स्थान	उपन्यासकार
आधा गाँव	1966	गंगौली गाँव	राही मासूम रजा
जल टूटता हुआ	1969	पाँडे पुरवा गाँव	रामदरश मिश्र
अलग-अगल वैतरणी	1967	करैता गाँव	शिव प्रसाद सिंह
परती परिकथा	1957	परानपुर गाँव	फणीश्वर नाथ 'रेणु'

16. **'कोर्ट मार्शल' नाटक समाज की किस समस्या पर आधारित है?**

(A) जातिवाद (B) नारी शोषण
(C) युद्ध की समस्या (D) सांप्रदायिकता

उत्तर- (A) व्याख्या *'कोर्ट मार्शल' (1991 ई0) स्वदेश दीपक का प्रसिद्ध नाटक है। इसमें वर्ग एवं जातिवाद का भयावह रूप किस तरह से भारतीय फौज में भी हावी है यह चित्रण किया गया है।*

17. **विजय देव नारायण साही की कवितायें किस सप्तक में संग्रहित हैं?**

(A) तीसरा सप्तक (B) चौथा सप्तक
(C) तार सप्तक (D) दूसरा सप्तक

उत्तर- (A) व्याख्या *विजय देव नारायण साही, कुंवर नारायण, कीर्ति चौधरी, केदारनाथ सिंह, प्रयागनारायण त्रिपाठी, मदन वात्स्यायन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना-तीसरा सप्तक (1959 ई0) में संकलित कवि हैं। इन सभी की कविताएँ तीसरा सप्तक में संकलित हैं।*

18. **इसमें से कौन-सा उपन्यास विभाजन समस्या पर आधारित नहीं है?**

(A) आधा गाँव (B) आखिरी कलाम
(C) सूखा बरगद (D) झूठा सच

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार	विषय
आधा गाँव	1966	राहीमासूम रजा	भारत विभाजन
सूखा बरगद	1986	मंजूर एहतेशाम	भारत विभाजन
झूठा सच	1958	यशपाल	भारत विभाजन
आखिरी कलाम	2003	दूधनाथ सिंह	बाबरी मस्जिद ध्वंस की घटना पर आधारित है।

19. **'छायावाद का पतन' किसका ग्रन्थ है?**

(A) नामवर सिंह (B) विजयदेवनारायण साही
(C) डॉ. देवराज (D) देवराज उपाध्याय

उत्तर- (C)

रचना	समय	रचनाकार
छायावाद का पतन	1948	डॉ0 देवराज
छायावाद	1955	नामवर सिंह
साहित्य क्यों	1988	विजय देव नारायण साही
साहित्य एवं शोध कुछ समस्यायें	1970	देवराज उपाध्याय

20. **'ठेले पर हिमालय' किसकी रचना है?**

(A) धर्मवीर भारती (B) अज्ञेय
(C) निर्मल वर्मा (D) शरद जोशी

उत्तर- (A)

रचना	समय	रचनाकार
ठेले पर हिमालय	1958	धर्मवीर भारती
आदि अन्त और आरम्भ	2001	निर्मल वर्मा
स्मृति छन्दा	1989	अज्ञेय
यत्र तत्र सर्वत्र	2000	शरद जोशी

निर्देश : प्रश्न संख्या 21 से 27 तक दी गयी स्थापनाओं (Assertions) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढें और बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

21. **स्थापना (A) : जैसे वीर कर्म से पृथक वीरत्व कोई पदार्थ नहीं, वैसे ही सुन्दर वस्तु से पृथक सौन्दर्य कोई पदार्थ नहीं।**

तर्क (R) : सौन्दर्य मनोगत नहीं होता, वस्तुगत होता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C) व्याख्या *वीरकर्म (क्रिया) से पृथक वीरत्व का भाव नहीं होता तथा सुन्दर वस्तु से पृथक सौन्दर्य का भाव नहीं होता है वस्तुतः सौन्दर्य वस्तुगत ही होता है। वस्तुगत सौन्दर्य से ही मनोगत सौन्दर्य की परिणति होती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

22. स्थापना (A) : नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है, और उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।
तर्क (R) : गौतम के वैराग्य में यशोधरा के प्रति अपकर्षण नहीं, बल्कि बुद्धत्व प्राप्ति के लिये उनका संकल्प कारणभूत था।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *स्थापना में दिये गये कारण और तर्क में दिये गये कारण अन्तर्सम्बन्धित नहीं हैं। क्योंकि स्थापना में नारी के अपकर्षण से बुद्ध बनने की बात की गयी है और तर्क में नारी के अपकर्षण से नहीं बल्कि संकल्प' से बुद्धत्व की प्राप्ति बताया गया है। अतः (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

23. स्थापना (A) : : भक्ति और प्रेम दोनों में समर्पण का तत्त्व समान है।
तर्क (R) : भक्ति और प्रेम स्व के परित्याग से सम्भव है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D) व्याख्या *भक्ति और प्रेम दोनों उभयअंगी होते हैं। इनमें एक अंग भगवान और प्रेमी है तो दूसरा अंग भक्त और प्रेमिका। प्रेमिका और भक्त, प्रेमी और भगवान के सम्मुख समर्पण स्व के त्याग के बिना सम्भव नहीं होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

24. स्थापना (A) : रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून,
पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून।
तर्क (R) : धन बल और सत्ता बल के आगे पानीदार मनुष्य भी असमर्थ और निरीह है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *स्थापना रहीमदास की प्रसिद्ध पंक्ति हैं किन्तु तर्क का स्थापना से कोई भी अन्तर्सम्बन्ध नहीं है। अतः (A) सही और (R) गलत है।*

25. स्थापना (A) : काव्य में भावपक्ष और कलापक्ष दोनों असंपृक्त हैं।
तर्क (R) : रचना में भाषा और संवेदना परस्पर आश्रित हैं।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *काव्य में भावपक्ष (अनुभूति-पक्ष) तथा कलापक्ष (अभिव्यक्ति पक्ष) होते हैं। भाव पक्ष काव्य के अंतरंग तत्त्वों एवं कला पक्ष काव्य के बहिरंग तत्त्वों से सन्दर्भित होता है। इस प्रकार ये दोनों एक-दूसरे से असंपृक्त (पृथक) हैं। रचना में संवेदना के अनुकूल ही भाषा का प्रयोग किया जाता है। इसलिए दोनों अन्योन्याश्रित हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

26. स्थापना (A) : प्रेम गली अति साँकरी, तामे द्वै न समाय।
तर्क (R) : प्रेम मनुष्य को सीमित कर देता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर- (A) व्याख्या *व्यक्ति जिस भी वस्तु या व्यक्ति से प्रेम करता है, उसमें वह दूसरे का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं कर पाता है। इसलिए वहाँ पर व्यक्तिगत या अपनत्व की भावना का जन्म होता है। जो मनुष्य की सीमाओं को परिगणित कर देता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

27. स्थापना (A) : जो ज्ञान मानवता को पीस डाले, वह ज्ञान नहीं कोल्हू है।
तर्क (R) : सच्चा ज्ञान मनुष्यता को उन्नत करता है, उसे नष्ट नहीं करता।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (B) व्याख्या *जिस ज्ञान से मानवता का पतन होता है वह कोल्हू के समान सीमित दायरे में रहकर अनिष्टकारक हो जाता है। सच्चा ज्ञान मनुष्यता/मानवता को उन्नति प्रदान करता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

28. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म संगत है?
(A) रस विमर्श - रामचन्द्र शुक्ल
(B) रस मीमांसा - राममूर्ति त्रिपाठी
(C) रस सिद्धान्त - आनन्द प्रकाश दीक्षित
(D) रसज्ञ रंजन - महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (D) व्याख्या *सभी रचना एवं रचनाकारों का संगत युग्म निम्नवत् है-*

रचना	रचनाकार
रस विमर्श	डॉ राममूर्ति त्रिपाठी
रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
रस सिद्धान्त	डॉ0 नगेन्द्र
रसज्ञ रंजन	महावीर प्रसाद द्विवेदी
रस सिद्धान्त : स्वरूप एवं अध्ययन	आनन्द प्रकाश दीक्षित

29. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म असंगत है?
(A) बरवै रामायण - तुलसीदास
(B) बरवै नायिका भेद - रहीम
(C) कृष्ण गीतावली - सूरदास
(D) विज्ञान गीता - केशवदास

उत्तर- (C) व्याख्या *सभी संगत युग्म निम्नवत् हैं-*

रचना	रचनाकार
बरवै रामायण	तुलसीदास
बरवै नायिक भेद	रहीमदास
कृष्ण गीतावली	तुलसीदास
सूर रामायण	सूरदास
विज्ञान गीता	केशवदास

30. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म असंगत है?
(A) माधवी - दूधनाथ सिंह
(B) द्रौपदी - सुरेन्द्र वर्मा
(C) उत्तरप्रियदर्शी - अज्ञेय
(D) एक और अजनबी - मृदुला गर्ग

उत्तर- (A) व्याख्या *सभी संगत युग्म निम्नवत् हैं-*

रचना	विधा	वर्ष	रचनाकार
माधवी	नाटक	1955	भीष्म साहनी
द्रौपदी	नाटक	1972	सुरेन्द्र वर्मा
उत्तरप्रियदर्शी	गीतिनाट्य	1967	अज्ञेय
एक और अजनबी	नाटक	1998	मृदुलागर्ग
यमगाथा	नाटक	1990	दूधनाथ सिंह

31. प्रकाशन काल की दृष्टि से कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) माँ, श्यामास्वप्न, सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी
(B) सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी, माँ, श्यामास्वप्न
(C) श्यामास्वप्न, माँ, सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी
(D) सोनामाटी, सत्ती मैया का चौरा, श्यामास्वप्न, माँ

उत्तर- (C)

उपन्यास	प्र० वर्ष	उपन्यासकार
श्यामास्वप्न	*1888*	*जगमोहन सिंह*
माँ	*1929*	*विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'*
सती मैया का चौरा	*1959*	*भैरव प्रसाद गुप्त*
सोनामाटी	*1983*	*विवेकी राय*

32. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) ममता, गूँगे, सुखमय जीवन, जिंदगी और जोंक
(B) सुखमय जीवन, ममता, गूँगे, जिंदगी और जोंक
(C) जिंदगी और जोंक, सुखमय जीवन, ममता, गूँगे
(D) गूँगे, ममता, जिंदगी और जोंक, सुखमय जीवन

उत्तर- (B)

कहानी	कालक्रम	कहानीकार
सुखमय जीवन	*1911*	*चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'*
ममता	*1929*	*जयशंकर प्रसाद*
गूंगे	*1945 के लगभग*	*रांगेय राघव*
जिंदगी और जोंक	*1958*	*अमरकान्त*

33. कालक्रम की दृष्टि से पत्रिकाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) सरस्वती, श्री शारदा, आनंद कादम्बिनी, प्रतीक
(B) श्री शारदा, प्रतीक, आनंद कादम्बिनी, सरस्वती
(C) सरस्वती, श्री शारदा, प्रतीक, आनंद कादम्बिनी
(D) आनंद कादम्बिनी, सरस्वती, श्री शारदा, प्रतीक

उत्तर- (D)

पत्रिका	प्र० वर्ष	सम्पादक
आनन्द कादंबिनी	*1881 ई0*	*प्रेमघन*
सरस्वती	*1900 ई0*	*श्याम सुन्दर दास एवं अन्य*
श्री शारदा	*1916 ई0*	*नर्मदा प्रसाद मिश्र*
प्रतीक	*1947 ई0*	*अज्ञेय*

34. निम्नलिखित काव्य संग्रहों के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?

(A) गुंजन, पल्लव, वीणा, ग्रंथि
(B) पल्लव, वीणा, ग्रंथि, गुंजन
(C) ग्रंथि, वीणा, पल्लव, गुंजन
(D) वीणा, ग्रंथि, गुंजन, पल्लव

उत्तर- (C)/ व्याख्या *काव्य-संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार अनुक्रम- ग्रन्थि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), और गुंजन (1932 ई0) है। ये सभी सुमित्रा नंदन पंत की रचनाएँ हैं।*

35. कालक्रम की दृष्टि से यशपाल के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) दादा कामरेड, देशद्रोही, दिव्या, झूठा सच
(B) झूठा सच, देशद्रोही, दिव्या, दादा कामरेड
(C) देशद्रोही, दिव्या, दादा कामरेड, झूठा सच
(D) दिव्या, दादा कामरेड, झूठा सच, देशद्रोही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *कालक्रम के अनुसार यशपाल के उपन्यासों का अनुक्रम -दादा कामरेड (1941), देश द्रोही (1943), दिव्या (1945) और झूठा-सच (1958 (I), 1960 (II) भाग है।*

36. कालक्रम की दृष्टि से निबन्ध संग्रह का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कल्पलता, शृंखला की कड़ियाँ, शिवशंभु के चिट्ठे, रसज्ञ रंजन
(B) शिवशंभु के चिट्ठे, कल्पलता, शृंखला की कड़ियाँ, रसज्ञ रंजन
(C) शिवशंभु के चिट्ठे, रसज्ञ रंजन, शृंखला की कड़ियाँ, कल्पलता
(D) रसज्ञ रंजन, शृंखला की कड़ियाँ, कल्पलता, शिवशंभु के चिट्ठे

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कालक्रम के अनुसार निबन्धों का अनुक्रम-*

निबन्ध	कालक्रम	निबन्धकार
शिव शम्भु के चिट्ठे	*1905*	*बालमुकुन्द गुप्त*
रसज्ञरंजन	*1920*	*महावीर प्रसाद द्विवेदी*
शृंखला की कड़ियाँ	*1942*	*महादेवी वर्मा*
कल्पलता	*1950*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*

37. कालक्रम की दृष्टि से अज्ञेय के निम्नलिखित काव्य संग्रहों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कितनी नावों पर कितनी बार, इत्यलम्, सागर मुद्रा, हरी घास पर क्षण भर
(B) सागर मुद्रा, कितनी नावों पर कितनी बार, हरी घास पर क्षण भर, इत्यलम्
(C) हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों में कितनी बार, सागर मुद्रा, इत्यलम्
(D) इत्यलम्, हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों पर कितनी बार, सागर मुद्रा

उत्तर- (D)/ व्याख्या *कालक्रम के अनुसार अज्ञेय के काव्यों का अनुक्रम इत्यलम (1946), हरी घास पर क्षण भर (1949), कितनी नावों में कितनी बार (1967) और सागर मुद्रा (1970 ई0) हैं।*

38. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) जसुमति हरि पालने झुलावै	(i) डिंगल
(b) तेहि अवसर एक तापस आवा। तेजपुंज लघु बयस सुहावा।।	(ii) दखनी
(c) अतिरंग स्वामी सूँ मिलि रति। बेटी राजा भोज की।।	(iii) ब्रज
(d) दखन है नगीना अँगूठी है जग अँगूठी-कूँ हरकत नगीना है लग।	(iv) मैथिली
	(v) अवधी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(iii)	(v)	(i)

उत्तर- (A)

पंक्ति	भाषा
जसुमति हरि...............झुलावै।	ब्रजभाषा
तेहि अवसर............... बयस सुहावा।	अवधी
अतिरंग स्वामी.......... भोज की।	डिंगल
दखन है............ नगीना है लग।	दखनी
सरस बसंत समय भला पावलि दछिन पवन वह धीरे।	मैथिली

39. निम्नलिखित क्रिया रचना को उनके सही भाषा रूप से सुमेलित कीजिये।

(a) अयेउ (i) अवधी
(b) अइल (ii) ब्रज
(c) आवा (iii) अपभ्रंश
(d) आयौ (iv) पालि
(v) भोजपुरी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(v)

उत्तर- (B)

क्रिया रचना	भाषा
अयेउ	अपभ्रंश
अइल	भोजपुरी
आवा	अवधी
आयौ	ब्रज

40. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये।

(a) सतरंगिणी (i) निराला
(b) सतरंगे पंखों वाली (ii) केदारनाथ मिश्र 'प्रभात'
(c) अणिमा (iii) बच्चन
(d) ऋतंबरा (iv) नागार्जुन
(v) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(v)	(iii)	(i)

उत्तर- (B)

काव्य ग्रन्थ	वर्ष	रचनाकार
सतरंगिनी	1945	बच्चन
सतरंगे पंखों वाली	1959	नागार्जुन
अणिमा	1943	निराला
ऋतंबरा	1957	केदारनाथ मिश्र 'प्रभात'
कुंकुम	1939	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

41. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके सही अलंकारों के साथ सुमेलित कीजिये।

(a) मुख नहीं चन्द्रमा है (i) संदेह
(b) मुख तो चन्द्र ही है (ii) अपह्नुति
(c) मुख को देखकर चाँद का आभास हुआ (iii) रूपक
(d) मुख है कि चाँद? (iv) भ्रांतिमान
(v) उत्प्रेक्षा

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(v)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(i)	(v)	(ii)	(iii)

उत्तर- (C)

पंक्ति	अलंकार	परिभाषा
मुख नहीं चंद्रमा है।	अपह्नुति	जहाँ प्रस्तुत या उपमेय का प्रतिरोध करके अप्रस्तुत या उपमान की स्थापना की जाय
मुख तो चंद्र ही है।	रूपक	जहाँ उपमेय में उपमान का आरोपण किया जाय
मुख को देखकर चाँद का आभास हुआ।	भ्रांतिमान	समानता के कारण उपमेय को उपमान मान लेना
मुख है कि चाँद।	संदेह	साम्य के कारण संशय या अनिश्चय का होना
मुख मानो चाँद है।	उत्प्रेक्षा	जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाय।

42. इन उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) तमस (i) धर्मवीर भारती
(b) पीली आँधी (ii) मोहन राकेश
(c) अँधेरे बंद कमरे (iii) शिव प्रसाद सिंह
(d) नीला चाँद (iv) भीष्म साहनी
(v) प्रभा खेतान

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(B)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(v)

उत्तर- (A)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
तमस	1973	भीष्म साहनी
पीली आँधी	1996	प्रभा खेतान
अन्धेरे बन्द कमरे	1961	मोहन राकेश
नीला चाँद	1988	शिव प्रसाद सिंह
गुनाहो का देवता	1949	धर्मवीर भारती

43. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके सही कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र (i) धूमिल
(b) यह तीसरा आदमी कौन है? मेरे देश की संसद मौन है। (ii) दिनकर
(c) तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब (iii) पंत
(d) आ गये प्रियंवद! केशकम्बली! गुफा गेह (iv) अज्ञेय
(v) मुक्तिबोध

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(v)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(v)	(iv)

उत्तर- (D)

पंक्ति	कवि
द्रुत झरो .... जीर्ण पत्र।	पंत
यह तीसरा .... मौन है।	धूमिल
तोड़ने ही .... गढ़ सब	मुक्तिबोध
आ गये .... गुफा गेह	अज्ञेय
अरुण विश्व की काली जय हो, लाल सितारों वाली जय हो।	दिनकर

44. निम्नलिखित शब्दों को उनके संधि के नाम के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) निरोग — (i) दीर्घ संधि
(b) दीर्घाकार — (ii) गुण संधि
(c) सदाचार — (iii) विसर्ग संधि
(d) प्रत्येक — (iv) वृद्धि संधि
(v) व्यंजन संधि

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(v)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर- (B)

शब्द	संधि विच्छेद	संधि
नीरोग	*निः+रोग*	*विसर्ग सन्धि*
दीर्घाकार	*दीर्घ+आकार*	*दीर्घ सन्धि*
सदाचार	*सत्+आचार*	*व्यंजन सन्धि*
प्रत्येक	*प्रति+एक*	*यण सन्धि*
सदैव	*सदा+एव*	*वृद्धि सन्धि*

45. निम्नलिखित काव्य लक्षणों को उनके आचार्यों के सही नामों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् — (i) विश्वनाथ
(b) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणा वनलंकृती पुनः क्वापि — (ii) भामह
(c) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् — (iii) पंडित जगन्नाथ
(d) रमणीयार्थ-प्रतिपादकः शब्दः काव्यम् — (iv) मम्मट
(v) आनंदवर्धन

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)

उत्तर- (C)

काव्य लक्षण	आचार्य
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	*भामह*
तददोषौ.......... पुनः क्वापि	*मम्मट*
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	*विश्वनाथ*
रमणी यार्थ......... शब्दः काव्यम्	*जगन्नाथ*
काव्य रस्यात्मा ध्वनिः	*आनन्द वर्द्धन*

निर्देश (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) : निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों को दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

लोक में फैली दुख की छाया को हटाने में ब्रह्म की आनंदकला, जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्‌भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है। विरूद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है, जिसकी ओर आकर्षित हुये बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता। इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है। किसी कोट, पतलून, हैट वाले को धाराप्रवाह संस्कृत बोलते अथवा किसी पंडितवेशधारी सज्जन को अंग्रेजी में प्रगल्भ वक्तृत्ता देते सुन व्यक्तित्त्व का जो एक चमत्कार-सा दिखाई पड़ता है, उसकी तह में भी सामंजस्य का यही सौन्दर्य समझना चाहिये। भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचंडता और मृदुता का सामंजस्य ही लोकधर्म का सौन्दर्य है। आदिकवि वाल्मीकि की वाणी इसी सौन्दर्य के उद्‌घाटन महोत्सव का दिव्य संगीत है। सौन्दर्य का यह उद्‌घाटन असौन्दर्य का आवरण हटाकर होता है। धर्म और मंगल की ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाड़ती हुई फूटती है। इससे कवि हमारे सामने असौन्दर्य, अमंगल, अत्याचार, क्लेश इत्यादि भी रखता है, रोष, हाहाकार, और ध्वंस का दृश्य भी लाता है। पर सारे भाव, सारे रूप और सारे व्यापार भीतर-भीतर आनन्दकला के विकास में ही योग देते पाये जाते हैं। यदि किसी ओर उन्मुख ज्वलंत रोष है, तो उसके और सब ओर करूण दृष्टि फैली दिखाई पड़ती है। यदि किसी ओर ध्वंस और हाहाकार है, तो सब ओर उसका सहगामी रक्षा और कल्याण है। व्यास ने भी अपने ''जयकाव्य'' में अधर्म के पराभव और धर्म की जय का सौन्दर्य प्रत्यक्ष किया।

46. कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य किसमें है?

(A) अन्याय के प्रति रोष दिखाने में
(B) लोगों के प्रति मृदुता के व्यवहार में
(C) विरोधी भावों के सामंजस्य में
(D) उपर्युक्त तीनों सही हैं।

उत्तर- (C)/ व्याख्या *विरुद्धों या विरोधी भावों का सामंजस्य ही कर्म क्षेत्र का सौन्दर्य है। जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता।*

47. सूटधारी के संस्कृत बोलने पर क्या प्रतिक्रिया मन में उठती है?

(A) सामंजस्य की कमी दिखाई देती है।
(B) उसका अज्ञान प्रकट होता है।
(C) उसका संस्कृत प्रेम मन को छू जाता है।
(D) उसके संस्कृत उच्चारण पर हँसी आती है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या *जब कोई सूटधारी धाराप्रवाह संस्कृत बोलता है तो उसका संस्कृत प्रेम मन को छू जाता है। यह सामंजस्य का सौन्दर्य ही है।*

48. विध्वंस और अत्याचार के सहगामी भाव क्या हो सकते हैं?

(A) भ्रष्टाचार और क्लेश
(B) रक्षा और मंगल का भाव
(C) अद्‌भुत मनोहरता का भाव
(D) सौन्दर्य का दिव्य संगीत

उत्तर- (B)/ व्याख्या *विध्वंस और अत्याचार के सहगामी भाव, रक्षा और मंगल का भाव है।*

49. 'आनन्दकला के विकास' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(A) जीवन में सरसता और कोमलता पैदा करना
(B) अधर्म को अधर्म से काटना
(C) अन्याय के प्रति रोष प्रकट करना
(D) सारे भाव, रूप और व्यापारों में उचित सामंजस्य

उत्तर- (A)/ व्याख्या *जीवन में सरसता और कोमलता पैदा करना ही आनन्द कला का विकास है। इसमें सारे भाव, रूप और व्यापार अपना योग देते हैं।*

50. इस गद्य अवतरण के लिये उपयुक्त शीर्षक क्या है?

(A) विरोधों के सामंजस्य का सौन्दर्य
(B) सौन्दर्य का उद्‌घाटन
(C) व्यास की काव्यकला
(D) व्यक्तित्त्व का चमत्कार

उत्तर- (A)/ व्याख्या *गद्य अवतरण का उपयुक्त शीर्षक 'विरुद्धों/ विरोधों के सामंजस्य का सौन्दर्य' है।*

व्याख्यात्मक हल	UGC NET/ J.R.F. EXAM
DECEMBER : 2007	प्रश्न-पत्र II हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. आचार्य शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य का आविर्भाव कब से माना जाता है?

(A) प्राकृत से (B) संस्कृत से
(C) प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से
(D) पालि से

उत्तर- (C) व्याख्या *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आरम्भ सम्वत् 1050 (993 ई0) से सम्वत् 1375 तक माना है। शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य का आविर्भाव राजा भोज के समय से तथा प्राकृत की अन्तिम अपभ्रंश अवस्था से होता है। शुक्ल इस समय की भाषा को 'प्राकृताभास' (प्राकृत की रूढ़ियों से बहुत कुछ बद्ध) हिन्दी कहा है।*

2. अपभ्रंश के प्रथम महाकवि कौन थे?

(A) हेमचन्द्र (B) स्वयंभू (C) रामचन्द्र (D) सोमप्रभ सूरि

उत्तर- (B) व्याख्या *अपभ्रंश के प्रथम कवि एवं महाकवि 8वीं शती लगभग (783 ई.) के स्वयंभू हैं। यह अपभ्रंश के 'वाल्मीकि' कहे जाते हैं। डॉ. रामकुमार वर्मा ने इन्हें हिन्दी का प्रथम कवि माना है। पउमचरिउ, अरिष्टनेमि इनकी प्रमुख रचनायें हैं।*

3. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य कौन-सा है?

(A) पृथ्वीराज विजय (B) रामचरित मानस
(C) पृथ्वीराज रासो (D) पद्मावत

उत्तर- (C) व्याख्या *आचार्य शुक्ल ने हिन्दी का प्रथम महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' को तथा प्रथम महाकवि 'चन्दवरदायी' को माना है। 'पृथ्वीराज रासो' में 69 समय (सर्ग या अध्याय) हैं। सर्वप्रथम डॉ. बूलर ने इसे अप्रमाणिक घोषित किया। 'पृथ्वीराज विजय' जयानक भट्ट' की कृति है।*

4. 'आल्हाखंड' किसने लिखा?

(A) जगनिक (B) अमीर खुसरो
(C) चंदबरदायी (D) नरपति नाल्ह

उत्तर- (A) व्याख्या *'आल्हाखण्ड' के रचनाकार जगनिक हैं। इसका मूल नाम 'परमाल रासो' है। यह एक लोकगेय काव्य है। यह बरसात में गाया जाता है। 'बैसवाड़ा' इसका केन्द्र माना जाता है। 1865 ई. में चार्ल्स इलियट ने सबसे पहले इसे 'आल्हा खण्ड' के नाम से प्रकाशित करवाया था।*

5. इनमें से हिन्दी साहित्य का इतिहास किसने नहीं लिखा?

(A) नगेन्द्र (B) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
(C) रामकुमार वर्मा (D) बच्चन सिंह

उत्तर- (A) व्याख्या *डॉ. नगेन्द्र ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (1973 ई.) का सम्पादन किया है, लेखन नहीं। जबकि अन्य लोगों ने हिन्दी साहित्य के इतिहास का मूल लेखन किया है।*

ग्रन्थ	समय	लेखक
आधुनिक हिन्दी साहित्य	1941	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	1996	बच्चन सिंह

6. 'बारह बरस लौ कूकर जीवै, अरू तेरह लौ जियै सियार। बरस अट्ठारह क्षत्रिय जीवै, आगे जीवन को धिक्कार।।' -ये पंक्तियाँ किस रासो काव्य की हैं?

(A) खुमाण रासो (B) पृथ्वीराज रासो
(C) हम्मीर रासो (D) परमाल रासो

उत्तर- (D)

पंक्ति	ग्रन्थ	रचयिता
बारह बरस....को धिक्कार	परमाल रासो/ आल्हाखण्ड	जगनिक
पिउ चित्तौड़ न आविऊ, सावण पहिली तीज।	खुमाण रासो	दलपति विजय
कमलगंध वयसंध हंसगति चलित मंद मंद।	पृथ्वीराज रासो	चन्दरवरदायी
चलिअ वीर हम्मीर पाअभर मेइणि कंपई।	हम्मीर रासो	शारंगधर

7. इनमें से कौन-सी राजस्थानी की बोली नहीं है?

(A) मारवाड़ी (B) बुन्देली (C) मेवाती (D) मालवी

उत्तर- (B) व्याख्या *राजस्थान की चार प्रमुख बोलियाँ हैं। पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी), पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी), उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) तथा दक्षिणी राजस्थानी (मालवी) जबकि -बुन्देली, खड़ी बोली, कन्नौजी, हरियाणवी और ब्रजभाषा पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ हैं।*

8. 'करम' शब्द की व्युत्पत्ति किस प्रक्रिया से हुई?

(A) अर्द्ध तत्सम (B) तत्सम
(C) ऋण-अनुवाद (D) तद्भव

उत्तर- (D) व्याख्या *'करम' शब्द की व्युत्पत्ति 'तद्भव' शब्द 'काम' से हुई है। 'काम' शब्द की व्युत्पत्ति तत्सम शब्द 'कर्म' से हुई है।*

9. 'स्वाभाविक','स्वागत' - इन दोनों में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) दोनों 'स्व' है (B) दोनों में 'सु' है
(C) दोनों में क्रमशः 'स्व' और 'सु' है
(D) दोनों में क्रमशः 'सु' और 'स्व' है

उत्तर- (C) व्याख्या *स्व+भाव+इक= स्वाभाविक।*
सु+आगत= स्वागत।
दोनों में क्रमशः 'स्व' और 'सु' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। 'उपसर्ग' सदैव शब्द के आरम्भ में लगता है जबकि 'प्रत्यय' सदैव शब्द के अन्त में।

10. हिन्दी का पहला दैनिक समाचार पत्र कौन-सा था?

(A) बंग दर्शन (B) समाचार सुधावर्षण
(C) उदन्त मार्तण्ड (D) भारत मित्र

उत्तर- (B) व्याख्या *हिन्दी का प्रथम दैनिक समाचार पत्र 'समाचार-सुधावर्षण' (1854ई0) था। यह कलकत्ता से प्रकाशित होता था तथा इसके सम्पादक -श्याम सुन्दर सेन थे। हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र 30 मई 1826 ई0 को कलकत्ता से प्रकाशित होने वाला 'उदन्त मार्तण्ड' था।यह एक साप्ताहिक पत्र था एवं इसके सम्पादक पं. जुगल किशोर थे। जबकि भारत का प्रथम समाचार पत्र बंगाल गजट (अंग्रेजी) है। तथा हिन्दी प्रदेश से प्रकाशित हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र बनारस अखबार है।*

11. **'अमिय हलाहल मद भरे, सेत स्याम रतनार जियत मरत झुकि झुकि परत, जेहि चितवत इक बार।' -इन काव्य पंक्तियों के कवि हैं :**
(A) बिहारी (B) रसलीन (C) घनानन्द (D) मतिराम

उत्तर- (B)

पंक्ति	कवि
अमिय हलाहल.....इकबार	रसलीन
जपमाला छापा तिलक सरै न एकौ काम।	बिहारी
हीन भये जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।	घनानन्द
ह्वै वनमाल हिए लगिए अरू, ह्वै मुरली अधरा-रस पीजैं।	मतिराम

12. **इनमें से किस कवि ने लक्षण ग्रंथ नहीं लिखा?**
(A) देव (B) पद्‌माकर (C) भूषण (D) बिहारी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *काव्य के लक्षण दोहा, सवैया, कवित्त इत्यादि छन्दों या रस, अलंकार आदि सिद्धान्तों के रूप में कवि आचार्यो द्वारा निरूपण ही लक्षण ग्रन्थ होता है। इनकी रचना लक्षण और उदाहरण युक्त होती है। इन्हें रीतिबद्ध या आचार्य कवि भी कहा जाता है। देव, पद्‌माकर, भूषण इसी श्रेणी के कवि हैं। जबकि जिन कवियों ने रीतिग्रन्थों की रचना न करके काव्य-सिद्धान्तों या लक्षणों के अनुसार रचना की है। रस, अलंकार, नायिका भेद इत्यादि इनके ध्यान में तो है परन्तु काव्य में इन्होंने इसका प्रत्यक्ष प्रयोग नहीं किया, लेकिन उसके अनुसार उत्कृष्ट काव्य-रचना की ऐसे कवियों को 'रीतिसिद्ध' कवि भी कहा जाता है। बिहारी इनमें प्रमुख हैं।*

13. **'बरवै नायिका भेद' का रचनाकार कौन है?**
(A) रहीम (B) रसलीन (C) बिहारी (D) मतिराम

उत्तर- (A)

रचना	रचनाकार
बरवै नायिका भेद	रहीम
अंगदर्पण	रसलीन
बिहारी-सतसई	बिहारी
रसराज	मतिराम

14. **इनमें से कौन वैष्णव भक्ति का आचार्य नहीं है?**
(A) वल्लभाचार्य (B) मध्वाचार्य
(C) शंकराचार्य (D) रामानुजाचार्य

उत्तर- (C)/ व्याख्या *वल्लभाचार्य (शुद्धाद्वैतवाद), मध्वाचार्य (द्वैतवाद) और रामानुजाचार्य (विशिष्टद्वैतवाद) से सम्बन्धित आचार्य हैं। ये सभी वैष्णव भक्ति आचार्य हैं। जबकि शंकराचार्य (अद्वैतवाद) से सम्बन्धित आचार्य हैं। इनका मुख्य धर्म या भक्ति 'स्मार्त' है, जिसमें निर्गुण की प्रधानता है जबकि वैष्णवभक्ति में सगुण की प्रधानता है।*

15. **इनमें से काशी नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है?**
(A) बाबू श्याम सुन्दर दास (B) ठाकुर शिवकुमार सिंह
(C) रामनारायण मिश्र (D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर- (D)/ व्याख्या *'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना 1893 ई0 को काशी (बनारस) में की गयी थी। इसके संस्थापक सदस्यों में - श्यामसुन्दर दास, ठाकुर शिव कुमार सिंह और रामनारायण मिश्र हैं। इसके प्रथम सभापति राधाकृष्णदास थे।*

16. **'साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।' यह परिभाषा किसकी है?**
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (B)

परिभाषा	लेखक
साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।	बालकृष्ण भट्ट
हिन्दी नयी चाल में ढली	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
'ज्ञानराशि के संचित कोश का नाम साहित्य है।	महावीर प्रसाद द्विवेदी
'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है'	हजारी प्रसाद द्विवेदी

17. **प्रसाद कृत 'प्रलय की छाया' की विषयवस्तु के केन्द्र में है-**
(A) महाराणा प्रताप का पराभव
(B) पद्‌मिनी का अग्निदाह
(C) जल प्रलय
(D) रानी कमलावती का पश्चाताप

उत्तर- (D)/ व्याख्या *प्रसाद की रचना 'प्रलय की छाया' की विषय-वस्तु 'रानी कमलावती का पश्चाताप' है। इस कविता में अलाउद्दीन गुजरात के गुर्जर नरेश को पराजित करके उनकी पत्नी कमलावती को दिल्ली लाता है। जहाँ रानी बन्दी के रूप में पश्चाताप करती हुई जीवन व्यतीत करती हैं। यह रचना प्रथम बार 1931 ई0 में हंस में प्रकाशित हुई थी। बाद में 'लहर' (1935) नामक काव्य संग्रह में संकलित की गयी है।*

18. **निम्नलिखित में से कौन-सी रचना उपन्यास नहीं है?**
(A) रात का रिपोर्टर (B) विषाद मठ
(C) पश्यन्ती (D) अजय की डायरी

उत्तर- (C)

रचना	विधा	समय	रचनाकार
रात का रिपोर्टर	उपन्यास	1989	निर्मल वर्मा
विषाद मठ	उपन्यास	1946	रांगेय राघव
अजय की डायरी	उपन्यास	1960	डॉ. देवराज
पश्यन्ती	ललित निबन्ध संग्रह	1969	धर्मवीर भारती

19. **'शीलवती' सुरेन्द्र वर्मा के किस नाटक की पात्र है?**
(A) सेतुबन्ध
(B) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(C) आठवाँ सर्ग (D) द्रौपदी

उत्तर- (B)

नाटक	पात्र	समय
सेतुबन्ध	-	1972
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	शीलवती	1975
आठवाँ सर्ग	प्रियंगुमंजरी	1976
द्रौपदी	सुरेखा	1972

20. **प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धन्धा' किस आलोचक ने कहा?**
(A) नन्द दुलारे बाजपेयी (B) रामविलास शर्मा
(C) शिवदान सिंह चौहान (D) नामवर सिंह

उत्तर- (A)/ व्याख्या *नन्द दुलारे बाजपेयी ने 'नया साहित्य नये प्रश्न' (1955) में प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धन्धा' कहा है। वे कहते हैं प्रयोक्ताओं के पास न तो काव्य सम्बन्धी कोई कौशल था और न किसी प्रकार की कोई कथनीय वस्तु थी।'*

निर्देश (प्र.सं.21 से 27 तक): दी गई स्थापनाओं (Assertions) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़े और बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

21. **स्थापना (Assertion) (A) : कविता मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित दायरे से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य-भाव भूमि पर प्रतिष्ठित करती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता संकुचित आत्म और प्रशस्त लोक का समन्वय है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कविता संकुचित स्वार्थ-सम्बन्धों के दायरे से ऊपर उठकर प्रशस्त लोक का समन्वय करती है। कविता में स्वार्थ संकुचित होता है न कि आत्म। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

22. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्यभाषा को सहज होना चाहिये और उसे वैचित्र्य वक्रता, अलंकार आदि के आडम्बर से मुक्त होना चाहिये।**
तर्क (Reason) (R) : अलंकार, उक्ति वैचित्र्य का प्रयोग श्रेष्ठ कवि ही कर सकते हैं।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *काव्य भाषा को सहज एवं सरल होना चाहिये और उसे वैचित्र्य वक्रता, अलंकार आदि के प्रयोग से युक्त होना चाहिये लेकिन इनके आडम्बर से मुक्त होना चाहिये। अलंकार, उक्ति वैचित्र्य का प्रयोग केवल श्रेष्ठ कवि ही कर सकते है, यह गलत है। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

23. **स्थापना (Assertion) (A) : मिथक जातीय स्मृति पर आधारित होते हैं।**
तर्क (Reason) (R) : इसीलिये मिथक को विकासशील माना गया है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *लोक प्रचलित पौराणिक कथाएँ ही मिथक हैं। यह मिथक जनता के चित्त या जातीय स्मृति में संचित रहते हैं। बाह्य और आन्तरिक परिस्थितियाँ बदलने पर मिथकों में परिस्थितियों के अनुकूल परिवर्तन कर लिया जाता है। इसलिये मिथक विकासशील हो जाते हैं। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

24. **स्थापना (Assertion) (A) : तुलसी के मत में-**
'निर्गुण रूप सुलभ अति, सगुन जान नहिं कोई।
सुगम अगम नाना चरित,सुनि मुनि-मन भ्रम होई।।'
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सगुण साकार को उपासना और अनुभव के दायरे में लाना सहज है, जबकि निर्गुण-निराकार की उपासना और अनुभूति नितान्त कठिन।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कथन स्थापना में निर्गुण को सुलभ/सुगम बताया गया है और सगुण को दुर्लभ/दुर्गम जबकि तर्क में सगुण को सुलभ/सुगम और निर्गुण को दुर्लभ/ दुर्गम बताया गया है। अतः स्थापना और तर्क में अन्तर्सम्बन्ध न होने के कारण (A) और (R) दोनों गलत हैं।*

25. **स्थापना (Assertion) (A) : प्रयोगवाद केवल शिल्प का चमत्कार है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रयोगवादी कविता में कई नए शिल्पगत प्रयोग किये गये।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (A)/ व्याख्या *प्रयोगवाद केवल शिल्प का चमत्कार नहीं है। प्रयोगवादी कविता में कई नये सिद्धान्तों - नयी भाषा, नये विषय, छन्द मुक्ति इत्यादि का शिल्पगत प्रयोग किया गया है। अतः कथन (A) गलत और (R) सही है।*

26. **स्थापना (Assertion) (A) : अनुभव की प्रामाणिकता दलित और स्त्री-लेखन की मूल शर्त है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्यकार वर्ग चेतना से प्रतिबद्ध होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *अनुभव की प्रामाणिकता का तात्पर्य है 'स्व' की अनुभूति। कहा जाता है कि दलित ही दलित के और स्त्री ही स्त्री के बारे में लिख सकती है। यह लेखन दलित और स्त्री के द्वारा ही मानना इनकी मूल शर्त है। क्योंकि इनका लेखन करने वाला जो साहित्यकार होगा वह अपने वर्ग के प्रति प्रतिबद्ध होगा अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

27. **स्थापना (Assertion) (A) : जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है वैसे ही नाटक में रस की।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रेक्षक नाटक में आद्यन्त रस का अनुभव करता है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *जैसे विश्व की अभिव्यक्ति का मूल विश्वात्मा है वैसे ही नाटक की अभिव्यक्ति का मूल रस है। प्रेक्षक अन्ततः नाटक में रस का अनुभव ही कराता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

28. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म संगत है?**
(A) विषाद मठ : अमृत लाल नागर
(B) विश्वबाहु परशुराम : चतुरसेन शास्त्री
(C) अंतिम अरण्य : निर्मल वर्मा
(D) मय्यादास की माड़ी : मोहन राकेश

उत्तर- (C)/ व्याख्या *निम्नवत् सारणी में रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ संगत किया गया है-*

रचना	वर्ष	रचनाकार
विषाद मठ	1946	रांगेय राघव
विश्वबाहु परशुराम	1997	विश्वम्भर नाथ उपाध्याय
अन्तिम अरण्य	2000	निर्मल वर्मा
मय्यादास की माड़ी	1988	भीष्म साहनी

29. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म असंगत है?**
(A) तिरस्कृत : मोहनदास नैमिषराय
(B) अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान
(C) जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि
(D) हादसे : रमणिका गुप्ता

उत्तर- (A)/ व्याख्या *सभी आत्मकथाएँ है जिनका संगत युग्म निम्नवत् है-*

आत्मकथा	वर्ष	आत्मकथाकार
तिरस्कृत	2002	सूरजपाल चौहान
अन्या से अनन्या	2007	प्रभा खेतान
जूठन	1997	ओम प्रकाश वाल्मीकि
हादसे	2005	रमणिका गुप्ता
अपने-अपने पिंजरे	1995	मोहनदास नैमिषराय

30. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म संगत है?
(A) आह वेदना मिली विदाई : जयशंकर प्रसाद
(B) सखि वे मुझ से कहकर जाते : महादेवी वर्मा
(C) एक बार बस और नाच तू श्यामा : सुमित्रा नन्दन पंत
(D) दुःख सबको मांजता है : निराला

उत्तर- (A) व्याख्या *काव्य पंक्तियों एवं उनके रचनाकारों का संगत युग्म निम्नवत् है-*

पंक्ति	कवि
आह......मिली विदाई।	प्रसाद
सखि.....कहकर जाते।	मैथिलीशरण गुप्त
एक बार........तू श्यामा।	निराला
दुःख.........मांजता है।	अज्ञेय
जग जीवन में जो चिर महान।	पंत
तुमको पीड़ा में ढूढा, तुमको ढूँढेगी पीड़ा।	महादेवी वर्मा

31. प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम है-
(A) चित्रलेखा, संन्यासी, निर्मला, न आने वाला कल
(B) निर्मला, चित्रलेखा, संन्यासी, न आने वाला कल
(C) न आने वाला कल, चित्रलेखा, निर्मला, संन्यासी
(D) संन्यासी, चित्रलेखा, निर्मला, न आने वाला कल

उत्तर- (B)

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
निर्मला	1927	प्रेमचन्द
चित्रलेखा	1934	भगवती चरण वर्मा
संन्यासी	1941	इलाचन्द जोशी
न आने वाला कल	1968	मोहन राकेश

32. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है-
(A) मिठाईवाला, वापसी, यक्षगान, इन्दुमति
(B) वापसी, यक्षगान, मिठाईवाला, इन्दुमति
(C) इन्दुमति, मिठाईवाला, वापसी, यक्षगान
(D) यक्षगान, इन्दुमति, वापसी, मिठाईवाला

उत्तर- (C)

कहानी	कालक्रम	कहानीकार
इन्दुमती	1900 ई0	किशोरी लाल गोस्वामी
मिठाईवाला	1942	भगवती प्रसाद बाजपेयी
वापसी	1960	उषा प्रियंवदा
यक्षगान	1997	अखिलेश

33. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम क्या है?
(A) सुधा, रूपाभ, कृति, हिन्दी प्रदीप
(B) हिन्दी प्रदीप, सुधा, रूपाभ, कृति
(C) रूपाभ, कृति, हिन्दी प्रदीप, सुधा
(D) कृति, हिन्दी प्रदीप, सुधा, रूपाभ

उत्तर- (B)

पत्रिका	कालक्रम	सम्पादक
हिन्दी प्रदीप	1877 ई0	बालकृष्ण भट्ट
सुधा	1929 ई0	दुलारे लाल भार्गव
रूपाभ	1938	पंत
कृति	1958	नरेश मेहता

34. कालक्रम की दृष्टि से लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) कलंकी, बलराम की तीर्थयात्रा, अंधा कुंआ, मादा कैक्टस
(B) मादा कैक्टस, अंधा कुंआ, बलराम की तीर्थयात्रा, कलंकी
(C) कलंकी, मादा कैक्टस, अंधा कुंआ, बलराम की तीर्थयात्रा
(D) अंधा कुंआ, मादा कैक्टस, कलंकी, बलराम की तीर्थयात्रा

उत्तर- (D) व्याख्या *लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों का सही अनुक्रम निम्नवत् है-*

नाटक	वर्ष
अंधा कुँआ	1955
मादा कैक्टस	1959
कलंकी	1969
बलराम की तीर्थ यात्रा	1983

35. निम्नलिखित ग्रन्थों के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?
(A) बाणभट्ट की आत्मकथा, चारूचन्द्रलेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा
(B) अनामदास का पोथा, पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारूचन्द्रलेख
(C) पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, चारूचन्द्रलेख, बाणभट्ट की आत्मकथा
(D) चारूचन्द्रलेख, बाणभट्ट की आत्मकथा, अनामदास का पोथा, पुनर्नवा

उत्तर- (A) व्याख्या *हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का सही अनुक्रम निम्नवत् है-*

उपन्यास	वर्ष	पात्र
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946	बाणभट्ट
चारुचन्द्रलेख	1956	सातवाहन
पुनर्नवा	1973	गोपाल आर्यक
अनामदास का पोथा	1976	जाबाल

36. निम्नलिखित संस्थाओं की स्थापना का सही अनुक्रम क्या है?
(A) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा
(B) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, काशी नागरी प्रचारिणी सभा
(C) काशी नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय
(D) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा

उत्तर- (C)

संस्था	स्थापना वर्ष	स्थान
काशी नागरी प्रचारिणी सभा	1893 ई0	काशी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन	1910 ई0	प्रयाग (इला0)
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा	1927 ई0	चेन्नई
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय	1960 ई0	नई दिल्ली

37. इतिहास की दृष्टि से हिन्दी महाकाव्यों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) साकेत, लोकायतन, प्रियप्रवास, कामायनी
(B) प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत, लोकायतन
(C) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, लोकायतन
(D) लोकायतन, कामायनी, प्रियप्रवास, साकेत

उत्तर- (C)

महाकाव्य	वर्ष	रचयिता
प्रिय प्रवास	1914 ई0	हरिऔध
साकेत	1931 ई0	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1936 ई0	प्रसाद
लोकायतन	1964 ई0	पंत

38. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) का पूछहु तुम धातु, निछोही जो गुरू कीनि अंतरपट ओही — (i) अपभ्रंश
(b) ढोला मारिया ढिल्लि मह मुच्छिउ मेच्छ सरीर — (ii) ब्रज
(c) जो माँगहु सो देहुँ मनोहर यहै बात तेरी खोटी — (iii) गढ़वाली
(d) उसकी चोटी सटकाई लख नागिन अपनी केंचली छोंड सटक गई। — (iv) अवधी
(v) खड़ी बोली

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(v)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(C)	(i)	(iv)	(v)	(ii)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर- (B)

काव्यपंक्ति	भाषा
का पूछहु......ओही।	*अवधी*
ढोला मारिय.....मेच्छ सरीर।	*अपभ्रंश*
जो माँगहु.......तेरी खोटी।	*ब्रज*
उसकी चोटी......सटक गई।	*खड़ी बोली*
खाण नि मिली त आदमी चल न सक दो।	*गढ़वाली*

39. निम्नलिखित काव्य ग्रन्थों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) हित तरंगिणी — (i) रहीम
(b) प्रेमवाटिका — (ii) रसलीन
(c) मदनाष्टक — (iii) कृपाराम
(d) अंगदर्पण — (iv) रसखान
(v) बिहारी

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(v)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(v)
(D)	(ii)	(v)	(iii)	(i)

उत्तर- (A)

काव्यग्रन्थ	समय	रचनाकार
हित तरंगिणी	*1541 ई0*	*कृपाराम*
प्रेमवाटिका	*1614 ई0*	*रसखान*
मदनाष्टक		*रहीम*
अंगदर्पण	*1737 ई0*	*रसलीन*
बिहारी-सतसई	*1662 ई0*	*बिहारी*

40. निम्नलिखित बोलियों को उनके भौगोलिक क्षेत्र के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) हड़ौती — (i) उत्तराखण्ड
(b) बघेली — (ii) उत्तर प्रदेश
(c) गढ़वाली — (iii) राजस्थान
(d) कन्नौजी — (iv) मध्य प्रदेश
(v) हरियाणा

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(v)	(ii)

उत्तर- (C)

बोली	भौगोलिक क्षेत्र
हड़ौती	*राजस्थान*
बघेली	*मध्य प्रदेश*
गढ़वाली	*उत्तराखण्ड*
कन्नौजी	*उत्तर प्रदेश*
बंगारू	*हरियाणा*

41. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये :

(a) सजनि मधुर निजत्व दे कैसे मिलूं अभिमानिनी मैं — (i) जयशंकर प्रसाद
(b) प्रिय के हाथ लगाए जागी, ऐसी मैं तो गई अभागी — (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(c) तू अब तक सोई है आली, आंखों में भरे विहागरी — (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
(d) कौन तुम रूपसि कौन, व्योम से उतर रही चुपचाप — (iv) महादेवी वर्मा
(v) विद्यावती कोकिल

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(D)	(v)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर- (B)

काव्य पंक्ति	रचनाकार
सजनि मधुर.......अभिमानिनी मैं।	*महादेवी वर्मा*
प्रिय के हाथ....अभागी।	*निराला*
तू अब तक......विहागरी।	*प्रसाद*
कौन तुम.........चुपचाप।	*पंत*
कनक कदलि पर सिंह समारल ता पर मेरू समाने।	*विद्यापति*

42. इन कथनों के साथ उनके अलंकारों को सुमेलित कीजिये-

(a) वह आदमी नहीं हैवान है — (i) उत्प्रेक्षा
(b) वे तो मानों देवता हैं — (ii) रूपक
(c) कहीं यह उसकी चाल तो नहीं है — (iii) भ्रांतिमान
(d) आप तो साक्षात इन्द्र हैं — (iv) विरोधाभास
(v) अपन्हुति

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(C)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(D)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर- (D)

कथन	अलंकार
वह आदमी नहीं, हैवान है।	*अपन्हुति*
वे तो मानों देवता हैं।	*उत्प्रेक्षा*
कहीं यह उसकी चाल तो नहीं।	*भ्रान्तिमान*
आप तो साक्षात् इन्द्र हैं।	*रूपक*
मीठी लगे अँखियान लुनाई।	*विरोधाभास*

43. निम्नलिखित विधि के क्रिया रूपों को उनकी बोली के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) करो — (i) अपभ्रंश
(b) करहु — (ii) भोजपुरी
(c) करौ — (iii) अवधी
(d) करा — (iv) बंगारू
(v) ब्रज

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(B)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(D)	(i)	(v)	(ii)	(iii)

उत्तर- (A)

क्रिया रूप	बोली
करो	*बंगारू*
करहु	*अवधी*
करौ	*ब्रज*
करा	*भोजपुरी*
करि	*अपभ्रंश*

44. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे — (i) अज्ञेय
(b) सब ने अलग-अलग संगीत सुना — (ii) महादेवी
(c) नयन में जिसके जलद वह तृषिक चातक हूँ — (iii) निराला
(d) अशनि-पात से शायित उन्नत शत-शत वीर — (iv) मुक्तिबोध
(v) कुंवर नारायण

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(B)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(v)	(iv)	(i)

उत्तर- (C)

पंक्ति	लेखक
अब अभिव्यक्ति……ही होंगे।	*मुक्तिबोध*
सब ने………. संगीत सुना।	*अज्ञेय*
नयन में………चातक हूँ।	*महादेवी वर्मा*
अशनि पात…….शत-शत वीर।	*निराला*
अजीब वक्त है, बिना लड़े ही एक देश का देश स्वीकारता चला जाता तो अपनी ही तुच्छताओं के अधीन।	*कुंवर नारायण*

45. निम्नलिखित शब्दों को उनके समास के साथ सुमेलित कीजिये-

(a) वनवास — (i) कर्मधारय
(b) दान-पुण्य — (ii) अव्ययी भाव
(c) त्रिनेत्र — (iii) द्वन्द्व
(d) यथाविधि — (iv) बहुब्रीहि
(v) तत्पुरुष

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(B)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(v)

उत्तर- (B)

शब्द	समास-विग्रह	समास
वनवास	*वन में वास*	*तत्पुरुष*
दान-पुण्य	*दान और पुण्य*	*द्वन्द्व*
त्रिनेत्र	*तीन हैं नेत्र जिसके अर्थात शंकर*	*बहुब्रीहि*
यथाविधि	*विधि के अनुसार*	*अव्ययीभाव*
क्रोधाग्नि	*क्रोध रूपी अग्नि*	*कर्मधारय*

निर्देश (प्र.सं. 46 से 50 तक): निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित उत्तरों के लिये दिये गये बहु विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करें।

आरम्भ में मानवतावाद को शोषण और बंधन से मुक्त करने के महान और उदार आदर्शो से चालित हुआ था। तत्वचिंतकों और साहित्य मनीषियों के मन में इस आदर्श का रूप बहुत ही उदार था, पर व्यवहार में मनुष्य की उदारता केवल एक ही राष्ट्र के मनुष्यों की मुक्ति तक सीमित होकर रह गई। धीरे-धीरे राष्ट्रीयता नामक देवी का जन्म हुआ। यह एक हद तक प्रगतिशील विचारों की ही उपज थी। हमारे देश में भी नये जीवन-साहित्य के स्पर्श से नवीन जीवन-आदर्श जाग पड़े। मानवतावाद भी आया, दलितों, अधः पतितों और अपेक्षितों के प्रति सहानुभूति का भाव भी आया, और साथ-ही-साथ राष्ट्रीयता भी आई। पश्चिमी देशों में राष्ट्रीय भावना के बहुल प्रचार के एक राष्ट्र के भीतर सुविधाभोगी और सुविधा के जुटाने वाले दो वर्गों के व्यवधान को बढ़ाने में सहायता पहुँचाई। जिन लोगों के पास सम्पत्ति है और जिनके पास सम्पत्ति नहीं है, उनका अन्तर भयंकर होता गया। एक तरफ तो विषमता बढ़ती गयी और दूसरी तरफ राष्ट्रीयता की देवी युवावस्था की देहली पर पहुँच कर ऐसी ईर्ष्यालु रमणी साबित हुई, जो सारे परिवार को ही ले डूबती है। इन विकृत विचारों ने ठाँय-ठाँय दो महायुद्धों को भू-पृष्ठ पर उतार दिया। इस प्रकार मनुष्यता की महिमा भी विकृत रूप में भयंकर हो उठी।

46. मानवता के उदय का प्रेरणा स्रोत क्या था?

(A) मानवता को शोषण और बन्धन से मुक्त कराना
(B) मानव के लिये सुख-सुविधाएँ जुटाना
(C) मानवता को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट करना
(D) मनुष्य के मन में राष्ट्रीय भावना जगाना

उत्तर- (A) व्याख्या *मानवतावाद के उदय का मूल प्रेरणास्रोत था मानवता को शोषण और बन्धन से मुक्त कराना।*

47. राष्ट्रीयता का जन्म कैसे हुआ?

(A) जब आधुनिक युग में देश राष्ट्र का रूप लेने लगे।
(B) जब मानवता के स्थान पर राष्ट्रीयता का महत्त्व बढ़ गया।
(C) जब उदार मानवतावाद एक राष्ट्र की परिधि में सीमित हो गया।
(D) जब लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हो गयी।

उत्तर- (C) व्याख्या *जब उदार मानवतावाद एक राष्ट्र की परिधि में सीमित हो गया तब राष्ट्रीयता नामक देवी का जन्म हुआ।*

48. संकुचित राष्ट्रीय भावना का दुष्परिणाम क्या निकला?

(A) आन्तरिक कलह के कारण कई राष्ट्रों का बँटवारा होता गया
(B) राष्ट्रीयता ने मानवता की भावना को कुचल दिया।
(C) राष्ट्रों में, परस्पर श्रेष्ठता की होड़ लग गयी।
(D) मानवता, धनी और निर्धन दो वर्गो में बँट गयी।

उत्तर- (D) व्याख्या *संकुचित राष्ट्रीय भावना ने मानवता को धनी और निर्धन दो वर्गों में बाँट दिया। जिसका परिणाम भयंकर सिद्ध हुआ।*

49. मनुष्यता की महिमा किन कारणों से विकृत हो उठी?

(A) संकुचित राष्ट्रीय भावना और परिणामतः महायुद्ध।
(B) राष्ट्रों की अतिशय महत्वाकांक्षाएँ।
(C) मानव मूल्यों का ह्रास और राष्ट्रों का विघटन।
(D) मनुष्य के शोषण के प्रति बढ़ता हुआ रूझान।

उत्तर- (A) व्याख्या *संकुचित राष्ट्रीय भावना और उसके परिणाम स्वरूप दो महायुद्धों के कारण मनुष्यता की महिमा विकृत रूप धारण करके भयंकर हो उठी।*

50. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइये।

(A) मानवतावादी राष्ट्रीय भावना। (B) राष्ट्रीय भावना के विविध रूप।
(C) मानवता से राष्ट्रीयता की ओर। (D) राष्ट्रीयता से मानवता की ओर।

उत्तर- (C) व्याख्या *गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'मानवता से राष्ट्रीयता की ओर' है।*

व्याख्यात्मक हल — UGC NET/ J.R.F. EXAM

JUNE : 2007 — प्रश्न-पत्र II — हिन्दी

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती?

(A) अवधी (B) ब्रज (C) मैथिली (D) खड़ी बोली

उत्तर- (C)/ व्याख्या *अवधी उ0प्र0 के (फैजाबाद, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, गोंडा, प्रतापगढ़, इलाहाबाद) आदि जिलों में, ब्रजभाषा उत्तर प्रदेश के (मथुरा, आगरा, अलीगढ़, एटा) इत्यादि में तथा खड़ी बोली उत्तर प्रदेश के (मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर) इत्यादि क्षेत्रों में बोली जाती हैं। जबकि मैथिलि-बिहारी हिन्दी की बोली है और यह बिहार के (चम्पारन, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, भागलपुर, दरभंगा, पूर्णिया) इत्यादि जिलों में बोली जाती है।*

2. 'पुरानी हिन्दी' नामकरण किसने किया?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) इंशा अल्ला खाँ (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सर्वप्रथम चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने उत्तर अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' का नाम दिया। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'प्राकृताभास' हिन्दी तथा भोलाशंकर व्यास ने हिन्दी के आरम्भिक रूप को 'अवहट्ठ' कहा है।*

3. हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता कब मिली?

(A) 26 जनवरी, 1950 (B) 14 सितम्बर, 1949
(C) 15 अगस्त, 1947 (D) 14 सितम्बर, 1955

उत्तर- (B)/ व्याख्या *हिन्दी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर 1949 ई0 को मान्यता मिली थी। इसी तिथि को संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया गया था। 14 सितम्बर को ही प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाया जाता है।*

4. 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान है-

(A) दन्त्य (B) ओष्ठ्य (C) तालव्य (D) वर्त्स्य

उत्तर- (C)/ व्याख्या *वर्ण और उनके उच्चारण स्थान*

उच्चारण स्थान	वर्ण
कण्ठ या कण्ठव्य	क, ख, ग, घ, ङ, अ, आ, ह, विसर्ग (ः)
तालु या तालव्य	च, छ, ज, झ, ञ, इ, ई, य, श, ज्ञ
मूर्द्धा या मूर्द्धन्य	ट, ठ, ड, ढ, ण, ऋ, र, ष
दन्त या दन्तव्य	त, थ, द, ध, न, ऌ, ल, स
ओष्ठ या ओष्ठव्य	प, फ, ब, भ, म, उ, ऊ
दन्तोष्ठ	व, फ
कण्ठतालु	ए, ऐ
कण्ठ मूर्द्धा	क्ष
कण्ठ ओष्ठ	ओ, औ
तालु मूर्द्धा	श्र
दन्त मूर्द्धा	त्र
अनुनासिक, नासिका नासिक्य	ङ, ञ, ण, न, म, अनुस्वार (.)
दन्त तालव्य	ज़

5. किन रचनाकारों की भाषा को 'संधाभाषा' कहा गया?

(A) बौद्ध-सिद्ध (B) जैन मुनि
(C) सन्त कवि (D) रास परम्परा के कवि

उत्तर- (A)/ व्याख्या *बौद्ध-सिद्धों की भाषा को 'संध्या भाषा' कहा जाता है। यह नाम मुनिदत्त तथा अद्वयबज्र ने दिया है। अन्तः साधनात्मक भावनाओं को व्यक्त करने के कारण इनकी भाषा को संध्या भाषा कहा जाता है।*

6. कौन-सी कृति जायसी की है?

(A) मधुमालती (B) मृगावती
(C) कन्हावत (D) अनुराग बाँसुरी

उत्तर- (C)/

कृति	वर्ष	कृतिकार
मधुमालती	1545	मंझन
मृगावती	1503	कुतुबन
कन्हावत	–	जायसी
अनुराग बाँसुरी	1764	नूर मुहम्मद

7. हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल को सिद्ध-सामन्त काल किसने कहा?

(A) रामकुमार वर्मा (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) गणपतिचन्द्र गुप्त (D) मिश्र बन्धु

उत्तर- (B)/ व्याख्या *हिन्दी साहित्य के आरम्भिकाल या आदिकाल का नाम एवं नामकरण कर्ता निम्नवत् हैं-*

नाम	नामकरणकर्ता
सिद्ध-सामन्त-काल	राहुल सांकृत्यायन
सन्धि एवं चारण काल	रामकुमार वर्मा
आरम्भिक काल	मिश्र बन्धु
प्रारम्भिक काल	गणपति चन्द्र गुप्त
चारण काल	डॉ. ग्रियर्सन
वीरगाथाकाल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
बीजवपन काल	महावीर प्रसाद द्विवेदी

8. मध्वाचार्य किस सम्प्रदाय के संस्थापक हैं?

(A) द्वैत (B) अद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

उत्तर- (A)/

संस्थापक आचार्य	सम्प्रदाय/सिद्धान्त
द्वैतवाद	मध्वाचार्य
अद्वैतवाद	शंकराचार्य
शुद्धाद्वैतवाद	विष्णुस्वामी/वल्लभाचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	रामानुजाचार्य
द्वैताद्वैतवाद	निम्बार्काचार्य

9. तुलसीदास की किस रचना का सम्बन्ध ज्योतिष से है?

(A) रामलला नहछू (B) जानकी मंगल
(C) हनुमान बाहुक (D) रामाज्ञा प्रश्न

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ तुलसी की रचना एवं उनका सम्बन्ध-

रचना	विषयवस्तु
रामललानहछू	संस्कारों पर स्त्री गीत
जानकी मंगल	राम-सीता के विवाह का वर्णन
हनुमान बाहुक	बाहु पीड़ा से मुक्ति के लिये हनुमान जी की स्तुति की गयी है।
रामाज्ञा प्रश्न	यह ज्योतिष ग्रन्थ है।

10. **निम्नलिखित में से कौन-से रीतिसिद्ध कवि हैं?**
(A) देव (B) बिहारी (C) मतिराम (D) पद्माकर

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ मुख्यतः बिहारी की ही गणना रीतिसिद्ध कवियों में की जाती है।

रीतिबद्ध कवियों में चिन्तामणि, पद्माकर, देव, मतिराम इत्यादि कवि आते हैं। जबकि रीतिमुक्त कवियों में घनानन्द, आलम, ठाकुर, बोधा का नाम गिना जाता है।

11. **हिन्दी प्रदीप के सम्पादक थे-**
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) प्रेमघन (D) राधाकृष्ण दास

उत्तर- (B)/

पत्रिका	स्थापना वर्ष	संपादक
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट
कवि वचन सुधा	1867 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	प्रेमघन
सरस्वती	1900 ई.	राधा कृष्णदास सरस्वती के सम्पादन मण्डल में थे।

12. **'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' के रचनाकार हैं-**
(A) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (B) रामधारी सिंह दिनकर
(C) सुभद्रा कुमारी चौहान (D) जयशंकर प्रसाद

उत्तर- (D)/

कविता	रचनाकार
शेर सिंह का शस्त्र समर्पण	जयशंकर प्रसाद
राम की शक्ति पूजा	निराला
दिल्ली	दिनकर
झाँसी की रानी	सुभद्राकुमारी चौहान

13. **'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओं, जिससे उथल-पुथल मच जाए' किसकी पंक्ति है?**
(A) बालकृष्ण शर्मा नवीन (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर- (A)/

पंक्ति	पंक्तिकार
कवि कुछ -------- मच जाये।	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ पर तुम देना फेंक। मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ पर जावें वीर अनेक	माखनलाल चतुर्वेदी
सच्चा प्रेम वही है जिसकी तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर	रामनरेश त्रिपाठी
न हाथ एक शस्त्र हो, न हाथ एक अस्त्र हो, न अन्न वीर वस्त्र हों, हटो नहीं, डरो नहीं, बढ़े चलो, बढ़े चलो।	सोहन लाल द्विवेदी

14. **इनमें से कौन 'नकेनवादी' रचनाकार नहीं हैं?**
(A) नलिन विलोचन शर्मा (B) केसरी कुमार
(C) केदारनाथ सिंह (D) नरेश

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ नकेनवाद लगभग प्रयोगवाद के साथ चलने वाली काव्यधारा है। पर यह स्वतंत्र आन्दोलन के रूप में 1956 ई. में सामने आता है। इसका दूसरा नाम प्रपद्यवाद भी है। इसके संस्थापकों में तीन नाम प्रमुख हैं-

न → नलिन विलोचन शर्मा
के → केसरी कुमार
न → नरेश

जबकि केदारनाथ सिंह तीसरा सप्तक 1959 ई. में संकलित कवि हैं।

15. **'हरिजन गाथा' किसकी रचना है?**
(A) धूमिल (B) नागार्जुन
(C) लीलाधर जगूड़ी (D) आलोक धन्वा

उत्तर- (B)/

रचना	रचनाकार
हरिजन गाथा	नागार्जुन
मोचीराम	धूमिल
बची हुई पृथ्वी	लीलाधर जगूड़ी
दुनिया रोज बनती है	आलोक धन्वा

16. **इनमें से कौन-सी रचना कृष्णा सोबती की है?**
(A) विजन (B) आँवा
(C) जिन्दगीनामा (D) चितकोबरा

उत्तर- (C)/

रचनाप्रकाशन	वर्ष	रचनाकार
विजन	2002	मैत्रेयी पुष्पा
आवाँ	1999	चित्रा मुद्गल
जिन्दगीनामा	1979	कृष्णा सोवती
चितकोबरा	1979	मृदुला गर्ग

17. **'ताज महल का टेंडर' किसका नाटक है?**
(A) अजय शुक्ला (B) स्वदेश दीपक
(C) सुशील कुमार सिंह (D) विभुकुमार

उत्तर- (A)/

नाटक	वर्ष	नाटककार
ताज महल का टेंडर	1999	अजय शुक्ला
सबसे उदास कविता	1998	स्वदेश दीपक
सिंहासन खाली है	1974	सुशील कुमार सिंह
कहे ईसा सुने मूसा	1984	विभुकुमार

18. **अनुमितिवाद की अवधारणा किसकी है?**
(A) भट्टनायक (B) विश्वनाथ
(C) भट्ट लोल्लट (D) शंकुक

उत्तर- (D)/

अवधारणा	संस्थापक
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट
अनुमितिवाद	शंकुक
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्टनायक
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त

19. **अलंकारों को काव्य का शोभाकारक धर्म किसने माना?**
(A) भामह (B) दण्डी
(C) मम्मट (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ *'काव्य शोभाकरान् धर्मान पचक्षते' अर्थात् काव्य के शोभाकारक धर्म ही अलंकार है। यह कथन दण्डी का है। अलंकार सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक भामह हैं जबकि 'अनलंकृती पुनः क्वापि' कथन मम्मट का है। 'औचित्य' सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक क्षेमेन्द्र हैं।*

20. **भक्ति रस को रस के रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य हैं-**

(A) हित हरिवंश (B) जीव गोस्वामी
(C) वल्लभाचार्य (D) रूप गोस्वामी

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ *भक्ति को रस रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य रूप गोस्वामी एवं मधुसूदन सरस्वती दोनों हैं। पर रूप गोस्वामी मुख्य माने जाते हैं। रूप गोस्वामी ने अपनी कृति 'हरिभक्तिरसामृतसिन्धु' में मुख्य और गौण दो प्रकार का भक्ति रस माना है। इनके अनुसार भक्ति 'परमरसरूपा' है।*

21. **निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) कीर्तिलता, रामचरित मानस, रसराज, प्रिय-प्रवास
(B) प्रिय-प्रवास, रसराज, रामचरित मानस, कीर्तिलता
(C) रामचरित मानस, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रसराज
(D) रसराज, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रामचरित मानस

उत्तर- (A)

रचना	समय	रचनाकार
कीर्तिलता	*13वीं शती*	*विद्यापति*
रामचरितमानस	*1574 ई.*	*तुलसीदास*
रसराज	*1633-43 के बीच*	*मतिराम*
प्रिय-प्रवास	*1914 ई.*	*हरिऔध*

22. **निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) नए पत्ते, आंसू, ग्रंथि, ठंडा लोहा
(B) ठंडा लोहा, ग्रंथि, आंसू, नए पत्ते
(C) आंसू, ग्रंथि, नए पत्ते, ठंडा लोहा
(D) नए पत्ते, ठंडा लोहा, ग्रंथि, आंसू

उत्तर- (C)

कृति	समय	कृतिकार
ग्रन्थि	*1920 ई.*	*पंत*
आँसू	*1925 ई.*	*प्रसाद*
नये पत्ते	*1946 ई.*	*निराला*
ठण्डा लोहा	*1952 ई.*	*धर्मवीर भारती*

23. **निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) झूठा सच, राग-दरबारी, चन्द्रकांता, गोदान
(B) चन्द्रकांता, गोदान, झूठा-सच, राग दरबारी
(C) गोदान, राग दरबारी, झूठा-सच, चन्द्रकांता
(D) राग दरबारी, झूठा सच, चन्द्रकांता, गोदान

उत्तर- (B)

उपन्यास	समय	उपन्यासकार
चन्द्रकान्ता	*1888 ई.*	*देवकी नंदन खत्री*
गोदान	*1936 ई.*	*प्रेमचन्द*
झूठा सच (दो भाग)	*1958-60 ई.*	*यशपाल*
रागदरबारी	*1968 ई.*	*श्री लाल शुक्ल*

24. **निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) राम की लड़ाई, ध्रुवस्वामिनी, आधे-अधूरे, विद्या सुन्दर
(B) ध्रुवस्वामिनी, आधे-अधूरे, राम की लड़ाई, विद्या सुन्दर
(C) विद्या सुन्दर, राम की लड़ाई, आधे-अधूरे, ध्रुवस्वामिनी
(D) विद्या सुन्दर, ध्रुवस्वामिनी, आधू-अधूरे, राम की लड़ाई

उत्तर- (D)

नाटक	समय	नाटककार
विद्या सुन्दर	*1868 ई.*	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*
ध्रुवस्वामिनी	*1933 ई.*	*जयशंकर प्रसाद*
आधे-अधूरे	*1969 ई.*	*मोहन राकेश*
राम की लड़ाई	*1979 ई.*	*लक्ष्मी नारायण लाल*

25. **निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) पूर्वग्रह, कथादेश, मतवाला, हिन्दुस्तान
(B) हिन्दुस्तान, कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला
(C) मतवाला, हिन्दुस्तान, पूर्वग्रह, कथादेश
(D) कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला, हिन्दुस्तान

उत्तर- (C)

पत्रिका	समय	सम्पादक
मतवाला	*1923*	*निराला*
हिन्दुस्तान	*1936*	*शशि शेखर*
पूर्वग्रह	*1974*	*अशोक बाजपेयी*
कथादेश	*1997*	*हरिनारायण*

26. **निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) तिरिछ, शरणागत, तीसरी कसम, उसने कहा था।
(B) तीसरी कसम, तिरिछ, शरणागत, उसने कहा था।
(C) उसने कहा था, शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ।
(D) शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ, उसने कहा था।

उत्तर- (C)

कहानी	समय	कहानीकार
उसने कहा था	*1915 ई.*	*गुलेरी*
शरणागत	*1955 ई.*	*वृन्दावन लाल वर्मा*
तीसरी कसम	*1956 ई.*	*रेणु*
तिरिछ	*1989 ई.*	*उदय प्रकाश*

27. **निम्नलिखित निबन्धों का सही अनुक्रम क्या है?**

(A) चिन्तामणि, अशोक के फूल, छितवन की छांह, रस-आखेटक
(B) रस-आखेटक, अशोक के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि
(C) चिन्तामणि, रस-आखेटक, छितवन की छांह,अशोक के फूल
(D) अशोक के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि, रस-आखेटक

उत्तर- (A)

निबन्ध	समय	निबन्धकार
चिन्तामणि	*1939 ई.*	*रामचन्द्र शुक्ल*
अशोक के फूल	*1948 ई.*	*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
छितवन की छाँह	*1953 ई.*	*विद्यानिवास मिश्र*
रस-आखेटक	*1970 ई.*	*कुबेरनाथ राय*

28. **निम्नलिखित का सही अनुक्रम कौन-सा है?**

(A) अस्तित्ववाद, संरचनावाद, यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद
(B) यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद
(C) मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद
(D) संरचनावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद

उत्तर- (D)

वाद	प्रवर्तक	समय
संरचनावाद	विको	1725 ई.
यथार्थवाद	वाल्जाक (फ्रांस) जार्ज एलिएट (ब्रिटेन) हॉवेल (अमेरिका)	19वीं शती
अस्तित्ववाद	कीर्केगार्द	1813-55 ई.
मनोविश्लेषणवाद/ फ्रायडवाद	सिगमंड फ्रायड	1856-1939 ई.

29. निम्नलिखित रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची - I	सूची - II
a. रेखाएं बोल उठी	i. महादेवी वर्मा
b. अतीत के चलचित्र	ii. रामकुमार वर्मा
c. जिन्दगी मुसकायी	iii. देवेन्द्र सत्यार्थी
d. मील का पत्थर	iv. श्री लाल शुक्ल
	v. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

कूटः

	a	b	c	d
(a)	ii	v	i	iv
(b)	iii	ii	v	iv
(c)	v	iv	i	iii
(d)	iii	i	v	ii

उत्तर- (D)

रचना	रचनाकार
रेखायें बोल उठी	देवेन्द्र सत्यार्थी
अतीत के चलचित्र	महादेवी वर्मा
जिन्दगी मुसकायी	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
मील का पत्थर	रामकुमार वर्मा
अगली शताब्दी का शहर	श्री लाल शुक्ल

30. इन साहित्येतिहास ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची- I	सूची - II
a. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास	i. रामकुमार वर्मा
b. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	ii. गणपतिचन्द्र गुप्त
c. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	iii. रामस्वरूप चतुर्वेदी
d. हिन्दी साहित्य की संवेदना का विकास	iv. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
	v. बच्चन सिंह

कूटः

	a	b	c	d
(a)	v	ii	i	iii
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iii	i	v	ii
(d)	i	iv	iii	ii

उत्तर- (A)

इतिहास ग्रन्थ	लेखक
हिन्दी साहित्य का नया इतिहास	बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपति चन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दुई साहित्य का इतिहास (अनुवादित)	लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

31. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक	i. दिनकर
b. सांप तुम सभ्य तो हुए नहीं	ii. धूमिल
c. एक आदमी रोटी बेलता है	iii. निराला
d. श्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं	iv. नागार्जुन
	v. अज्ञेय

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iv	v	i	ii
(b)	v	i	iv	iii
(c)	iii	v	ii	i
(d)	i	ii	v	iii

उत्तर- (C)

काव्य पंक्ति	कवि
पेट पीठ --------- हैं एक।	निराला
साँप ---------- हुए नहीं।	अज्ञेय
एक आदमी रोटी बेलता है।	धूमिल
श्वानों ---------- अकुलाते हैं।	दिनकर
कई दिनों तक चूल्हा रोया चक्की रही उदास।	नागार्जुन

32. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. अति सूधो सनेह को मारग है	i. पद्माकर
b. साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि	ii. भिखारी दास
c. गुलगुली गिल में गलीचा है गुनीजन हैं	iii. भूषण
d. आगे के कवि रीझिहैं तो कविताई न तो राधिका कन्हाई सुमिरन कौं बहानौ है	iv. बोधा
	v. घनानन्द

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iv	i	iii	v
(b)	v	iii	iv	i
(c)	ii	v	i	iii
(d)	v	iii	i	ii

उत्तर- (D)

काव्यपंक्ति	कवि
अति सूधो ---------- मारग है।	घनानन्द
सजि चतुरंग -------- तुरंग चढ़ि।	भूषण
गुलगुली ----------- गुनीजन हैं।	पदमाकर
आगे के कवि -------- बहानौ है।	भिखारीदास
आपको सराहैं ताहि आपहू सराहिये।	बोधा

33. इन रचनाओं को उनकी काव्य भाषा के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. विजयपाल रासो	i. हिन्दवी
b. चर्यागीत	ii. अपभ्रंश
c. कीर्तिलता	iii. संधाभाषा
d. खुसरों की पहेलियाँ	iv. मैथिली
	v. ब्रजभाषा

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iii	v	iv	i
(b)	iv	i	iii	ii
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iii	v	i	iv

उत्तर- (C)

रचना	भाषा	रचनाकार
विजयपालरासो	अपभ्रंश	नल्लसिंह
चर्यागीत	संधाभाषा	-
पदावली	मैथिली	विद्यापति
खुसरों की पहेलियाँ	हिन्दवी	खुसरो
कीर्तिलता	अवहट्ठ	विद्यापति

34. इन संस्थाओं को उनके स्थानों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. नागरी प्रचारिणी सभा	i. दिल्ली
b. साहित्य अकादमी	ii. मद्रास
c. एशियाटिक सोसायटी	iii. काशी

d. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति — iv. कलकत्ता
v. वर्धा

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iv	v	i	ii
(b)	i	iii	v	iv
(c)	iii	ii	iv	v
(d)	iii	i	iv	v

उत्तर- (D)

संस्था	स्थापना वर्ष	स्थान
नागरी प्रचारिणी सभा	1893 ई.	काशी
साहित्य अकादमी	1954 ई.	दिल्ली
एशियाटिक सोसायटी	1784 ई.	कलकत्ता
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	1936 ई.	वर्धा
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार संस्था	1915 ई.	मद्रास

35. इन नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. कोमल गांधार	i. भीष्म साहनी
b. मुक्ति का रहस्य	ii. सुरेन्द्र वर्मा
c. करफ्यू	iii. लक्ष्मीनारायण मिश्र
d. माधवी	iv. शंकर शेष
	v. लक्ष्मीनारायण लाल

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iv	iii	v	i
(b)	ii	v	i	iii
(c)	iv	ii	v	i
(d)	i	iii	ii	v

उत्तर- (A)

नाटक	समय	नाटककार
कोमल गांधार	1982	शंकर शेष
मुक्ति का रहस्य	1932	लक्ष्मी नारायण मिश्र
करफ्यू	1972	लक्ष्मी नारायण लाल
माधवी	1955	भीष्म साहनी
आठवाँ सर्ग	1976	सुरेन्द्र वर्मा

36. इन चरित्र को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. सुन्दरी	i. चन्द्रगुप्त
b. कल्याणी	ii. देहान्तर
c. उर्वी	iii. शकुन्तला की अंगूठी
d. कनक	iv. लहरों के राजहंस
	v. पहला राजा

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iv	i	v	iii
(b)	iii	ii	i	v
(c)	v	i	iii	ii
(d)	i	iv	v	iii

उत्तर- (A)

पात्र	नाटक	नाटककार
सुन्दरी	लहरों के राजहंस	मोहन राकेश
कल्याणी	चन्द्रगुप्त	प्रसाद
उर्वी	पहला राजा	जगदीश चन्द्र माथुर
कनक	शकुन्तला की अँगूठी	सुरेन्द्र वर्मा
शर्मिष्ठा	देहान्तर	नन्द किशोर आचार्य

37. इन कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I	सूची - II
a. परिवर्तन	i. अज्ञेय
b. यमुना के प्रति	ii. पंत
c. पेशोला की प्रतिध्वनि	iii. निराला
d. सोन मछली	iv. धर्मवीर भारती
	v. प्रसाद

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iii	iv	i	v
(b)	iii	v	ii	i
(c)	ii	iii	v	i
(d)	v	ii	i	iii

उत्तर- (C)

कविता	कवि
परिवर्तन	पंत
यमुना के प्रति	निराला
पेशोला की प्रतिध्वनि	प्रसाद
सोन मछली	अज्ञेय
प्रमथ्युगाथा	धर्मवीर भारती

38. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची- I	सूची - II
a. पहल	i. कमला प्रसाद
b. वसुधा	ii. नन्दकिशोर नवल
c. तद्भव	iii. ज्ञान रंजन
d. कथाक्रम	iv. अखिलेश
	v. शैलेन्द्र सागर

कूटः

	a	b	c	d
(a)	i	ii	iii	v
(b)	iii	i	iv	v
(c)	v	ii	i	iii
(d)	iii	i	v	ii

उत्तर- (B)

पत्रिका	स्थापना वर्ष	सम्पादक
पहल	1960	ज्ञानरंजन
वसुधा	1953	कमलाप्रसाद
तद्भव	1999	अखिलेश
कथाक्रम	2000	शैलेन्द्र सागर
कसौटी	1999	नन्द किशोर नवल

निर्देश (प्र.सं.39 से 45 तक): दी गई स्थापनाओं और तर्कों को ध्यानपूर्वक पढ़े और बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

39. स्थापना (A) : मिथक सामूहिक जीवन का संचित अनुभव है।
तर्क (R) : क्योंकि इसे सामाजिक स्तर पर विश्वास का व्यापक आधार प्राप्त होता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर- (C) व्याख्या *लोक प्रचलित पौराणिक कथायें ही मिथक हैं। मिथक सामूहिक जीवन अर्थात् समाज का संचित अनुभव होता है। मिथक का सामाजिक स्तर पर विश्वास का व्यापक आधार होता है। क्योंकि यह पौराणिक कथाओं का आधार लेकर धर्म से जुड़ा होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

40. स्थापना (A) : उत्तर आधुनिकता के अनुसार तकनीक मनुष्यता की शत्रु है।
तर्क (R) : क्योंकि इससे मानव की नैसर्गिकता समाप्त हो गई और उसका अपनी प्रकृति से अलगाव हो गया।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *उत्तर आधुनिक विमर्श के केन्द्र में प्रौद्योगिकी (तकनीकी) और उपभोगवाद (बाजारवाद) है। यह तकनीकी मनुष्य की शत्रु हो गयी है और बाजारवाद ने मनुष्य को एक संसाधन बना दिया है। इससे मानव नैसर्गिकता का अन्त हो रहा है और वह प्रकृति से अलग हो रहा है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

41. स्थापना (A) : 'संसार में मनुष्य जाति के बीच कविता हृदय के भावों को लेकर ही उठी है।'- यह धारणा आज तक चली आ रही है।
तर्क (R) : क्योंकि कविता का सम्बन्ध कल्पना से है, यथार्थ से नहीं।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनो सही (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *संसार में कविता का उद्‌गम मनुष्य हृदय में उत्पन्न हुये भावों से ही माना जाता है। कविता का सम्बन्ध कल्पना और यथार्थ दोनों से है। अतः कथन (A) सही है और (R) गलत है।*

42. स्थापना (A) : काव्य की आत्मा रस है और गुण रस के धर्म हैं।
तर्क (R) : क्योंकि गुण रस के उपकारक हैं।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनो गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर- (B)/ व्याख्या *काव्य की आत्मा रस है। इस सन्दर्भ में आचार्य विश्वनाथ भी कहते हैं 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' अर्थात् रसात्मक वाक्य ही काव्य है। रस के धर्म निर्वहण करने वाले तत्त्व को गुण कहा जाता है। गुण को रस का उपकारक भी माना जाता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।*

43. स्थापना (A) : खण्ड काव्य में जीवन का खण्ड-चित्र प्रस्तुत किया जाता है।
तर्क (R) : इसलिये यह चरित काव्य का एक विशेष भेद है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *खण्ड काव्य में किसी भी महान या प्रसिद्ध व्यक्ति के जीवन का एक खण्ड (भाग, हिस्सा) प्रस्तुत किया जाता है तथा उसके जीवन में घटित होने वाली किसी एक घटना को चित्रित किया जाता है। क्योंकि यह उसके चरित्र-चित्रण से सम्बन्धित होता है इसलिये चरित काव्य का एक भेद माना जाता है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

44. स्थापना (A) : जिस नायिका के शरीर में नव यौवन का प्रवेश हो रहा हो, उसे मुग्धा नायिका कहते हैं और उसमें लज्जा भाव बड़ा प्रबल होता है।
तर्क (R) : इसी कारण उसे परकीया नायिका की कोटि में गिना जाता है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) गलत (R) अंशतः सही

उत्तर- (A)/ व्याख्या *नव यौवनायुक्त नायिका या 16-18 वर्ष की नायिका को मुग्धा नायिका कहा जाता है। ऐसी नायिका में लज्जा की अधिकता होती है। मात्र इसी कारण उस नायिका को परकीया नहीं कहा जा सकता। अतः कथन (A) सही और (R) गलत है।*

45. स्थापना (A) : रूपक में कार्यावस्था एवं अर्थप्रकृति को मिलाने वाला तत्त्व संधि है।
तर्क (R) : क्योंकि कथांशों का सम्बन्ध एक ओर अर्थप्रकृति से होता है तो दूसरी ओर कार्यवस्था से।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर- (D)/ व्याख्या *नाटक या रूपक के कथा-विन्यास के तीन आधार होते हैं-*
1. कार्यावस्था- *कार्य की सिद्धि के लिये नायक सन्दर्भित घटनाएँ 'कार्यावस्था' हैं।*
2. अर्थप्रकृति- *नाटक या रूपक में फल प्रयोजन की सिद्धि के लिये मिलकर व्यापार करने वाली घटनायें 'अर्थप्रकृति' कहलाती हैं।*
3. संधि- *एक प्रयोजन की कथावस्तु को दूसरे प्रयोजन की कथावस्तु के अंश से सम्बन्धित करने की कला 'संधि' कहलाती है। अतः कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।*

निर्देश (प्र.सं.46 से 50 तक): निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

शील हृदय की वह स्थायी स्थिति है जो सदाचार की प्रेरणा आप से आप करती है। सदाचार ज्ञान द्वारा प्रवर्तित हुआ है या भक्ति द्वारा, इसका पता यों लग सकता है कि ज्ञान द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका साधन बड़े कष्ट से हृदय को पत्थर के नीचे दबा कर दिया जायेगा, पर भक्ति द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका अनुष्ठान बड़े आनन्द से, बड़ी उमंग के साथ, हृदय से होता हुआ दिखाई देगा। उसमें मन को मारना न होगा, उसे और सजीव करना होगा। कर्त्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्दपूर्वक हर्षपुलक के साथ हो।

46. सदाचार किन से प्रवर्तित होता है?
(A) प्रेम और भक्ति द्वारा (B) भक्ति और धर्म द्वारा
(C) धार्मिक भावना द्वारा (D) ज्ञान और भक्ति द्वारा

उत्तर- (D)/ व्याख्या *सदाचार ज्ञान और भक्ति के द्वारा प्रवर्तित होता है।*

47. भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान कैसे होता है?
(A) आनन्द से और हृदय से (B) कष्ट से किन्तु हृदय से
(C) ज्ञान और हृदय से (D) भक्ति और ज्ञान से

उत्तर- (A)/ व्याख्या *भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान बड़े आनन्द से तथा बड़ी उमंग के साथ हृदय से होता हुआ दिखाई देता है।*

48. ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कैसे लगता है?
(A) हृदय को साथ लेकर (B) कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर
(C) प्रेमपूर्वक हृदय को दबाकर (D) बुद्धि के प्रयोग द्वारा

उत्तर- (B)/ व्याख्या *ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर किया जाता है।*

49. कर्त्तव्य और शील का कौन-सा आचरण सच्चा है?
(A) जो ज्ञान और बुद्धि से युक्त हो
(B) जो हृदय और बुद्धि से युक्त हो
(C) जो आनन्द और हर्ष से युक्त हो
(D) जो कर्त्तव्य ज्ञान से युक्त हो

उत्तर- (C)/ व्याख्या *कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्द और हर्ष से युक्त हो।*

50. हृदय की वह कौन-सी स्थायी दशा है जो सदाचार को प्रेरित करती है?
(A) प्रेम दशा (B) शील दशा (C) ज्ञान दशा (D) भक्ति दशा

उत्तर- (B)/ व्याख्या *शील हृदय की वह स्थायी दशा है जो सदाचार को आप से आप ही प्रेरित करती है।*